ऊँ गं गणपतये नमः

शुभ 卐 लाभ

जन्मपत्रिका

Sample

Astroinsight
Delhi NCR
www.astroinsight.in
E-mail : support@astroinsight.in

सूचना

ज्योतिष एक विज्ञान है जिसके अंतर्गत ग्रहों का मानव जीवन पर पड़ने वाले प्रभावों का अध्ययन किया जाता है। इसके प्रभावों की भविष्यवाणी करने हेतु ग्रहों की स्थिति एवं इसके बल की गणना की जाती हैं। जन्मपत्रिकाओं की गणना अति सटीक है जिसमें बिल्कुल सही रेखांश प्रयुक्त हुए हैं। सामान्य तौर पर इसमें चित्रापक्षीय अयनांश का प्रयोग किया जाता है जबतक कि आप दूसरे अयनांश का विकल्प न मांगें।

कम्प्यूटर जन्मपत्रिकाएं मुख्य रूप से पाराशरी पद्धति पर आधारित है। हालांकि इसमें ताजिक पद्धति, जैमिनी पद्धति, कृष्णमूर्ति पद्धति, प्रश्नशास्त्र एवं पाश्चात्य पद्धतियों का भी ज्योतिषीय गणना में मिश्रण किया गया है। फलादेश मुख्य रूप से विभिन्न प्राचीन शास्त्रों जैसे बृहत् पराशर, होराशास्त्र, मानसागरी, सारावली, जातकभरणम, बृहत् जातक, फलदीपिका, जातक पारिजात के अनुरूप, साथ ही अपने अनुभवों का भी समावेश करके बनाया गया है। फिर भी, ज्योतिष का मार्गदर्शन लेकर हम अपने भविष्य का संकेत मात्र प्राप्त कर सकते हैं। सिर्फ सृष्टि के निर्माता ब्रह्मा ही यह भविष्यवाणी कर सकते हैं कि आनेवाले समय में क्या घटित होगा?

यह जन्मपत्रिका जन्म तिथि, जन्म समय एवं जन्म स्थान पर आधारित है जो कि जातक ने हमें उपलब्ध कराया है। अतः आंकड़ों की सटीकता से संबंधित हमारी कोई जिम्मेवारी नहीं है। ज्योतिषीय गणना एवं फलादेश जातक द्वारा उपलब्ध कराए गए विवरण के ऊपर आधारित है। जन्मपत्रिका में दिए गए फलादेश जातक के लिए सिर्फ संकेत मात्र है जिस पर जातक को सावधानीपूर्वक अमल करना चाहिए न कि हूबहू जैसा फलादेश में कहा गया है, बिना सोचे समझे उसे अपने जीवन में लागू करने की कोशिश करनी चाहिए। जन्मपत्रिका के विभिन्न पृष्ठों में दी गयी सूचनाएं किसी भी प्रकार के विवाद अथवा वैधानिक कार्यवाही के लिए उपयुक्त नहीं है। अतः जातक की स्वयं की कार्यवाही से उत्पन्न हुए किसी भी क्षति के लिए हम उत्तरदायी नहीं है।

लिंग	पुल्लिंग
जन्म तिथि	**31/03/1980**
दिन	सोमवार
जन्म समय	**15:58:21 घंटे**
इष्ट	24:24:11 घटी
स्थान	**Delhi**
देश	India

अक्षांश	28:39:00 उत्तर
रेखांश	77:13:00 पूर्व
मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
स्थानिक संस्कार	-00:21:08 घंटे
ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
स्थानिक समय	15:37:13 घंटे
वेलान्तर	-00:04:10 घंटे
साम्पातिक काल	04:13:01 घंटे
सूर्योदय	06:12:40 घंटे
सूर्यास्त	18:38:25 घंटे
दिनमान	12:25:45 घंटे
सूर्य स्थिति(अयन)	उत्तरायण
सूर्य स्थिति(गोल)	उत्तर
ऋतु	वसन्त
सूर्य के अंश	17:17:01 मीन
लग्न के अंश	12:57:16 सिंह

अवकहड़ा चक्र

लग्न–लग्नाधिपति	सिंह – सूर्य
राशि–स्वामी	**कन्या – बुध**
नक्षत्र–चरण	**हस्त – 2**
नक्षत्र स्वामी	चन्द्र
योग	ध्रुव
करण	बव
गण	देव
योनि	महिष
नाड़ी	आद्य
वर्ण	वैश्य
वश्य	मानव
वर्ग	मेष
युँजा	मध्य
हंसक	भूमि
जन्म नामाक्षर	ष–षडबली
पाया(राशि–नक्षत्र)	रजत – रजत
सूर्य राशि(पाश्चात्य)	मेष

पंचांग

दादा का नाम _____:
पिता का नाम _____:
माता का नाम _____:
जाति _____:
गोत्र _____:

कैलेंडर	वर्ष	मास	तिथि/प्रविष्टे
राष्ट्रीय	शक : 1902	चैत्र	11
पंजाबी	संवत : 2036	चैत्र	19
बंगाली	सन् : 1386	चैत्र	17
तमिल	संवत : 2036	पंगुनी	18
केरल	कोल्लम : 1155	मीनम	18
नेपाली	संवत : 2036	चैत्र	18
चैत्रादि	संवत : 2037	चैत्र	शुक्ल 15
कार्तिकादि	संवत : 2037	चैत्र	शुक्ल 15

पंचांग

सूर्योदय कालीन तिथि ____: 15
तिथि समाप्ति काल _____: 20:43:51
जन्म तिथि _____: 15
सूर्योदय कालीन नक्षत्र ____: हस्त
नक्षत्र समाप्ति काल _____: 08:33:27 घंटे
जन्म योग _____: हस्त
सूर्योदय कालीन योग ____: ध्रुव
योग समाप्ति काल _____: 30:08:16 घंटे
जन्म योग _____: ध्रुव
सूर्योदय कालीन करण ____: विष्टि
करण समाप्ति काल _____: 07:28:15 घंटे
जन्म करण _____: बव
भयात _____: 25:59:30
भभोग _____: 67:27:16
भोग्य दशा काल _____: चंद्र 6 वर्ष 1 मा 25 दि

घात चक्र

मास _____: भाद्रपद
तिथि _____: 5-10-15
दिन _____: शनिवार
नक्षत्र _____: श्रवण
योग _____: शुक्ल
करण _____: कौलव
प्रहर _____: 1
वर्ग _____: श्वान
लग्न _____: मीन
सूर्य _____: मेष
चन्द्र _____: मिथुन
मंगल _____: वृष
बुध _____: मीन
गुरु _____: मिथुन
शुक्र _____: कर्क
शनि _____: मीन
राहु _____: सिंह

जन्म कुण्डली

लग्न कुंडली

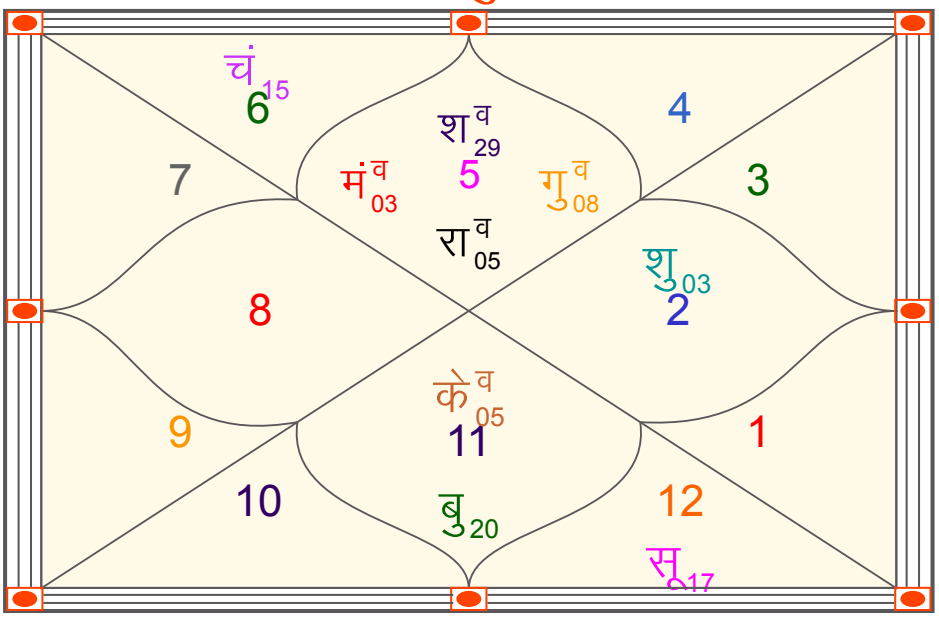

चन्द्र कुंडली

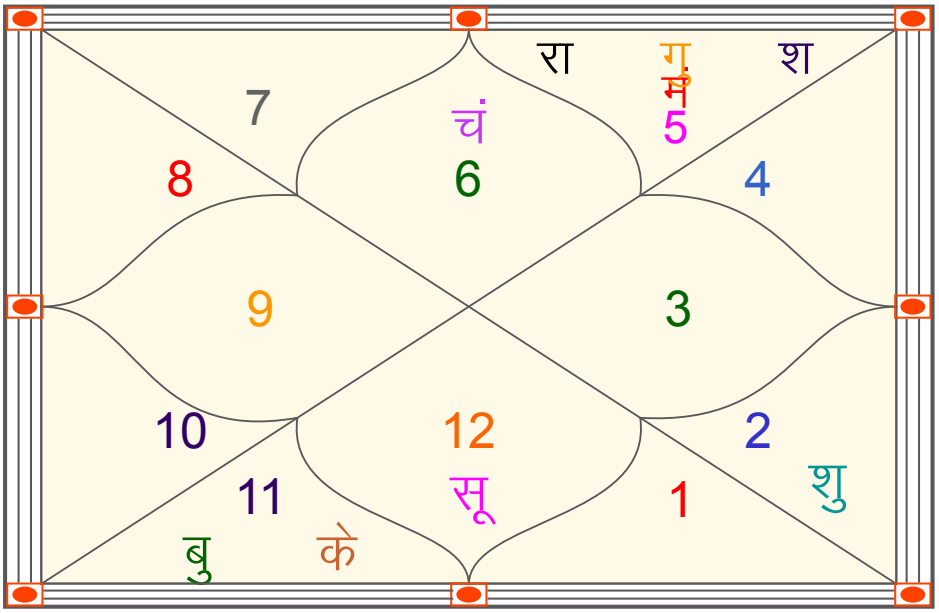

लग्न कुण्डली और दशा

लग्न कुंडली

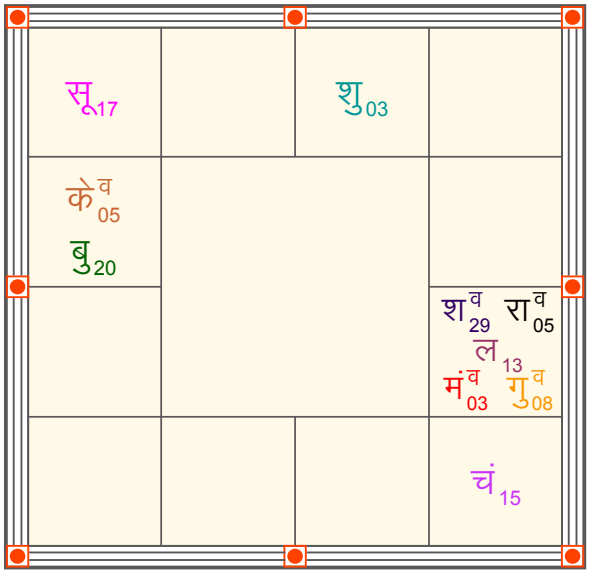

लग्न कुंडली

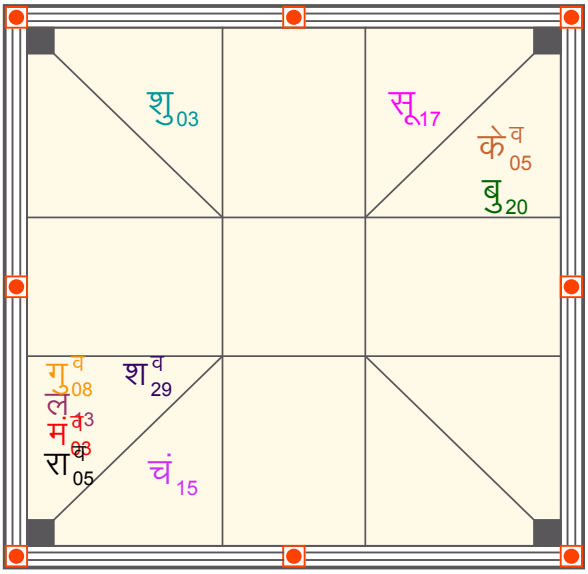

विंशोत्तरी
चन्द्र 6वर्ष 1मा 25दि

चन्द्र	
31/03/1980	
26/05/2096	
चन्द्र	27/05/1986
मंगल	27/05/1993
राहु	27/05/2011
गुरु	27/05/2027
शनि	27/05/2046
बुध	27/05/2063
केतु	27/05/2070
शुक्र	27/05/2090
सूर्य	26/05/2096

योगिनी
संकटा 4वर्ष 11मा 2दि

धान्या	
03/03/2024	
04/03/2027	
धान्या	02/06/2024
भ्रामरी	02/10/2024
भद्रिका	03/03/2025
उल्का	02/09/2025
सिद्धा	03/04/2026
संकटा	02/12/2026
मंगला	02/01/2027
पिंगला	04/03/2027

ग्रह स्पष्ट तथा उनकी स्थिति

ग्रह	व	अ	राशि	अंश	गति	नक्षत्र	पद	नं.	रा	न	अं.	स्थिति
लग्न			सिंह	12:57:16	314:13:19	मघा	4	10	सूर्य	केतु	बुध	———
सूर्य			मीन	17:17:01	00:59:12	रेवती	1	27	गुरु	बुध	बुध	मित्र राशि
चंद्र			कन्या	15:07:43	11:51:02	हस्त	2	13	बुध	चंद्र	गुरु	मित्र राशि
मंगल	व		सिंह	02:30:37	00:04:27	मघा	1	10	सूर्य	केतु	शुक्र	मित्र राशि
बुध			कुंभ	19:37:08	00:52:53	शतभिषा	4	24	शनि	राहु	मंगल	सम राशि
गुरु	व		सिंह	07:41:28	00:04:39	मघा	3	10	सूर्य	केतु	गुरु	मित्र राशि
शुक्र			वृष	03:01:01	01:00:59	कृतिका	2	3	शुक्र	सूर्य	शनि	स्वराशि
शनि	व		सिंह	28:44:03	00:04:22	उ०फाल्गुनी	1	12	सूर्य	सूर्य	मंगल	शत्रु राशि
राहु	व		सिंह	05:07:22	00:06:38	मघा	2	10	सूर्य	केतु	मंगल	शत्रु राशि
केतु	व		कुंभ	05:07:22	00:06:38	धनिष्ठा	4	23	शनि	मंगल	सूर्य	शत्रु राशि
हर्ष	व		वृश्चि	01:34:26	00:01:32	विशाखा	4	16	मंगल	गुरु	राहु	———
नेप	व		वृश्चि	29:05:06	00:00:13	ज्येष्ठा	4	18	मंगल	बुध	शनि	———
प्लूटो	व		कन्या	27:05:27	00:01:39	चित्रा	2	14	बुध	मंगल	गुरु	———
दशम भाव			वृष	11:36:28	--	रोहिणी	--	4	शुक्र	चंद्र	मंगल	--

व – वक्री स – स्थिर
अ – अस्त पू – पूर्ण अस्त
राहु : स्पष्ट
चित्रपक्षीय अयनांश : 23:34:42

लग्न–चलित

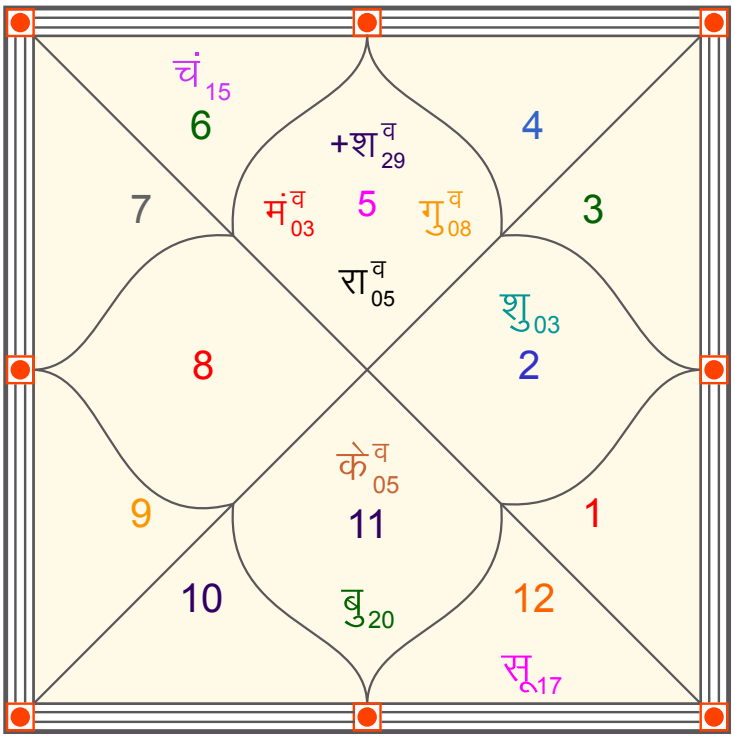

चन्द्र कुंडली

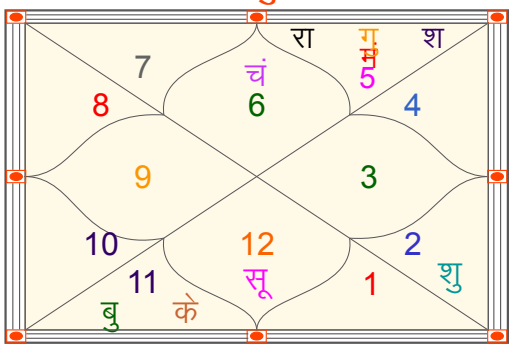

नवमांश कुंडली

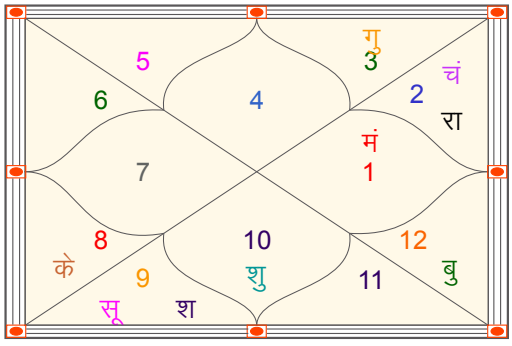

चलित तथा निरयण भाव चलित

चलित अंश

भाव	भाव संधि		भाव मध्य	
1	कर्क	27:43:48	सिंह	12:57:16
2	सिंह	27:43:48	कन्या	12:30:20
3	कन्या	27:16:52	तुला	12:03:24
4	तुला	26:49:56	वृश्चिक	11:36:28
5	वृश्चिक	26:49:56	धनु	12:03:24
6	धनु	27:16:52	मकर	12:30:20
7	मकर	27:43:48	कुम्भ	12:57:16
8	कुम्भ	27:43:48	मीन	12:30:20
9	मीन	27:16:52	मेष	12:03:24
10	मेष	26:49:56	वृष	11:36:28
11	वृष	26:49:56	मिथुन	12:03:24
12	मिथुन	27:16:52	कर्क	12:30:20

निरयण भाव चलित

भाव	राशि	अंश
1	सिंह	12:57:16
2	कन्या	09:29:02
3	तुला	09:33:47
4	वृश्चिक	11:36:28
5	धनु	13:33:55
6	मकर	14:12:43
7	कुम्भ	12:57:16
8	मीन	09:29:02
9	मेष	09:33:47
10	वृष	11:36:28
11	मिथुन	13:33:55
12	कर्क	14:12:43

तारा चक्र

जन्म	सम्पत	विपत	क्षेम	प्रत्यारि	साधक	वध	मित्र	अतिमित्र
हस्त	चित्रा	स्वाति	विशाखा	अनुराधा	ज्येष्ठा	मूल	पूर्वाषाढ़ा	उत्तराषाढ़ा
श्रवण	धनिष्ठा	शतभिषा	पू०भाद्रपद	उ०भाद्रपद	रेवती	अश्विनी	भरणी	कृतिका
रोहिणी	मृगशिरा	आर्द्रा	पुनर्वसु	पुष्य	आश्लेषा	मघा	पू०फाल्गुनी	उ०फाल्गुनी

चलित कुंडली

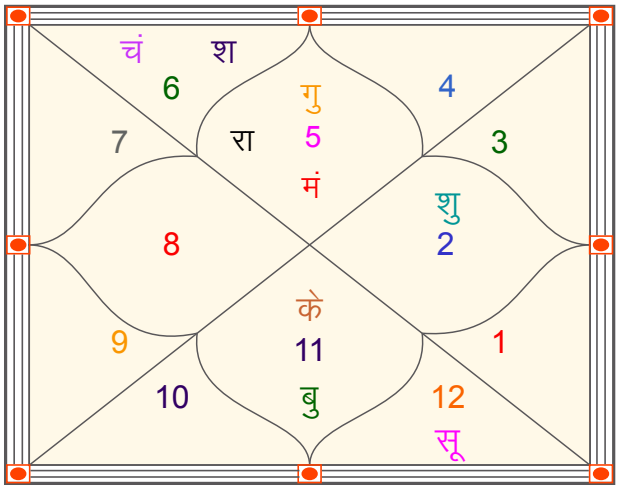

भाव कुंडली

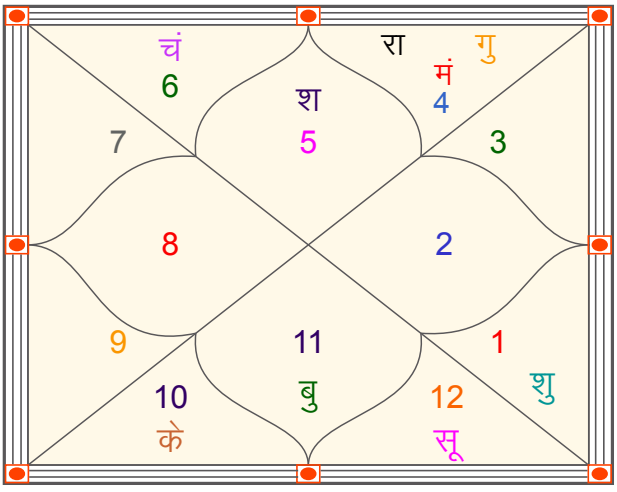

कारक,अवस्था,रश्मि

ग्रह	——— कारक ———		——— अवस्था ———				
	चर	स्थिर	बालादि	दीप्तादि	शयनादि	रश्मि	ग्रह बल
सूर्य	भ्रातृ	पितृ	युवा	मुदित	निद्रा	8.74	54 %
चंद्र	मातृ	मातृ	युवा	मुदित	प्रकाश	2.39	75 %
मंगल	कलत्र	भ्रातृ	बाल	मुदित	निद्रा	0.13	53 %
बुध	अमात्य	ज्ञाति	वृद्ध	शान्त	आगमन	0.35	54 %
गुरु	पुत्र	धन	कुमार	मुदित	निद्रा	5.73	69 %
शुक्र	ज्ञाति	कलत्र	मृत	स्वस्थ	निद्रा	9.60	69 %
शनि	आत्मा	आयु	मृत	खल	आगमन	1.43	70 %
राहु	———	ज्ञान	बाल	खल	नृत्यलिप्सा	0.00	51 %
केतु	———	मोक्ष	बाल	खल	निद्रा	0.00	51 %
कुल						**28.37**	

तारा चक्र

जन्म	सम्पत	विपत	क्षेम	प्रत्यारि	साधक	वध	मित्र	अतिमित्र
हस्त	चित्रा	स्वाति	विशाखा	अनुराधा	ज्येष्ठा	मूल	पूर्वाषाढ़ा	उत्तराषाढ़ा
श्रवण	धनिष्ठा	शतभिषा	पू०भाद्रपद	उ०भाद्रपद	रेवती	अश्विनी	भरणी	कृतिका
रोहिणी	मृगशिरा	आर्द्रा	पुनर्वसु	पुष्य	आश्लेषा	मघा	पू०फाल्गुनी	उ०फाल्गुनी

चलित कुंडली

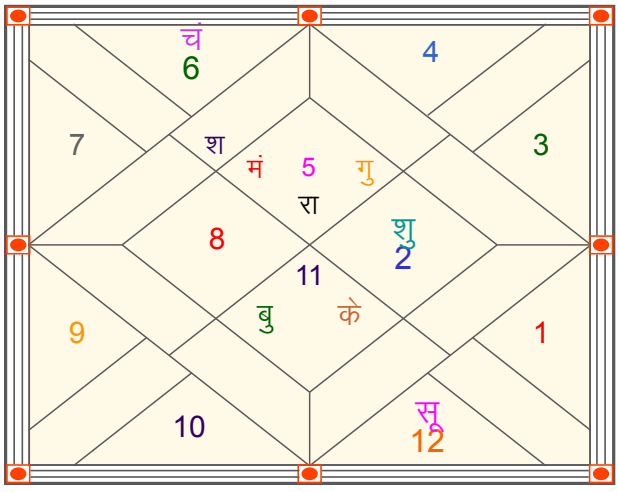

लग्न–चलित

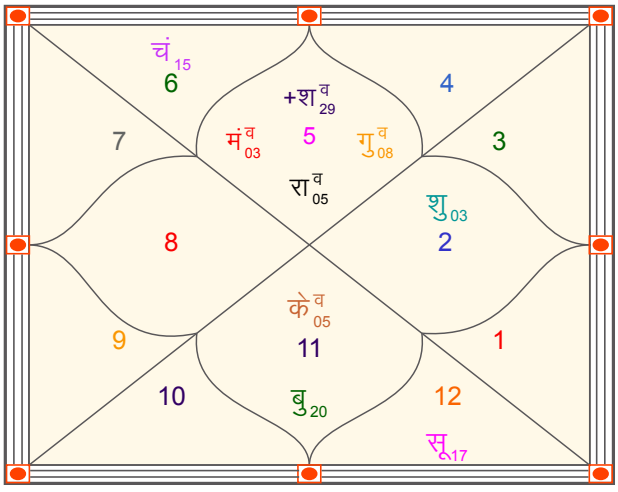

सुदर्शन चक्र

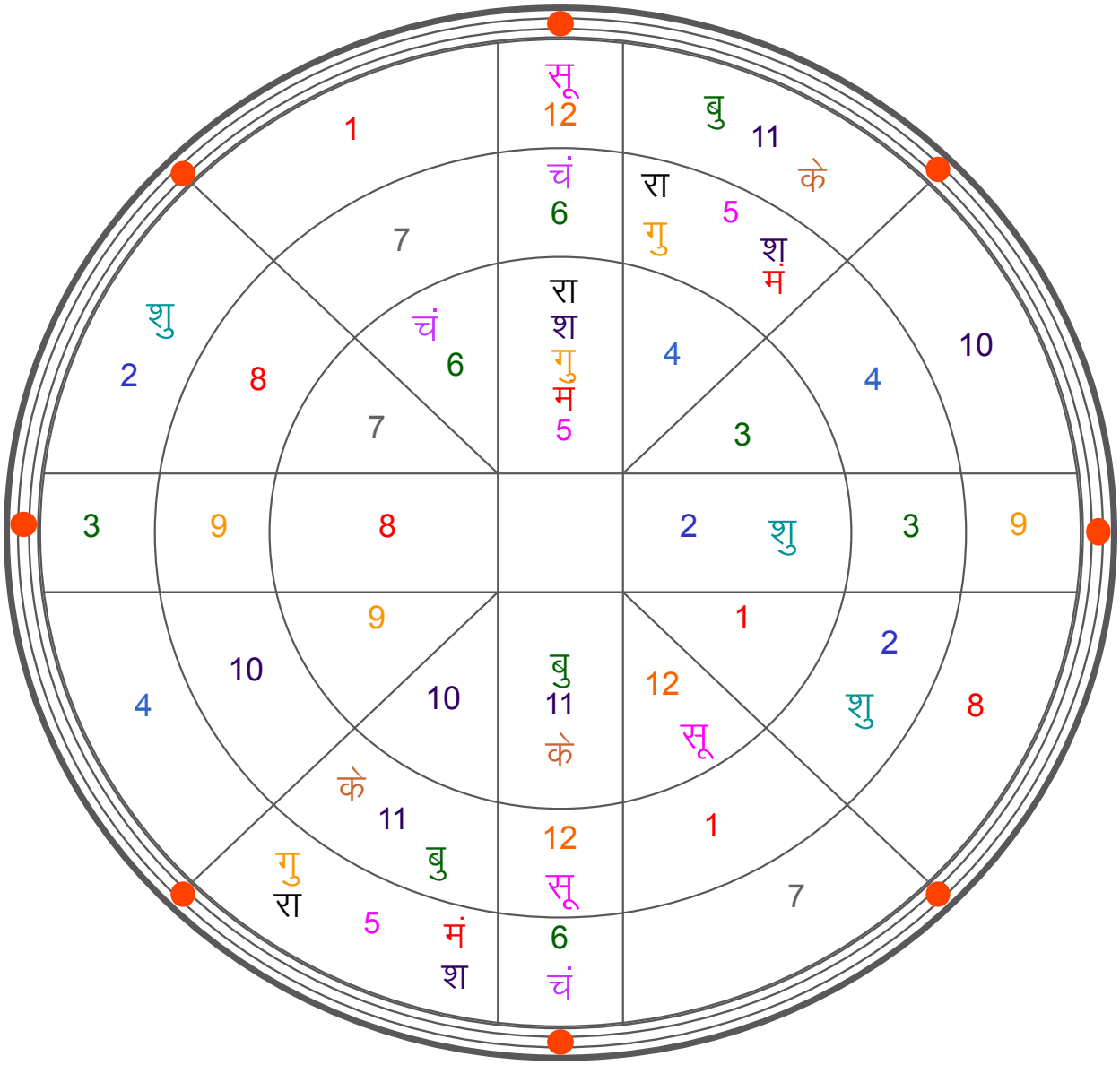

नोटः सुदर्शन चक्र क्रमानुसार बाहरी वृत से अन्तः वृत तक सूर्य, चन्द्र एवं जन्मांग कुंडलियों में ग्रहों की तुलनात्मक स्थिति दर्शाता है। किसी भाव का विचार करने के लिए उस भाव को प्रकट करने वाली तीनों राशियों का विचार करना चाहिए।

कृष्णमूर्ति पद्धति

भोग्य दशा काल : चन्द्र 6 वर्ष 0 मास 28 दिन

ग्रह

ग्रह	व	राशि	अंश	रा	न	अं.	प्र.
सूर्य		मीन	17:23:01	गुरु	बुध	बुध	सूर्य
चंद्र		कन्या	15:13:42	बुध	चंद्र	गुरु	चंद्र
मंगल	व	सिंह	02:36:36	सूर्य	केतु	शुक्र	बुध
बुध		कुंभ	19:43:07	शनि	राहु	मंगल	बुध
गुरु	व	सिंह	07:47:27	सूर्य	केतु	गुरु	गुरु
शुक्र		वृष	03:07:01	शुक्र	सूर्य	शनि	शनि
शनि	व	सिंह	28:50:03	सूर्य	सूर्य	मंगल	बुध
राहु	व	सिंह	05:13:22	सूर्य	केतु	मंगल	बुध
केतु	व	कुंभ	05:13:22	शनि	मंगल	सूर्य	शनि
हर्ष	व	वृश्चि	01:40:25	मंगल	गुरु	राहु	गुरु
नेप	व	वृश्चि	29:11:06	मंगल	बुध	शनि	चंद्र
प्लूटो	व	कन्या	27:11:26	बुध	मंगल	गुरु	शुक्र

निरयण भाव

भाव	राशि	अंश	रा	न	अं.	प्र.
1	सिंह	13:03:16	सूर्य	केतु	बुध	शनि
2	कन्या	09:35:01	बुध	सूर्य	शुक्र	बुध
3	तुला	09:39:46	शुक्र	राहु	गुरु	शुक्र
4	वृश्चि	11:42:27	मंगल	शनि	चंद्र	बुध
5	धनु	13:39:55	गुरु	शुक्र	शुक्र	शुक्र
6	मक	14:18:43	शनि	चंद्र	गुरु	शनि
7	कुंभ	13:03:16	शनि	राहु	बुध	शुक्र
8	मीन	09:35:01	गुरु	शनि	शुक्र	शनि
9	मेष	09:39:46	मंगल	केतु	शनि	शनि
10	वृष	11:42:27	शुक्र	चंद्र	मंगल	शुक्र
11	मिथु	13:39:55	बुध	राहु	बुध	राहु
12	कर्क	14:18:43	चंद्र	शनि	राहु	शुक्र

के.पी. अयनांश : 23:28:43

फॉरच्युना : कुम्भ 10:53:57

लग्न कुंडली

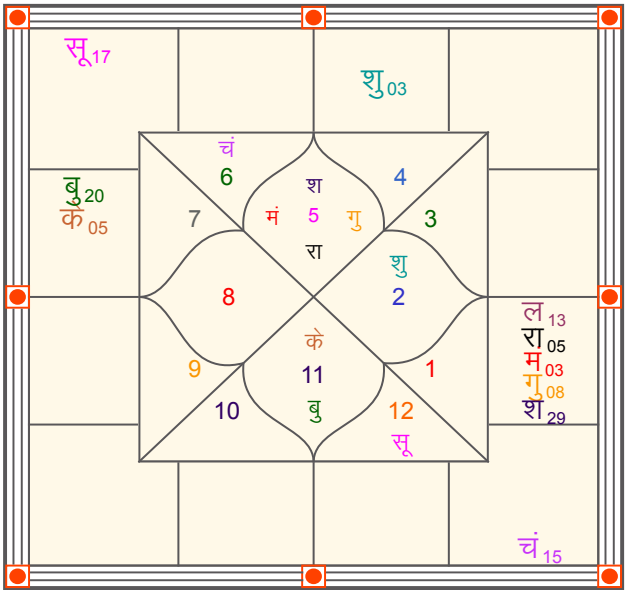

भाव कुंडली

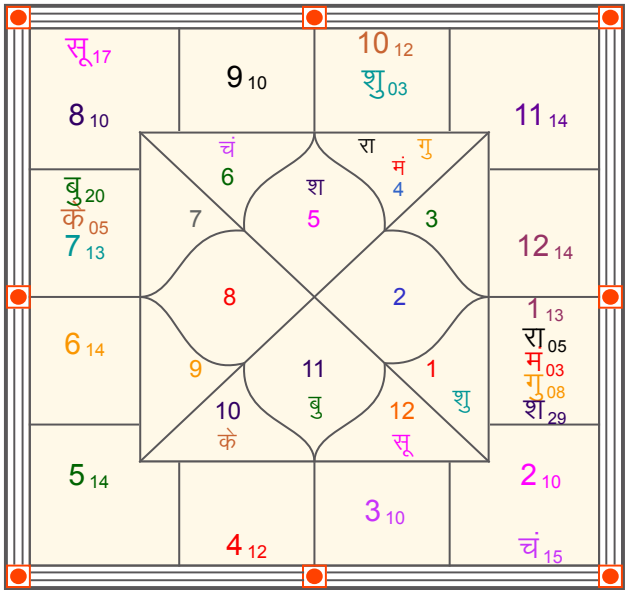

कारकत्व एवं स्वामित्व

भाव कारक

भाव	ग्रह
1	सूर्य– शुक्र– शनि+
2	सूर्य– चंद्र+ बुध–
3	शुक्र–
4	मंगल– केतु–
5	गुरु–
6	मंगल, गुरु, शनि– राहु, केतु,
7	सूर्य, बुध, शनि–
8	सूर्य, गुरु– शुक्र, शनि,
9	मंगल– शुक्र, केतु–
10	शुक्र–
11	सूर्य– बुध–
12	चंद्र, मंगल, बुध, गुरु, राहु, केतु,

ग्रह कारकत्व

ग्रह	भाव
सूर्य	1- 2- 7, 8, 11-
चंद्र	2+ 12,
मंगल	4- 6, 9- 12,
बुध	2- 7, 11- 12,
गुरु	5- 6, 8- 12,
शुक्र	1- 3- 8, 9, 10-
शनि	1+ 6- 7- 8,
राहु	6, 12,
केतु	4- 6, 9- 12,

स्वामित्व

लग्न नक्षत्र स्वामी	केतु
लग्न राशि स्वामी	सूर्य
राशि नक्षत्र स्वामी	चन्द्र
राशि स्वामी	बुध
वार स्वामी	चन्द्र
लग्न अन्तर स्वामी	बुध
राशि अन्तर स्वामी	गुरु

कारकत्व–सारिणी

भाव	स्थित ग्रह के नक्षत्र में	स्थित ग्रह	स्वामी के नक्षत्र में	स्वामी
1	--	श	शु श	सू
2	चं	चं	सू	बु
3	--	--	--	शु
4	--	--	के	मं
5	--	--	--	गु
6	मं गु रा	के	--	श
7	सू	बु	--	श
8	शु श	सू	--	गु
9	--	शु	के	मं
10	--	--	--	शु
11	--	--	सू	बु
12	बु के	मं गु रा	चं	चं

ग्रह कारक सारिणी–1

ग्रह	भावाधिपति	नक्षत्राधिपति	स्थित	भाव
सूर्य	1	2	मीन	8
चंद्र	12	6,10	कन्या	2
मंगल	4,9	---	सिंह	12
बुध	2,11	---	कुम्भ	7
गुरु	5,8	---	सिंह	12
शुक्र	3,10	5	वृष	9
शनि	6,7	4,8,12	सिंह	1
राहु	---	3,7,11	सिंह	12
केतु	---	1,9	कुम्भ	6

ग्रह कारक सारिणी–2

ग्रह	भावाधि भाव	नक्षत्राधि भाव	स्थित भाव	स्वामित्व	अन्तर स्वामी	स्थित भाव
सूर्य	2,11	---	7	2,11	---	7
चंद्र	12	6,10	2	5,8	---	12
मंगल	---	1,9	6	3,10	5	9
बुध	---	3,7,11	12	4,9	---	12
गुरु	---	1,9	6	5,8	---	12
शुक्र	1	2	8	6,7	4,8,12	1
शनि	1	2	8	4,9	---	12
राहु	---	1,9	6	4,9	---	12
केतु	4,9	---	12	1	2	8

ग्रह दृष्टि विचार

दृष्य ग्रह

	सूर्य	चंद्र	मंगल	बुध	गुरु	शुक्र	शनि	राहु	केतु	हर्ष	नेप	प्लूटो
	347.28	165.13	122.51	319.62	127.69	33.02	148.73	125.12	305.12	211.57	239.09	177.09
सूर्य	––	सप्त	अष्टां	––	––	अष्ट	––	––	––	––	––	सप्त
347.28	0.00	9.75	0.94	0.00	0.00	0.41	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	5.17
चंद्र	सप्त	––	––	––	––	––	––	––	––	––	––	युति
165.13	9.75	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	3.13
मंगल	8वां	––	––	8वां	युति	––	––	युति	सप्त	4था	पंच	तृती
122.51	0.24	0.00	0.00	2.19	8.56	0.00	0.00	9.63	9.63	9.95	1.87	0.45
बुध	––	––	––	––	सप्त	––	सप्त	सप्त	युति	––	––	––
319.62	0.00	0.00	0.00	0.00	3.16	0.00	5.78	0.53	0.53	0.00	0.00	0.00
गुरु	––	––	युति	सप्त	––	––	––	युति	सप्त	––	5वां	––
127.69	0.00	0.00	8.56	3.16	0.00	0.00	0.00	9.64	9.64	0.00	6.21	0.00
शुक्र	––	––	चतु	––	चतु	––	पंच	चतु	––	सप्त	––	––
33.02	0.00	0.00	2.97	0.00	1.02	0.00	1.30	2.56	0.00	9.89	0.00	0.00
शनि	––	––	––	सप्त	––	––	––	––	––	3रा	चतु	––
148.73	0.00	0.00	0.00	5.78	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	9.56	2.99	0.00
राहु	––	नवां	युति	सप्त	युति	––	––	––	सप्त	चतु	––	––
125.12	0.00	1.00	9.63	0.53	9.64	0.00	0.00	0.00	10.00	1.80	0.00	0.00
केतु	––	––	सप्त	युति	सप्त	चतु	––	सप्त	––	––	––	––
305.12	0.00	0.00	9.63	0.53	9.64	2.56	0.00	10.00	0.00	0.00	0.00	0.00
हर्ष	अष्टां	––	––	––	––	सप्त	––	––	चतु	––	––	––
211.57	0.44	0.00	0.00	0.00	0.00	9.89	0.00	0.00	1.80	0.00	0.00	0.00
नेप	––	––	––	––	––	––	––	––	––	––	––	––
239.09	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00
प्लूटो	सप्त	युति	––	––	––	––	––	––	––	––	तृती	––
177.09	5.17	3.13	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	2.60	0.00

1. उपरोक्त गणना के लिए निम्नलिखित दृष्टियां एवं मान लिए गए हैं :

संक्षिप्त – दृष्टि	अंश	कालांश	अंक	संक्षिप्त – दृष्टि	अंश	कालांश	अंक
युति – युति	0	15	10	सप्त – सप्तम	180	15	10
पंच – पंचम	120	6	3	चतु – चतुर्थ	90	6	3
तृती – तृतीय	60	6	3	अष्ट – अष्टमांश	45	1	1
नवां – नवमांश	40	1	1	पंचा – पंचमांश	72	1	1
अष्टां – अष्टचतुर्थांश	135	1	1	षष्ठ – षष्ठ	150	1	1

विशेष दृष्टियां – मंगल की चतुर्थ एवं अष्टम, बृहस्पति की पंचम एवं नवम तथा शनि की तृतीय एवं दशम दृष्टि के कालांश 15 तथा अंक 10 माने गये हैं।

2. उपरोक्त तालिका दृष्टि एवं अंक दर्शाती हैं। अंको की गणना ग्रह की दृष्टि बिंदु से दूरी को लेकर कोज्या सूत्र के आधार पर की गई है।

भाव मध्य दृष्टि विचार

दृष्य भाव

	1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11	12
	132.95	162.51	192.06	221.61	252.06	282.51	312.95	342.51	12.06	41.61	72.06	102.51
सूर्य	––	सप्त	––	––	––	––	––	युति	––	तृती	चतु	पंच
347.28	0.00	8.77	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	8.77	0.00	0.25	0.60	0.94
चंद्र	––	––	––	तृती	चतु	पंच	––	सप्त	––	––	––	––
165.13	0.00	0.00	0.00	1.81	2.08	2.32	0.00	9.63	0.00	0.00	0.00	0.00
मंगल	युति	नवां	––	4था	––	––	सप्त	8वां	––	––	––	––
122.51	4.59	1.00	0.00	5.79	0.00	0.00	4.59	5.00	0.00	0.00	0.00	0.00
बुध	सप्त	––	––	––	––	––	युति	––	––	––	––	––
319.62	7.66	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	7.66	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00
गुरु	युति	––	तृती	चतु	––	––	सप्त	––	9वां	––	––	––
127.69	8.52	0.00	1.24	1.56	0.00	0.00	8.52	0.00	8.97	0.00	0.00	0.00
शुक्र	––	––	––	सप्त	––	––	––	––	––	युति	नवां	––
33.02	0.00	0.00	0.00	6.22	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	6.22	0.06	0.00
शनि	––	युति	––	3रा	––	––	––	सप्त	––	––	10वा	––
148.73	0.00	1.28	0.00	2.21	0.00	0.00	0.00	1.28	0.00	0.00	1.75	0.00
राहु	युति	––	––	––	––	––	सप्त	––	––	––	––	––
125.12	6.82	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	6.82	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00
केतु	सप्त	––	––	––	––	––	युति	––	––	––	––	––
305.12	6.82	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	6.82	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00
हर्ष	––	––	––	युति	नवां	––	––	––	––	––	––	––
211.57	0.00	0.00	0.00	4.97	0.73	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00
नेप	––	––	––	––	युति	––	––	––	––	––	––	––
239.09	0.00	0.00	0.00	0.00	2.11	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00
प्लूटो	––	युति	युति	अष्ट	––	––	अष्टां	सप्त	सप्त	––	––	––
177.09	0.00	0.43	0.04	0.73	0.00	0.00	0.21	0.43	0.04	0.00	0.00	0.00

1. उपरोक्त गणना के लिए निम्नलिखित दृष्टियां एवं मान लिए गए हैं :

संक्षिप्त – दृष्टि	अंश	कालांश	अंक	संक्षिप्त – दृष्टि	अंश	कालांश	अंक
युति – युति	0	15	10	सप्त – सप्तम	180	15	10
पंच – पंचम	120	6	3	चतु – चतुर्थ	90	6	3
तृती – तृतीय	60	6	3	अष्ट – अष्टमांश	45	1	1
नवां – नवमांश	40	1	1	पंचा – पंचमांश	72	1	1
अष्टां – अष्टचतुर्थांश	135	1	1	षष्ठ – षष्ठ	150	1	1

विशेष दृष्टियां – मंगल की चतुर्थ एवं अष्टम, बृहस्पति की पंचम एवं नवम तथा शनि की तृतीय एवं दशम दृष्टि के कालांश 15 तथा अंक 10 माने गये हैं।

2. उपरोक्त तालिका दृष्टि एवं अंक दर्शाती हैं। अंको की गणना ग्रह की दृष्टि बिंदु से दूरी को लेकर कोज्या सूत्र के आधार पर की गई है।

भाव दृष्टि विचार

दृष्य भाव

	1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11	12
	132.95	159.48	189.56	221.61	253.57	284.21	312.95	339.48	9.56	41.61	73.57	104.21
सूर्य	––	सप्त	––	––	––	––	––	युति	––	तृती	चतु	पंच
347.28	0.00	6.85	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	6.85	0.00	0.25	1.69	2.08
चंद्र	––	––	––	तृती	चतु	पंच	––	सप्त	––	––	––	––
165.13	0.00	0.00	0.00	1.81	2.75	2.91	0.00	8.30	0.00	0.00	0.00	0.00
मंगल	युति	––	––	4था	––	––	सप्त	8वां	––	––	––	––
122.51	4.59	0.00	0.00	5.79	0.00	0.00	4.59	7.45	0.00	0.00	0.00	0.00
बुध	सप्त	––	––	––	––	––	युति	––	––	––	––	––
319.62	7.66	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	7.66	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00
गुरु	युति	––	तृती	चतु	––	––	सप्त	––	9वां	––	––	––
127.69	8.52	0.00	2.65	1.56	0.00	0.00	8.52	0.00	9.81	0.00	0.00	0.00
शुक्र	––	––	––	सप्त	––	––	––	––	––	युति	नवां	पंचा
33.02	0.00	0.00	0.00	6.22	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	6.22	0.65	0.30
शनि	––	युति	नवां	3रा	––	अष्टां	––	सप्त	––	––	10वा	––
148.73	0.00	4.31	0.27	2.21	0.00	0.73	0.00	4.31	0.00	0.00	0.18	0.00
राहु	युति	––	तृती	––	––	––	सप्त	––	––	––	––	––
125.12	6.82	0.00	1.19	0.00	0.00	0.00	6.82	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00
केतु	सप्त	––	––	––	––	––	युति	––	––	––	––	––
305.12	6.82	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	6.82	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00
हर्ष	––	––	––	युति	––	पंचा	––	––	––	––	––	––
211.57	0.00	0.00	0.00	4.97	0.00	0.54	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00
नेप	––	––	––	––	युति	अष्ट	––	––	––	––	––	––
239.09	0.00	0.00	0.00	0.00	0.54	0.98	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00
प्लूटो	––	––	युति	अष्ट	––	––	अष्टां	––	सप्त	––	––	––
177.09	0.00	0.00	2.62	0.73	0.00	0.00	0.21	0.00	2.62	0.00	0.00	0.00

1. उपरोक्त गणना के लिए निम्नलिखित दृष्टियां एवं मान लिए गए हैं :

संक्षिप्त – दृष्टि	अंश	कालांश	अंक	संक्षिप्त – दृष्टि	अंश	कालांश	अंक
युति – युति	0	15	10	सप्त – सप्तम	180	15	10
पंच – पंचम	120	6	3	चतु – चतुर्थ	90	6	3
तृती – तृतीय	60	6	3	अष्ट – अष्टमांश	45	1	1
नवां – नवमांश	40	1	1	पंचा – पंचमांश	72	1	1
अष्टां – अष्टचतुर्थांश	135	1	1	षष्ठ – षष्ठ	150	1	1

विशेष दृष्टियां – मंगल की चतुर्थ एवं अष्टम, बृहस्पति की पंचम एवं नवम तथा शनि की तृतीय एवं दशम दृष्टि के कालांश 15 तथा अंक 10 माने गये हैं।

2. उपरोक्त तालिका दृष्टि एवं अंक दर्शाती हैं। अंको की गणना ग्रह की दृष्टि बिंदु से दूरी को लेकर कोज्या सूत्र के आधार पर की गई है।

षोडशवर्ग चक्र

वर्गीय कुंडलियां लग्न कुंडली का विस्तार होती हैं। प्रत्येक कुंडली का एक विशेष लक्ष्य होता है, जैसा कि निम्न कुंडलियों के साथ वर्णन किया गया है। विस्तृत रूप से यह जानने के लिए कि ये कुंडलियां कौन से विषय का प्रतिनिधित्व करती हैं, इनका अध्ययन मूल लग्न कुंडली के साथ किया जाना चाहिए। बहरहाल, ये कुंडलियां विशेष सावधानी से देखी जानी चाहिएं, क्योंकि यहां ग्रहों की दृष्टि नहीं होती। सामान्यतः ग्रह का आचरण उस राशि या भाव तक सीमित रहता है जिनमें वे इन वर्गीय कुंडलियों में स्थित हैं।

सूर्य कुंडली

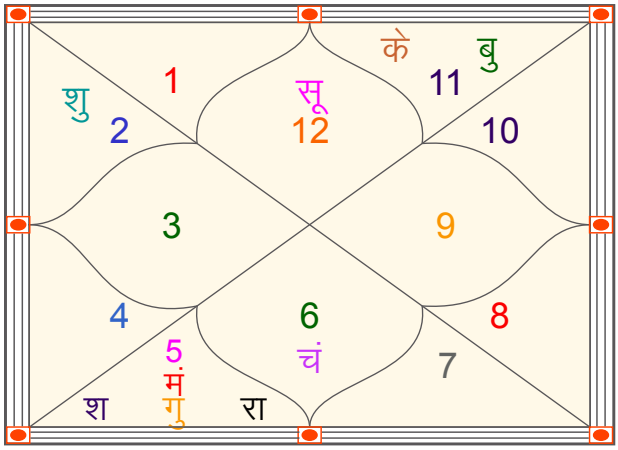

आत्मविचारः

चन्द्र कुंडली

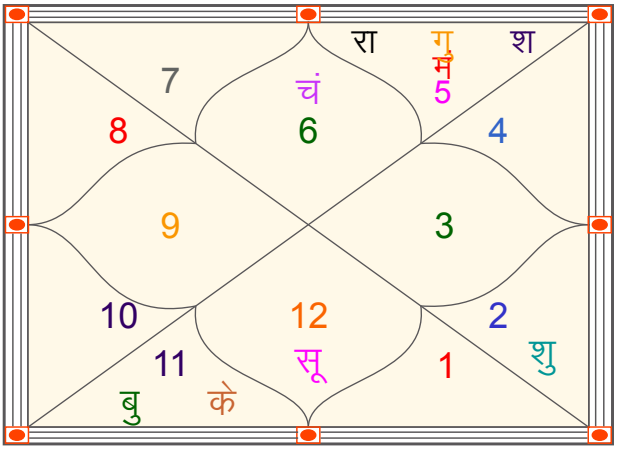

मनोबलविचारः

लग्न कुंडली

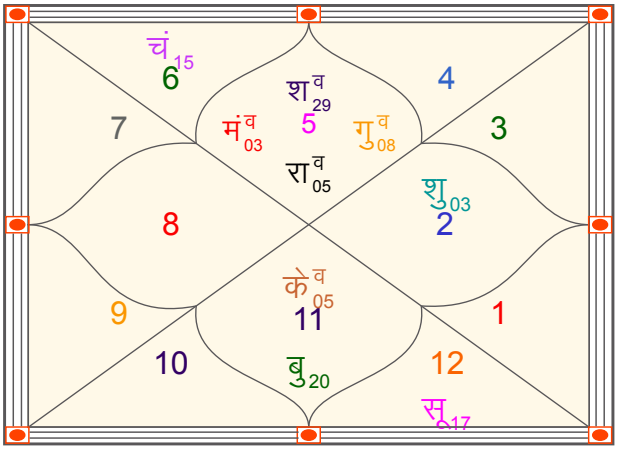

देह विचारः

होरा कुंडली

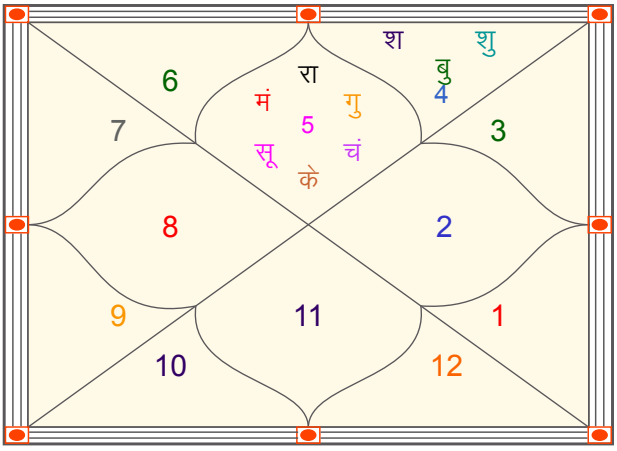

सम्पदाविचारः

षोडशवर्ग चक्र

द्रेष्काण कुंडली

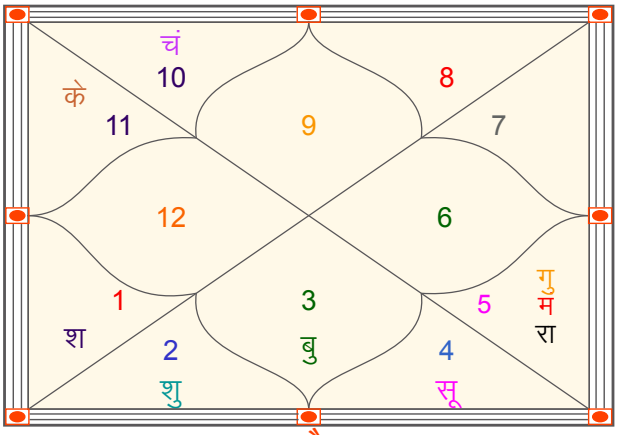

भ्रातृसौख्यम

चतुर्थांश कुंडली

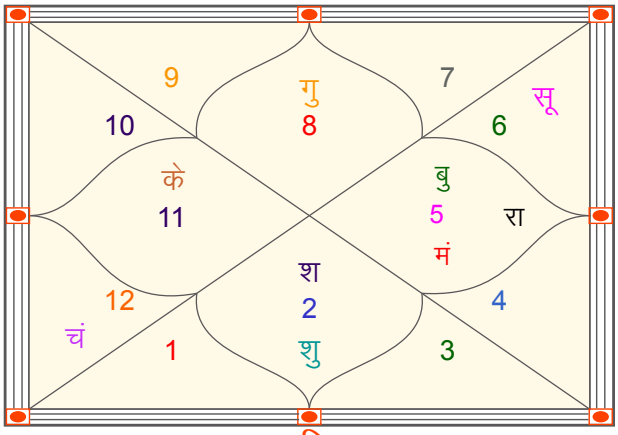

भाग्यविचारः

पंचमांश कुंडली

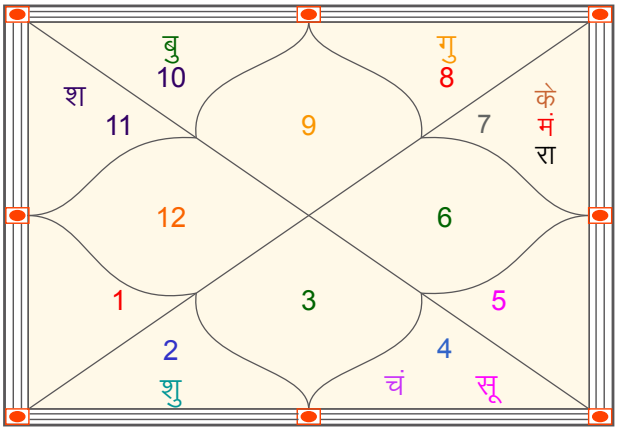

ज्ञानविचारः

षष्ठांश कुंडली

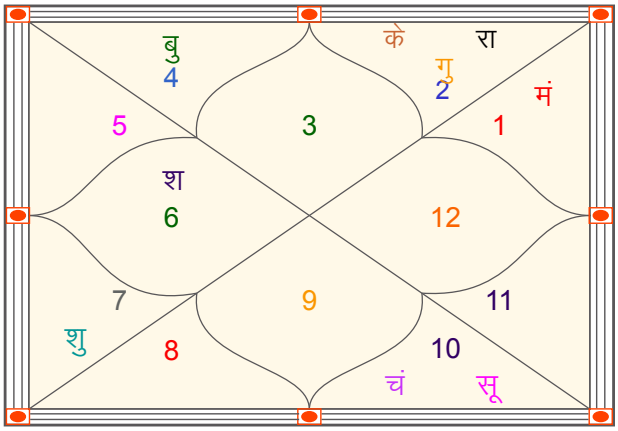

रिपुज्ञानम्

सप्तमांश कुंडली

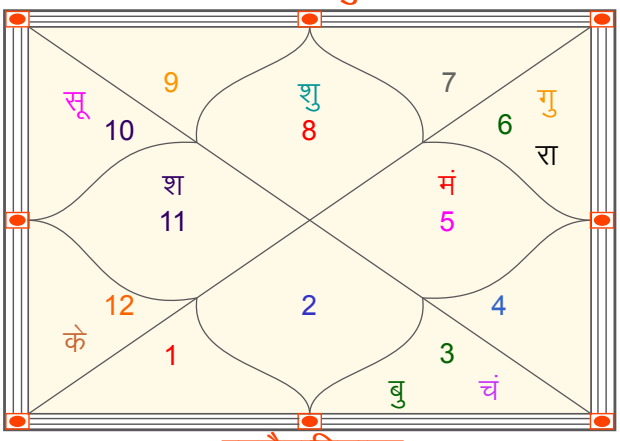

पुत्रपौत्रादिज्ञानम्

अष्टमांश कुंडली

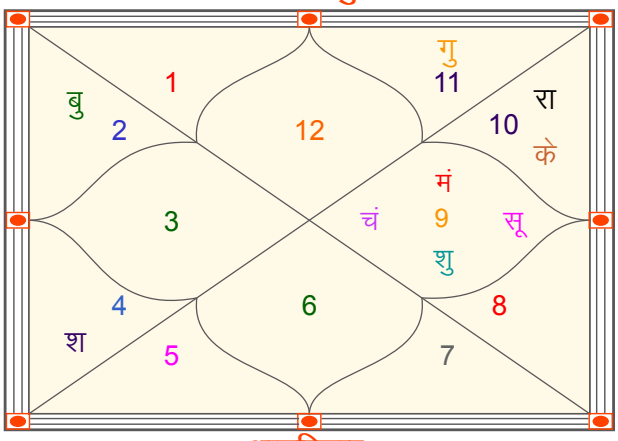

आयुविचारः

षोडशवर्ग चक्र

नवमांश कुंडली

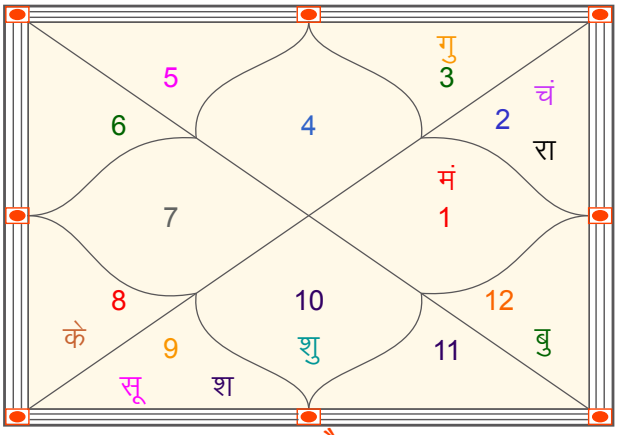

कलत्र सौख्यम

दशमांश कुंडली

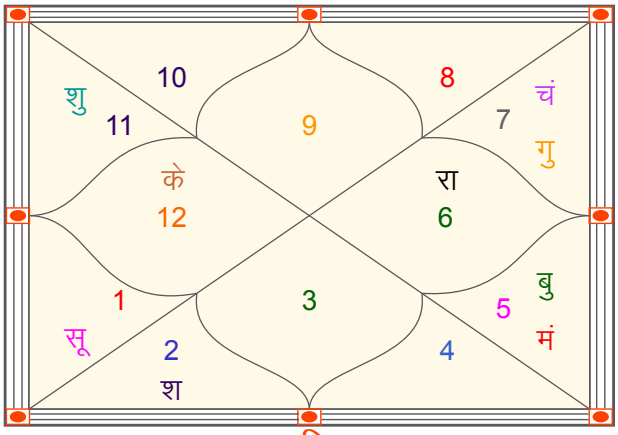

राज्यविचारः

एकादशांश कुंडली

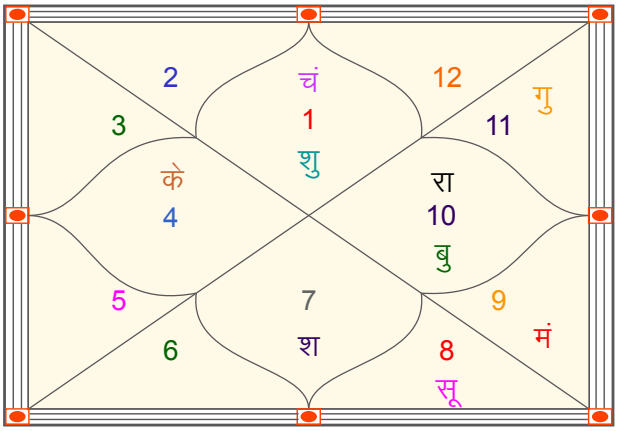

लाभविचारः

द्वादशांश कुंडली

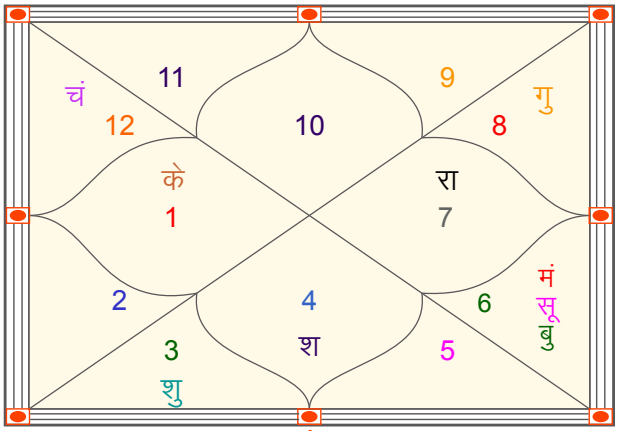

पितृसौख्यम

षोडशांश कुंडली

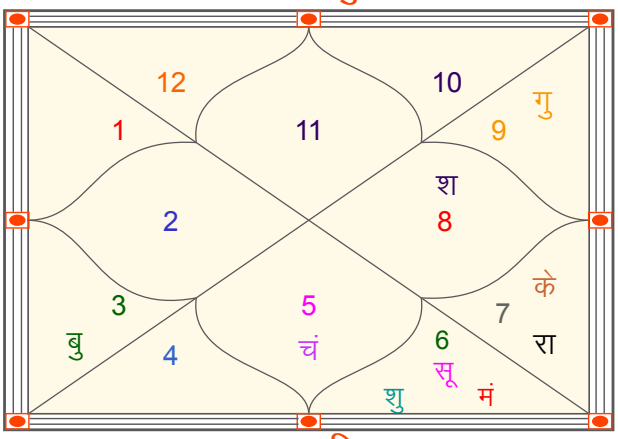

वाहनसुखविचारः

विंशांश कुंडली

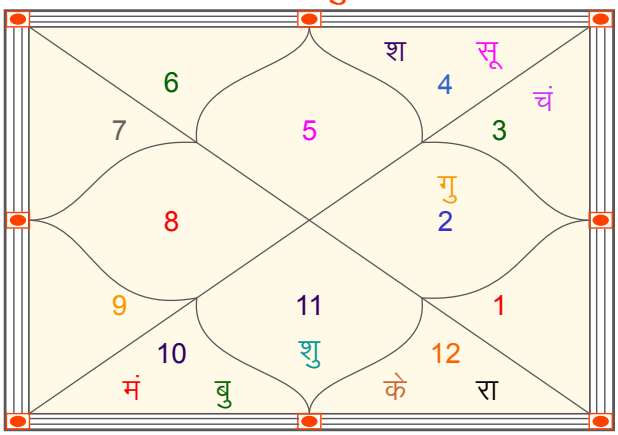

उपासनाज्ञानम्

षोडशवर्ग चक्र

चतुर्विंशांश कुंडली

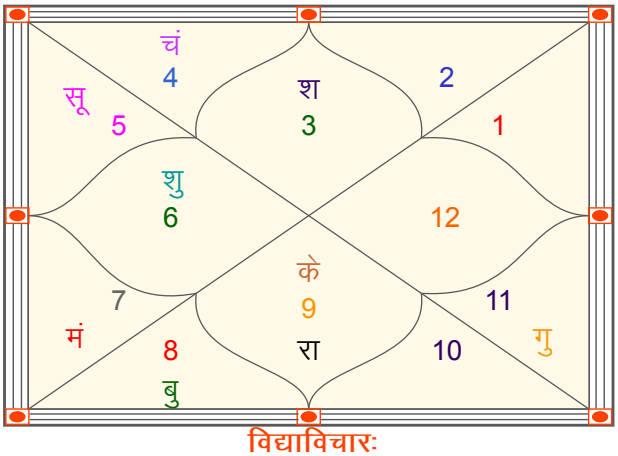

विद्याविचारः

सप्तविंशांश कुंडली

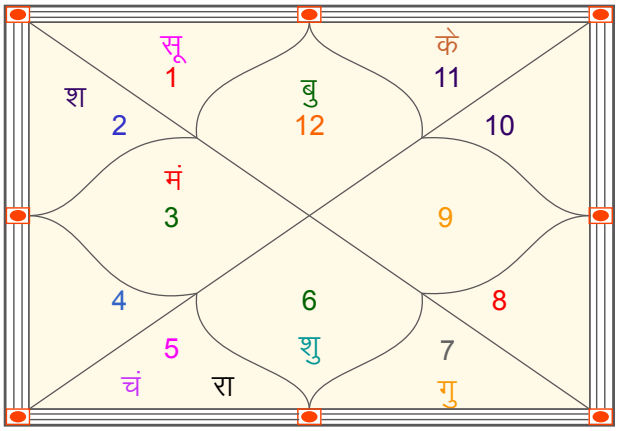

बलाबलज्ञानम्

त्रिंशांश कुंडली

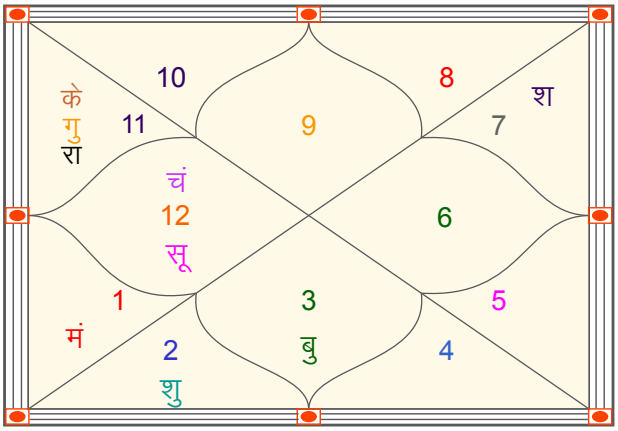

अरिष्टज्ञानम्

खवेदांश कुंडली

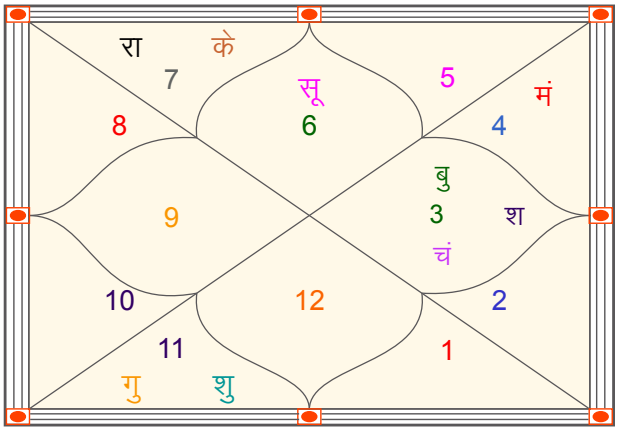

शुभाशुभज्ञानम्

अक्षवेदांश कुंडली

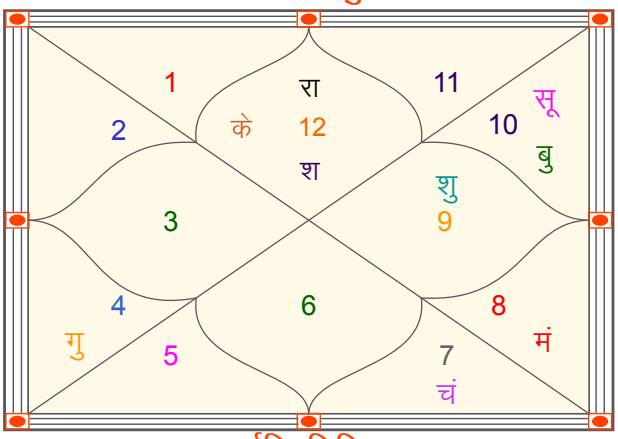

सर्वास्थितिविचारः

षष्ट्यंश कुंडली

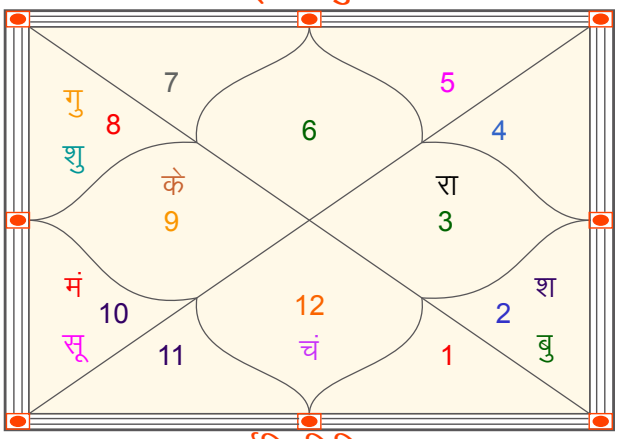

सर्वास्थितिविचारः

Sample

षोडशवर्ग सारणियाँ

षोडशवर्ग सारिणी

	लग्न	सूर्य	चंद्र	मंगल	बुध	गुरु	शुक्र	शनि	राहु	केतु
राशि	सिंह	मीन	कन्या	सिंह	कुंभ	सिंह	वृष	सिंह	सिंह	कुंभ
होरा	सिंह	सिंह	सिंह	सिंह	कर्क	सिंह	कर्क	कर्क	सिंह	सिंह
द्रेष्काण	धनु	कर्क	मक	सिंह	मिथु	सिंह	वृष	मेष	सिंह	कुंभ
चतुर्थांश	वृश्चि	कन्या	मीन	सिंह	सिंह	वृश्चि	वृष	वृष	सिंह	कुंभ
सप्तमांश	वृश्चि	मक	मिथु	सिंह	मिथु	कन्या	वृश्चि	कुंभ	कन्या	मीन
नवमांश	कर्क	धनु	वृष	मेष	मीन	मिथु	मक	धनु	वृष	वृश्चि
दशमांश	धनु	मेष	तुला	सिंह	सिंह	तुला	कुंभ	वृष	कन्या	मीन
द्वादशांश	मक	कन्या	मीन	कन्या	कन्या	वृश्चि	मिथु	कर्क	तुला	मेष
षोडशांश	कुंभ	कन्या	सिंह	कन्या	मिथु	धनु	कन्या	वृश्चि	तुला	तुला
विंशांश	सिंह	कर्क	मिथु	मक	मक	वृष	कुंभ	कर्क	मीन	मीन
चतुर्विंशांश	मिथु	सिंह	कर्क	तुला	वृश्चि	कुंभ	कन्या	मिथु	धनु	धनु
सप्तविंशांश	मीन	मेष	सिंह	मिथु	मीन	तुला	कन्या	वृष	सिंह	कुंभ
त्रिंशांश	धनु	मीन	मीन	मेष	मिथु	कुंभ	वृष	तुला	कुंभ	कुंभ
खवेदांश	कन्या	कन्या	मिथु	कर्क	मिथु	कुंभ	कुंभ	मिथु	तुला	तुला
अक्षवेदांश	मीन	मक	तुला	वृश्चि	मक	कर्क	धनु	मीन	मीन	मीन
षष्ट्यंश	कन्या	मक	मीन	मक	वृष	वृश्चि	वृश्चि	वृष	मिथु	धनु

वर्ग भेद

	षडवर्ग	सप्तवर्ग	दशवर्ग	षोडशवर्ग
सूर्य	1 ———	1 ———	2 पारिजात	4 नागपुष्प
चन्द्र	1 ———	1 ———	1 ———	2 भेदक
मंगल	2 किंसुक	2 किंसुक	3 उत्तम	5 कन्दुक
बुध	3 व्यंजन	4 चामर	5 सिंहान	6 केरल
गुरु	0 ———	0 ———	1 ———	2 भेदक
शुक्र	3 व्यंजन	3 व्यंजन	3 उत्तम	4 नागपुष्प
शनि	1 ———	2 किंसुक	2 पारिजात	2 भेदक
राहु	0 ———	1 ———	3 उत्तम	3 कुसुम
केतु	0 ———	1 ———	3 उत्तम	6 केरल

विंशोपक बल

	सूर्य	चंद्र	मंगल	बुध	गुरु	शुक्र	शनि	राहु	केतु
षडवर्ग	11.50	11.00	12.50	11.35	8.60	17.80	7.15	9.80	7.25
सप्तवर्ग	10.88	10.83	12.25	12.33	8.10	17.23	8.97	9.73	7.38
दशवर्ग	9.88	11.93	10.00	15.30	9.78	16.65	12.23	9.10	7.90
षोडशवर्ग	10.38	11.40	11.15	13.23	10.03	17.20	10.70	9.80	8.40

मैत्री सारिणी

नैसर्गिक मैत्री

ग्रह	सूर्य	चंद्र	मंगल	बुध	गुरु	शुक्र	शनि	राहु	केतु
सूर्य	———	मित्र	मित्र	सम	मित्र	शत्रु	शत्रु	शत्रु	शत्रु
चंद्र	मित्र	———	सम	मित्र	सम	सम	सम	शत्रु	शत्रु
मंगल	मित्र	मित्र	———	शत्रु	मित्र	सम	सम	शत्रु	मित्र
बुध	मित्र	शत्रु	सम	———	सम	मित्र	सम	सम	सम
गुरु	मित्र	मित्र	मित्र	शत्रु	———	शत्रु	सम	सम	सम
शुक्र	शत्रु	शत्रु	सम	मित्र	सम	———	मित्र	मित्र	मित्र
शनि	शत्रु	शत्रु	शत्रु	मित्र	सम	मित्र	———	मित्र	शत्रु
राहु	शत्रु	शत्रु	शत्रु	सम	सम	मित्र	मित्र	———	शत्रु
केतु	शत्रु	शत्रु	मित्र	सम	सम	मित्र	शत्रु	शत्रु	———

तात्कालिक मैत्री

ग्रह	सूर्य	चंद्र	मंगल	बुध	गुरु	शुक्र	शनि	राहु	केतु
सूर्य	———	शत्रु	शत्रु	मित्र	शत्रु	मित्र	शत्रु	शत्रु	मित्र
चंद्र	शत्रु	———	मित्र	शत्रु	मित्र	शत्रु	मित्र	मित्र	शत्रु
मंगल	शत्रु	मित्र	———	शत्रु	शत्रु	मित्र	शत्रु	शत्रु	शत्रु
बुध	मित्र	शत्रु	शत्रु	———	शत्रु	मित्र	शत्रु	शत्रु	शत्रु
गुरु	शत्रु	मित्र	शत्रु	शत्रु	———	मित्र	शत्रु	शत्रु	शत्रु
शुक्र	मित्र	शत्रु	मित्र	मित्र	मित्र	———	मित्र	मित्र	मित्र
शनि	शत्रु	मित्र	शत्रु	शत्रु	शत्रु	मित्र	———	शत्रु	शत्रु
राहु	शत्रु	मित्र	शत्रु	शत्रु	शत्रु	मित्र	शत्रु	———	शत्रु
केतु	मित्र	शत्रु	शत्रु	शत्रु	शत्रु	मित्र	शत्रु	शत्रु	———

पंचधा मैत्री

ग्रह	सूर्य	चंद्र	मंगल	बुध	गुरु	शुक्र	शनि	राहु	केतु
सूर्य	———	सम	सम	मित्र	सम	सम	अधिशत्रु	अधिशत्रु	सम
चंद्र	सम	———	मित्र	सम	मित्र	शत्रु	मित्र	सम	अधिशत्रु
मंगल	सम	अतिमित्र	———	अधिशत्रु	सम	मित्र	शत्रु	अधिशत्रु	सम
बुध	अतिमित्र	अधिशत्रु	शत्रु	———	शत्रु	अतिमित्र	शत्रु	शत्रु	शत्रु
गुरु	सम	अतिमित्र	सम	अधिशत्रु	———	सम	शत्रु	शत्रु	शत्रु
शुक्र	सम	अधिशत्रु	मित्र	अतिमित्र	मित्र	———	अतिमित्र	अतिमित्र	अतिमित्र
शनि	अधिशत्रु	सम	अधिशत्रु	सम	शत्रु	अतिमित्र	———	सम	अधिशत्रु
राहु	अधिशत्रु	सम	अधिशत्रु	शत्रु	शत्रु	अतिमित्र	सम	———	अधिशत्रु
केतु	सम	अधिशत्रु	सम	शत्रु	शत्रु	अतिमित्र	अधिशत्रु	अधिशत्रु	———

षट्बल तथा भावबल सारिणी

षट्बल

	सूर्य	चंद्र	मंगल	बुध	गुरु	शुक्र	शनि
उच्च बल	52.4	16.0	1.5	8.5	49.1	48.0	42.9
सप्तवर्गज बल	76.9	71.3	91.9	129.4	37.5	151.9	75.0
ओजयुग्मक बल	15.0	30.0	30.0	15.0	30.0	30.0	30.0
केन्द्र बल	30.0	30.0	60.0	60.0	60.0	60.0	60.0
द्रेष्काण बल	0.0	0.0	15.0	15.0	15.0	0.0	0.0
कुल स्थान बल	174.3	147.2	198.4	227.8	191.6	289.9	207.9
कुल दिग्बल	41.9	41.2	33.0	2.2	58.2	2.9	5.3
नतोन्नत बल	42.2	17.8	17.8	60.0	42.2	42.2	17.8
पक्ष बल	0.7	118.6	0.7	59.3	59.3	59.3	0.7
त्रिभाग बल	0.0	0.0	0.0	0.0	60.0	0.0	60.0
अब्द बल	0.0	0.0	0.0	0.0	0.0	0.0	15.0
मास बल	0.0	30.0	0.0	0.0	0.0	0.0	0.0
वार बल	0.0	45.0	0.0	0.0	0.0	0.0	0.0
होरा बल	0.0	0.0	0.0	0.0	60.0	0.0	0.0
अयन बल	71.3	34.5	46.7	38.7	44.4	55.0	26.0
युद्ध बल	0.0	0.0	0.0	0.0	0.0	0.0	0.0
कुल कालबल	114.3	245.9	65.2	158.0	265.9	156.6	119.5
कुल चेष्टाबल	0.0	0.0	50.0	32.1	48.1	22.7	53.3
कुल नैसर्गिक बल	60.0	51.4	17.1	25.7	34.3	42.9	8.6
कुल दृग्बल	-1.1	1.7	13.9	-5.9	17.3	15.3	16.2
कुल षट्बल	389.4	487.4	377.7	439.9	615.5	530.2	410.6
रूप षट्बल	6.5	8.1	6.3	7.3	10.3	8.8	6.8
न्यूनतम आवश्यकता	5.0	6.0	5.0	7.0	6.5	5.5	5.0
अनुपात	1.3	1.4	1.3	1.0	1.6	1.6	1.4
संबंधित पद	5	4	6	7	2	1	3

इष्ट फल

	सूर्य	चंद्र	मंगल	बुध	गुरु	शुक्र	शनि
इष्ट फल	41.98	30.76	8.67	16.48	48.61	33.02	47.81
कष्ट फल	14.13	5.62	24.16	37.93	11.38	21.16	10.73

भाव बल

	1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11	12
भावाधिपति बल	389.4	439.9	530.2	377.7	615.5	410.6	410.6	615.5	377.7	530.2	439.9	487.4
भावदिग्बल	30.0	50.0	40.0	30.0	20.0	20.0	0.0	20.0	50.0	60.0	40.0	20.0
भावदृष्टि बल	55.6	42.2	38.0	39.0	60.9	14.1	39.6	29.3	64.8	46.4	15.8	5.5
कुल भाव बल	475.0	532.2	608.2	446.7	696.4	444.8	450.2	664.7	492.4	636.6	495.7	512.8
रूप भाव बल	7.9	8.9	10.1	7.4	11.6	7.4	7.5	11.1	8.2	10.6	8.3	8.5
संबंधित पद	9.0	5.0	4.0	11.0	1.0	12.0	10.0	2.0	8.0	3.0	7.0	6.0

षट्बल ग्राफ

स्थान बल

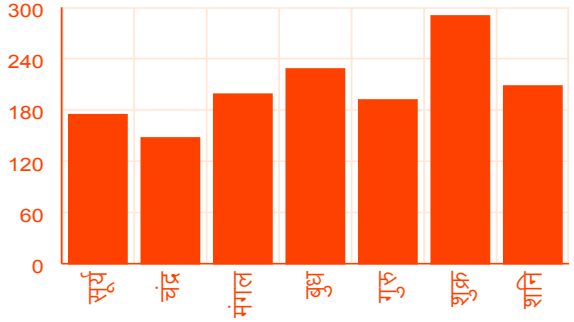

दिग्बल

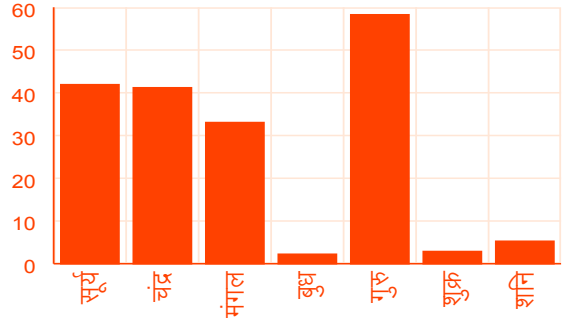

कालबल

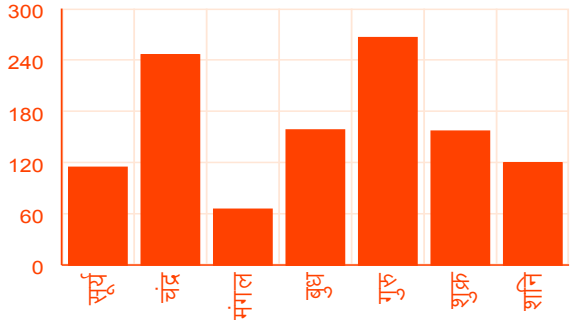

चेष्टाबल

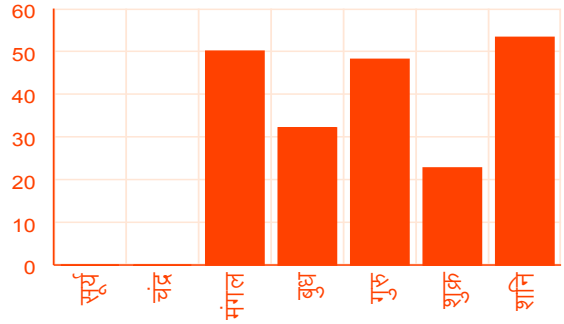

नैसर्गिक बल

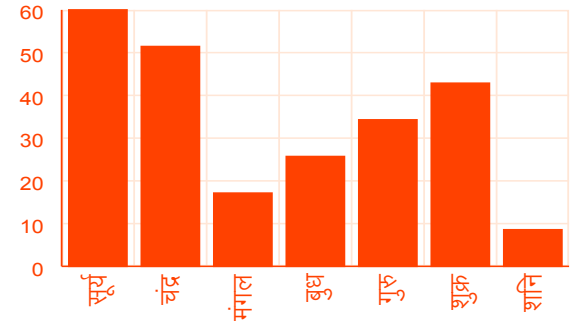

दृग्बल

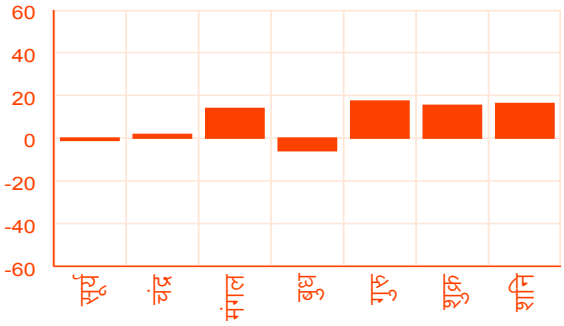

रूप षट्बल

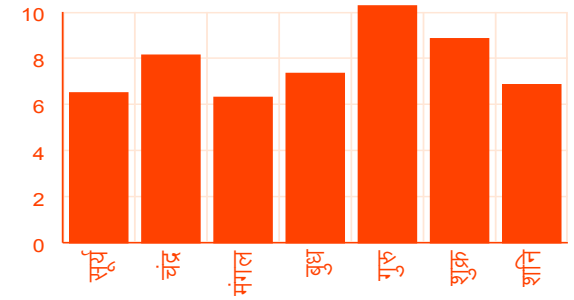

न्यूनतम षट्बल

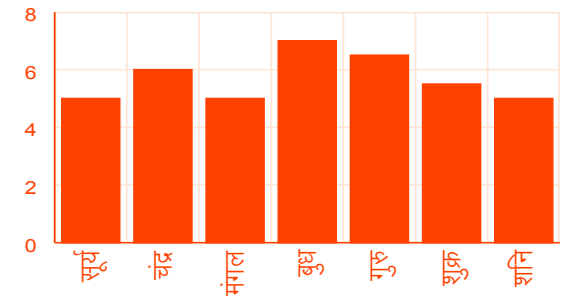

भाव बल ग्राफ

भावाधिपति बल

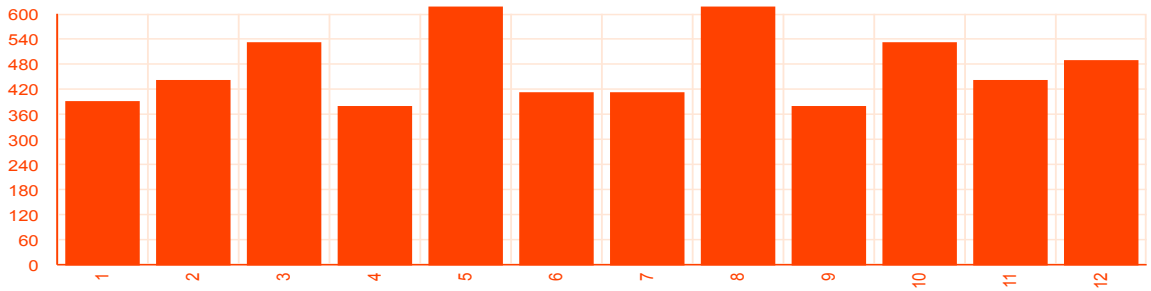

भावदिग्बल

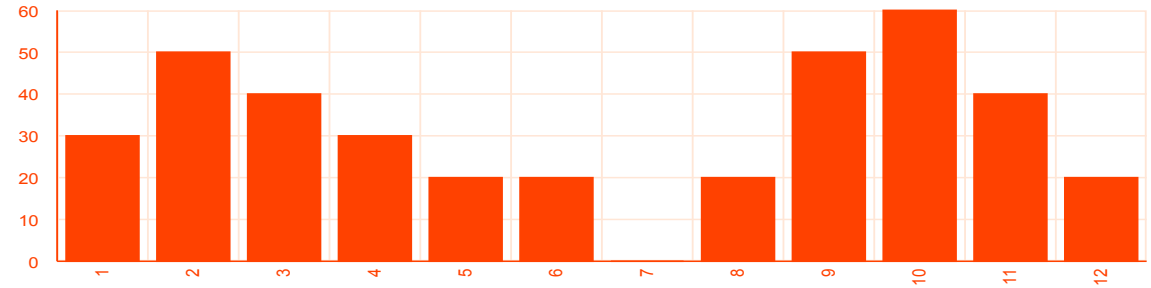

भावदृष्टि बल

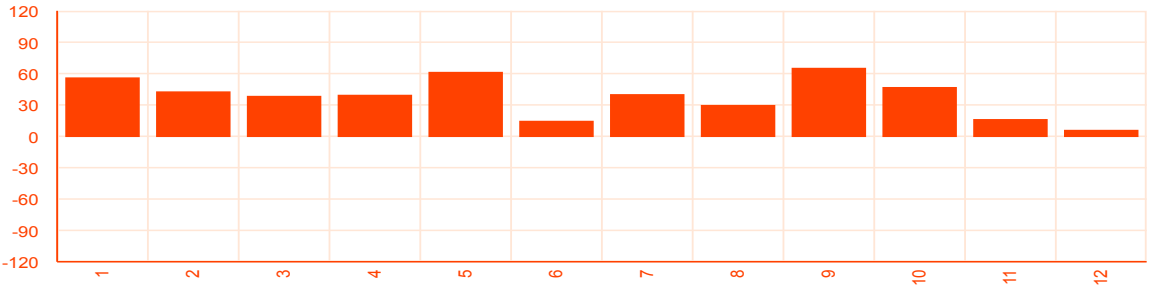

भाव बल

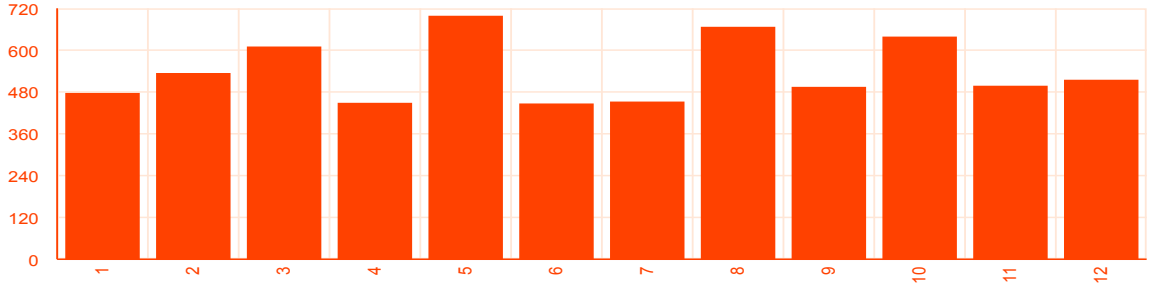

षट्बल तथा भावबल ग्राफ

रूप षट्बल

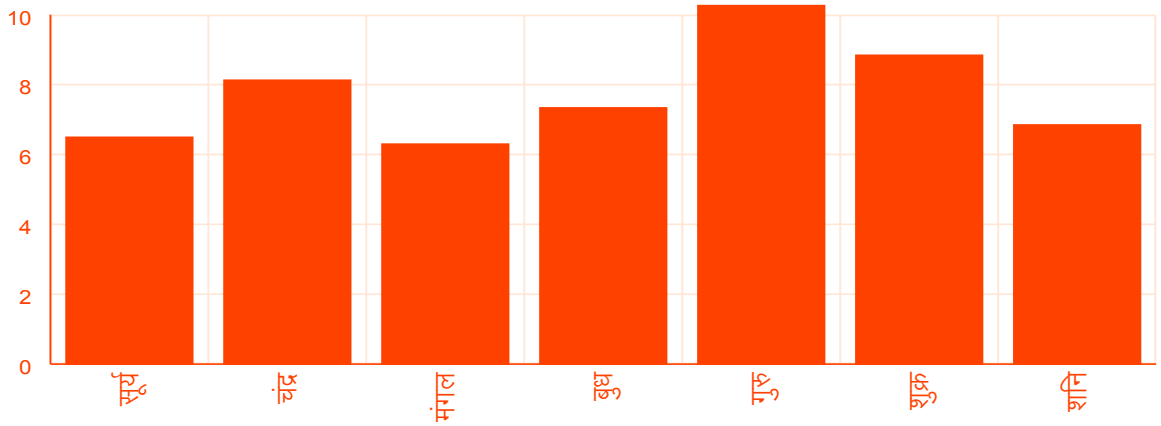

इष्ट – कष्ट फल

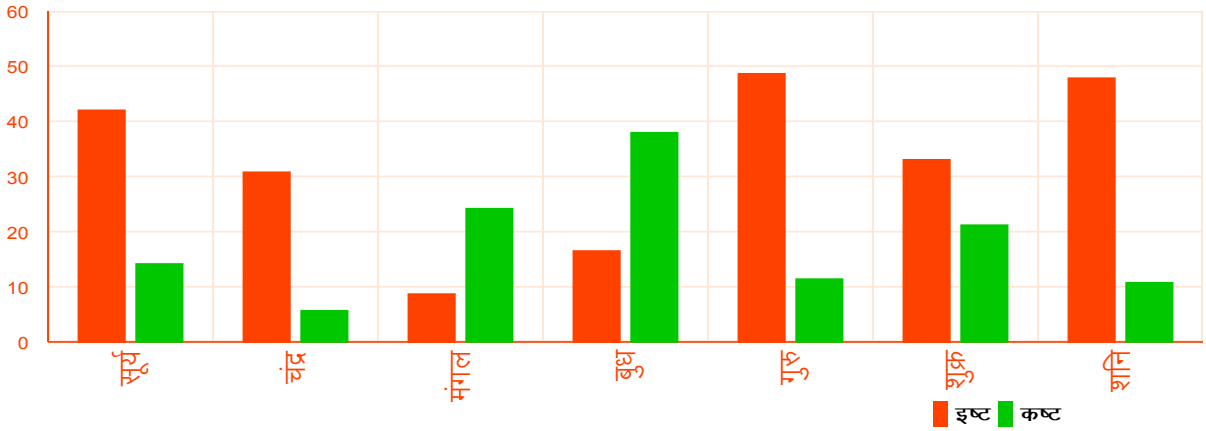

रूप भाव बल

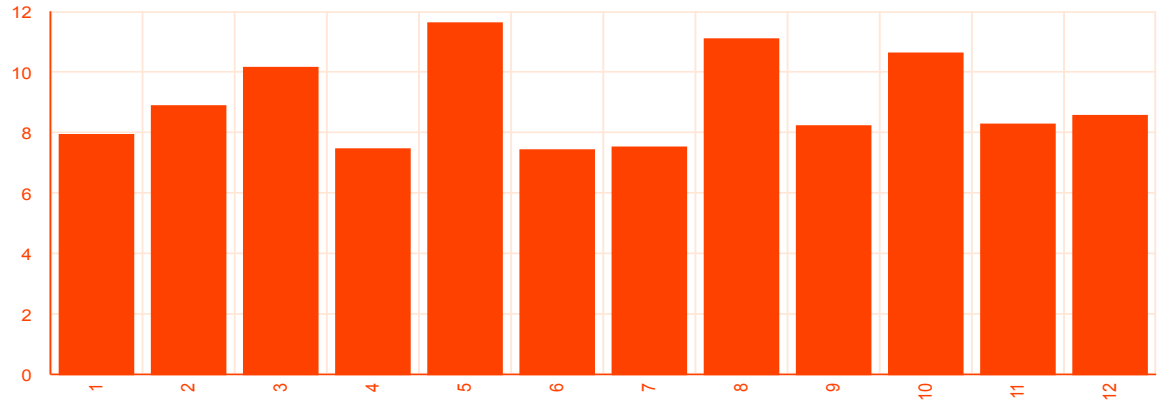

उपग्रह एवं आरूढ़

उपग्रह	संक्षि	राशि	अंश	उच्च	स्थिति	नक्षत्र	पद	नं.
लग्न	ल	सिंह	12:57:16	––	––	मघा	4	10
गुलिक	गु	सिंह	07:26:06	––	––	मघा	3	10
काल	का	सिंह	27:37:33	––	––	उ०फाल्गुनी	1	12
मृत्यु	मृ	वृष	13:51:08	––	––	रोहिणी	2	4
यमघंटक	यम	मिथु	27:29:04	––	––	पुनर्वसु	3	7
अर्द्धप्रहर	अर्द्ध	मिथु	06:38:25	––	मूल	मृगशिरा	4	5
धूम	धू	सिंह	00:37:01	उच्च	––	मघा	1	10
व्यतिपात	व्य	वृश्चि	29:22:59	उच्च	––	ज्येष्ठा	4	18
परिवेश	परि	वृष	29:22:59	––	––	मृगशिरा	2	5
इन्द्रचाप	इ	कुंभ	00:37:01	––	––	धनिष्ठा	3	23
उपकेतु	उप	कुंभ	17:17:01	उच्च	––	शतभिषा	4	24
मांदी	मांदी	सिंह	26:28:33	––	––	पू०फाल्गुनी	4	11

प्राणपद	:	कन्या	05:39:32	कारकाँश लग्न	:	धनु	18:36:31
भाव लग्न	:	सिंह	13:42:09	होरा लग्न	:	मक	10:07:16
घटी लग्न	:	मीन	29:22:39	वर्णद लग्न	:	कुंभ	06:55:28

उपग्रह कुंडली

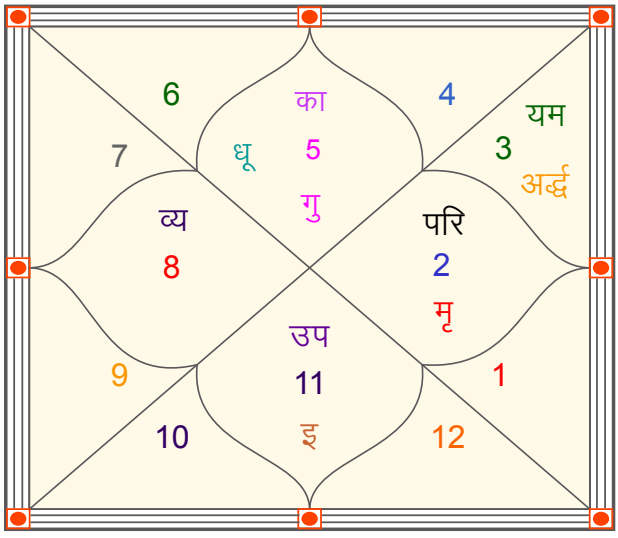

आरूढ़ कुंडली

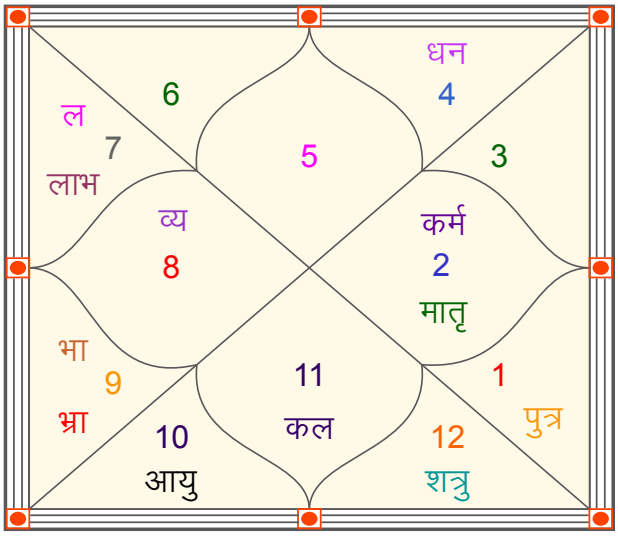

षन्नाडी चक्र

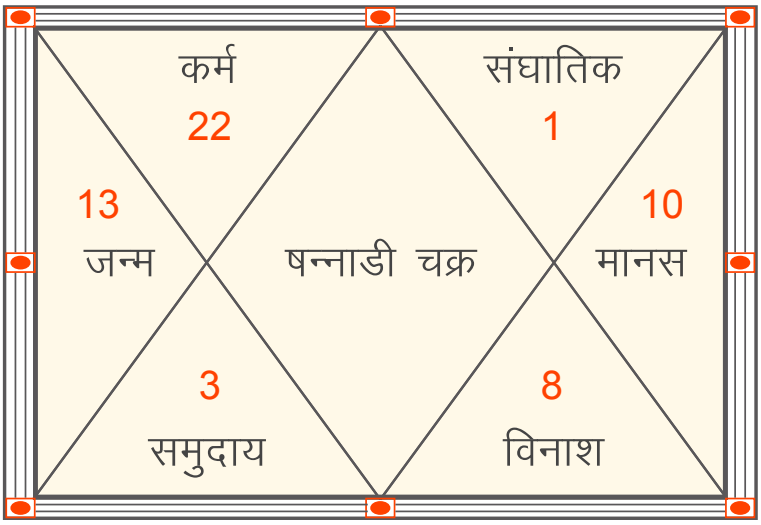

त्रिपाप चक्र

प्रथम चक्र	1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11	12
द्वितीय चक्र	37	38	39	40	41	42	43	44	45	46	47	48
तृतीय चक्र	73	74	75	76	77	78	79	80	81	82	83	84
केतु पताकी	चंद्र	मंगल	बुध	शनि	गुरु	राहु	केतु	शुक्र	सूर्य	चंद्र	मंगल	बुध
केतु कुंडली	चंद्र	केतु	शुक्र	राहु	केतु	शनि	सूर्य	केतु	बुध	मंगल	केतु	गुरु
गुरु कुंडली	गुरु	शुक्र	शनि	राहु	सूर्य	मंगल	केतु	चंद्र	बुध	गुरु	शुक्र	शनि

प्रथम चक्र	13	14	15	16	17	18	19	20	21	22	23	24
द्वितीय चक्र	49	50	51	52	53	54	55	56	57	58	59	60
तृतीय चक्र	85	86	87	88	89	90	91	92	93	94	95	96
केतु पताकी	शनि	गुरु	राहु	केतु	शुक्र	सूर्य	चंद्र	मंगल	बुध	शनि	गुरु	राहु
केतु कुंडली	चंद्र	केतु	शुक्र	राहु	केतु	शनि	सूर्य	केतु	बुध	मंगल	केतु	गुरु
गुरु कुंडली	राहु	सूर्य	मंगल	केतु	चंद्र	बुध	गुरु	शुक्र	शनि	राहु	सूर्य	मंगल

प्रथम चक्र	25	26	27	28	29	30	31	32	33	34	35	36
द्वितीय चक्र	61	62	63	64	65	66	67	68	69	70	71	72
तृतीय चक्र	97	98	99	100	101	102	103	104	105	106	107	108
केतु पताकी	केतु	शुक्र	सूर्य	चंद्र	मंगल	बुध	शनि	गुरु	राहु	केतु	शुक्र	सूर्य
केतु कुंडली	चंद्र	केतु	शुक्र	राहु	केतु	शनि	सूर्य	केतु	बुध	मंगल	केतु	गुरु
गुरु कुंडली	केतु	चंद्र	बुध	गुरु	शुक्र	शनि	राहु	सूर्य	मंगल	केतु	चंद्र	बुध

प्रस्ताराष्टकवर्ग सारिणी

सूर्य का अष्टकवर्ग

	मी	मे	वृ	मि	र्क	सि	कं	तु	वृश्चि	ध	म	कुं	कुल
शनि	1	1	1	1	0	1	1	0	1	0	0	1	8
गुरु	0	1	0	1	0	0	0	0	0	1	1	0	4
मंगल	1	1	1	1	0	1	1	0	1	0	0	1	8
सूर्य	1	1	0	1	0	0	1	1	1	1	1	0	8
शुक्र	0	1	0	0	0	0	0	1	1	0	0	0	3
बुध	0	1	0	1	1	0	0	1	1	1	1	0	7
चंद्र	0	0	0	1	1	0	0	0	1	0	0	1	4
लग्न	0	0	1	1	1	0	0	1	1	0	1	0	6
कुल	**3**	**6**	**3**	**7**	**3**	**2**	**3**	**4**	**7**	**3**	**4**	**3**	**48**

चंद्र का अष्टकवर्ग

	कं	तु	वृश्चि	ध	म	कुं	मी	मे	वृ	मि	र्क	सि	कुल
शनि	0	1	0	1	1	0	0	0	0	1	0	0	4
गुरु	1	0	1	0	0	1	1	0	1	1	0	1	7
मंगल	1	1	0	1	1	0	0	0	1	1	0	0	6
सूर्य	1	1	0	1	1	0	0	0	1	0	0	1	6
शुक्र	1	0	1	0	1	1	1	0	0	0	1	1	7
बुध	1	0	1	1	0	1	0	1	1	1	0	1	8
चंद्र	1	0	1	0	0	1	1	0	1	1	1	0	7
लग्न	0	1	0	0	1	0	0	0	1	1	0	0	4
कुल	**6**	**4**	**4**	**4**	**5**	**4**	**3**	**1**	**6**	**6**	**2**	**4**	**49**

मंगल का अष्टकवर्ग

	सि	कं	तु	वृश्चि	ध	म	कुं	मी	मे	वृ	मि	र्क	कुल
शनि	1	0	0	1	0	0	1	1	1	1	1	0	7
गुरु	0	0	0	0	0	1	0	0	0	1	1	1	4
मंगल	1	1	0	1	0	0	1	1	0	1	1	0	7
सूर्य	1	0	0	0	1	1	0	0	0	1	0	1	5
शुक्र	0	0	1	0	1	0	0	1	1	0	0	0	4
बुध	0	0	0	0	1	0	0	0	1	0	1	1	4
चंद्र	0	0	0	1	0	0	1	0	0	0	0	1	3
लग्न	1	0	1	0	0	1	0	0	0	1	1	0	5
कुल	**4**	**1**	**2**	**3**	**3**	**3**	**3**	**3**	**3**	**5**	**5**	**4**	**39**

बुध का अष्टकवर्ग

	कुं	मी	मे	वृ	मि	र्क	सि	कं	तु	वृश्चि	ध	म	कुल
शनि	1	1	1	1	1	0	1	1	0	1	0	0	8
गुरु	0	1	0	0	1	1	0	0	0	0	0	1	4
मंगल	1	1	1	1	1	0	1	1	0	1	0	0	8
सूर्य	1	0	0	0	0	1	1	0	0	1	0	1	5
शुक्र	0	1	0	1	1	1	1	1	0	0	1	1	8
बुध	1	0	1	0	1	1	0	0	1	1	1	1	8
चंद्र	1	0	1	0	1	1	0	0	1	0	1	0	6
लग्न	0	1	0	1	1	0	1	1	0	1	0	1	7
कुल	**5**	**5**	**4**	**4**	**7**	**5**	**5**	**4**	**2**	**5**	**3**	**5**	**54**

गुरू का अष्टकवर्ग

	सि	कं	तु	वृश्चि	ध	म	कुं	मी	मे	वृ	मि	र्क	कुल
शनि	0	0	1	0	1	1	0	0	0	0	0	1	4
गुरु	1	1	1	1	0	0	1	1	0	1	1	0	8
मंगल	1	1	0	1	0	0	1	1	0	1	1	0	7
सूर्य	0	1	1	1	1	1	0	1	1	1	1	0	9
शुक्र	0	1	1	0	0	1	1	1	0	0	1	0	6
बुध	0	0	1	1	1	0	1	1	0	1	1	1	8
चंद्र	0	0	1	0	0	1	0	1	0	1	0	1	5
लग्न	1	1	0	1	1	1	1	0	1	1	1	0	9
कुल	**3**	**5**	**6**	**5**	**4**	**5**	**5**	**6**	**2**	**6**	**6**	**3**	**56**

शुक्र का अष्टकवर्ग

	वृ	मि	र्क	सि	कं	तु	वृश्चि	ध	म	कुं	मी	मे	कुल
शनि	1	1	0	0	0	1	1	1	0	0	1	1	7
गुरु	1	1	0	0	0	0	0	1	0	0	1	1	5
मंगल	0	1	1	0	0	1	1	0	1	0	0	1	6
सूर्य	0	0	0	0	0	1	0	0	1	1	0	0	3
शुक्र	1	1	1	1	1	0	0	1	1	1	1	0	9
बुध	0	1	1	0	0	1	0	1	0	0	0	1	5
चंद्र	1	0	1	1	1	1	1	1	1	0	0	1	9
लग्न	0	1	0	1	1	1	1	1	0	0	1	1	8
कुल	**4**	**6**	**4**	**3**	**3**	**6**	**4**	**6**	**4**	**2**	**4**	**6**	**52**

शनि का अष्टकवर्ग

	सि	कं	तु	वृश्चि	ध	म	कुं	मी	मे	वृ	मि	र्क	कुल
शनि	0	0	1	0	1	1	0	0	0	0	1	0	4
गुरु	0	0	0	0	1	1	0	0	0	0	1	1	4
मंगल	0	0	1	0	1	1	0	0	0	1	1	1	6
सूर्य	0	1	1	0	1	1	0	1	1	0	1	0	7
शुक्र	0	0	1	0	0	0	0	1	1	0	0	0	3
बुध	0	1	1	1	1	1	0	0	0	0	0	1	6
चंद्र	0	0	0	1	0	0	1	0	0	0	0	1	3
लग्न	1	0	1	1	0	1	0	0	0	1	1	0	6
कुल	**1**	**2**	**6**	**3**	**5**	**6**	**1**	**2**	**2**	**2**	**5**	**4**	**39**

लग्न का अष्टकवर्ग

	सि	कं	तु	वृश्चि	ध	म	कुं	मी	मे	वृ	मि	र्क	कुल
शनि	1	0	1	1	0	1	0	0	0	1	1	0	6
गुरु	1	1	0	1	1	1	1	0	1	1	1	0	9
मंगल	1	0	1	0	0	1	0	0	0	1	1	0	5
सूर्य	1	0	0	0	1	1	1	0	0	1	1	0	6
शुक्र	1	1	0	0	1	1	0	0	0	1	1	1	7
बुध	0	1	0	1	1	0	1	1	0	1	0	1	7
चंद्र	1	0	0	1	0	0	1	0	0	0	1	1	5
लग्न	0	0	1	0	0	1	0	0	0	1	1	0	4
कुल	**6**	**3**	**3**	**4**	**4**	**6**	**4**	**1**	**1**	**7**	**7**	**3**	**49**

अष्टकवर्ग सारिणी

सर्वाष्टकवर्ग सारिणी

	मे	वृ	मि	र्क	सि	कं	तु	वृश्चि	ध	म	कुं	मी	कुल
शनि	2	2	5	4	1	2	6	3	5	6	1	2	39
गुरु	2	6	6	3	3	5	6	5	4	5	5	6	56
मंगल	3	5	5	4	4	1	2	3	3	3	3	3	39
सूर्य	6	3	7	3	2	3	4	7	3	4	3	3	48
शुक्र	6	4	6	4	3	3	6	4	6	4	2	4	52
बुध	4	4	7	5	5	4	2	5	3	5	5	5	54
चंद्र	1	6	6	2	4	6	4	4	4	5	4	3	49
बिन्दु	24	30	42	25	22	24	30	31	28	32	23	26	337
रेखा	32	26	14	31	34	32	26	25	28	24	33	30	335

त्रिकोण शोधन के पश्चात अष्टकवर्ग सारिणी

	मे	वृ	मि	र्क	सि	कं	तु	वृश्चि	ध	म	कुं	मी	कुल
शनि	1	0	4	2	0	0	5	1	4	4	0	0	21
गुरु	0	1	1	0	1	0	1	2	2	0	0	3	11
मंगल	0	4	3	1	1	0	0	0	0	2	1	0	12
सूर्य	4	0	4	0	0	0	1	4	1	1	0	0	15
शुक्र	3	1	4	0	0	0	4	0	3	1	0	0	16
बुध	1	0	5	0	2	0	0	0	0	1	3	0	12
चंद्र	0	1	2	0	3	1	0	2	3	0	0	1	13
रेखा	9	7	23	3	7	1	11	9	13	9	4	4	100

एकाधिपत्य शोधन के पश्चात अष्टकवर्ग सारिणी

	मे	वृ	मि	र्क	सि	कं	तु	वृश्चि	ध	म	कुं	मी	कुल
शनि	0	0	4	2	0	0	5	0	4	4	0	0	19
गुरु	0	1	1	0	1	0	0	2	0	0	0	3	8
मंगल	0	4	3	1	1	0	0	0	0	1	1	0	11
सूर्य	0	0	4	0	0	0	1	0	1	1	0	0	7
शुक्र	3	1	4	0	0	0	3	0	3	1	0	0	15
बुध	1	0	5	0	2	0	0	0	0	0	3	0	11
चंद्र	0	1	1	0	3	1	0	2	2	0	0	1	11
रेखा	4	7	22	3	7	1	9	4	10	7	4	4	82

शोध्य पिंड

	सूर्य	चंद्र	मंगल	बुध	गुरु	शुक्र	शनि
राशि पिंड	53	99	94	100	80	116	131
ग्रह पिंड	0	86	56	61	45	7	0
शोध्य पिंड	53	185	150	161	125	123	131

अष्टकवर्ग सारिणी

सर्वाष्टकवर्ग

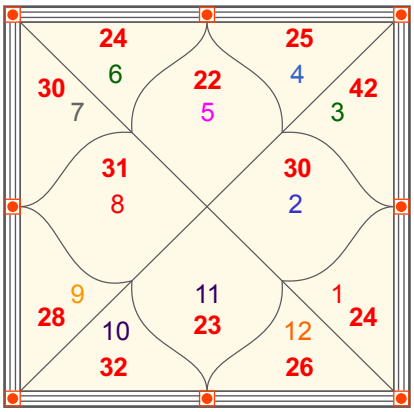

सूर्य का अष्टकवर्ग

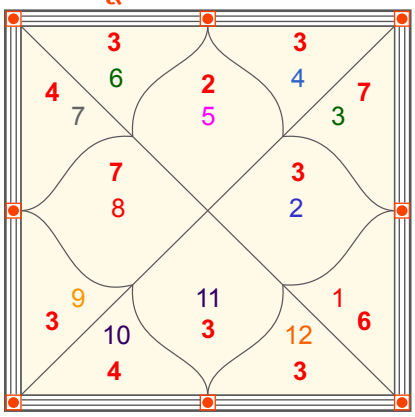

चंद्र का अष्टकवर्ग

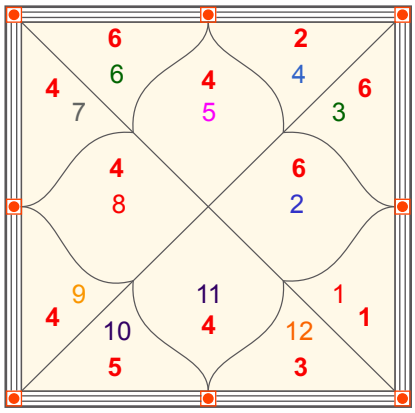

मंगल का अष्टकवर्ग

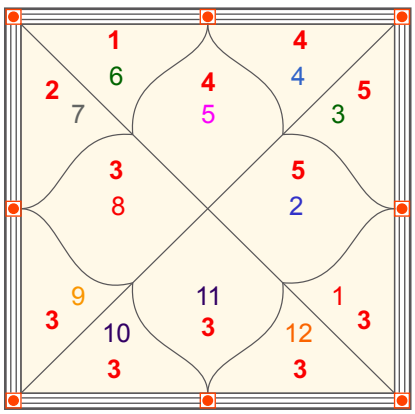

बुध का अष्टकवर्ग

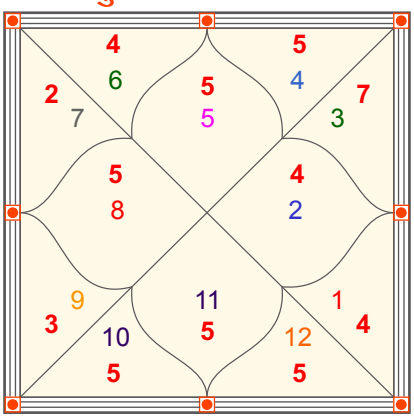

गुरू का अष्टकवर्ग

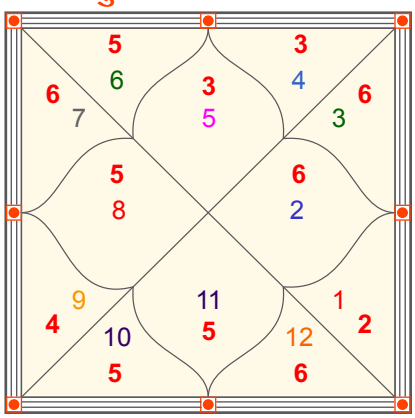

शुक्र का अष्टकवर्ग

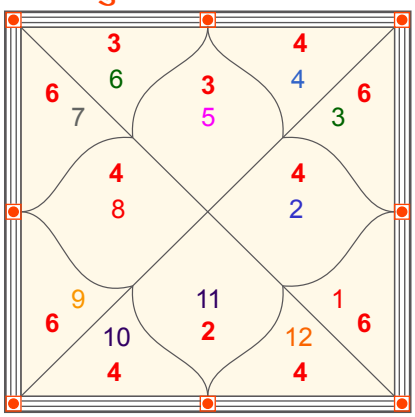

शनि का अष्टकवर्ग

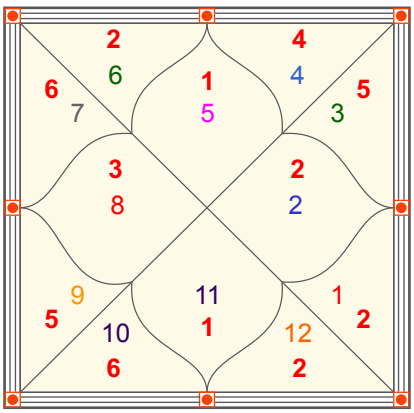

लग्न का अष्टकवर्ग

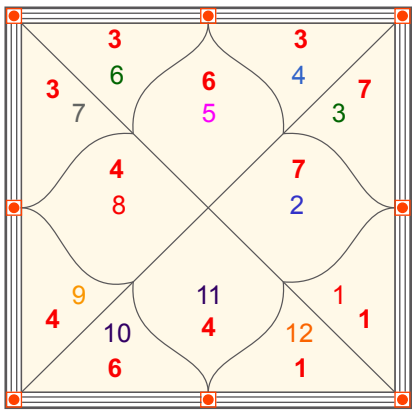

भिन्नाष्टक ग्राफ

सूर्य

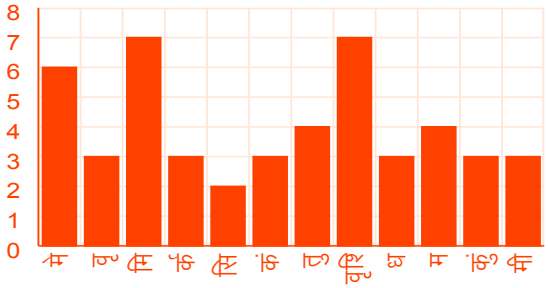

चन्द्र

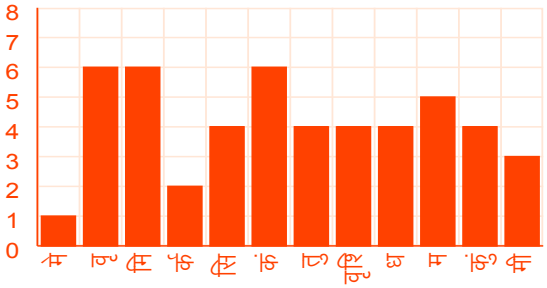

मंगल

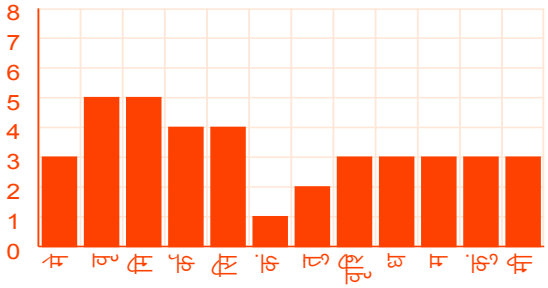

बुध

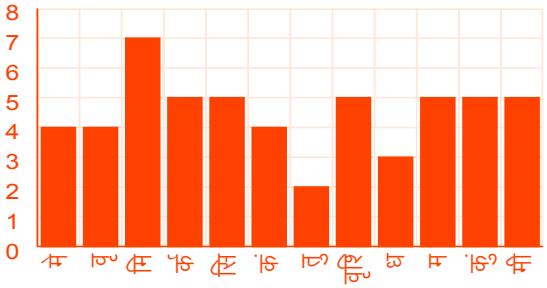

गुरु

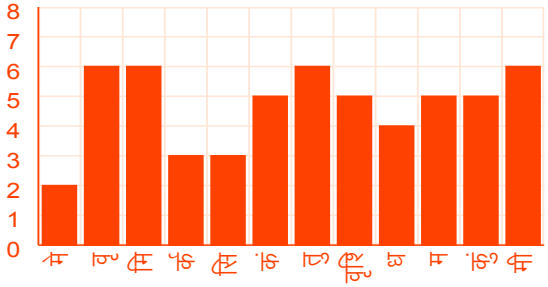

शुक्र

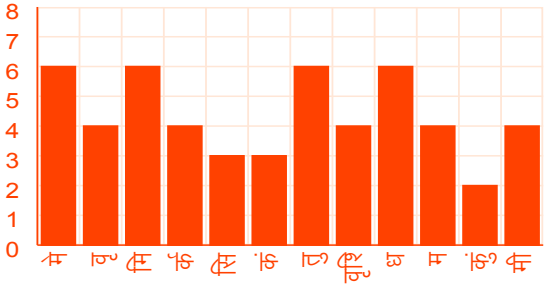

शनि

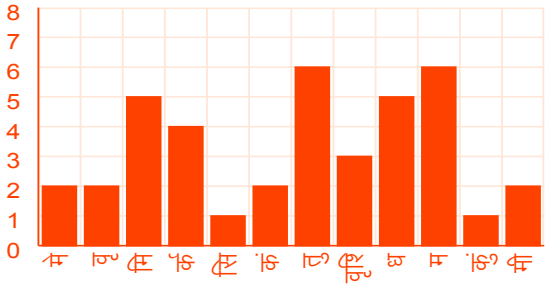

लग्न

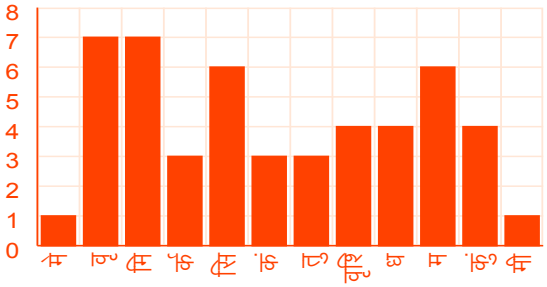

अष्टकवर्ग ग्राफ

सर्वाष्टकवर्ग

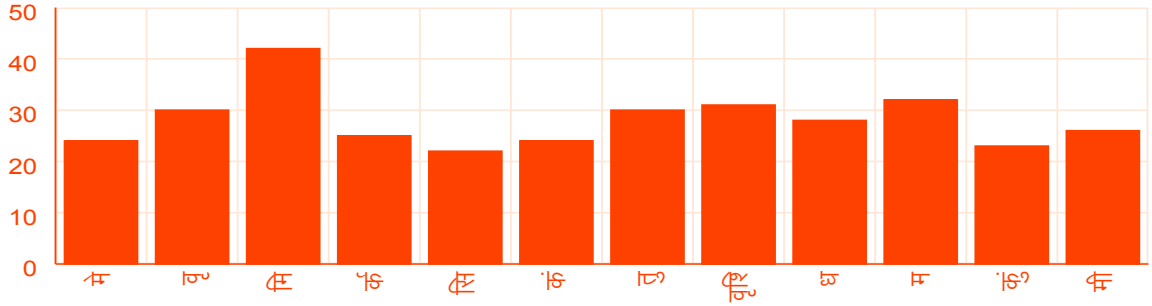

त्रिकोण शोधन के पश्चात अष्टकवर्ग

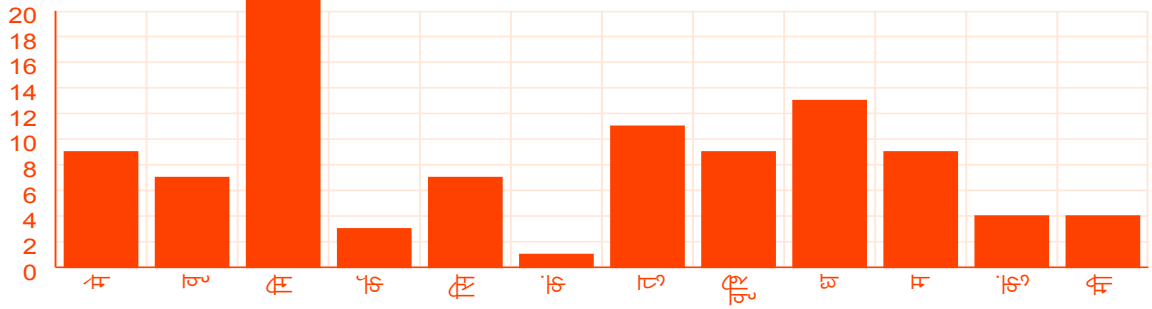

एकाधिपत्य शोधन के पश्चात अष्टकवर्ग

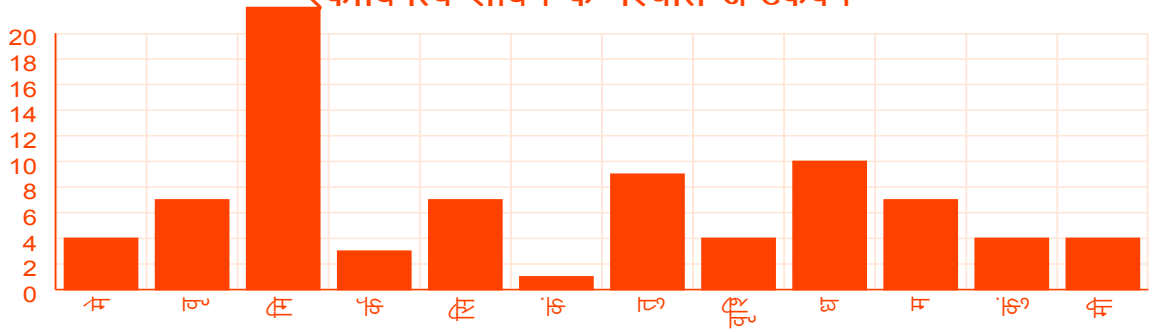

शोध्य पिंड

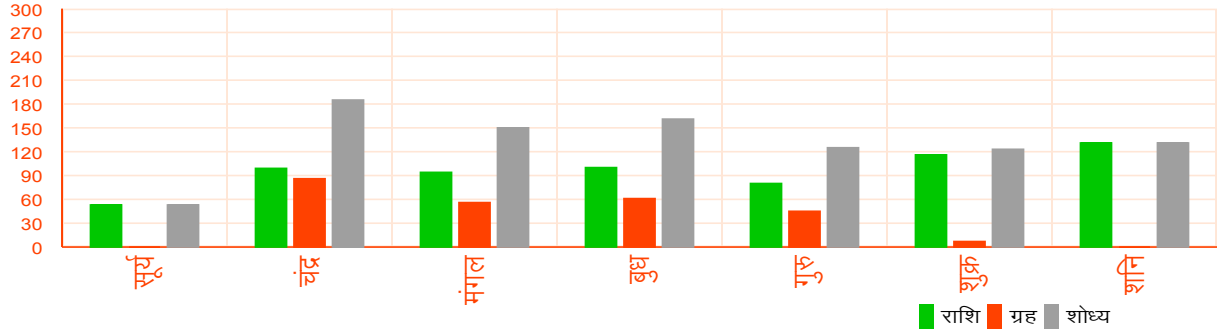

विंशोत्तरी दशा

भोग्य दशा काल : चन्द्र 6 वर्ष 1 मास 25 दिन

चंद्र 10 वर्ष		मंगल 7 वर्ष		राहु 18 वर्ष		गुरु 16 वर्ष		शनि 19 वर्ष	
31/03/1980		27/05/1986		27/05/1993		27/05/2011		27/05/2027	
27/05/1986		27/05/1993		27/05/2011		27/05/2027		27/05/2046	
	00/00/0000	मंगल	23/10/1986	राहु	07/02/1996	गुरु	14/07/2013	शनि	30/05/2030
	00/00/0000	राहु	10/11/1987	गुरु	02/07/1998	शनि	26/01/2016	बुध	06/02/2033
	31/03/1980	गुरु	16/10/1988	शनि	08/05/2001	बुध	02/05/2018	केतु	18/03/2034
गुरु	26/08/1980	शनि	25/11/1989	बुध	26/11/2003	केतु	08/04/2019	शुक्र	17/05/2037
शनि	27/03/1982	बुध	22/11/1990	केतु	13/12/2004	शुक्र	07/12/2021	सूर्य	29/04/2038
बुध	26/08/1983	केतु	21/04/1991	शुक्र	14/12/2007	सूर्य	26/09/2022	चंद्र	29/11/2039
केतु	26/03/1984	शुक्र	20/06/1992	सूर्य	07/11/2008	चंद्र	26/01/2024	मंगल	07/01/2041
शुक्र	25/11/1985	सूर्य	25/10/1992	चंद्र	09/05/2010	मंगल	31/12/2024	राहु	13/11/2043
सूर्य	27/05/1986	चंद्र	27/05/1993	मंगल	27/05/2011	राहु	27/05/2027	गुरु	27/05/2046

बुध 17 वर्ष		केतु 7 वर्ष		शुक्र 20 वर्ष		सूर्य 6 वर्ष		चंद्र 10 वर्ष	
27/05/2046		27/05/2063		27/05/2070		27/05/2090		26/05/2096	
27/05/2063		27/05/2070		27/05/2090		26/05/2096		00/00/0000	
बुध	22/10/2048	केतु	23/10/2063	शुक्र	25/09/2073	सूर्य	13/09/2090	चंद्र	27/03/2097
केतु	20/10/2049	शुक्र	22/12/2064	सूर्य	26/09/2074	चंद्र	15/03/2091	मंगल	26/10/2097
शुक्र	20/08/2052	सूर्य	29/04/2065	चंद्र	26/05/2076	मंगल	21/07/2091	राहु	27/04/2099
सूर्य	26/06/2053	चंद्र	28/11/2065	मंगल	26/07/2077	राहु	14/06/2092	गुरु	01/04/2100
चंद्र	25/11/2054	मंगल	26/04/2066	राहु	26/07/2080	गुरु	02/04/2093		00/00/0000
मंगल	23/11/2055	राहु	15/05/2067	गुरु	27/03/2083	शनि	15/03/2094		00/00/0000
राहु	11/06/2058	गुरु	20/04/2068	शनि	27/05/2086	बुध	19/01/2095		00/00/0000
गुरु	16/09/2060	शनि	30/05/2069	बुध	27/03/2089	केतु	27/05/2095		00/00/0000
शनि	27/05/2063	बुध	27/05/2070	केतु	27/05/2090	शुक्र	26/05/2096		00/00/0000

- उपरोक्त दशा चंद्रमा के अंशो के आधार पर दी गई है। भयात भभोग के आधार पर दशा का भोग्यकाल चंद्र 6 वर्ष 1 मा 23 दि होता है।
- उपरोक्त तिथियां दशा के समाप्त होने का समय दर्शाती हैं। विंशोत्तरी दशा पूरे 120 वर्ष की बिना आयुनिर्णय के दी गई हैं।

विंशोत्तरी दशा - प्रत्यन्तर

चंद्र - गुरु		चंद्र - शनि		चंद्र - बुध		चंद्र - केतु		चंद्र - शुक्र	
31/03/1980		26/08/1980		27/03/1982		26/08/1983		26/03/1984	
26/08/1980		27/03/1982		26/08/1983		26/03/1984		25/11/1985	
	00/00/0000	शनि	25/11/1980	बुध	08/06/1982	केतु	08/09/1983	शुक्र	06/07/1984
	00/00/0000	बुध	15/02/1981	केतु	08/07/1982	शुक्र	13/10/1983	सूर्य	05/08/1984
	00/00/0000	केतु	21/03/1981	शुक्र	03/10/1982	सूर्य	24/10/1983	चंद्र	25/09/1984
	00/00/0000	शुक्र	25/06/1981	सूर्य	29/10/1982	चंद्र	11/11/1983	मंगल	31/10/1984
	31/03/1980	सूर्य	24/07/1981	चंद्र	11/12/1982	मंगल	23/11/1983	राहु	30/01/1985
सूर्य	06/04/1980	चंद्र	10/09/1981	मंगल	10/01/1983	राहु	25/12/1983	गुरु	21/04/1985
चंद्र	16/05/1980	मंगल	14/10/1981	राहु	28/03/1983	गुरु	22/01/1984	शनि	26/07/1985
मंगल	14/06/1980	राहु	09/01/1982	गुरु	05/06/1983	शनि	25/02/1984	बुध	21/10/1985
राहु	26/08/1980	गुरु	27/03/1982	शनि	26/08/1983	बुध	26/03/1984	केतु	25/11/1985

चंद्र - सूर्य		मंगल - मंगल		मंगल - राहु		मंगल - गुरु		मंगल - शनि	
25/11/1985		27/05/1986		23/10/1986		10/11/1987		16/10/1988	
27/05/1986		23/10/1986		10/11/1987		16/10/1988		25/11/1989	
सूर्य	04/12/1985	मंगल	04/06/1986	राहु	19/12/1986	गुरु	26/12/1987	शनि	19/12/1988
चंद्र	20/12/1985	राहु	27/06/1986	गुरु	09/02/1987	शनि	18/02/1988	बुध	15/02/1989
मंगल	30/12/1985	गुरु	17/07/1986	शनि	10/04/1987	बुध	06/04/1988	केतु	10/03/1989
राहु	27/01/1986	शनि	09/08/1986	बुध	04/06/1987	केतु	26/04/1988	शुक्र	17/05/1989
गुरु	20/02/1986	बुध	30/08/1986	केतु	26/06/1987	शुक्र	22/06/1988	सूर्य	06/06/1989
शनि	21/03/1986	केतु	08/09/1986	शुक्र	29/08/1987	सूर्य	09/07/1988	चंद्र	10/07/1989
बुध	16/04/1986	शुक्र	03/10/1986	सूर्य	17/09/1987	चंद्र	06/08/1988	मंगल	02/08/1989
केतु	26/04/1986	सूर्य	10/10/1986	चंद्र	19/10/1987	मंगल	26/08/1988	राहु	02/10/1989
शुक्र	27/05/1986	चंद्र	23/10/1986	मंगल	10/11/1987	राहु	16/10/1988	गुरु	25/11/1989

मंगल - बुध		मंगल - केतु		मंगल - शुक्र		मंगल - सूर्य		मंगल - चंद्र	
25/11/1989		22/11/1990		21/04/1991		20/06/1992		25/10/1992	
22/11/1990		21/04/1991		20/06/1992		25/10/1992		27/05/1993	
बुध	15/01/1990	केतु	01/12/1990	शुक्र	01/07/1991	सूर्य	26/06/1992	चंद्र	12/11/1992
केतु	06/02/1990	शुक्र	26/12/1990	सूर्य	22/07/1991	चंद्र	07/07/1992	मंगल	25/11/1992
शुक्र	07/04/1990	सूर्य	02/01/1991	चंद्र	26/08/1991	मंगल	14/07/1992	राहु	27/12/1992
सूर्य	25/04/1990	चंद्र	15/01/1991	मंगल	20/09/1991	राहु	02/08/1992	गुरु	24/01/1993
चंद्र	25/05/1990	मंगल	24/01/1991	राहु	23/11/1991	गुरु	19/08/1992	शनि	27/02/1993
मंगल	15/06/1990	राहु	15/02/1991	गुरु	19/01/1992	शनि	09/09/1992	बुध	29/03/1993
राहु	09/08/1990	गुरु	07/03/1991	शनि	26/03/1992	बुध	27/09/1992	केतु	10/04/1993
गुरु	26/09/1990	शनि	30/03/1991	बुध	26/05/1992	केतु	04/10/1992	शुक्र	16/05/1993
शनि	22/11/1990	बुध	21/04/1991	केतु	20/06/1992	शुक्र	25/10/1992	सूर्य	27/05/1993

विंशोत्तरी दशा - प्रत्यन्तर

राहु - राहु	
27/05/1993	
07/02/1996	
राहु	21/10/1993
गुरु	02/03/1994
शनि	05/08/1994
बुध	23/12/1994
केतु	18/02/1995
शुक्र	02/08/1995
सूर्य	20/09/1995
चंद्र	11/12/1995
मंगल	07/02/1996

राहु - गुरु	
07/02/1996	
02/07/1998	
गुरु	03/06/1996
शनि	19/10/1996
बुध	21/02/1997
केतु	13/04/1997
शुक्र	06/09/1997
सूर्य	20/10/1997
चंद्र	01/01/1998
मंगल	21/02/1998
राहु	02/07/1998

राहु - शनि	
02/07/1998	
08/05/2001	
शनि	14/12/1998
बुध	11/05/1999
केतु	10/07/1999
शुक्र	31/12/1999
सूर्य	21/02/2000
चंद्र	18/05/2000
मंगल	17/07/2000
राहु	20/12/2000
गुरु	08/05/2001

राहु - बुध	
08/05/2001	
26/11/2003	
बुध	17/09/2001
केतु	11/11/2001
शुक्र	15/04/2002
सूर्य	31/05/2002
चंद्र	17/08/2002
मंगल	10/10/2002
राहु	27/02/2003
गुरु	01/07/2003
शनि	26/11/2003

राहु - केतु	
26/11/2003	
13/12/2004	
केतु	18/12/2003
शुक्र	20/02/2004
सूर्य	10/03/2004
चंद्र	11/04/2004
मंगल	03/05/2004
राहु	30/06/2004
गुरु	20/08/2004
शनि	20/10/2004
बुध	13/12/2004

राहु - शुक्र	
13/12/2004	
14/12/2007	
शुक्र	14/06/2005
सूर्य	08/08/2005
चंद्र	07/11/2005
मंगल	10/01/2006
राहु	23/06/2006
गुरु	16/11/2006
शनि	09/05/2007
बुध	11/10/2007
केतु	14/12/2007

राहु - सूर्य	
14/12/2007	
07/11/2008	
सूर्य	30/12/2007
चंद्र	27/01/2008
मंगल	15/02/2008
राहु	04/04/2008
गुरु	18/05/2008
शनि	09/07/2008
बुध	25/08/2008
केतु	13/09/2008
शुक्र	07/11/2008

राहु - चंद्र	
07/11/2008	
09/05/2010	
चंद्र	22/12/2008
मंगल	23/01/2009
राहु	15/04/2009
गुरु	27/06/2009
शनि	22/09/2009
बुध	09/12/2009
केतु	10/01/2010
शुक्र	11/04/2010
सूर्य	09/05/2010

राहु - मंगल	
09/05/2010	
27/05/2011	
मंगल	31/05/2010
राहु	27/07/2010
गुरु	17/09/2010
शनि	16/11/2010
बुध	10/01/2011
केतु	01/02/2011
शुक्र	06/04/2011
सूर्य	25/04/2011
चंद्र	27/05/2011

गुरु - गुरु	
27/05/2011	
14/07/2013	
गुरु	08/09/2011
शनि	09/01/2012
बुध	29/04/2012
केतु	13/06/2012
शुक्र	21/10/2012
सूर्य	29/11/2012
चंद्र	02/02/2013
मंगल	19/03/2013
राहु	14/07/2013

गुरु - शनि	
14/07/2013	
26/01/2016	
शनि	08/12/2013
बुध	18/04/2014
केतु	11/06/2014
शुक्र	12/11/2014
सूर्य	28/12/2014
चंद्र	15/03/2015
मंगल	08/05/2015
राहु	24/09/2015
गुरु	26/01/2016

गुरु - बुध	
26/01/2016	
02/05/2018	
बुध	22/05/2016
केतु	09/07/2016
शुक्र	24/11/2016
सूर्य	04/01/2017
चंद्र	14/03/2017
मंगल	02/05/2017
राहु	03/09/2017
गुरु	22/12/2017
शनि	02/05/2018

गुरु - केतु	
02/05/2018	
08/04/2019	
केतु	22/05/2018
शुक्र	18/07/2018
सूर्य	04/08/2018
चंद्र	02/09/2018
मंगल	21/09/2018
राहु	12/11/2018
गुरु	27/12/2018
शनि	19/02/2019
बुध	08/04/2019

गुरु - शुक्र	
08/04/2019	
07/12/2021	
शुक्र	18/09/2019
सूर्य	05/11/2019
चंद्र	26/01/2020
मंगल	22/03/2020
राहु	15/08/2020
गुरु	23/12/2020
शनि	27/05/2021
बुध	12/10/2021
केतु	07/12/2021

गुरु - सूर्य	
07/12/2021	
26/09/2022	
सूर्य	22/12/2021
चंद्र	15/01/2022
मंगल	01/02/2022
राहु	17/03/2022
गुरु	25/04/2022
शनि	10/06/2022
बुध	22/07/2022
केतु	08/08/2022
शुक्र	26/09/2022

विंशोत्तरी दशा - प्रत्यन्तर

गुरु - चंद्र	
26/09/2022	
26/01/2024	
चंद्र	05/11/2022
मंगल	04/12/2022
राहु	15/02/2023
गुरु	21/04/2023
शनि	07/07/2023
बुध	14/09/2023
केतु	12/10/2023
शुक्र	01/01/2024
सूर्य	26/01/2024

गुरु - मंगल	
26/01/2024	
31/12/2024	
मंगल	14/02/2024
राहु	06/04/2024
गुरु	21/05/2024
शनि	14/07/2024
बुध	31/08/2024
केतु	20/09/2024
शुक्र	16/11/2024
सूर्य	03/12/2024
चंद्र	31/12/2024

गुरु - राहु	
31/12/2024	
27/05/2027	
राहु	12/05/2025
गुरु	06/09/2025
शनि	23/01/2026
बुध	27/05/2026
केतु	17/07/2026
शुक्र	10/12/2026
सूर्य	23/01/2027
चंद्र	06/04/2027
मंगल	27/05/2027

शनि - शनि	
27/05/2027	
30/05/2030	
शनि	17/11/2027
बुध	21/04/2028
केतु	24/06/2028
शुक्र	24/12/2028
सूर्य	17/02/2029
चंद्र	19/05/2029
मंगल	23/07/2029
राहु	03/01/2030
गुरु	30/05/2030

शनि - बुध	
30/05/2030	
06/02/2033	
बुध	16/10/2030
केतु	12/12/2030
शुक्र	25/05/2031
सूर्य	13/07/2031
चंद्र	03/10/2031
मंगल	30/11/2031
राहु	25/04/2032
गुरु	03/09/2032
शनि	06/02/2033

शनि - केतु	
06/02/2033	
18/03/2034	
केतु	02/03/2033
शुक्र	08/05/2033
सूर्य	28/05/2033
चंद्र	01/07/2033
मंगल	25/07/2033
राहु	23/09/2033
गुरु	16/11/2033
शनि	19/01/2034
बुध	18/03/2034

शनि - शुक्र	
18/03/2034	
17/05/2037	
शुक्र	27/09/2034
सूर्य	23/11/2034
चंद्र	28/02/2035
मंगल	06/05/2035
राहु	27/10/2035
गुरु	29/03/2036
शनि	28/09/2036
बुध	11/03/2037
केतु	17/05/2037

शनि - सूर्य	
17/05/2037	
29/04/2038	
सूर्य	04/06/2037
चंद्र	03/07/2037
मंगल	23/07/2037
राहु	13/09/2037
गुरु	29/10/2037
शनि	23/12/2037
बुध	10/02/2038
केतु	03/03/2038
शुक्र	29/04/2038

शनि - चंद्र	
29/04/2038	
29/11/2039	
चंद्र	17/06/2038
मंगल	20/07/2038
राहु	15/10/2038
गुरु	31/12/2038
शनि	02/04/2039
बुध	23/06/2039
केतु	26/07/2039
शुक्र	31/10/2039
सूर्य	29/11/2039

शनि - मंगल	
29/11/2039	
07/01/2041	
मंगल	22/12/2039
राहु	21/02/2040
गुरु	15/04/2040
शनि	18/06/2040
बुध	14/08/2040
केतु	07/09/2040
शुक्र	14/11/2040
सूर्य	04/12/2040
चंद्र	07/01/2041

शनि - राहु	
07/01/2041	
13/11/2043	
राहु	12/06/2041
गुरु	28/10/2041
शनि	11/04/2042
बुध	06/09/2042
केतु	05/11/2042
शुक्र	28/04/2043
सूर्य	19/06/2043
चंद्र	14/09/2043
मंगल	13/11/2043

शनि - गुरु	
13/11/2043	
27/05/2046	
गुरु	16/03/2044
शनि	09/08/2044
बुध	18/12/2044
केतु	10/02/2045
शुक्र	15/07/2045
सूर्य	30/08/2045
चंद्र	15/11/2045
मंगल	08/01/2046
राहु	27/05/2046

बुध - बुध	
27/05/2046	
22/10/2048	
बुध	28/09/2046
केतु	19/11/2046
शुक्र	14/04/2047
सूर्य	28/05/2047
चंद्र	10/08/2047
मंगल	30/09/2047
राहु	09/02/2048
गुरु	05/06/2048
शनि	22/10/2048

बुध - केतु	
22/10/2048	
20/10/2049	
केतु	13/11/2048
शुक्र	12/01/2049
सूर्य	30/01/2049
चंद्र	01/03/2049
मंगल	22/03/2049
राहु	16/05/2049
गुरु	03/07/2049
शनि	29/08/2049
बुध	20/10/2049

बुध - शुक्र	
20/10/2049	
20/08/2052	
शुक्र	10/04/2050
सूर्य	01/06/2050
चंद्र	26/08/2050
मंगल	25/10/2050
राहु	30/03/2051
गुरु	15/08/2051
शनि	26/01/2052
बुध	20/06/2052
केतु	20/08/2052

विंशोत्तरी दशा - प्रत्यन्तर

बुध - सूर्य		बुध - चंद्र		बुध - मंगल		बुध - राहु		बुध - गुरु	
20/08/2052		26/06/2053		25/11/2054		23/11/2055		11/06/2058	
26/06/2053		25/11/2054		23/11/2055		11/06/2058		16/09/2060	
सूर्य	04/09/2052	चंद्र	08/08/2053	मंगल	17/12/2054	राहु	10/04/2056	गुरु	29/09/2058
चंद्र	30/09/2052	मंगल	07/09/2053	राहु	09/02/2055	गुरु	13/08/2056	शनि	07/02/2059
मंगल	18/10/2052	राहु	24/11/2053	गुरु	29/03/2055	शनि	07/01/2057	बुध	05/06/2059
राहु	04/12/2052	गुरु	01/02/2054	शनि	26/05/2055	बुध	19/05/2057	केतु	23/07/2059
गुरु	14/01/2053	शनि	24/04/2054	बुध	16/07/2055	केतु	12/07/2057	शुक्र	08/12/2059
शनि	04/03/2053	बुध	06/07/2054	केतु	06/08/2055	शुक्र	14/12/2057	सूर्य	18/01/2060
बुध	17/04/2053	केतु	05/08/2054	शुक्र	05/10/2055	सूर्य	30/01/2058	चंद्र	27/03/2060
केतु	05/05/2053	शुक्र	31/10/2054	सूर्य	23/10/2055	चंद्र	18/04/2058	मंगल	15/05/2060
शुक्र	26/06/2053	सूर्य	25/11/2054	चंद्र	23/11/2055	मंगल	11/06/2058	राहु	16/09/2060

बुध - शनि		केतु - केतु		केतु - शुक्र		केतु - सूर्य		केतु - चंद्र	
16/09/2060		27/05/2063		23/10/2063		22/12/2064		29/04/2065	
27/05/2063		23/10/2063		22/12/2064		29/04/2065		28/11/2065	
शनि	19/02/2061	केतु	05/06/2063	शुक्र	02/01/2064	सूर्य	29/12/2064	चंद्र	17/05/2065
बुध	08/07/2061	शुक्र	30/06/2063	सूर्य	24/01/2064	चंद्र	08/01/2065	मंगल	29/05/2065
केतु	03/09/2061	सूर्य	07/07/2063	चंद्र	28/02/2064	मंगल	16/01/2065	राहु	30/06/2065
शुक्र	14/02/2062	चंद्र	19/07/2063	मंगल	24/03/2064	राहु	04/02/2065	गुरु	29/07/2065
सूर्य	04/04/2062	मंगल	28/07/2063	राहु	27/05/2064	गुरु	21/02/2065	शनि	31/08/2065
चंद्र	25/06/2062	राहु	20/08/2063	गुरु	23/07/2064	शनि	13/03/2065	बुध	01/10/2065
मंगल	21/08/2062	गुरु	08/09/2063	शनि	28/09/2064	बुध	31/03/2065	केतु	13/10/2065
राहु	16/01/2063	शनि	02/10/2063	बुध	27/11/2064	केतु	08/04/2065	शुक्र	18/11/2065
गुरु	27/05/2063	बुध	23/10/2063	केतु	22/12/2064	शुक्र	29/04/2065	सूर्य	28/11/2065

केतु - मंगल		केतु - राहु		केतु - गुरु		केतु - शनि		केतु - बुध	
28/11/2065		26/04/2066		15/05/2067		20/04/2068		30/05/2069	
26/04/2066		15/05/2067		20/04/2068		30/05/2069		27/05/2070	
मंगल	07/12/2065	राहु	23/06/2066	गुरु	29/06/2067	शनि	23/06/2068	बुध	20/07/2069
राहु	29/12/2065	गुरु	13/08/2066	शनि	22/08/2067	बुध	19/08/2068	केतु	10/08/2069
गुरु	18/01/2066	शनि	13/10/2066	बुध	10/10/2067	केतु	12/09/2068	शुक्र	09/10/2069
शनि	11/02/2066	बुध	06/12/2066	केतु	29/10/2067	शुक्र	18/11/2068	सूर्य	27/10/2069
बुध	04/03/2066	केतु	28/12/2066	शुक्र	25/12/2067	सूर्य	09/12/2068	चंद्र	27/11/2069
केतु	13/03/2066	शुक्र	02/03/2067	सूर्य	11/01/2068	चंद्र	11/01/2069	मंगल	18/12/2069
शुक्र	06/04/2066	सूर्य	22/03/2067	चंद्र	09/02/2068	मंगल	04/02/2069	राहु	10/02/2070
सूर्य	14/04/2066	चंद्र	22/04/2067	मंगल	29/02/2068	राहु	06/04/2069	गुरु	30/03/2070
चंद्र	26/04/2066	मंगल	15/05/2067	राहु	20/04/2068	गुरु	30/05/2069	शनि	27/05/2070

विंशोत्तरी दशा - प्रत्यन्तर

शुक्र - शुक्र		शुक्र - सूर्य		शुक्र - चंद्र		शुक्र - मंगल		शुक्र - राहु	
27/05/2070		25/09/2073		26/09/2074		26/05/2076		26/07/2077	
25/09/2073		26/09/2074		26/05/2076		26/07/2077		26/07/2080	
शुक्र	16/12/2070	सूर्य	14/10/2073	चंद्र	15/11/2074	मंगल	20/06/2076	राहु	07/01/2078
सूर्य	15/02/2071	चंद्र	13/11/2073	मंगल	21/12/2074	राहु	23/08/2076	गुरु	02/06/2078
चंद्र	27/05/2071	मंगल	04/12/2073	राहु	22/03/2075	गुरु	19/10/2076	शनि	22/11/2078
मंगल	06/08/2071	राहु	28/01/2074	गुरु	11/06/2075	शनि	25/12/2076	बुध	27/04/2079
राहु	05/02/2072	गुरु	18/03/2074	शनि	16/09/2075	बुध	24/02/2077	केतु	30/06/2079
गुरु	16/07/2072	शनि	15/05/2074	बुध	11/12/2075	केतु	21/03/2077	शुक्र	29/12/2079
शनि	25/01/2073	बुध	05/07/2074	केतु	15/01/2076	शुक्र	31/05/2077	सूर्य	22/02/2080
बुध	16/07/2073	केतु	27/07/2074	शुक्र	26/04/2076	सूर्य	21/06/2077	चंद्र	23/05/2080
केतु	25/09/2073	शुक्र	26/09/2074	सूर्य	26/05/2076	चंद्र	26/07/2077	मंगल	26/07/2080

शुक्र - गुरु		शुक्र - शनि		शुक्र - बुध		शुक्र - केतु		सूर्य - सूर्य	
26/07/2080		27/03/2083		27/05/2086		27/03/2089		27/05/2090	
27/03/2083		27/05/2086		27/03/2089		27/05/2090		13/09/2090	
गुरु	03/12/2080	शनि	26/09/2083	बुध	20/10/2086	केतु	21/04/2089	सूर्य	01/06/2090
शनि	06/05/2081	बुध	08/03/2084	केतु	20/12/2086	शुक्र	01/07/2089	चंद्र	10/06/2090
बुध	21/09/2081	केतु	15/05/2084	शुक्र	10/06/2087	सूर्य	22/07/2089	मंगल	17/06/2090
केतु	17/11/2081	शुक्र	23/11/2084	सूर्य	01/08/2087	चंद्र	26/08/2089	राहु	03/07/2090
शुक्र	28/04/2082	सूर्य	20/01/2085	चंद्र	26/10/2087	मंगल	20/09/2089	गुरु	18/07/2090
सूर्य	16/06/2082	चंद्र	27/04/2085	मंगल	26/12/2087	राहु	23/11/2089	शनि	04/08/2090
चंद्र	05/09/2082	मंगल	03/07/2085	राहु	29/05/2088	गुरु	19/01/2090	बुध	20/08/2090
मंगल	01/11/2082	राहु	24/12/2085	गुरु	14/10/2088	शनि	27/03/2090	केतु	26/08/2090
राहु	27/03/2083	गुरु	27/05/2086	शनि	27/03/2089	बुध	27/05/2090	शुक्र	13/09/2090

सूर्य - चंद्र		सूर्य - मंगल		सूर्य - राहु		सूर्य - गुरु		सूर्य - शनि	
13/09/2090		15/03/2091		21/07/2091		14/06/2092		02/04/2093	
15/03/2091		21/07/2091		14/06/2092		02/04/2093		15/03/2094	
चंद्र	29/09/2090	मंगल	22/03/2091	राहु	08/09/2091	गुरु	23/07/2092	शनि	27/05/2093
मंगल	09/10/2090	राहु	11/04/2091	गुरु	22/10/2091	शनि	07/09/2092	बुध	15/07/2093
राहु	06/11/2090	गुरु	28/04/2091	शनि	13/12/2091	बुध	18/10/2092	केतु	04/08/2093
गुरु	30/11/2090	शनि	18/05/2091	बुध	29/01/2092	केतु	04/11/2092	शुक्र	01/10/2093
शनि	29/12/2090	बुध	05/06/2091	केतु	17/02/2092	शुक्र	23/12/2092	सूर्य	18/10/2093
बुध	24/01/2091	केतु	12/06/2091	शुक्र	12/04/2092	सूर्य	07/01/2093	चंद्र	16/11/2093
केतु	03/02/2091	शुक्र	04/07/2091	सूर्य	28/04/2092	चंद्र	31/01/2093	मंगल	06/12/2093
शुक्र	06/03/2091	सूर्य	10/07/2091	चंद्र	25/05/2092	मंगल	17/02/2093	राहु	27/01/2094
सूर्य	15/03/2091	चंद्र	21/07/2091	मंगल	14/06/2092	राहु	02/04/2093	गुरु	15/03/2094

विंशोत्तरी दशा - सूक्ष्म

गुरु - राहु - शनि	
06/09/2025 07:14	
23/01/2026 02:19	
शनि	28/09/2025 06:40
बुध	17/10/2025 22:34
केतु	26/10/2025 00:53
शुक्र	18/11/2025 04:03
सूर्य	25/11/2025 02:37
चंद्र	06/12/2025 16:12
मंगल	14/12/2025 18:31
राहु	04/01/2026 14:10
गुरु	23/01/2026 02:19

गुरु - राहु - बुध	
23/01/2026 02:19	
27/05/2026 06:45	
बुध	09/02/2026 16:33
केतु	16/02/2026 22:24
शुक्र	09/03/2026 15:09
सूर्य	15/03/2026 20:10
चंद्र	26/03/2026 04:32
मंगल	02/04/2026 10:24
राहु	21/04/2026 01:28
गुरु	07/05/2026 14:51
शनि	27/05/2026 06:45

गुरु - राहु - केतु	
27/05/2026 06:45	
17/07/2026 10:00	
केतु	30/05/2026 06:21
शुक्र	07/06/2026 18:53
सूर्य	10/06/2026 08:15
चंद्र	14/06/2026 14:31
मंगल	17/06/2026 14:06
राहु	25/06/2026 06:12
गुरु	02/07/2026 01:50
शनि	10/07/2026 04:08
बुध	17/07/2026 10:00

गुरु - राहु - शुक्र	
17/07/2026 10:00	
10/12/2026 12:24	
शुक्र	10/08/2026 18:24
सूर्य	18/08/2026 01:43
चंद्र	30/08/2026 05:55
मंगल	07/09/2026 18:27
राहु	29/09/2026 16:25
गुरु	19/10/2026 03:56
शनि	11/11/2026 07:07
बुध	01/12/2026 23:51
केतु	10/12/2026 12:24

गुरु - राहु - सूर्य	
10/12/2026 12:24	
23/01/2027 08:19	
सूर्य	12/12/2026 17:00
चंद्र	16/12/2026 08:39
मंगल	18/12/2026 22:01
राहु	25/12/2026 11:48
गुरु	31/12/2026 08:04
शनि	07/01/2027 06:37
बुध	13/01/2027 11:38
केतु	16/01/2027 01:00
शुक्र	23/01/2027 08:19

गुरु - राहु - चंद्र	
23/01/2027 08:19	
06/04/2027 09:31	
चंद्र	29/01/2027 10:25
मंगल	02/02/2027 16:41
राहु	13/02/2027 15:40
गुरु	23/02/2027 09:26
शनि	06/03/2027 23:01
बुध	17/03/2027 07:23
केतु	21/03/2027 13:39
शुक्र	02/04/2027 17:51
सूर्य	06/04/2027 09:31

गुरु - राहु - मंगल	
06/04/2027 09:31	
27/05/2027 12:45	
मंगल	09/04/2027 09:06
राहु	17/04/2027 01:12
गुरु	23/04/2027 20:50
शनि	01/05/2027 23:08
बुध	09/05/2027 05:00
केतु	12/05/2027 04:35
शुक्र	20/05/2027 17:08
सूर्य	23/05/2027 06:29
चंद्र	27/05/2027 12:45

शनि - शनि - शनि	
27/05/2027 12:45	
17/11/2027 12:10	
शनि	24/06/2027 01:52
बुध	18/07/2027 17:23
केतु	28/07/2027 20:57
शुक्र	26/08/2027 20:51
सूर्य	04/09/2027 13:37
चंद्र	19/09/2027 01:34
मंगल	29/09/2027 05:08
राहु	25/10/2027 07:27
गुरु	17/11/2027 12:10

शनि - शनि - बुध	
17/11/2027 12:10	
21/04/2028 04:04	
बुध	09/12/2027 13:26
केतु	18/12/2027 15:21
शुक्र	13/01/2028 14:00
सूर्य	21/01/2028 08:48
चंद्र	03/02/2028 08:07
मंगल	12/02/2028 10:03
राहु	06/03/2028 18:26
गुरु	27/03/2028 12:33
शनि	21/04/2028 04:04

शनि - शनि - केतु	
21/04/2028 04:04	
24/06/2028 06:23	
केतु	24/04/2028 21:48
शुक्र	05/05/2028 14:12
सूर्य	08/05/2028 19:07
चंद्र	14/05/2028 03:18
मंगल	17/05/2028 21:02
राहु	27/05/2028 11:47
गुरु	05/06/2028 00:53
शनि	15/06/2028 04:27
बुध	24/06/2028 06:23

शनि - शनि - शुक्र	
24/06/2028 06:23	
24/12/2028 09:34	
शुक्र	24/07/2028 18:55
सूर्य	02/08/2028 22:40
चंद्र	18/08/2028 04:56
मंगल	28/08/2028 21:19
राहु	25/09/2028 08:36
गुरु	19/10/2028 18:37
शनि	17/11/2028 18:31
बुध	13/12/2028 17:10
केतु	24/12/2028 09:34

शनि - शनि - सूर्य	
24/12/2028 09:34	
17/02/2029 08:07	
सूर्य	27/12/2028 03:29
चंद्र	31/12/2028 17:22
मंगल	03/01/2029 22:17
राहु	12/01/2029 04:04
गुरु	19/01/2029 11:52
शनि	28/01/2029 04:39
बुध	04/02/2029 23:26
केतु	08/02/2029 04:21
शुक्र	17/02/2029 08:07

विंशोत्तरी दशा - सूक्ष्म

शनि - शनि - चंद्र	
17/02/2029 08:07	
19/05/2029 21:42	
चंद्र	24/02/2029 23:15
मंगल	02/03/2029 07:26
राहु	16/03/2029 01:05
गुरु	28/03/2029 06:05
शनि	11/04/2029 18:02
बुध	24/04/2029 17:22
केतु	30/04/2029 01:33
शुक्र	15/05/2029 07:49
सूर्य	19/05/2029 21:42

शनि - शनि - मंगल	
19/05/2029 21:42	
23/07/2029 00:01	
मंगल	23/05/2029 15:26
राहु	02/06/2029 06:11
गुरु	10/06/2029 19:17
शनि	20/06/2029 22:51
बुध	30/06/2029 00:47
केतु	03/07/2029 18:31
शुक्र	14/07/2029 10:54
सूर्य	17/07/2029 15:49
चंद्र	23/07/2029 00:01

शनि - शनि - राहु	
23/07/2029 00:01	
03/01/2030 19:40	
राहु	16/08/2029 17:22
गुरु	07/09/2029 16:47
शनि	03/10/2029 19:06
बुध	27/10/2029 03:29
केतु	05/11/2029 18:13
शुक्र	03/12/2029 05:30
सूर्य	11/12/2029 11:17
चंद्र	25/12/2029 04:55
मंगल	03/01/2030 19:40

शनि - शनि - गुरु	
03/01/2030 19:40	
30/05/2030 07:48	
गुरु	23/01/2030 08:29
शनि	15/02/2030 13:13
बुध	08/03/2030 07:20
केतु	16/03/2030 20:26
शुक्र	10/04/2030 06:28
सूर्य	17/04/2030 14:16
चंद्र	29/04/2030 19:17
मंगल	08/05/2030 08:23
राहु	30/05/2030 07:48

शनि - बुध - बुध	
30/05/2030 07:48	
16/10/2030 14:27	
बुध	19/06/2030 01:21
केतु	27/06/2030 04:20
शुक्र	20/07/2030 09:27
सूर्य	27/07/2030 08:35
चंद्र	07/08/2030 23:08
मंगल	16/08/2030 02:07
राहु	05/09/2030 23:31
गुरु	24/09/2030 13:12
शनि	16/10/2030 14:27

शनि - बुध - केतु	
16/10/2030 14:27	
12/12/2030 22:50	
केतु	19/10/2030 22:45
शुक्र	29/10/2030 12:08
सूर्य	01/11/2030 08:58
चंद्र	06/11/2030 03:40
मंगल	09/11/2030 11:57
राहु	18/11/2030 02:24
गुरु	25/11/2030 17:55
शनि	04/12/2030 19:51
बुध	12/12/2030 22:50

शनि - बुध - शुक्र	
12/12/2030 22:50	
25/05/2031 19:22	
शुक्र	09/01/2031 06:16
सूर्य	17/01/2031 10:53
चंद्र	31/01/2031 02:36
मंगल	09/02/2031 16:00
राहु	06/03/2031 05:52
गुरु	28/03/2031 02:13
शनि	23/04/2031 00:51
बुध	16/05/2031 05:58
केतु	25/05/2031 19:22

शनि - बुध - सूर्य	
25/05/2031 19:22	
13/07/2031 23:07	
सूर्य	28/05/2031 06:21
चंद्र	01/06/2031 08:40
मंगल	04/06/2031 05:29
राहु	11/06/2031 14:27
गुरु	18/06/2031 03:45
शनि	25/06/2031 22:33
बुध	02/07/2031 21:41
केतु	05/07/2031 18:30
शुक्र	13/07/2031 23:07

शनि - बुध - चंद्र	
13/07/2031 23:07	
03/10/2031 21:23	
चंद्र	20/07/2031 18:59
मंगल	25/07/2031 13:40
राहु	06/08/2031 20:37
गुरु	17/08/2031 18:47
शनि	30/08/2031 18:06
बुध	11/09/2031 08:40
केतु	16/09/2031 03:22
शुक्र	29/09/2031 19:04
सूर्य	03/10/2031 21:23

शनि - बुध - मंगल	
03/10/2031 21:23	
30/11/2031 05:46	
मंगल	07/10/2031 05:40
राहु	15/10/2031 20:08
गुरु	23/10/2031 11:39
शनि	01/11/2031 13:35
बुध	09/11/2031 16:34
केतु	13/11/2031 00:51
शुक्र	22/11/2031 14:15
सूर्य	25/11/2031 11:04
चंद्र	30/11/2031 05:46

शनि - बुध - राहु	
30/11/2031 05:46	
25/04/2032 17:02	
राहु	22/12/2031 08:39
गुरु	11/01/2032 00:34
शनि	03/02/2032 08:57
बुध	24/02/2032 06:21
केतु	03/03/2032 20:48
शुक्र	28/03/2032 10:41
सूर्य	04/04/2032 19:39
चंद्र	17/04/2032 02:35
मंगल	25/04/2032 17:02

शनि - बुध - गुरु	
25/04/2032 17:02	
03/09/2032 19:04	
गुरु	13/05/2032 04:31
शनि	02/06/2032 22:38
बुध	21/06/2032 12:19
केतु	29/06/2032 03:50
शुक्र	21/07/2032 00:10
सूर्य	27/07/2032 13:28
चंद्र	07/08/2032 11:38
मंगल	15/08/2032 03:09
राहु	03/09/2032 19:04

विंशोत्तरी दशा - सूक्ष्म

शनि - बुध - शनि	
03/09/2032 19:04	
06/02/2033 10:57	
शनि	28/09/2032 10:35
बुध	20/10/2032 11:50
केतु	29/10/2032 13:45
शुक्र	24/11/2032 12:24
सूर्य	02/12/2032 07:12
चंद्र	15/12/2032 06:32
मंगल	24/12/2032 08:27
राहु	16/01/2033 16:50
गुरु	06/02/2033 10:57

शनि - केतु - केतु	
06/02/2033 10:57	
02/03/2033 01:42	
केतु	07/02/2033 20:01
शुक्र	11/02/2033 18:29
सूर्य	12/02/2033 22:49
चंद्र	14/02/2033 22:03
मंगल	16/02/2033 07:06
राहु	19/02/2033 20:07
गुरु	22/02/2033 23:41
शनि	26/02/2033 17:25
बुध	02/03/2033 01:42

शनि - केतु - शुक्र	
02/03/2033 01:42	
08/05/2033 12:59	
शुक्र	13/03/2033 07:35
सूर्य	16/03/2033 16:33
चंद्र	22/03/2033 07:29
मंगल	26/03/2033 05:57
राहु	05/04/2033 08:50
गुरु	14/04/2033 08:44
शनि	25/04/2033 01:07
बुध	04/05/2033 14:31
केतु	08/05/2033 12:59

शनि - केतु - सूर्य	
08/05/2033 12:59	
28/05/2033 18:46	
सूर्य	09/05/2033 13:16
चंद्र	11/05/2033 05:45
मंगल	12/05/2033 10:05
राहु	15/05/2033 10:57
गुरु	18/05/2033 03:44
शनि	21/05/2033 08:39
बुध	24/05/2033 05:28
केतु	25/05/2033 09:48
शुक्र	28/05/2033 18:46

शनि - केतु - चंद्र	
28/05/2033 18:46	
01/07/2033 12:24	
चंद्र	31/05/2033 14:14
मंगल	02/06/2033 13:28
राहु	07/06/2033 14:54
गुरु	12/06/2033 02:51
शनि	17/06/2033 11:03
बुध	22/06/2033 05:45
केतु	24/06/2033 04:59
शुक्र	29/06/2033 19:55
सूर्य	01/07/2033 12:24

शनि - केतु - मंगल	
01/07/2033 12:24	
25/07/2033 03:09	
मंगल	02/07/2033 21:28
राहु	06/07/2033 10:28
गुरु	09/07/2033 14:02
शनि	13/07/2033 07:46
बुध	16/07/2033 16:04
केतु	18/07/2033 01:07
शुक्र	21/07/2033 23:35
सूर्य	23/07/2033 03:55
चंद्र	25/07/2033 03:09

शनि - केतु - राहु	
25/07/2033 03:09	
23/09/2033 20:30	
राहु	03/08/2033 05:45
गुरु	11/08/2033 08:04
शनि	20/08/2033 22:48
बुध	29/08/2033 13:16
केतु	02/09/2033 02:17
शुक्र	12/09/2033 05:10
सूर्य	15/09/2033 06:02
चंद्र	20/09/2033 07:29
मंगल	23/09/2033 20:30

शनि - केतु - गुरु	
23/09/2033 20:30	
16/11/2033 19:55	
गुरु	01/10/2033 01:13
शनि	09/10/2033 14:19
बुध	17/10/2033 05:51
केतु	20/10/2033 09:24
शुक्र	29/10/2033 09:19
सूर्य	01/11/2033 02:05
चंद्र	05/11/2033 14:02
मंगल	08/11/2033 17:36
राहु	16/11/2033 19:55

शनि - केतु - शनि	
16/11/2033 19:55	
19/01/2034 22:13	
शनि	26/11/2033 23:29
बुध	06/12/2033 01:24
केतु	09/12/2033 19:08
शुक्र	20/12/2033 11:32
सूर्य	23/12/2033 16:27
चंद्र	29/12/2033 00:38
मंगल	01/01/2034 18:22
राहु	11/01/2034 09:07
गुरु	19/01/2034 22:13

शनि - केतु - बुध	
19/01/2034 22:13	
18/03/2034 06:36	
बुध	28/01/2034 01:13
केतु	31/01/2034 09:30
शुक्र	09/02/2034 22:54
सूर्य	12/02/2034 19:43
चंद्र	17/02/2034 14:25
मंगल	20/02/2034 22:42
राहु	01/03/2034 13:10
गुरु	09/03/2034 04:41
शनि	18/03/2034 06:36

शनि - शुक्र - शुक्र	
18/03/2034 06:36	
27/09/2034 01:06	
शुक्र	19/04/2034 09:41
सूर्य	29/04/2034 01:01
चंद्र	15/05/2034 02:33
मंगल	26/05/2034 08:26
राहु	24/06/2034 06:25
गुरु	19/07/2034 23:17
शनि	19/08/2034 11:48
बुध	15/09/2034 19:14
केतु	27/09/2034 01:06

शनि - शुक्र - सूर्य	
27/09/2034 01:06	
23/11/2034 21:03	
सूर्य	29/09/2034 22:30
चंद्र	04/10/2034 18:10
मंगल	08/10/2034 03:08
राहु	16/10/2034 19:19
गुरु	24/10/2034 12:23
शनि	02/11/2034 16:09
बुध	10/11/2034 20:46
केतु	14/11/2034 05:44
शुक्र	23/11/2034 21:03

विंशोत्तरी दशा - सूक्ष्म

शनि - शुक्र - चंद्र	
23/11/2034 21:03	
28/02/2035 06:18	
चंद्र	01/12/2034 21:50
मंगल	07/12/2034 12:46
राहु	21/12/2034 23:45
गुरु	03/01/2035 20:11
शनि	19/01/2035 02:27
बुध	01/02/2035 18:10
केतु	07/02/2035 09:06
शुक्र	23/02/2035 10:39
सूर्य	28/02/2035 06:18

शनि - शुक्र - मंगल	
28/02/2035 06:18	
06/05/2035 17:35	
मंगल	04/03/2035 04:46
राहु	14/03/2035 07:39
गुरु	23/03/2035 07:34
शनि	02/04/2035 23:57
बुध	12/04/2035 13:21
केतु	16/04/2035 11:48
शुक्र	27/04/2035 17:41
सूर्य	01/05/2035 02:39
चंद्र	06/05/2035 17:35

शनि - शुक्र - राहु	
06/05/2035 17:35	
27/10/2035 05:26	
राहु	01/06/2035 18:10
गुरु	24/06/2035 21:20
शनि	22/07/2035 08:37
बुध	15/08/2035 22:30
केतु	26/08/2035 01:23
शुक्र	23/09/2035 23:22
सूर्य	02/10/2035 15:33
चंद्र	17/10/2035 02:33
मंगल	27/10/2035 05:26

शनि - शुक्र - गुरु	
27/10/2035 05:26	
29/03/2036 10:38	
गुरु	16/11/2035 18:56
शनि	11/12/2035 04:57
बुध	02/01/2036 01:17
केतु	11/01/2036 01:11
शुक्र	05/02/2036 18:03
सूर्य	13/02/2036 11:07
चंद्र	26/02/2036 07:33
मंगल	06/03/2036 07:27
राहु	29/03/2036 10:38

शनि - शुक्र - शनि	
29/03/2036 10:38	
28/09/2036 13:48	
शनि	27/04/2036 10:32
बुध	23/05/2036 09:11
केतु	03/06/2036 01:34
शुक्र	03/07/2036 14:06
सूर्य	12/07/2036 17:52
चंद्र	28/07/2036 00:07
मंगल	07/08/2036 16:31
राहु	04/09/2036 03:47
गुरु	28/09/2036 13:48

शनि - शुक्र - बुध	
28/09/2036 13:48	
11/03/2037 10:20	
बुध	21/10/2036 18:55
केतु	31/10/2036 08:19
शुक्र	27/11/2036 15:44
सूर्य	05/12/2036 20:22
चंद्र	19/12/2036 12:04
मंगल	29/12/2036 01:28
राहु	22/01/2037 15:21
गुरु	13/02/2037 11:41
शनि	11/03/2037 10:20

शनि - शुक्र - केतु	
11/03/2037 10:20	
17/05/2037 21:36	
केतु	15/03/2037 08:47
शुक्र	26/03/2037 14:40
सूर्य	29/03/2037 23:38
चंद्र	04/04/2037 14:34
मंगल	08/04/2037 13:02
राहु	18/04/2037 15:55
गुरु	27/04/2037 15:50
शनि	08/05/2037 08:13
बुध	17/05/2037 21:36

शनि - सूर्य - सूर्य	
17/05/2037 21:36	
04/06/2037 06:00	
सूर्य	18/05/2037 18:26
चंद्र	20/05/2037 05:08
मंगल	21/05/2037 05:25
राहु	23/05/2037 19:52
गुरु	26/05/2037 03:23
शनि	28/05/2037 21:19
बुध	31/05/2037 08:18
केतु	01/06/2037 08:36
शुक्र	04/06/2037 06:00

शनि - सूर्य - चंद्र	
04/06/2037 06:00	
03/07/2037 03:58	
चंद्र	06/06/2037 15:49
मंगल	08/06/2037 08:18
राहु	12/06/2037 16:24
गुरु	16/06/2037 12:56
शनि	21/06/2037 02:49
बुध	25/06/2037 05:08
केतु	26/06/2037 21:36
शुक्र	01/07/2037 17:16
सूर्य	03/07/2037 03:58

शनि - सूर्य - मंगल	
03/07/2037 03:58	
23/07/2037 09:45	
मंगल	04/07/2037 08:18
राहु	07/07/2037 09:10
गुरु	10/07/2037 01:57
शनि	13/07/2037 06:52
बुध	16/07/2037 03:41
केतु	17/07/2037 08:01
शुक्र	20/07/2037 16:59
सूर्य	21/07/2037 17:16
चंद्र	23/07/2037 09:45

शनि - सूर्य - राहु	
23/07/2037 09:45	
13/09/2037 10:54	
राहु	31/07/2037 05:07
गुरु	07/08/2037 03:41
शनि	15/08/2037 09:28
बुध	22/08/2037 18:25
केतु	25/08/2037 19:18
शुक्र	03/09/2037 11:29
सूर्य	06/09/2037 01:57
चंद्र	10/09/2037 10:02
मंगल	13/09/2037 10:54

शनि - सूर्य - गुरु	
13/09/2037 10:54	
29/10/2037 17:16	
गुरु	19/09/2037 14:57
शनि	26/09/2037 22:46
बुध	03/10/2037 12:04
केतु	06/10/2037 04:50
शुक्र	13/10/2037 21:54
सूर्य	16/10/2037 05:25
चंद्र	20/10/2037 01:56
मंगल	22/10/2037 18:43
राहु	29/10/2037 17:16

विंशोत्तरी दशा - प्राण

गुरु - राहु - शनि - शुक्र		गुरु - राहु - शनि - सूर्य		गुरु - राहु - शनि - चंद्र		गुरु - राहु - शनि - मंगल	
26/10/2025 00:53		18/11/2025 04:03		25/11/2025 02:37		06/12/2025 16:12	
18/11/2025 04:03		25/11/2025 02:37		06/12/2025 16:12		14/12/2025 18:31	
शुक्र	29/10/2025 21:24	सूर्य	18/11/2025 12:23	चंद्र	26/11/2025 01:45	मंगल	07/12/2025 03:32
सूर्य	31/10/2025 01:10	चंद्र	19/11/2025 02:16	मंगल	26/11/2025 17:56	राहु	08/12/2025 08:41
चंद्र	01/11/2025 23:26	मंगल	19/11/2025 11:59	राहु	28/11/2025 11:34	गुरु	09/12/2025 10:35
मंगल	03/11/2025 07:49	राहु	20/11/2025 12:58	गुरु	30/11/2025 00:35	शनि	10/12/2025 17:21
राहु	06/11/2025 19:06	गुरु	21/11/2025 11:10	शनि	01/12/2025 20:32	बुध	11/12/2025 20:53
गुरु	09/11/2025 21:07	शनि	22/11/2025 13:32	बुध	03/12/2025 11:52	केतु	12/12/2025 08:13
शनि	13/11/2025 13:01	बुध	23/11/2025 13:08	केतु	04/12/2025 04:03	शुक्र	13/12/2025 16:36
बुध	16/11/2025 19:40	केतु	23/11/2025 22:51	शुक्र	06/12/2025 02:19	सूर्य	14/12/2025 02:19
केतु	18/11/2025 04:03	शुक्र	25/11/2025 02:37	सूर्य	06/12/2025 16:12	चंद्र	14/12/2025 18:31

गुरु - राहु - शनि - राहु		गुरु - राहु - शनि - गुरु		गुरु - राहु - बुध - बुध		गुरु - राहु - बुध - केतु	
14/12/2025 18:31		04/01/2026 14:10		23/01/2026 02:19		09/02/2026 16:33	
04/01/2026 14:10		23/01/2026 02:19		09/02/2026 16:33		16/02/2026 22:24	
राहु	17/12/2025 21:28	गुरु	07/01/2026 01:24	बुध	25/01/2026 14:08	केतु	10/02/2026 02:41
गुरु	20/12/2025 16:05	शनि	09/01/2026 23:43	केतु	26/01/2026 14:46	शुक्र	11/02/2026 07:40
शनि	23/12/2025 23:12	बुध	12/01/2026 14:38	शुक्र	29/01/2026 13:08	सूर्य	11/02/2026 16:22
बुध	26/12/2025 21:59	केतु	13/01/2026 16:33	सूर्य	30/01/2026 10:15	चंद्र	12/02/2026 06:51
केतु	28/12/2025 03:08	शुक्र	16/01/2026 18:34	चंद्र	31/01/2026 21:26	मंगल	12/02/2026 16:59
शुक्र	31/12/2025 14:24	सूर्य	17/01/2026 16:47	मंगल	01/02/2026 22:04	राहु	13/02/2026 19:04
सूर्य	01/01/2026 15:23	चंद्र	19/01/2026 05:47	राहु	04/02/2026 13:24	गुरु	14/02/2026 18:15
चंद्र	03/01/2026 09:02	मंगल	20/01/2026 07:42	गुरु	06/02/2026 21:42	शनि	15/02/2026 21:47
मंगल	04/01/2026 14:10	राहु	23/01/2026 02:19	शनि	09/02/2026 16:33	बुध	16/02/2026 22:24

गुरु - राहु - बुध - शुक्र		गुरु - राहु - बुध - सूर्य		गुरु - राहु - बुध - चंद्र		गुरु - राहु - बुध - मंगल	
16/02/2026 22:24		09/03/2026 15:09		15/03/2026 20:10		26/03/2026 04:32	
09/03/2026 15:09		15/03/2026 20:10		26/03/2026 04:32		02/04/2026 10:24	
शुक्र	20/02/2026 09:12	सूर्य	09/03/2026 22:36	चंद्र	16/03/2026 16:52	मंगल	26/03/2026 14:41
सूर्य	21/02/2026 10:02	चंद्र	10/03/2026 11:01	मंगल	17/03/2026 07:21	राहु	27/03/2026 16:46
चंद्र	23/02/2026 03:26	मंगल	10/03/2026 19:43	राहु	18/03/2026 20:37	गुरु	28/03/2026 15:56
मंगल	24/02/2026 08:24	राहु	11/03/2026 18:04	गुरु	20/03/2026 05:44	शनि	29/03/2026 19:28
राहु	27/02/2026 10:55	गुरु	12/03/2026 13:56	शनि	21/03/2026 21:03	बुध	30/03/2026 20:06
गुरु	02/03/2026 05:09	शनि	13/03/2026 13:32	बुध	23/03/2026 08:14	केतु	31/03/2026 06:14
शनि	05/03/2026 11:48	बुध	14/03/2026 10:38	केतु	23/03/2026 22:43	शुक्र	01/04/2026 11:13
बुध	08/03/2026 10:10	केतु	14/03/2026 19:20	शुक्र	25/03/2026 16:07	सूर्य	01/04/2026 19:55
केतु	09/03/2026 15:09	शुक्र	15/03/2026 20:10	सूर्य	26/03/2026 04:32	चंद्र	02/04/2026 10:24

विंशोत्तरी दशा - प्राण

गुरु - राहु - बुध - राहु	
02/04/2026 10:24	
21/04/2026 01:28	
राहु	05/04/2026 05:27
गुरु	07/04/2026 17:04
शनि	10/04/2026 15:51
बुध	13/04/2026 07:11
केतु	14/04/2026 09:16
शुक्र	17/04/2026 11:47
सूर्य	18/04/2026 10:08
चंद्र	19/04/2026 23:23
मंगल	21/04/2026 01:28

गुरु - राहु - बुध - गुरु	
21/04/2026 01:28	
07/05/2026 14:51	
गुरु	23/04/2026 06:27
शनि	25/04/2026 21:22
बुध	28/04/2026 05:40
केतु	29/04/2026 04:51
शुक्र	01/05/2026 23:05
सूर्य	02/05/2026 18:57
चंद्र	04/05/2026 04:04
मंगल	05/05/2026 03:15
राहु	07/05/2026 14:51

गुरु - राहु - बुध - शनि	
07/05/2026 14:51	
27/05/2026 06:45	
शनि	10/05/2026 17:34
बुध	13/05/2026 12:26
केतु	14/05/2026 15:57
शुक्र	17/05/2026 22:36
सूर्य	18/05/2026 22:12
चंद्र	20/05/2026 13:31
मंगल	21/05/2026 17:03
राहु	24/05/2026 15:50
गुरु	27/05/2026 06:45

गुरु - राहु - केतु - केतु	
27/05/2026 06:45	
30/05/2026 06:21	
केतु	27/05/2026 10:56
शुक्र	27/05/2026 22:52
सूर्य	28/05/2026 02:27
चंद्र	28/05/2026 08:25
मंगल	28/05/2026 12:35
राहु	28/05/2026 23:20
गुरु	29/05/2026 08:52
शनि	29/05/2026 20:12
बुध	30/05/2026 06:21

गुरु - राहु - केतु - शुक्र	
30/05/2026 06:21	
07/06/2026 18:53	
शुक्र	31/05/2026 16:26
सूर्य	01/06/2026 02:40
चंद्र	01/06/2026 19:43
मंगल	02/06/2026 07:38
राहु	03/06/2026 14:19
गुरु	04/06/2026 17:36
शनि	06/06/2026 01:59
बुध	07/06/2026 06:57
केतु	07/06/2026 18:53

गुरु - राहु - केतु - सूर्य	
07/06/2026 18:53	
10/06/2026 08:15	
सूर्य	07/06/2026 21:57
चंद्र	08/06/2026 03:04
मंगल	08/06/2026 06:39
राहु	08/06/2026 15:51
गुरु	09/06/2026 00:02
शनि	09/06/2026 09:45
बुध	09/06/2026 18:27
केतु	09/06/2026 22:01
शुक्र	10/06/2026 08:15

गुरु - राहु - केतु - चंद्र	
10/06/2026 08:15	
14/06/2026 14:31	
चंद्र	10/06/2026 16:46
मंगल	10/06/2026 22:44
राहु	11/06/2026 14:05
गुरु	12/06/2026 03:43
शनि	12/06/2026 19:54
बुध	13/06/2026 10:24
केतु	13/06/2026 16:22
शुक्र	14/06/2026 09:24
सूर्य	14/06/2026 14:31

गुरु - राहु - केतु - मंगल	
14/06/2026 14:31	
17/06/2026 14:06	
मंगल	14/06/2026 18:42
राहु	15/06/2026 05:26
गुरु	15/06/2026 14:59
शनि	16/06/2026 02:19
बुध	16/06/2026 12:27
केतु	16/06/2026 16:38
शुक्र	17/06/2026 04:34
सूर्य	17/06/2026 08:09
चंद्र	17/06/2026 14:06

गुरु - राहु - केतु - राहु	
17/06/2026 14:06	
25/06/2026 06:12	
राहु	18/06/2026 17:43
गुरु	19/06/2026 18:16
शनि	20/06/2026 23:25
बुध	22/06/2026 01:30
केतु	22/06/2026 12:14
शुक्र	23/06/2026 18:55
सूर्य	24/06/2026 04:07
चंद्र	24/06/2026 19:27
मंगल	25/06/2026 06:12

गुरु - राहु - केतु - गुरु	
25/06/2026 06:12	
02/07/2026 01:50	
गुरु	26/06/2026 04:01
शनि	27/06/2026 05:55
बुध	28/06/2026 05:06
केतु	28/06/2026 14:39
शुक्र	29/06/2026 17:55
सूर्य	30/06/2026 02:06
चंद्र	30/06/2026 15:44
मंगल	01/07/2026 01:17
राहु	02/07/2026 01:50

गुरु - राहु - केतु - शनि	
02/07/2026 01:50	
10/07/2026 04:08	
शनि	03/07/2026 08:36
बुध	04/07/2026 12:07
केतु	04/07/2026 23:27
शुक्र	06/07/2026 07:50
सूर्य	06/07/2026 17:33
चंद्र	07/07/2026 09:45
मंगल	07/07/2026 21:05
राहु	09/07/2026 02:14
गुरु	10/07/2026 04:08

गुरु - राहु - केतु - बुध	
10/07/2026 04:08	
17/07/2026 10:00	
बुध	11/07/2026 04:46
केतु	11/07/2026 14:55
शुक्र	12/07/2026 19:53
सूर्य	13/07/2026 04:35
चंद्र	13/07/2026 19:04
मंगल	14/07/2026 05:13
राहु	15/07/2026 07:17
गुरु	16/07/2026 06:28
शनि	17/07/2026 10:00

षोडशोत्तरी दशा

भोग्य दशा काल : चन्द्र 9 वर्ष 10 मास 4 दिन

चंद्र 16 वर्ष		बुध 17 वर्ष		शुक्र 18 वर्ष		सूर्य 11 वर्ष		मंगल 12 वर्ष	
31/03/1980		03/02/1990		04/02/2007		03/02/2025		04/02/2036	
03/02/1990		04/02/2007		03/02/2025		04/02/2036		04/02/2048	
	00/00/0000	बुध	01/08/1992	शुक्र	20/11/2009	सूर्य	19/02/2026	मंगल	02/05/2037
	31/03/1980	शुक्र	23/03/1995	सूर्य	05/08/2011	मंगल	11/04/2027	गुरु	05/09/2038
शुक्र	16/02/1981	सूर्य	01/11/1996	मंगल	15/06/2013	गुरु	04/07/2028	शनि	16/02/2040
सूर्य	24/08/1982	मंगल	05/08/1998	गुरु	22/06/2015	शनि	01/11/2029	केतु	05/09/2041
मंगल	19/04/1984	गुरु	01/07/2000	शनि	24/08/2017	केतु	04/04/2031	चंद्र	03/05/2043
गुरु	03/02/1986	शनि	20/07/2002	केतु	22/12/2019	चंद्र	10/10/2032	बुध	03/02/2045
शनि	10/01/1988	केतु	30/09/2004	चंद्र	16/06/2022	बुध	21/05/2034	शुक्र	15/12/2046
केतु	03/02/1990	चंद्र	04/02/2007	बुध	03/02/2025	शुक्र	04/02/2036	सूर्य	04/02/2048

गुरु 13 वर्ष		शनि 14 वर्ष		केतु 15 वर्ष		चंद्र 16 वर्ष	
04/02/2048		03/02/2061		04/02/2075		03/02/2090	
03/02/2061		04/02/2075		03/02/2090		00/00/0000	
गुरु	20/07/2049	शनि	13/10/2062	केतु	12/01/2077	चंद्र	19/04/2092
शनि	13/02/2051	केतु	04/08/2064	चंद्र	07/02/2079	बुध	24/08/2094
केतु	19/10/2052	चंद्र	11/07/2066	बुध	20/04/2081	शुक्र	31/03/2096
चंद्र	05/08/2054	बुध	29/07/2068	शुक्र	18/08/2083		00/00/0000
बुध	01/07/2056	शुक्र	01/10/2070	सूर्य	18/01/2085		00/00/0000
शुक्र	08/07/2058	सूर्य	29/01/2072	मंगल	08/08/2086		00/00/0000
सूर्य	01/10/2059	मंगल	11/07/2073	गुरु	13/04/2088		00/00/0000
मंगल	03/02/2061	गुरु	04/02/2075	शनि	03/02/2090		00/00/0000

नोट : उपरोक्त तिथियां दशा के समाप्त होने का समय दर्शाती हैं।
षोडशोत्तरी दशा पूरे 116 वर्ष की बिना आयुनिर्णय के दी गई हैं।

षोडशोत्तरी दशा - प्रत्यन्तर

चंद्र - शुक्र		चंद्र - सूर्य		चंद्र - मंगल		चंद्र - गुरु		चंद्र - शनि	
31/03/1980		16/02/1981		24/08/1982		19/04/1984		03/02/1986	
16/02/1981		24/08/1982		19/04/1984		03/02/1986		10/01/1988	
	00/00/0000	सूर्य	09/04/1981	मंगल	25/10/1982	गुरु	02/07/1984	शनि	29/04/1986
	00/00/0000	मंगल	06/06/1981	गुरु	01/01/1983	शनि	19/09/1984	केतु	30/07/1986
	00/00/0000	गुरु	07/08/1981	शनि	15/03/1983	केतु	13/12/1984	चंद्र	04/11/1986
	00/00/0000	शनि	13/10/1981	केतु	01/06/1983	चंद्र	13/03/1985	बुध	15/02/1987
	31/03/1980	केतु	23/12/1981	चंद्र	24/08/1983	बुध	17/06/1985	शुक्र	05/06/1987
केतु	03/06/1980	चंद्र	10/03/1982	बुध	20/11/1983	शुक्र	26/09/1985	सूर्य	11/08/1987
चंद्र	06/10/1980	बुध	30/05/1982	शुक्र	22/02/1984	सूर्य	28/11/1985	मंगल	23/10/1987
बुध	16/02/1981	शुक्र	24/08/1982	सूर्य	19/04/1984	मंगल	03/02/1986	गुरु	10/01/1988

चंद्र - केतु		बुध - बुध		बुध - शुक्र		बुध - सूर्य		बुध - मंगल	
10/01/1988		03/02/1990		01/08/1992		23/03/1995		01/11/1996	
03/02/1990		01/08/1992		23/03/1995		01/11/1996		05/08/1998	
केतु	16/04/1988	बुध	17/06/1990	शुक्र	29/12/1992	सूर्य	18/05/1995	मंगल	06/01/1997
चंद्र	30/07/1988	शुक्र	05/11/1990	सूर्य	30/03/1993	मंगल	18/07/1995	गुरु	19/03/1997
बुध	17/11/1988	सूर्य	30/01/1991	मंगल	08/07/1993	गुरु	22/09/1995	शनि	05/06/1997
शुक्र	15/03/1989	मंगल	04/05/1991	गुरु	24/10/1993	शनि	02/12/1995	केतु	27/08/1997
सूर्य	25/05/1989	गुरु	14/08/1991	शनि	17/02/1994	केतु	16/02/1996	चंद्र	23/11/1997
मंगल	11/08/1989	शनि	02/12/1991	केतु	22/06/1994	चंद्र	07/05/1996	बुध	25/02/1998
गुरु	04/11/1989	केतु	29/03/1992	चंद्र	02/11/1994	बुध	01/08/1996	शुक्र	05/06/1998
शनि	03/02/1990	चंद्र	01/08/1992	बुध	23/03/1995	शुक्र	01/11/1996	सूर्य	05/08/1998

बुध - गुरु		बुध - शनि		बुध - केतु		बुध - चंद्र		शुक्र - शुक्र	
05/08/1998		01/07/2000		20/07/2002		30/09/2004		04/02/2007	
01/07/2000		20/07/2002		30/09/2004		04/02/2007		20/11/2009	
गुरु	22/10/1998	शनि	29/09/2000	केतु	01/11/2002	चंद्र	26/01/2005	शुक्र	12/07/2007
शनि	14/01/1999	केतु	04/01/2001	चंद्र	20/02/2003	बुध	01/06/2005	सूर्य	17/10/2007
केतु	14/04/1999	चंद्र	18/04/2001	बुध	17/06/2003	शुक्र	12/10/2005	मंगल	30/01/2008
चंद्र	19/07/1999	बुध	05/08/2001	शुक्र	20/10/2003	सूर्य	01/01/2006	गुरु	24/05/2008
बुध	29/10/1999	शुक्र	30/11/2001	सूर्य	04/01/2004	मंगल	31/03/2006	शनि	24/09/2008
शुक्र	14/02/2000	सूर्य	09/02/2002	मंगल	27/03/2004	गुरु	04/07/2006	केतु	03/02/2009
सूर्य	20/04/2000	मंगल	27/04/2002	गुरु	25/06/2004	शनि	16/10/2006	चंद्र	23/06/2009
मंगल	01/07/2000	गुरु	20/07/2002	शनि	30/09/2004	केतु	04/02/2007	बुध	20/11/2009

षोडशोत्तरी दशा - प्रत्यन्तर

शुक्र - सूर्य		शुक्र - मंगल		शुक्र - गुरु		शुक्र - शनि		शुक्र - केतु	
20/11/2009		05/08/2011		15/06/2013		22/06/2015		24/08/2017	
05/08/2011		15/06/2013		22/06/2015		24/08/2017		22/12/2019	
सूर्य	18/01/2010	मंगल	15/10/2011	गुरु	06/09/2013	शनि	26/09/2015	केतु	12/12/2017
मंगल	23/03/2010	गुरु	30/12/2011	शनि	04/12/2013	केतु	07/01/2016	चंद्र	08/04/2018
गुरु	01/06/2010	शनि	21/03/2012	केतु	09/03/2014	चंद्र	25/04/2016	बुध	10/08/2018
शनि	16/08/2010	केतु	17/06/2012	चंद्र	19/06/2014	बुध	19/08/2016	शुक्र	20/12/2018
केतु	04/11/2010	चंद्र	19/09/2012	बुध	05/10/2014	शुक्र	20/12/2016	सूर्य	11/03/2019
चंद्र	29/01/2011	बुध	27/12/2012	शुक्र	27/01/2015	सूर्य	06/03/2017	मंगल	07/06/2019
बुध	30/04/2011	शुक्र	12/04/2013	सूर्य	07/04/2015	मंगल	27/05/2017	गुरु	10/09/2019
शुक्र	05/08/2011	सूर्य	15/06/2013	मंगल	22/06/2015	गुरु	24/08/2017	शनि	22/12/2019

शुक्र - चंद्र		शुक्र - बुध		सूर्य - सूर्य		सूर्य - मंगल		सूर्य - गुरु	
22/12/2019		16/06/2022		03/02/2025		19/02/2026		11/04/2027	
16/06/2022		03/02/2025		19/02/2026		11/04/2027		04/07/2028	
चंद्र	25/04/2020	बुध	04/11/2022	सूर्य	11/03/2025	मंगल	03/04/2026	गुरु	31/05/2027
बुध	05/09/2020	शुक्र	02/04/2023	मंगल	20/04/2025	गुरु	20/05/2026	शनि	25/07/2027
शुक्र	23/01/2021	सूर्य	03/07/2023	गुरु	01/06/2025	शनि	09/07/2026	केतु	21/09/2027
सूर्य	19/04/2021	मंगल	10/10/2023	शनि	17/07/2025	केतु	01/09/2026	चंद्र	22/11/2027
मंगल	22/07/2021	गुरु	26/01/2024	केतु	05/09/2025	चंद्र	28/10/2026	बुध	27/01/2028
गुरु	01/11/2021	शनि	22/05/2024	चंद्र	27/10/2025	बुध	28/12/2026	शुक्र	06/04/2028
शनि	18/02/2022	केतु	23/09/2024	बुध	22/12/2025	शुक्र	02/03/2027	सूर्य	18/05/2028
केतु	16/06/2022	चंद्र	03/02/2025	शुक्र	19/02/2026	सूर्य	11/04/2027	मंगल	04/07/2028

सूर्य - शनि		सूर्य - केतु		सूर्य - चंद्र		सूर्य - बुध		सूर्य - शुक्र	
04/07/2028		01/11/2029		04/04/2031		10/10/2032		21/05/2034	
01/11/2029		04/04/2031		10/10/2032		21/05/2034		04/02/2036	
शनि	01/09/2028	केतु	07/01/2030	चंद्र	20/06/2031	बुध	04/01/2033	शुक्र	26/08/2034
केतु	02/11/2028	चंद्र	20/03/2030	बुध	09/09/2031	शुक्र	05/04/2033	सूर्य	24/10/2034
चंद्र	08/01/2029	बुध	04/06/2030	शुक्र	04/12/2031	सूर्य	31/05/2033	मंगल	28/12/2034
बुध	20/03/2029	शुक्र	23/08/2030	सूर्य	26/01/2032	मंगल	31/07/2033	गुरु	08/03/2035
शुक्र	03/06/2029	सूर्य	12/10/2030	मंगल	23/03/2032	गुरु	05/10/2033	शनि	22/05/2035
सूर्य	19/07/2029	मंगल	04/12/2030	गुरु	24/05/2032	शनि	15/12/2033	केतु	10/08/2035
मंगल	08/09/2029	गुरु	01/02/2031	शनि	30/07/2032	केतु	01/03/2034	चंद्र	04/11/2035
गुरु	01/11/2029	शनि	04/04/2031	केतु	10/10/2032	चंद्र	21/05/2034	बुध	04/02/2036

षोडशोत्तरी दशा - प्रत्यन्तर

मंगल - मंगल		मंगल - गुरु		मंगल - शनि		मंगल - केतु		मंगल - चंद्र	
04/02/2036		02/05/2037		05/09/2038		16/02/2040		05/09/2041	
02/05/2037		05/09/2038		16/02/2040		05/09/2041		03/05/2043	
मंगल	22/03/2036	गुरु	26/06/2037	शनि	08/11/2038	केतु	30/04/2040	चंद्र	28/11/2041
गुरु	12/05/2036	शनि	25/08/2037	केतु	16/01/2039	चंद्र	17/07/2040	बुध	24/02/2042
शनि	05/07/2036	केतु	27/10/2037	चंद्र	30/03/2039	बुध	08/10/2040	शुक्र	29/05/2042
केतु	02/09/2036	चंद्र	03/01/2038	बुध	15/06/2039	शुक्र	04/01/2041	सूर्य	25/07/2042
चंद्र	03/11/2036	बुध	16/03/2038	शुक्र	05/09/2039	सूर्य	27/02/2041	मंगल	26/09/2042
बुध	09/01/2037	शुक्र	31/05/2038	सूर्य	25/10/2039	मंगल	26/04/2041	गुरु	03/12/2042
शुक्र	20/03/2037	सूर्य	17/07/2038	मंगल	19/12/2039	गुरु	29/06/2041	शनि	14/02/2043
सूर्य	02/05/2037	मंगल	05/09/2038	गुरु	16/02/2040	शनि	05/09/2041	केतु	03/05/2043

मंगल - बुध		मंगल - शुक्र		मंगल - सूर्य		गुरु - गुरु		गुरु - शनि	
03/05/2043		03/02/2045		15/12/2046		04/02/2048		20/07/2049	
03/02/2045		15/12/2046		04/02/2048		20/07/2049		13/02/2051	
बुध	05/08/2043	शुक्र	20/05/2045	सूर्य	24/01/2047	गुरु	03/04/2048	शनि	27/09/2049
शुक्र	13/11/2043	सूर्य	23/07/2045	मंगल	08/03/2047	शनि	07/06/2048	केतु	10/12/2049
सूर्य	12/01/2044	मंगल	01/10/2045	गुरु	23/04/2047	केतु	15/08/2048	चंद्र	27/02/2050
मंगल	19/03/2044	गुरु	17/12/2045	शनि	12/06/2047	चंद्र	27/10/2048	बुध	22/05/2050
गुरु	30/05/2044	शनि	09/03/2046	केतु	05/08/2047	बुध	13/01/2049	शुक्र	19/08/2050
शनि	15/08/2044	केतु	05/06/2046	चंद्र	01/10/2047	शुक्र	05/04/2049	सूर्य	13/10/2050
केतु	07/11/2044	चंद्र	07/09/2046	बुध	01/12/2047	सूर्य	26/05/2049	मंगल	11/12/2050
चंद्र	03/02/2045	बुध	15/12/2046	शुक्र	04/02/2048	मंगल	20/07/2049	गुरु	13/02/2051

गुरु - केतु		गुरु - चंद्र		गुरु - बुध		गुरु - शुक्र		गुरु - सूर्य	
13/02/2051		19/10/2052		05/08/2054		01/07/2056		08/07/2058	
19/10/2052		05/08/2054		01/07/2056		08/07/2058		01/10/2059	
केतु	03/05/2051	चंद्र	17/01/2053	बुध	15/11/2054	शुक्र	23/10/2056	सूर्य	19/08/2058
चंद्र	27/07/2051	बुध	23/04/2053	शुक्र	03/03/2055	सूर्य	01/01/2057	मंगल	05/10/2058
बुध	25/10/2051	शुक्र	03/08/2053	सूर्य	08/05/2055	मंगल	18/03/2057	गुरु	24/11/2058
शुक्र	28/01/2052	सूर्य	04/10/2053	मंगल	19/07/2055	गुरु	09/06/2057	शनि	18/01/2059
सूर्य	27/03/2052	मंगल	11/12/2053	गुरु	05/10/2055	शनि	06/09/2057	केतु	17/03/2059
मंगल	29/05/2052	गुरु	22/02/2054	शनि	28/12/2055	केतु	10/12/2057	चंद्र	18/05/2059
गुरु	06/08/2052	शनि	12/05/2054	केतु	27/03/2056	चंद्र	22/03/2058	बुध	23/07/2059
शनि	19/10/2052	केतु	05/08/2054	चंद्र	01/07/2056	बुध	08/07/2058	शुक्र	01/10/2059

षोडशोत्तरी दशा - प्रत्यन्तर

गुरु - मंगल		शनि - शनि		शनि - केतु		शनि - चंद्र		शनि - बुध	
01/10/2059		03/02/2061		13/10/2062		04/08/2064		11/07/2066	
03/02/2061		13/10/2062		04/08/2064		11/07/2066		29/07/2068	
मंगल	21/11/2059	शनि	19/04/2061	केतु	07/01/2063	चंद्र	10/11/2064	बुध	29/10/2066
गुरु	15/01/2060	केतु	07/07/2061	चंद्र	08/04/2063	बुध	21/02/2065	शुक्र	22/02/2067
शनि	14/03/2060	चंद्र	01/10/2061	बुध	14/07/2063	शुक्र	11/06/2065	सूर्य	04/05/2067
केतु	17/05/2060	बुध	30/12/2061	शुक्र	24/10/2063	सूर्य	16/08/2065	मंगल	20/07/2067
चंद्र	23/07/2060	शुक्र	05/04/2062	सूर्य	26/12/2063	मंगल	28/10/2065	गुरु	12/10/2067
बुध	03/10/2060	सूर्य	02/06/2062	मंगल	04/03/2064	गुरु	15/01/2066	शनि	11/01/2068
शुक्र	19/12/2060	मंगल	05/08/2062	गुरु	17/05/2064	शनि	11/04/2066	केतु	17/04/2068
सूर्य	03/02/2061	गुरु	13/10/2062	शनि	04/08/2064	केतु	11/07/2066	चंद्र	29/07/2068

शनि - शुक्र		शनि - सूर्य		शनि - मंगल		शनि - गुरु		केतु - केतु	
29/07/2068		01/10/2070		29/01/2072		11/07/2073		04/02/2075	
01/10/2070		29/01/2072		11/07/2073		04/02/2075		12/01/2077	
शुक्र	29/11/2068	सूर्य	16/11/2070	मंगल	23/03/2072	गुरु	13/09/2073	केतु	06/05/2075
सूर्य	13/02/2069	मंगल	05/01/2071	गुरु	22/05/2072	शनि	21/11/2073	चंद्र	12/08/2075
मंगल	06/05/2069	गुरु	28/02/2071	शनि	24/07/2072	केतु	03/02/2074	बुध	24/11/2075
गुरु	03/08/2069	शनि	28/04/2071	केतु	01/10/2072	चंद्र	23/04/2074	शुक्र	13/03/2076
शनि	06/11/2069	केतु	29/06/2071	चंद्र	13/12/2072	बुध	16/07/2074	सूर्य	19/05/2076
केतु	17/02/2070	चंद्र	04/09/2071	बुध	28/02/2073	शुक्र	13/10/2074	मंगल	31/07/2076
चंद्र	06/06/2070	बुध	14/11/2071	शुक्र	21/05/2073	सूर्य	06/12/2074	गुरु	19/10/2076
बुध	01/10/2070	शुक्र	29/01/2072	सूर्य	11/07/2073	मंगल	04/02/2075	शनि	12/01/2077

केतु - चंद्र		केतु - बुध		केतु - शुक्र		केतु - सूर्य		केतु - मंगल	
12/01/2077		07/02/2079		20/04/2081		18/08/2083		18/01/2085	
07/02/2079		20/04/2081		18/08/2083		18/01/2085		08/08/2086	
चंद्र	26/04/2077	बुध	04/06/2079	शुक्र	30/08/2081	सूर्य	06/10/2083	मंगल	18/03/2085
बुध	15/08/2077	शुक्र	07/10/2079	सूर्य	18/11/2081	मंगल	29/11/2083	गुरु	21/05/2085
शुक्र	10/12/2077	सूर्य	22/12/2079	मंगल	14/02/2082	गुरु	26/01/2084	शनि	28/07/2085
सूर्य	20/02/2078	मंगल	14/03/2080	गुरु	20/05/2082	शनि	29/03/2084	केतु	09/10/2085
मंगल	09/05/2078	गुरु	12/06/2080	शनि	31/08/2082	केतु	04/06/2084	चंद्र	26/12/2085
गुरु	02/08/2078	शनि	17/09/2080	केतु	19/12/2082	चंद्र	15/08/2084	बुध	19/03/2086
शनि	01/11/2078	केतु	30/12/2080	चंद्र	15/04/2083	बुध	30/10/2084	शुक्र	15/06/2086
केतु	07/02/2079	चंद्र	20/04/2081	बुध	18/08/2083	शुक्र	18/01/2085	सूर्य	08/08/2086

त्रिभगी दशा

भोग्य दशा काल : चन्द्र 4 वर्ष 1 मास 6 दिन

चंद्र 7 वर्ष		मंगल 5 वर्ष		राहु 12 वर्ष		गुरु 11 वर्ष		शनि 13 वर्ष	
31/03/1980		08/05/1984		06/01/1989		06/01/2001		07/09/2011	
08/05/1984		06/01/1989		06/01/2001		07/09/2011		08/05/2024	
	00/00/0000	मंगल	15/08/1984	राहु	26/10/1990	गुरु	10/06/2002	शनि	09/09/2013
	00/00/0000	राहु	28/04/1985	गुरु	01/06/1992	शनि	16/02/2004	बुध	26/06/2015
	31/03/1980	गुरु	11/12/1985	शनि	26/04/1994	बुध	21/08/2005	केतु	22/03/2016
गुरु	07/07/1980	शनि	07/09/1986	बुध	07/01/1996	केतु	06/04/2006	शुक्र	02/05/2018
शनि	28/07/1981	बुध	06/05/1987	केतु	19/09/1996	शुक्र	15/01/2008	सूर्य	19/12/2018
बुध	08/07/1982	केतु	14/08/1987	शुक्र	19/09/1998	सूर्य	28/07/2008	चंद्र	09/01/2020
केतु	27/11/1982	शुक्र	24/05/1988	सूर्य	26/04/1999	चंद्र	17/06/2009	मंगल	05/10/2020
शुक्र	07/01/1984	सूर्य	17/08/1988	चंद्र	25/04/2000	मंगल	31/01/2010	राहु	30/08/2022
सूर्य	08/05/1984	चंद्र	06/01/1989	मंगल	06/01/2001	राहु	07/09/2011	गुरु	08/05/2024

बुध 11 वर्ष		केतु 5 वर्ष		शुक्र 13 वर्ष		सूर्य 4 वर्ष		चंद्र 7 वर्ष	
08/05/2024		07/09/2035		08/05/2040		07/09/2053		07/09/2057	
07/09/2035		08/05/2040		07/09/2053		07/09/2057		00/00/0000	
बुध	15/12/2025	केतु	16/12/2035	शुक्र	28/07/2042	सूर्य	19/11/2053	चंद्र	28/03/2058
केतु	13/08/2026	शुक्र	25/09/2036	सूर्य	29/03/2043	चंद्र	20/03/2054	मंगल	18/08/2058
शुक्र	03/07/2028	सूर्य	19/12/2036	चंद्र	08/05/2044	मंगल	14/06/2054	राहु	18/08/2059
सूर्य	26/01/2029	चंद्र	10/05/2037	मंगल	16/02/2045	राहु	19/01/2055	गुरु	31/03/2060
चंद्र	06/01/2030	मंगल	17/08/2037	राहु	16/02/2047	गुरु	02/08/2055		00/00/0000
मंगल	05/09/2030	राहु	30/04/2038	गुरु	26/11/2048	शनि	20/03/2056		00/00/0000
राहु	18/05/2032	गुरु	13/12/2038	शनि	07/01/2051	बुध	13/10/2056		00/00/0000
गुरु	21/11/2033	शनि	09/09/2039	बुध	26/11/2052	केतु	06/01/2057		00/00/0000
शनि	07/09/2035	बुध	08/05/2040	केतु	07/09/2053	शुक्र	07/09/2057		00/00/0000

नोट : उपरोक्त तिथियां दशा के समाप्त होने का समय दर्शाती हैं।
त्रिभगी दशा पूरे 80 वर्ष की बिना आयुनिर्णय के दी गई हैं।

त्रिभगी दशा - प्रत्यन्तर

चंद्र - गुरु		चंद्र - शनि		चंद्र - बुध		चंद्र - केतु		चंद्र - शुक्र	
31/03/1980		07/07/1980		28/07/1981		08/07/1982		27/11/1982	
07/07/1980		28/07/1981		08/07/1982		27/11/1982		07/01/1984	
	00/00/0000	शनि	06/09/1980	बुध	15/09/1981	केतु	16/07/1982	शुक्र	03/02/1983
	00/00/0000	बुध	31/10/1980	केतु	05/10/1981	शुक्र	09/08/1982	सूर्य	23/02/1983
	00/00/0000	केतु	23/11/1980	शुक्र	01/12/1981	सूर्य	16/08/1982	चंद्र	29/03/1983
	00/00/0000	शुक्र	26/01/1981	सूर्य	19/12/1981	चंद्र	28/08/1982	मंगल	21/04/1983
	31/03/1980	सूर्य	14/02/1981	चंद्र	16/01/1982	मंगल	05/09/1982	राहु	21/06/1983
सूर्य	04/04/1980	चंद्र	18/03/1981	मंगल	06/02/1982	राहु	26/09/1982	गुरु	14/08/1983
चंद्र	01/05/1980	मंगल	10/04/1981	राहु	29/03/1982	गुरु	15/10/1982	शनि	18/10/1983
मंगल	20/05/1980	राहु	07/06/1981	गुरु	14/05/1982	शनि	07/11/1982	बुध	14/12/1983
राहु	07/07/1980	गुरु	28/07/1981	शनि	08/07/1982	बुध	27/11/1982	केतु	07/01/1984

चंद्र - सूर्य		मंगल - मंगल		मंगल - राहु		मंगल - गुरु		मंगल - शनि	
07/01/1984		08/05/1984		15/08/1984		28/04/1985		11/12/1985	
08/05/1984		15/08/1984		28/04/1985		11/12/1985		07/09/1986	
सूर्य	13/01/1984	मंगल	13/05/1984	राहु	22/09/1984	गुरु	28/05/1985	शनि	23/01/1986
चंद्र	23/01/1984	राहु	28/05/1984	गुरु	26/10/1984	शनि	03/07/1985	बुध	02/03/1986
मंगल	30/01/1984	गुरु	11/06/1984	शनि	06/12/1984	बुध	04/08/1985	केतु	18/03/1986
राहु	17/02/1984	शनि	26/06/1984	बुध	11/01/1985	केतु	17/08/1985	शुक्र	02/05/1986
गुरु	05/03/1984	बुध	10/07/1984	केतु	26/01/1985	शुक्र	24/09/1985	सूर्य	15/05/1986
शनि	24/03/1984	केतु	16/07/1984	शुक्र	10/03/1985	सूर्य	06/10/1985	चंद्र	07/06/1986
बुध	10/04/1984	शुक्र	02/08/1984	सूर्य	22/03/1985	चंद्र	25/10/1985	मंगल	22/06/1986
केतु	17/04/1984	सूर्य	07/08/1984	चंद्र	13/04/1985	मंगल	07/11/1985	राहु	02/08/1986
शुक्र	08/05/1984	चंद्र	15/08/1984	मंगल	28/04/1985	राहु	11/12/1985	गुरु	07/09/1986

मंगल - बुध		मंगल - केतु		मंगल - शुक्र		मंगल - सूर्य		मंगल - चंद्र	
07/09/1986		06/05/1987		14/08/1987		24/05/1988		17/08/1988	
06/05/1987		14/08/1987		24/05/1988		17/08/1988		06/01/1989	
बुध	11/10/1986	केतु	12/05/1987	शुक्र	30/09/1987	सूर्य	28/05/1988	चंद्र	29/08/1988
केतु	25/10/1986	शुक्र	29/05/1987	सूर्य	14/10/1987	चंद्र	04/06/1988	मंगल	06/09/1988
शुक्र	04/12/1986	सूर्य	03/06/1987	चंद्र	07/11/1987	मंगल	09/06/1988	राहु	27/09/1988
सूर्य	16/12/1986	चंद्र	11/06/1987	मंगल	24/11/1987	राहु	22/06/1988	गुरु	16/10/1988
चंद्र	06/01/1987	मंगल	17/06/1987	राहु	05/01/1988	गुरु	03/07/1988	शनि	08/11/1988
मंगल	20/01/1987	राहु	02/07/1987	गुरु	12/02/1988	शनि	17/07/1988	बुध	28/11/1988
राहु	25/02/1987	गुरु	15/07/1987	शनि	28/03/1988	बुध	29/07/1988	केतु	06/12/1988
गुरु	29/03/1987	शनि	31/07/1987	बुध	07/05/1988	केतु	03/08/1988	शुक्र	30/12/1988
शनि	06/05/1987	बुध	14/08/1987	केतु	24/05/1988	शुक्र	17/08/1988	सूर्य	06/01/1989

त्रिभगी दशा - प्रत्यन्तर

राहु - राहु		राहु - गुरु		राहु - शनि		राहु - बुध		राहु - केतु	
06/01/1989		26/10/1990		01/06/1992		26/04/1994		07/01/1996	
26/10/1990		01/06/1992		26/04/1994		07/01/1996		19/09/1996	
राहु	15/04/1989	गुरु	11/01/1991	शनि	19/09/1992	बुध	23/07/1994	केतु	22/01/1996
गुरु	11/07/1989	शनि	14/04/1991	बुध	26/12/1992	केतु	28/08/1994	शुक्र	04/03/1996
शनि	23/10/1989	बुध	06/07/1991	केतु	05/02/1993	शुक्र	10/12/1994	सूर्य	17/03/1996
बुध	25/01/1990	केतु	09/08/1991	शुक्र	31/05/1993	सूर्य	10/01/1995	चंद्र	07/04/1996
केतु	04/03/1990	शुक्र	14/11/1991	सूर्य	05/07/1993	चंद्र	02/03/1995	मंगल	22/04/1996
शुक्र	22/06/1990	सूर्य	13/12/1991	चंद्र	01/09/1993	मंगल	08/04/1995	राहु	31/05/1996
सूर्य	24/07/1990	चंद्र	31/01/1992	मंगल	11/10/1993	राहु	10/07/1995	गुरु	04/07/1996
चंद्र	17/09/1990	मंगल	05/03/1992	राहु	23/01/1994	गुरु	01/10/1995	शनि	13/08/1996
मंगल	26/10/1990	राहु	01/06/1992	गुरु	26/04/1994	शनि	07/01/1996	बुध	19/09/1996

राहु - शुक्र		राहु - सूर्य		राहु - चंद्र		राहु - मंगल		गुरु - गुरु	
19/09/1996		19/09/1998		26/04/1999		25/04/2000		06/01/2001	
19/09/1998		26/04/1999		25/04/2000		06/01/2001		10/06/2002	
शुक्र	18/01/1997	सूर्य	30/09/1998	चंद्र	27/05/1999	मंगल	10/05/2000	गुरु	16/03/2001
सूर्य	24/02/1997	चंद्र	18/10/1998	मंगल	17/06/1999	राहु	18/06/2000	शनि	07/06/2001
चंद्र	26/04/1997	मंगल	31/10/1998	राहु	11/08/1999	गुरु	22/07/2000	बुध	19/08/2001
मंगल	07/06/1997	राहु	03/12/1998	गुरु	28/09/1999	शनि	31/08/2000	केतु	18/09/2001
राहु	25/09/1997	गुरु	01/01/1999	शनि	25/11/1999	बुध	06/10/2000	शुक्र	14/12/2001
गुरु	31/12/1997	शनि	05/02/1999	बुध	16/01/2000	केतु	21/10/2000	सूर्य	09/01/2002
शनि	26/04/1998	बुध	08/03/1999	केतु	06/02/2000	शुक्र	03/12/2000	चंद्र	21/02/2002
बुध	07/08/1998	केतु	21/03/1999	शुक्र	07/04/2000	सूर्य	16/12/2000	मंगल	24/03/2002
केतु	19/09/1998	शुक्र	26/04/1999	सूर्य	25/04/2000	चंद्र	06/01/2001	राहु	10/06/2002

गुरु - शनि		गुरु - बुध		गुरु - केतु		गुरु - शुक्र		गुरु - सूर्य	
10/06/2002		16/02/2004		21/08/2005		06/04/2006		15/01/2008	
16/02/2004		21/08/2005		06/04/2006		15/01/2008		28/07/2008	
शनि	15/09/2002	बुध	05/05/2004	केतु	04/09/2005	शुक्र	23/07/2006	सूर्य	25/01/2008
बुध	12/12/2002	केतु	06/06/2004	शुक्र	11/10/2005	सूर्य	24/08/2006	चंद्र	10/02/2008
केतु	17/01/2003	शुक्र	06/09/2004	सूर्य	23/10/2005	चंद्र	17/10/2006	मंगल	21/02/2008
शुक्र	29/04/2003	सूर्य	03/10/2004	चंद्र	11/11/2005	मंगल	24/11/2006	राहु	21/03/2008
सूर्य	30/05/2003	चंद्र	18/11/2004	मंगल	24/11/2005	राहु	02/03/2007	गुरु	16/04/2008
चंद्र	21/07/2003	मंगल	21/12/2004	राहु	28/12/2005	गुरु	27/05/2007	शनि	17/05/2008
मंगल	26/08/2003	राहु	13/03/2005	गुरु	27/01/2006	शनि	07/09/2007	बुध	14/06/2008
राहु	26/11/2003	गुरु	26/05/2005	शनि	04/03/2006	बुध	08/12/2007	केतु	25/06/2008
गुरु	16/02/2004	शनि	21/08/2005	बुध	06/04/2006	केतु	15/01/2008	शुक्र	28/07/2008

त्रिभगी दशा - प्रत्यन्तर

गुरु - चंद्र		गुरु - मंगल		गुरु - राहु		शनि - शनि		शनि - बुध	
28/07/2008		17/06/2009		31/01/2010		07/09/2011		09/09/2013	
17/06/2009		31/01/2010		07/09/2011		09/09/2013		26/06/2015	
चंद्र	24/08/2008	मंगल	01/07/2009	राहु	28/04/2010	शनि	01/01/2012	बुध	10/12/2013
मंगल	12/09/2008	राहु	04/08/2009	गुरु	15/07/2010	बुध	14/04/2012	केतु	18/01/2014
राहु	30/10/2008	गुरु	03/09/2009	शनि	16/10/2010	केतु	27/05/2012	शुक्र	07/05/2014
गुरु	13/12/2008	शनि	09/10/2009	बुध	07/01/2011	शुक्र	26/09/2012	सूर्य	09/06/2014
शनि	02/02/2009	बुध	10/11/2009	केतु	10/02/2011	सूर्य	01/11/2012	चंद्र	02/08/2014
बुध	20/03/2009	केतु	23/11/2009	शुक्र	18/05/2011	चंद्र	01/01/2013	मंगल	10/09/2014
केतु	08/04/2009	शुक्र	31/12/2009	सूर्य	16/06/2011	मंगल	13/02/2013	राहु	17/12/2014
शुक्र	01/06/2009	सूर्य	12/01/2010	चंद्र	04/08/2011	राहु	03/06/2013	गुरु	14/03/2015
सूर्य	17/06/2009	चंद्र	31/01/2010	मंगल	07/09/2011	गुरु	09/09/2013	शनि	26/06/2015

शनि - केतु		शनि - शुक्र		शनि - सूर्य		शनि - चंद्र		शनि - मंगल	
26/06/2015		22/03/2016		02/05/2018		19/12/2018		09/01/2020	
22/03/2016		02/05/2018		19/12/2018		09/01/2020		05/10/2020	
केतु	12/07/2015	शुक्र	28/07/2016	सूर्य	14/05/2018	चंद्र	20/01/2019	मंगल	25/01/2020
शुक्र	26/08/2015	सूर्य	05/09/2016	चंद्र	02/06/2018	मंगल	12/02/2019	राहु	05/03/2020
सूर्य	08/09/2015	चंद्र	08/11/2016	मंगल	15/06/2018	राहु	11/04/2019	गुरु	10/04/2020
चंद्र	01/10/2015	मंगल	23/12/2016	राहु	20/07/2018	गुरु	01/06/2019	शनि	23/05/2020
मंगल	16/10/2015	राहु	18/04/2017	गुरु	20/08/2018	शनि	01/08/2019	बुध	30/06/2020
राहु	26/11/2015	गुरु	30/07/2017	शनि	25/09/2018	बुध	25/09/2019	केतु	16/07/2020
गुरु	01/01/2016	शनि	29/11/2017	बुध	28/10/2018	केतु	17/10/2019	शुक्र	30/08/2020
शनि	13/02/2016	बुध	18/03/2018	केतु	11/11/2018	शुक्र	21/12/2019	सूर्य	12/09/2020
बुध	22/03/2016	केतु	02/05/2018	शुक्र	19/12/2018	सूर्य	09/01/2020	चंद्र	05/10/2020

शनि - राहु		शनि - गुरु		बुध - बुध		बुध - केतु		बुध - शुक्र	
05/10/2020		30/08/2022		08/05/2024		15/12/2025		13/08/2026	
30/08/2022		08/05/2024		15/12/2025		13/08/2026		03/07/2028	
राहु	17/01/2021	गुरु	20/11/2022	बुध	30/07/2024	केतु	29/12/2025	शुक्र	06/12/2026
गुरु	19/04/2021	शनि	26/02/2023	केतु	02/09/2024	शुक्र	07/02/2026	सूर्य	10/01/2027
शनि	07/08/2021	बुध	24/05/2023	शुक्र	09/12/2024	सूर्य	19/02/2026	चंद्र	08/03/2027
बुध	14/11/2021	केतु	29/06/2023	सूर्य	07/01/2025	चंद्र	12/03/2026	मंगल	18/04/2027
केतु	24/12/2021	शुक्र	10/10/2023	चंद्र	25/02/2025	मंगल	26/03/2026	राहु	30/07/2027
शुक्र	19/04/2022	सूर्य	10/11/2023	मंगल	31/03/2025	राहु	01/05/2026	गुरु	30/10/2027
सूर्य	23/05/2022	चंद्र	31/12/2023	राहु	27/06/2025	गुरु	02/06/2026	शनि	16/02/2028
चंद्र	20/07/2022	मंगल	05/02/2024	गुरु	13/09/2025	शनि	10/07/2026	बुध	24/05/2028
मंगल	30/08/2022	राहु	08/05/2024	शनि	15/12/2025	बुध	13/08/2026	केतु	03/07/2028

त्रिभगी दशा - प्रत्यन्तर

बुध - सूर्य		बुध - चंद्र		बुध - मंगल		बुध - राहु		बुध - गुरु	
03/07/2028		26/01/2029		06/01/2030		05/09/2030		18/05/2032	
26/01/2029		06/01/2030		05/09/2030		18/05/2032		21/11/2033	
सूर्य	14/07/2028	चंद्र	24/02/2029	मंगल	20/01/2030	राहु	07/12/2030	गुरु	30/07/2032
चंद्र	31/07/2028	मंगल	16/03/2029	राहु	26/02/2030	गुरु	28/02/2031	शनि	26/10/2032
मंगल	12/08/2028	राहु	07/05/2029	गुरु	30/03/2030	शनि	06/06/2031	बुध	12/01/2033
राहु	12/09/2028	गुरु	22/06/2029	शनि	07/05/2030	बुध	02/09/2031	केतु	13/02/2033
गुरु	10/10/2028	शनि	16/08/2029	बुध	10/06/2030	केतु	08/10/2031	शुक्र	16/05/2033
शनि	11/11/2028	बुध	03/10/2029	केतु	24/06/2030	शुक्र	20/01/2032	सूर्य	13/06/2033
बुध	11/12/2028	केतु	24/10/2029	शुक्र	04/08/2030	सूर्य	20/02/2032	चंद्र	29/07/2033
केतु	23/12/2028	शुक्र	20/12/2029	सूर्य	16/08/2030	चंद्र	12/04/2032	मंगल	30/08/2033
शुक्र	26/01/2029	सूर्य	06/01/2030	चंद्र	05/09/2030	मंगल	18/05/2032	राहु	21/11/2033

बुध - शनि		केतु - केतु		केतु - शुक्र		केतु - सूर्य		केतु - चंद्र	
21/11/2033		07/09/2035		16/12/2035		25/09/2036		19/12/2036	
07/09/2035		16/12/2035		25/09/2036		19/12/2036		10/05/2037	
शनि	04/03/2034	केतु	13/09/2035	शुक्र	01/02/2036	सूर्य	29/09/2036	चंद्र	31/12/2036
बुध	05/06/2034	शुक्र	29/09/2035	सूर्य	15/02/2036	चंद्र	06/10/2036	मंगल	08/01/2037
केतु	14/07/2034	सूर्य	04/10/2035	चंद्र	10/03/2036	मंगल	11/10/2036	राहु	29/01/2037
शुक्र	31/10/2034	चंद्र	13/10/2035	मंगल	26/03/2036	राहु	24/10/2036	गुरु	17/02/2037
सूर्य	03/12/2034	मंगल	19/10/2035	राहु	08/05/2036	गुरु	04/11/2036	शनि	12/03/2037
चंद्र	26/01/2035	राहु	02/11/2035	गुरु	15/06/2036	शनि	18/11/2036	बुध	01/04/2037
मंगल	05/03/2035	गुरु	16/11/2035	शनि	30/07/2036	बुध	30/11/2036	केतु	09/04/2037
राहु	12/06/2035	शनि	01/12/2035	बुध	08/09/2036	केतु	05/12/2036	शुक्र	03/05/2037
गुरु	07/09/2035	बुध	16/12/2035	केतु	25/09/2036	शुक्र	19/12/2036	सूर्य	10/05/2037

केतु - मंगल		केतु - राहु		केतु - गुरु		केतु - शनि		केतु - बुध	
10/05/2037		17/08/2037		30/04/2038		13/12/2038		09/09/2039	
17/08/2037		30/04/2038		13/12/2038		09/09/2039		08/05/2040	
मंगल	16/05/2037	राहु	25/09/2037	गुरु	30/05/2038	शनि	25/01/2039	बुध	13/10/2039
राहु	31/05/2037	गुरु	29/10/2037	शनि	05/07/2038	बुध	04/03/2039	केतु	27/10/2039
गुरु	13/06/2037	शनि	08/12/2037	बुध	06/08/2038	केतु	20/03/2039	शुक्र	07/12/2039
शनि	29/06/2037	बुध	13/01/2038	केतु	20/08/2038	शुक्र	04/05/2039	सूर्य	19/12/2039
बुध	13/07/2037	केतु	28/01/2038	शुक्र	27/09/2038	सूर्य	17/05/2039	चंद्र	08/01/2040
केतु	18/07/2037	शुक्र	12/03/2038	सूर्य	08/10/2038	चंद्र	09/06/2039	मंगल	22/01/2040
शुक्र	04/08/2037	सूर्य	25/03/2038	चंद्र	27/10/2038	मंगल	25/06/2039	राहु	27/02/2040
सूर्य	09/08/2037	चंद्र	15/04/2038	मंगल	09/11/2038	राहु	04/08/2039	गुरु	30/03/2040
चंद्र	17/08/2037	मंगल	30/04/2038	राहु	13/12/2038	गुरु	09/09/2039	शनि	08/05/2040

त्रिभगी दशा - प्रत्यन्तर

शुक्र - शुक्र		शुक्र - सूर्य		शुक्र - चंद्र		शुक्र - मंगल		शुक्र - राहु	
08/05/2040		28/07/2042		29/03/2043		08/05/2044		16/02/2045	
28/07/2042		29/03/2043		08/05/2044		16/02/2045		16/02/2047	
शुक्र	20/09/2040	सूर्य	09/08/2042	चंद्र	02/05/2043	मंगल	24/05/2044	राहु	05/06/2045
सूर्य	30/10/2040	चंद्र	30/08/2042	मंगल	25/05/2043	राहु	06/07/2044	गुरु	11/09/2045
चंद्र	06/01/2041	मंगल	13/09/2042	राहु	25/07/2043	गुरु	13/08/2044	शनि	04/01/2046
मंगल	22/02/2041	राहु	19/10/2042	गुरु	17/09/2043	शनि	27/09/2044	बुध	18/04/2046
राहु	24/06/2041	गुरु	21/11/2042	शनि	20/11/2043	बुध	06/11/2044	केतु	30/05/2046
गुरु	10/10/2041	शनि	29/12/2042	बुध	17/01/2044	केतु	22/11/2044	शुक्र	29/09/2046
शनि	16/02/2042	बुध	02/02/2043	केतु	10/02/2044	शुक्र	09/01/2045	सूर्य	05/11/2046
बुध	11/06/2042	केतु	16/02/2043	शुक्र	17/04/2044	सूर्य	23/01/2045	चंद्र	05/01/2047
केतु	28/07/2042	शुक्र	29/03/2043	सूर्य	08/05/2044	चंद्र	16/02/2045	मंगल	16/02/2047

शुक्र - गुरु		शुक्र - शनि		शुक्र - बुध		शुक्र - केतु		सूर्य - सूर्य	
16/02/2047		26/11/2048		07/01/2051		26/11/2052		07/09/2053	
26/11/2048		07/01/2051		26/11/2052		07/09/2053		19/11/2053	
गुरु	14/05/2047	शनि	29/03/2049	बुध	14/04/2051	केतु	13/12/2052	सूर्य	10/09/2053
शनि	25/08/2047	बुध	16/07/2049	केतु	25/05/2051	शुक्र	29/01/2053	चंद्र	16/09/2053
बुध	25/11/2047	केतु	30/08/2049	शुक्र	17/09/2051	सूर्य	13/02/2053	मंगल	21/09/2053
केतु	01/01/2048	शुक्र	05/01/2050	सूर्य	21/10/2051	चंद्र	08/03/2053	राहु	02/10/2053
शुक्र	19/04/2048	सूर्य	13/02/2050	चंद्र	18/12/2051	मंगल	25/03/2053	गुरु	11/10/2053
सूर्य	21/05/2048	चंद्र	18/04/2050	मंगल	27/01/2052	राहु	06/05/2053	शनि	23/10/2053
चंद्र	14/07/2048	मंगल	02/06/2050	राहु	09/05/2052	गुरु	13/06/2053	बुध	02/11/2053
मंगल	21/08/2048	राहु	26/09/2050	गुरु	09/08/2052	शनि	28/07/2053	केतु	06/11/2053
राहु	26/11/2048	गुरु	07/01/2051	शनि	26/11/2052	बुध	07/09/2053	शुक्र	19/11/2053

सूर्य - चंद्र		सूर्य - मंगल		सूर्य - राहु		सूर्य - गुरु		सूर्य - शनि	
19/11/2053		20/03/2054		14/06/2054		19/01/2055		02/08/2055	
20/03/2054		14/06/2054		19/01/2055		02/08/2055		20/03/2056	
चंद्र	29/11/2053	मंगल	25/03/2054	राहु	16/07/2054	गुरु	14/02/2055	शनि	07/09/2055
मंगल	06/12/2053	राहु	07/04/2054	गुरु	15/08/2054	शनि	17/03/2055	बुध	10/10/2055
राहु	24/12/2053	गुरु	18/04/2054	शनि	18/09/2054	बुध	13/04/2055	केतु	23/10/2055
गुरु	09/01/2054	शनि	02/05/2054	बुध	19/10/2054	केतु	25/04/2055	शुक्र	01/12/2055
शनि	29/01/2054	बुध	14/05/2054	केतु	01/11/2054	शुक्र	27/05/2055	सूर्य	13/12/2055
बुध	15/02/2054	केतु	19/05/2054	शुक्र	08/12/2054	सूर्य	06/06/2055	चंद्र	01/01/2056
केतु	22/02/2054	शुक्र	02/06/2054	सूर्य	19/12/2054	चंद्र	22/06/2055	मंगल	14/01/2056
शुक्र	14/03/2054	सूर्य	06/06/2054	चंद्र	06/01/2055	मंगल	03/07/2055	राहु	18/02/2056
सूर्य	20/03/2054	चंद्र	14/06/2054	मंगल	19/01/2055	राहु	02/08/2055	गुरु	20/03/2056

अष्टोत्तरी दशा

भोग्य दशा काल : मंगल 6 वर्ष 11 मास 21 दिन

मंगल 8 वर्ष		बुध 17 वर्ष		शनि 10 वर्ष		गुरु 19 वर्ष		राहु 12 वर्ष	
31/03/1980		23/03/1987		22/03/2004		22/03/2014		22/03/2033	
23/03/1987		22/03/2004		22/03/2014		22/03/2033		22/03/2045	
	31/03/1980	बुध	24/11/1989	शनि	23/02/2005	गुरु	25/07/2017	राहु	22/07/2034
बुध	27/01/1981	शनि	22/06/1991	गुरु	28/11/2006	राहु	04/09/2019	शुक्र	20/11/2036
शनि	24/10/1981	गुरु	18/06/1994	राहु	07/01/2008	शुक्र	16/05/2023	सूर्य	22/07/2037
गुरु	23/03/1983	राहु	08/05/1996	शुक्र	18/12/2009	सूर्य	04/06/2024	चंद्र	23/03/2039
राहु	10/02/1984	शुक्र	28/08/1999	सूर्य	09/07/2010	चंद्र	24/01/2027	मंगल	10/02/2040
शुक्र	31/08/1985	सूर्य	07/08/2000	चंद्र	28/11/2011	मंगल	21/06/2028	बुध	31/12/2041
सूर्य	10/02/1986	चंद्र	18/12/2002	मंगल	24/08/2012	बुध	18/06/2031	शनि	10/02/2043
चंद्र	23/03/1987	मंगल	22/03/2004	बुध	22/03/2014	शनि	22/03/2033	गुरु	22/03/2045

शुक्र 21 वर्ष		सूर्य 6 वर्ष		चंद्र 15 वर्ष		मंगल 8 वर्ष	
22/03/2045		22/03/2066		22/03/2072		23/03/2087	
22/03/2066		22/03/2072		23/03/2087		00/00/0000	
शुक्र	21/04/2049	सूर्य	22/07/2066	चंद्र	22/04/2074	मंगल	25/10/2087
सूर्य	22/06/2050	चंद्र	22/05/2067	मंगल	02/06/2075	बुध	31/03/2088
चंद्र	22/05/2053	मंगल	01/11/2067	बुध	11/10/2077		00/00/0000
मंगल	11/12/2054	बुध	11/10/2068	शनि	02/03/2079		00/00/0000
बुध	01/04/2058	शनि	02/05/2069	गुरु	21/10/2081		00/00/0000
शनि	12/03/2060	गुरु	22/05/2070	राहु	22/06/2083		00/00/0000
गुरु	21/11/2063	राहु	21/01/2071	शुक्र	22/05/2086		00/00/0000
राहु	22/03/2066	शुक्र	22/03/2072	सूर्य	23/03/2087		00/00/0000

नोट : उपरोक्त तिथियां दशा के समाप्त होने का समय दर्शाती हैं।
अष्टोत्तरी दशा पूरे 108 वर्ष की बिना आयुनिर्णय के दी गई हैं।

अष्टोत्तरी दशा - प्रत्यन्तर

मंगल - बुध		मंगल - शनि		मंगल - गुरु		मंगल - राहु		मंगल - शुक्र	
31/03/1980		27/01/1981		24/10/1981		23/03/1983		10/02/1984	
27/01/1981		24/10/1981		23/03/1983		10/02/1984		31/08/1985	
	00/00/0000	शनि	21/02/1981	गुरु	23/01/1982	राहु	28/04/1983	शुक्र	31/05/1984
	31/03/1980	गुरु	10/04/1981	राहु	21/03/1982	शुक्र	30/06/1983	सूर्य	01/07/1984
गुरु	08/05/1980	राहु	10/05/1981	शुक्र	29/06/1982	सूर्य	18/07/1983	चंद्र	18/09/1984
राहु	28/06/1980	शुक्र	01/07/1981	सूर्य	28/07/1982	चंद्र	01/09/1983	मंगल	30/10/1984
शुक्र	25/09/1980	सूर्य	16/07/1981	चंद्र	07/10/1982	मंगल	25/09/1983	बुध	28/01/1985
सूर्य	21/10/1980	चंद्र	23/08/1981	मंगल	14/11/1982	बुध	15/11/1983	शनि	21/03/1985
चंद्र	24/12/1980	मंगल	12/09/1981	बुध	03/02/1983	शनि	15/12/1983	गुरु	29/06/1985
मंगल	27/01/1981	बुध	24/10/1981	शनि	23/03/1983	गुरु	10/02/1984	राहु	31/08/1985

मंगल - सूर्य		मंगल - चंद्र		बुध - बुध		बुध - शनि		बुध - गुरु	
31/08/1985		10/02/1986		23/03/1987		24/11/1989		22/06/1991	
10/02/1986		23/03/1987		24/11/1989		22/06/1991		18/06/1994	
सूर्य	09/09/1985	चंद्र	07/04/1986	बुध	23/08/1987	शनि	16/01/1990	गुरु	31/12/1991
चंद्र	02/10/1985	मंगल	07/05/1986	शनि	22/11/1987	गुरु	27/04/1990	राहु	30/04/1992
मंगल	14/10/1985	बुध	10/07/1986	गुरु	12/05/1988	राहु	30/06/1990	शुक्र	29/11/1992
बुध	09/11/1985	शनि	17/08/1986	राहु	28/08/1988	शुक्र	20/10/1990	सूर्य	28/01/1993
शनि	24/11/1985	गुरु	27/10/1986	शुक्र	06/03/1989	सूर्य	21/11/1990	चंद्र	29/06/1993
गुरु	22/12/1985	राहु	11/12/1986	सूर्य	30/04/1989	चंद्र	09/02/1991	मंगल	18/09/1993
राहु	09/01/1986	शुक्र	28/02/1987	चंद्र	13/09/1989	मंगल	23/03/1991	बुध	09/03/1994
शुक्र	10/02/1986	सूर्य	23/03/1987	मंगल	24/11/1989	बुध	22/06/1991	शनि	18/06/1994

बुध - राहु		बुध - शुक्र		बुध - सूर्य		बुध - चंद्र		बुध - मंगल	
18/06/1994		08/05/1996		28/08/1999		07/08/2000		18/12/2002	
08/05/1996		28/08/1999		07/08/2000		18/12/2002		22/03/2004	
राहु	03/09/1994	शुक्र	29/12/1996	सूर्य	17/09/1999	चंद्र	05/12/2000	मंगल	21/01/2003
शुक्र	15/01/1995	सूर्य	06/03/1997	चंद्र	04/11/1999	मंगल	07/02/2001	बुध	03/04/2003
सूर्य	22/02/1995	चंद्र	21/08/1997	मंगल	29/11/1999	बुध	23/06/2001	शनि	16/05/2003
चंद्र	29/05/1995	मंगल	18/11/1997	बुध	22/01/2000	शनि	11/09/2001	गुरु	05/08/2003
मंगल	19/07/1995	बुध	27/05/1998	शनि	23/02/2000	गुरु	09/02/2002	राहु	25/09/2003
बुध	05/11/1995	शनि	16/09/1998	गुरु	24/04/2000	राहु	16/05/2002	शुक्र	23/12/2003
शनि	08/01/1996	गुरु	16/04/1999	राहु	01/06/2000	शुक्र	31/10/2002	सूर्य	18/01/2004
गुरु	08/05/1996	राहु	28/08/1999	शुक्र	07/08/2000	सूर्य	18/12/2002	चंद्र	22/03/2004

अष्टोत्तरी दशा - प्रत्यन्तर

शनि - शनि		शनि - गुरु		शनि - राहु		शनि - शुक्र		शनि - सूर्य	
22/03/2004		23/02/2005		28/11/2006		07/01/2008		18/12/2009	
23/02/2005		28/11/2006		07/01/2008		18/12/2009		09/07/2010	
शनि	22/04/2004	गुरु	16/06/2005	राहु	12/01/2007	शुक्र	24/05/2008	सूर्य	29/12/2009
गुरु	21/06/2004	राहु	26/08/2005	शुक्र	01/04/2007	सूर्य	03/07/2008	चंद्र	26/01/2010
राहु	28/07/2004	शुक्र	29/12/2005	सूर्य	23/04/2007	चंद्र	10/10/2008	मंगल	10/02/2010
शुक्र	02/10/2004	सूर्य	03/02/2006	चंद्र	18/06/2007	मंगल	01/12/2008	बुध	14/03/2010
सूर्य	21/10/2004	चंद्र	03/05/2006	मंगल	19/07/2007	बुध	23/03/2009	शनि	02/04/2010
चंद्र	07/12/2004	मंगल	20/06/2006	बुध	20/09/2007	शनि	28/05/2009	गुरु	07/05/2010
मंगल	01/01/2005	बुध	29/09/2006	शनि	28/10/2007	गुरु	30/09/2009	राहु	30/05/2010
बुध	23/02/2005	शनि	28/11/2006	गुरु	07/01/2008	राहु	18/12/2009	शुक्र	09/07/2010

शनि - चंद्र		शनि - मंगल		शनि - बुध		गुरु - गुरु		गुरु - राहु	
09/07/2010		28/11/2011		24/08/2012		22/03/2014		25/07/2017	
28/11/2011		24/08/2012		22/03/2014		25/07/2017		04/09/2019	
चंद्र	17/09/2010	मंगल	18/12/2011	बुध	23/11/2012	गुरु	23/10/2014	राहु	19/10/2017
मंगल	25/10/2010	बुध	29/01/2012	शनि	15/01/2013	राहु	08/03/2015	शुक्र	18/03/2018
बुध	12/01/2011	शनि	23/02/2012	गुरु	26/04/2013	शुक्र	31/10/2015	सूर्य	30/04/2018
शनि	28/02/2011	गुरु	11/04/2012	राहु	29/06/2013	सूर्य	07/01/2016	चंद्र	15/08/2018
गुरु	29/05/2011	राहु	11/05/2012	शुक्र	19/10/2013	चंद्र	25/06/2016	मंगल	11/10/2018
राहु	24/07/2011	शुक्र	03/07/2012	सूर्य	20/11/2013	मंगल	23/09/2016	बुध	09/02/2019
शुक्र	31/10/2011	सूर्य	18/07/2012	चंद्र	08/02/2014	बुध	03/04/2017	शनि	22/04/2019
सूर्य	28/11/2011	चंद्र	24/08/2012	मंगल	22/03/2014	शनि	25/07/2017	गुरु	04/09/2019

गुरु - शुक्र		गुरु - सूर्य		गुरु - चंद्र		गुरु - मंगल		गुरु - बुध	
04/09/2019		16/05/2023		04/06/2024		24/01/2027		21/06/2028	
16/05/2023		04/06/2024		24/01/2027		21/06/2028		18/06/2031	
शुक्र	24/05/2020	सूर्य	06/06/2023	चंद्र	16/10/2024	मंगल	03/03/2027	बुध	10/12/2028
सूर्य	07/08/2020	चंद्र	30/07/2023	मंगल	26/12/2024	बुध	23/05/2027	शनि	21/03/2029
चंद्र	10/02/2021	मंगल	27/08/2023	बुध	27/05/2025	शनि	10/07/2027	गुरु	29/09/2029
मंगल	21/05/2021	बुध	27/10/2023	शनि	24/08/2025	गुरु	08/10/2027	राहु	29/01/2030
बुध	19/12/2021	शनि	02/12/2023	गुरु	10/02/2026	राहु	04/12/2027	शुक्र	29/08/2030
शनि	23/04/2022	गुरु	07/02/2024	राहु	28/05/2026	शुक्र	13/03/2028	सूर्य	29/10/2030
गुरु	17/12/2022	राहु	21/03/2024	शुक्र	01/12/2026	सूर्य	11/04/2028	चंद्र	30/03/2031
राहु	16/05/2023	शुक्र	04/06/2024	सूर्य	24/01/2027	चंद्र	21/06/2028	मंगल	18/06/2031

अष्टोत्तरी दशा - प्रत्यन्तर

गुरु - शनि		राहु - राहु		राहु - शुक्र		राहु - सूर्य		राहु - चंद्र	
18/06/2031		22/03/2033		22/07/2034		20/11/2036		22/07/2037	
22/03/2033		22/07/2034		20/11/2036		22/07/2037		23/03/2039	
शनि	17/08/2031	राहु	15/05/2033	शुक्र	04/01/2035	सूर्य	04/12/2036	चंद्र	14/10/2037
गुरु	08/12/2031	शुक्र	18/08/2033	सूर्य	20/02/2035	चंद्र	07/01/2037	मंगल	28/11/2037
राहु	17/02/2032	सूर्य	14/09/2033	चंद्र	18/06/2035	मंगल	25/01/2037	बुध	04/03/2038
शुक्र	21/06/2032	चंद्र	21/11/2033	मंगल	21/08/2035	बुध	04/03/2037	शनि	30/04/2038
सूर्य	27/07/2032	मंगल	27/12/2033	बुध	02/01/2036	शनि	27/03/2037	गुरु	15/08/2038
चंद्र	24/10/2032	बुध	13/03/2034	शनि	21/03/2036	गुरु	08/05/2037	राहु	21/10/2038
मंगल	11/12/2032	शनि	27/04/2034	गुरु	18/08/2036	राहु	04/06/2037	शुक्र	17/02/2039
बुध	22/03/2033	गुरु	22/07/2034	राहु	20/11/2036	शुक्र	22/07/2037	सूर्य	23/03/2039

राहु - मंगल		राहु - बुध		राहु - शनि		राहु - गुरु		शुक्र - शुक्र	
23/03/2039		10/02/2040		31/12/2041		10/02/2043		22/03/2045	
10/02/2040		31/12/2041		10/02/2043		22/03/2045		21/04/2049	
मंगल	16/04/2039	बुध	29/05/2040	शनि	07/02/2042	गुरु	26/06/2043	शुक्र	06/01/2046
बुध	06/06/2039	शनि	01/08/2040	गुरु	19/04/2042	राहु	19/09/2043	सूर्य	30/03/2046
शनि	06/07/2039	गुरु	30/11/2040	राहु	03/06/2042	शुक्र	16/02/2044	चंद्र	23/10/2046
गुरु	01/09/2039	राहु	15/02/2041	शुक्र	21/08/2042	सूर्य	30/03/2044	मंगल	11/02/2047
राहु	07/10/2039	शुक्र	29/06/2041	सूर्य	13/09/2042	चंद्र	15/07/2044	बुध	03/10/2047
शुक्र	09/12/2039	सूर्य	06/08/2041	चंद्र	08/11/2042	मंगल	10/09/2044	शनि	18/02/2048
सूर्य	27/12/2039	चंद्र	10/11/2041	मंगल	08/12/2042	बुध	10/01/2045	गुरु	07/11/2048
चंद्र	10/02/2040	मंगल	31/12/2041	बुध	10/02/2043	शनि	22/03/2045	राहु	21/04/2049

शुक्र - सूर्य		शुक्र - चंद्र		शुक्र - मंगल		शुक्र - बुध		शुक्र - शनि	
21/04/2049		22/06/2050		22/05/2053		11/12/2054		01/04/2058	
22/06/2050		22/05/2053		11/12/2054		01/04/2058		12/03/2060	
सूर्य	15/05/2049	चंद्र	17/11/2050	मंगल	03/07/2053	बुध	19/06/2055	शनि	06/06/2058
चंद्र	13/07/2049	मंगल	03/02/2051	बुध	30/09/2053	शनि	09/10/2055	गुरु	09/10/2058
मंगल	14/08/2049	बुध	21/07/2051	शनि	22/11/2053	गुरु	08/05/2056	राहु	27/12/2058
बुध	20/10/2049	शनि	28/10/2051	गुरु	02/03/2054	राहु	19/09/2056	शुक्र	14/05/2059
शनि	28/11/2049	गुरु	02/05/2052	राहु	04/05/2054	शुक्र	12/05/2057	सूर्य	23/06/2059
गुरु	11/02/2050	राहु	29/08/2052	शुक्र	23/08/2054	सूर्य	18/07/2057	चंद्र	29/09/2059
राहु	31/03/2050	शुक्र	24/03/2053	सूर्य	23/09/2054	चंद्र	02/01/2058	मंगल	21/11/2059
शुक्र	22/06/2050	सूर्य	22/05/2053	चंद्र	11/12/2054	मंगल	01/04/2058	बुध	12/03/2060

अष्टोत्तरी दशा - प्रत्यन्तर

शुक्र - गुरु		शुक्र - राहु		सूर्य - सूर्य		सूर्य - चंद्र		सूर्य - मंगल	
12/03/2060		21/11/2063		22/03/2066		22/07/2066		22/05/2067	
21/11/2063		22/03/2066		22/07/2066		22/05/2067		01/11/2067	
गुरु	04/11/2060	राहु	24/02/2064	सूर्य	29/03/2066	चंद्र	02/09/2066	मंगल	03/06/2067
राहु	03/04/2061	शुक्र	07/08/2064	चंद्र	15/04/2066	मंगल	25/09/2066	बुध	29/06/2067
शुक्र	21/12/2061	सूर्य	24/09/2064	मंगल	24/04/2066	बुध	12/11/2066	शनि	14/07/2067
सूर्य	06/03/2062	चंद्र	20/01/2065	बुध	13/05/2066	शनि	10/12/2066	गुरु	12/08/2067
चंद्र	10/09/2062	मंगल	24/03/2065	शनि	24/05/2066	गुरु	01/02/2067	राहु	30/08/2067
मंगल	19/12/2062	बुध	05/08/2065	गुरु	15/06/2066	राहु	07/03/2067	शुक्र	30/09/2067
बुध	19/07/2063	शनि	23/10/2065	राहु	28/06/2066	शुक्र	05/05/2067	सूर्य	09/10/2067
शनि	21/11/2063	गुरु	22/03/2066	शुक्र	22/07/2066	सूर्य	22/05/2067	चंद्र	01/11/2067

सूर्य - बुध		सूर्य - शनि		सूर्य - गुरु		सूर्य - राहु		सूर्य - शुक्र	
01/11/2067		11/10/2068		02/05/2069		22/05/2070		21/01/2071	
11/10/2068		02/05/2069		22/05/2070		21/01/2071		22/03/2072	
बुध	25/12/2067	शनि	29/10/2068	गुरु	08/07/2069	राहु	18/06/2070	शुक्र	14/04/2071
शनि	26/01/2068	गुरु	04/12/2068	राहु	20/08/2069	शुक्र	05/08/2070	सूर्य	07/05/2071
गुरु	27/03/2068	राहु	27/12/2068	शुक्र	03/11/2069	सूर्य	18/08/2070	चंद्र	05/07/2071
राहु	04/05/2068	शुक्र	04/02/2069	सूर्य	25/11/2069	चंद्र	21/09/2070	मंगल	06/08/2071
शुक्र	10/07/2068	सूर्य	15/02/2069	चंद्र	17/01/2070	मंगल	09/10/2070	बुध	12/10/2071
सूर्य	29/07/2068	चंद्र	16/03/2069	मंगल	15/02/2070	बुध	16/11/2070	शनि	20/11/2071
चंद्र	15/09/2068	मंगल	31/03/2069	बुध	16/04/2070	शनि	09/12/2070	गुरु	03/02/2072
मंगल	11/10/2068	बुध	02/05/2069	शनि	22/05/2070	गुरु	21/01/2071	राहु	22/03/2072

चंद्र - चंद्र		चंद्र - मंगल		चंद्र - बुध		चंद्र - शनि		चंद्र - गुरु	
22/03/2072		22/04/2074		02/06/2075		11/10/2077		02/03/2079	
22/04/2074		02/06/2075		11/10/2077		02/03/2079		21/10/2081	
चंद्र	05/07/2072	मंगल	22/05/2074	बुध	15/10/2075	शनि	27/11/2077	गुरु	19/08/2079
मंगल	31/08/2072	बुध	25/07/2074	शनि	03/01/2076	गुरु	24/02/2078	राहु	04/12/2079
बुध	29/12/2072	शनि	31/08/2074	गुरु	03/06/2076	राहु	22/04/2078	शुक्र	08/06/2080
शनि	09/03/2073	गुरु	11/11/2074	राहु	07/09/2076	शुक्र	29/07/2078	सूर्य	01/08/2080
गुरु	21/07/2073	राहु	26/12/2074	शुक्र	21/02/2077	सूर्य	26/08/2078	चंद्र	13/12/2080
राहु	13/10/2073	शुक्र	15/03/2075	सूर्य	10/04/2077	चंद्र	05/11/2078	मंगल	22/02/2081
शुक्र	10/03/2074	सूर्य	06/04/2075	चंद्र	08/08/2077	मंगल	12/12/2078	बुध	24/07/2081
सूर्य	22/04/2074	चंद्र	02/06/2075	मंगल	11/10/2077	बुध	02/03/2079	शनि	21/10/2081

योगिनी दशा

भोग्य दशा काल : संकटा 4 वर्ष 11 मास 2 दिन

संकटा 8 वर्ष		मंगला 1 वर्ष		पिंगला 2 वर्ष		धान्या 3 वर्ष		भ्रामरी 4 वर्ष	
31/03/1980		03/03/1985		04/03/1986		03/03/1988		04/03/1991	
03/03/1985		04/03/1986		03/03/1988		04/03/1991		04/03/1995	
	00/00/0000	मंग	13/03/1985	पिंग	13/04/1986	धांय	02/06/1988	भ्राम	13/08/1991
	00/00/0000	पिंग	03/04/1985	धांय	13/06/1986	भ्राम	02/10/1988	भद्रि	03/03/1992
	31/03/1980	धांय	03/05/1985	भ्राम	02/09/1986	भद्रि	03/03/1989	उल्क	02/11/1992
धांय	13/04/1980	भ्राम	13/06/1985	भद्रि	13/12/1986	उल्क	02/09/1989	सिद्ध	13/08/1993
भ्राम	03/03/1981	भद्रि	02/08/1985	उल्क	13/04/1987	सिद्ध	03/04/1990	संक	03/07/1994
भद्रि	13/04/1982	उल्क	02/10/1985	सिद्ध	02/09/1987	संक	02/12/1990	मंग	13/08/1994
उल्क	13/08/1983	सिद्ध	12/12/1985	संक	12/02/1988	मंग	02/01/1991	पिंग	02/11/1994
सिद्ध	03/03/1985	संक	04/03/1986	मंग	03/03/1988	पिंग	04/03/1991	धांय	04/03/1995

भद्रिका 5 वर्ष		उल्का 6 वर्ष		सिद्धा 7 वर्ष		संकटा 8 वर्ष		मंगला 1 वर्ष	
04/03/1995		03/03/2000		04/03/2006		03/03/2013		03/03/2021	
03/03/2000		04/03/2006		03/03/2013		03/03/2021		04/03/2022	
भद्रि	12/11/1995	उल्क	03/03/2001	सिद्ध	14/07/2007	संक	13/12/2014	मंग	13/03/2021
उल्क	12/09/1996	सिद्ध	03/05/2002	संक	01/02/2009	मंग	04/03/2015	पिंग	03/04/2021
सिद्ध	02/09/1997	संक	02/09/2003	मंग	13/04/2009	पिंग	13/08/2015	धांय	03/05/2021
संक	13/10/1998	मंग	02/11/2003	पिंग	02/09/2009	धांय	13/04/2016	भ्राम	13/06/2021
मंग	02/12/1998	पिंग	03/03/2004	धांय	03/04/2010	भ्राम	03/03/2017	भद्रि	02/08/2021
पिंग	14/03/1999	धांय	02/09/2004	भ्राम	12/01/2011	भद्रि	13/04/2018	उल्क	02/10/2021
धांय	13/08/1999	भ्राम	03/05/2005	भद्रि	02/01/2012	उल्क	13/08/2019	सिद्ध	12/12/2021
भ्राम	03/03/2000	भद्रि	04/03/2006	उल्क	03/03/2013	सिद्ध	03/03/2021	संक	04/03/2022

नोट :– योगनियों के स्वामी नीचे दिए गए हैं :–

मंगला	: चन्द्र	पिंगला	: सूर्य	धान्या	: गुरु	भ्रामरी	: मंगल
भद्रिका	: बुध	उल्का	: शनि	सिद्धा	: शुक्र	संकटा	: राहु/केतु

उपरोक्त तिथियां दशा के समाप्त होने का समय दर्शाती हैं।
योगिनी दशा 36 वर्ष की बिना आयुनिर्णय के दी गई हैं।

योगिनी दशा

पिंगला 2 वर्ष		धान्या 3 वर्ष		भ्रामरी 4 वर्ष		भद्रिका 5 वर्ष		उल्का 6 वर्ष	
04/03/2022		03/03/2024		04/03/2027		04/03/2031		03/03/2036	
03/03/2024		04/03/2027		04/03/2031		03/03/2036		04/03/2042	
पिंग	13/04/2022	धांय	02/06/2024	भ्राम	13/08/2027	भद्रि	12/11/2031	उल्क	03/03/2037
धांय	13/06/2022	भ्राम	02/10/2024	भद्रि	03/03/2028	उल्क	12/09/2032	सिद्ध	03/05/2038
भ्राम	02/09/2022	भद्रि	03/03/2025	उल्क	02/11/2028	सिद्ध	02/09/2033	संक	02/09/2039
भद्रि	13/12/2022	उल्क	02/09/2025	सिद्ध	13/08/2029	संक	13/10/2034	मंग	02/11/2039
उल्क	13/04/2023	सिद्ध	03/04/2026	संक	03/07/2030	मंग	02/12/2034	पिंग	03/03/2040
सिद्ध	02/09/2023	संक	02/12/2026	मंग	13/08/2030	पिंग	14/03/2035	धांय	02/09/2040
संक	12/02/2024	मंग	02/01/2027	पिंग	02/11/2030	धांय	13/08/2035	भ्राम	03/05/2041
मंग	03/03/2024	पिंग	04/03/2027	धांय	04/03/2031	भ्राम	03/03/2036	भद्रि	04/03/2042

सिद्धा 7 वर्ष		संकटा 8 वर्ष		मंगला 1 वर्ष		पिंगला 2 वर्ष		धान्या 3 वर्ष	
04/03/2042		03/03/2049		03/03/2057		04/03/2058		03/03/2060	
03/03/2049		03/03/2057		04/03/2058		03/03/2060		04/03/2063	
सिद्ध	14/07/2043	संक	13/12/2050	मंग	13/03/2057	पिंग	13/04/2058	धांय	02/06/2060
संक	01/02/2045	मंग	04/03/2051	पिंग	03/04/2057	धांय	13/06/2058	भ्राम	02/10/2060
मंग	13/04/2045	पिंग	13/08/2051	धांय	03/05/2057	भ्राम	02/09/2058	भद्रि	03/03/2061
पिंग	02/09/2045	धांय	13/04/2052	भ्राम	13/06/2057	भद्रि	13/12/2058	उल्क	02/09/2061
धांय	03/04/2046	भ्राम	03/03/2053	भद्रि	02/08/2057	उल्क	13/04/2059	सिद्ध	03/04/2062
भ्राम	12/01/2047	भद्रि	13/04/2054	उल्क	02/10/2057	सिद्ध	02/09/2059	संक	02/12/2062
भद्रि	02/01/2048	उल्क	13/08/2055	सिद्ध	12/12/2057	संक	12/02/2060	मंग	02/01/2063
उल्क	03/03/2049	सिद्ध	03/03/2057	संक	04/03/2058	मंग	03/03/2060	पिंग	04/03/2063

भ्रामरी 4 वर्ष		भद्रिका 5 वर्ष		उल्का 6 वर्ष		सिद्धा 7 वर्ष		संकटा 8 वर्ष	
04/03/2063		04/03/2067		03/03/2072		04/03/2078		03/03/2085	
04/03/2067		03/03/2072		04/03/2078		03/03/2085		00/00/0000	
भ्राम	13/08/2063	भद्रि	12/11/2067	उल्क	03/03/2073	सिद्ध	14/07/2079	संक	13/12/2086
भद्रि	03/03/2064	उल्क	12/09/2068	सिद्ध	03/05/2074	संक	01/02/2081	मंग	04/03/2087
उल्क	02/11/2064	सिद्ध	02/09/2069	संक	02/09/2075	मंग	13/04/2081	पिंग	13/08/2087
सिद्ध	13/08/2065	संक	13/10/2070	मंग	02/11/2075	पिंग	02/09/2081	धांय	31/03/2088
संक	03/07/2066	मंग	02/12/2070	पिंग	03/03/2076	धांय	03/04/2082		00/00/0000
मंग	13/08/2066	पिंग	14/03/2071	धांय	02/09/2076	भ्राम	12/01/2083		00/00/0000
पिंग	02/11/2066	धांय	13/08/2071	भ्राम	03/05/2077	भद्रि	02/01/2084		00/00/0000
धांय	04/03/2067	भ्राम	03/03/2072	भद्रि	04/03/2078	उल्क	03/03/2085		00/00/0000

योगिनी दशा - प्रत्यन्तर

धांय - सिद्ध		धांय - संक		धांय - मंग		धांय - पिंग		भ्राम - भ्राम	
02/09/2025		03/04/2026		02/12/2026		02/01/2027		04/03/2027	
03/04/2026		02/12/2026		02/01/2027		04/03/2027		13/08/2027	
सिद्ध	13/10/2025	संक	27/05/2026	मंग	03/12/2026	पिंग	05/01/2027	भ्राम	22/03/2027
संक	30/11/2025	मंग	03/06/2026	पिंग	05/12/2026	धांय	10/01/2027	भद्रि	13/04/2027
मंग	06/12/2025	पिंग	16/06/2026	धांय	08/12/2026	भ्राम	17/01/2027	उल्क	10/05/2027
पिंग	17/12/2025	धांय	07/07/2026	भ्राम	11/12/2026	भद्रि	26/01/2027	सिद्ध	11/06/2027
धांय	04/01/2026	भ्राम	03/08/2026	भद्रि	15/12/2026	उल्क	05/02/2027	संक	17/07/2027
भ्राम	28/01/2026	भद्रि	06/09/2026	उल्क	20/12/2026	सिद्ध	17/02/2027	मंग	22/07/2027
भद्रि	26/02/2026	उल्क	16/10/2026	सिद्ध	26/12/2026	संक	02/03/2027	पिंग	31/07/2027
उल्क	03/04/2026	सिद्ध	02/12/2026	संक	02/01/2027	मंग	04/03/2027	धांय	13/08/2027

भ्राम - भद्रि		भ्राम - उल्क		भ्राम - सिद्ध		भ्राम - संक		भ्राम - मंग	
13/08/2027		03/03/2028		02/11/2028		13/08/2029		03/07/2030	
03/03/2028		02/11/2028		13/08/2029		03/07/2030		13/08/2030	
भद्रि	10/09/2027	उल्क	13/04/2028	सिद्ध	27/12/2028	संक	24/10/2029	मंग	04/07/2030
उल्क	14/10/2027	सिद्ध	30/05/2028	संक	28/02/2029	मंग	02/11/2029	पिंग	07/07/2030
सिद्ध	23/11/2027	संक	23/07/2028	मंग	08/03/2029	पिंग	20/11/2029	धांय	10/07/2030
संक	07/01/2028	मंग	30/07/2028	पिंग	24/03/2029	धांय	17/12/2029	भ्राम	15/07/2030
मंग	12/01/2028	पिंग	12/08/2028	धांय	16/04/2029	भ्राम	22/01/2030	भद्रि	20/07/2030
पिंग	24/01/2028	धांय	02/09/2028	भ्राम	18/05/2029	भद्रि	08/03/2030	उल्क	27/07/2030
धांय	09/02/2028	भ्राम	29/09/2028	भद्रि	26/06/2029	उल्क	01/05/2030	सिद्ध	04/08/2030
भ्राम	03/03/2028	भद्रि	02/11/2028	उल्क	13/08/2029	सिद्ध	03/07/2030	संक	13/08/2030

भ्राम - पिंग		भ्राम - धांय		भद्रि - भद्रि		भद्रि - उल्क		भद्रि - सिद्ध	
13/08/2030		02/11/2030		04/03/2031		12/11/2031		12/09/2032	
02/11/2030		04/03/2031		12/11/2031		12/09/2032		02/09/2033	
पिंग	17/08/2030	धांय	12/11/2030	भद्रि	08/04/2031	उल्क	02/01/2032	सिद्ध	20/11/2032
धांय	24/08/2030	भ्राम	26/11/2030	उल्क	20/05/2031	सिद्ध	01/03/2032	संक	07/02/2033
भ्राम	02/09/2030	भद्रि	13/12/2030	सिद्ध	09/07/2031	संक	08/05/2032	मंग	17/02/2033
भद्रि	13/09/2030	उल्क	02/01/2031	संक	03/09/2031	मंग	16/05/2032	पिंग	08/03/2033
उल्क	27/09/2030	सिद्ध	26/01/2031	मंग	10/09/2031	पिंग	02/06/2032	धांय	07/04/2033
सिद्ध	13/10/2030	संक	22/02/2031	पिंग	24/09/2031	धांय	28/06/2032	भ्राम	16/05/2033
संक	31/10/2030	मंग	25/02/2031	धांय	15/10/2031	भ्राम	01/08/2032	भद्रि	05/07/2033
मंग	02/11/2030	पिंग	04/03/2031	भ्राम	12/11/2031	भद्रि	12/09/2032	उल्क	02/09/2033

योगिनी दशा - प्रत्यन्तर

भद्रि - संक		भद्रि - मंग		भद्रि - पिंग		भद्रि - धांय		भद्रि - भ्राम	
02/09/2033		13/10/2034		02/12/2034		14/03/2035		13/08/2035	
13/10/2034		02/12/2034		14/03/2035		13/08/2035		03/03/2036	
संक	01/12/2033	मंग	14/10/2034	पिंग	08/12/2034	धांय	27/03/2035	भ्राम	05/09/2035
मंग	12/12/2033	पिंग	17/10/2034	धांय	17/12/2034	भ्राम	12/04/2035	भद्रि	03/10/2035
पिंग	04/01/2034	धांय	21/10/2034	भ्राम	28/12/2034	भद्रि	04/05/2035	उल्क	06/11/2035
धांय	07/02/2034	भ्राम	27/10/2034	भद्रि	11/01/2035	उल्क	29/05/2035	सिद्ध	15/12/2035
भ्राम	24/03/2034	भद्रि	03/11/2034	उल्क	28/01/2035	सिद्ध	28/06/2035	संक	29/01/2036
भद्रि	19/05/2034	उल्क	11/11/2034	सिद्ध	17/02/2035	संक	31/07/2035	मंग	04/02/2036
उल्क	26/07/2034	सिद्ध	21/11/2034	संक	11/03/2035	मंग	05/08/2035	पिंग	15/02/2036
सिद्ध	13/10/2034	संक	02/12/2034	मंग	14/03/2035	पिंग	13/08/2035	धांय	03/03/2036

उल्क - उल्क		उल्क - सिद्ध		उल्क - संक		उल्क - मंग		उल्क - पिंग	
03/03/2036		03/03/2037		03/05/2038		02/09/2039		02/11/2039	
03/03/2037		03/05/2038		02/09/2039		02/11/2039		03/03/2040	
उल्क	03/05/2036	सिद्ध	25/05/2037	संक	20/08/2038	मंग	04/09/2039	पिंग	09/11/2039
सिद्ध	13/07/2036	संक	28/08/2037	मंग	02/09/2038	पिंग	07/09/2039	धांय	19/11/2039
संक	02/10/2036	मंग	09/09/2037	पिंग	29/09/2038	धांय	13/09/2039	भ्राम	03/12/2039
मंग	12/10/2036	पिंग	02/10/2037	धांय	09/11/2038	भ्राम	19/09/2039	भद्रि	20/12/2039
पिंग	02/11/2036	धांय	07/11/2037	भ्राम	02/01/2039	भद्रि	28/09/2039	उल्क	09/01/2040
धांय	02/12/2036	भ्राम	24/12/2037	भद्रि	11/03/2039	उल्क	08/10/2039	सिद्ध	02/02/2040
भ्राम	12/01/2037	भद्रि	21/02/2038	उल्क	31/05/2039	सिद्ध	20/10/2039	संक	29/02/2040
भद्रि	03/03/2037	उल्क	03/05/2038	सिद्ध	02/09/2039	संक	02/11/2039	मंग	03/03/2040

उल्क - धांय		उल्क - भ्राम		उल्क - भद्रि		सिद्ध - सिद्ध		सिद्ध - संक	
03/03/2040		02/09/2040		03/05/2041		04/03/2042		14/07/2043	
02/09/2040		03/05/2041		04/03/2042		14/07/2043		01/02/2045	
धांय	18/03/2040	भ्राम	29/09/2040	भद्रि	14/06/2041	सिद्ध	08/06/2042	संक	17/11/2043
भ्राम	08/04/2040	भद्रि	02/11/2040	उल्क	04/08/2041	संक	27/09/2042	मंग	03/12/2043
भद्रि	03/05/2040	उल्क	12/12/2040	सिद्ध	02/10/2041	मंग	10/10/2042	पिंग	03/01/2044
उल्क	02/06/2040	सिद्ध	28/01/2041	संक	09/12/2041	पिंग	07/11/2042	धांय	20/02/2044
सिद्ध	08/07/2040	संक	24/03/2041	मंग	17/12/2041	धांय	19/12/2042	भ्राम	23/04/2044
संक	17/08/2040	मंग	30/03/2041	पिंग	03/01/2042	भ्राम	12/02/2043	भद्रि	11/07/2044
मंग	22/08/2040	पिंग	13/04/2041	धांय	29/01/2042	भद्रि	22/04/2043	उल्क	13/10/2044
पिंग	02/09/2040	धांय	03/05/2041	भ्राम	04/03/2042	उल्क	14/07/2043	सिद्ध	01/02/2045

कालचक्र दशा

भोग्य दशा काल : कन्या 4 वर्ष 2 मास 20 दिन
कुल दशाकाल : 85 वर्ष
तिथि : हस्त - 2 सव्य
देह : मकर जीव : मिथुन

कन्या 9 वर्ष		कर्क 21 वर्ष		सिंह 5 वर्ष		मिथुन 9 वर्ष		मकर 4 वर्ष	
31/03/1980		21/06/1984		21/06/2005		21/06/2010		22/06/2019	
21/06/1984		21/06/2005		21/06/2010		22/06/2019		22/06/2023	
	00/00/0000	कर्क	29/08/1989	सिंह	07/10/2005	मिथु	04/06/2011	मक	29/08/2019
	00/00/0000	सिंह	23/11/1990	मिथु	18/04/2006	मक	06/11/2011	कुंभ	06/11/2019
	00/00/0000	मिथु	12/02/1993	मक	13/07/2006	कुंभ	09/04/2012	मीन	26/04/2020
	31/03/1980	मक	08/02/1994	कुंभ	07/10/2006	मीन	01/05/2013	वृश्चि	24/08/2020
मक	21/07/1980	कुंभ	04/02/1995	मीन	10/05/2007	वृश्चि	26/01/2014	तुला	26/05/2021
कुंभ	23/12/1980	मीन	25/07/1997	वृश्चि	07/10/2007	तुला	07/10/2015	कन्या	28/10/2021
मीन	13/01/1982	वृश्चि	18/04/1999	तुला	15/09/2008	कन्या	19/09/2016	कर्क	24/10/2022
वृश्चि	11/10/1982	तुला	01/04/2003	कन्या	27/03/2009	कर्क	10/12/2018	सिंह	18/01/2023
तुला	21/06/1984	कन्या	21/06/2005	कर्क	21/06/2010	सिंह	22/06/2019	मिथु	22/06/2023

कुम्भ 4 वर्ष		मीन 10 वर्ष		वृश्चिक 7 वर्ष		तुला 16 वर्ष		कन्या 9 वर्ष	
22/06/2023		22/06/2027		21/06/2037		21/06/2044		21/06/2060	
22/06/2027		21/06/2037		21/06/2044		21/06/2060		00/00/0000	
कुंभ	29/08/2023	मीन	24/08/2028	वृश्चि	18/01/2038	तुला	26/06/2047	कन्या	04/06/2061
मीन	17/02/2024	वृश्चि	21/06/2029	तुला	14/05/2039	कन्या	06/03/2049	कर्क	25/08/2063
वृश्चि	17/06/2024	तुला	10/05/2031	कन्या	09/02/2040	कर्क	16/02/2053	सिंह	05/03/2064
तुला	19/03/2025	कन्या	30/05/2032	कर्क	01/11/2041	सिंह	26/01/2054	मिथु	16/02/2065
कन्या	20/08/2025	कर्क	19/11/2034	सिंह	01/04/2042	मिथु	07/10/2055	मक	31/03/2065
कर्क	16/08/2026	सिंह	22/06/2035	मिथु	27/12/2042	मक	08/07/2056		00/00/0000
सिंह	10/11/2026	मिथु	12/07/2036	मक	27/04/2043	कुंभ	09/04/2057		00/00/0000
मिथु	14/04/2027	मक	31/12/2036	कुंभ	25/08/2043	मीन	26/02/2059		00/00/0000
मक	22/06/2027	कुंभ	21/06/2037	मीन	21/06/2044	वृश्चि	21/06/2060		00/00/0000

नोट : उपरोक्त तिथियां दशा के समाप्त होने का समय दर्शाती हैं।

कालचक्र दशा - प्रत्यन्तर

कुंभ - कर्क	
20/08/2025	
16/08/2026	
कर्क	17/11/2025
सिंह	09/12/2025
मिथु	16/01/2026
मक	02/02/2026
कुंभ	19/02/2026
मीन	02/04/2026
वृश्चि	02/05/2026
तुला	09/07/2026
कन्या	16/08/2026

कुंभ - सिंह	
16/08/2026	
10/11/2026	
सिंह	21/08/2026
मिथु	30/08/2026
मक	03/09/2026
कुंभ	07/09/2026
मीन	18/09/2026
वृश्चि	25/09/2026
तुला	11/10/2026
कन्या	20/10/2026
कर्क	10/11/2026

कुंभ - मिथु	
10/11/2026	
14/04/2027	
मिथु	27/11/2026
मक	04/12/2026
कुंभ	11/12/2026
मीन	29/12/2026
वृश्चि	11/01/2027
तुला	09/02/2027
कन्या	26/02/2027
कर्क	05/04/2027
सिंह	14/04/2027

कुंभ - मक	
14/04/2027	
22/06/2027	
मक	17/04/2027
कुंभ	20/04/2027
मीन	28/04/2027
वृश्चि	04/05/2027
तुला	17/05/2027
कन्या	24/05/2027
कर्क	10/06/2027
सिंह	14/06/2027
मिथु	22/06/2027

मीन - मीन	
22/06/2027	
24/08/2028	
मीन	11/08/2027
वृश्चि	16/09/2027
तुला	05/12/2027
कन्या	20/01/2028
कर्क	05/05/2028
सिंह	30/05/2028
मिथु	15/07/2028
मक	04/08/2028
कुंभ	24/08/2028

मीन - वृश्चि	
24/08/2028	
21/06/2029	
वृश्चि	18/09/2028
तुला	14/11/2028
कन्या	16/12/2028
कर्क	28/02/2029
सिंह	18/03/2029
मिथु	18/04/2029
मक	03/05/2029
कुंभ	17/05/2029
मीन	21/06/2029

मीन - तुला	
21/06/2029	
10/05/2031	
तुला	29/10/2029
कन्या	09/01/2030
कर्क	28/06/2030
सिंह	08/08/2030
मिथु	19/10/2030
मक	21/11/2030
कुंभ	23/12/2030
मीन	14/03/2031
वृश्चि	10/05/2031

मीन - कन्या	
10/05/2031	
30/05/2032	
कन्या	20/06/2031
कर्क	23/09/2031
सिंह	16/10/2031
मिथु	26/11/2031
मक	14/12/2031
कुंभ	01/01/2032
मीन	16/02/2032
वृश्चि	19/03/2032
तुला	30/05/2032

मीन - कर्क	
30/05/2032	
19/11/2034	
कर्क	08/01/2033
सिंह	02/03/2033
मिथु	06/06/2033
मक	18/07/2033
कुंभ	30/08/2033
मीन	14/12/2033
वृश्चि	26/02/2034
तुला	15/08/2034
कन्या	19/11/2034

मीन - सिंह	
19/11/2034	
22/06/2035	
सिंह	01/12/2034
मिथु	24/12/2034
मक	03/01/2035
कुंभ	13/01/2035
मीन	08/02/2035
वृश्चि	25/02/2035
तुला	07/04/2035
कन्या	30/04/2035
कर्क	22/06/2035

मीन - मिथु	
22/06/2035	
12/07/2036	
मिथु	02/08/2035
मक	20/08/2035
कुंभ	07/09/2035
मीन	22/10/2035
वृश्चि	23/11/2035
तुला	04/02/2036
कन्या	16/03/2036
कर्क	20/06/2036
सिंह	12/07/2036

मीन - मक	
12/07/2036	
31/12/2036	
मक	20/07/2036
कुंभ	29/07/2036
मीन	18/08/2036
वृश्चि	01/09/2036
तुला	03/10/2036
कन्या	21/10/2036
कर्क	03/12/2036
सिंह	13/12/2036
मिथु	31/12/2036

मीन - कुंभ	
31/12/2036	
21/06/2037	
कुंभ	08/01/2037
मीन	29/01/2037
वृश्चि	12/02/2037
तुला	16/03/2037
कन्या	03/04/2037
कर्क	16/05/2037
सिंह	26/05/2037
मिथु	13/06/2037
मक	21/06/2037

वृश्चि - वृश्चि	
21/06/2037	
18/01/2038	
वृश्चि	08/07/2037
तुला	17/08/2037
कन्या	08/09/2037
कर्क	30/10/2037
सिंह	12/11/2037
मिथु	04/12/2037
मक	14/12/2037
कुंभ	24/12/2037
मीन	18/01/2038

वृश्चि - तुला	
18/01/2038	
14/05/2039	
तुला	18/04/2038
कन्या	08/06/2038
कर्क	05/10/2038
सिंह	02/11/2038
मिथु	23/12/2038
मक	15/01/2039
कुंभ	07/02/2039
मीन	04/04/2039
वृश्चि	14/05/2039

कालचक्र दशा - प्रत्यन्तर

वृश्चि - कन्या		वृश्चि - कर्क		वृश्चि - सिंह		वृश्चि - मिथु		वृश्चि - मक	
14/05/2039		09/02/2040		01/11/2041		01/04/2042		27/12/2042	
09/02/2040		01/11/2041		01/04/2042		27/12/2042		27/04/2043	
कन्या	12/06/2039	कर्क	14/07/2040	सिंह	10/11/2041	मिथु	29/04/2042	मक	02/01/2043
कर्क	17/08/2039	सिंह	20/08/2040	मिथु	26/11/2041	मक	12/05/2042	कुंभ	08/01/2043
सिंह	02/09/2039	मिथु	26/10/2040	मक	03/12/2041	कुंभ	25/05/2042	मीन	22/01/2043
मिथु	01/10/2039	मक	24/11/2040	कुंभ	10/12/2041	मीन	26/06/2042	वृश्चि	01/02/2043
मक	14/10/2039	कुंभ	24/12/2040	मीन	28/12/2041	वृश्चि	18/07/2042	तुला	23/02/2043
कुंभ	27/10/2039	मीन	09/03/2041	वृश्चि	09/01/2042	तुला	07/09/2042	कन्या	08/03/2043
मीन	27/11/2039	वृश्चि	30/04/2041	तुला	07/02/2042	कन्या	06/10/2042	कर्क	07/04/2043
वृश्चि	20/12/2039	तुला	26/08/2041	कन्या	23/02/2042	कर्क	12/12/2042	सिंह	14/04/2043
तुला	09/02/2040	कन्या	01/11/2041	कर्क	01/04/2042	सिंह	27/12/2042	मिथु	27/04/2043

वृश्चि - कुंभ		वृश्चि - मीन		तुला - तुला		तुला - कन्या		तुला - कर्क	
27/04/2043		25/08/2043		21/06/2044		26/06/2047		06/03/2049	
25/08/2043		21/06/2044		26/06/2047		06/03/2049		16/02/2053	
कुंभ	02/05/2043	मीन	29/09/2043	तुला	14/01/2045	कन्या	30/08/2047	कर्क	25/02/2050
मीन	17/05/2043	वृश्चि	24/10/2043	कन्या	10/05/2045	कर्क	30/01/2048	सिंह	21/05/2050
वृश्चि	26/05/2043	तुला	20/12/2043	कर्क	06/02/2046	सिंह	07/03/2048	मिथु	21/10/2050
तुला	18/06/2043	कन्या	21/01/2044	सिंह	12/04/2046	मिथु	11/05/2048	मक	28/12/2050
कन्या	01/07/2043	कर्क	04/04/2044	मिथु	06/08/2046	मक	09/06/2048	कुंभ	06/03/2051
कर्क	31/07/2043	सिंह	22/04/2044	मक	27/09/2046	कुंभ	08/07/2048	मीन	23/08/2051
सिंह	07/08/2043	मिथु	24/05/2044	कुंभ	18/11/2046	मीन	19/09/2048	वृश्चि	20/12/2051
मिथु	19/08/2043	मक	07/06/2044	मीन	27/03/2047	वृश्चि	09/11/2048	तुला	17/09/2052
मक	25/08/2043	कुंभ	21/06/2044	वृश्चि	26/06/2047	तुला	06/03/2049	कन्या	16/02/2053

तुला - सिंह		तुला - मिथु		तुला - मक		तुला - कुंभ		तुला - मीन	
16/02/2053		26/01/2054		07/10/2055		08/07/2056		09/04/2057	
26/01/2054		07/10/2055		08/07/2056		09/04/2057		26/02/2059	
सिंह	09/03/2053	मिथु	02/04/2054	मक	20/10/2055	कुंभ	21/07/2056	मीन	29/06/2057
मिथु	14/04/2053	मक	01/05/2054	कुंभ	02/11/2055	मीन	22/08/2056	वृश्चि	25/08/2057
मक	30/04/2053	कुंभ	30/05/2054	मीन	04/12/2055	वृश्चि	14/09/2056	तुला	01/01/2058
कुंभ	16/05/2053	मीन	11/08/2054	वृश्चि	27/12/2055	तुला	05/11/2056	कन्या	15/03/2058
मीन	26/06/2053	वृश्चि	01/10/2054	तुला	17/02/2056	कन्या	04/12/2056	कर्क	01/09/2058
वृश्चि	24/07/2053	तुला	25/01/2055	कन्या	17/03/2056	कर्क	10/02/2057	सिंह	11/10/2058
तुला	27/09/2053	कन्या	01/04/2055	कर्क	24/05/2056	सिंह	26/02/2057	मिथु	23/12/2058
कन्या	02/11/2053	कर्क	01/09/2055	सिंह	09/06/2056	मिथु	27/03/2057	मक	24/01/2059
कर्क	26/01/2054	सिंह	07/10/2055	मिथु	08/07/2056	मक	09/04/2057	कुंभ	26/02/2059

चर दशा

भोग्य दशा काल : सिंह 5 वर्ष 0 मास 0 दिन

सिंह 5 वर्ष	
31/03/1980	
31/03/1985	
कन्या	30/08/1980
तुला	30/01/1981
वृश्चि	01/07/1981
धनु	30/11/1981
मक	01/05/1982
कुंभ	30/09/1982
मीन	01/03/1983
मेष	01/08/1983
वृष	31/12/1983
मिथु	31/05/1984
कर्क	30/10/1984
सिंह	31/03/1985

कन्या 7 वर्ष	
31/03/1985	
31/03/1992	
तुला	30/10/1985
वृश्चि	01/06/1986
धनु	31/12/1986
मक	01/08/1987
कुंभ	01/03/1988
मीन	30/09/1988
मेष	01/05/1989
वृष	30/11/1989
मिथु	01/07/1990
कर्क	30/01/1991
सिंह	31/08/1991
कन्या	31/03/1992

तुला 7 वर्ष	
31/03/1992	
01/04/1999	
वृश्चि	30/10/1992
धनु	31/05/1993
मक	30/12/1993
कुंभ	31/07/1994
मीन	01/03/1995
मेष	01/10/1995
वृष	01/05/1996
मिथु	30/11/1996
कर्क	01/07/1997
सिंह	30/01/1998
कन्या	31/08/1998
तुला	01/04/1999

वृश्चिक 9 वर्ष	
01/04/1999	
31/03/2008	
तुला	31/12/1999
कन्या	30/09/2000
सिंह	01/07/2001
कर्क	01/04/2002
मिथु	31/12/2002
वृष	01/10/2003
मेष	30/06/2004
मीन	31/03/2005
कुंभ	30/12/2005
मक	30/09/2006
धनु	01/07/2007
वृश्चि	31/03/2008

धनु 8 वर्ष	
31/03/2008	
31/03/2016	
वृश्चि	30/11/2008
तुला	31/07/2009
कन्या	01/04/2010
सिंह	30/11/2010
कर्क	01/08/2011
मिथु	31/03/2012
वृष	30/11/2012
मेष	31/07/2013
मीन	01/04/2014
कुंभ	30/11/2014
मक	01/08/2015
धनु	31/03/2016

मकर 5 वर्ष	
31/03/2016	
31/03/2021	
धनु	30/08/2016
वृश्चि	30/01/2017
तुला	01/07/2017
कन्या	30/11/2017
सिंह	01/05/2018
कर्क	30/09/2018
मिथु	01/03/2019
वृष	01/08/2019
मेष	31/12/2019
मीन	31/05/2020
कुंभ	30/10/2020
मक	31/03/2021

कुम्भ 6 वर्ष	
31/03/2021	
01/04/2027	
मीन	30/09/2021
मेष	01/04/2022
वृष	30/09/2022
मिथु	01/04/2023
कर्क	01/10/2023
सिंह	31/03/2024
कन्या	30/09/2024
तुला	31/03/2025
वृश्चि	30/09/2025
धनु	01/04/2026
मक	30/09/2026
कुंभ	01/04/2027

मीन 7 वर्ष	
01/04/2027	
01/04/2034	
मेष	31/10/2027
वृष	31/05/2028
मिथु	30/12/2028
कर्क	31/07/2029
सिंह	01/03/2030
कन्या	30/09/2030
तुला	01/05/2031
वृश्चि	30/11/2031
धनु	30/06/2032
मक	30/01/2033
कुंभ	31/08/2033
मीन	01/04/2034

मेष 4 वर्ष	
01/04/2034	
01/04/2038	
वृष	31/07/2034
मिथु	30/11/2034
कर्क	01/04/2035
सिंह	01/08/2035
कन्या	30/11/2035
तुला	31/03/2036
वृश्चि	31/07/2036
धनु	30/11/2036
मक	31/03/2037
कुंभ	31/07/2037
मीन	30/11/2037
मेष	01/04/2038

वृष 12 वर्ष	
01/04/2038	
01/04/2050	
मेष	01/04/2039
मीन	31/03/2040
कुंभ	31/03/2041
मक	01/04/2042
धनु	01/04/2043
वृश्चि	31/03/2044
तुला	31/03/2045
कन्या	01/04/2046
सिंह	01/04/2047
कर्क	31/03/2048
मिथु	31/03/2049
वृष	01/04/2050

मिथुन 8 वर्ष	
01/04/2050	
01/04/2058	
वृष	30/11/2050
मेष	01/08/2051
मीन	31/03/2052
कुंभ	30/11/2052
मक	31/07/2053
धनु	01/04/2054
वृश्चि	30/11/2054
तुला	01/08/2055
कन्या	31/03/2056
सिंह	30/11/2056
कर्क	31/07/2057
मिथु	01/04/2058

कर्क 10 वर्ष	
01/04/2058	
31/03/2068	
मिथु	30/01/2059
वृष	30/11/2059
मेष	30/09/2060
मीन	31/07/2061
कुंभ	01/06/2062
मक	01/04/2063
धनु	30/01/2064
वृश्चि	30/11/2064
तुला	30/09/2065
कन्या	31/07/2066
सिंह	01/06/2067
कर्क	31/03/2068

नोट : उपरोक्त तिथियां दशा के समाप्त होने का समय दर्शाती हैं।

चर दशा - प्रत्यन्तर

कुंभ - धनु		कुंभ - मक		कुंभ - कुंभ		मीन - मेष		मीन - वृष	
30/09/2025		01/04/2026		30/09/2026		01/04/2027		31/10/2027	
01/04/2026		30/09/2026		01/04/2027		31/10/2027		31/05/2028	
वृश्चि	15/10/2025	धनु	16/04/2026	मीन	16/10/2026	वृष	19/04/2027	मेष	18/11/2027
तुला	30/10/2025	वृश्चि	01/05/2026	मेष	31/10/2026	मिथु	06/05/2027	मीन	05/12/2027
कन्या	15/11/2025	तुला	16/05/2026	वृष	15/11/2026	कर्क	24/05/2027	कुंभ	23/12/2027
सिंह	30/11/2025	कन्या	01/06/2026	मिथु	30/11/2026	सिंह	11/06/2027	मक	10/01/2028
कर्क	15/12/2025	सिंह	16/06/2026	कर्क	15/12/2026	कन्या	29/06/2027	धनु	28/01/2028
मिथु	30/12/2025	कर्क	01/07/2026	सिंह	31/12/2026	तुला	16/07/2027	वृश्चि	15/02/2028
वृष	15/01/2026	मिथु	16/07/2026	कन्या	15/01/2027	वृश्चि	03/08/2027	तुला	03/03/2028
मेष	30/01/2026	वृष	31/07/2026	तुला	30/01/2027	धनु	21/08/2027	कन्या	21/03/2028
मीन	14/02/2026	मेष	16/08/2026	वृश्चि	14/02/2027	मक	08/09/2027	सिंह	08/04/2028
कुंभ	01/03/2026	मीन	31/08/2026	धनु	01/03/2027	कुंभ	25/09/2027	कर्क	26/04/2028
मक	16/03/2026	कुंभ	15/09/2026	मक	17/03/2027	मीन	13/10/2027	मिथु	13/05/2028
धनु	01/04/2026	मक	30/09/2026	कुंभ	01/04/2027	मेष	31/10/2027	वृष	31/05/2028

मीन - मिथु		मीन - कर्क		मीन - सिंह		मीन - कन्या		मीन - तुला	
31/05/2028		30/12/2028		31/07/2029		01/03/2030		30/09/2030	
30/12/2028		31/07/2029		01/03/2030		30/09/2030		01/05/2031	
वृष	18/06/2028	मिथु	17/01/2029	कन्या	18/08/2029	तुला	19/03/2030	वृश्चि	18/10/2030
मेष	06/07/2028	वृष	04/02/2029	तुला	05/09/2029	वृश्चि	06/04/2030	धनु	05/11/2030
मीन	23/07/2028	मेष	21/02/2029	वृश्चि	22/09/2029	धनु	23/04/2030	मक	23/11/2030
कुंभ	10/08/2028	मीन	11/03/2029	धनु	10/10/2029	मक	11/05/2030	कुंभ	10/12/2030
मक	28/08/2028	कुंभ	29/03/2029	मक	28/10/2029	कुंभ	29/05/2030	मीन	28/12/2030
धनु	15/09/2028	मक	16/04/2029	कुंभ	15/11/2029	मीन	16/06/2030	मेष	15/01/2031
वृश्चि	02/10/2028	धनु	03/05/2029	मीन	02/12/2029	मेष	04/07/2030	वृष	02/02/2031
तुला	20/10/2028	वृश्चि	21/05/2029	मेष	20/12/2029	वृष	21/07/2030	मिथु	19/02/2031
कन्या	07/11/2028	तुला	08/06/2029	वृष	07/01/2030	मिथु	08/08/2030	कर्क	09/03/2031
सिंह	25/11/2028	कन्या	26/06/2029	मिथु	25/01/2030	कर्क	26/08/2030	सिंह	27/03/2031
कर्क	12/12/2028	सिंह	13/07/2029	कर्क	11/02/2030	सिंह	13/09/2030	कन्या	14/04/2031
मिथु	30/12/2028	कर्क	31/07/2029	सिंह	01/03/2030	कन्या	30/09/2030	तुला	01/05/2031

मीन - वृश्चि		मीन - धनु		मीन - मक		मीन - कुंभ		मीन - मीन	
01/05/2031		30/11/2031		30/06/2032		30/01/2033		31/08/2033	
30/11/2031		30/06/2032		30/01/2033		31/08/2033		01/04/2034	
तुला	19/05/2031	वृश्चि	18/12/2031	धनु	18/07/2032	मीन	16/02/2033	मेष	17/09/2033
कन्या	06/06/2031	तुला	05/01/2032	वृश्चि	05/08/2032	मेष	06/03/2033	वृष	05/10/2033
सिंह	24/06/2031	कन्या	23/01/2032	तुला	23/08/2032	वृष	24/03/2033	मिथु	23/10/2033
कर्क	11/07/2031	सिंह	09/02/2032	कन्या	09/09/2032	मिथु	11/04/2033	कर्क	10/11/2033
मिथु	29/07/2031	कर्क	27/02/2032	सिंह	27/09/2032	कर्क	28/04/2033	सिंह	27/11/2033
वृष	16/08/2031	मिथु	16/03/2032	कर्क	15/10/2032	सिंह	16/05/2033	कन्या	15/12/2033
मेष	03/09/2031	वृष	03/04/2032	मिथु	02/11/2032	कन्या	03/06/2033	तुला	02/01/2034
मीन	20/09/2031	मेष	20/04/2032	वृष	20/11/2032	तुला	21/06/2033	वृश्चि	20/01/2034
कुंभ	08/10/2031	मीन	08/05/2032	मेष	07/12/2032	वृश्चि	08/07/2033	धनु	06/02/2034
मक	26/10/2031	कुंभ	26/05/2032	मीन	25/12/2032	धनु	26/07/2033	मक	24/02/2034
धनु	13/11/2031	मक	13/06/2032	कुंभ	12/01/2033	मक	13/08/2033	कुंभ	14/03/2034
वृश्चि	30/11/2031	धनु	30/06/2032	मक	30/01/2033	कुंभ	31/08/2033	मीन	01/04/2034

चर दशा - प्रत्यन्तर

मेष - वृष		मेष - मिथु		मेष - कर्क		मेष - सिंह		मेष - कन्या	
01/04/2034		31/07/2034		30/11/2034		01/04/2035		01/08/2035	
31/07/2034		30/11/2034		01/04/2035		01/08/2035		30/11/2035	
मेष	11/04/2034	वृष	11/08/2034	मिथु	10/12/2034	कन्या	11/04/2035	तुला	11/08/2035
मीन	21/04/2034	मेष	21/08/2034	वृष	20/12/2034	तुला	21/04/2035	वृश्चि	21/08/2035
कुंभ	01/05/2034	मीन	31/08/2034	मेष	31/12/2034	वृश्चि	01/05/2035	धनु	31/08/2035
मक	11/05/2034	कुंभ	10/09/2034	मीन	10/01/2035	धनु	11/05/2035	मक	10/09/2035
धनु	21/05/2034	मक	20/09/2034	कुंभ	20/01/2035	मक	22/05/2035	कुंभ	20/09/2035
वृश्चि	01/06/2034	धनु	30/09/2034	मक	30/01/2035	कुंभ	01/06/2035	मीन	01/10/2035
तुला	11/06/2034	वृश्चि	10/10/2034	धनु	09/02/2035	मीन	11/06/2035	मेष	11/10/2035
कन्या	21/06/2034	तुला	21/10/2034	वृश्चि	19/02/2035	मेष	21/06/2035	वृष	21/10/2035
सिंह	01/07/2034	कन्या	31/10/2034	तुला	01/03/2035	वृष	01/07/2035	मिथु	31/10/2035
कर्क	11/07/2034	सिंह	10/11/2034	कन्या	12/03/2035	मिथु	11/07/2035	कर्क	10/11/2035
मिथु	21/07/2034	कर्क	20/11/2034	सिंह	22/03/2035	कर्क	22/07/2035	सिंह	20/11/2035
वृष	31/07/2034	मिथु	30/11/2034	कर्क	01/04/2035	सिंह	01/08/2035	कन्या	30/11/2035

मेष - तुला		मेष - वृश्चि		मेष - धनु		मेष - मक		मेष - कुंभ	
30/11/2035		31/03/2036		31/07/2036		30/11/2036		31/03/2037	
31/03/2036		31/07/2036		30/11/2036		31/03/2037		31/07/2037	
वृश्चि	11/12/2035	तुला	10/04/2036	वृश्चि	10/08/2036	धनु	10/12/2036	मीन	11/04/2037
धनु	21/12/2035	कन्या	20/04/2036	तुला	20/08/2036	वृश्चि	20/12/2036	मेष	21/04/2037
मक	31/12/2035	सिंह	01/05/2036	कन्या	30/08/2036	तुला	30/12/2036	वृष	01/05/2037
कुंभ	10/01/2036	कर्क	11/05/2036	सिंह	09/09/2036	कन्या	09/01/2037	मिथु	11/05/2037
मीन	20/01/2036	मिथु	21/05/2036	कर्क	20/09/2036	सिंह	19/01/2037	कर्क	21/05/2037
मेष	30/01/2036	वृष	31/05/2036	मिथु	30/09/2036	कर्क	30/01/2037	सिंह	31/05/2037
वृष	09/02/2036	मेष	10/06/2036	वृष	10/10/2036	मिथु	09/02/2037	कन्या	10/06/2037
मिथु	20/02/2036	मीन	20/06/2036	मेष	20/10/2036	वृष	19/02/2037	तुला	21/06/2037
कर्क	01/03/2036	कुंभ	30/06/2036	मीन	30/10/2036	मेष	01/03/2037	वृश्चि	01/07/2037
सिंह	11/03/2036	मक	11/07/2036	कुंभ	09/11/2036	मीन	11/03/2037	धनु	11/07/2037
कन्या	21/03/2036	धनु	21/07/2036	मक	20/11/2036	कुंभ	21/03/2037	मक	21/07/2037
तुला	31/03/2036	वृश्चि	31/07/2036	धनु	30/11/2036	मक	31/03/2037	कुंभ	31/07/2037

मेष - मीन		मेष - मेष		वृष - मेष		वृष - मीन		वृष - कुंभ	
31/07/2037		30/11/2037		01/04/2038		01/04/2039		31/03/2040	
30/11/2037		01/04/2038		01/04/2039		31/03/2040		31/03/2041	
मेष	10/08/2037	वृष	10/12/2037	वृष	01/05/2038	मेष	01/05/2039	मीन	01/05/2040
वृष	20/08/2037	मिथु	20/12/2037	मिथु	01/06/2038	वृष	01/06/2039	मेष	31/05/2040
मिथु	31/08/2037	कर्क	30/12/2037	कर्क	01/07/2038	मिथु	01/07/2039	वृष	30/06/2040
कर्क	10/09/2037	सिंह	09/01/2038	सिंह	31/07/2038	कर्क	01/08/2039	मिथु	31/07/2040
सिंह	20/09/2037	कन्या	20/01/2038	कन्या	31/08/2038	सिंह	31/08/2039	कर्क	30/08/2040
कन्या	30/09/2037	तुला	30/01/2038	तुला	30/09/2038	कन्या	01/10/2039	सिंह	30/09/2040
तुला	10/10/2037	वृश्चि	09/02/2038	वृश्चि	31/10/2038	तुला	31/10/2039	कन्या	30/10/2040
वृश्चि	20/10/2037	धनु	19/02/2038	धनु	30/11/2038	वृश्चि	30/11/2039	तुला	30/11/2040
धनु	30/10/2037	मक	01/03/2038	मक	31/12/2038	धनु	31/12/2039	वृश्चि	30/12/2040
मक	10/11/2037	कुंभ	11/03/2038	कुंभ	30/01/2039	मक	30/01/2040	धनु	30/01/2041
कुंभ	20/11/2037	मीन	22/03/2038	मीन	01/03/2039	कुंभ	01/03/2040	मक	01/03/2041
मीन	30/11/2037	मेष	01/04/2038	मेष	01/04/2039	मीन	31/03/2040	कुंभ	31/03/2041

शुभाशुभ ज्ञानम्

शुभाशुभज्ञान आपको अपने मित्र एवं शत्रु वर्ग का बोध कराता है। मूलांक, भाग्यांक एवं मित्रांको से मित्रता एवं साझेदारी करने से लाभ तथा सहयोग की प्राप्ति होती है। साथ ही शुभ दिन एवं वर्ष उन्नति कारक तथा शुभ ग्रहों की दशाएं लाभदायक होती हैं। इसी प्रकार मित्रलग्न लाभदायक एवं मित्र राशि से घनिष्ठता होती है।

शुभरत्न धातु एवं रंग धारण करने से शारीरिक एवं मानसिक स्वस्थता बनी रहती है तथा भाग्य रत्न धारण करने से सौभाग्य में वृद्धि होती है। शुभ समय में कोई भी कार्य प्रारम्भ करने से उसमें इच्छित सफलता की प्राप्ति होती है। साथ ही इष्टदेव का ध्यान एवं जप से मानसिक शान्ति तथा सफलता मिलती है। शुभ पदार्थ अन्न, द्रव्य आदि का दान या व्यापार शुभ दिशा में करने से वांछित लाभ प्राप्त होता है। इस प्रकार शुभाशुभज्ञान का दैनिक जीवन में प्रयोग शुभफलदायक सिद्ध हो सकता है।

मूलांक	4
भाग्यांक	7
मित्र अंक	1, 4, 6, 7
शत्रु अंक	3, 8
शुभ वर्ष	22,31,40,49,58
शुभ दिन	मंगल, रवि, गुरु
शुभ ग्रह	मंगल, सूर्य, गुरु
मित्र राशि	वृष, मिथुन
मित्र लग्न	वृश्चिक, मेष, मिथुन
अनुकूल देवता	गणेश
शुभ रत्न	माणिक्य
शुभ उपरत्न	लाल हकीक, लाल तुर्मली
भाग्य रत्न	मूंगा
शुभ धातु	ताम्र
शुभ रंग	नारंगी
शुभ दिशा	पूर्व
शुभ समय	सूर्योदय
दान पदार्थ	मूंगा, केसर, रक्तचन्दन
दान अन्न	गेहुँ
दान द्रव्य	घी

Sample

रत्न चयन

रत्न जीवन में शुभत्व की वृद्धि के लिए धारण किए जाते हैं। वैज्ञानिक रूप से, रत्न अपने ग्रह की राशियों को पूर्णमात्रा में मानव शरीर में प्रवाहित कर ग्रह प्रभाव की वृद्धि करते हैं। यही कारण है कि रत्न केवल शुभ ग्रहों का ही धारण किया जाता है। ग्रह शुभ माना जाता है यदि यह लग्न, त्रिकोण या केन्द्र में स्थापित हो या स्वामी हो। यह अशुभ होता है यदि यह त्रिक भाव से संबंधित हो। मित्रों की युति या दृष्टि भी इसकी शुभता बढ़ाती है। बाधक भाव का स्वामित्व शुभता कम कर देता है। चर लग्नों में एकादश, स्थिर में नवम व द्विस्वभाव में सप्तम भाव की बाधक संज्ञा है। उपरोक्त तथ्य रत्न चयन हेतु ग्रह की शुभता दर्शाते हैं।

नीचे जन्मकुण्डली में ग्रहों की शुभता को सारणी व ग्राफ में दर्शित किया गया है। साथ ही कौन सा ग्रह किस क्षेत्र में कार्य सिद्ध कर सकता है दिया गया है। विभिन्न दशाओं में विभिन्न रत्नों की शुभता भी नीचे तालिका में दी गई है। जिस ग्रह को 75 प्रतिशत शुभता प्राप्त है उसके रत्न हमें सर्वदा बिना दशा विचार के धारण करने चाहिए। जिन्हें 50–75 प्रतिशत शुभता प्राप्त है उन्हें कार्य क्षेत्र अनुसार व अनुकूल दशा में धारण करना चाहिए। जो रत्न केवल 25–50 प्रतिशत शुभता लिए हैं उनके रत्न केवल उनकी या उनके मित्रों की दशा में धारण करने चाहिए। अन्ततः जिन्हें 25 प्रतिशत से भी कम शुभता प्राप्त है वे ग्रह अपने लिए अशुभ ही समझें और उनके रत्नों को पहनने से बचना चाहिए।

रत्न	ग्रह	शुभता	क्षेत्र
मूंगा	मंगल	95%	स्वास्थ्य, भाग्योदय, सुख
हीरा	शुक्र	76%	व्यावसायिक उन्नति, पराक्रम
पुखराज	गुरु	75%	स्वास्थ्य, सन्तति सुख, दुर्घटना से बचाव
लहसुनिया	केतु	67%	दम्पति, स्वास्थ्य
पन्ना	बुध	66%	दम्पति, धनार्जन, धन
माणिक्य	सूर्य	64%	दुर्घटना से बचाव, स्वास्थ्य
मोती	चंद्र	41%	धन हानि, व्यय
गोमेद	राहु	38%	रोग, दुर्घटना
नीलम	शनि	22%	रोग, शत्रु व रोग, दाम्पत्य कष्ट

रत्न की शुभता

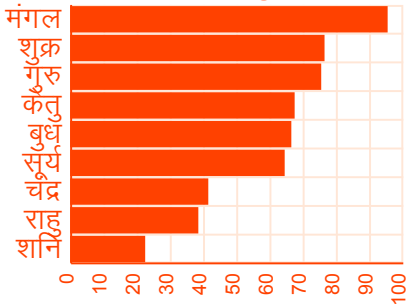

दशानुसार रत्न विचार

दशा	समाप्ति	माणिक्य	मोती	मूंगा	पन्ना	पुखराज	हीरा	नीलम	गोमेद	लहसुनिया
चंद्र	27/05/1986	70%	58%	95%	72%	75%	76%	22%	12%	55%
मंगल	27/05/1993	70%	52%	100%	53%	81%	76%	22%	12%	73%
राहु	27/05/2011	52%	16%	83%	66%	75%	82%	34%	56%	55%
गुरु	27/05/2027	70%	52%	100%	53%	88%	64%	22%	38%	67%
शनि	27/05/2046	52%	16%	83%	72%	75%	82%	47%	50%	55%
बुध	27/05/2063	70%	16%	95%	78%	75%	82%	22%	38%	67%
केतु	27/05/2070	52%	16%	100%	66%	75%	82%	0%	12%	80%
शुक्र	27/05/2090	52%	16%	95%	72%	75%	89%	34%	50%	73%
सूर्य	26/05/2096	77%	52%	100%	66%	81%	64%	0%	12%	55%

विस्तृत रत्न विचार

औषधि मणि मंत्राणां, ग्रह–नक्षत्र तारिका ।
भाग्यकाले भवेत्सिद्धिः अभाग्यं निष्फलं भवेत ।।

औषधि, मणि एवं मंत्र ग्रह नक्षत्र जनित रोगों को दूर करते हैं। यदि समय सही है तो इनसे उपयुक्त फल प्राप्त होते हैं। विपरीत समय में ये सभी निष्फल हो जाते हैं।

रत्न शरीर की शोभा बढ़ाने के साथ साथ अपनी चमत्कारिक शक्ति द्वारा ग्रहों के विपरीत प्रभावों को कम करके ग्रह बल को बढ़ाते है। रत्न हमारे शरीर में ग्रहों से आ रही किरणों का प्रवाह बढ़ाते हैं। अतः जो ग्रह आपकी कुण्डली में शुभ हो लेकिन निर्बल हो उनका रत्न पहनने से ग्रह की निर्बलता दूर होती है। यही कारण है कि अशुभ ग्रहों के रत्न सर्वदा त्याज्य है।

रत्न जितना साफ व सही कटाव का होगा उतना ही अधिक रश्मियों को एकत्रित करने में सक्षम होता है। अतः अच्छी गुणवत्ता के रत्न ही पूर्णतः फल देने में समर्थ होते है। रत्न का वजन व शरीर का वजन ग्रह की निर्बलता के अनुपात में होना चाहिए। यदि ग्रह बहुत कमजोर है तो अधिक वजन का रत्न पहनना चाहिए। हीरे को छोड़कर रत्न शरीर से छुना अति आवश्यक हैं। अंगूली में व विशेष धातु में पहनने से रत्न का प्रभाव अधिकतम होता है।

यदि किसी कारणवश रत्न उतारना है तो रत्न के वार के दिन ही उतारकर श्रद्धापूर्वक गंगाजल में धोकर सुरक्षित स्थान पर रखना चाहिए। यदि रत्न खो जाए या चोरी हो जाए तो यह समझना चाहिए कि ग्रह दोष खत्म हो गया है। यदि रत्न का रंग फिका पड़ जाए तो यह समझना चाहिए कि ग्रह का अशुभ प्रभाव शांत हुआ समझना चाहिए। यदि रत्न में दरार पड़ जाए तो यह समझना चाहिए कि ग्रह प्रभावशाली है तब ग्रह की शांति कराए तथा दूसरा रत्न बनवाकर पुनः पहनें।

कुंडली में जो ग्रह अशुभ हो उनके लिए रुद्राक्ष धारण, मंत्र, दान, जल, विसर्जन एवं व्रत आदि उपायों से ग्रहों की अशुभता को दूर किया जा सकता है। यदि आप किसी कारणवश रत्न धारण करने में असमर्थ है तो आप इन रत्नों के रुद्राक्ष या उपरत्न धारण कर ग्रह शुभता प्राप्त कर सकते है अन्यथा मंत्र जाप। दान या व्रत आदि से भी ग्रहों का बलाबल बढ़ा सकते है।

किसी भी कुंडली के लिए लग्नेश जीवन रत्न होता है और इसके धारण करने से स्वास्थ्य लाभ व व्यक्तित्व विकास व मान–सम्मान प्राप्त होता है। नवमेश का रत्न भाग्य रत्न कहलाता है। इसके धारण करने से भाग्य की बढ़ोतरी होते है। साथ ही यह रत्न मान–प्रतिष्ठा भी बढ़ाता है। योगकारक या पंचमेश ग्रह का रत्न। कारक रत्न कहलाता है। इसके धारण करने से कार्य में प्रगति। धन लाभ व चौमुखी विकास प्राप्त होता है। आपको कौन सा रत्न पहनना चाहिए व कौन सा नहीं इसके लाभ/हानि की जानकारी विस्तृत रूप में नीचे दी जा रही है।

शुभरत्न धातु एवं रंग धारण करने से शारीरिक एवं मानसिक स्वस्थता बनी रहती है तथा भाग्य रत्न धारण करने से सौभाग्य में वृद्धि होती है। शुभ समय में कोई भी कार्य प्रारम्भ करने से उसमें इच्छित सफलता की प्राप्ति होती है। साथ ही इष्टदेव का ध्यान एवं जप से मानसिक शान्ति तथा सफलता मिलती है। शुभ पदार्थ अन्न। द्रव्य आदि का दान या व्यापार शुभ दिशा में करने से वांछित लाभ प्राप्त होता है। इस प्रकार शुभाशुभज्ञान सिद्ध हो सकता है।

आपकी कुडंली और रत्न

आपके लिए मूंगा, हीरा व पुखराज रत्न धारण करना अति शुभ फलदायक है। इन्हें आप सर्वदा धारण करेंगे तो आपके जीवन का चहुंमुखी विकास होगा। धन लाभ व व्यावसायिक उन्नति होगी।

मूंगा आपका भाग्य रत्न है। इस रत्न को धारण करने से आपके भाग्य की वृद्धि होगी। रुके हुए कार्य सुगमता पूर्वक बनेंगे। मान–सम्मान बढ़ेगा। शुभ यात्राएं होंगी। मानसिक विकार दूर होंगे। धन लाभ व व्यावसायिक उन्नति होगी।

हीरा व पुखराज रत्न आपके कारक रत्न हैं। कारक रत्न के धारण करने से व्यावसायिक उन्नति प्राप्त होती है। धन लाभ होता है। सुख सम्पत्ति की प्राप्ति होती है। जीवन में नयी ऊर्जा का प्रवाह होता है।

अतः उपरोक्त रत्न आप अवश्य धारण करें। सभी रत्न जीवन पर्यन्त धारण करने से ग्रहों की विशेष शुभता प्राप्त होगी और जीवन सुखमय होकर गतिमान होगा। उपरोक्त रत्न आप बिना किसी दशा या गोचर विचार के धारण कर सकते हैं क्योंकि सभी रत्न अति शुभफलदायी हैं।

आपके लिए लहसुनिया, पन्ना एवं माणिक्य रत्न शुभ हैं लेकिन ये रत्न दशानुसार शुभाशुभ फल देने में सक्षम है। अतः इन्हें आप स्वदशा या मित्र दशा में धारण करेंगे तो ये शुभ फल देंगे। शत्रु दशा में इनको नहीं पहनना ही बेहतर होगा। उस समय इन ग्रहों के उपाय आप रुद्राक्ष पहन कर या दान, मंत्र जाप आदि से करना श्रेष्ठ होगा।

मोती व गोमेद रत्न आपके लिए नेष्ट हैं। अतः इन्हें न पहनना ही बेहतर है। यदि आप इन रत्नों को धारण करते हैं तो इनकी अनुकूलता का परिक्षण अवश्य कर लें। अनुकूलता होने पर ही इन्हें धारण करें, अन्यथा शीघ्र अति शीघ्र उतार दें। इन रत्नों के धारण करने से आपको मानसिक परेशानी, स्वास्थ्य में कमी या धन हानि हो सकती है।

नीलम पहनना आपके लिए कष्टकारी सिद्ध हो सकता है। इस रत्न का आप सर्वदा त्याग ही करें, क्योंकि किसी भी दशा या गोचर में इससे शुभ फल प्राप्त होने की आशा कम ही है। इस रत्न को धारण करने से सामाजिक, आर्थिक व स्वास्थ्य पक्ष से विपरीत फल प्राप्त हो सकते हैं।

विभिन्न रत्न आपके लिए किस प्रकार से फलदायी रहेंगे एवं उनकी धारण विधि का विस्तृत विवरण निम्न प्रकार से है :–

मूंगा

आपकी कुंडली में मंगल प्रथम भाव में स्थित है। मंगल रत्न मूंगा धारण कर आप अपने स्वास्थ्य को बेहतर बनाए रख सकते है। यह रत्न आपको पराक्रमी बनाये रखेगा और आपके साहस भाव को भी बढ़ायेगा। मूंगा रत्न आपके आत्मबल को ऊंच रख आपको कठिन से कठिन कार्य करने का सामथ्र्य देगा। समाज में आपको सम्मान और प्रतिष्ठा की प्राप्ति होगी। मंगल अपनी पूर्ण दृष्टि से चतुर्थ, सप्तम एवं अष्टम भाव को देख रहा है। इसलिए मूंगा रत्न आपके लिए भूमि एवं वाहन सुख प्राप्त करने में सहयोगी होगा। इस रत्न को धारण करने से आपके आत्मविश्वास भाव में वृद्धि होगी। भूमि, भवन क्रय–विक्रय में सहयोग लाभ प्राप्त होगा।

आपकी सिंह लग्न की कुंडली में मंगल चतुर्थेश एवं नवमेश है। मंगल आपके लिए नवमेश होने के कारण शुभ ग्रह है। मंगल रत्न मूंगा धारण कर आप कर्म से भाग्य बदलने का प्रयास कर सकते है। मूंगा रत्न आपको धर्मपरायण व सौभाग्यशाली बना सकता है। इस रत्न के शुभ प्रभाव से आप माता सुख, भूमि व भवन पक्ष से सबल कर सकता है। आप यह रत्न धारण कर अपने दैनिक जीवन को गौरवशाली बना सकते है। इसके साथ ही रत्न धारण से आपके व्यवसायिक जीवन में सुख भाव बना रहेगा।

मूंगा रत्न अनामिका अंगूली में, चांदी धातु में जड़वाकर मंगलवार को प्रातः काल में स्नानादि क्रियाओं से शुद्ध होकर इस रत्न को पंचामृत से शुद्ध कर अपने ईष्ट देव का पूजन करने के पश्चात धूप, दीप दिखाकर धारण करना चाहिए। मूंगा रत्न धारण करने के पश्चात मंगल मंत्र ऊँ अं अंगारकाय नमः का १ माला जाप करना चाहिए। इसके पश्चात मंगल वस्तुएं जैसे – गेहूं, गुड़, तांबा, लाल वस्त्र आदि का दान करना चाहिए। मूंगा रत्न कम से कम ६ रत्ती से लेकर अधिकतम ८ रत्ती तक का धारण करना शुभ रहता है।

मूंगा रत्न धारण करने के बाद इस रत्न के साथ हीरा, गोमेद एवं नीलम रत्न को धारण करना अनुकूल नहीं माना गया है। यदि आप इस रत्न को अंगूठी रूप में धारण न कर पाएं तो आप इसे लॉकेट रूप में या दूसरे हाथ में धारण कर सकते है। यह रत्न रजत धातु के अलावा स्वर्ण धातु में भी धारण किया जा सकता है। मूंगा रत्न धारण न कर पाने की स्थिति में आप इस रत्न के उपरत्न लाल हकीक एवं ३ मुखी रुद्राक्ष भी आप धारण कर सकते है।

हीरा

आपकी कुंडली में शुक्र दशम भाव में स्थित है। शुक्र रत्न हीरा धारण करना आपके लिए शुभदायक सिद्ध होगा। यह रत्न आपके स्वभाव को शांत और मिलनसार बनाएगा। आपको विवादों से दूर रखेगा। इसकी शुभता से आपका नैतिक आचरण अच्छा रहेगा। आप धार्मिक और श्रद्धालु स्वभाव के होंगे। हीरे रत्न की शक्तियां आपकी दान पुण्य में रुचि बनाए रखेंगी। हीरे का शुभ प्रभाव से आप अच्छे वक्ता होंगे। धन–दौलत की आपको कोई कमी नहीं होगी। पद–प्रतिष्ठा

की प्राप्ति होगी। गायन, वादन, साहित्य रचना, चित्रकारी जैसी ललित कलाओं में आपकी अच्छी रुचि जागृत होगी।

आपकी सिंह लग्न की कुंडली में शुक्र तृतीय और दशम भाव के स्वामी है। अतः आप शुक्र रत्न हीरा धारण कर सकते है। हीरा रत्न धारण कर आप आकर्षक, कीर्तिवान, धैर्यवान, उदार, विनोदी एवं संतान से सुखी हो सकते है। तथा इस रत्न को धारण करने के बाद आजीविका क्षेत्र में आपको अच्छी नौकरी, व्यवसायिक सफलता, संगीत तथा कला क्षेत्रों से धन की प्राप्ति हो सकती है। यह रत्न शुभ होने के कारण आपको अभिनय, गायन एवं राजनीति क्षेत्र में अपनी योग्यता दिखाने के अवसर दे सकता है। पुरुषार्थ से कर्मक्षेत्र में सफलता पाने के लिए भी आप शुक्र रत्न हीरा धारण कर सकते है।

हीरा रत्न सोने धातु की अंगूठी में जड़वाकर, शुक्रवार के दिन सूर्य उदय के पश्चात स्नानादि क्रियाओं से शुद्ध होकर रत्न को रत्न जड़ित अंगूठी को दूध, जल, शक्कर, दही और शहद से मिलकर बने पंचामृत में डूबोकर शुद्ध कर, अपने देव स्थान पर रखकर शुक्रदेव और रत्न को धूप, दीप एवं फूल दिखाकर अनामिका अंगूली में धारण करें। हीरा रत्न धारण करते समय शुक्र मंत्र ऊँ शं शुक्राय नमः का १०८ बार मंत्र जाप करना चाहिए। मंत्र जाप करने के बाद शुक्र ग्रह की वस्तुएं जैसे– चावल, चांदी, घी, श्वेत वस्त्र आदि वस्तुओं का दान करें। हीरा 1 रत्ती से अधिक बजन का धारण करना चाहिए। यह छोटे टुकड़ों में भी पहना जा सकता है।

हीरा रत्न के साथ माणिक्य, मूंगा एवं पुखराज रत्न धारण करना सर्वदा वर्जित है। अंगूठी रूप रत्न धारण न कर पाने की स्थिति में इसे लॉकेट/ माला/ ब्रसलेट या दूसरे हाथ में भी धारण कर सकते है। हीरा रत्न के स्थान पर इस रत्न के उपरत्न ओपल, जर्कन, स्फटिक एवं ६ मुखी रुद्राक्ष धारण किया जा सकता है।

पुखराज

आपकी कुंडली में गुरु लग्न भाव में स्थित है। गुरु रत्न पुखराज धारण करने से आपकी विद्वता, ज्ञान अर्जन योग्यता, विनम्रता भाव का विकास होगा। पुखराज रत्न आपके लिए जीवन रत्न है। शुभ कार्य निर्विघ्न पूर्ण होंगे। लग्नस्थ गुरू पंचम, सप्तम एवं नवम भाव को देखता है। अतः यह पुखराज रत्न संतान सुख को प्रबल करेगा। धार्मिक कार्यो में अभिरूचि देगा। पुखराज रत्न आपके लिए सुख, धन व यश प्रदायक सिद्ध हो सकता है। पुखराज रत्न आपके वैवाहिक जीवन को स्थिरता देगा। संतान स्वास्थ्य वृद्धि कर संतान सुख को बढ़ाएगा।

आपकी सिंह लग्न की कुंडली में गुरु पंचम भाव एवं अष्टम भाव के स्वामी है। पंचमेश गुरु लग्नेश सूर्य का मित्र है। अतः आप गुरु रत्न पुखराज धारण करें। पुखराज रत्न की शुभता आपकी आयु पर आने वाले कष्टों का निवारण कर सकती है। इस रत्न को धारण कर आप प्रीति विषय, आमोद–प्रमोद, सांसारिक सुख, संतान एवं ज्ञान को बढ़ा सकते है। रत्न की शुभता से आपको संतान प्राप्ति के योग बन सकते है। आप पुखराज रत्न कर गुरु ग्रह की शुभता प्राप्त कर सकते है। रत्न शुभता आपको गणित, ज्योतिश, धार्मिक ग्रंथ, वेद वेदान्त और दर्शन शास्त्र जैसे

विषयों में आपकी रुचि जागृत कर सकता है।

इस रत्न को स्वर्ण धातु में जड़वाकर, गुरुवार के दिन प्रातःकाल में सभी प्रकार से शुद्ध होने के बाद रत्न को धूप, दीप दिखाकर तर्जनी अंगूली में धारण करना चाहिए। पुखराज रत्न धारण करने के बाद ऊँ बृं बृहस्पतये नमः का एक माला जाप ५ मुखी रुद्राक्ष माला पर करना चाहिए। जप पूर्ण करने के बाद किसी जरुरतमंद को गुरु ग्रह से संबंधित पदार्थों का दान अपने सामर्थ्यशक्ति के अनुसार करना चाहिए। गुरु ग्रह की वस्तुएं इस प्रकार है– चने की दाल, हल्दी, पीला वस्त्र। यह रत्न कम से कम ४ रत्ती से लेकर 8 रत्ती का धारण किया जा सकता है।

पुखराज रत्न के साथ हीरा और गोमेद रत्न धारण करना अनुकूल फलदायक नहीं रहता है। विशेष आवश्यकता होने पर आप इस रत्न को लॉकेट/ माला/ ब्रसलेट या दूसरे हाथ में भी धारण कर सकते है। किसी कारणवश यदि पुखराज रत्न आप धारण न कर पाएं तो आप इसके उपरत्न सुनहला, पीला हकीक, पीताम्बरी रत्न एवं ५ मुखी रुद्राक्ष धारण करें।

लहसुनिया

आपकी कुंडली में केतु सप्तम भाव में स्थित है। आपको केतु रत्न लहसुनिया धारण करना चाहिए। केतु रत्न लहसुनिया आर्थिक मामलों में आपके लिए लाभदायक सिद्ध होगा। लहसुनिया रत्न धारण कर आप अपने दांपत्य जीवन को स्नेहयुक्त बनाये रखने में भी यह रत्न महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकता है। इस रत्न की शुभता से आपको धन का उत्तम सुख प्राप्त होगा। आपकी आर्थिक चिन्ताओं का अंत होगा। रत्न प्रभाव से आपकी यात्राएं सुखद एवं सफल होंगी। वात रोग, अंतडियों के रोग और वीर्य संबंधी रोगों में कमी हो सकती है।

केतु कुम्भ राशि में स्थित है व इसका स्वामी शनि प्रथम भाव में स्थित है। अतः लहसुनिया धारण करने से आप शत्रुओं के बल को नष्ट कर उन पर विजय प्राप्त करेंगे। यह रत्न आपको अत्यन्त साहसी और विपुल पराक्रमी बनाएगा तथा रत्न शुभता आपको अपने कुल में मुख्य प्रतापी बनाएगी। आप भूमि का संचय करेंगे। स्वास्थ्य सुख को यह रत्न बेहतर करेगा। जीवन में सफलता प्राप्ति के लिए आपके द्वारा गलत तरीकों का प्रयोग हो सकता है। यह रत्न आपको दृढ़–निश्चयी एवं अधिक बोलने वाला बनाएगा। रत्न शुभता आपकी चातुर्य शक्ति को बढ़ा रही है। इसे धारण करने पर आपका दांपत्य जीवन सुखद होगा।

लहसुनिया रत्न को चांदी धातु में जड़वाकर गुरुवार के दिन सूर्यास्त काल में धारण किया जा सकता है। लहसुनिया रत्न जड़ित अंगूठी को पंचामृत से स्नान कराकर, इसका धूप, दीप और फूलों से पूजन करने के बाद अनामिका अंगूली में धारण करें। रत्न धारण के पश्चात केतु रत्न मंत्र ऊँ के केतवे नमः का १ माला जाप करें। मंत्र जाप के बाद केतु ग्रह की वस्तुओं का दान किसी योग्य व्यक्ति को करना शुभ रहता है। केतु वस्तुएं इस प्रकार है– सप्तधान्य, नारियल, धूम्र वस्त्र। लहसुनिया रत्न का वजन कम से कम 4 रत्ती और अधिकतम 8–10 रत्ती होना चाहिए। अंगूठी रूप में रत्न धारण करने में किसी प्रकार की असमर्थता होने पर इसे लॉकेट/ माला/ ब्रेसलेट या दूसरे हाथ में भी धारण किया जा सकता है।

लहसुनिया रत्न धारण करते समय यह ध्यान रखना चाहिए कि इस रत्न के साथ माणिक्य एवं गोमेद रत्न धारण करना प्रतिकूल फल प्रदान कर सकता है।

पन्ना

आपकी कुंडली में बुध सप्तम भाव में स्थित है। आपको बुध रत्न पन्ना धारण करना चाहिए। पन्ना रत्न आपको धनवान बनाएगा। रत्न शुभता से आपका विवाह कुलीन परिवार में होगा। यह रत्न आपको उदार और धार्मिक प्रवृति का रखेगा। आपके लिये यह शुभ रत्न होने के कारण इसे धारण कर आप विद्वान, लेखक या सम्पादक हो सकते है। पन्ना आपको शिल्पकला में निपुण, चतुर और विनोदी बनाएगा। रत्न शुभता से आप एक कुशल व्यवसायी बनेंगे। क्रय–विक्रय विषयों से आपको लाभ प्राप्त होगा। व्यावसायिक साझेदारी से आपके अनुकूल फल प्राप्त होंगे।

आपकी सिंह लग्न की कुंडली में बुध द्वितीय भाव एवं एकादश भाव के स्वामी है। आप बुध रत्न पन्ना धारण कर सकते है। पन्ना रत्न आपका संचित धन बढ़ा सकता है। पन्ना रत्न को धारण कर आप के परिवार में वृद्धि के योग बन सकते है। यह रत्न आपके कुटुंम्ब को एकसूत्र में बांधकर रख सकता है। पन्ना बुध आयेश का रत्न होने के कारण आपको बौद्धिक बल से धनार्जन करने के भरपूर अवसर दे सकता है। पन्ना रत्न की शुभता से आप को विभिन्न साधनों से आय प्राप्त हो सकती है। साथ ही इस रत्न को धारण कर आप अपनी वाकशक्ति में मधुरता एवं चतुरता दोनों का मिश्रण हो सकता है।

पन्ना रत्न कनिष्ठिका अंगूली में धारण करना चाहिए। इस रत्न को सोना धातु में जड वाकर आप प्रातःकाल में स्नानादि नित्यक्रियाओं से निवृत होने के बाद रत्न को पंचामृत से शुद्ध कर धूप, दीप और फूल दिखाकर धारण कर सकते है। पन्ना रत्न धारण करते समय बुध मंत्र ऊँ बुं बुधाय नमः का १ माला या ५ माला जाप करना चाहिए। तदुपरांत बुध ग्रह की वस्तुएं जैसे – मूंग, कस्तूरी, कांसा, हरित वस्त्र आदि का यथाशक्ति दान करना चाहिए। रत्न इस प्रकार धारण करें कि वह शरीर को स्पर्श करें। पन्ना रत्न 3 रत्ती का कम से कम, अन्यथा 6 रत्ती का होना चाहिए।

इस रत्न को आप लॉकेट/ माला/ ब्रसलेट या विपरीत हाथ में भी धारण कर सकते है। पन्ना रत्न धारण करने में आप असमर्थ हो तो आप इसके स्थान पर मरगज, हरा हकीक, पेरिडोट एवं ४ मुखी रुद्राक्ष धारण कर सकते है।

माणिक्य

आपकी कुंडली में सूर्य अष्टम भाव में स्थित है। आपको सूर्य रत्न माणिक्य धारण करना चाहिए। माणिक्य रत्न आपको आर्थिक पक्ष को मजबूत करेगा। रत्न प्रभाव से आप धन कमाने के साथ–साथ आप धन की बचत भी कर पाएंगे। आपको जीवन साथी के माध्यम से धनागमन होगा। माणिक्य रत्न आपको एक सुखी जीवन देगा। यह रत्न आपके धैर्य को बनाये रखेगा। यह रत्न आपको अधिक से अधिक धन संचय करने में सहयोग करेगा। सूर्य रत्न माणिक्य आपके पिता से संबंध मधुर बनायेगा।

आपकी सिंह लग्न की कुंडली में सूर्य लग्न भाव के स्वामी है। लग्नेश सूर्य का रत्न माणिक्य धारण कर आप सूर्य शुभता प्राप्त कर सकते है। लग्नेश सर्वदा शुभ फलदायक होता है। इसलिए माणिक्य भी आपके लिए विशेष रूप से शुभ रत्न है। माणिक्य रत्न की शुभता से आप तेजस्वी, साहसी, स्वाभिमानी, प्रभावशाली व्यक्तित्व पा सकते है। रत्न का शुभ प्रभाव आपको अनुशासित जीवन, वैवाहिक जीवन को अनुकूलता दे सकता है। माणिक्य रत्न को आप सरकारी क्षेत्र से जुड़े कार्यो को शीघ्र से कराने के लिए भी धारण कर सकते है।

यह रत्न अनामिका अंगूली, स्वर्ण धातु में जड़वाकर रविवार को प्रातः काल में स्नानादि से निवृत होकर धारण करना चाहिए। पंचामृत से रत्न को शुद्ध करने के पश्चात धूप, दीप दिखाकर धारण करना चाहिए। धारण करने के पश्चात सूर्य मंत्र ऊँ घृणि सूर्याय नमः का कम से कम १ माला जाप करना चाहिए। तद्पश्चात सूर्य वस्तुएं जैसे– गेहूं, गुड़, चंदन, लाल वस्त्र आदि का दान करना चाहिए। माणिक्य रत्न कम से कम ४ रत्ती से लेकर ८ रत्ती तक का धारण करना लाभकारी रहता है।

माणिक्य रत्न के साथ नीलम या गोमेद रत्न को धारण करने से बचना चाहिए। अति आवश्यकता में इन्हें आप लॉकेट रूप में या दूसरे हाथ में धारण कर सकते है। आवश्यकता में यह रत्न चांदी धातु में भी धारण किया जा सकता है। यदि आप माणिक्य रत्न पहनने में किसी प्रकार से असमर्थ है तो आप इसके स्थान पर लाल तुरमली, गुलाबी हकीक, गारनेट एवं एक मुखी रुद्राक्ष भी धारण कर सकते है।

मोती

आपकी कुंडली में चंद्र द्वितीय भाव में स्थित है। यह ग्रह आपकी कुंडली में अपने सभी शुभ फल देने में असमर्थ है। अतः चंद्र का मोती रत्न आपको नवीन काम धंधों में प्रतिकूल फल दे सकता है। मोती रत्न प्रभाव से विषय वासना के प्रति आपकी रुचि अधिक हो सकती है। अपनी पसंद के अनुरूप स्वादिष्ट भोजन का अनुभव आपको करना पड़ सकता है। धन बचाना आपके लिए सरल नहीं हो पाएगा। रोजगार प्राप्ति और प्रारम्भिक शिक्षा में व्यवधान आ सकते है। रत्न की अनुकूलता प्राप्त न होने के कारण आपका आर्थिक पक्ष प्रभावित हो सकता है। पारिवारिक कुटुंब के संबंधों में उत्तार–चड़ाव की स्थिति बन सकती है। वाणी दोष की स्थिति भी बन सकती है। वाणी में मधुरता की कमी भी आपको हो सकती है।

आपकी सिंह लग्न की कुंडली में चंद्र द्वादश भाव के स्वामी है। चंद्र रत्न मोती धारण से आपकी अस्वस्थता बढ़ सकती है। इस रत्न को धारण करने पर आपको व्यय से संबंधित चिंताएं अधिक हो सकती है। इसके अतिरिक्त यह रत्न आपके दांपत्य जीवन में भी अनियमितता का कारण बन सकता है। रत्न धारण से आपके व्यावसायिक कार्यो में परेशानियां बनी रहेंगी। यह रत्न आपको शारीरिक दुर्बलता दे सकता है। कुसंगति के व्यक्ति आपको प्रिय हो सकते है। जल से शारीरिक हानि का भय आपको हो सकता है। रत्न प्रभाव नजला, जुकाम से आपको पीड़ित कर सकता है। आप क्रोधी, हठी एवं निराशाभाव युक्त हो सकते है। नेत्रादि रोग और कुटुम्ब के कारण आपके दुःख

बढ़ सकते है।

गोमेद

आपकी कुंडली में राहु लग्न भाव में स्थित है। यह ग्रह आपकी कुंडली में अपने सभी शुभ फल देने में असमर्थ है। अतः राहू रत्न गोमेद धारण से आपका स्वभाव संशययुक्त हो सकता है। आपको बेवजह शक करने की आदत हो सकती है। अच्छे को बुरा और बुरे को अच्छा समझने का भ्रम आपको हो सकता है। हर व्यक्ति का अपने निर्देशानुसार आचरण करना आपको पसंद होगा। अत्यधिक चातुर्य का प्रयोग आपके पारिवारिक संबंधों में मधुरता की कमी ला सकता है। महत्वाक्षांओं की पूर्ति हेतू आपके द्वारा गलत साधनों का चयन हो सकता है। इस रत्न से परोपकार, दया और धैर्य जैसे शुभ भावों की कमी आपके स्वभाव में आ सकती है। आगे बढ़ने के लिए अनुचित कार्य करना भी आपको नीतिगत लग सकता है।

राहु सिंह राशि में स्थित है व इसका स्वामी सूर्य आठवें भाव में स्थित है। अतः गोमेद रत्न धारण करने से आपकी आयु में कमी होगी। आप असाध्य रोगों से पीड़ित हो सकते हैं। बुरे मित्रों से आपके संबंध हो सकते हैं। यह रत्न आपमें साहस की कमी करेगा तथा आपमें उतावलापन देगा। धन संचय करना आपके लिए बेहद कठिन होगा। इस रत्न से आपके मान–सम्मान में कमी हो सकती है। यह रत्न आपकी वृद्धावस्था में कष्ट का कारण बन सकता है। रत्न प्रतिकूलता आपकी भाषा में अशिष्टता का भाव देगी। इस रत्न को पहनकर आप दुरूसाधनों से धन संचय का प्रयास करेंगे। यह रत्न आपको अवैध धन कमाने की ओर अग्रसर करेगा।

नीलम

आपकी कुंडली में शनि लग्न भाव में स्थित है। यह ग्रह आपकी कुंडली में अपने सभी शुभ फल देने में असमर्थ है। अतः नीलम रत्न धारण करने पर आप कुछ हद तक हठी, उदासीन एवं आलस्य युक्त हो सकते है। यह रत्न आपके सकारात्मक भाव में कमी कर आपको निराशावादी बना सकता है। प्रथम भाव में स्थित शनि की दृष्टि तृतीय, सप्तम एवं दशम भाव पर आ रही है। अतः इस रत्न के प्रभाव से आपके पुरुषार्थ भाव, वैवाहिक जीवन और कार्यक्षेत्र में बाधाओं की स्थिति बन सकती है। नीलम रत्न आपको भारी उद्योग से जुड़े व्यवसायों में हानि, आत्मविश्वास की कमी और धर्यहीनता का भाव दे सकता है। रत्न प्रभाव आपको प्रपंचों में सम्मिलित करा सकता है।

आपकी सिंह लग्न की कुंडली में शनि षष्ठेश एवं सप्तमेश है। शनि का नीलम रत्न आपको शारीरिक, मानसिक एवं धन संबंधी कष्ट दे सकता है। यह रत्न आपको यात्रा में कष्ट दे सकता है। रत्न प्रभाव से आपकी स्वास्थ्य हानि हो सकती है। नीलम रत्न धारण करने के बाद आपको सामान्य उन्नति के लिए भी विशेष संघर्ष करना पड़ सकता है। इस रत्न को धारण करने पर आपके शत्रु समय समय पर आपकी परेशानियां बढ़ा सकते है। आपको पैतृक ऋण देना पड़ सकता है। रत्न आपको दैनिक व्यवसाय में कठिनाईयां दे सकता है। आय व आयु दोनों के लिए यह रत्न अनुकूल फलदायी नहीं है। रत्न प्रभाव से आपका वैवाहिक जीवन कष्टमय हो सकता

है।

दशानुसार रत्न विचार

गुरु
(27/05/2011 - 27/05/2027)

गुरु की दशा में आपका मूंगा व पुखराज रत्न धारण करना श्रेष्ठ है। दशा का पूर्ण फल प्राप्त करने के लिए उपरोक्त रत्न अवश्य धारण करें।

माणिक्य, लहसुनिया, हीरा, पन्ना व मोती रत्न शुभ हैं। इस दशा में विशेष फल प्राप्त करने हेतु इन शुभ रत्नों में से उसके कारकत्व अनुसार रत्न धारण कर सकते हैं।

गोमेद रत्न नेष्ट हैं और नीलम रत्न वर्जित हैं। नेष्ट या वर्जित रत्नों को ना धारण करना ही श्रेयस्कर है क्योंकि ये लाभ कम व हानि अधिक कर सकते हैं।

शनि
(27/05/2027 - 27/05/2046)

शनि की दशा में आपका मूंगा, हीरा व पुखराज रत्न धारण करना श्रेष्ठ है। दशा का पूर्ण फल प्राप्त करने के लिए उपरोक्त रत्न अवश्य धारण करें।

पन्ना, लहसुनिया, माणिक्य व गोमेद रत्न शुभ हैं। इस दशा में विशेष फल प्राप्त करने हेतु इन शुभ रत्नों में से उसके कारकत्व अनुसार रत्न धारण कर सकते हैं।

नीलम रत्न नेष्ट हैं और मोती रत्न वर्जित हैं। नेष्ट या वर्जित रत्नों को ना धारण करना ही श्रेयस्कर है क्योंकि ये लाभ कम व हानि अधिक कर सकते हैं।

बुध
(27/05/2046 - 27/05/2063)

बुध की दशा में आपका मूंगा, हीरा, पन्ना व पुखराज रत्न धारण करना श्रेष्ठ है। दशा का पूर्ण फल प्राप्त करने के लिए उपरोक्त रत्न अवश्य धारण करें।

माणिक्य व लहसुनिया रत्न शुभ हैं। इस दशा में विशेष फल प्राप्त करने हेतु इन शुभ रत्नों में से उसके कारकत्व अनुसार रत्न धारण कर सकते हैं।

गोमेद रत्न नेष्ट हैं और नीलम व मोती रत्न वर्जित हैं। नेष्ट या वर्जित रत्नों को ना धारण करना ही श्रेयस्कर है क्योंकि ये लाभ कम व हानि अधिक कर सकते हैं।

केतु
(27/05/2063 - 27/05/2070)

केतु की दशा में आपका मूंगा, हीरा, लहसुनिया व पुखराज रत्न धारण करना श्रेष्ठ है। दशा का पूर्ण फल प्राप्त करने के लिए उपरोक्त रत्न अवश्य धारण करें।

पन्ना व माणिक्य रत्न शुभ हैं। इस दशा में विशेष फल प्राप्त करने हेतु इन शुभ रत्नों में से उसके कारकत्व अनुसार रत्न धारण कर सकते हैं।

मोती, गोमेद व नीलम रत्न वर्जित हैं। नेष्ट या वर्जित रत्नों को ना धारण करना ही श्रेयस्कर है क्योंकि ये लाभ कम व हानि अधिक कर सकते हैं।

शुक्र
(27/05/2070 - 27/05/2090)

शुक्र की दशा में आपका मूंगा, हीरा व पुखराज रत्न धारण करना श्रेष्ठ है। दशा का पूर्ण फल प्राप्त करने के लिए उपरोक्त रत्न अवश्य धारण करें।

लहसुनिया, पन्ना, माणिक्य व गोमेद रत्न शुभ हैं। इस दशा में विशेष फल प्राप्त करने हेतु इन शुभ रत्नों में से उसके कारकत्व अनुसार रत्न धारण कर सकते हैं।

नीलम रत्न नेष्ट हैं और मोती रत्न वर्जित हैं। नेष्ट या वर्जित रत्नों को ना धारण करना ही श्रेयस्कर है क्योंकि ये लाभ कम व हानि अधिक कर सकते हैं।

सूर्य
(27/05/2090 - 26/05/2096)

सूर्य की दशा में आपका मूंगा, पुखराज व माणिक्य रत्न धारण करना श्रेष्ठ है। दशा का पूर्ण फल प्राप्त करने के लिए उपरोक्त रत्न अवश्य धारण करें।

पन्ना, हीरा, लहसुनिया व मोती रत्न शुभ हैं। इस दशा में विशेष फल प्राप्त करने हेतु इन शुभ रत्नों में से उसके कारकत्व अनुसार रत्न धारण कर सकते हैं।

गोमेद व नीलम रत्न वर्जित हैं। नेष्ट या वर्जित रत्नों को ना धारण करना ही श्रेयस्कर है क्योंकि ये लाभ कम व हानि अधिक कर सकते हैं।

दशा ग्राफ

चन्द्र - 27/05/1986

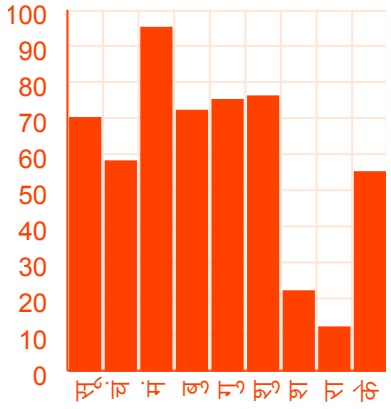

मंगल - 27/05/1993

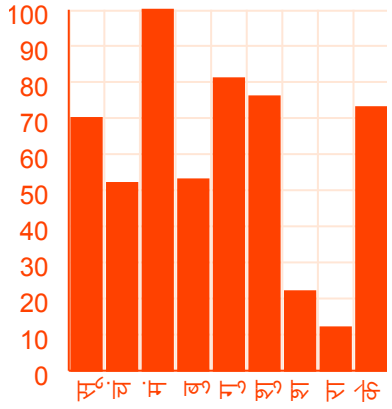

राहु - 27/05/2011

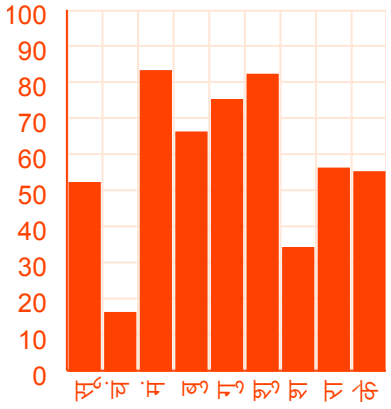

गुरु - 27/05/2027

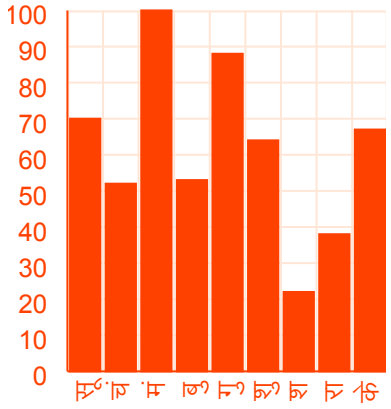

शनि - 27/05/2046

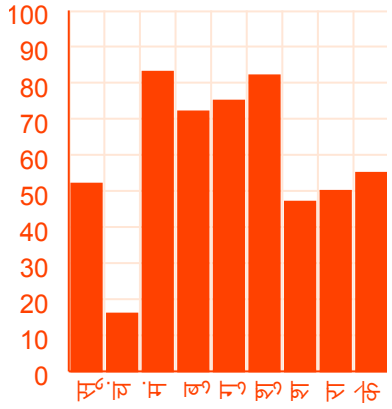

बुध - 27/05/2063

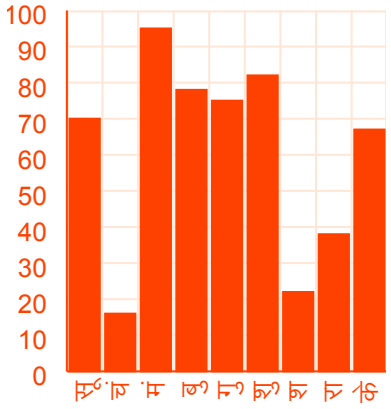

केतु - 27/05/2070

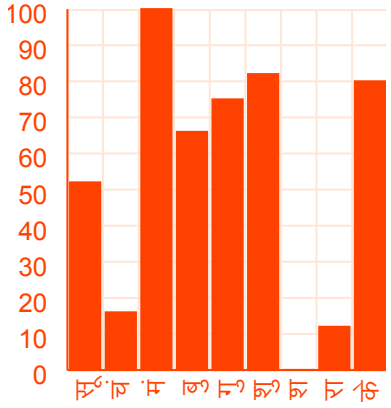

शुक्र - 27/05/2090

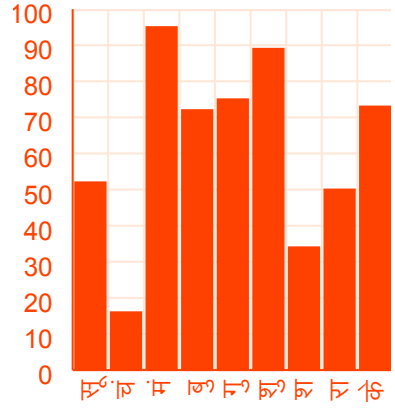

सूर्य - 26/05/2096

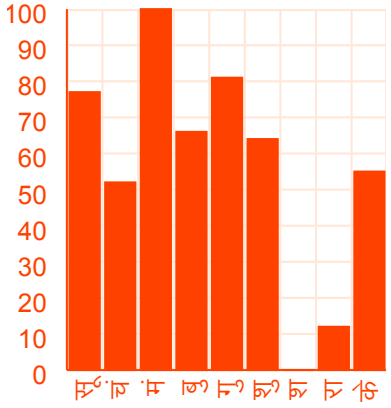

शुभ रत्न

ढठवसकझढथ्वदजझढस्मवच्सउभ्पदकप01ज्ञ010ध्झ आपका शुभ रत्न – माणिक्य ढध्थ्वदजझढठवसकझ

आपका जन्म सिंह राशि के लग्न में हुआ है। इसका स्वामी सूर्य होता है। सूर्य सभी ग्रहों का राजा है, क्योंकि सभी ग्रह इसके चारों ओर अपनी अपनी कक्षा में चक्कर लगाते हैं। किसी भी जातक के लिये लग्न सबसे अधिक महत्वपूर्ण होता है, क्योंकि इससे जातक की आयुष्य, मान–सम्मान, प्रतिष्ठा, सुख, समृद्धि, स्वभाव, भौतिक संरचना तथा सुख का ज्ञान होता है। यदि किसी व्यक्ति का लग्न बलवान हो तो उस जातक को जीवन में सभी सुखों की प्राप्ति होते हुए अच्छी पद प्रतिष्ठा एवं मान सम्मान की प्राप्ति होती है।

अतः सिंह राशि के लग्न वाले जातकों को सिंह राशि के स्वामी ग्रह सूर्य को बलवान बनाना, पूजा, अनुष्ठान, मंत्र पूजा आदि करना श्रेष्ठ माना जाता है। सूर्य ग्रह के लिये माणिक्य रत्न धारण किया जाता है। इस रत्न को यदि अंगूठी में धारण किया जाये तो जातक उपर्युक्त सभी लाभ मिलेंगे अर्थात जातक सुखी, प्रसन्नचित, स्वस्थ जीवन व्यतीत करते हुए आनंदपूर्ण जीवन व्यतीत करता है। वैसे भी सूर्य राजा का प्रतिनिधि ग्रह है जिससे जातक को राजा से लाभ जैसे राजनीतिक क्षेत्र में सफलता, उच्च पदाधिकारी का सहयोग व उनसे सम्मान प्राप्त होता है।

इस रत्न को धारण करने से जातक को पिता का आशीर्वाद भी प्राप्त होता है। सूर्य ग्रह हृदय का प्रतिनिधि आत्मा आदि का प्रतिनिधि ग्रह है। जिसको हृदय से संबंधित रोग हों तो उनको भी इस रत्न को धारण करने से लाभ प्राप्त होता है।

माणिक्य रत्न को अंगूठी बनाकर सीधे हाथ की अनामिका अंगुली में धारण किया जाता है। क्योंकि अनामिका अंगुली हस्तरेखा शास्त्र में सूर्य की अंगुली मानी जाती है। माणिक्य रत्न सूर्य का रत्न है, अतः इसके वार स्वामी अर्थात रविवार को ही धारण किया जाता है। इसको धारण करने का उपयुक्त समय प्रातःकाल सूर्य की होरा में श्रेष्ठ होता है। रविवार के दिन सूर्योदय काल से एक घंटे तक का समय सूर्य की होरा का होता है। माणिक्य को यदि रविवार के साथ–साथ सूर्य के नक्षत्र अर्थात् कृत्तिका, उत्तराफाल्गुनी और उत्तराषाढ़ा में धारण किया जाये तो वह और भी उत्तम होता है।

माणिक्य को धारण करने से पूर्व इसको गंगाजल एवं पंचामृत से शुद्ध करके, लकड़ी के एक पटरे पर नारंगी रंग के कपड़े पर रखकर इसके सम्मुख, धूप, दीप, अगरबत्ती जलाकर, सूर्य के 108 मंत्रों का जाप करके इसे ऊर्जावान बनाकर माथे से लगाकर सीधे हाथ की अनामिका अंगुली में धारण करना चाहिए।

सूर्य का मंत्र – ऊँ घृणि सूर्याय नमः

इसको धारण करने के पश्चात यदि सूर्य से संबंधित पदार्थ जैसे सफेद चंदन, घी,

लाल कपड़ा सवा मीटर का दान करें तो माणिक्य रत्न की अंगूठी धारण करना और भी अधिक फलदायी होता है। इसके अतिरिक्त अंगूठी धारण करने के पश्चात भी प्रतिदिन सूर्य का 108 बार स्नानादि के पश्चात मंत्र पाठ करें या सूर्य को तांबे के पात्र से जल दें और सूर्य को नमस्कार करें तो यह माणिक्य रत्न की अंगूठी आपको लगातार शुभ फल देती रहेगी। प्रत्येक रविवार को आदित्य हृदय स्तोत्र का पाठ भी इसमें अधिक शुभकारी साबित होता है।

सिंह लग्न वाले जातक यदि माणिक्य रत्न की अंगूठी विधि विधान के साथ धारण करते हैं एवं मंत्र जाप द्वारा सिद्ध करते रहते हैं तो वे आजीवन स्वस्थ जीवन का आनंद उठाते हुए पूर्ण मान–सम्मान तथा प्रतिष्ठा युक्त जीवन प्राप्त करते हैं।

रूद्राक्ष

रूद्राक्ष को शिव का अश्रु कहा जाता है। रुद्राक्ष दो शब्दों के मेल से बना है पहला रूद्र का अर्थ होता है भगवान शिव और दूसरा अक्ष इसका अर्थ होता है आंसू। माना जाता है की रुद्राक्ष की उत्पत्ति भगवान शिव के आंसुओं से हुई है। रुद्राक्ष भगवान शिव के नेत्रों से प्रकट हुई वह मोती स्वरूप बूँदें हैं जिसे ग्रहण करके समस्त प्रकृति में आलौकिक शक्ति प्रवाहित हुई तथा मानव के हृदय में पहुँचकर उसे जागृत करने में सहायक हो सकी।

रूद्राक्ष की भारतीय ज्योतिष में भी काफी उपयोगिता है। ग्रहों के दुष्प्रभाव को नष्ट करने में रूद्राक्ष का विशेष रूप से प्रयोग किया जाता है, जो अपने आप में एक अचूक उपाय है। गम्भीर रोगों में यदि जन्मपत्री के अनुसार रूद्राक्ष का उपयोग किया जाये तो आश्चर्यचकित परिणाम देखने को मिलते है। रूद्राक्ष की शक्ति व सामर्थ्य उसके धारीदार मुखों पर निर्भर होती है। रुद्राक्ष सिद्धिदायक, पापनाशक, पुण्यवर्धक, रोगनाशक, तथा मोक्ष प्रदान करने वाला है।

एक मुखी से लेकर चौदह मुखी तक रूद्राक्ष विशेष रूप से पाए जाते है, उनकी अलौकिक शक्ति और क्षमता अलग–अलग मुख रूप में दर्शित होती है। रूद्राक्ष धारण करने से जहां आपको ग्रहों से लाभ प्राप्त होगा वहीं आप शारीरिक रूप से भी स्वस्थ रहेंगे। रुद्राक्ष का स्पर्श, दर्शन, उस पर जप करने से, उस की माला को धारण करने से समस्त पापो का और विघ्नों का नाश होता है ऐसा महादेव का वरदान है, परन्तु धारण की उचित विधि और भावना शुद्ध होनी चाहिए।

रूद्राक्ष दाने पर उभरी हुई धारियों के आधार पर रूद्राक्ष के मुख निर्धारित किये जाते हैं। रूद्राक्ष के बीचों–बीच एक सिरे से दूसरे सिरे तक एक रेखा होती है जिसे मुख कहा जाता है। रूद्राक्ष में यह रेखाएं या मुख एक से 14 मुखी तक होते हैं और कभी–कभी 15 से 21 मुखी तक के रूद्राक्ष भी देखे गए हैं। आधी या टूटी हुई लाईन को मुख नहीं माना जाता है। जितनी लाईनें पूरी तरह स्पष्ट हों उतने ही मुख माने जाते हैं।

पुराणों में प्रत्येक रुद्राक्ष का अलग–अलग महत्व और उपयोगिता का उल्लेख किया गया है –

एक मुखी – सूर्य ग्रह – स्वास्थ्य, सफलता, मान–सम्मान, आत्म – विश्वास, आध्यात्म, प्रसन्नता, अनायास धनप्राप्ति, रोगमुक्ति तथा व्यक्तित्व में निखार और शत्रुओं पर विजय प्राप्त कराता है।

दो मुखी – चंद्र ग्रह– वैवाहिक सुख, मानसिक शान्ति, सौभाग्य वृद्धि, एकाग्रता, आध्यात्मिक उन्नति, पारिवारिक सौहार्द, व्यापार में सफलता और स्त्रियों के लिए इसे सबसे उपयुक्त माना गया है।

तीन मुखी – मंगल ग्रह– शत्रु शमन और रक्त सम्बन्धी विकार को दूर करने में सहायक होता है ।

चार मुखी – बुध ग्रह– शिक्षा, ज्ञान, बुद्धि – विवेक, और कामशक्ति में वृद्धि प्राप्त कराता है।

पांच मुखी – गुरू ग्रह– शारीरिक आरोग्यता, अध्यात्म उन्नति, मानसिक शांति और प्रसन्नता के लिए भी इसका उपयोग किया होता है।

छः मुखी – शुक्र ग्रह – प्रेम सम्बन्ध, आकर्षण, स्मरण शक्ति में वृद्धि, तीव्र बुद्धि, कार्यो में पूर्णता और व्यापार में आश्चर्यजनक सफलता प्राप्त कराता है।

सात मुखी – शनि ग्रह– शनि दोष निवारण, धन–संपत्ति, कीर्ति, विजय प्राप्ति, और कार्य व्यापार आदि में बढ़ोतरी कराने वाला है।

आठ मुखी – राहू ग्रह– राहु ग्रह से सम्बंधित दोषों की शान्ति, ज्ञानप्राप्ति, चित्त में एकाग्रता, मुकदमे में विजय, दुर्घटनाओं तथा प्रबल शत्रुओं से रक्षा, व्यापार में सफलता और उन्नतिकारक है।

नौ मुखी – केतू ग्रह– केतु ग्रह से सम्बंधित दोषों की शान्ति, सुख–शांति, व्यापार वृद्धि, धारक की अकालमृत्यु नहीं होती तथा आकस्मिक दुर्घटना का भी भय नहीं रहता।

10 मुखी – भगवान महावीर– कार्य क्षेत्र में प्रगति, स्थिरता व वृद्धि, सम्मान, कीर्ति, विभूति, धन प्राप्ति, लौकिक–पारलौकिक कामनाएँ पूर्ण होती हैं।

11 मुखी – इंद्र ग्रह– आर्थिक लाभ व समृद्धिशाली जीवन, किसी विषय का अभाव नहीं रहता तथा सभी संकट और कष्ट दूर हो जाते हैं।

12 मुखी – भगवान विष्णु ग्रह– विदेश यात्रा, नेतृत्व शक्ति प्राप्ति, शक्तिशाली, तेजस्वी बनाता है। ब्रह्मचर्य रक्षा, चेहरे का तेज और ओज बना रहता है। शारीरिक एवं मानसिक पीड़ा मिट जाती है।

13 मुखी – इंद्र ग्रह– सर्वजन आकर्षण व मनोकामना प्राप्ति, यश–कीर्ति, मान–प्रतिष्ठा व कामदेव का प्रतीक है। उपरी बाधा और नजर दोष से बचाव के लिए विशेष उपयोगी है।

14 मुखी – शनि ग्रह– आध्यात्मिक उन्नति, शक्ति, धन प्राप्ति व कष्टनिवारक हैं। शनि की साढ़ेसाती या ढैया में विशेष कष्टनिवारक है।

आपकी कुडंली और रूद्राक्ष

आपकी कुंडली सिंह लग्न की है। आप अत्यंत तेजस्वी एवं आत्मविश्वासी हैं। अग्नि की ही भांति आप ऊर्जावान भी हैं किसी भी कार्य को करने से पीछे नहीं हटते हैं जो कार्य प्रारंभ करते हैं उसे पूरा करके ही बैठते हैं। नीतियाँ बनाना एवं उन पर कार्य करना आपको विशेष पसंद हो सकता है। अनुशासनहीनता आपको बर्दाश्त नहीं होती है। जो नियम आप बनाते हैं, उन पर स्वयं भी कार्य करते हैं और दूसरों से करवाते भी है। अपना मान सम्मान आपको बहुत प्रिय होता है। यदि किसी से कोई वादा करते हैं तो उसे निभाते हैं। स्थिर लग्न होने से आपके स्वभाव एवं व्यवहार में भी स्थिरता होती है। आप जो भी कहते हैं, उस पर अंत तक स्थिर रहते हैं। जिस भी कार्य को आप शुरू करते हैं उससे अंत तक जुडे रहते हैं। आप मानसिक और प्रशासनिक कार्य अच्छे से करते हैं। इसके विपरीत हो सकता है की शारीरिक कार्य करना आपको अधिक पसंद न

हो। आप जिनसे प्यार अथवा मित्रता करते हैं उस पर केवल अपना ही अधिकार समझते हैं और ये ईर्ष्या की हद तक होता है।

कुंडली के 6, 8 व 12 भाव त्रिक भाव कहलाते हैं। त्रिक भावों को शुभ भाव नहीं समझा जाता। इन भाव–भावेशों का सम्बन्ध जिन भी ग्रहों व भावेशों से बनता है उनकी शुभता में कमी आती हैं। त्रिक भावों को शुभ भाव नहीं समझा जाता। इन्हीं में से छठा भाव रोग, ऋण व सेवा भाव है। शत्रुओं का विचार करने के लिए भी इसी भाव का विश्लेषण किया जाता हैं। यह उपचय भाव भी है। इसके अलावा अर्थ भाव है। इस भाव के भावेश का अशुभ प्रभाव में होना, आपके स्वास्थ्य में कमी का कारण बन सकता हैं। दूसरा त्रिक भाव अष्टम भाव है। इस भाव से जिन विषयों का विचार किया जाता है, उन विषयों में आठंवा भाव आयु, दुर्घटना, आपरेशन, अपयश व नैतिक पतन हैं। इस भाव से व्यक्ति को मिलने वाला अपमान, पदच्युति, शोक, ऋण, मृत्यु तथा व्यक्ति के जीवन में आने वाली रुकावटें देखी जाती है। अंतिम त्रिक भाव द्वादश भाव है, द्वादश भाव से व्यय, हानियां, कारावास, बंधन, विदेश में जीवन आदि का विचार किया जाता हैं।

इन भावों के स्वामियों और इन भावों में स्थित ग्रहों में अशुभता का अंश पाया जाता हैं। जिसके फलस्वरूप ये आपके जीवन को समय समय पर बाधित करते रहते हैं।

आपके लग्न के लिए षष्ठ भाव व सप्तम भाव के स्वामी शनि है, शनि षष्ठेश है, इसलिए आपको वात–पित्त रोग हो सकते हैं। विवेक व बुद्धि से शत्रुओं पर विजय, विद्या व बुद्धि से अल्प लाभ, संतान से न्यून सुख, जीवन संकटमय, व्यय अधिक, पराक्रम वृद्धि, भाई बहनों से अल्प सुख का कारण बन सकता हैं।

अष्टम भाव व पंचम के गुरु आपको दीर्घायु, प्रभावशाली दिनचर्या, विद्या व बुद्धि का अल्प लाभ, संतान से कष्ट, विदेश स्थानों से लाभ, माता, भूमि व सम्पति से साधारण लाभ प्राप्ति के योग बना रहे हैं।

द्वादश के चन्द्र है। द्वादशेश चन्द्र मानसिक सुखों में कमी, माता सुख में कमी करता हैं, धन और प्रतिष्ठा की हानि होती हैं। इसके अतिरिक्त यह योग नजला–जुकाम और गुप्त शत्रुओं की वृद्धि करता हैं।

सूर्य का अष्टम भाव में होना, सन्तान और शिक्षा क्षेत्र को बाधायुक्त बना रहा हैं। जीवन में अप्रत्याशित घटनाएं, सरकारी कार्यों में बाधाएं, सरकारी क्षेत्रों से पूर्ण सहयोग प्राप्त न होना, हृदय सम्बन्धी लम्बी अवधि के रोग, पुलिस और ससुराल पक्ष से संबंधों में मधुरता में कमी हो सकती हैं। सूर्य आपकी विद्वता में कमी कर रहा है, वाणी में कटुता का भाव कुछ अंश तक आ सकता है, धन–संचय में कमी, कुटुंब से मतभेद, अल्पकाल के लिए मिथ्याभाषी हो सकते है।

इन सभी के फलों में शुभता प्राप्त करने के लिए आपको 1, 2, 5, 7 मुखी रुद्राक्षों का कवच धारण करना चाहिए। यह कवच सफेद धागे में डालकर सोमवार को गंगाजल से शुद्ध कर ॐ नम शिवाय मंत्र के 108 बार जप कर धारण करना चाहिए। तदुपरांत शिवजी को कच्चा दूध

चढ़ाए। क्षमतानुसार दान करे। इस प्रकार आपके जीवन में आने वाले कष्टों से छुटकारा मिलेगा एवं विशेष कष्टों में न्यूनता आएगी। कुंडली के सभी ग्रहों को शुभता प्रदान करने के लिए आप शिव कृपा रुद्राक्ष माला जो एक से चौदह मुखी रुद्राक्ष से निर्मित होती है, भी धारण कर सकते हैं। एक से चौदह मुखी रुद्राक्ष माला अद्‌भुत व चमत्कारी फल प्रदान करती हैं।

उपरोक्त कवच बिना दशा, गोचर विचार के आपको जीवन भर धारण करना चाहिए। क्योंकि यह कवच जन्म लग्न एवं उसमें स्थित ग्रहों के अवगुणों को नियंत्रित करने के लिए आवश्यक हैं।

साढ़ेसाती विचार

चंद्रमा से जन्म कुंडली में जब गोचरवश शनि की स्थिति द्वादश, प्रथम एवं द्वितीय स्थान में होती है तो साढ़ेसाती कहलाती है। शनि की चंद्रमा से चतुर्थ एवं अष्टम भाव में स्थिति होने पर ढैया शारीरिक, मानसिक या आर्थिक कष्ट देता है । लेकिन कई बार यह आश्चर्यजनक उन्नति भी प्रदान करती है । साढ़ेसाती का प्रभाव सात वर्ष एवं ढैया का प्रभाव ढाई वर्ष रहता है ।

सामान्यतया साढ़ेसाती मनुष्य के जीवन में तीन बार आती है । प्रथम बचपन में द्वितीय युवावस्था में तथा तृतीय वृद्धावस्था में आती है । प्रथम साढ़ेसाती का प्रभाव शिक्षा एवं माता–पिता पर पडता है । द्वितीय साढ़ेसाती का प्रभाव कार्यक्षेत्र, आर्थिक स्थिति एवं परिवार पर पडता है परंतु तृतीय साढ़ेसाती स्वास्थ्य पर अधिक प्रभाव करती है ।

निम्नलिखित तालिका में साढ़ेसाती का समय तथा प्रत्येक ढैया का शुभाशुभ फल इंगित किया गया है ।

प्रथम चक्रः

साढेसाती प्रथम ढैया	31/03/1980-27/07/1980	----------	----------
साढेसाती द्वितीय ढैया	27/07/1980-06/10/1982	----------	----------
साढेसाती तृतीय ढैया	06/10/1982-21/12/1984	01/06/1985-17/09/1985	----------
चतुर्थ स्थानस्थ ढैया	17/12/1987-21/03/1990	20/06/1990-15/12/1990	----------
अष्टम स्थानस्थ ढैया	17/04/1998-07/06/2000	----------	----------

द्वितीय चक्रः

साढेसाती प्रथम ढैया	01/11/2006-10/01/2007	16/07/2007-10/09/2009	----------
साढेसाती द्वितीय ढैया	10/09/2009-15/11/2011	16/05/2012-04/08/2012	----------
साढेसाती तृतीय ढैया	15/11/2011-16/05/2012	04/08/2012-02/11/2014	----------
चतुर्थ स्थानस्थ ढैया	26/01/2017-21/06/2017	26/10/2017-24/01/2020	----------
अष्टम स्थानस्थ ढैया	03/06/2027-20/10/2027	23/02/2028-08/08/2029	05/10/2029-17/04/2030

तृतीय चक्रः

साढेसाती प्रथम ढैया	27/08/2036-22/10/2038	05/04/2039-13/07/2039	----------
साढेसाती द्वितीय ढैया	22/10/2038-05/04/2039	13/07/2039-28/01/2041	06/02/2041-26/09/2041
साढेसाती तृतीय ढैया	28/01/2041-06/02/2041	26/09/2041-11/12/2043	23/06/2044-30/08/2044
चतुर्थ स्थानस्थ ढैया	08/12/2046-06/03/2049	10/07/2049-04/12/2049	----------
अष्टम स्थानस्थ ढैया	07/04/2057-27/05/2059	----------	----------

शनि का ढैया फल

ढैया के प्रकार	फल	क्षेत्र
साढेसाती प्रथम ढैया	अशुभ	बुरा स्वास्थ्य
साढेसाती द्वितीय ढैया	सम	धन
साढेसाती तृतीय ढैया	शुभ	पराक्रम
चतुर्थ स्थानस्थ ढैया	शुभ	सन्तति
अष्टम स्थानस्थ ढैया	सम	बदनामी

साढ़ेसाती के उपाय

शनि की साढ़ेसाती के अशुभ प्रभावों को कम करने के लिये दान, पूजन, व्रत, मंत्र आदि उपाय किये जा सकते हैं। इसके लिये शनिवार को काला कंबल, उड़द की दाल, काले तिल, चर्म–पादुका, काला कपड़ा, मोटा अनाज, तिल तथा लोहे का दान करना चाहिये। शनिदेव की पूजा एवं शनिवार का व्रत रखना चाहिये। उपवास के दिन उड़द की दाल से बनी वस्तु, चने, बेसन, काले तिल, काला नमक तथा फलों का ही सेवन करना चाहिये। साथ ही स्वयं या किसी योग्य पंडित के द्वारा शनि के निम्न मंत्र के 19000 जप संपन्न करवाने चाहिये।

ऊँ प्रां प्रीं प्रौं सः शनैश्चराय नमः।।

शनि की साढ़ेसाती में शारीरिक, मानसिक, पारिवारिक शांति एवं समृद्धि, आर्थिक सुदृढ़ता तथा कार्यक्षेत्र में उन्नति के लिये निम्नलिखित महामृत्युंजय मंत्र के 125000 जप स्वयं या किसी योग्य पंडित के द्वारा करवाने चाहिये।

ऊँ त्र्यंबकम यजामहे सुगन्धिं पुष्टिवर्धनम्।
उर्वारुकमिव बन्धनान्मृत्योर्मुक्षीय माऽमृतात।।

वैकल्पिक रूप से निम्नलिखित मंत्र के प्रतिदिन 108 जप किये जा सकते हैं।

ऊँ हों जूं सः ऊँ भूर्भुव स्वः ऊँ।।

शनि की साढ़ेसाती के शुभत्व को बढ़ाने के लिये शनिवार के दिन आप 5 1/4 रत्ती का नीलम रत्न पंचधातु में (सोना, चांदी, तांबा, लोखंड, जस्ता) या घोड़े की नाल या नाव की कील से निर्मित लोहे की अंगूठी धारण करें । लोहे की अंगूठी आप दाएं हाथ की मध्यमा अंगुली में धारण करें।

अंगूठी शुक्ल पक्ष की शनिवार की सायं सूर्यास्त के समय धारण करें। पुष्य, अनुराधा या उत्तरा भाद्रपद नक्षत्र अति शुभ हैं। उस दिन शनिवार का उपवास भी करना चाहिए। अंगूठी धारण करने से पूर्व इसे शुद्ध दूध एवं गंगाजल में स्नान कराना चाहिए तथा धूप आदि जलाकर शनि का पूजन करना चाहिए एवं निम्न मंत्र की एक माला या 108 बार जप करना चाहिए। नीलम मध्यमा उंगली में या गले में पेन्डन्ट बनाकर धारण करें ।

ऊँ शं शनैश्चराय नमः।

अंगूठी धारण करने के पश्चात शनि की वस्तुओं का दान देना चाहिए। इससे शनि के अशुभ प्रभाव में कमी आयेगी तथा आपकी सुख शांति एवं समृद्धि में वृद्धि होगी।

श्री हनुमान चालीसा एवं श्री हनुमान अष्टक का पाठ करना श्रेष्ठ है ।

मांगलिक विचार

जब वर या कन्या की कुंडली में मंगल लग्न, चतुर्थ, सप्तम, अष्टम तथा द्वादश भाव में हो तो मांगलिक दोष कहलाता है। यथोक्तम्

लग्ने व्यये च पाताले जामित्रे चाष्टमे कुजे।
स्त्री भर्तुर्विनाशंच भर्ता च स्त्री विनाशनम्।।

मांगलिक दोष लग्न से अधिक प्रबल माना जाता है लेकिन चन्द्रमा से इसका दोष लग्न की अपेक्षा अल्प होता है। यदि शास्त्रानुसार वर एवं कन्या का मांगलिक दोष भंग हो जाता है तो उनका दाम्पत्य जीवन सुख एवं प्रसन्नतापूर्वक व्यतीत होता है। इसके विपरीत बिना दोष भंग हुए मांगलिक वर–कन्याओं को जीवन में कई प्रकार की अनावश्यक समस्याओं तथा व्यवधानों का सामना करना पड़ता है। अतः विवाह से पूर्व शुद्ध कुण्डली मिलान से इस दोष का उचित निवारण करके ही दाम्पत्य जीवन प्रारम्भ करना चाहिए जिससे जीवन में शान्ति तथा सम्पन्नता बनी रहे।

****

आपके जन्म समय में मंगल लग्न में स्थित है। अतः जन्मकुण्डली के अनुसार आप मांगलिक हैं परन्तु शास्त्रानुसार आपके मंगली दोष का प्रभाव समाप्त हो जाता है। अतः ऐसे मंगल से आपको शुभ फलों की प्राप्ति अधिक मात्रा में होगी तथा अशुभ फलों का प्रभाव जीवन में अल्प ही रहेगा। इस प्रकार आपका शारीरिक स्वास्थ्य उत्तम रहेगा एवं शरीर में दुर्बलता का अभाव रहेगा। परन्तु यदा कदा आपके स्वभाव में क्रोध के भाव की प्रबलता भी दृष्टि गोचर होगी। मंगल के प्रभाव से आपके विवाह में थोड़ा विलम्ब तो हो सकता है परन्तु विवाह प्रक्रिया अत्यन्त ही सुखद वातावरण में सम्पन्न होगी। आपको अनावश्यक समस्याओं का सामना नहीं करना पड़ेगा परन्तु विवाहोपरान्त यदा कदा पत्नी का स्वास्थ्य प्रभावित होगा। फलतः कभी कभी वे शारीरिक रूप से अस्वस्थता की अनुभूति कर सकती हैं।

आपकी कुंडली में लग्न में स्थित मंगल की दृष्टि सुख भाव पर होने से आप जीवन में आवश्यक सुखोपभोग के संसाधनों को प्राप्त करने में सफल रहेंगे परन्तु इसमें आपको परिश्रम अधिक मात्रा में करना पड़ेगा। सप्तम भाव पर भी मंगल की पूर्ण दृष्टि होने से दाम्पत्य जीवन सुख पूर्वक व्यतीत होगा। समय समय पर आपसी असहमति के कारण वाद विवाद भी होते रहेंगे फलस्वरूप परस्पर प्रेम पूर्ण संबंधों में अल्प समय के लिए तनाव उत्पन्न होगा। इसके साथ ही मंगल की दृष्टि अष्टम भाव पर भी पड़ती है अतः शारीरिक कुशलता पूर्ण रूप से रहेगी। कभी कभी अनावश्यक विघ्न बाधाएं कार्यों में व्यवधान उत्पन्न करेंगी जिससे आप मानसिक रूप से उद्विग्नता की अनुभूति करेंगे। आपका दाम्पत्य जीवन सुख एवं शान्ति पूर्वक व्यतीत होगा तथा जीवन में आप पूर्ण रूप से सन्तुष्टि की अनुभूति करेंगे। अपने दाम्पत्य जीवन को अधिक सुखद एवं शुभ बनाने के लिए तथा मंगल के प्रभाव को और अधिक अनुकूल करने के लिए आपको किसी गैरमांगलिक कन्या का या ऐसी मंगली कन्या जिसका शास्त्रानुसार उचित रूप से मंगल का दोष भंग हो रहा हो

उससे विवाह का प्रस्ताव करना चाहिए। इस प्रकार समस्त दोषों का निवारण करके यदि आप अपने दाम्पत्य जीवन को प्रारम्भ करेंगे तो इससे आपका जीवन अत्यन्त ही सुखमय एवं आनन्द पूर्वक व्यतीत होगा। साथ ही जीवन में समस्त आवश्यक सुख साधनों की इच्छित प्राप्ति होगी एवं आर्थिक क्षेत्र में भी पूर्ण रूप से सुदृढ़ता रहेगी तथा धन धान्य एवं ऐश्वर्य से सर्वदा सुशोभित रहेंगे। आप एक सौभाग्य शाली पुरुष होंगे एवं जीवन में समस्त शुभ एवं महत्वपूर्ण कार्यों को अपने भाग्यबल एवं आवश्यक परिश्रम से सफल बना कर दाम्पत्य जीवन को शान्ति एवं प्रसन्नता पूर्वक व्यतीत करेंगे। इसके अतिरिक्त जिस कन्या की कुंडली में मंगल की स्थिति प्रथम भाव में हो तो ऐसी कन्या के साथ दाम्पत्य जीवन का प्रारम्भ नहीं करना चाहिए क्योंकि प्रथम भावस्थ मंगल की स्थिति से कन्या का शारीरिक स्वास्थ्य विशेष अच्छा नहीं रहेगा जिससे सांसारिक तथा सामाजिक कार्यों को सम्पन्न करने में अनावश्यक समस्याएं उत्पन्न होंगी एवं दाम्पत्य सुख में भी व्यवधान उत्पन्न होंगे अतः सुखी दाम्पत्य जीवन के लिए इसकी यत्नपूर्वक उपेक्षा करनी चाहिए। इसके साथ ही कुंडली मिलान के समय में पूर्ण सावधनी रखनी चाहिए तथा सतर्कतापूर्वक अन्तिम निष्कर्ष लेना चाहिए जिससे भावी दाम्पत्य जीवन में किसी भी प्रकार की अनावश्यक समस्याएं उत्पन्न न हों एवं जीवन सुख एवं शान्तिपूर्वक व्यतीत हो सके।

कालसर्प योग

अग्रे राहुरधः केतुः सर्वे मध्यगताः ग्रहाः।
योगाऽयं कालसर्पाख्यो शीघ्रं तं तु विनाशय।।

आगे राहु हो एवं नीचे केतु मध्य में सभी (सातों) ग्रह विद्यमान हो तो कालसर्प योग बनता है। अतः इस योग से ग्रसित जातकों के लिए आवश्यक है कि वे इस काल सर्प योग का निदान करा लें। जिससे कि कुंडली के शुभ योगों के फल पूर्णयता मिलते रहें।

द्वादाश भावों में राहु की स्थिति के अनुसार काल सर्प योग मुख्यतः द्वादश प्रकार के होते हैं। वे हैं–

1. अनंत, 2. कुलिक, 3. वासुकि, 4 शङ्खपाल, 5. पद्म, 6. महापद्म, 7. तक्षक, 8. कर्कोटक, 9. शङ्खचूड, 10. घातक, 11. विषधर, 12. शेषनाग।

यह योग उदित अनुदित भेद से दो प्रकार के होते हैं राहु के मुख में सभी सातों ग्रह ग्रसित हो जाएं तो उदित गोलार्द्ध नामक योग बनता है एवं राहु की पृष्ठ में यदि सभी ग्रह हों तो अनुदितन गोलार्द्ध नामक योग बनता है।

यदि लग्न कुंडली में सभी सातों ग्रह राहु से केतु के मध्य में हो लेकिन अंशानुसार कुछ ग्रह राहु केतु की धुरी से बाहर हों तो आंशिक काल सर्प योग कहलाता है। यदि कोई एक ग्रह राहु–केतु की धुरी से बाहर हो तो भी आंशिक काल सर्प योग बनता है।

यदि राहु से केतु तक सभी भावों में कोई न कोई ग्रह स्थित हो तो यह योग पूर्ण रूप से फलित होता है। यदि राहु–केतु के साथ सूर्य या चंद्र हो तो यह योग अधिक प्रभावशाली होता है। यदि राहु, सूर्य व चंद्र तीनों एक साथ हो तो ग्रहणकाल सर्प योग बनता है। इसका फल हजार गुना अधिक हो जाता है। ऐसे जातक को काल सर्प योग की शांति करवाना अति आवश्यक होता है।

काल सर्प योग का प्रभाव

इस योग में उत्पन्न जातक को मानसिक अशांति, धनप्राप्ति में बाधा, संतान अवरोध एवं गृहस्थी में प्रतिपल कलह के रूप में प्रकट होता है। प्रायः जातक को बुरे स्वप्न आते हैं । कुछ न कुछ अशुभ होने की आशंका मन में बनी रहती है। जातक को अपनी क्षमता एवं कार्यकुशलता का पूर्ण फल प्राप्त नहीं होता है, कार्य अक्सर देर से सफल होते हैं। अचानक नुकसान एवं प्रतिष्ठा की क्षति इस योग के लक्षण हैं।

जातक के शरीर में वात पित्त त्रिदोषजन्य असाध्य रोग अकारण उत्पन्न होते है। ऐसे रोग जो प्रतिदिन क्लेश (पीडा) देते हैं तथा औषधि लेने पर भी ठीक नहीं होते हों, काल सर्प योग के कारण होते हैं।

काल सर्प योग के औपचारिक उपाय के द्वारा इन कष्टों से राहत एवं छुटकारा प्राप्त किया जा सकता है। जन्मपत्रिका के अनुसार जब–जब राहु एवं केतु की महादशा, अंतर्दशा आदि आती है तब तब यह योग असर दिखाता है। गोचर में राहु व केतु का जन्मकालिक राहु–केतु व चंद्र पर भ्रमण भी इस योग को सक्रिय कर देता है। उस समय विशेष ध्यान देकर पूजा अर्चनादि श्रद्धा विश्वास के साथ करें, अवश्य लाभ होगा। कालसर्प योग यंत्र के सम्मुख 43 दिन तक सरसों के तेल का दीया जलाने से भी इन कष्टों से राहत एवं छुटकारा प्राप्त किया जा सकता है।

जातक पर काल सर्प योग का प्रभाव

आपकी जन्मकुण्डली में अनन्त नामक कालसर्प योग विद्यमान है। लेकिन यह केवल आंशिक रूप में विद्यमान है। फलस्वरूप जातक के जीवन में समय–समय पर थोड़ी बहुत बाधाएं आती रहती हैं। व्यक्तित्व निर्माण में परिश्रम करने पर ही लाभ मिलता है। विद्या व्यवसाय सामान्य रहती है। आगे बढ़ने के लिए थोड़ा बहुत संघर्ष करना पड़ता है। मानसिक परेशानियाँ समय–समय पर आती रहती हैं। जीवन में कभी–कभी अपयश मिलता है जिससे जातक को विरक्ति पैदा होती है। जातक अपने जीवन में अनेक बार कार्य (व्यवसाय) को बदलता है। जिसमें कभी नुकसान भी हाथ लगता है। खासकर साहूकारी के व्यवसाय में अधिक नुकसान पाता है। इस योग के कारण अनेक तरह के नीच कर्म जातक के द्वारा किये जाते हैं और जातक को समय–समय पर रोग व्याधि ग्रसित करती रहती है। इसमें थोड़ा अधिक खर्च हो जाने के कारण आर्थिक स्थिति असामान्य हो जाती है एवं जातक समय–समय पर मानसिक रूप से अशान्त हो जाता है। जातक का वैवाहिक जीवन सामान्य होते हुए कभी–कभी दुःखमय हो जाता है तथा मातृ–पितृ सुख का थोड़ा बहुत अभाव रहता है। अपने रिश्तेदार समय–समय पर नुकसान पहुँचाते हैं। जातक को केस मुकदमों में प्रायः हार का सामना करना पड़ता है और सामाजिक प्रतिष्ठा का ह्रास होता है। जातक को प्रायः सुख का अभाव रहता है और अनेक शत्रु होते हैं। वे समय–समय पर षड्यन्त्र रचते रहते हैं। परन्तु वे अपने षड्यन्त्र में सफल नहीं होते। दूसरों से कभी अपमान सहना पड़ता है। लेकिन इतना सब कुछ होने के बाद भी जातक के जीवन में एक चमत्कारिक समय आता है।

यदि आप कभी उपरोक्त परेशानी महसूस करते हैं तो निम्नलिखित उपाय करें। अवश्य लाभ मिलेगा।

1. काल सर्प दोष निवारण यंत्र घर में स्थापित करके, इसका नियमित पूजन करें।
2. ऊँ नमः शिवाय' का प्रतिदिन 108 बार जप करें। कुल जप संख्या– 21000।
3. ताम्बे के लोटे में नाग के जोड़े बहते पानी में एक बार प्रवाहित करें।
4. नवनाग स्तोत्र का एक वर्ष तक प्रतिदिन पाठ करें।
5. राहु के महादशा, अन्तर्दशा आने पर राहु मन्त्र के जाप कम से कम प्रतिदिन 108 बार करें। जप संख्या अट्ठारह हजार (18000) है।
6. शुभ मुहूर्त्त में अभिमन्त्रित गोमेद धारण करें।
7. श्रावणमास में 30 दिन तक महादेव का अभिषेक करें।

8. सरस्वती जी की एक वर्ष विधिवत उपासना करें।
9. राहु कवच एवं स्तोत्र का पाठ करें।
10. प्रत्येक सोमवार को दही से भगवान शंकर पर – ऊँ हर हर महादेव कहते हुए अभिषेक करें। यह केवल 16 सोमवार तक करें।
11. रसोईघर में बैठकर भोजन करें।
12. शुभ मुहूर्त्त में बहते पानी में कोयला तीन बार प्रवाहित करें।
13. गोमेद, सुवर्ण, तिल, सरसों, नीलवस्त्र, खड्ग, कम्बल, आदि समय–समय पर दान करें।
14. शुभ मुहूर्त में मुख्य द्वार पर चाँदी का स्वस्तिक एवं दोनो ओर धातु से निर्मित नाग चिपका दें।
15. हनुमान चालीसा का 108 बार पाठ करें।

विशेष

ध्यान रखें कालसर्पयोग का पूजन केवल श्रीखण्ड चन्दन से करें। कुंकुम, सिन्दूर, रोली आदि का प्रयोग न करें। तिरुपति बालाजी के पास कालाहस्ती शिव मंदिर में जाकर कालसर्प योग की शांति का उपाय विधि–विधान से एक बार करें अथवा 12 ज्योतिर्लिंग में से किसी भी ज्योतिर्लिंग में जाकर पूजा करें जैसे – कि सौराष्ट्र गुजरात में सोमनाथ मंदिर, महाराष्ट्र के नासिक में त्रयंबकेश्वर मंदिर, उज्जैन, भीमाशंकर, नागेश्वर, रामेश्वर, वगेरे।

पितृदोष विचार

पितृदोष क्या है ?

हमारे पूर्वज या परिवार के सदस्य मृत्योपरांत पितृ संज्ञा प्राप्त करते हैं। पितृ हमारे और भगवान के बीच की कड़ी होते हैं। यदि ये प्रसन्न होते हैं तो जातक सुखी जीवन भोगता है, लेकिन यदि किसी कारणवश ये अप्रसन्न हो जाते हैं तो जातक को अनेक प्रकार की व्याधियाँ व कष्ट झेलने पड़ते हैं।

कालांतर में पितृ या तो मोक्ष को प्राप्त करते हैं, या पृथ्वी लोक पर पुनः जन्म ले लेते हैं। यदि परिवार के सभी पितरों का पुनर्जन्म या मोक्ष हो गया हो तो कुछ समय के लिए उस परिवार के कोई पितृ नहीं होते। ऐसे में जातक सुख दुख अपनी कुंडली अनुसार प्राप्त करता है। अतः परिवार के सदस्यों को चाहिए कि जब तक वे पितृ लोक में हैं तब तक तर्पणादि से उनकी सेवा करें। यदि पितृ प्रसन्न रहते हैं तो आशीर्वाद स्वरूप जातक चहुमुखी प्रगति प्राप्त करता है।

पितृ अप्रसन्न, दुःखी एवं अतृप्त होते हैं यदि किसी पूर्वज की अंतिम इच्छा पूर्ण न हुई हो, या किसी के द्वारा श्रापित हों या असामयिक मृत्यु हो गई हो। पितृ योनि में रहते हुए भी उन्हें भोजन की आवश्यकता होती है। यदि परिवार के सदस्य तर्पणादि द्वारा भोजन नहीं देते हैं तो वे भूख से व्याकुल हो जाते हैं। पितृ विभिन्न प्रकार के कष्टों की अनुभूति करते हैं जब तक कि जातक पितरों की शांति हेतु पूजन–पाठ, पिंडदान, तर्पण आदि न करे।

पितृ दोष अपने कर्मों के कारण न हो करके, अपने माता–पिता या पूर्वजों के कर्मों के कारण होते हैं, क्योंकि यह दोष तो जातक के जन्म से जन्मपत्री में विद्यमान होता है जबकि कर्म तो जन्म के बाद ही बनते हैं। अतः पितृदोष ऐसा दोष है जिसका कोई कारण समझ में नहीं आता, केवल लक्षण दर्शित होते हैं। जन्मपत्री में भी शुभ दशा व गोचर के योग होते हुए भी हमें हमारे कर्मों का फल प्राप्त नहीं होता, या घर में सदैव कलह, अशांति, धन की कमी व बीमारी लगी रहती है। संतान नहीं होती या संतान विक्षिप्त होती है, बच्चों के विवाह में अड़चन आती है या उनके विकास में अवरोध आते हैं। अतः जब भी किसी प्रकार की समस्या बार–बार आती है एवं कोई कारण नजर न आता हो तो हमें पितृ दोष की शांति करवानी चाहिए जब तक कि वातावरण और परिस्थितियां अनुकूल न हो जाएं।

पितृदोष लक्षण

1. परिवार में आकस्मिक मृत्यु या दुर्घटना होना।
2. आनुवांशिक बीमारी होना और लंबी अवधि तक बीमारी का चलना।
3. परिवार में शारीरिक रूप से विकलांग या अनचाहे बच्चे का जन्म होना।
4. परिवार में बच्चों द्वारा असम्मान या प्रताड़ना का व्यवहार करना।
5. गर्भ धारण न होना या गर्भपात होना।

6. परिवार के किसी सदस्य का विवाह न होना।
7. परिवार में किसी बात को लेकर झगड़ा–फसाद होना।
8. कभी खत्म न होने वाली गरीबी परिवार में हो जाना।
9. बुरी आदतों की लत लग जाना।
10. परिवार में बार–बार केवल कन्या संतान का जन्म होना।
11. शिक्षा में बाधाएं आना।
12. स्वप्न में सांप दिखाई देना।
13. माथे पर गंदी करतूतों का कलंक लगना।
14. परिवार में किसी बुजुर्ग के बाल सफेद होने के पश्चात पीले होने लगना या काली खांसी होना।
15. परिवार के किसी सदस्य को स्वप्न में पूर्वज द्वारा खाना या कपड़े मांगते हुए दिखना।

पितृ की पहचान :

1. श्रीमद् भगवद् गीता के ग्यारहवें अध्याय का पाठ करें तो आपको कुछ दिनों में ही स्वप्न में पितृ दर्शन होंगे।
2. रात को सोने से पहले हाथ पैर धोकर अपने मन में अपने पितृ से प्रार्थना करें कि जो भी मेरे पितृ हैं वे मुझे दर्शन दें।
3. यदि आपका कोई कार्य अटक रहा है तो अपने पितृ को याद कीजिए और उन्हें कहें कि यदि आप हैं तो मेरा अमुक कार्य हो जाए। मैं आपके लिए शांति पाठ कराउंगा। आपकी ऐसी प्रार्थना से कार्य सिद्धि हो जाने पर यह प्रमाणित हो जाएगा कि आपको पितृ शांति करवानी चाहिए।

पितृ दोष उपाय :

1. श्राद्ध पक्ष में मृत्यु तिथि के दिन तर्पण व पिंडदान करें। ब्राह्मण को भोजन कराएं व वस्त्र/दक्षिणा आदि दें।
2. यदि मृत्युतिथि न मालूम हो तो श्राद्ध पक्ष की अमावस्या के दिन तर्पण व पिंडदानादि कर्म करें।
3. प्रत्येक अमावस्या विशेषतः सोमवती अमावस्या को पितृभोग दें। इस दिन गोबर के कंडे जलाकर उसपर खीर की आहुति दें। जल के छींटे देकर हाथ जोड़ें व पितृ को नमस्कार करें।
4. सूर्योदय के समय सूर्य को जल दें व गायत्री मंत्र का जप करें।
5. पीपल के पेड़ पर जल, पुष्प, दूध, गंगाजल व काले तिल चढ़ाकर पितृ को याद करें, माफी और आशीष मांगें।
6. रविवार के दिन गाय को गुड़ या गेहूं खिलाएं।
7. लाल किताब के अनुसार परिवार में जहां तक खून का रिश्ता है जैसे दादा, दादी, माता, पिता, चाचा, ताया, बहन, बेटी, बुआ, भाई सबसे बराबर–बराबर धन, 1, 5 या दस रुपए लेकर मंदिर में दान करने से पितृ ऋण से मुक्ति मिलती है।
8. हरिवंश पुराण का श्रवण और गायत्री जप पितृ शांति के लिए लोकप्रसिद्ध है।

9. गया या त्र्यंबकेश्वर में त्रिपिंडी श्राद्ध या नन्दी श्राद्ध करें।
10. नारायणबलि पूजा करवाएं।
11. पितृ गायत्री का अनुष्ठान करवाएं –

ऊँ देवताभ्य पितृभ्यश्च महायोगिभ्येव च।
नमः स्वाहायै स्वधायैः नित्यमेव नमो नमः।।

12. पितृ दोष निवारण उपायों में गया में पिंडदान, गया श्राद्ध तथा पितृ भोग अर्पण आदि क्रियाएं करते हुए उपरोक्त पितृ गायत्री मंत्र का उच्चारण करना चाहिए।
13. श्री कृष्ण मुखामृत गीता का पाठ करें।

पितृ पूजा के लिए आवश्यक निर्देश :

1. पितरों को मांस वाला भोजन न अर्पित करें।
2. पूजा के दिन स्वयं भी मांस भक्षण न करें।
3. पितृ पूजा में स्टील, लोहा, प्लास्टिक, शीशे के बर्तन का प्रयोग न करें। मिट्टी या पत्तों के बर्तनों का ही प्रयोग करें।
4. पितृ पूजा में घंटी न बजाएं।
5. पितृ पूजा करने वाले व्यक्ति की पूजा में व्यवधान न डालें।
6. बुजुर्गों का सम्मान करें।
7. पितरों के निमित्त किये जाने वाले गौ–दान से पितृ तृप्त होते हैं।
8. घर में पीने का पानी रखा जाता है उस स्थान पर विशेष पवित्रता रखें। यह स्थान पितृों का स्थान माना जाता है।
9. पितृ कर्म हेतु साल में 12 मृत्यु तिथि, 12 अमावस्या, 12 पूर्णिमा, 12 संक्रांति, 12 वैधृति योग, 24 एकादशी व श्राद्ध के 15 दिन मिलाकर कुल 99 दिन होते हैं।

आपकी कुण्डली में पितृदोष

- पंचम् भाव के स्वामी पर शनि और राहु का प्रभाव है।
- नवम् भाव के स्वामी पर शनि और राहु का प्रभाव है।
- त्रिक भाव का स्वामी लग्न में स्थित है और उस पर शनि और राहु का प्रभाव है।

आपकी कुडली में मंगल और गुरु के कारण पितृदोष है।

आपकी कुंडली में मंगल पितृदोष कारक ग्रह है अतः परिवार के किसी पुरुष सदस्य द्व ारा क्रोधवश किये गये पापकर्म आपके पितृदोष का कारण है। इस दोष के निवारणार्थ आपको नौकर, छोटे भाईयों को दान देना चाहिए।

आपकी कुंडली में वृहस्पति पितृदोष कारक ग्रह है अतः दादाजी द्वारा किये गये

पापकर्म आपके पितृदोष का कारण है। इस दोष के निवारणार्थ आप विद्वानजनों, वृद्ध ब्राहमण और पति को दान दें। विद्यालय में पुस्तकों का दान करें।

आपकी कुंडली में पितृदोष का योग है परंतु यदि आपको अपने जीवन में उपरोक्त वर्णित पितृदोष लक्षण में से किसी प्रकार का कष्ट या परेशानी की अनुभूति नहीं हो रही है तो आपको पितृदोष संबंधी उपाय करने की आवश्यकता नहीं है। संभव है कि किसी शुभकार्य के कारण आपके पितृ प्रसन्न हो गए हों व आपको उनकी कृपा प्राप्त हो रही हो या वे मोक्ष को प्राप्त हो गए हों।

नोट :

त्रिपिण्डी श्राद्ध एवं नारायण नाग बली पितृदोष के लिए मुख्य उपाय हैं। यह त्र्यंबकेश्वर में विशेष रूप से कराये जाते हैं। त्रिपिण्डी श्राद्ध में आटे को पानी में मांढ़ कर पुतले के रूप में पूर्वजों के प्रतीकात्मक पिंड बना लिये जाते हैं, उन पर मंत्रों का पाठ किया जाता है। अंत में अस्थि विसर्जन के समान उनको जल में प्रवाह कर दिया जाता है।

नारायण नागबलि, पूर्वजों के मोक्ष व उनकी इच्छा पूर्ति के लिए कराया जाता है। इसमें दो दिन श्मशान क्रिया होती है व तीसरे दिन मांगलिक पूजा की जाती है। यदि पितृदोष के कारण संतान बाधा या विवाह बाधा आदि होती है तो इस उपाय के पश्चात जातक बाधामुक्त हो जाता है और काम स्वतः बनने लगते हैं।

अंक ज्योतिष फल

आपका जन्म दिनांक 31 होने से तीन एवं एक के योग से आपका मूलांक चार होता है। इसका अधिष्ठाता भारतीय मतानुसार राहु तथा पाश्चात्य मतानुसार हर्षल ग्रह को माना गया है। अंक तीन का स्वामी बृहस्पति तथा अंक एक का स्वामी सूर्य ग्रह है।

मूलांक चार के प्रभाव से आप अचानक एवं आश्चर्य जनक प्रगति प्राप्त करेंगे। आपको वही कार्य अच्छे लगेंगे, जिनके द्वारा शीघ्रता से ऊँचाईयाँ प्राप्त की जा सके। ऐसा ही कार्यक्षेत्र आपके लिये अनुकूल रहेगा, जिनमें कम समय में अधिक लाभ कमाया जा सके। आपकी विचारधारा थोड़ी आधुनिक रहेगी एवं पुरानी रीतियों, मान्यताओं के आप हिमायती नहीं होंगे। उनमें परिवर्तन की इच्छा रखेंगे। इससे आपको विरोधियों का सामना करना पड़ेगा।

धन संग्रह आप अधिक नहीं कर पायेंगे। किन्तु आपको समाज में नाम, यश, पद–प्रतिष्ठा अच्छी प्राप्त होगी। सामाजिक क्षेत्र में आप आमूल–चूल परिवर्तन के हामी होंगे। लेकिन परिस्थितियाँ हर समय आपका साथ दें यह संभव नहीं है। कभी आपकी बात मानी जायेगी कभी नकार दी जायेगी। आप अपनी सफलता का मार्ग स्वयं संघर्ष करते हुए बनायेंगे। अतः संघर्ष करना आपकी आदत में आ जायेगा। जिससे एकाध घटनाएं ऐसी घटेंगी जो आपका मार्ग बदल देगी या स्थायी प्रभाव छोड़ जायेंगी।

अंक तीन के स्वामी बृहस्पति के प्रभाव से आप में बौद्धिक स्तर उच्चकोटि का रहेगा। आपके कई निर्णय चमत्कारिक होंगे। जिनसे आपको ख्याति मिलेगी। एक अंक के स्वामी सूर्य के प्रभाववश आपकी महत्वाकांक्षाओं की पूर्ति होगी और समाज में नाम तथा यश प्राप्त होगा।

भाग्यांक सात का स्वामी भारतीय मत से केतु तथा पाश्चात्य मत से नेपच्यून ग्रह को माना गया है। यह कल्पना शक्ति, विचार शक्ति, अच्छी देता है। भाग्योदय रुकावटों के साथ करता है। आर्थिक क्षेत्र में प्रायः कमी करता है। धन संग्रह बड़ी– कठिनाई से होता है। अन्यथा ज्यादातर धन की कमी बनी रहती है। कला एवं दर्शन के क्षेत्र में आपका रूझान रहेगा। इन क्षेत्रों को आप कर्म–क्षेत्र बना सकते हैं। इनमें आपकी उन्नति निहित होगी।

आपको ऐसा रोजगार पसन्द आयेगा जिसमें यात्रा के अवसर मिलते रहें। दूर–दूर की यात्रा करना, सैर सपाटा आपके लिए रुचि पूर्ण रहेगा। कई एक यात्राओं से आप व्यावसायिक उन्नति प्राप्त करेंगे। दूर के व्यक्तियों से आपके अच्छे संबंध बनेंगे जो रोजगार व्यापार में आपको लाभ प्रदान करेंगे। प्राचीन रीति–रिवाजों पर आपकी आस्था कम रहेगी तथा परिवर्तन करते रहना आपको सुहायेगा। आपका कार्यक्षेत्र यदा–कदा परिवर्तित होता रहेगा।

आपका मूलांक 4 है तथा भाग्यांक 7 है। मूलांक 4 का स्वामी हर्षल है तथा भाग्यांक 7 का स्वामी नेपच्यून है। मूलांक 4 एवं भाग्यांक 7 के बीच सम संबंध है। इसके प्रभाववश आपके अंदर उच्च कोटि की कल्पनाशक्ति रहेगी। विचारों का धारा प्रवाह मंथन होता रहेगा।

रोजगार–व्यापार के क्षेत्र में आपको काफी संघर्षों के बाद सफलताएं प्राप्त होंगी। आर्थिक स्थिति आपकी ज्यादा अच्छी नहीं रहेगी। समय–समय पर आपको अर्थाभाव रहेगा। कभी–कभी तो आप अत्यधिक धन की कमी महसूस करेंगे, जिससे आपका मानसिक तनाव काफी बढ़ जाया करेगा। रोजगार–व्याापर का क्षेत्र आप रुकावटों और संघर्ष के साथ पार करेंगे। कभी–कभी धैर्य खो देना आपके लिए अहितकर साबित होगा। यदि आप अपने कार्यक्षेत्र में धैर्य के साथ सोच–समझ कर कोई भी कार्य करते हैं तो निश्चित ही आपको सफलता प्राप्त होगी। आपकी सामाजिक स्थिति मध्यम श्रेणी में उच्च कोटि की रहेगी। रोजगार के क्षेत्र में आप काफी यात्राएं करेंगे और कुछ यात्राओं से आपको अच्छे आर्थिक लाभ प्राप्त होंगे। चली आ रही पद्धतियों में आप परिवर्तन करेंगे और उन परिवर्तनों से आपका कार्यक्षेत्र काफी प्रभावित होगा।

आपका भाग्योदय 25 वर्ष की अवस्था से प्रारंभ हो कर 34 वर्ष की अवस्था पर विशेष उन्नति प्राप्त करेगा तथा 43 वर्ष की अवस्था पर आपका पूर्ण भाग्योदय होगा।

आपके मूलांक 4 की मित्रता 1 एवं 8 से है तथा भाग्यांक 7 की मित्रता 2 एवं 6 से है। अतः आपके जीवन में 1, 2, 4, 6, 7, 8 के अंक विशेष महत्वपूर्ण रहेंगे। इनमें आपके जीवन की कुछ घटनाएं घटित होंगी।

आपके मूलांक का आपके भाग्यांक से सम संबंध होने से मूलांक–भाग्यांक के प्रभाव न्यूनाधिक मात्रा में, आपके अनुरूप जाएंगे। आपके जीवन की प्रमुख घटनाएं इन्हीं अंकों की तारीखों मास, ईस्वी सन् या आयु के वर्षों में घटित होंगी। जब कभी इन्हीं अंकों की तारीख, मास वर्ष के साथ आपके लिए निर्धारित शुभ वार का भी मेल होता हो, तो ऐसा दिन आपके लिए विशेष फलदायी तथा किसी भी कार्य को प्रारंभ करने, पत्र लेखन, या उच्च अधिकारी/व्यक्ति से मिलने हेतु अधिक उपयुक्त रहेगा। आप अपने विगत जीवन में घटित घटनाओं का अवलोकन करेंगे, तो पाएंगे कि काफी घटनाएं इन्ही अंकों के मास, वर्ष या दिन को घटित हुई होंगी।

अपने विगत जीवन में उपर्युक्त सभी अंकों का विश्लेषण करने के बाद जो अंक आपके अधिक अनुकूल जा रहे हों, उन्ही अंकों के आधार पर भावी योजनाएं बनाना आपके लिए अधिक लाभप्रद रहेगा।

आपके लिए जनवरी, फरवरी, अप्रैल, जून, जुलाई, अगस्त के माह विशेष घटनाक्रम वाले होंगे तथा आप कोई भी नया कार्य ऐसे ही दिन प्रारंभ करें, जब दिन–तारीख, मास तथा वर्ष आपके मूलांक तथा भाग्यांक के अंक से मेल स्थापित करें तथा एक ही समय पर सभी शुभ रहें। मूलांक 4 एवं भाग्यांक 7 के प्रभाववश ईस्वी सन्, जिनका योग 1, 2, 4, 6, 7, 8 होता है, आपके लिए विशेष घटनाक्रम वाले रहेंगे।

इसी प्रकार आपकी अवस्था के ऐसे वर्ष, जिनका योग 1, 2, 4, 6, 7, 8 होता है, आपके लिए शुभ फलदायक रहेंगे।

1 . 10, 19, 28, 37, 46, 55, 64, 73

2 . 11, 20, 29, 38, 47, 56, 65, 74

4 . 13, 22, 31, 40, 49, 58, 67

6 . 15, 24, 33, 42, 51, 60, 69

7 . 16, 25, 34, 43, 52, 61, 70

8 . 17, 26, 35, 44, 53, 62, 71

उपर्युक्त वर्ष आपके जीवन में परितवर्तनकारी रहेंगे। इन वर्षों में कुछ प्रमुख घटनाएं घटित होंगी, जो आपकी जीवन की दशा बदलेंगी तथा कुछ घटनाएं यादगार साबित होंगी।

अंक ज्योतिष उपाय विचार

अनुकूल समय

हर्षल आपके लिए दिनांक 21 जून से 31 अगस्त तक, पाश्चात्य मतानुसार, सूर्य के कर्क एवं सिंह राशि में रहने पर तथा भारतीय मत से 16 जुलाई से 16 सितंबर तक कर्क एवं सिंह राशि में सूर्य के रहने पर हर्षल की स्थिति प्रबल मानी गयी है। इस समय जल एवं अग्नि तत्व प्रबल रहते हैं, जो हर्षल या राहु के गुण हैं। अतः उपर्युक्त समय मूलांक 4 के लिये कोई भी नया या महत्वपूर्ण कार्य करने हेतु अधिक उपयुक्त रहता हैं।

अनुकूल दिवस

किसी भी माह के रविवार, सोमवार, शनिवार आपके लिए शुभ रहेंगे। यदि आप अपना कोई भी कार्य इन दिवसों में तथा अनुकूल तारीखों में प्रारंभ करें तो आपके लिए शुभ रहेगा।

शुभ तारीखें

आपको अपने किसी विशिष्ट व्यक्ति से, उच्च अधिकारी से मिलने जाना हो या पत्र इत्यादि लिखना हो अथवा कोई महत्वपूर्ण कार्य–व्यापार आदि प्रारंभ करना हो तो किसी अंग्रेजी माह की 1, 4, 8, 10, 13, 17, 19, 22, 26, 28 एवं 31 तारीखों का चुनाव करना कार्य में सफलतादायक रहेगा।

अशुभ तारीखें

किसी भी अंग्रेजी माह की 3, 5, 12, 14, 21, 23 एवं 30 दिनांक आपके लिए अशुभ फलदायी रहेंगे। अतः कोई भी रोजगार–व्यापार संबंधी या अन्य कार्य या उच्चाधिकारी या किसी विशिष्ट अधिकारी से संबंध बनाने हेतु उपर्युक्त दिनांक आपके लिए ठीक नहीं रहेंगे।

मित्रता या साझेदारी

आप अपनी मित्रता ऐसे लोगों से करें जिनका जन्म 1, 4, 8, 10, 13, 17, 19, 22, 26, 28 एवं 31 तारीखों को अथवा 16 जुलाई से 16 सितंबर के मध्य हुआ हो। इन तारीखों को जन्मे लोग आपके लिए शुभ रहेंगे। ऐसे व्यक्तियों से आपकी लंबी मित्रता रहेगी तथा ये आपके रोजगार–व्यवसाय में सहायक सिद्ध होंगे।

प्रेम संबंध एवं विवाह

मूलांक 1, 4, या 8 प्रभावी महिलाएं आपकी अच्छी साथी सिद्ध हो सकती हैं। उपर्युक्त मूलांक वाली महिलाओं से आप सहज ही प्रेम संबंध स्थापित कर सकते हैं तथा उसमें सफल भी हो सकते हैं। जिनका जन्म किसी भी माह की 1, 4, 8, 10, 13, 17, 22, 26, 28 एवं 31 तारीखों को हुआ हो तो वे सभी स्त्रियां सहायक एवं लाभपूर्ण रहेंगी।

अनुकूल रंग

यदि आपका स्वास्थ्य ठीक नहीं रहता तो आपको चाहिए कि आप नीला, धूप–छांव, भूरा मिश्रित रंग के कपड़े पहनें और हो सके तो इस रंग का रुमाल हर समय अपने पास रखें। यह रंग आपके लिए अनुकूल रहेगा। हो सके तो अपने घर की दीवारों तथा पर्दों का चयन भी इन्हीं रंगों का करें। यह रंग आपके लिए शुभ फलदायक रहेगा।

वास्तु एवं निवास

आपको चाहिए कि यदि आप भवन, कॉम्पलेक्स का चुनाव करते समय दिशा का चुनाव करें तो आपके लिए नैर्ऋत्य कोण दिशा अच्छी रहेगी। आपका शयन कक्ष नैर्ऋत्य दिशा में होने से रोजगार–व्यापार शुभ रहेगा तथा फर्नीचर आदि का रंग नीला, धूप छांव, भूरा मिश्रित रंग रखेंगे तो आपके लिए अधिक हितकर रहेगा।

शुभ वाहन नं

आपका मूलांक 4 है। मूलांक 4 के मित्र अंक 1, 8 हैं। ये अंक आपके लिए सफलता के द्योतक हैं। यदि वाहन इत्यादि खरीदते हैं तो उसका पंजीकरण क्रमांक 1, 4, 8 अंकों में से रखें। उदाहरणार्थ वाहन क्रमांक 5233 =4 इत्यादि। आपकी यात्रा का वाहन नंबर यही होने से आपकी यात्रा सफल रहेगी। अगर आप होटल में कमरा आदि बुक करवाते हैं तो उसका नंबर 103 = 4 लेना चाहिए।

स्वास्थ्य तथा रोग

जब भी आपके जीवन में रोग की स्थिति आती है तभी आपको रक्तचाप दोष या जुकाम, छूत के रोग शीघ्र हो जाते हैं। रोग होने पर, अशुभ समय आने पर, कष्ट और विपत्ति के समय आप गणेश चतुर्थी का व्रत करें तथा गजानन गणपति की उपासना करें।

व्यवसाय

दारु, स्पिरिट, तेल, मिट्टी का तेल, अर्क, इत्र, रेल विभाग, वायुसेना, जलदाय विभाग, कुलीगिरी, तकनीशियन, रंगसाज, अभियांत्रिकी, नक्शानवीस, दर्जी, बढ़ई का कार्य, डिजाइन के छापे का कार्य, बाबू, टेलीफोन ऑपरेटर, स्टेनो, टाइपिस्ट, शिल्पकार, पत्रकार, संग्रहकर्ता, विद्युत कार्य, वक्ता, उपदेशक, राज्य कर्मचारी, खनिज मजदूर, ठेकेदार, मोटर चालक आदि।

व्रतोपवास

शनिवार को हर्षल अरिष्ट दोष निवारण हेतु व्रत करें। शनिवार को काले, नीले वस्त्र धारण कर इक्कावन या उन्नीस शनिवारों को व्रत करें। शरीर में तेल मालिश, तैल दान तथा पीपल के वृक्ष की पूजा करें। शनि मंत्र का यथाशक्ति रुद्राक्ष माला पर जप करें।

अनुकूल रत्न या उपरत्न

चांदी की अंगूठी में आप सात से ग्यारह रत्ती का गोमेद बनवा कर शनिवार के दिन धारण करें। गोमेद के न मिलने पर आप कत्थई या काला–लाल हकीक भी पहन सकते हैं। इसे आप शुक्ल पक्ष में शनिवार के दिन, दायें हाथ की मध्यमा उंगली में, त्वचा को स्पर्श करता हुआ धारण करें।

अनुकूल देवता

आप राहु ग्रह की उपासना करें अथवा गणेश भगवान की आराधना करें। भगवान गणेश के अठ्ठाईशाक्षरी मंत्र 'ओम् श्रीं ह्रीं क्लीं ग्लौं गं गणपतये वर वरद सर्व जनं मे वशमानय स्वाहा' का नित्य जप करें। प्रतिदिन कम से कम एक सौ आठ मंत्र का जप करें तथा चतुर्थी के दिन व्रत करें एवं भगवान गणेश को मोदक भोग लगाएं। इस क्रिया को करने पर आप विभिन्न रोगों तथा समस्याओं से मुक्त होंगे। यदि ऐसा संभव न हो सके तो भगवान गणेश के चित्र का ही नित्य प्रातः दर्शन कर लिया करें।

ग्रह गायत्री मंत्र

आपके राहु के शुभ प्रभावों की वृद्धि हेतु राहु के गायत्री मंत्र का प्रातः स्नान के बाद ग्यारह, इक्कीस या एक सौ आठ बार जप करना लाभप्रद रहेगा।

राहु गायत्री मंत्र – ऊँ शिरोरूपाय विद्महे अमृतेशाय धीमहि तन्नो राहुः प्रचोदयात्।।

ग्रह ध्यान मंत्र

प्रातःकाल उठ कर आप राहु का ध्यान करें, मन में राहु की मूर्ति प्रतिष्ठित करें और तत्पश्चात् निम्न मंत्र का पाठ करें :

अर्धकायं महावीर्यं चंद्रादित्यविमर्दनम्।
सिंहिकागर्भसंभूतं तं राहुं प्रणमाम्यहम्।।

ग्रह जप मंत्र

अशुभ राहु को अनुकूल बनाने हेतु राहु के मंत्र का जप करना चाहिए। नित्य कम से कम एक माला एक सौ आठ जप करने से वांछित लाभ मिल जाते हैं। पूरा अनुष्ठान एक सौ अस्सी माला का है। मंत्र जप का प्रत्यक्ष फल स्वयं देख सकेंगे।

ऊँ भ्राँ भ्रीं भ्रौं सः राहवे नमः।। जप संख्या 18000।।

वनस्पति धारण

आप शनिवार के दिन एक इंच लंबी सफेद चंदन की जड़ ला कर, नीले धागे में लपेट

कर, दाहिने हाथ में बांधे या त्रिधातु या लोहे के ताबीज में भर कर गले में धारण करें। इससे हर्षल/राहु के अशुभ प्रभाव कम होंगे तथा शुभ प्रभावों में वृद्धि होगी।

वनस्पति स्नान

आपके लिए प्रत्येक शनिवार को एक बाल्टी या बर्तन में नागबेल, लोबान, तिल के पत्र, बचा, गडूची और तगर आदि औषधियों का चूर्ण कर, पानी में डाल कर स्नान करना सभी प्रकार के रोगों से मुक्तिदायक रहेगा। हर्बल स्नान से आपकी त्वचा की कांति में वृद्धि होगी। अशुभ राहु/हर्षल के प्रभाव क्षीण होकर आपके तेज एवं प्रभाव में वांछित लाभ प्राप्त होगा। सभी ग्रहों की शांति के लिए आपको कूठ, खिल्ला, कांगनी, सरसों, देवदारू, हल्दी, सर्वौषधि तथा लोध इन सबको मिला कर, चूर्ण कर, किसी तीर्थ के पानी में मिला कर, भगवान का स्मरण करते हुए, स्नान करें तो ग्रहों की शांति और सुख–समृद्धि प्राप्त होगी।

दान पदार्थ

राहु की शांति के लिए योग्य व्यक्ति को राहु के पदार्थ–अभ्रक, लौह, तिल, नीला वस्त्र, छाग, ताम्र पात्र, सप्त धान्य, उड़द, गोमेद, काले पुष्प, तेल, कंबल, घोड़ा, रबड़ आदि का दान करना लाभप्रद रहेगा।

यंत्र

राहु को अनुकूल बनाए रखने हेतु राहु यंत्र को भोज पत्र पर अष्टगंध (केशर, कपूर, अगर, तगर, कस्तूरी, अंबर, गोरोचन एवं रक्त चंदन या श्वेत चंदन) स्याही से लिख कर, सोने या तांबे के ताबीज में, धूप दीप से पूजन कर, सोने की जंजीर या पीले धागे में, शनिवार को शुक्ल पक्ष में प्रातःकाल धारण करें।

लग्न फल

आपका जन्म मघा नक्षत्र के चतुर्थ चरण में सिंह लग्नोदय काल हुआ था। साथ–साथ जन्मकाल मेदिनीय क्षितिज पर कर्क राशि का नवमांश तथा धनु राशि का द्रेष्काण भी उदित हुआ था। इस समन्वित ग्रह योग के प्रभाव से यह स्पष्ट हो रहा है कि आपका सामान्य एवं वैवाहिक जीवन अति उत्तम रहेगा। आप अपने पिता के साथ अथवा अपने पुत्र के साथ आरामदेह एवं आनंदपूर्ण जीवन बिताएंगे। परंतु यह आभास मिलता है कि आपके पिता के साथ तथा पुत्रों के साथ कोई सामान्य समस्याओं से युक्त दिक्तों का सामना करना पड़ सकता है। आपके जीवन में कतिपय नकारात्मक व्यवधान को छोड़कर शेष जीवन उच्च स्तरीय सुख–सुविधापूर्ण बीतेगा। आप उच्च प्रशासनिक पद पर प्रतिष्ठित होकर पूर्ण फलदायी जीवन व्यतीत करेंगे, तथा अपने पारिवारिक सदस्यों का स्नेह एवं अन्य व्यक्तियों के द्वारा सम्मान प्राप्ति का आनंद प्राप्त करेंगे।

आपको योजना बद्ध तरीके से धन का व्यय करने के प्रति सतर्क रहना होगा। आप अन्य व्यक्तियों के समक्ष अपना प्रभावशाली अस्तित्व को प्रदर्शित करने के लिए अपने लिए तथा पारिवारिक सदस्यों के पहनावा, वस्त्राभूषण पर बहुत अधिक व्यय करेंगे। आप अधिक मात्रा में अपने व्यवसायी पार्टनर तथा मित्रों को घर पर बुला कर, खान–पान एवं सम्मान पर अत्यंत धन का व्यय करेंगे।

आप उदार एवं दानी प्रवृत्ति के व्यक्ति है तथा समाज के कमजोर वर्ग की सहायता हेतु आर्थिक मदद करने की व्यवस्था करेंगे। अस्तु यह संभाव्य है कि आपकी बृद्धावस्था में धन के अभाव का पश्चाताप युक्त दुखद अनुभव करना पड़े। अतएव आपको परिस्थिति के अनुकूल धन के व्यय की उचित योजना बना कर सभी कार्यों का संपादन अर्थात् धन का व्यय करना चाहिए।

आप में जन्म से ही नेतृत्व के गुण विद्यमान है, तथा आपको कब क्या कार्य करना चाहिए। इस बात का भी ज्ञान है। आप अपनी जन्मजात प्रवृति से नेतागिरी का पूर्ण व्यवहार करेंगे। ऐसी आशा है कि आप निगमायुक्त एवं बड़ी कंपनी के उच्च पद पर आसीन होंगे। क्योंकि आप आश्चर्यजनक प्रभावशाली गुण के कारण शीघ्रता पूर्वक चमत्कारपूर्ण संबंध बना लेते हैं। आप सफलता प्राप्ति हेतु किसी भी पद का भार ग्रहण करने के योग्य हैं।

आप अपने अत्याधिक कार्यक्रमों के अनुसार तथा यात्रा क्रम से अत्यंत व्यस्त तथा अनेक कार्यों में संलग्न रहेंगें। आप उत्तरदायीत्व पूर्ण कार्य प्रबंध करते हुए भी अपने पारिवारिक सदस्यों को बहुत स्नेह संबंध के लिए अपना बहुमूल्य समय प्रदान करेंगे।

आप में आंशिक अभिनयात्मक भावना विद्यमान हैं तथा आप में ऐसी सक्षमता है कि परिस्थिति के अनुरूप अपने को उपयुक्त बना लेते हैं। प्रायः आप आनंद प्राप्त करने में निमग्न हो जाया करते हैं। परंतु आप पर्याप्त मात्रा में अच्छे कार्यक्रमों को सुरूचिपूर्ण ढंग से संपादन करते हैं।

आप अधिक दिनों तक स्वस्थ रहेंगे। परंतु वृद्धावस्था में किसी प्रकार का जोखिम भरा

कार्य करोगे तो आप हृदय संबंधी दिक्कतों तथा पीठ के रीड की हड्डियों के रोग के भुक्त भोगी होंगे। क्योंकि आपकी प्रवृत्ति उत्तेजनात्मक, चिंताग्रस्त स्वभाव एवं बेसुधपना जीवन के प्रति चिंता बना सकता है। अतः आप शांति ग्रहण कर विश्राम करें। आपके लिए उत्तम तो यह है कि प्रत्येक माह में पूर्णिमा के दिन उपवास रखें।

सम्प्रति प्रायः अधिक लोग काला और सफेद वस्त्रों का त्यागकर देते हैं। परंतु आपके लिए अनुकूल रंग हरा, नारंगी एवं लाल रंग भाग्यशाली है।

आप अंक 2, 7 एवं 8 अंक के प्रति सतर्क रहें क्योंकि ये अंक आपके लिए उपयुक्त नहीं है। इसके अतिरिक्त अंक 1, 4, 5, एवं 6 अंक आपके लिए अनुकूल प्रमाणित होंगे।

आपके लिए साप्ताहिक दिनों में भाग्यशाली दिन रविवार, मंगलवार, और गुरुवार का दिन किसी भी बड़े कार्यों को प्रारंभ करने के लिए उपयुक्त एवं ठीक है। परंतु बुधवार, शुक्रवार एवं शनिवार का दिन आपके नये कार्य–कलाप के प्रारंभ करने हेतु अनुपयुक्त हैं। कृपया इन तीन दिनों को अव्यवहारणीय समझे। सोमवार आप के लिए मध्य फलदायक है।

ग्रह फल

सूर्य

अष्टमभाव में सूर्य हो तो जातक धैर्यहीन, निबुद्धि, सुखी, धनी, क्रोधी, चिन्तायुक्त एवं पित्तरोगी होता है।

मीन राशि में रवि हो तो जातक बुद्धिमान्, यशस्वी, व्यापारी, विवेकी ज्ञानी, योगी, प्रेमी, गुप्त विद्याओं में रुचि रखने वाला और स्वसुर से लाभन्वित होता है।

आपके जन्म समय में सूर्य की स्थिति अष्टम भाव में है अतः आपके पिता का स्वास्थ्य मध्यम रहेगा एवं यदा कदा शारीरिक रूप से वे कष्टानुभूति करेंगे। आपके प्रति उनके मन में पूर्ण स्नेह भाव रहेगा तथा जीवन में वे धन धान्य से परिपूर्ण रहेंगे एवं आपको समस्त शुभ एवं महत्वपूर्ण कार्यों में अपना पूर्ण सहयोग प्रदान करेंगे यदा कदा आप उनसे विशेष धन या सम्पत्ति भी अर्जित कर सकेंगे। साथ ही यात्रा एवं व्यापार संबंधी कार्यों में भी आपको सहयोग एवं निर्देश प्रदान करेंगे।

आपके मन में भी उनके प्रति पूर्ण सम्मान का भाव रहेगा एवं समय समय पर उनकी आज्ञा का आप पालन करते रहेंगे। आपके परस्पर संबंध मधुर रहेंगे परन्तु यदा कदा आपसी मतभेदों से इसमें कटुता या तनाव का वातावरण भी होगा परन्तु यह अल्प समय के लिए होगा। इसके साथ ही जीवन में आप सर्वप्रकार से पिता को सहयोग देंगे एवं अपनी ओर से उन्हें किसी भी प्रकार से कष्ट नहीं होने देंगे।

चन्द्र

द्वितीयभाव में चन्द्रमा हो तो जातक परदेशवासी, भोगी, सुन्दर मधुरभाषी, भाग्यवान्, सहनशील एवं शान्तिप्रिय होता है।

कन्या राशि में चन्द्रमा हो तो जातक सुन्दर, रूपवान, धनी ईमानदार, मधुरभाषी, सदाचारी, धीर, विद्वान, सुखी, सुन्दर वक्ता अधिक कन्या सन्तान वाला, ज्योतिष एवं कला प्रेमी होता है।

आपके जन्भ काल में चन्द्रमा द्वितीय भाव में स्थित है। अतः आपकी माता का स्वास्थ्य अच्छा रहेगा एवं कोई विशेष शारीरिक रूग्णता नहीं रहेगी। वे आपको हमेशा धनार्जन एवं विद्य ाध्ययन संबंधी कार्यों में पूर्ण सहयोग प्रदान करेंगी। साथ ही आपकी पारिवारिक उन्नति एवं पालन करने में भी उनकी मुख्य भूमिका रहेगी यदा कदा वे आपको नैतिक शिक्षा भी देंगी तथा आपके प्रति उनके हृदय में पूर्ण वात्सल्य का भाव रहेगा। इसके साथ ही जीवन में कई महत्वपूर्ण कार्यों की सिद्धि आप उनके सहयोग से ही करेंगे।

आप की भी माता के प्रति हार्दिक श्रद्धा रहेगी एवं उनकी आज्ञा पालन करने में आप गौरव की अनुभूति करेंगे। साथ ही जीवन में सर्वप्रकार से उनकी सेवा करना आप अपना कर्तव्य

समझेंगे तथा समयानुसार उनको आर्थिक सहयोग भी प्रदान करते रहेंगे। अतः आपकी परस्पर संबंध मधुर रहेंगे एवं जीवन में एक दूसरें की सहायता एवं सहयोग का आदान प्रदान करके सुखानुभूति करेंगे।

मंगल

लग्न (प्रथम) में मंगल हो तो जातक, चपल, क्रूर, महत्वाकांक्षी, विचार रहित, गुप्तरोगी, उतावला, लौहधातु एवं व्रणजन्य, कष्ट से युक्त, व्यवसायहानि, दुर्घटना की सम्भावना, दुःखी, निर्धन एवं साहसी होता है।

सिंह राशि में मंगल हो तो जातक शूरवीर, सदाचारी, कार्यनिपुण, स्नेहशील, परोपकारी, ज्योतिषी, गणितज्ञ, माता–पिता का आज्ञाकारी, गुरुजनों का आदर करने वाला, उदार एवं सफल होता है।

आपके जन्म काल में मंगल प्रथम भाव में स्थित है अतः आपके भाई बहिनों का स्वास्थ्य मध्यम रहेगा एवं यदा कदा शारीरिक अस्वस्थता उनमें परिलक्षित होगी। धन धान्य से वे प्रायः सुसम्पन्न ही दौरान आपकी– प्रति उनके मन में पूर्ण स्नेह भाव रहेगा एवं जीवन में आपको प्रायः अपना आर्थिक या अन्य प्रकार से सहयोग प्रदान करते रहेंगे।

आप भी उनको हृदय से चाहेंगे तथा उनकी वांछित सहायता एवं सहयोग करने के लिए हमेशा तत्पर रहेंगे। आपके परस्पर संबंध मधुर ही होंगे परन्तु यदा कदा मतभेद के कारण संबंधों में कटुता या तनाव भी उत्पन्न होगा लेकिन यह अल्प समय के लिए ही रहेगा उसके बाद सब कुछ सामान्य हो जाएगा। इस प्रकार मध्यम रूप से आप एक दूसरे का परस्पर सहयोग करते रहेंगे।

बुध

सातवेंभाव में बुध हो तो जातक सुन्दर, विद्वान्, कुलीन, व्यवसायकुशल, धनी, लेखक, सम्पादक, उदार, सुखी, अल्पवीर्य, दीर्घायु एवं धार्मिक होता है।

कुम्भ राशि में बुध हो तो जातक कुटुम्बहीन, दुःखी, अल्पधनी, झगड़ालू, प्रसिद्ध निर्बल स्वास्थ्य एवं प्रगति करने वाला होता है।

गुरु

लग्न (प्रथम) में गुरु हो तो जातक विद्वान् दीर्घायु, ज्योतिषी कार्यपरायण, लोकसेवक, तेजस्वी, प्रतिष्ठित, स्पष्टवक्ता, स्वाभिमानी, सुन्दर, सुखी, विनीत, पुत्रवान् धनवान्, राज्यमान, सुन्दर एवं धर्मात्मा होता है।

सिंह राशि में गुरु हो तो जातक धार्मिक, प्रेमी, कार्यकुशल, सभाचतुर शत्रुजित्,

आकर्षकव्यक्तित्व, उच्चाकांक्षी, सक्रिय, सुखी, कुशाबुद्धि साहित्य की ओर झुकाव, लेखक एवं उच्च सरकारी पद पर आसीन होता है।

शुक्र

दशम भाव में शुक्र हो तो जातक गुणवान्, दायालु, विलासी, ऐश्वर्यवान्, भाग्यवान्, न्यायवान् विजयी, गानप्रिय, धार्मिक ज्योतिषी एवं लोभी होता है।

वृष राशि में शुक्र हो तो जातक सुन्दर, ऐश्वर्यवान्, दानी, सदाचारी, सात्त्विक, परोपकारी, अनेक शास्त्रज्ञ, दृढ़, स्वतन्त्रकामुक, शौकीन तबीयत, संगीत–नृत्य तथा अन्य कलाओं में रुचि एवं आलसी होता है।

शनि

लग्न (प्रथम) में शनि मकर, कुम्भ तथा तुला का हो तो धनाढ्य, सुखी, धनु और मीन राशियों में हो तो अत्यन्त धनवान् और सम्मानित एवं अन्य राशियों का हो तो अशुभ होता है।

सिंह राशि में शनि हो तो जातक लेखक, अध्यापक, कार्यदक्ष, हठी, कमसन्तान, अभागा एवं ईर्ष्यालु स्वभाव वाला होता है।

राहु

लग्न (प्रथम) में राहु हो तो जातक कामी, दुर्बल, मनस्वी, अल्पसन्तति युक्त, राजद्वेषी, नीचकर्मरत दुष्ट, स्तकरोगी, स्वार्थी एवं बात–बात पर सन्देह करने वाला होता है।

सिंह राशि में राहु हो तो जातक चतुर, विचारक, सज्जन, नीति दक्ष एवं सत्पुरुष होता है।

केतु

सप्तम भाव में केतु हो तो जातक मतिमन्द, मूर्ख, दुखद विवाहित जीवन, पति–पत्नी में सम्बन्ध विच्छेद, शत्रुभीरु एवं सुखहीन होता है।

कुम्भ राशि में केतु हो तो जातक दुःखी, कर्णरोगी, भ्रमणशील, व्ययशील एवं साधारण धनी होता है।

स्वास्थ्य, व्यक्तित्व एवं प्रकृति

आपके जन्म समय में लग्न में सिंह राशि उदित हो रही थी जिसका स्वामी सूर्य है। सामान्यतया सिंह लग्न में उत्पन्न जातक साहसी पराक्रमी एवं तेजस्विता के भाव से युक्त रहते हैं। इनमें आत्मविश्वास की पूर्णता रहती है तथा अपने सांसारिक महत्व के शुभ एवं महत्वपूर्ण कार्यों को ये बुद्धिमता एवं पराक्रम से सम्पन्न करके उनमें इच्छित सफलता अर्जित करने में समर्थ रहते हैं। जीवन में धनैश्वर्य वैभव एवं सुख संसाधनों से ये युक्त रहते हैं एवं सुखपूर्वक इनका उपभोग करते हैं। धर्म के प्रति भी इनकी श्रद्धा रहती है तथा अन्य जनों के प्रति सहानुभूति की भावना रखते हैं। साथ ही ये विश्वसनीय होते हैं तथा नेतृत्व की क्षमता भी इनमें विद्यमान रहती है।

अतः इसके प्रभाव से आपका व्यक्तित्व आकर्षक होगा तथा अन्य जनों को प्रभावित करने में समर्थ होंगे। आप में निर्भीकता का भाव भी रहेगा तथा निर्भयता से अपने कार्यों को सम्पन्न करेंगे। इन कार्यों में आपको सफलता मिलेगी तथा भौतिक सुख संसाधन एवं अन्य सुखों तथा धन को अर्जित करने में समर्थ होंगे।

जीवन में अवसरानुकूल आप उदारता के भाव का भी प्रदर्शन करेंगे तथा अपने पुरूषार्थ एवं पराक्रम से उन्नति प्राप्त करेंगे प्रतियोगिता के क्षेत्र में आप सफल होंगे तथा शत्रु एवं प्रतिद्वन्दी आपसे प्रभावित रहेंगे जिससे राजनीति या अन्य कार्य क्षेत्र में आप प्रसिद्ध एवं प्रतिष्ठा के योग्य रहेंगे। लेकिन आपकी प्रवृति अन्य जनों से अपने को श्रेष्ठ समझने की रहेगी जिससे सामाजिक अवमानना होगी। अतः ऐसी प्रवृति का यत्नपूर्वक त्याग करना चाहिए।

लग्न में शनि की स्थिति के प्रभाव से आपका शारीरिक स्वास्थ्य सामान्य होगा तथा यदा कदा मानसिक अशांति की अनुभूति होगी। साथ ही यदा कदा आप अभिमान के भाव का भी प्रदर्शन करेंगे। यद्यपि आप एक तेजस्वी पुरूष होंगे परन्तु उग्रता के प्रदर्शन से आपको अनावश्यक समस्याओं तथा परेशानियों का सामना करना पड़ेगा। अतः क्रोध के भाव का आपको यत्नपूर्वक परित्याग करना चाहिए। धनैश्वर्य से भी आप युक्त रहेंगे तथा मध्यम रूप में परिश्रमपूर्वक इच्छित उन्नति एवं सफलता प्राप्त करेंगे। यदा कदा आपके कारण पारिवारिक समस्याएं भी उत्पन्न हो सकती हैं। स्त्री के प्रति आपका आकर्षण रहेगा तथा अधिकाशं कार्यों को उसी के अनुसार सम्पन्न करेंगे।

यद्यपि आप स्वभाविक रूप से गम्भीर तथा धैर्यशाली होंगे तथापि चंचलता के भाव की भी कमी नहीं होगी जिससे कार्यों में आप शीघ्रता करेंगे फलतः अनावश्यक व्यवधान उत्पन्न होंगे। धनैश्वर्य के प्रति आपका पूर्ण आकर्षण रहेगा तथा परिश्रमपूर्वक धनार्जन एवं सुख संसाधनों को अर्जित करेंगे तथा आनंदपूर्वक इनका उपभोग करेंगे। साथ ही सत्कार्यों को करने की भी आपकी प्रवृति रहेगी।

धर्म के प्रति आपकी सामान्य श्रद्धा रहेगी तथा यदा कदा ही धार्मिक कार्यकलापों को सम्पन्न करेंगे आपका मित्र वर्ग कम होगा परन्तु उनमें आप प्रिय तथा आदरणीय रहेंगे तथा उनसे

आवश्यक सहयोग भी मिलता रहेगा। इस प्रकार आप अपने पराक्रम, बुद्धि, परिश्रम तथा साहस के द्वारा जीवन में सफलताएं अर्जित करेंगे तथा प्रसन्नतापूर्वक सुखों का उपभोग करते हुए जीवन यापन करेंगे।

धन, परिवार, आंख एवं वाणी

आपकी जन्म कुंडली में द्वितीय भाव में कन्या राशि स्थित है जिसका स्वामी बुध है। अतः इसके प्रभाव से आप धन संग्रह के प्रति हमेशा यत्नशील रहेंगे तथा आपात्काल के लिए आपके पास कुछ न कुछ अवश्य रहेगा। आतिथ्य सत्कार की भावना की आप में प्रबलता रहेगी तथा इससे आपको हार्दिक प्रसन्नता प्राप्त होगी। फलतः समय समय पर आप अपने घर में अन्य जनों को आंमत्रित करते रहेंगे। आपका पारिवारिक जीवन शांत तथा प्रसन्नता से युक्त रहेगा तथा परिवार में समृद्धि बनी रहेगी। साथ ही परस्पर सेवा तथा सहयोग का भाव भी विद्यमान रहेगा। लेकिन पैतृक सम्पति की प्राप्ति आप अल्प मात्रा में ही करेंगे तथा जो कुछ अर्जित करेंगे अपने परिश्रम एवं पराक्रम से करेंगे।

यह स्थान वाणी का प्रतिनिधि भाव है तथा इसका स्वामी बुध वाणी का प्रतिनिधि है अतः इसके प्रभाव से आपकी वाणी में धुरता रहेगी तथा अन्य जनों को अपनी वाणी से प्रभावित करने में समर्थ रहेंगे। साथ ही अपने विचारों को भी आप सरल एवं स्पष्ट रूप से अभिव्यक्त करने में सफल होंगे। इसके साथ ही आप अपनी विद्वता से धनार्जन करेंगे तथा स्वर्ण आदि बहुमूल्य धातुओं को भी अर्जित करने में समर्थ रहेंगे। इस प्रकार आप धन वैभव से युक्त होकर आनन्द पूर्वक अपना जीवन व्यतीत करेंगे।

पराक्रम, सहोदर, प्रकाशन एवं लघुयात्राएं

आपके जन्म समय में तृतीय भाव में तुला राशि उदित हो रही थी जिसका स्वामी शुक्र है अतः इसके प्रभाव से आप एक प्रसन्नचित व्यक्ति होंगे तथा आपकी स्मरण शक्ति भी तीव्र होगी। साथ ही दीर्घकाल तक किसी वस्तु को याद रख सकेंगे तथा शीघ्र ही ज्ञान अर्जित करने में भी समर्थ रहेंगे। जीवन में भाई बहिनों से आप युक्त रहेंगे तथा इनका पूर्ण सुख एवं सहयोग प्राप्त होगा साथ ही आप भी उनको अपनी ओर से पूर्ण सुख सुविधाएं एवं आधुनिक उपकरणों से युक्त करने में हमेशा तत्पर रहेंगे परन्तु यदि वे आपकी अपेक्षा अनुसार व्यवहार नहीं करते है या कोई कार्य नहीं करते हैं तो आप शीघ्र उनपर उत्तेजित हो जाएंगे परन्तु पारिवारिक शान्ति तथा समृद्धि के लिए अपने पर नियंत्रण रखने में भी सफल रहेंगे।

आप एक साहसी तथा पराक्रमी व्यक्ति होंगे तथा उत्तेजना में कभी भी कोई महत्वपूर्ण निर्णय नहीं लेंगे। अपनी इसी बुद्धिमता के कारण आप धनवान होंगे तथा समाज में आदरणीय भी समझें जाएंगे। अपने सुख एवं वैभव पूर्ण जीवन के लिए आपको संचार संबन्धी उपकरण यथा दूर भाष दूरदर्शन या अन्य वस्तुओं की प्राप्ति होगी तथा आनन्द पूर्वक आप इनका उपभोग भी करेंगे। आप रोमांटिक संगीत के प्रिय रहेंगे तथा समय समय पर संगीत से अपना तथा अन्य जनों का मनोरंजन करेंगे। आपकी आनन्ददायक यात्राएं होती रहेंगी तथा दूर समीप की यात्राओं से इच्छित लाभ एवं ख्याति प्राप्त करेंगे। साथ ही यात्रा के मध्य नवीन मित्रों को बनाने में सफल रहेंगे तथा संबन्धियों से भी आप सहयोग प्राप्त करेंगे। आप सामाजिक तथा आर्थिक क्षेत्र में सफलता प्राप्त कर अपना जीवन सुख पूर्वक व्यतीत करेंगे साथ ही अध्ययन में भी रूचिशील रहेंगे। इसके अतिरिक्त आपका स्वभाव चंचलता से युक्त रहेगा तथा संतति अल्प मात्रा में ही होगी। परन्तु नौकरों तथा सेवकों की बहुलता रहेगी।

शिक्षा, माता, वाहन एवं जायदाद

आपके जन्म समय में चतुर्थ भाव में वृश्चिक राशि उदित हो रही थी जिसका स्वामी मंगल है। अतः इसके प्रभाव से आपको जीवन में समस्त सांसारिक एवं भौतिक सुखों की प्राप्ति होगी तथा प्रसन्नतापूर्वक इनका उपभोग करेंगे। आप ऐश्वर्यशाली व्यक्ति होंगे तथा समाज में सभी लोग आपके प्रभाव को स्वीकार करेंगे। इसके अतिरिक्त आधुनिक भौतिक उपकरणों एवं सुख संसाधनों से भी युक्त रहेंगे।

आप एक पराक्रमी एवं भाग्यशाली व्यक्ति होंगे तथा अपने इन्हीं गुणों से जीवन में चल एवं अचल सम्पत्ति के स्वामित्व को प्राप्त करेंगे। पिता से भी आपको प्रचुर मात्रा में चल एवं अचल संपत्ति की प्राप्ति होगी जिससे आपकी समृद्धि में वृद्धि होगी। चतुर्थेश मंगल के प्रभाव से आपको जमीन जायदाद संबंधी सम्पत्ति से शीघ्र एवं उचित लाभ के योग बनते है। अतः यदि आप इन क्षेत्रों में पूंजी निवेश करें तो प्रचुरमात्रा में लाभ अर्जित करने में समर्थ हो सकते है लेकिन विवादित सम्पत्ति का आपको कभी भी क्रय विक्रय नहीं करना चाहिए।

जीवन में आप उत्तम गृह से युक्त होंगे तथा यह विस्तृत क्षेत्र में होगा। यह आधुनिक उपकरणों एवं सजावट की वस्तुओं से सुसज्जित रहेगा। आपका घर किसी अच्छी कालोनी में होगा एवं पड़ोसी भी शिक्षित एवं बुद्धिमान होंगे लेकिन संबंधों में औपचारिक्ता रहेगी। इसके अतिरिक्त वाहन सुख भी उत्तम होगा तथा युवावस्था के बाद आप स्वयं के वाहन को आर्जित करके इसका उपभोग करेंगे।

आपकी माता जी तेजस्वी शिक्षित एवं बुद्धिमान महिला होंगी तथा पारिवारिक सदस्यों पर उनका पूर्ण प्रभाव रहेगा एवं सबका वह अपनी ओर से उचित देखभाल करेंगी। आपकी उन्नति में उनका विशेष योगदान रहेगा तथा समयानुसार उनसे आप वांछित नैतिक एवं आर्थिक सहयोग से लाभान्वित होते रहेंगे। आपका भी उनके प्रति पूर्ण श्रद्धा एवं सम्मान का भाव होगा तथा सुख दुख में उनका पूर्ण ध्यान रखेंगे तथा अपनी ओर से किसी भी प्रकार का कष्ट नहीं होने देंगे। इससे आपसी संबंधों में भी मधुरता बनी रहेगी।

विद्याध्ययन में प्रारंभ से ही आपकी रूचि रहेगी तथा अपनी बुद्धिमता से आप प्रारंभिक कक्षाओं से ही अच्छे अंक अर्जित करने में समर्थ होंगे। आप स्नातक परीक्षा सम्मानित रूप से उतीर्ण करेंगे। इससे आपके मन में उत्साह की वृद्धि होगी तथा पूर्ण उत्साह के साथ आप भविष्य में उन्नति के लिए प्रयत्नशील होंगे। इसके अतिरिक्त आप किसी तकनीकी या व्यावसायिक शिक्षा में भी डिग्री अर्जित कर सकते हैं।

प्रणय सम्बन्ध, सन्तान एवं बुद्धि

आपके जन्म समय में पंचम भाव में धनु राशि उदित हो रही थी जिसका स्वामी बृहस्पति है। अतः इसके प्रभाव से आप उद्यमी साहसी तथा पराक्रमी पुरूष होंगे। उच्चशिक्षा प्राप्त करने के लिए आप हमेशा रूचिशील रहेंगे तथा इसके लिए प्रयत्न भी करेंगे जिसमें आपको न्यूनाधिक सफलता प्राप्त होगी। आप उच्च श्रेणी के धार्मिक दार्शनिक तथा ईश्वर को मानने वाले व्यक्ति होंगे तथा धर्म तथा शास्त्र के अनुसार ही अपने अधिकांश सांसारिक महत्व के शुभ एवं महत्वपूर्ण कार्यो को सम्पन्न करेंगे। बृहस्पति के प्रभाव से आप मुक्त विचार धारा के व्यक्ति आत्म विश्वासी तथा धार्मिक क्षेत्र में उन्नति करने वाले होंगे तथा इसमें आपको श्रखयाति तथा मान सम्मान भी प्राप्त होगा। आपकी सीखने की शक्ति अत्यंत ही तीव्र होगी तथा शीघ्र ही आप नवीन विचारों का सृजन करने में भी समर्थ रहेंगे। साथ ही आपका अन्तर्ज्ञान हमेशा सही रहेगा।

आपकी पत्नी बुद्धिमान होगी तथा वे शांत स्वभाव की चतुर महिला होंगी। आपकी ईश्वर के प्रति श्रद्धा तथा समता के भाव की उत्पति वृद्धावस्था में होगी जिससे आप वांछित आदर एवं श्रखयाति प्राप्त करेंगे। आपके साथ में वह स्थितियों को अनुकूल बनाने में समर्थ रहेंगी। आपकी संतति संख्या सीमित रहेगी तथा उनका स्वभाव भी उत्तम रहेगा। साथ ही वे बुद्धिमान होंगे एवं अपने अपने क्षेत्र में वांछित सफलता अर्जित करेंगे। वृद्धावस्था में आपकी वे श्रद्धा पूर्वक सेवा करेंगे वे सभी उच्च शिक्षा प्राप्त करेंगे वैदिक ज्ञान या ज्योतिष पर भी आपकी श्रद्धा रहेगी इसके अतिरिक्त आप वाहन आदि से सुसम्पन्न, शत्रुनाशक, सज्जनों की सेवा करने वाले तथा भाग्यशाली पुत्रों से युक्त रहेंगे।

रोग, शत्रु, सेवक एवं मामा

आपके जन्म समय में षष्ठ भाव में मकर राशि उदित हो रही थी जिसका स्वामी शनि है। अतः इसके प्रभाव से कार्य क्षेत्र में आपको मजबूत विपक्ष का सामना करना पड़ेगा। यदि आप किसी के साथ कार्य कर रहें हो या अपने व्यवसाय के कार्य में किसी साझेदार का चुनाव कर रहें हो तो इससे साझेदार या जिसके लिए कार्य कर रहे है शत्रुता का भाव आरंभ हो सकता है। वैसे आप एक व्यावहारिक व्यक्ति है तथा यत्नपूर्वक शत्रुता के भाव की उपेक्षा करने के लिए तत्पर रहेंगे परन्तु आपके कार्य कलापों से प्रत्यक्ष या अप्रत्यक्ष रूप से अन्य जन प्रभावित होंगे जिससे वे आपका विरोध करेंगे तथा इसी सन्दर्भ में कोई मुकद्दमेबाजी प्रारंभ हो सकती है। आप अपने धैर्य शान्ति तथा प्रतिभा से अपने शत्रु या विरोधी पक्ष पर विजय प्राप्त करने में समर्थ रहेंगे। इसके साथ ही कभी भी शत्रुपक्ष की गतिविधियों से विचलित नहीं होंगे।

आपकी उचित सेवा करने के लिए आपके पास अच्छे नौकर होंगे लेकिन अधिक होने पर उनमें से कोई एक यदा कदा आपके लिए परेशानी पैदा कर सकता है। अतः सेवकों का चुनाव करते समय सावधान तथा सतर्क रहें। आपके संबन्धी कार्य क्षेत्र में आपके लिए हानि कारक रहेंगे तथा वास्तव में वे ही आपके मुख्य शत्रु होंगे अतः सोच समझकर अपने कार्यो को सम्पन्न करें। आप सीमित एवं आवश्यकता के अनुसार ही व्यय करेंगे। अतः ऋण आदि की आवश्यकता के अवसर बहुत कम आएंगे लेकिन युवास्था में यदा कदा ऐसी स्थिति आएगी परन्तु उसको संभालने में आप समर्थ रहेंगे। आपके मामा मामियों के प्रति पूर्ण अपनत्व का भाव रहेगा परन्तु आर्थिक या अन्य सहयोग अल्प मात्रा में ही प्रदान करेंगे। साथ ही मामियों का मामाओं पर प्रभाव रहेगा।

आर्थिक मुकद्दमे आपके लिए लाभदायक सिद्ध होंगे यद्यपि आप मुकद्दमे बाजी की उपेक्षा करेंगे तथा कोर्ट से बाहर ही उसका समाधान चाहेंगे। यदि ऐसा नहीं होता तो तभी आप कोर्ट में जाएंगे। इस प्रकार स्वपराक्रम एवं प्रभाव से शत्रु एवं विरोधी पक्ष पर विजय प्राप्त करके अपने सांसारिक कार्यो को सम्पन्न करने में तत्पर रहेंगे।

परिवार, विवाह एवं साझेदार

आपके जन्म समय में सप्तम भाव में कुम्भ राशि उदित हो रही थी जिसका स्वामी शनि है तथा बुध भी सप्तम भाव को प्रभावित कर रहा है सामान्यतया कुम्भ राशि की सप्तम भाव में स्थिति से जातक का सहयोगी उग्रस्वभाव पित प्रकृति कुल में श्रेष्ठ व्ययशील एवं सेवकों से युक्त रहता है तथा बुध के प्रभाव से वह सुशील बुद्धिमान एवं सांसारिक कार्य कलापों में दक्ष होता है।

अतः इसके प्रभाव से आपकी पत्नी सुशील स्वभाव की बुद्धिमान महिला होंगी तथा सांसारिक कार्य कलापों को बुद्धिमता से सम्पन्न करेंगी। वह अपने कुल में श्रेष्ठ होगी तथा बुध के प्रभाव से उनमें कर्तव्य परायणता का भाव भी विद्यमान होगा जिससे परिवार एवं समाज के प्रति अपने कर्तव्य का ईमानदारी से पालन करेंगी । इसके अतिरिक्त सहिष्णुता का भाव भी उनमें विद्य मान रहेगा।

आपकी पत्नी सुंदर एवं गौर वर्ण की आकर्षक महिला होंगी तथा उनका कद भी ऊंचा होगा। बुध के प्रभाव से उनका शारीरिक सौन्दर्य दर्शनीय होगा एवं सभी अंग पुष्ट एवं सुडौल होंगे जिससे उनके सौन्दर्य एवं व्यक्तित्व आकर्षक बना रहेगा। साहित्य संगीत एवं कला के प्रति उनकी रूचि रहेगी तथा सुंदर एवं कलात्मक वस्तुओं के संग्रह में प्रवृत रहेंगी। इस प्रकार कला संगीत एवं सौन्दर्य का वह संगम होंगी।

आपका विवाह विज्ञापन के माध्यम से सम्पन्न होगा तथा आप अपनी इच्छा से भी प्रेम विवाह सम्पन्न कर सकते हैं। विवाह के बाद आपका दाम्पत्य जीवन सुखी रहेगा एवं परस्पर प्रेम आकर्षण तथा अपनत्व का भाव होगा साथ ही सुख दुख में एक दूसरे का पूर्ण ध्यान रखेंगे तथा किसी भी प्रकार का कष्ट नहीं होने देंगे। आप दोनों बुद्धिमान एवं शिक्षित होंगे तथा जीवन में मूल्यों तथा सिद्धांतों में समानता रहेगी। अतः आपसी संबंधों में मधुरता रहेगी तथा जीवन प्रसन्नता पूर्वक व्यतीत होगा।

आपका विवाह किसी समृद्ध परिवार में होगा तथा ससुराल पक्ष धनवान एवं प्रभाशाली होगा। विवाह में आपको दहेज के रूप में प्रचुर मात्रा में धन सम्पति की प्राप्ति होगी एवं बहुमूल्य उपहार भी मिलेंगे। विवाह के बाद सास ससुर से आपके अच्छे संबंध रहेंगे तथा वे भी आपको पुत्रवत स्नेह प्रदान करेंगे तथा भविष्य में भी उनसे आर्थिक एवं नैतिक सहयोग मिलता रहेगा।

सास ससुर के प्रति आपकी पत्नी का प्रबल सेवा भाव रहेगा तथा अपनी ओर से उनका पूर्ण ध्यान रखेंगी। देवर एवं ननदों को भी अपने मधुर स्वभाव तथा मृदुवाणी से प्रसन्न तथा सन्तुष्ट रखेंगी तथा वे भी उन्हें वांछित सहयोग तथा सम्मान प्रदान करेंगे। इससे परिवार में सुख शांति बनी रहेगी।

व्यापार में साझेदारी के लिए स्थिति शुभ रहेगी तथा इससे आपको विशिष्ट लाभ एवं उन्नति की प्राप्ति होगी। संबंधी वर्ग से साझेदारी करने पर अतिरिक्त लाभ प्राप्त होगा।

आयु, दुर्घटना एवं बीमा

आपके जन्म समय में अष्टम भाव में मीन राशि उदित हो रही थी जिसका स्वामी बृहस्पति है। इसके प्रभाव से आप में अंतर्प्रज्ञा शक्ति विद्यमान रहेगी तथा ज्योतिष या तंत्र मंत्र का ज्ञान भी रहेगा। इस क्षेत्र में आपको इच्छित मान सम्मान एवं सफलता भी प्राप्त होगी तथा समय समय पर आप इससे लाभान्वित होते रहेंगे। आपको पैतृक सम्पत्ति की अवश्य प्राप्ति होगी या किसी वृद्ध संबन्धी की जमीन जायदाद भी आपको मिल सकती है। आप सर्वप्रकार से खुशहाल रहेंगे तथा चल एवं अचल सम्पत्ति के स्वामी बनेंगे। साथ ही आपके एक से अधिक आवास स्थल हो सकते हैं। शादी से आपको लाभ होगा तथा आपकी पत्नी किसी धनाढ्य परिवार से सम्बन्धित होगी अथवा वे किसी कार्य क्षेत्र में रत हो सकती है। साथ ही आपके ससुराल वाले आपको अपेक्षा से अधिक धन एवं अन्य कीमती वस्तुएं प्रदान करेंगे ।

बीमा आदि करवाने से भी आपको समय समय पर लाभ हो सकता है लेकिन दीर्घावधि की अपेक्षा यदि आप लधुअवधि के बीमे करवाएं तो इसमें आपको शीघ्र एवं प्रचुर मात्रा में लाभ होगा तथा सम्बधित वस्तु या प्राणी की पूर्ण सुरक्षा रहेगी। अतः आपको बीमा अवश्य करवाना चाहिए। आपकी कुंडली में चोरी आदि के द्वारा कोई हानि नहीं है यद्यपि जीवन में एक बार चोर अवश्य आपके यहां आएंगे लेकिन वे कोई कीमती वस्तु को चुराने में असफल रहेंगे क्योंकि आप पूर्व ही सतर्क हो जाएंगे तथा बहुमूल्य वस्तुओं की विशेष सुरक्षा करेंगे। आपकी आयु उत्तम रहेगी तथा सामान्य जीवन सुख एवं प्रसन्नता पूर्वक ही व्यतीत होगा।

प्रसिद्धि, पूजा, उच्चशिक्षा एवं लम्बी यात्राएं

आपके जन्म समय में नवम भाव में मेष राशि उदित हो रही जिसका स्वामी मंगल है अतः इसके प्रभाव से आप ईश्वर की सत्ता पर विश्वास करेंगे तथा धार्मिक एवं पारिवारिक रीति रिवाजों को सम्पन्न करने में तत्पर रहेंगे। आप प्रतिदिन भगवान का ध्यान अवश्य करेंगे परन्तु पूजा पाठ आदि में आपकी कोई विशेष रूचि नहीं रहेगी । क्योंकि आपके विचार से यह पद्धति कुछ लोगों के द्वारा अपने स्वार्थ की पूर्ति के लिए बनाई गई है। धार्मिक कार्यों पर व्यय करने में भी आप अत्यधिक सतर्कता का पालन करेंगे जिससे ऐसे मामलों में अन्य लोग आपको धोखा न दे सकें। आप ध्यान समाधि या योगादि के भी इच्छुक रहेंगे तथा तंत्र मंत्र में भी यदा कदा रूचि का प्रदर्शन करेंगे। तीर्थ स्थानों की यात्रा आदि करने में भी आपकी कोई विशेष रूचि नहीं रहेगी। दूसरे शब्दों में आप भीड़ से तथा पूजा आदि संस्कारों से घबराहट की अनुभूति करते है। आपको शान्ति पूर्ण स्थान अच्छा लगेगा। साथ ही धार्मिक आध्यात्मिक, तंत्र मंत्र, ज्योतिष तथा इनसे सम्बन्धित शास्त्रों का अध्ययन करने में रूचिशील रहेंगे।

आप में अन्तर्प्रज्ञा शक्ति रहेगी तथा भविष्यवाणी आदि करने में भी आप समर्थ रहेंगे। आप उच्च शिक्षा प्राप्त व्यक्ति होंगे तथा इससे समाज में आपको आदर तथा ख्याति प्राप्त होगी । यदि आप कहीं विकट परिस्थितियों में फंसेंगे तो भाग्य बल से इससे सुरक्षित हो जाएंगे। लम्बी दूरी की यात्राओं से आप लाभ तथा विशिष्ट उपलब्धियां अर्जित करेंगे। पौत्रों से आपको खुशी एवं सुख प्राप्त होगा साथ ही समाज में एक प्रतिष्ठित व्यक्ति रहेंगे तथा सभी लोग आपके प्रभुत्व को स्वीकार करेंगे। आपके पूर्वजन्म के पुण्य इस जन्म में आपको खुशहाली प्रदान करेंगे। इसके अतिरिक्त आपके मन में सेवा प्रवृति रहेगी तथा प्राणिमात्र की सेवा करके अपनी दयालुता का परिचय देंगे।

व्यवसाय, पिता एवं सामाजिक स्तर

आपके जन्म समय में दशमभाव में वृष राशि उदित हो रही थी जिसका स्वामी शुक्र है। साथ ही शुक्र भी स्वराशि में स्थित होकर दशमभाव में ही स्थित है। वृष राशि भूमितत्व तथा शुक्र जलतत्व युक्त ग्रह है। अतः इनके प्रभाव से आपका कार्यक्षेत्र बौद्धिक एवं मानसिक क्रिया प्रधान होगा तथा जलतत्व ग्रह के प्रभाव से इसमें आप सामान्यतया परिवर्तन करते रहेंगे तथा ऐसे परिवर्तनों से आपको लाभ एवं उन्नति की प्राप्ति होगी जिससे आप मानसिक सन्तुष्टि की अनुभूति करेंगे।

दशमभाव में स्वगृही शुक्र के प्रभाव से आजीविका में आपके लिए कला, संगीत, सिनेमा, नाटक, दूरदर्शन विभाग, इलैक्ट्रोनिक्स विभाग, न्याय विभाग, न्यायधीश, वकील, सचिव, सलाहकार, फिल्म निदेशक या कलाकार के रूप में कार्य करना शुभ एवं अनुकूल होगा। इन क्षेत्रों में यदि आप अपनी आजीविका प्रारंभ करते है तो आपको वांछित उन्नति एवं सफलता की प्राप्ति होगी तथा अनावश्यक समस्याओं तथा व्यवधानों से सुरक्षित रहेंगे। अतः आप को उपरोक्त विभागों में ही अपने कार्यक्षेत्र का चयन करना चाहिए।

व्यापारिक दृष्टि से आपके लिए चांदी, सोना, हीरा आदि रत्न एवं धातु का कार्य, चतुष्पद या वाहन संबंधी क्रय विक्रय, आलंकारिक एवं मूल्यवान वस्त्रों का व्यापार, सौन्दर्य प्रसाधन संबंधी कार्य, सफेद वस्त्रों या रेशमी वस्त्रों का व्यापार एवं आयात निर्यात से भी लाभ होगा। साथ ही कीमती शराब, इलैक्ट्रोनिक्स उपकरण एवं फिल्म निर्माण का कार्य भी शुभ एवं अनुकूल रहेगा। अतः व्यापार से वांछित लाभ अर्जित करने के लिए आपको इन्हीं वस्तुओं या क्षेत्रों में व्यापार प्रारंभ करना चाहिए।

दशमेश की दशमभाव में स्थिति के प्रभाव से जीवन में आपको मान सम्मान तथा प्रतिष्ठा की प्राप्ति होगी तथा किसी उच्चपद को भी प्राप्त करने में सफल होंगे। साथ ही सामाजिक सांस्कृतिक संस्थाओं एवं क्लब आदि में भी आप कोई सम्मानीय पदाधिकारी हो सकते है। इससे आपके सामाजिक प्रभाव में वृद्धि होगी तथा यश भी दूर दूर तक व्याप्त होगा। इसके साथ ही आप सामाजिक एवं राज्यस्तर पर कोई सम्मान भी प्राप्त कर सकते है।

आपके पिता सुंदर एवं आकर्षक व्यक्तित्व के स्वामी होंगे तथा सामाजिक जन उनसे पूर्ण रूप से प्रभावित रहेंगे। साथ ही वह बुद्धिमान शिक्षित एवं मनोरंजक प्रवृति के भी व्यक्ति होंगे। आपके प्रति उनके मन में पूर्ण वात्सल्य तथा अपनत्व का भाव होगा एवं शिक्षा दीक्षा का वे उचित प्रबंध करेंगे। कार्यक्षेत्र में भी पिता से आपको पूर्ण सहयोग प्राप्त होगा एवं उनके प्रभाव से भी आप उन्नति के मार्ग पर अग्रसर होंगे। आप दोनों के परस्पर संबंधों में मधुरता रहेगी तथा सैद्धान्तिक तथा वैचारिक समानता भी होगी। इसके अतिरिक्त पिता के आप आज्ञाकारी रहेंगे तथा जीवन में शुभ एवं महत्वपूर्ण कार्यो को एक दूसरे के सहयोग एवं सलाह से सम्पन्न करेंगे। इस प्रकार आपका जीवन सुख पूर्वक व्यतीत होगा।

लाभ, मित्र, समाज एवं ज्येष्ठ भ्राता

आपके जन्म के समय में एकादश भाव में मिथुन राशि उदित हो रही थी जिसका स्वामी बुध है। इसके प्रभाव से आप महत्वाकांक्षी व्यक्ति होंगे तथा मन हमेशा उमंगो से युक्त रहेगा तथा आपकी मानसिक इच्छाएं समय समय पर आपके परिश्रम तथा योग्यता से पूर्ण होती रहेंगी। आप एक चतुर व्यक्ति होंगे तथा उन्नति के मार्ग पर हमेशा अग्रसर रहेंगे। आप सक्रिय व्यक्ति होंगे तथा विभिन्न प्रकार के कार्यो को करने में आप तत्पर रहेंगे। साथ ही लेखन कमीशन संवाददाता, ज्यौतिष तथा व्यापार से इच्छित धन लाभ अर्जित करने में समर्थ रहेंगे तथा इन्हीं क्षेत्रों में आपको लाभ होगा। आपका बड़ी बहनों के प्रति पूर्ण लगाव रहेगा तथा उनसे पूर्ण सुख सहयोग एवं स्नेह की प्राप्ति होगी। साथ ही भाइयों से भी नैतिक सहयोग मिलता रहेगा।

आपके मित्रों की संख्या अधिक रहेगी तथा मित्र मंडली के आप सम्मानीय सदस्य समझे जाएंगे तथा आपके सभी मित्र शिक्षित चतुर एवं विद्वान होंगे। मित्रों के बीच में आपको नवीन आनन्द की प्राप्ति होगी तथा आपस में विषय विशेष के प्रति भी तर्क होंगे जिससे आपके ज्ञान में वृद्धि होगी। साथ ही सामाजिक जनों के विषय में भी आप चिन्तित रहेंगे तथा उनके परोपकार संबन्धी कार्यो को करने में तत्पर रहेंगे एवं मानवता के आदर्श गुणों से भी युक्त रहेंगे। आप जिस क्षेत्र में रहते है वहां के लोगों तथा पड़ोसियों से आपके मधुर संबंध रहेंगे तथा सभी लोगों के मध्य आप की प्रतिष्ठा तथा ख्याति रहेगी। आपको समय समय पर विशेष सम्मान भी मिलते रहेंगे। इसके अतिरिक्त आप बुद्धिजीवी वर्ग से हमेशा प्रभावित रहेंगे तथा उनसे संबंध स्थापित करके आनन्द की अनुभूति करेंगे। इस प्रकार आप सुख पूर्वक अपना जीवन व्यतीत करने में समर्थ रहेंगे।

विदेश यात्रा, हानि, बन्धन एवं कर्ज

आपके जन्म समय में द्वादश भाव में कर्क राशि उदित हो रही थी जिसका स्वामी चन्द्रमा है। अतः इसके प्रभाव से आप सामान्यतया भाग्यशाली होंगे तथा आर्थिक दृष्टि से आपके कई स्रोत होंगे जिससे आर्थिक स्थिति सुदृढ़ रहेगी। आप किसी संस्था या सरकार में किसी उच्च पद को भी प्राप्त कर सकते हैं। आपको महत्वपूर्ण कार्यों पर विशेष ध्यान देना चाहिए तथा कम महत्वपूर्ण कार्यों को अपने सहायकों के लिए छोड़ देना चाहिए जिससे वे अपने आपको आपसे उपेक्षित न समझें।

आपका व्यय अधिक मात्रा में रहेगा फलतः अवस्था के साथ साथ यदा कदा आर्थिक परेशानी की अनुभूति कर सकते हैं आप एक स्वच्छंद प्रवृति के व्यक्ति होंगे तथा उन्मुक्त रूप से व्यय करेंगे तथा बिना अपनी स्थिति देखे हुए कई बार अन्य जनों की सहायता के लिए तत्पर हो जाएंगे। इससे आपके मान सम्मान में वृद्धि तो अवश्य होगी लेकिन आर्थिक स्थिति पर इसका दुष्प्रभाव पड़ेगा अतः आपको इस आदत पर नियंत्रण रखना चाहिए। अपने मान सम्मान की रक्षा के लिए आप कभी कभी अनावश्यक व्यय करने के लिए तैयार हो जाएंगे। इससे भी आर्थिक स्थिति प्रभावित होगी अतः आपको ऐसे व्ययों पर अंकुश रखना चाहिए। युवावस्था में आपको कई प्रकार के उतार चढ़ाव देखने पड़ेगें लेकिन व्यय आप जो भी तथा जहां भी करेंगे वह अच्छे कार्य के लिए ही होगा।

आपकी दूर समीप की यात्राएं प्रायः सम्पन्न होती रहेंगी। साथ ही इनसे आपको लाभ एवं सम्मान प्राप्त होगा। आपकी सामान्य यात्राएं व्यापार या विभागीय के कार्य से होंगी साथ ही विदेश भ्रमण के भी योग बनते है तथा काफी समय तक आपका प्रवास हो सकता है। इस प्रकार आपका सामान्य जीवन सुख एवं प्रसन्नता पूर्वक व्यतीत होगा।

नक्षत्रफल

आप हस्त नक्षत्र के द्वितीय चरण में उत्पन्न हुए हैं। अतः आपकी जन्मराशि कन्या तथा राशिस्वामी बुध होगा। नक्षत्र के अनुसार आपका गण देव नाड़ी आद्य, योनि महिष,वर्ण वैश्य तथा वर्ग मेष होगा। नक्षत्र के चरणानुसार आपके नाम का प्रारम्भ "ष" अक्षर से होगा।

आप नैसर्गिक रूप से दानशील पुरूष होंगे तथा यथा शक्ति जरूरतमंद लोगों को जीवन में दान देते रहेंगे। समाज में आप लोकप्रिय होंगे तथा आपकी ख्याति दूर दूर तक व्याप्त रहेगी। समाज के सभी वर्गों के प्रति आपके मन में सद्भाव विद्यमान रहेगा तथा अन्यजन भी आपको हार्दिक मान सम्मान प्रदान करेंगे। देवता तथा ब्राहमणों के प्रति आपके मन मैं अगाध श्रद्धा का भाव रहेगा तथा इनके पूजन एवं सत्कार में आप सदैव तत्पर रहेंगे। इसके साथ ही आप अपने जीवन में विभिन्न प्रकार की सम्पत्तियों को अर्जित करके सुख पूर्वक इनका उपभोग करने में समर्थ रहेंगे।

दाता मनस्वी सुतरां यशस्वी भूदेवदेर्वाचनकृत्प्रयत्नतः।
प्रसूति काले यदि यस्य हस्तो हस्तोद्गता तस्य समस्तसम्पत्।।
जातकाभरणम्

अर्थात् हस्त नक्षत्र में उत्पन्न जातक दाता, मनस्वी, अतियशवाला, देवता और ब्राह्मणों का भक्त तथा सर्वप्रकार की सम्पति से सदैव युक्त रहता है।

आप सांसारिक तथा भौतिक भोग्य पदार्थों का अपने जीवन में प्रसन्नता पूर्वक उपभोग करने में सफल रहेंगे तथा परलौकिक कर्मों के लिए दान पुण्य इत्यादि धार्मिक क्रियाकलापों को भी सम्पन्न करते रहेंगे। इससे आप इस लोक तथा परलोक दोनों जगह आनन्द की प्राप्ति करेंगे। आप एक श्रेष्ठ विद्वान होंगे तथा आपकी बुद्धि भी अत्यन्त तीव्रता से युक्त रहेगी। फलतः बुद्धिचातुर्य से अपने सांसारिक कार्यों में सफलता अर्जित करेंगे। समाज के सभी वर्गों के परोपकार संबंधी कार्यों में आप पूर्णतया समर्पित रहेंगे तथा यत्न पूर्वक अपना तन मन धन से सहयोग प्रदान करेंगे। साथ ही आप विपुल धन के स्वामी भी बनेंगे।

हस्तर्क्षे यदि कामधर्मनिरतः प्राज्ञोपकर्ता धनी।
जातकपरिजातः

अर्थात हस्त नक्षत्रोत्पन्न जातक सांसारिक भोग्य पदार्थ तथा पारलौकिक शुभ कर्मो को करने वाला तथा धनवान होता है।

उत्साह से आप हमेशा सुसम्पन्न दौरान आपकी– समस्त कार्य उत्साह पूर्वक ही सम्पन्न एवं सिद्ध होंगे। कभी कभी आप मन से कठोरता का भी प्रदर्शन करेंगे।

उत्साही धृष्टः पानपोळघृणी तस्करो हस्ते।
बृहज्जातकम्

अर्थात् हस्त नक्षत्र में उत्पन्न जातक उत्साही, लज्जाहीन, मदिरा का सेवन करने वाला, घृणा न करने वाला एवं तस्कर होता है।

अवसरानुकूल आप मिथ्याभाषण भी करेंगी। तथा स्वभाव से मदृता का आभास होगा। आप अपने समीपस्थ बन्धु बाधवों से भी युक्त रहेंगे तथा इनसे आपको सहयोग प्राप्त होता रहेगा। इसके अतिरिक्त महिला वर्ग से भी आपके मित्रतापूर्ण घनिष्ठ संबंध रहेंगे।

असत्यवचनो धृष्टः सुरापी बन्धुवर्जितः।
हस्तो जातो नरश्चौरो जायते पारदारिकः।।
मानसागरी

अर्थात् हस्त नक्षत्र में उत्पन्न जातक झूठ बोलने वाला, निर्लज्ज, मद्यपान करने वाला बन्धुओं द्वारा वर्जित, चोर तथा अन्य स्त्रियों से सम्बन्ध रखने वाला होता है।

आप का जन्म रजत पाद में हुआ है। अतः धन सम्पति से आप सर्वदा सुसम्पन्न रहेंगे तथा जीवन में आपके पास इसका अभाव नहीं रहेगा। साथ ही समस्त भौतिक सुखसंसाधनों को आप प्राप्त करेंगे एवं सुखपूर्वक इनका उपभोग भी करेंगे। आप एक बुद्धिमान पुरूष होंगे तथा दानशीलता की प्रवृति भी आपके मन में नित्य विद्यमान रहेगी। साथ ही सहनशीलता के भाव से भी आप युक्त रहेंगे। आप अपने सभी शुभ एवं महत्वपूर्ण कार्यों में प्रायः सफलता ही अर्जित करेंगे। आप की शारीरिक कान्ति दर्शनीय रहेगी तथा मुखाकृति सुन्दर एवं आकर्षक होगी। समाज में आप एक आदरणीय एवं श्रद्धेय पुरूष समझें जाएंगे। आप विस्तृत परिवार के भी स्वामी होंगे। अपने सम्भाषण में आप नित्य प्रिय एवं मधुर वाणी का उपयोग करेंगे तथा सभी प्रकार के सांसारिक सुखों का प्रसन्नता पूर्वक उपभोग करेंगे। विद्याध्ययन में आप रूचिशील रहेंगे तथा एक विद्वान के रूप में भी आप ख्याति प्राप्त करेंगे। इसके साथ ही आप अल्प मात्रा में बोलना पसन्द करेंगे।

कन्या राशि में उत्पन्न होने के कारण आपके हाथों की लम्बाई अधिक होगी तथा दाँत, नाक, कान तथा मुख मंडल सुन्दर एवं दर्शनीय होंगे। स्त्रियों के लिए आपके मन में स्नेहाधिक्य रहेगा। आप एक उच्च कोटि के विद्वान होंगे तथा कई धार्मिक संस्थाओं के उच्च पदों पर आप आसीन रहेंगे। धर्म के प्रति आपमें विशेष श्रद्धा एवं आस्था का भाव रहेगा तथा यत्न से धर्मानुपालन में तत्पर रहेंगे। आप सर्वदा अपने भाषण में प्रिय एवं मधुर वाणी का ही उपयोग करेंगे जिससे सभी लोग आपसे प्रभावित रहेंगे। साथ ही सत्य एवं शुद्धता के प्रति भी आप विशेष रूप से ध्यान रखेंगे तथा यत्नपूर्वक इसका पालन करेंगे। आप एक धैर्यवान पुरूष होंगे फलतः सभी कार्यों को शीघ्रता से नहीं अपितु धैर्यपूर्वक सम्पन्न करेंगे। परोपकारी वृत्ति भी आपके मन में विद्यमान रहेगी तथा इस वृत्ति का आप पालन करते रहेंगे। साथ ही समस्त जीव तथा प्राणियों के प्रति आपके मन में

दया एवं करूणा का भाव विद्यमान रहेगा। देखने में आपका सौन्दर्यशाली रूप सभी को आकर्षित करेगा। आपका सम्पूर्ण जीवन सुख एवं वैभव से सम्पन्न होगा लेकिन संतति संख्या में कन्याओं की संख्या अधिक तथा पुत्रों की संख्या अल्प मात्रा में रहेगी।

स्त्रीलोलो लम्बबाहुर्ललिततनुमुखश्चारूदन्ताक्षिणिकर्णौ।
विद्वानाचार्य धर्मा प्रियवचनयुतः सत्यशील प्रधानः।।
धीरः सत्वानुकम्पी परविषयरतः क्षान्तिसौभाग्यभागी।
कन्याप्रायप्रसूतिबहुसुतरहितः कन्यकायां शशाङ्कः।।
सारावली

आप लज्जा तथा आलस्यमय दृष्टि से युक्त होकर गमनशील रहेंगे। आपके कंधे तथा भुजाएँ भी शिथिलता से युक्त होंगी। आप समस्त प्रकार के सुखों का आनन्द पूर्वक अपने जीवन काल में उपभोग करेंगे तथा नाना प्रकार की कलाओं के आप ज्ञाता रहेंगे। विविध प्रकार के शास्त्रों के तत्व ज्ञान को प्राप्त करने में भी आप सफल रहेंगे। सभी वर्गों के प्रति कार्य करने की इच्छा का आप में बाहुल्य रहेगा इसके अतिरिक्त आप किसी अन्य मित्र या संबंधी के घर एवं धन का उपयोग करने वाले भी होंगे तथा विदेश जाने की इच्छा भी आप में निरन्तर बनी रहेगी।

व्रीळामंथरचारूवीक्षणगतिः स्रस्तांसवाहुः सुखी।
श्लक्षणः सत्यरतः कलासुनिपुणः शास्त्रार्थविद्वार्मिकः।।
मेधावी सुरतप्रियः परगृहे वितैश्च संयुज्यते।
कन्यायां परदेशगः प्रियवचः कन्याप्रजोळल्पात्मजः।।
बृहज्जातकम्

आप स्त्री जाति को अपनी हास्य एवं विलासी क्रियाओं एवं मुद्राओं के द्वारा प्रसन्न करने तथा अपनी ओर आकर्षित करने की कला में अत्यन्त निपुण होंगे। आपका स्वभाव छल कपट विहीन तथा चाल चलन उत्तम होगा। आप हमेशा अच्छे कार्यों को करने के लिए प्रयत्नशील रहेंगे पापकर्मों में आप की कोई भी अभिरूचि नहीं होगी। साथ ही आप एक सौभाग्यशाली पुरूष होंगे तथा अपने जीवन के अधिकाँश शुभ एवं महत्वपूर्ण कार्यों को भाग्यबल से ही सम्पन्न करने में सफलता को अर्जित करेंगे।

युवतिगे शशिनि प्रमदाजनप्रबलकेलिबिलासकुतूहलैः।
विनयशील सुताजननोत्सवै सुविधिना सहितः पुभान।।
जातकाभरणम्

आपकी बुद्धि छल से विहीन निर्मल रहेगी तथा लेखन कार्य के प्रति आप हमेशा यत्नशील रहेंगे। अतः काव्य सृजन करने में सफलता अर्जित करेंगे। आपका स्वभाव शान्त होगा परन्तु कभी कभी आपको नेत्र कष्टों से पीड़ित रहना पडेगा साथ ही आप गुरूजनों के हित कार्यों को करने के लिए भी तत्पर रहेंगे।

विमलमति सुशीलो लेखबुद्धिः कविश्च।
कृषिबलगुणशाली शान्तियुग्मः स्वभावः।।
भवति नयनरोगी धार्मिकः शीलयुक्तः।।
गुरूजन हितकर्ता कन्यका यस्य राशिः।।
जातकदीपिका

आप विलासमय प्रवृति से युक्त रहेंगे तथा समस्त भौतिक एवं विलासमयी वस्तुओं पर खुले हाथ से व्यय करेंगे तथा जीवन में आनन्द पूर्वक इसका उपभोग करेंगे। आप भद्र पुरूषों के प्रति अत्यन्त ही सम्मान का भाव अपने मन में रखेंगे तथा ये लोग भी प्रायः आपसे प्रसन्न तथा सन्तुष्ट रहेंगे। आप अपनी दानशील प्रवृति का प्रदर्शन समयानुसार करते रहेंगे। वैदिक धर्म के प्रति आपकी पूर्ण आस्था एवं श्रद्धा रहेगी तथा जीवन में इसका पालन करेंगे। समाज में आप एक लोकप्रिय व्यक्ति होंगे जिसे उचित मान सम्मान की प्राप्ति होगी। संगीत तथा अभिनय के प्रति आप पूर्ण रूपेण समर्पित रहेंगे तथा आजीवन इनसे आप का गहन संबंध रहेगा। साथ ही आप प्रवासी भी होंगे।

विलासी सुजनाह्लादी सुभगो धर्मपूरितः।
दातादक्षः कविर्बुद्धि वेदमार्ग परायणः।।
सर्वलोकप्रियो नाट्यगान्धर्व व्यसने रतः।
प्रवासशीलः स्त्री दुखी कन्याजातो भवेन्नरः।।
मानसागरी

आपका सम्पूर्ण जीवन सुख ऐश्वर्य से युक्त होकर व्यतीत होगा। कामभावना संबंधी भावनाओं की आप में प्रबलता रहेगी फलतः आप इससे यदा कदा व्याकुलता का एहसास करेंगे। अन्य लोगों के प्रति आपके मन में सहानुभूति एवं सद्भावना विद्यमान रहेगी इसके अतिरिक्त विविध शास्त्रों तथा कलाओं में भी आप निपुण रहेंगे।

कन्यास्थे विषयातुरो ललितवाग्मि विद्याधिको भोगवान।
जातकपरिजातः

देव गण में उत्पन्न होने के कारण आपकी वाणी श्रेष्ठ तथा मधुर होगी जो अन्य जनों को सुनने में प्रिय लगेगी। आप सत्य के पालन में हमेशा तत्पर रहेंगे। आप अत्यन्त ही सरल बुद्धि के स्वामी होंगे। आप अपने भावों को सादगी से प्रकट करेंगे तथा अन्यजनों के भावों को सादगी से ग्रहण करेंगे। आप शुद्ध एवं सात्विक भोजन करना पसन्द करेंगे। गुणों के विषय में आप पूर्ण ज्ञाता होंगे तथा स्वयं भी श्रेष्ठ विद्वानों के द्वारा वर्णित गुणों से सर्वदा युक्त रहेंगे। आप सभी प्रकार की सम्पति तथा धनैश्वर्य से सर्वप्रकार सम्पन्न रहेंगे तथा जीवन में कभी इनका अभाव महसूस नहीं करेंगे।

आपका सौन्दर्य तथा स्वास्थ्य दर्शनीय रहेगा तथा स्वभाव से ही दानशीलता की प्रवृति

से युक्त रहेंगे। सादगी आपको बहुत पसन्द होगी तथा जीवन को सादगी पूर्ण ढंग से व्यतीत करने में आप प्रसन्नता की अनुभूति करेंगे। साथ ही अपने समाज में आप एक श्रेष्ठ विद्वान के रूप में पूज्य रहेंगे।

सुस्वरः सरलोक्तमतिः स्यादल्पभोजन करो हि नरश्च।
जायते सुरगणे डणज्ञः सुज्ञवर्णितगुणो द्रविणाढ्यः।।
जातकाभरणम्

अर्थात देवगण का जातक अच्छी वाणी वाला, सरल बद्धि से युक्त, अल्प मात्रा में भोजन करने वाला, अन्य जनों के गुणों का ज्ञाता, महान विद्वानों द्वारा वर्णित गुणों से युक्त तथा वैभवशाली होता है।

महिष योनि में पैदा होने के कारण आप वादविवादों तथा लड़ाई झगड़े के मामलों में सर्वथा विजयी रहेंगे। साथ ही शूरता तथा वीरता के लक्षणों से भी आप सुसम्पन्न रहेंगे तथा साहस एवं वीरता के साथ अपने कार्य कलापों को सम्पन्न करेंगे। आपकी संतति संख्या भी अधिक होगी। इसके अतिरिक्त धर्म के प्रति भी आपके मन में पूर्ण निष्ठा व्याप्त रहेगी तथा यत्नपूर्वक धर्माचरण में तत्पर रहेंगे।

संग्रामे विजयी योद्धा सकामस्तु बहुप्रजः।
वाताधिको मन्दमतिर्नरो महिषयोनिजः।।
मानसागरी

अर्थात् महिष योनि में उत्पन्न जातक युद्ध के मैदान में विजय प्राप्त करने वाला, योद्धा, कामाग्नि से प्रबल, अधिक संतति वाला, वायु प्रधान प्रवृति तथा धर्म के प्रति निष्ठावान रहता है।

आपके जन्भ काल में चन्द्रमा द्वितीय भाव में स्थित है। अतः आपकी माता का स्वास्थ्य अच्छा रहेगा एवं कोई विशेष शारीरिक रूग्णता नहीं रहेगी। वे आपको हमेशा धनार्जन एवं विद्य ाध्ययन संबंधी कार्यों में पूर्ण सहयोग प्रदान करेंगी। साथ ही आपकी पारिवारिक उन्नति एवं पालन करने में भी उनकी मुख्य भूमिका रहेगी यदा कदा वे आपको नैतिक शिक्षा भी देंगी तथा आपके प्रति उनके हृदय में पूर्ण वात्सल्य का भाव रहेगा। इसके साथ ही जीवन में कई महत्वपूर्ण कार्यों की सिद्धि आप उनके सहयोग से ही करेंगे।

आप की भी माता के प्रति हार्दिक श्रद्धा रहेगी एवं उनकी आज्ञा पालन करने में आप गौरव की अनुभूति करेंगे। साथ ही जीवन में सर्वप्रकार से उनकी सेवा करना आप अपना कर्तव्य समझेंगे तथा समयानुसार उनको आर्थिक सहयोग भी प्रदान करते रहेंगे। अतः आपकी परस्पर संबंध मधुर रहेंगे एवं जीवन में एक दूसरें की सहायता एवं सहयोग का आदान प्रदान करके सुखानुभूति करेंगे।

आपके जन्म समय में सूर्य की स्थिति अष्टम भाव में है अतः आपके पिता का स्वास्थ्य मध्यम रहेगा एवं यदा कदा शारीरिक रूप से वे कष्टानुभूति करेंगे। आपके प्रति उनके मन में पूर्ण स्नेह भाव रहेगा तथा जीवन में वे धन धान्य से परिपूर्ण रहेंगे एवं आपको समस्त शुभ एवं महत्वपूर्ण कार्यों में अपना पूर्ण सहयोग प्रदान करेंगे यदा कदा आप उनसे विशेष धन या सम्पत्ति भी अर्जित कर सकेंगे। साथ ही यात्रा एवं व्यापार संबंधी कार्यों में भी आपको सहयोग एवं निर्देश प्रदान करेंगे।

आपके मन में भी उनके प्रति पूर्ण सम्मान का भाव रहेगा एवं समय समय पर उनकी आज्ञा का आप पालन करते रहेंगे। आपके परस्पर संबंध मधुर रहेंगे परन्तु यदा कदा आपसी मतभेदों से इसमें कटुता या तनाव का वातावरण भी होगा परन्तु यह अल्प समय के लिए होगा। इसके साथ ही जीवन में आप सर्वप्रकार से पिता को सहयोग देंगे एवं अपनी ओर से उन्हें किसी भी प्रकार से कष्ट नहीं होने देंगे।

आपके जन्म काल में मंगल प्रथम भाव में स्थित है अतः आपके भाई बहिनों का स्वास्थ्य मध्यम रहेगा एवं यदा कदा शारीरिक अस्वस्थता उनमें परिलक्षित होगी। धन धान्य से वे प्रायः सुसम्पन्न ही दौरान आपकी– प्रति उनके मन में पूर्ण स्नेह भाव रहेगा एवं जीवन में आपको प्रायः अपना आर्थिक या अन्य प्रकार से सहयोग प्रदान करते रहेंगे।

आप भी उनको हृदय से चाहेंगे तथा उनकी वांछित सहायता एवं सहयोग करने के लिए हमेशा तत्पर रहेंगे। आपके परस्पर संबंध मधुर ही होंगे परन्तु यदा कदा मतभेद के कारण संबंधों में कटुता या तनाव भी उत्पन्न होगा लेकिन यह अल्प समय के लिए ही रहेगा उसके बाद सब कुछ सामान्य हो जाएगा। इस प्रकार मध्यम रूप से आप एक दूसरे का परस्पर सहयोग करते रहेंगे।

आपके लिए भाद्रपद मास, पंचमी, दशमी, पौर्णमासी तिथियां, श्रवण नक्षत्र, शुभयोग, कौलवकरण, शनिवार प्रथम प्रहर तथा मिथुन राशिस्थ चन्द्रमा अशुभ फलदायक रहेंगे। अतः आप 15 अगस्त से 14 सितम्बर के मध्य 5,10,15, तिथियों, श्रवण नक्षत्र, शुभयोग , कौलवकरण में कोई भी शुभ कार्य, व्यापार प्रारम्भ, नवगृहनिर्माण तथा महत्वपूर्ण कार्यों को प्रारम्भ न करें अन्यथा लाभ की अपेक्षा हानि ही होगी। साथ ही शनिवार प्रथम प्रहर एवं मिथुन राशिस्थ चन्द्रमा को भी शुभ कार्यों में वर्जित रखें। इन दिनों तथा समय में शारीरिक सुरक्षा एवं स्वास्थ्य का भी विशेष ध्यान रखना चाहिए।

यदि आपके लिए समय अनुकूल न चल रहा हो मानसिक अशान्ति, शारीरिक व्याकुलता, व्यापार में हानि, नौकरी या पदोन्नति प्राप्ति में व्यवधान उत्पन्न हो रहे हों तो ऐसे समय में अपने इष्ट देव गणेश जी की उपासना करनी चाहिए तथा गणेश चतुर्थी एवं बुधवार के उपवास रखने चाहिए। साथ ही सोना, पन्ना, हरा वस्त्र, मूंग की दाल इत्यादि पदार्थों का किसी सुपात्र को श्रद्धापूर्वक दान करना चाहिए। इसके अतिरिक्त बुध के तांत्रीय मंत्र के कम से कम 17000 जप किसी सुयोग्य विद्वान से सम्पन्न करवाने चाहिए। इससे आपको मानसिक शान्ति प्राप्त होगी तथा शुभ कार्यों में सफलता प्राप्त होगी।

ऊँ ब्रां ब्रीं ब्रों सः बुधाय नमः।
मंत्र– ऊँ ऐं स्त्रीं श्रीं बुधाय नमः।

लाल किताब के अनुसार ऋण भार

कुँडली में दूषित ग्रहों के कारण जातक कई प्रकार से ऋणी होता है अर्थात् कई प्रकार के ऋण भार जातक के ऊपर रहते हैं, जिसके कारण जातक के जीवन का विकास अवरुद्ध हो जाता है। क्योंकि दूषित ग्रहों के दोषयुक्त प्रभाव से शुभ ग्रह भी अनुकूल फल देना बंद कर देते हैं। अस्तु ऋण भार से जातक को मुक्त होना चाहिए ताकि शेष जीवन पर शुभ या अच्छे ग्रहों के अच्छे प्रभाव पड़कर कुँडली के अनुसार शुभता प्राप्त हो सके। नीचे ऋण के प्रकार किस परिस्थिति में जातक पर अदृश्य ऋण पर पड़ता है तथा उसके निराकरण उधृत किए जाते हैं।

स्वऋण

ग्रहचाल :

जब जन्मकुंडली में खाना नंबर 5 में शुक्र या शनि या राहु या तीनों में दो या तीनों स्थित हो तो स्वऋण होता है।

निशानिया :

आपको राजभय, निर्दोष होने पर भी मुकदमें में दंड या जुर्माना भुगतना पड़ता है। हृदय रोग, बाजुओं में दर्द, शारीरिक कमजोरी, आंखों में कष्ट, जिगर की खराबी होती है।

घटनाएं :

जातक नास्तिक हो जाता है, धर्म की उपेक्षा करता है स्वास्थ्य अनुकूल नहीं रहता, पूर्वजों के रीति–रिवाज के अनुसार नहीं चलता।

निष्कर्ष

आपकी पत्री स्वऋण से मुक्त है।

मातृऋण

ग्रहचाल :

जातक की जन्मकुंडली के चौथे खाने में केतु पड़ा हो तो मातृ ऋण का बोझ होता है।

निशानिया :

जातक का कोई सहायक नहीं होता, उसके सभी प्रयास निष्फल होते है। सरकारी दंड या जुर्माना भुगतना पड़ता है। जीवन अशांत व्यतीत होता है, दूसरों की इज्जत को उछालना खेलवार करना या जूता चुराना, विद्या का लाभ न मिलना। रिश्तेदारों की बिमारियों पर धन का अपव्यय आदि अशुभ फल होते है।

घटनाएं :

मातृ ऋण से प्रभावित जातक माता से दुर्व्यवहार करता है। माता के सुख–दुःख का

ख्याल नहीं रखता। माता से दूर रहे या माता को घर से निकाल देता हैं। मातृ ऋण वाले जातक के घर के पास या घर में कुआं होगा। घर के पास जलाशय होगा। उस कुएं में गंदगी डाली जाती होगी या जलाशय को गंदा करता होगा। हो सकता है कि जातक के घर के पास नदी–नहर बहती हो। जातक उस में गंदगी डालता होगा।

निष्कर्ष

आपकी पत्री मातृऋण से मुक्त है।

पारिवारिक ऋण

ग्रहचाल :

जातक की जन्मकुंडली पहले या आठवें खाने में बुध या केतु या दोनों बैठे हो तो रिश्तेदार का ऋण होता है।

निशानिया :

किसी की भैंस बच्चा देने को हो तो उसे मार देना या मरवा देना। किसी का मकान बनने या नीव खोदते समय जादू–टोना कर देना या रिश्तेदारों से मिलने–जुलने बालों से नफरत करना या बच्चों के जन्म दिन और परिवार में त्यौहार या खुशी के समय दूर रहना।

घटनाएं :

जातक मित्रों से धोखा करता है। किसी के बने–बनाए काम को बिगाड़ देता है या किसी की पकी हुई खेती को आग लगा देना।

निष्कर्ष

आपकी पत्री पारिवारिक ऋण से मुक्त है।

कन्या/बहन का ऋण

ग्रहचाल :

जातक की कुंडली में तीसरे या छठे खाने में चंद्रमा पड़ा हो तो बहन/लड़की का ऋण होता है।

निशानिया :

जवानी में धोखा देना, बहन/बेटी की हत्या या उस पर जुल्म करना। मासुम बच्चों को बेचना या लालच से बदल लेना/देना जिसका भेद दुनिया में कभी न खुले ऐसे रहस्मय आदि काम करना।

घटनाएं :

जातक का किसी के साथ अपनी जुबान से बुरा शब्द बोलना तलवार से अधिक गहरा घाव कर सकता है, बेटा पैदा हुआ पिता को उसके धन–दौलत, आयु पर अशुभ फल होगा या माता को पता था कि वह जान से हाथ धो बैठेगी। खुशी के साथ मातम ससुराल–ननिहाल पर अशुभ फल, वर्ष भर की कमाई का वर्षांत में घाटा हो जाना आदि।

निष्कर्ष

आपकी पत्री कन्या बहन के ऋण से मुक्त है।

पितृऋण

ग्रहचाल :

जातक की जन्मकुंडली में 2 या 5 या 9 या 12 खानों में शुक्र या बुध या राहु या तीनों में दो या तीनों ही बैठे हो तो जातक पर पितृ ऋण होता है।

निशानिया :

कुल पुरोहित बदलना या कुल पुरोहित से नाता तोड़ लेना, घर के साथ बने मंदिर को तोड़ देना। पीपल का पेड़ काटना। पीपल का पेड़ होना आदि।

घटनाएं :

परिवार में किसी बुजुर्ग के बाल सफेद हो जाए। बाल सफेद होने के बाद बालों में पीलापन होना शुरू हो जाए, काली खांसी की शिकायत, हो अथवा माथे पर दुनिया की गंदी करतुतो का कलंक लगना आदि घटनाएं होती है।

निष्कर्ष

आपकी पत्री पितृऋण से मुक्त है।

स्त्री ऋण

ग्रहचाल :

जातक की जन्मकुंडली में सातवें खाने में सूर्य या चंद्रमा या राहु या तीनों में दो या तीनों ही इकट्ठे बैठे हों तो स्त्री ऋण होता है।

निशानिया :

परिवारिक पेट पर लात मारना, स्त्री को बच्चा पैदा होने या बच्चा जनने की हालत में किसी लालच में आकर मार देना। दाँतो वाले जानवरों की पालने से परिवार में नफरत का उसूल चलता होगा। मकान का गेट दरवाजा दक्षिण दिशा में होना, जीव हत्या करना, मकान या मशीनरी धोखे से ले लेना, किसी की चीज हड़प लेना उसे मुंहताज कर देना आदि।

घटनाएं :

नर संतान का फल मंदा हो जाता है, चमडड़ी में कोढ़, फलवहरी, गुप्तांग में रोग हो जाना, किसी का विवाह होना किसी मुर्दे को जलाना। एक स्त्री के साथ वैवाहिक संबंध टूटने लगे दूसरी स्त्री के साथ संबंध जुड़ने लगना अर्थात दूसरा विवाह होना आदि।

निष्कर्ष

उपाय :

आपकी पत्री स्त्री ऋण से युक्त है इसलिए परिवार में जहां तक खून का संबंध (जातक के दादा–दादी, माता–पिता, बहन, बेटी–बुआ, भाई, चाचा–ताया के परिवार के सदस्य आदि) है सबसे बराबर–बराबर धन लेकर गऊ शाला में 100 गायों को चारा खिलाएं (उसमें कोई भी गाए अंगहीन न हो) आदि।

निर्दयी ऋण

ग्रहचाल :

जन्मकुंडली में खाना नंबर 10 या 11 में सूर्य या चंद्र या मंगल या तीनों में दो या तीनों ही इकट्ठे बैठे हो तो निर्दयी ऋण होता है।

निशानिया :

मशीन या मकान की पेशगी देकर न खरीदना, परीक्षा हाल से अकारण बाहर निकाला जाना, बड़े लोगों से अकारण झगड़े या मुकदमें लड़ना आदि।

घटनाएं :

संतान और ससुराल की असमय मृत्यु, तेल या नारियल या लकड़ी या बारदाना के गोदाम में आग लग जाना। मकान खरीदा उसमें रहना नसीब नहीं, मकान खरीदे तो उसकी सिढ़ियां मुरम्मत करानी पड़े या तोड़ कर दुबारा बनानी पड़े, सांप और जहर पान की घटनाएं, हथियार से मौत होना आदि।

निष्कर्ष

आपकी पत्री निर्दयी ऋण से मुक्त है।

आजन्मकृत ऋण

ग्रहचाल :

जातक की जन्मकुंडली में खाना नंबर 12 में सूर्य, मंगल या शुक्र या तीनों इकट्ठे बैठे हो तो आजन्मकृत ऋण होता है।

निशानिया :

बिजली की तार लीक कर जाना, घर जल जाए, लाखों–करोड़ों पति कुछ ही समय में किसी भी तरह से तबाह हो जाये, सोना गुम या चोरी–ठगी–गबन की घटनाएं, सिर पर जख्म या सिर की बीमारियां, बचपन से बुढ़ापे तक नालायक साबित होना, सोच समझ कर काम करने के बावजूद गरीबी और बेसहारा, दमा–मिरगी, काली खांसी, सांस की तकलीफ, अचानक मौत, मकान की दहलीज के नीचे से गंदा पानी बहना अथवा आवासीय मकान के आगे पीछे कूड़े का ढ़ेर या गन्दगी हो।

घटनाएं :

मुकदमें में फैसले पर नहक जुर्माना/कैद, ससुराल या दुनिया वालो की ठगी करना, या ऐसी ठगी करना जिससे दूसरे का परिवार या नौकरी–व्यापार नष्ट हो जाना आदि।

निष्कर्ष

आपकी पत्री आजन्मकृत ऋण से मुक्त है।

ईश्वरीय ऋण

ग्रहचाल :

जातक की जन्मकुंडली में छठे खाने में चंद्रमा हो तो ईश्वरीय ऋण होता है।

निशानिया :

कुत्ते का काटना, छत से बच्चों का गिरना या बच्चा को गाड़ी के नीचे आ जाना, कानों से बहरापन, रीढ़ की हड्डी में कष्ट, संतान पैदा न होना या होकर मर जाना, संतान सुख में बाधा, पेशाब की बिमारियां अधरंग, ननिहाल नष्ट हो जाना, यात्रा में हानि अथवा दुर्घटना हो जाना आदि।

घटनाएं :

किसी पर इतबार किया उसने धोखा दिया, कुत्तों को मारना या मरवाना, गरीब या फकीर की बददुआ लेना, बदचलनी, किसी के लड़कों को गुमराह करके बरबाद करना या करवाना, बुरी नीयत, लालच में आकर किसी का नुकसान करना आदि।

निष्कर्ष

आपकी पत्री ईश्वरीय ऋण से मुक्त है।

लाल किताब ग्रह फल

सूर्य

आपकी जन्मकुंडली में सूर्य आठवें खाने में है। इसकी वजह से आप बहुत गुस्सा करेंगे। आप अधीर, स्त्रियों के लिए लालायित, सच्चाई से आगे बढ़ने वाले, तपस्वी होंगे। मरने के वक्त आपको भयानक रोग या कष्ट नहीं होगा। आपकी आयु की रक्षा होगी। बहन की ससुराल में रह कर चोरी न करें तो अच्छा फल मिलेगा। यदि आप चोरी न करें तो भाग्यशाली होंगे। आपके सामने किसी की मौत नहीं होगी। आप बीमार व्यक्ति के पास बैठें तो रोगी स्वस्थ हो जाएगा। आमतौर पर आपका जीवन सुखी रहेगा। आप सच्चे और नर्म स्वभाव के होंगे। कभी तिरस्कृत भी होना पड़ सकता है। आप हर काम करने के लिए प्रयत्नशील रहेंगे। आपके धन का दूसरे लोग भी उपयोग करेंगे। आपका साधु स्वभाव होगा तो अपने लिये किये कार्यों को संसार को समर्पित करने की आप में भावना भी रहेगी।

यदि आपने स्त्रियों से झगड़ा किया, ससुराल वालों को धन के लिए तंग किया, चोरी ठगी की नियत रखी, दक्षिण दिशा के मुख्य दरवाजे वाले मकान में रिहाईश की तो आपका सूर्य मंदा हो सकता है या किसी कारण वश सूर्य मंदा हो गया हो तो सूर्य के मंदे असर से गुप्त रोग से दुःखी, अस्वस्थ रहेंगे। सरकारी विभाग से परेशानी, आर्थिक स्थिति खराब और आंखों की रोशनी कम हो सकती है। गंदी सोहबत में पड़ कर आप तबाह हो जाएंगे। आप पत्नी के अलावा दूसरी औरत से संबंध रखेंगे तो आपके भाग्य में धोखा लिखा है। जहरीले जीव–जंतुओं से सावधान रहें ये आपके मौत के कारण हो सकते हैं। आपको पीठ में दर्द, रक्तचाप की बीमारी हो सकती है। आपको आर्थिक नुकसान की आशंका है।

यदि आपको लगता है कि आपको उपरोक्त कष्ट है तो निम्नलिखित परहेज और उपाय करें।

परहेज :

1. रसोई को अपवित्र न बनायें।
2. परस्त्री से अनैतिक संबंध न रखें।

उपाय :

1. बड़े भाई या गाय की सेवा करें।
2. पानी में चीनी डाल कर सूर्य को जल देवें।

चन्द्र

आपकी जन्मकुंडली के दूसरे खाने में चंद्रमा पड़ा है। इसकी वजह से यह आपके भाग्य को जगाता है। धन–संपदा से संपन्न रहेंगे। आपके वंश की वृद्धि होगी। पैतृक सुख और संपत्ति से पूरे रहेंगे। आपके घर में लक्ष्मी की वृद्धि होगी। आपको जद्दी–जायदाद और विरासत का

हिस्सा अवश्य मिलेगा। आपको वृद्धावस्था में सभी शुभ फल अवश्य मिलेंगे। बुढ़ापे में सुखकारक समय होगा। आपको भाई का सुख अवश्य मिलेगा। आप सफल प्रेमी होंगे। आप धनवान और उच्चाधिकारी बनेंगे। आपके ससुराल की माली–हालत अच्छी होगी। पिता और ससुराल से धन–संपत्ति का लाभ मिलता है। 48 वर्ष आयु तक माता का सुख मिलता है। परिवार में किसी के जुड़वा बच्चे भी पैदा हो सकते हैं। सफेद चीजों (चावल–चांदी, दूध आदि) से अधिक लाभ मिल सकता है।

यदि आपने बूढ़ी स्त्री या माता का अपमान किया, ससुराल वालों को तंग करके धन प्राप्त किया, मांस–मदिरा का सेवन किया, घर में मंदिर बना कर पूजा–पाठ किया तो आपका चंद्रमा मंदा हो सकता है या किसी कारण वश चंद्रमा मंदा हो गया हो तो चंद्रमा के मंदे असर से 25 और 34 वर्ष की आयु में गरीबी का सामना करना पड़ सकता है। आप दुनियावी प्रेम संबंधों के कारण बर्बाद हो सकते हैं। आपको संतान में विघ्न या संतान का सुख देर से मिलेगा। आपको बहन का सुख नहीं मिले ऐसा संभव है। बहन–बेटी या परिवार की किसी लड़की को मिरगी का दौरा पड़ सकता है।

यदि आपको लगता है कि आपको उपरोक्त कष्ट है तो निम्नलिखित परहेज और उपाय करें।

परहेज :

1. घर के मंदिर में शिवलिंग, मूर्तियां, घंटी, शंख आदि न रखें।
2. शराब और मादक वस्तुओं का प्रयोग न करें।

उपाय :

1. माता या बूढ़ी स्त्री के पैर छूकर आशीर्वाद लें।
2. माता से चावल–चांदी, सफेद कपड़े की थैली में लेकर पास रखें।

मंगल

आपकी जन्मकुंडली में पहले खाने में मंगल पड़ा है। इसकी वजह से आप अंदर–बाहर एक जैसे, संतान सुख से युक्त, और प्रसन्न रहेंगे। आप विद्वान, शूरवीर, एवं साहसी है। आप बुरे के साथ भी नेकी करेंगे। आप नेकी छोड़ने से कलंकी बन जाएंगे। आप परिवार के भाग्य को जगाने वाले हैं। आप साधू–सन्यासी की सेवा करेंगे। 18 वर्ष के बाद सरकारी सेवा में या सलाहकार के कामों में रुचि लेंगे। शत्रु से आप बचते रहेंगे। आप अगर नौकरी करते हैं तो 35–40 वर्ष की आयु तक ही नौकरी करेंगे। राज्य सरकार से लाभ मिलेगा। आप पलट कर आक्रमण करने वाले हैं। आपको छोटे बहन–भाई का सुख मिलेगा। आप 28 साल के बाद जीवन में उन्नति करेंगे। आप किसी की सच्चाई या नेकी को सदा याद रखेंगे। आपके उच्च पदाधिकारियों से अच्छे संबंध रहेंगे। लोहा, लकड़ी तथा मकान के कामों में लाभ पाएंगे। परिवार के लोगों के साथ मिल कर काम करें तो बहुत अच्छा रहेगा। आपके मुंह से निकली बुरी बात का दूसरों पर बुरा असर होगा।

आपका आर्शीवाद लोगों को फलेगा।

यदि आपने मुफ्त माल या दान लिया, जूठन खाया और झूठ बोला, माता को कष्ट दिया या माता का विरोध किया, अपशब्द बोलने की आदत हो तो आपका मंगल मंदा हो सकता है या किसी कारण वश मंगल मंदा हो गया हो तो मंगल के मंदे असर से शारीरिक कष्ट की आशंका है। मुफ्त की चीजें नहीं फलेंगी। आलस्य से कई बार आप अपने बने–बनाये काम बिगाड़ सकते हैं। मानसिक रोग या तनाव हो सकता है। दुर्घटना का भय है, अतः वाहन चलाते समय सावधानी बरतें। आपकी माता को आप्रेशन का भय है। भाई को परेशानी या आपको बहन के सुख का अभाव रहेगा।

यदि आपको लगता है कि आपको उपरोक्त कष्ट है तो निम्नलिखित परहेज और उपाय करें।

परहेज :
1. मुफ्त का माल या दान न लेवें।
2. हाथी दांत घर में न रखें।

उपाय :
1. बड़ा भाई जीवित हो तो लाल रुमाल रखें।
2. भाई और साले की सेवा करें।

बुध

आपकी कुंडली में बुध सातवें खाने में पड़ा है। इसकी वजह से आप कुलीन होंगे। आप व्यवहार कुशल होंगे। आप प्रिंटिंग प्रेस, डाक्टर/कैमिस्ट का काम, रेडीमेड माल के व्यापार से धन कमाएंगे। नौकरी–व्यापार के लिए तो बुरा असर नहीं होगा। आप अपने काम धन्धे में 34 वर्ष की उम्र तक सफल हो सकेंगे। आपकी विदेश की यात्रा होगी। आप किसी भी प्रकार का काम करें, वह काम प्रारंभ होकर, बिखर जाएगा। आपका ससुराल पक्ष धनी और मजबूत होगा। आपकी तलवार में इतनी ताकत नहीं जितनी आपकी कलम में शक्ति है। कोर्ट–मुकद्दमे में आपकी जीत होगी। आप दूसरों के लिए भी माफिक रहेंगे। आप अपने दोस्तों या परिचित लोगों के सहायक होंगे। आपको दस्तकारी के काम, तकनीक कार्य और लकड़ी के काम में उत्तम फल मिलेगा। आपका जीवन सुलझा हुआ होगा। विज्ञापन या स्वयंवर द्वारा विवाह का योग होता है। आपकी पत्नी उच्च परिवार से होगी।

यदि आपने साहुकारा किया, भाई–साले के साथ साझेदारी की, पत्नी से झगड़ा किया, परस्त्री से चाल–चलन खराब किया तो आपका बुध मंदा हो सकता है या किसी कारण वश बुध मंदा हो गया हो तो बुध के मंदे असर से आपकी साली से घरेलू संबंध बनेंगे जो कि आपकी बर्बादी का कारण बनेगा। आपके विवाह में गड़बड़ी होगी। अगर विवाह में देरी हो तो 34 वर्ष की आयु तक निश्चित विवाह हो जाएगा। स्त्री से दूरी या तलाक तक की नौबत आ सकती है। आपके

भाई–बंधु आपका विरोध करेंगे। झगड़ा–फसाद या मुकद्दमेबाजी या उलझन ज्यादा प्रभावी नहीं होगी। आपमें बुद्धि की कमी रहेगी। आपमें परिपक्वता देर से आयेगी। आप अपने परिवार को तोड़ सकते हैं।

यदि आपको लगता है कि आपको उपरोक्त कष्ट है तो निम्नलिखित परहेज और उपाय करें।

परहेज :
1. बिना सींग की गाय या बकरी न पालें।
2. हरी घास घर में न लगावें।

उपाय :
1. हीरा पहनें/हीरे के अभाव में पन्ना भी पहन सकते हैं।
2. चीनी खा कर पानी पीकर कार्य शुरु करें।

गुरु

आपकी कुंडली में वृहस्पति पहले खाने में पड़ा है। जिसकी वजह से आप एक पढ़े–लिखे या उपदेशक या गुरु भी हो सकते हैं। आप विद्वान, अच्छी बुद्धि के संतानयुक्त, शासन द्वारा सम्मान पाने वाले बड़प्पन से युक्त होंगे। विद्या के माध्यम से अपनी आजीविका चलाऐंगे। पैतृक धन से भी धनी होंगे। यदि आपकी शिक्षा कम भी हो तो फिर भी धन आपको प्राप्त होता रहेगा। आप पैसे की वजह से नहीं, करामाती गुण से सम्मान पाएंगे। आप ऊंचे लोगों के साथ रह कर अपनी दिमागी शक्ति और राजदरबार से संबंधित रह कर, सम्मान प्राप्त करेंगे। शादी के बाद आपकी अर्थिक स्थिति अच्छी हो जाएगी और भाग्योदय होगा। आप अपनी कमाई से नया मकान बनवाएंगे। आपको बहुत जायदाद का लाभ होगा। आप स्वस्थ और प्रसन्न रहेंगे। उम्र बढ़ने के साथ–साथ सुख में भी वृद्धि होगी। आपकी पत्नी आपकी आज्ञाकारिणी और सेविका रहेगी।

यदि आपने विद्या अधूरी छोड़ दी, लोगों की व्यर्थ निंदा की, मुफ्त माल, दान आदि से जीवन व्यतीत करना शुरु किया, छोटी आयु में शराब–बीयर पीना शुरु कर दिया तो आपका वृहस्पति मंदा हो सकता है या किसी कारण वश वृहस्पति मंदा हो गया हो तो वृहस्पति के मंदे असर से अप्रत्याशित घटनाओं एवं अव्यवस्था से सतर्क रहें। विद्या में रुकावट हो सकती है, आपके पिता की मौत दमा या दिल की बीमारी या मानसिक रोग से हो ऐसी आशंका है। आपको श्वास या दमे की बीमारी होगी। प्रथम पुत्र संतान की प्राप्ति से अशुभ फल प्राप्त होने की आशंका है।

यदि आपको लगता है कि आपको उपरोक्त कष्ट है तो निम्नलिखित परहेज और उपाय करें।

परहेज :
1. मुफ्त गिफ्ट या दान न लेवें।

2. किस्मत पर भरोसा रखें।

उपाय :
1. केसर/हल्दी का तिलक करें।
2. बुजुर्गों का आशीर्वाद लेवें।
3. शिक्षा बी.ए. या समकक्ष अवश्य पढ़ें।

शुक्र

आपकी जन्मकुंडली के दसवें खाने में शुक्र पड़ा है। इसकी वजह से आप लोभी, शक्की दस्तकारी के कामों में रुचि लेंगे। आप शक्ति संपन्न होंगे। आप कामुक होंगे। आप कामवासना के अधीन रहेंगे। आपकी सेहत अच्छी रहेगी। आप बाग–बगीचों के मालिक होंगे। आप अपने जीवन में दुर्घटना के शिकार नहीं होंगे। आपको अच्छा धन प्राप्त होगा। बुढ़ापा आराम से बीतेगा। आपका स्वास्थ्य ठीक रहेगा। आपकी जवानी प्रेम संबंधों में उलझी रहेगी। आपकी चालाकी, शैतानी और होशियारी की अधिकता से अधिक लाभ, आंशिक क्षति भी हो सकती है। आपकी पत्नी का स्वास्थ्य लगभग ठीक रहेगा। पत्नी के साथ रहते आपके साथ कभी भी कोई हादसा नहीं होगा।

यदि आपने शराब, बीयर आदि पीना और मांस खाना शुरु किया, मछली का शिकार किया, स्त्री पर अधिक विश्वास किया तो आपका शुक्र मंदा हो सकता है या किसी कारण वश शुक्र मंदा हो गया हो तो शुक्र के मंदे असर से आपको पत्नी से दब कर रहना होगा। पराई स्त्री से संबंध रहने से संतान को दुःख पहुंचेगा। संतान सुख के लिए जीवन में बाधा आ सकती है। विवाह के 13 वर्ष बाद पत्नी बीमार हो सकती है या पत्नी अस्वस्थ रहेगी जिसके कारण आपको दुःख भी झेलने पड़ सकते हैं। आपको पेशाब की बीमारी हो सकती है।

यदि आपको लगता है कि आपको उपरोक्त कष्ट है तो निम्नलिखित परहेज और उपाय करें।

परहेज :
1. शराब–मछली का सेवन न करें।
2. आधिक मिजाज न बनें।

उपाय :
1. कपिला गाय का दान करें।
2. पत्नी शरीर पर दूध–दही मल कर स्नान करें।

शनि

आपकी जन्मकुंडली में शनि पहले खाने में पड़ा है। इसकी वजह से आपके जन्म के बाद आपकी पैतृक संपत्ति और पिता का धन बढ़ेगा। आप इंजीनियर, डाक्टर बन सकते हैं। आप

शक्की स्वभाव के होंगे। लोहा/लकड़ी और नमक, आग से संबंधित कामों से अधिक लाभ होगा। आपके धन में वृद्धि होगी। आपके माता–पिता को धन की कमी नहीं रहेगी। आपकी आयु पर कोई भी बुरा असर नही पड़ेगा।

यदि आपने झूठ बोला और बदनीयती रखी, व्यसनों में मदहोश रहे, परस्त्री से अनैतिक संबंध रखे तो आपका शनि मंदा हो सकता है या किसी कारण वश शनि मंदा हो गया हो तो शनि के मंदे असर से आपकी शिक्षा भी अधूरी रह जाए या इच्छित शिक्षा नहीं मिले, ऐसी आशंका है। आप आलसी, अभावग्रस्त और अस्वस्थ रह सकते हैं। आपकी पत्नी, दौलत पर बुरा असर पड़ सकता है। आपके लिये खानदानी या जद्दी काम में बरकत नहीं होगी। आप चोरी, झूठ या धोखाधड़ी करने में भी पीछे नही रहेंगे। शरीर पर अधिक बालों का होना निर्धनता का सूचक है। आप अगर सरकारी नौकरी करते हैं तो नौकरी का फल विशेष मंदा रहेगा। सरकार से बहुत अच्छे लाभ का योग नहीं है। पत्नी को शारीरिक कष्ट हो सकता है। आपके साथ चोरी, धोखेबाजी, संतान को कष्ट या कुछ भी हो सकता है। माता को कष्ट और आपको दुःखी होना पड़े ऐसी आशंका है। आपका कारोबार बिगड़ सकता है या पिता–दादा के कारोबार का दिवाला भी निकल सकता है। भाग्य के बिगड़ने की आशंका है। आग से जलने का भय है। विद्या अधूरी, पेट में खराबी, धन की तंगी रहेगी।

यदि आपको लगता है कि आपको उपरोक्त कष्ट है तो निम्नलिखित परहेज और उपाय करें।

परहेज :

1. विवाह या पुत्र जन्म आदि पर खुशी के समय ढोल–बाजे आदि न बजाएं।
2. शराब पीना, मांस खाना और इश्कबाजी दूर रहें।

उपाय :

1. वीरान जगह में सुरमा दबायें (नौकरी–व्यापार में तरक्की के लिये)।
2. बंदर को गुड़ केला खिलायें (धन की तंगी के समय)।
3. वट–वृक्ष की जड़ के दूध का तिलक करें (स्वास्थ्य खराब के समय)।

राहु

आपकी जन्मकुंडली के पहले खाने में राहु पड़ा है। इसकी वजह से आप धनवान तथा श्रेष्ठ शासनाधिकारी होंगे। अगर सरकारी अधिकारी हुए तो राजदरबार में आपका बहुत सम्मान होगा। आपके ननिहाल वाले आपके जन्म के बाद अमीर होंगे। आपका जन्म ननिहाल या अस्पताल में हुआ होगा या जन्म के समय आकाश पर बादल छाये हुए होंगे, ऐसी आशंका है। 42 वर्ष की उम्र तक समय मध्यम है जो कुछ भी बुरा हुआ होगा, इसके बाद बहुत अच्छा और शुभ रहेगा। आपका जन्म जिस घर में होगा उस घर के सामने घर में उजाड़ हो जाएगा। आपकी रोजी–रोटी के लिए दूसरा काम भी चालू रहेगा। यदि एक काम या नौकरी छूटेगी तो दूसरी नौकरी या

व्यवसाय चालू हो जाएगा। आप धनी होंगे। आपको संतान सुख अच्छी या बुरी अवश्य मिलेगी। आपके लिए हर समय बोलते रहना अच्छी बात नहीं है। आपमें बेईमानी और धोखेबाजी की आदत भी विद्यमान रहेगी। जीवन में कई परिवर्तन आएंगे। माता और मन की शांति के लिए शुभ रहेगा।

यदि आपने विवाह के बाद ससुराल से लोहा, बिजली का समान, काले–नीले कपड़े मुफ्त या दान में लिये, मकान के आंगन में धुआं किया, बिल्ली की जेर, चमड़े के पर्स में रखी तो आपका राहु मंदा हो सकता है या किसी कारण वश राहु मंदा हो गया हो तो राहु के मंदे असर से आपके बनते कामों में रुकावट, तरक्की कम मगर बदला–बदली अधिक बार होगी। 11–21–42 वर्ष आयु में पिता के लिए समय अशुभ, परिवार में किसी को दमा–मिरगी का रोग हो सकता है। आप शरारती, आवारा और नास्तिक स्वभाव के होंगे।

यदि आपको लगता है कि आपको उपरोक्त कष्ट है तो निम्नलिखित परहेज और उपाय करें।

परहेज :
1. आंगन में धुआं न करें।
2. पेट मोटा न हो, विशेष ध्यान रखें।

उपाय :
1. धर्म स्थान में गुड़–गेहूं दान देवें।
2. दूध से स्नान करें।

केतु

आपकी जन्मकुंडली के सातवें खाने में केतु पड़ा है। इसकी वजह से आप 24 वर्ष की उम्र से ही धन कमाने में जुट जाएंगे। जैसे–जैसे आपकी संतान की उम्र बढ़ती जाएगी वैसे–वैसे धन में बढ़ोत्तरी होती जाएगी। आजीविका का साधन बना रहेगा। रोजगार द्वारा अच्छी कमाई होगी। आपकी संतान बलशाली होगी। आप अपनी बात के पक्के होंगे। आप सब तरह से सुखी और संपन्न रहेंगे फिर भी पश्चात्ताप करते ही रहेंगे। आपकी संतान शेर का मुकाबला करने वाली होगी। आपकी पत्नी के जितनी संख्या में भाई–बहन होंगे उतनी ही संख्या में आपकी संतान होंगी। 34 वर्ष की आयु तक का समय कष्टमय रहेगा। परंतु इसके बाद सब कुछ ठीक हो जाएगा। धनधान्य में बरकत होगी। 24 साल की उम्र में इतना धन आएगा जो कि आने वाले 40 वर्षों तक के लिए काफी होगा। आपके दुश्मन आपका कुछ भी नहीं बिगाड़ेंगे। दुश्मन अपने आप तबाह हो जाएंगे। जीवन में कभी निराशा का सामना नहीं करना पड़ेगा।

यदि आपने हर समय लिखने का काम किया, झूठा वायदा किया, परस्त्री गमन किया। अपनी पत्नी से झगड़ा किया तो आपका केतु मंदा हो सकता है या किसी कारण वश केतु मंदा हो गया हो तो केतु के मंदे असर से 7 वर्ष तक ननिहाल की हालत खराब, 34 वर्ष बाद सुख नष्ट होना शुरु हो जाएगा। झूठ बोलना, झूठा वायदा करना आपको अवनति देगा। शरीर में दर्द या

बीमारी होगी। आपकी संतान पर भी विपरीत प्रभाव पड़ सकता है। आपका मन स्त्री और पुत्र के संबंध में अशांत रहेगा। आप अपनी जुबान से गंदी बातें बोलेंगे। आप अभिमान के कारण बर्बाद हो जाएंगे। किसी को दिया गया आश्वासन पूरा न करना आपके लिए हानिकारक होगा।

यदि आपको लगता है कि आपको उपरोक्त कष्ट है तो निम्नलिखित परहेज और उपाय करें।

परहेज :

1. परस्त्री से अनैतिक संबंध न रखें।
2. कलम से लिखने का अधिक काम न करें।

उपाय :

1. 4 केले 4 दिन जल में प्रवाह करें।
2. 4 नीबू 4 दिन जल में प्रवाह करें।

लाल किताब के उपाय

लाल किताब के उपाय कब और कैसे करें !

1. उपाय सूर्य निकलने के बाद सूर्य छिपने तक दिन के समय करें, रात के समय उपाय करना कई बार अशुभ फल दे सकता है। केवल चन्द्र ग्रहण का उपाय रात को किया जा सकता है।

2. उपाय शुरू करने के लिए किसी खास दिन सोमवार या मंगलवार आदि, सक्रांति, अमावस्या या पूर्णिमा आदि का कोई विचार नहीं होगा।

3. आप का कोई खून का संबंधी रिश्तेदार जैसे भाई–बहन, माता–पिता, दादा–दादी, पुत्र–पुत्री आदि में से उपाय कर सकता है जो फलदाई होगा।

4. एक दिन में केवल एक ही उपाय करें, एक दिन में दो उपाय करने से शुभ फल नहीं मिलता या किया हुआ उपाय निष्फल हो सकता है।

5. जो परहेज बताए जाये जैसे मांस–मछली न खावें, मदिरा का सेवन न करें, चाल–चलन ठीक र खें, झूठ न बोलें, जूठन न खावें न खिलावें, नियत में खोट न रखें, परस्त्री–परपुरुष से संबंध न करें, आदि का विशेष ध्यान रखें।

6. जो उपाय जिस समय के लिये लिखा है उसी समय तक करें, आगे यह उपाय बंद कर देवें।

7. यदि किसी कारण उपाय बीच में बंद करना पड़ जाय तो जिस दिन उपाय बन्द करना है उससे एक दिन पहले थोड़े से चावल दूध से धोकर सफेद कपड़े में बांध कर पास रख लें और जब दुवारा उपाय शुरू करना हो वह चावल धर्म स्थान में या चलते पानी में या किसी बाग–बगीचे आदि में गिरा कर उपाय फिर शुरू कर दें। ऐसा करने से उपाय अधूरा नहीं माना जाएगा और पूरा फल मिलेगा।

8. हर उपाय 43 दिन या 43 सप्ताह या 43 मास या 43 वर्ष तक करना होता है, उपाय चलते समय बीच में टूट जाए चाहे 39वां दिन क्यों न हो सब निष्फल हो सकता है या शुभ फल में कमी रह सकती है।

9. जन्म कुण्डली में अशुभ ग्रहों का वर्षफल कुण्डली में उपाय अपने जन्मदिन से लेकर 40–43 दिन के भीतर ही करें ।

10. घर में कोई सूतक (बच्चा जन्म हो) या पातक (कोई मर जाय) हो जाय तो 40 दिन उपाय नहीं करने चाहिये ।

11. बुजुर्गों के रीति –रिवाजों को न तोडें और संस्कार पूरें करें ।

एजुकेशन - 2025

प्रतियोगिता परीक्षा के लिए यह वर्ष उत्तम रहेगा। षष्ठ स्थान पर गुरु के दृष्टि प्रभाव से प्रतियोगिता परीक्षार्थियों को परीक्षा में सफलता मिल सकती है।

मई के बाद पंचम स्थान पर गुरुएवं शनि ग्रह के संयुक्त दृष्टि प्रभाव से विद्यार्थी अपने लक्ष्य को प्राप्त करेंगे। व्यवसायिक शिक्षा प्राप्त करने वाले विद्यार्थियों के लिए समय अच्छा है।

जनवरी 2025 के लिए फलादेश

सितारों की स्थिति आपके लिए बहुत अच्छी नहीं बनी हुई हैं। अतः यह अवधि आपकी शैक्षिक गतिविधियों के लिए बहुत अनुकूल नहीं रहेगी। तकनीकी पाठयक्रमों में अध्ययनरत छात्रों को मनोकूल परिणाम प्राप्त करने के लिए केवल पाठयपुस्तकों का अध्ययन करने से काम नहीं चलेगा। सामान्य प्रयास करने से परिस्थितियों को बदला नहीं जा सकेगा। इसलिए इन्हें अपने प्रयासों में वृद्धि करनी होगी। कलात्मक विषयों को सीखने वाले छात्रों को अभ्यास और कड़ी मेहनत करने पड़ सकती हैं। इससे यह वर्ग अपने विषयों में निखार लाने में सफल रहेंगा। तथा प्रतियोगी परीक्षाओं में बैठने वाले छात्रों को अतिरिक्त कोचिंग की व्यवस्था करनी पड़ सकती हैं।

फरवरी 2025 के लिए फलादेश

इस माह के ग्रहों की स्थिति आपकी उच्च शिक्षा और व्यावसायिक शिक्षा के पक्ष से उत्तम नहीं बनी हुई हैं। इस अवधि में अतिरिक्त प्रयास करने से आप स्थिति को बेहतर करने में सफल रहेंगे। प्रतियोगी परीक्षाओं में बैठने वाले लोगों को अपनी सफलता सुनिश्चित करने के लिए अतिरिक्त कोचिंग करनी चाहिए। तकनीकी पाठयक्रम के छात्रों को भी अपनी पाठय पुस्तकों का पहले से अधिक एकाग्रचित और समर्पित होकर अध्ययन करना होगा। यही स्थिति चिकित्सा छात्रों के लिए भी बनी हुई है। जो छात्र भाषा, साहित्य, जन–संचार, पत्रकारिता जैसे विषयों में अध्ययन कर रहे हैं उन्हें ओर अधिक अध्ययन करना होगा। ध्यान और स्मरण शक्ति की कमी आपके लिए इस समय में परेशानी का कारण बन सकती हैं। आपका आत्म मुखर और तार्किक होकर सीखने से अध्ययन कार्यो में सफलता प्राप्त करना आपके लिए असंभव हो जायेगा।

मार्च 2025 के लिए फलादेश

इस माह में शैक्षिक क्षेत्र में सफल होने के पक्ष से सितारों की स्थिति आपके लिए अनुकूल नहीं बन रही हैं। अध्ययन करने के लिए आपको स्वयं मानसिक रुप से तैयार रहना होगा। सफलता प्राप्ति के लिए आपको इस अवधि में अतिरिक्त अध्ययन करना होगा।परीक्षा की तैयारियों में कमी बनी हुई हैं। वांछित परिणाम प्राप्त करने के लिए प्रयासों को भी बढ़ाना होगा। तकनीकी अध्ययन में लगे व्यक्तियों को प्रयोगात्मक विषयों पर अधिक मेहनत करनी होगी। विशेष रुप से ऐसे

व्यक्ति जो हस्त कला से जुड़े क्षेत्रों में अपना कौशल दिखा रहे हों। ऐसे वर्ग को पाठय पुस्तकों पर अधिक से अधिक ध्यान देना होगा। शैक्षिक क्षेत्र में आत्मकेन्द्रित होना आपके लिए सही नहीं होगा। सीखने और कौशल को प्रदर्शित करने के लिए समय की शुभता सहयोग नहीं कर रही हैं। शैक्षिक विषयों में आपको कड़ी मेहनत करनी होगी। तथा कलात्मक क्षेत्र के छात्रों के लिए समय की परिस्थितियां कठिन बनी हुई हैं।

अप्रैल 2025 के लिए फलादेश

यह माह शिक्षा प्राप्ति के लिए बेहतर परिणामदायक नहीं बन रहा हैं। इस माह के सितारों की स्थिति आपके लिए सुखद नहीं बन रही हैं। माह अवधि में सफलता प्राप्ति के लिए आपको सामान्य से अधिक प्रयास करने होंगे। तकनीकी कौशल प्राप्त करने के लिए संतोषजनक ग्रह योग नहीं बने हुए हैं। तकनीकी क्षेत्रों के लिए यह समय चिंताजनक हो सकता हैं। मनोकूल सफलता प्राप्ति के लिए आपको अपनी पाठयपुस्तकों के साथ कड़ी मेहनत करनी होगी। यही नियम चिकित्सा क्षेत्र के छात्रों पर भी लागू होता हैं। अध्ययन कार्यो में एकाग्रता की कमी का अनुभव आपको हो सकता हैं। मन को अध्ययन कार्यो के प्रति केन्द्रित करना होगा। आत्म केन्द्रित होकर सीखने से शैक्षिक क्षेत्र की स्थिति बेहतर हो सकती हैं। अन्य विषयों की अपेक्षा अपना ध्यान शिक्षा कार्यो पर अधिक लगाएं।

मई 2025 के लिए फलादेश

इस माह के सितारें आपके लिए अनुकूल नहीं बन रहे हैं। अतः यह अवधि आपकी शैक्षिक गतिविधियों के लिए कठिन हो सकती हैं। इस अवधि में आपको शिक्षा प्राप्त करते समय बाधाओं का सामना करना पड़ेगा। उच्च शिक्षा में अध्ययन करने वाले छात्रों का मन पढ़ाई में अधिक नहीं लगेगा। सामान्य फल प्राप्त करने के लिए भी इन्हें अतिरिक्त प्रयास करने होंगे। कानून क्षेत्रों में अध्ययनशील छात्रों को अनेक समस्याओं का सामना करना पड़ सकता हैं। प्रयासों की कमी की स्थिति इस अवधि में बनी हुई हैं। तकनीकी छात्रों के लिए भी स्थिति सुखद नहीं बनी हूई हैं। आत्म केन्द्रित होकर अध्ययन करना होगा। असफलता से बचने के लिए मेहनत और लगन दोनों को बढ़ाना होगा।

जून 2025 के लिए फलादेश

इस माह के सितारों की स्थिति सफलता प्राप्ति के लिए अनुकूल नहीं बनी हुई हैं। अतः इस अवधि में शिक्षा कार्यो को पूरा करने के लिए आपको सामान्य से अधिक प्रयास करने पड़ सकते हैं। उच्च शिक्षा प्राप्ति की अवधि में आपको बहुत अधिक समस्याओं का सामना करना पड़ सकता हैं। एक निश्चित सीमा तक आप प्रयास कर यह देख सकते हैं। अपने अध्ययन कार्यो की आपको स्वयं समीक्षा करनी होगी। शिक्षा ग्रहण के लिए अपने मनोबल को उच्च करना होगा। मानसिक रुप से कौशल प्रदर्शन के लिए तैयार रहना होगा। विपरीत परिस्थिति में आपकी संकल्प

शक्ति ही काम आयेगी। कलात्मक विषयों के छात्रों को भी अपने उद्देश्यों की प्राप्ति के लिए ओर अधिक प्रयास करने होंगे। आपको दृढ़ संकल्प और हिम्मत के साथ अध्ययन करना होगा।

जुलाई 2025 के लिए फलादेश

शैक्षिक क्षेत्र में प्रयासों के पक्ष से यह माह आपके लिए काफी कुछ बाधायुक्त बना हुआ हैं। सितारों की स्थिति आपके लिए अनुकूल नहीं बन रही हैं। अधिकतर विषयों का आपको स्वाध्ययन करना होगा। अपने कार्यो की स्वयं समीक्षा करने से स्थिति को बेहतर करने में आप सफल रहेंगे। यही स्थिति तकनीकी क्षेत्र में अपना कौशल दिखा रहे छात्रों के लिए हो सकती हैं। प्रतियोगी परीक्षाओं में बैठने वाले व्यक्तियों को सफलता प्राप्ति के लिए अतिरिक्त कोचिंग लेनी चाहिए। यह आपकी सफलता को सुनिश्चित करेगा। इसके अतिरिक कलात्मक विषयों में अध्ययन कर रहे छात्रों को भी अतिरिक्त प्रयास करने के बाद ही उद्देश्यों की प्राप्ति होगी। मनोकूल परिणाम प्राप्त करने के लिए आपको हिम्मत और दृढ़ संकल्प के साथ कार्य करना चाहिए। तकनीनी छात्रों के लिए भी इस माह के ग्रहों की स्थिति बहुत सुखद नहीं बनी हुई हैं।

अगस्त 2025 के लिए फलादेश

शैक्षिक प्रयासों के लिए इस माह के सितारों की स्थिति आपके लिए शुभ फलदायक नहीं बन रही हैं। जो छात्र उच्च शिक्षा प्राप्ति में लगे हुए हैं उनको इस अवधि में अन्य अनेक समस्याओं का सामना करना पड़ सकता हैं। शैक्षिक क्षेत्र में सफलता और परिणाम अपने पक्ष में प्राप्त करने के लिए आपको कड़ी मेहनत और समर्पण से काम लेना होगा। तकनीकी अध्ययन, कानून, चिकित्सा या ललित कला विषयों के छात्रों के लिए भी स्थिति कुछ इसी प्रकार की बनी हुई हैं। फिर भी इस वर्ग को अपने उद्देश्यों को पाने के लिए अधिक से अधिक प्रयास करने होंगे। प्रतियोगी परीक्षाओं के लिए बैठने वाले व्यक्तियों को सकारात्मक फल प्राप्ति के लिए अतिरिक्त कोचिंग की आवश्यकता पड़ सकती हैं। इसके बाद ही इनकी सफलता सुनिश्चित हो सकती हैं।

सितम्बर 2025 के लिए फलादेश

इस माह के सितारों की स्थिति शैक्षिक कार्यो के लिए सकारात्मक नहीं बनी हुई हैं। इस अवधि में सितारों की स्थिति आपके लिए शुभ फलदायक नहीं बनी हुई हैं। शिक्षा जगत से जुड़ा वर्ग बहुत जल्द नहीं सीख पाएगा और अध्ययन कार्यो में रुचि लेना इनके लिए सहज नहीं होगा।तथा आप अपने कौशल को प्रदर्शित करने में सफल नहीं हो पायेंगे। उच्च शिक्षा प्राप्ति में संलग्न छात्रों के लिए भी ग्रह योग अनुकूल नहीं बने हुए हैं। कुछ प्रतिष्ठित छात्रवृत्ति या फेलोशिप प्राप्त करने के लिए संघर्ष की स्थिति बन सकती हैं। कानून क्षेत्र में अध्ययन कर रहे छात्र वर्ग के लिए यह समय प्रतिकूल नहीं बना हुआ हैं। तकनीकी विषयों के छात्र अपने प्रदर्शन से संतुष्ट नहीं रहेंगे।इन क्षेत्रों में अध्ययन कर रहे छात्र अपने क्षेत्र में उल्लेखनीय सफलता प्राप्ति के लिए प्रयास करते नजर आयेंगे।

अक्तूबर 2025 के लिए फलादेश

शिक्षा क्षेत्र के कार्यो को पूर्ण करने के पक्ष से इस माह के सितारों की स्थिति उत्तम नहीं बनी हुई हैं। शैक्षिक क्षेत्र में अपने प्रयास बढ़ाने से सफलता के परिणाम बेहतर हो सकते हैं। तकनीकी शिक्षा से जुड़े छात्रों का अपने क्षेत्र में प्रदर्शन बहुत अच्छा नहीं रहेगा। यह वर्ग अपने कौशल का प्रदर्शन कर अपनी योग्यता सिद्ध नहीं कर पाएगा। फिर भी इस अवधि में पाठयपुस्तकों के अनुसार अध्ययन कार्य करने से आगे बढ़ने में सहयोग प्राप्त होगा। नृत्य, सेवा, चित्रकला और अन्य कलाओं के छात्रों को भी योग्यता दिखाने से सुखद परिणाम प्राप्त नहीं हो पायेंगे। प्रतियोगी परीक्षाओं में सम्मिलित होने वाले छात्रों के लिए ग्रह स्थिति विशेष रुप से उज्ज्वल नहीं बन रही हैं। ऐसे छात्रों को कुछ अतिरिक्त कोचिंग लेना हितकारी रहेगा।

नवम्बर 2025 के लिए फलादेश

शैक्षिक क्षेत्र में वांछित लक्ष्यों को प्राप्त करने के लिए आपको कठिन संघर्ष करना पड़ सकता हैं। शिक्षा क्षेत्र में सफल होने के पक्ष से इस माह के सितारों की स्थिति बहुत सुखद नहीं बनीं हुई हैं। भाषा, साहित्य, जन संचार और पत्रकारिता के क्षेत्रों में अध्ययन करने वाले छात्रों को अतिरिक्त प्रयास करने पड़ सकते हैं। इसी तरह की परिस्थितियां तकनीकी क्षेत्रों में शिक्षा ग्रहण कर रहे छात्रों के लिए बन रही हैं। तकनीकी कौशल और निपुणता प्राप्त करने के लिए ग्रहों की उत्कृष्टता नहीं बनी हुई हैं। स्वाध्ययन करना इस समय में सहज नहीं होगा। अनुकूल सफलता प्राप्ति के लिए आपको अपनी तार्किक बुद्धि का प्रयोग करना होगा। अपनी इस स्थिति को बेहतर करने के लिए आपको प्रयास करने होंगे।

दिसम्बर 2025 के लिए फलादेश

माह अवधि में आपको अपनी पढ़ाई से संबधित समस्याओं के लिए अतिरिक्त प्रयास करने पड़ सकते हैं। इस अवधि में ग्रह सितारों की स्थिति आपके लिए बहुत अनुकूल नहीं बन रही हैं। तकनीकी उपाधि के लिए अध्ययन कर रहे छात्रों के लिए सफलता प्राप्त करने के लिए केवल पाठयपुस्तकों का अध्ययन करना ही काफी नहीं होगा। इन्हें इससे अधिक व्यावहारिक एवं पुराने केसों का भी बारीकी से अध्ययन करना होगा। अपने प्रयासों में ईमानदारी रखने से आप अपने उद्देश्यों की प्राप्ति को सुनिश्चित कर सकते हैं। शैक्षिक क्षेत्र में आत्म मुखर और व्यर्थ में तार्किक होना आपके लिए असफलता का कारण बन सकता हैं। अध्ययन करने के लिए आपको मानसिक रुप से तैयार रहना होगा। आवश्यक हो तो आपको अतिरिक्त कोचिंग लेने से भी पीछे नहीं हटना होगा। विपरीत परिस्थिति में सामान्य प्रयास पर्याप्त नहीं रहेंगे।

एजुकेशन - 2026

वर्ष का पूर्वार्द्ध विद्यार्थियों के लिए अनुकूल रहेगा। पंचम स्थान परगुरु के दृष्टि प्रभाव से उच्च शिक्षा प्राप्त करने वाले विद्यार्थियों का अच्छे शैक्षणिक संस्थान में प्रवेशहो जाएगा। व्यवसायिक शिक्षा प्राप्त करने वाले व्यक्तियों को अधिक परिश्रम के बाद सफलता मिलेगी।

02 जून के बाद समय प्रतिकूल हो रहा है। उस समय प्रतियोगिता पारीक्षार्थियों को प्रतियोगिता परीक्षा में सफलता प्राप्त करने के लिए लगातार अथक प्रयास करना पड़ेगा। जिन व्यक्तियों को अभी तक नौकरी नहीं मिली है उनको कुछ दिन और इंतजार करना पड़ सकता है। 24 नवम्बर के बाद छठे स्थान में राहु ग्रह का गोचर हो रहा है। उस समय आपको अपने करियर में सफलता प्राप्त होगी।

जनवरी 2026 के लिए फलादेश

शैक्षिक गतिविधियों के लिए इस माह के सितारों की स्थिति सुखद बनी हुई हैं। इससे इस माह में मिलने वाले परिणाम छात्रों के लिए उत्कृष्ट रहेंगे। तकनीकी या चिकित्सा की डिग्री के लिए अध्ययनशील व्यक्तियों के लिए स्थिति अनुकूल बनी हुई हैं। माह अवधि में कौशल और निपुणता दोनों का प्रदर्शन आप कर पायेंगे। नृत्य, नाटक, संगीत, चित्रकला, मूर्तिकला और अन्य ललित कला विषयों का अध्ययन करने के लिए ग्रहों की अत्यंत अनुकूलता बनी हुई हैं। यह वर्ग अपने अपने क्षेत्रों में शानदार कार्य करने में सक्षम रहेगा। ग्रहों की शुभता के फलस्वरुप स्पष्ट, तेज, जिज्ञासु मन रहने से प्रदर्शन औसत से अधिक रहेगा।

फरवरी 2026 के लिए फलादेश

उस माह के सितारों का संयोजन आपके लिए बहुत अनुकूल नहीं बन रहा हैं। अतः इस माह में शिक्षा क्षेत्र में सफलता प्राप्त करना आपके लिए आसान नहीं होगा। सीखने के लिए आपको अपने मन और आत्मा से उत्साही होकर ज्ञान अर्जित करना होगा। इस समय में स्वमुखर होना और हठी होना आपके लिए सही नहीं होगा। आपको इससे बचना चाहिए। प्रतियोगी परीक्षाओं में बैठने वाले व्यक्तियों को अतिरिक्त कोचिंग लेना लाभकारी रहेगा। जिन छात्रों का अध्ययन क्षेत्र भाषा, पत्रकारिता और जन संचार के अन्य क्षेत्रों में हों उन्हें सफलता अर्जित करने के लिए अतिरिक्त मेहनत करनी पड़ सकती हैं। तभी इस वर्ग को उद्देश्यों की प्राप्ति हो पाएगी। अपने लक्ष्यों पर ध्यान केन्द्रित करना आपको उत्तम परिणाम देगा।

मार्च 2026 के लिए फलादेश

इस माह के सितारें आपके लिए अनुकूल नहीं हैं। इस माह की शैक्षिक गतिविधियां आपके लिए धीमी गति की होने के कारण थकाऊ हो सकती हैं। प्रतियोगी परीक्षाओं में बैठने वाले

छात्रों को सफलता प्राप्ति के लिए अतिरिक्त कोचिंग लेनी पड़ सकती हैं। यह कोचिंग सफलता प्राप्ति के लिए आवश्यक हैं। इसके अलावा शिक्षकों के प्रति आपका रवैया अच्छा होना चाहिए। आत्ममुखर और हठी स्वभाव अवधि विशेष में आपको विपरीत फल प्रदान कर सकता हैं। माह अवधि में आपको अपना दृष्टिकोण विस्तृत रखना होगा। संगीत, नृत्य, चित्रकला, मूर्तिकला के क्षेत्र में अध्ययन कर रहे छात्रों को अपने लक्ष्यों तक पहुंचने के लिए अधिक प्रयास करने के लिए तैयार रहना होगा। माह अवधि में कठोर परिश्रम आपको करना होगा। तथा कुछ निराशा की स्थिति आपमें प्रभावी हो सकती हैं।

अप्रैल 2026 के लिए फलादेश

इस माह के ग्रहों की स्थिति प्रतिकूल होने के कारण इस माह में आपकी शैक्षिक प्रगति बहुत संतोषजनक नहीं रहेगी। प्रतियोगी परीक्षाओं में सम्मिलित होने वाले छात्रों को सफलता सुनिश्चित करने के लिए अतिरिक्त कोचिंग लेनी होगी। इसके अलावा माह अवधि में आप का स्वभाव आत्म मुखर और कुछ हद तक हठी हो सकता हैं। सीखने और कौशल प्राप्ति के मार्ग में आपका रवैया सफलता में बाधक हो सकता हैं। अपने इस स्वभाव पर नियंत्रण लगाकर स्थिति को बेहतर कर सकते हैं। ललित कला के छात्रों, नर्तकों, संगीतकारों, चित्रकारों और मूर्तिकला के क्षेत्र में अध्ययन कर रहे विद्यार्थियों को अपने उद्देश्यों की प्राप्ति के लिए काफी कड़ी मेहनत करनी होगी।

मई 2026 के लिए फलादेश

इस माह के सितारें आपके लिए प्रतिकूल बने हुए हैं। माह अवधि में सफलता प्राप्त करने के लिए आपको अपने शैक्षिक प्रयास बढ़ाने होंगे। उच्च शिक्षा प्राप्ति में लगे व्यक्तियों को परिस्थितियों के विपरीत होने से सफलता प्राप्ति के अवसर सुखद नहीं बने हुए हैं। कानून के छात्रों के लिए भी स्थिति बहुत अच्छी नहीं बनी हुई हैं। नृत्य, नाटक, संगीत, चित्रकला, मूर्तिकला, और अन्य ललित कला के विद्याथी अपनी कला का जादू दिखाने में सफल नहीं हो पायेंगे। इसके अलावा दिखाग को खुला रखने से आपको सीखने में बहुत मदद मिलेगी। किसी भी प्रतियोगी परीक्षा में बैठने वाले लोग अपने प्रदर्शन से संतुष्ट नहीं रहेंगे। इसके अलावा प्रशासनिक क्षेत्र में अध्ययन कर रहे छात्रों के लिए भी स्थिति बहुत सुखद नहीं बन रही हैं।

जून 2026 के लिए फलादेश

इस माह के सितारों की भविष्यवाणी आपकी शैक्षिक संभावनाओं के लिए बहुत उत्साहवर्धक नहीं बन रही हैं। तकनीकी छात्रों को अपने उद्देश्य प्राप्त करने के लिए अधिक कठिन कार्य करना पड़ सकता हैं। नृत्य, नाटक, संगीत, चित्रकला, मूर्तिकला, और अन्य ललित कलाओं के छात्रों के लिए परिस्थितियां सुखद नहीं बनी हुई हैं। शिक्षकों के साथ आपको अपना रवैया आत्ममुखर और हठी प्रकृति के न बनें। आपको ऐसे स्वभाव को बदलने का प्रयास करना चाहिए।

किसी भी प्रतियोगी परीक्षा में बैठने वाले लोगों को अतिरिक्त कोचिंग लेनी पड़ सकती हैं। इसके बाद ही आपकी सफलता सुनिश्चित हो सकती हैं।

जुलाई 2026 के लिए फलादेश

शैक्षिक संभावनाओं के लिए यह माह बहुत उत्साहजनक नहीं बना हुआ हैं। शिक्षकों के प्रति आपका स्वभाव कुछ आत्ममुखर और हठी हो सकता हैं। आपमे मन में नकारात्मक प्रभाव विकसित हो सकता हैं। यदि आप अपने इस स्वभाव को नहीं बदलते है तो सीखने की प्रक्रिया पर इसका प्रतिकूल असर पड़ सकता हैं। तकनीकी छात्रों को अपनी पाठयपुस्तकों के साथ लम्बे समय तक समय लगाना होगा। नृत्य, नाटक, संगीत, चित्रकला, मूर्तिकला और अन्य ललित कलाओं का अध्ययन करने वाले व्यक्तियों को भी मनोकूल उद्देश्यों की प्राप्ति में बाधाओं का सामना करना पड़ सकता हैं। किसी भी प्रतियोगी परीक्षा में बैठने वाले लोगों को सफल होने के लिए अतिरिक्त कोचिंग लेनी पड़ सकती हैं। अन्यथा सफलता और विफलता के मध्य अंतर आ सकता हैं।

अगस्त 2026 के लिए फलादेश

शैक्षिक गतिविधियों के लिए इस माह के सितारों की स्थिति बहुत उत्साहवर्धक नहीं बन रही हैं। किसी भी प्रतियोगी परीक्षा में शामिल होने वाले व्यक्तियों को सफल होने के लिए अतिरिक्त कोचिंग लेनी पड़ सकती हैं। कोचिंग करने से ही आपकी सफलता और विफलता के बीच के अंतर को दूर किया जा सकता हैं। नृत्य, नाटक, संगीत, चित्रकला, मूर्तिकला और अन्य ललित कला क्षेत्रों में अध्ययन कर रहे छात्रों को अत्यधिक कार्य करने के लिए तैयार रहना चाहिए। परिस्थितियों को बेहतर करने में आपको मदद मिलेगी। माह अवधि में आपके मन की नकारात्मक स्थिति बनी रहने की संभावना बन रही हैं। शिक्षकों के प्रति आपका स्वभाव आत्ममुखर और हठी हो सकता हैं। आपको ऐसे स्वभाव को बदलना चाहिए।

सितम्बर 2026 के लिए फलादेश

इस माह में आपको शैक्षिक क्षेत्र में सफलता प्राप्त करने के लिए कड़ी मेहनत करनी पड़ सकती हैं। माह अवधि में सितारों की स्थिति आपके लिए प्रतिकूल बन रही हैं। प्रतियोगी परीक्षाओं में बैठने वाले वर्ग को सफलता प्राप्त करने के लिए अतिरिक्त कोचिंग लेनी पड़ सकती हैं। इसके बाद ही आपकी सफलता सुनिश्चित हो सकती हैं। नृत्य, संगीत, चित्रकला, मूर्तिकला और अन्य ललित कला के विद्यार्थियों को अपने उद्देश्यों को प्राप्त करने के लिए अतिरिक्त कम करने के लिए तैयार रहना होगा। तकनीकी छात्रों को अपने अध्ययन विषयों के प्रति अधिक समर्पित रहना होगा। इसके अलावा अपने पाठयपुस्तकों का अध्ययन अधिक लगन और मेहनत से करना होगा। तथा स्वाध्ययन का लाभ आपको प्राप्त न होने की संभावना बन रही हैं। शिक्षकों के निर्देशों का सख्ती से पालन करें यह आपके लिए कठिनाई उत्पन्न कर सकता हैं।

अक्तूबर 2026 के लिए फलादेश

इस माह के सितारों के प्रतिकूल संयोजन की वजह से आपकी शैक्षिक प्रगति धीमी और थकाऊ हो सकती हैं। शिक्षकों के प्रति आत्ममुखर और हठी रवैया आपके लिए इस अवधि में सही नहीं होगा। आपको इससे बचना चाहिए। सीखने के प्रति आपको अपना दृष्टिकोण बदलना चाहिए। इसके अलावा किसी प्रतियोगी परीक्षा में बैठने वाले व्यक्तियों को अतिरिक्त कोचिंग लेनी पड़ सकती हैं। सफलता प्राप्ति के लिए यह आवश्यक होगा। नृत्य, संगीत, चित्रकला, नाटक, मूर्तिकला आदि विषयों का अध्ययन कर रहे लोगों को उद्देश्यों की प्राप्ति के लिए अतिरिक्त प्रयास करने पड़ सकते हैं। माह अवधि में आपको प्रतिकूल परिस्थितियघं का सामना करना पड़ सकता हैं।

नवम्बर 2026 के लिए फलादेश

इस माह आपको अपने शैक्षिक क्षेत्र में अनेक समस्याओं का सामना करना पड़ सकता हैं। परिस्थितियों के विपरीत होने के कारण सफलता प्राप्ति की प्रक्रिया धीमी और थकाऊ हो सकती हैं। विषयों को सीखने के लिए आपको विषयों को ग्रहण करने के लिए मन से तैयार रहना होगा। मानसिक रुप से तैयार रहने से आप प्रतिकूल समय में भी अनुकूल परिणाम प्राप्त कर सकते हैं। इसके अतिरिक्त आत्मकेन्द्रित और विषयों में रुचि की कमी यदि है तो उसे यथासमय दूर करने का प्रयास करें। तथा जो प्रतियोगी परीक्षा में सम्मिलित हो रहे हों उन्हें अतिरिक्त कोचिंग लेनी पड़ सकती हैं। सफलता प्राप्ति के लिए यह आवश्यक है कि आप कोचिंग लें। भाषा, पत्रकारिता, और जन–संचार विषयों का अध्ययन कर रहे व्यक्तियों को सामान्य से अधिक प्रयास करने पड़ सकते हैं। आपको इस अवधि में निराश नहीं होना हैं, क्योंकि प्रतिकूल परिस्थितियों में सफलता प्राप्ति के लिए आपको प्रयासरत रहना होगा।

दिसम्बर 2026 के लिए फलादेश

इस माह के सितारों की भविष्यवाणी आपके लिए बहुत उत्साहवर्धक नहीं बन रही हैं। अतः यह समय आपकी शैक्षिक संभावनाओं के लिए बहुत सुखद नहीं बन रहे हैं। किसी भी प्रकार की प्रतियोगी परीक्षाओं में बैठने वाले छात्रों को सफल होने के लिए अतिरिक्त कोचिंग लेनी चाहिए। इसके बाद ही इस अवधि में आपके सफल होने की संभावनाएं बन रही हैं। नृत्य, नाटक, संगीत, चित्रकला, मूर्तिकला और अन्य ललित कला के छात्रों को मनोकूल परिणाम प्राप्त करने के लिए अतिरिक्त प्रयास करने पड़ सकते हैं। परिस्थितियों के सकारात्मक न होने के कारण आपका दृ ष्टिकोण उदासीन हो सकता हैं। परन्तु यह आपके लिए सही नहीं होगा। शिक्षा प्राप्ति के लिए यह आवश्यक है कि आप आत्ममुखर और हठी न बनें। यदि आपमें यह स्वभाव है तो शीघ्र बदलने का प्रयास करें। माह अवधि में सीखने की प्रक्रिया का रवैया सकारात्मक बनाए रखना आपके लिए बहुत उपयोगी हो सकता हैं।

एजुकेशन - 2027

षष्टस्थ राहु के प्रभाव से प्रतियोगिता परीक्षार्थियों को सफलता मिलेगा। आपको करियर में स्थिरता प्राप्त होगी। जो लोग नौकरी की तलाश में हैं उनको वर्ष के पूर्वार्द्ध में ही नौकरी मिल सकती है।

26 जून के बाद विद्यार्थियों के लिए समय अच्छा हो रहा है। आप पढाई–लिखाई में आगे रहेंगे। यदि आप उच्च शिक्षा प्राप्त करना चाहते हैंतो अच्छे शैक्षणिक संस्थान में आपका प्रवेश हो सकता है। तकनीकी शिक्षा या व्यावसायिक शिक्षा के लिए समय काफी अनुकूल है।

जनवरी 2027 के लिए फलादेश

शैक्षिक संभावनाओं के लिए इस माह के सितारों की भविष्यवाणी विशेष रुप से अनुकूल नहीं बन रही हैं। तकनीकी छात्रों को अपनी कक्षाओं में अपनी सामान्य स्थिति को बनाए रखने के लिए कठिन प्रयास करने होंगे। इसके बाद भी सफलता सुनिश्चित नहीं हो पाएगी। उच्च शिक्षा के लिए प्रयास कर रहे छात्र वर्ग को सही अवसर खोजने में काफी परेशानियां आ सकती हैं। इस वर्ग को अधिकांश विषयों में अच्छे स्कोर प्राप्त करने के लिए संघर्ष की स्थिति बन सकती हैं। इस अवधि में उद्देश्यों की प्राप्ति काफी मुश्किल होगी। इसके अतिरिक्त प्रतियोगी परीक्षाओं के उम्मीदवारों को नतीजों को अपने पक्ष में करने के लिए अतिरिक्त कोचिंग का सहारा लेना पड़ेगा।

फरवरी 2027 के लिए फलादेश

इस माह के ग्रहों की स्थिति आपकी शैक्षिक संभावनाओं के लिए सकारात्मक नहीं बन रही हैं। शिक्षा कार्यो के लिए सितारों का संयोजन आपको सहयोग नहीं कर रहा हैं। उच्च शिक्षा प्राप्ति के लिए प्रयासरत छात्रों के लिए यह समय काफी दुःखद और कठिनाईयों से भरा हो सकता हैं। माह अवधि में इस वर्ग को अच्छे अवसरों की तलाश रहेंगी। अधिकांश विषयों में आपके लिए अपनी सफलता का स्कोर बनाए रखना कठिन हो सकता हैं। अत्यधिक मेहनत करने पर भी आपको सफलता हासिल होने की संभावनाएं बहुत कम बन रही हैं। प्रतियोगी परीक्षाओं के उम्मीदवारों को सफलता हासिल करने के लिए अतिरिक्त कोचिंग करनी होगी। प्रतिकूल परिस्थिति में अतिरिक्त कोचिंग करने से आप सफलता और विफलता के बीच के अंतर को कम कर सकते हैं।

मार्च 2027 के लिए फलादेश

इस माह के सितारों की भविष्यवाणी आपके लिए विशेष रुप से अनुकूल नहीं बन रही हैं। अतः यह समय आपकी शैक्षिक गतिविधियों के लिए कष्ट्कारी बना हुआ हैं। जो छात्र उच्च शिक्षा प्राप्त करने क लिए प्रयास कर रहे है उन सभी के प्रयास मध्य में अटक सकते हैं। इस वर्ग के लिए उत्तम रहेगा कि समस्याओं का निराकरण करते हुए सही अवसरों की तलाश कर उनका

लाभ उठाया जायें। प्रतियोगी परीक्षाओं में बैठने वाले छात्रों को सफल होने के लिए अतिरिक्त कोचिंग लेनी पड़ सकती हैं। अतिरिक्त कोचिंग के फलस्वरुप आपके प्रयासों का परिणाम सफलता में परिवर्तित हो सकते हैं। ललित कला और कानून के छात्रों के लिए यह समय कठिन सिद्ध हो सकता हैं। माह अवधि में आपको अपने अधिकांश उद्देश्यों को प्राप्त करने के लिए संघर्ष करना होगा। फिर भी पूरी तरह से सफल नहीं हो पायेंगे।

अप्रैल 2027 के लिए फलादेश

शैक्षिक गतिविधियों के लिए इस माह के सितारों की भविष्यवाणी आपके लिए विशेष रुप से प्रतिकूल बनी हुई हैं। उच्च शिक्षा प्राप्त कर रहे छात्र वर्ग को कठिनाईयों का सामना करना पड़ सकता हैं। माह अवधि में इस वर्ग को अच्छघ अवसरों की तलाश रहेगी। साथ ही इस अवधि में आपको प्रेरणा की कमी बनी हुई हैं। सफलता प्राप्ति के लिए यह आवश्यक है कि आपका मनोबल उच्च रहें और आप प्रेरित रहें। अधिकांश विषयों का अध्ययन करते हुए आपको शिक्षा के क्षेत्र में कठिनाईयों का सामना करना पड़ सकता है।

मई 2027 के लिए फलादेश

इस माह के सितारों का संयोजन आपके शिक्षा क्षेत्र की गतिविधियघं के लिए बहुत अच्छा नहीं बना हुआ हैं। समय की प्रतिकूलता में छात्र वर्ग को अपने अधिकांश उद्देश्यों को प्राप्त करने के लिए संघर्ष का सामना करना पड़ सकता हैं। फिर भी ज्यादा सफलता हासिल करने की संभावनाएं नहीं बन रही हैं। कानून के छात्रों के लिए यह समय विशेष रुप से कोशिश करने का रहेगा। उच्च शिक्षा क्षेत्र में अध्ययन कर रहे छात्रों को कुछ विषयों में निराशा की स्थिति बन सकती हैं। इस वर्ग को शिक्षा प्राप्ति में विभिन्न प्रकार की समस्याओं का सामना करना पड़ सकता हैं। सही अवसर खोजने में यह वर्ग सक्षम नहीं हो पाएगा। प्रतियोगी परीक्षाओं में शामिल होने वाले उम्मीदवारों को सफलता प्राप्त करने के लिए अतिरिक्त कोचिंग लेनी होगी। इस अवधि में बन रही परिस्थितियों को ध्यान में रखते हुए आप अतिरिक्त कोचिंग के द्वारा सफलता और विफलता के मध्य का अंतर दूर कर सकते हैं।

जून 2027 के लिए फलादेश

शैक्षिक गतिविधियों के लिए इस माह के ग्रहों की स्थिति आपके लिए विशेष रुप से लाभप्रद नहीं बनी हुई हैं। छात्र वर्ग अपने अधिकांश उद्देश्यों को पाने के लिए संघर्ष की स्थिति का सामना कर सकता हैं। फिर भी उद्देश्यों को प्राप्त करना सहज नहीं होगा। तकनीकी छात्रों के लिए यह समय विशेष रुप से कोशिश करने का रहेगा। विपरीत समय में सफल होने के लिए सामान्य की तुलना में कठिन प्रयास करने होंगे। इस पर भी छात्र वर्ग कक्षा में अपनी स्थिति को सामान्य ही बना पाएगा। उच्च शिक्षा प्राप्त कर रहे छात्रों के लिए यह समय मुश्किल भरा हो सकता हैं। अपने कौशल का जादू दिखाने में यह वर्ग सफल नहीं हो पाएगा। इस वर्ग को अपने

प्रयासों से समस्याओं का समाधान करना चाहिए। और सही अवसर की तलाश करनी चाहिए।

जुलाई 2027 के लिए फलादेश

इस माह के ग्रहों की स्थिति आपकी शिक्षा संभावनाओं के लिए बहुत उज्जवल नहीं बन रही हैं। छात्र वर्ग के लिए इस अवधि में अधिकांश विषयों में अपने उद्देश्यों को प्राप्त करने के लिए संघर्ष करना होगा। फिर भी प्रतिकूल अवधि होने के कारण ज्यादा सफलता हासिल नहीं होगी। तकनीकी छात्रों को विशेष रुप से परेशानी का सामना करना पड़ सकता हैं। इस वर्ग को अपनी सफलता का स्कोर बनाए रखने के लिए सामान्य से अधिक कठिन परिस्थितियों का सामना करना पड़ सकता है। कानून के छात्रों के लिए इस समय स्थिति अवांछनीय बनी हुई हैं। उच्च शिक्षा क्षेत्र में अध्ययन करने वाले वर्ग को कठिन प्रयास करने के बाद भी अच्छे मौके नहीं मिल पायेंगे।

अगस्त 2027 के लिए फलादेश

इस माह के दौरान शैक्षिक संभावनाएं आपके लिए बहुत उज्जवल नहीं बन रही हैं क्योंकि इस माह के सितारों की स्थिति शुभ योगकारक नहीं बन रही हैं। माह अवधि में आप अपने अधिकांश विषयों से संबंधित उद्देश्यों की प्राप्ति में ज्यादा सफलता हासिल नहीं हो पाएगी। माह अवधि में सफलता प्राप्त करने के लिए संघर्ष करते नजर आयेंगे। कानून के छात्रों को इस अवधि में विशेष रुप से कोशिश करनी होगी। प्रतियोगी परीक्षाओं में बैठने वाले छात्रों को सफल होने के लिए अतिरिक्त कोचिंग लेनी पड़ सकती हैं। उच्च शिक्षा के प्रयास कर रहे छात्र वर्ग को इस अवधि में काफी परेशानियों का सामना करना होगा। अच्छे अवसर की कमी का अनुभव आपको इस अवधि में हो सकता हैं।

सितम्बर 2027 के लिए फलादेश

यह माह आपकी शैक्षिक गतिविधियों के लिए लाभकारी नहीं बनी हुई हैं। उच्च शिक्षा में अध्ययन कर रहे छात्रों को शैक्षिक क्षेत्र में प्रगति प्राप्त करने में कठिनाईयां हो सकती हैं। प्रतिकूल समय में आपको अच्छे मौके की तलाश इस अवधि में रहेंगी। इसके अतिरिक्त माह अवधि में अध्ययन कार्यो में आपको प्रेरणा की कमी का अनुभव होगा। अतः सफलता प्राप्त करना इस अवधि में आपके लिए सरल नहीं रहेगा। दृढ़ होकर प्रयास करते रहें और सफलता की आशा बनाए रखें।

अक्तूबर 2027 के लिए फलादेश

इस माह आपके शैक्षिक कार्यों के लिए सितारों का संयोजन कष्टकारी बना हुआ हैं। ग्रहों की प्रतिकूलता के कारण आपको अपने उद्देश्यों को पाने के लिए काफी संघर्ष करना होगा,

फिर भी आप पूरी तरह से सफल नहीं हो पायेंगे। उच्च शिक्षा में अध्ययन कर छात्रों के लिए समय मुश्किल बना हुआ हैं। आप सही अवसरों को प्राप्त करने में असमर्थ रहेंगे। प्रतियोगी परीक्षाओं में शामिल होने वाले व्यक्तियों को अतिरिक्त कोचिंग लेनी होगी। इससे ही इनकी सफलता और विफलता के बीच का अंतर समाप्त होगा।

नवम्बर 2027 के लिए फलादेश

शैक्षिक गतिविधियों के लिए इस माह के सितारों की स्थिति काफी लाभकारी बनी हुई हैं। भाषाओं, पत्रकारिता, लेखा और कानून के क्षेत्र में शिक्षा प्राप्त कर रहे छात्र विशेष रुप से समय की शुभता से लाभान्वित होंगे। उच्च शिक्षा क्षेत्र में अध्ययनशील छात्रों को अपने संबंधित विषयों में अच्छा स्कोर प्राप्त हो सकता हैं। प्रतियोगी परीक्षाओं में बैठने वाले उम्मीदवारों को सफलता पाने के लिए ईमानदारी से प्रयास करना होगा। इससे यह वर्ग अपनी सफलता को सुनिश्चित कर सकता हैं। मानसिक संकायों के छात्र जल्द और आसानी से विषयों को सीख सकते हैं।

दिसम्बर 2027 के लिए फलादेश

इस माह के सितारों की स्थिति आपकी शैक्षिक गतिविधियों के लिए बहुत अनुकूल बनी हुई हैं। उच्च शिक्षा अर्जित कर रहे व्यक्तियों को अपने पसंद के क्षेत्रों में प्रवेश प्राप्ति और अध्ययन करने के अवसर प्राप्त हो सकते हैं। कलात्मक विषयों में अध्ययन कर रहे छात्रों और कानून के छात्रों के लिए स्थिति विशेष रुप से लाभप्रद बनी हुई हैं। प्रतियोगी परीक्षाओं में शामिल होने वाले उम्मीदवारों को सामान्य प्रयास करने से ही अपने उद्देश्यों की प्राप्ति हो सकती हैं। इसके अतिरिक्त मानसिक संकायों के छात्रों के लिए पढ़ाई करना सरल होगा और वे शीघ्र विषयों को ग्रहण कर पायेंगे। कुल मिलाकर यह माह आपके लिए काफी फायदेमंद रहेगा।

व्यवसायिक - 2025

कार्य व्यवसाय की दृष्टि से यह वर्ष मिला जुला परिणाम देने वाला रहेगा। वर्षारम्भ में सप्तमस्थ शनि के प्रभाव से आप अपने कार्यक्षेत्र में सफलता प्राप्त करेंगे। किसी अनुभवी व्यक्ति से मिलकर व्यापार में उन्नति के लिए नई योजना भी बनाएंगे जिससे व्यवसाय को एक नया मोड़ मिलेगा। दशमस्थ गुरु के प्रभाव से नौकरी करने वाले व्यक्तियों की पदोन्नति होगी तथा इच्छित स्थान पर स्थानान्तरण भी हो सकता है।

29 मार्च के बाद अष्टम स्थान में शनि ग्रह के गोचरीय प्रभाव से आपके कार्यों में कुछ रूकावटें आ सकती हैं परन्तु आप अपने बौद्धिक बल से उसे भी संभाल लेंगे। गुरुग्रह के गोचर के बाद समय काफी अनुकूल हो रहा है। एकादश स्थान के गुरुआय बढ़ा सकते है। आपको बड़े लोगों या वरिष्ठ अधिकारियों का सहयोग प्राप्त होगा।

जनवरी 2025 के लिए फलादेश

व्यावसायिक संभावनाओं के लिए इस माह की ग्रह स्थिति सकारात्मक बनी हुई है। व्यावसायिक पक्ष से यह अवधि आपके लिए काफी फायदेमंद रहेंगी। यात्रा और स्थान परिवर्तन के लिए समय शुभ फल दायक बनी हुई हैं। पूर्व दिशा में यात्रा करना आपके लिए लाभप्रद हो सकता हैं। आपके पिता के या परिवार के किसी बुजुर्ग व्यक्ति के संपर्क आपके लिए उपयोगी साबित हो सकते हैं। कार्य क्षेत्र में आपको हर प्रकार की राजनीति से दूर रहना चाहिए। आपको इस विषय में आपको सावधान रहना चाहिए।

फरवरी 2025 के लिए फलादेश

आपकी व्यावसायिक संभावनाओं के लिए यह माह संतोषजनक माह बना हुआ हैं। व्यापारिक कार्यो के लिए इस समय में यात्रा करना आपके लिए लाभदायक रहेगा। यात्रा के लिए दक्षिण दिशा का चयन करें। व्यावसायिक संभावनाओं में सुधार करने के लिए आपके पिता या परिवार के किसी बुजुर्ग सदस्य के संपर्कों से आपको फायदा मिल सकता हैं। आपको अपने कार्यो में अत्यधिक रुचि लेनी होगी। अपने वरिष्ठ अधिकारियों से किसी भी प्रकार का विवाद रखना आपके लिए सही नहीं रहेगा। इस समय में उन्नति के लिए भाग्य का सहयोग बन रहा हैं। नकारात्मक क्षेत्रों और बाधायुक्त क्षेत्रों में आपको संभल कर रहना होगा। आपको अपनी दैनिक गतिविधियों से प्रशंसा प्राप्त करने का प्रयास करना चाहिए।

मार्च 2025 के लिए फलादेश

इस माह अवधि की ग्रह स्थिति आपकी व्यावसायिक संभावनाओं के लिए उल्लेखनीय लाभ स्थिति नहीं बना रही हैं। व्यावसायिक विषयों के लिए यात्रा अथवा नई नौकरी प्राप्ति के लिए

की गई यात्राएं लाभों के पक्ष से आपके लिए बहुत मददगार नहीं बनी हुई हैं। माह अवधि में आपके संपर्क भी आपके काम नहीं आयेंगे। माह अवधि में किसी भी मामलें से निपटने में आपको अपने विशेष कौशल का प्रयोग करना होगा। आपको ऐसी परिस्थितियों का आपको कुशलता के साथ सामना करना चाहिए। वरिष्ठ अधिकारियों के साथ विवादों के कारण स्थिति खराब हो सकती हैं। किसी भी प्रकार की अप्रिय संभावनाओं से बचने के लिए आपको सावधानी के साथ आगे बढ़ना चाहिए। प्रतिकूल परिस्थितियों के कारण अपनी दैनिक गतिविधियों में संघर्ष की स्थिति बन सकती हैं।

अप्रैल 2025 के लिए फलादेश

वर्तमान माह अवधि में सितारों का संयोजन आपके आर्थिक पक्ष से बहुत फायदेमंद नहीं बन र रहा हैं। माह अवधि में आपका सावधान न रहना, आपकी आर्थिक स्थिति को कमजोर कर सकता हैं। शीघ्र लाभ प्राप्ति के लिए कुछ संभावनाएं बन रही हैं। फिर भी आपको ऐसे विषयों में धन विनियोजन करने से बचना चाहिए। जोखिम पूर्ण क्षेत्रों से आय प्राप्ति की संभावनाएं बहुत कम बन रही हैं। माह अवधि में समय की प्रतिकूलता होने के कारण आपके संपर्क भी इस समय आपके लिए लाभकारी सिद्ध नहीं होंगे। अपने कौशल और प्रयासों से आप इन विपरीत परिस्थितियों का सामना करने में सफल रहेंगे। इसके अतिरिक्त इस माह में वरिष्ठ अधिकारियों के साथ किसी भी प्रकार का मतभेद करने से बचना होगा।

मई 2025 के लिए फलादेश

इस माह के ग्रह, सितारों के अनुसार व्यावसायिक संभावनाएं बहुत उज्जवल नहीं बन रही हैं। कड़ी मेहनत करने के बावजूद इस माह में आप पुरस्कार पाने में असफल हो सकते हैं। आपके संपर्क भी आपके लिए बहुत मददगार नहीं होंगे। व्यापार या नौकरी के उद्देश्यों से यात्राएं होने के संकेत बन रहे हैं। पूर्व दिशा में यात्रा करना कुछ लाभ दे सकता हैं। फिर भी उम्मीद के अनुरुप लाभ प्राप्ति के संयोग नहीं बन रहे हैं। अपने वरिष्ठ अधिकारियों के साथ मतभेदों की एक अलग संभावना बन रही हैं। मुश्किल परिस्थितियों से बाहर निकलने के लिए आपको आवश्यक सुधारात्मक कार्यवाही करनी चाहिए। कुल मिलाकर यह माह आपके लिए सावधानी के साथ आगे बढ़ने का रहेगा।

जून 2025 के लिए फलादेश

व्यावसायिक पक्ष से यह माह आपके लिए बहुत हद तक कमजोर बन रहा हैं। इस माह के दौरान यह भी संभावना बन रही है कि बहुत अधिक कड़ी मेहनत करने पर भी आपको पुरस्कार प्राप्ति नहीं हो पायेंगे। माह अवधि में आपको अपने चातुर्य से काम लेना होगा। व्यापार या नौकरी के उद्देश्यों से इस अवधि में कुछ यात्राएं आपके द्वारा हो सकती हैं। इस अवधि में आपके प्रयास काफी हद तक अपनी अपेक्षाओं को पूरा करने में विफल रहेंगे। संपर्क भी आपके लिए

उपयोगी साबित नहीं होंगे। वरिष्ठ अधिकारियों के साथ मतभेद की संभावना बन रही हैं। ऐसी स्थितियों से आपको हर हाल में बचना चाहिए। विपरित परिस्थितियों से बचने के लिए आपको दूरदर्शिता के साथ आवश्यक कदम उठाने चाहिए।

जुलाई 2025 के लिए फलादेश

इस माह में व्यावसायिक संभावनाएं सितारों की स्थिति को ध्यान में रखते हुए बहुत सुखद नहीं बन रही है। वरिष्ठ अधिकारियों के साथ आपके गंभीर मतभेद उभर कर आ सकते हैं। आपको इस प्रकार की विपरीत परिस्थितियों से बचने का प्रयास करना चाहिए। माह अवधि की आकस्मिकताएं आपको विपरीत स्थितियों में कार्य करा सकती हैं। कोशिश करने से आप अप्रिय संभावनाओं को टाल सकते हैं। ग्रहों की प्रतिकूलता के कारण संपर्क भी आपके लिए बहुत उपयोगी नहीं रहेंगे। परिस्थितियों को बेहतर करने के लिए आपको अपने कौशल का उपयोग करते हुए स्वयं प्रयास करने होंगे। यात्राओं से संभावित लाभ प्राप्तियां विफल होने के संकेत बन रहे हैं। इसके अलावा कार्यस्थल पर किसी भी प्रकार की राजनीति के प्रति आपको सावधान रहना होगा। अन्यथा इस प्रकार की गतिविधियां आपके लिए हानि का कारण बन सकती हैं।

अगस्त 2025 के लिए फलादेश

माह अवधि में सितारों की स्थिति आपकी व्यावसायिक संभावनाओं के लिए बहुत अनुकूल नहीं बन रही हैं। बहुत कड़ी मेहनत करने पर भी सौदें आपको मनोकूल लाभ नहीं दे पायेंगे। माह अवधि में व्यावसायिक कार्यो के लिए यात्रा करने के योग बन रहे हैं। यात्राओं से उम्मीद के अनुरुप लाभ प्राप्तियां नहीं हो पायेंगी। विपरीत समय में आप उत्तर दिशा की यात्रा कर कुछ लाभ प्राप्त करने में सफल हो सकते हैं। इसके अलावा इस समय में वरिष्ठ अधिकारियों के साथ संघर्ष की स्थिति बन सकती हैं। आपको ऐसी स्थिति के प्रति सावधान रहना होगा। अप्रिय स्थितियां उत्पन्न न हो इसके लिए आपको खास प्रयास करने पड़ सकते हैं। संपर्क सूत्रों से किसी प्रकार का लाभ प्राप्त होने की संभावनाएं नहीं बन रही हैं। अतः इस समय में आपको अपने खुद के कौशल और प्रयास पर भरोसा करना होगा।

सितम्बर 2025 के लिए फलादेश

व्यवसायिक विषयों के लिए यह अवधि आपके लिए बहुत अनुकूल नहीं हैं। समय में शुभता की कमी के कारण आपको अपने कार्यों की अधिक देख–रेख करनी होगी। यह भी संभावित है कि आपको बहुत अधिक प्रयास करने पड़े। आप चाहे नौकरी में हो या व्यापार में कार्यस्थल पर किसी भी प्रकार की राजनीति में शामिल होने से बचें। अन्यथा आप इसके शिकार हो सकते हैं। दृढ़ता के साथ आप इन विषयों से बचें। प्रत्यक्ष या परोक्ष हर प्रकार से इन सब चीजों से दूर रहें। उच्चस्तरीय अधिकारियों से वादि–ववाद और संघर्ष की स्थिति बन सकती हैं। आपको ऐसी घट्नाओं से बचना होगा। आपको अपने कार्यों में अधिक से अधिक रुचि लेनी होगी। इससे आपको

अपने कार्यो से अधिक संतुष्टि प्राप्त होगी।

अक्तूबर 2025 के लिए फलादेश

ग्रह परिस्थितियां सामान्य न होने के कारण इस माह में आपको काफी मेहनत करनी पड़ सकती हैं। समय में शुभता की कमी आपसे ऐसा करा सकती हैं। इतना ही नहीं इस माह में आपके कार्य भार में वृद्धि हो सकती हैं। मेहनत और कार्य भार की अधिकता आपके लिए संघर्ष की स्थिति उत्पन्न कर सकती हैं। आप चाहे नौकरी में हो या व्यापार में आपको अपने कार्यस्थल पर किसी भी प्रकार की राजनीति में शामिल होने से बचना चाहिए। अपनी पदस्थिति को मजबूत करने की कोशिशें माह अवधि में नाकाम हो सकती हैं। आपके पिता या परिवार के किसी बुजुर्ग सदस्य के संपर्कों की मदद से आपको व्यावसायिक पक्ष से सहयोग मिल सकता हैं।

नवम्बर 2025 के लिए फलादेश

व्यावसायिक संभावनाओं के लिए इस माह की परिस्थितियां अनुकूल बन रही हैं। नौकरी या व्यापारिक स्थिति को मजबूत करने के लिए आप तत्पर रहेंगे। आपके पिता या परिवार के किसी सदस्य के संपर्क का लाभ आपको सकारात्मक रुप से प्राप्त होगा। व्यावसायिक पक्ष से आपके लिए सकारात्मक भूमिका अदा कर सकता हैं। लेखकों के लिए भी समय की शुभता बनी हुई हैं। इसके अतिरिक्त रत्न क्षेत्र के व्यापारियों, बैंकिंग और डीलरों के लिए माह स्थिति अनुकूल नहीं बनी हुई हैं। इन सभी वर्गों के लिए यह स्थिति शुभ फलदायक बनी हुई हैं। आप चाहे तो ऐसे व्यापार क्षेत्रों में सम्मिलित हो लाभ उठा सकते हैं। आपको राजनीति से दूर रहना चाहिए। कुछ अवधि के लिए आप यात्राओं पर जा सकते हैं। पश्चिम दिशा में यात्रा करना आपके लिए फायदेमंद रहेगा।

दिसम्बर 2025 के लिए फलादेश

व्यावसायिक कार्यो के लिए माह अवधि के सितारों की परिस्थितियां शुभ बनी हुई हैं। समय अवधि का आपको कुशलता के साथ उपयोग करना चाहिए। इस माह में आपके द्वारा निर्धारित किए गये लक्ष्यों को प्राप्त करने में अधिक समय नहीं लगेंगा। अपने पिता या परिवार के किसी बुजुर्ग सदस्य के संपर्क के सहयोग से आपको व्यावसायिक विस्तार में लाभ मिलेगा। ऐसे संपर्कों का आप उपयोग करें। आप किसी भी प्रकार के कार्यो में कार्यरत हों, पेशे के पक्ष से समय शुभता बनी हुई हैं। ब्याज आदि विषयों से आपको उत्तम लाभ प्राप्त हो सकते है। तथा माह अवधि में आपको सराहना और ईनाम दोनों की प्राप्ति हो सकती हैं। व्यावसायिक क्षेत्रों से प्राप्त लाभों से आप संतुष्ट रहेंगे। इस समय में पदोन्नति और स्थानांतरण के योग बन सकते हैं। आपका किसी नए कार्य या स्थान पर स्थानांतरण हो सकता हैं।

व्यवसायिक - 2026

कार्य व्यवसाय की दृष्टि से वर्ष का प्रारम्भ सामान्यरहेगा। शनि एवं राहु का गोचर प्रतिकूल होने के कारण आपको कार्यक्षेत्र में सफलता नहीं मिलेगी। गुप्त शत्रु व बिरोधी आपके कार्यों में रुकावटें डालने की कोशिश करेंगे। व्यापार को लेकर मानसिक परेशानी बनी रहेगी। इस समय के अंतराल मेंजल्द ही किसी पर भी विश्वास न करें और न हीजल्दबाजी में कोई महत्वपूर्ण निर्णय लें।

02जून के बाद समय और प्रभावित हो रहा है। उस समय आपके साथ धोखा या व्यापार में हानि हो सकती है। सोच को सकारात्मक बनाए रखें, क्योंकि वर्षान्त में राहु एवं गुरु ग्रह का गोचर एक साथ अनुकूल हो रहा है। उस समय आपको अपने व्यापार व कार्यक्षेत्र में लाभ मिलना शुरू हो जाएगा।

जनवरी 2026 के लिए फलादेश

व्यावसायिक संभावनाओं के लिए इस माह की ग्रह स्थिति बहुत उत्साहवर्धक नहीं बनी हुई हैं। माह अवधि में आप पर कार्य भार अधिक नहीं रहेगा। फिर भी कार्य करने का माहौल आपके लिए सुखद नहीं बना हुआ हैं। अपने पूर्ण प्रयासों के बावजूद आप प्रत्याशित लाभ प्राप्त करने में सफल नहीं हो पायेंगे। यह भी संभावना बन रही हैं कि आप बहुत कोशिशें करने के बाद भी अपने कार्यो के अनुरुप लाभ प्राप्त न कर पायें। इस समय में सौदे निश्चित करने के उद्देश्यों से अनेक यात्राएं करने की संभावनाएं बन रही हैं। यात्राओं से किसी प्रकार का लाभ मिलने के योग बहुत कम बन रहे हैं। लेकिन पूर्व दिशा की यात्राएं आपको कुछ लाभ दे सकती हैं। हालांकि यह भी बहुत उपयोगी नहीं कहा जा सकता हैं। संपर्क और प्रभावशाली दोस्तों का सहयोग आपकी मदद करने में असमर्थ रहेगा। कुल मिलाकर इस माह में व्यावसायिक स्थिति में कुछ सुधार होने की संभावनाएं बहुत कम बन रही हैं। लाभों में कमी आपको पीड़ित कर सकती हैं।

फरवरी 2026 के लिए फलादेश

यह माह आपके पेशवर जीवन की संभावनाओं के लिए सकारात्मक बना हुआ हैं। व्यावसायिक स्थिति में सुधार करने के लिए यह माह कई अवसरों से युक्त हैं। लेखकों, कलाकारों, संगीतकारों और ललित कला के अन्य जानकारों के लिए माह की विशेष शुभता बनी हुई हैं। इस अवधि में इस वर्ग का कला क्षेत्र में महत्वपूर्ण योगदान रहेगा। नाम कमाने और रचनात्मक कला का उत्पादन करने के लिए समय बेहद संतोषजनक बना हुआ हैं। यात्रा कार्यो के लिए दक्षिण दिशा आपके लिए काफी फायदेमंद रहेगी। अपने पेशे में बने रहे यह समय आपके लिए विशेष रहेगा। किसी महिला सदस्य के द्वारा आपको पेशे को आगे बढ़ाने के अवसर मिल सकते हैं। कुल मिलाकर यह माह आपके लिए लाभप्रद माह रहेगा। इसमें आप कई अच्छे सौदे तय करेंगे।

मार्च 2026 के लिए फलादेश

इस माह के सितारें आपकी व्यावसायिक संभावनाओं के लिए काफी अनुकूल बने हुए हैं। पश्चिम दिशा में यात्रा कर आप इस समय में कोई बड़ा सौदा तय करने में सफल हो सकते हैं। किसी महिला सदस्य का सहयोग आपके व्यावसायिक क्षेत्र को बढ़ावा दे सकता हैं। किसी महिला सदस्य के द्वारा आपको विशेष लाभ प्राप्त हो सकता हैं। यह अवधि आपके भाग्य के पक्ष से बहुत उत्तम बन रही हैं। भाग्य की शुभता आपके कार्य करने के लिए सकारात्मक बनी हुई हैं। आपको अपने द्वारा किए गए कार्यो से संतुष्टि प्राप्त होगी। कुल मिलाकर यह अत्यंत लाभकारी माह, जिसके दौराण आप अपने पेशे में बहुत कुछ हासिल कर सकते हैं।

अप्रैल 2026 के लिए फलादेश

व्यावसायिक संभावनाओं के लिए यह माह बहुत उत्साहवर्धक नहीं बना हुआ हैं। इस माह के सितारों का संयोजन आपके लिए लाभकारी नहीं बना हुआ हैं। माह अवधि में बन रहे संकेत आपके लिए कुछ कष्टकारी बने हुए हैं। शीघ्र लाभ प्राप्ति के इच्छुक है तो आपको कानून से बाहर जाकर कार्य करने से आपको बचना होगा। ऐसा न करने के परिणाम आपके लिए विनाशकारी सिद्ध हो सकते हैं। अनुकूल परिणाम प्राप्त करने के लिए आप स्वयं अत्यधिक प्रयास करने होंगे और सख्ती से गलत गतिविधियों से आपको परहेज करना होगा। सिखने वाले वर्ग के साथ जुड़ना आपके लिए उपयोगी नहीं रहेगा। धैर्य के साथ प्रयास करते रहना आपके लिए लाभकारी रहेगा।

मई 2026 के लिए फलादेश

इस माह के ग्रह एवं सितारों की स्थिति के अनुसार यह माह आपके लिए बहुत अनुकूल नहीं रहेगा। इस माह में व्यावसायिक उन्नति होने की संभावनाएं सामान्य से कम बन रही हैं। इसके अतिरिक्त इस माह में अत्यधिक यात्राएं होने के योग बन रहे हैं। परन्तु इन यात्राओं से आंशिक लाभ प्राप्ति की संभावनाएं बन रही हैं। फिर भी पूर्व दिशा में यात्रा करना आपके लिए लाभकारी साबित हो सकता हैं। इस दिशा में यात्रा करने से आपको विपरीत समय में भी लाभ प्राप्तियां हो सकती हैं। कार्यस्थल का वातावरण इस अवधि में काफी संतोषजनक नहीं बना हुआ हैं। इस माह में आप पर कार्य भार अधिक नहीं रहेगा। छोटे लक्ष्यों को प्राप्त करने में भी आपको अधिक मेहनत करनी पड़ सकती हैं। संपर्कों और प्रभावशाली दोस्त भी आपके लिए बहुत मददगार साबित नहीं होंगे। दूसरों पर निर्भरता आपको कम करनी होगी। प्रतिकूल अवधि में धैर्य और प्रयास आपको लाभ दे सकते हैं।

जून 2026 के लिए फलादेश

व्यावसायिक संभावनाओं के लिए सितारों की स्थिति इस माह में आपके लिए प्रतिकूल

बनी हुई हैं। ग्रहों का सहयोग प्राप्त नहीं हो रहा हैं। माह अवधि में कार्यक्षेत्र का माहौल संतोषजनक नहीं बना हुआ हैं। फिर भी इस समय में आप पर कार्यभार बहुत अधिक नहीं रहेगा। आंशिक रुप से आप इस समय में अपने लक्ष्यों को प्राप्त करने में सफल हो सकते हैं। प्रतिकूल समय होने के कारण आपको अपने कार्यो से संतुष्टि प्राप्त नहीं होगी। संपर्क सूत्रों से भी अधिक लाभ प्राप्त न होने की संभावनाएं बन रही हैं। माह अवधि में यात्राएं अधिक करनी पड़ सकती हैं। यात्राओं से लाभ मिलने के योग कम बन रहे हैं। लेकिन दक्षिण दिशा की यात्राएं आपके लिए लाभकारी रहेंगी। कुल मिलाकर यह माह आपके लिए काफी संतोषजनक माह रहेगा। अच्छे सौदे प्राप्त करने के लिए आपको विशेष प्रयास करने पड़ सकते हैं।

जुलाई 2026 के लिए फलादेश

सितारों का शुभ आशिर्वाद प्राप्त न होने के कारण इस माह में सितारों की संभावनाएं उज्जवल नहीं बनी हुई हैं। पेशेवर जीवन के लिए परिस्थितियां सुखद नहीं बनी हुई हैं। माह अवधि में अनेक यात्राएं करने के अवसर बन सकते हैं। यात्राओं का परिणाम आपको लाभों के रुप में प्राप्त होने के योग बहुत कम बन रहे हैं। इसके अलावा कार्य भार हल्का रहेगा। काम की परिस्थितियां उचित न होने से आप अपने प्रत्याशित लक्ष्यों को प्राप्त करने में सफल नहीं हो पायेंगे। शीघ्र धन प्राप्ति के लिए आपको गलत साधनों का प्रयोग करने से बचना होगा। कानून के विरुद गतिविधियों में शामिल होना आपके लिए अत्यंत कष्टकारी साबित हो सकता हैं। इस प्रकार की गतिविधियों से आपको बचना होगा।

अगस्त 2026 के लिए फलादेश

भाग्य का सहयोग प्राप्त न होने के कारण यह माह आपकी व्यावसायिक संभावनाओं के लिए बहुत ज्यादा सुखद नहीं बना हुआ हैं। माह अवधि में कार्य भार अधिक नहीं रहेंगा और कार्यस्थल की परिस्थितियां आपके लिए अनुकूल होने के बावजूद भी आपको अपने कार्यो से संतुष्टि प्राप्त नहीं हो पायेगी। इस स्थिति में आपके द्वारा अपने लक्ष्यों को प्राप्त करने की संभावनाएं अधिक नहीं बन रही हैं। माह अवधि में अत्यधिक यात्राएं करने की संभावना बन रही हैं। इन यात्राओं से भी छोटे परिणाम प्राप्त हो सकते हैं। सितारों की स्थिति के अनुसार उत्तर दिशा की यात्रा आपको मामूली लाभ दे सकती हैं। जोखिम पूर्ण क्षेत्रों में कार्य करना आपके लिए लाभ का साधन होने के स्थान पर हानि का कारण बन सकता हैं। हानि से बचने के लिए आपको सावधानी से काम लेना होगा।

सितम्बर 2026 के लिए फलादेश

इस माह में बन रहे सितारों के संयोजन के अनुसार यह माह आपकी व्यावसायिक संभावनाओं के पक्ष से अनुकूल नहीं बन रही हैं। अतः इस माह में कार्यक्षेत्र का वातावरण सुखद होने की संभावनाएं बहुत कम बन रही हैं। उम्मीद के अनुसार लाभ प्राप्त करने में आपको

कठिनाईयों का सामना करना पड़ सकता हैं। माह अवधि में किए गये प्रयास भी आंशिक रुप से व्यर्थ साबित हो सकते हैं। इसके अतिरिक्त इस समय में कुछ यात्राएं भी हो सकती हैं। लेकिन यात्राओं से भी प्रत्याशित लाभ प्राप्त होने की संभावना बहुत कम बन रही हैं। व्यावसायिक यात्राओं की शुभ दिशा पूर्व दिशा हैं। इस दिशा में कार्यों के लिए की गई यात्राएं आपको कुछ लाभ दे सकती हैं। संपर्क सूत्रों से भी व्यावसायिक विस्तार की उम्मीद कम हैं। यह भी संभावित है कि ऐसे संपर्क सूत्र आपकी उम्मीदों को लाभ में परिवर्तित करने में विफल हों। इस समय में बनाई गई योजनाओं से लाभ प्राप्तियां कठिन रहेंगी।

अक्तूबर 2026 के लिए फलादेश

ग्रह, सितारों के पक्ष से इस माह आपकी व्यावसायिक संभावनाओं के लिए यह माह बहुत शुभ फलदायक नहीं बन रहा हैं। आपके कार्य आपको संतुष्टि देने में असमर्थ रहेंगे। इसके अलावा कार्यक्षेत्र का माहौल और वहां की परिस्थितियां आपकी अपेक्षाओं पर पूरी नहीं उतरेंगी। कुछ व्यावसायिक प्रयोजनों अथवा नौकरी के सिलसिले में की गई यात्राओं से अनुकूल लाभ प्राप्तियां नहीं हो पायेंगी। दक्षिण दिशा में यात्रा करना आपको सकारात्मक परिणाम देकर जा सकता हैं। इसके अतिरिक्त संपर्क सूत्र भी आपको ज्यादा मदद नहीं करेंगे। कार्यों के लिए दूसरों पर निभर्रता आपके लिए सही नहीं होगी।

नवम्बर 2026 के लिए फलादेश

व्यावसायिक उन्नति के लिए यह माह बहुत अनुकूल नहीं रहेगा। यात्राओं के द्वारा अच्छे सौदे तय करने की आपकी योजना लाभदायक नहीं रहेंगी। फिर भी पश्चिम दिशा में यात्रा करना कुछ हद तक लाभ दे सकता हैं। कार्य क्षेत्र का वातावरण आपके लिए उत्कृष्ट नहीं बना हुआ हैं। अतः इस अवधि में आपको सावधान रहना होगा। आपके संपर्क और प्रभावशाली दोस्तों की मदद भी आपके लिए अनुकूल सिद्ध नहीं होगी। समय की प्रतिकूलता को कम करने के लिए आप दूसरों पर निभर्र होने से बचें। इसके अतिरिक्त इस अवधि में आपको धैर्यपूर्वक स्थिति का सामना करना होगा। कुल मिलाकर यह माह आपके लिए बहुत अनुकूल माह नहीं बना हुआ हैं।

दिसम्बर 2026 के लिए फलादेश

सितारों का संयोजन इस माह में बहुत अनुकूल नहीं बना हुआ हैं। अतः यह माह आपकी पेशेवर उन्नति की संभावनाओं के पक्ष से बहुत उज्जवल नहीं बना हुआ हैं। माह अवधि में आपको अपने कायी से संतुष्टि की प्राप्ति नहीं होगी। यहां तक की इस माह में आप पर कार्य भार की अधिकता भी नहीं रहेगी। फिर भी कायी का परिणाम सुखद न रहने की संभावना बन रही हैं। माह अवधि में आपको बहुत अधिक यात्राएं करनी पड़ सकती हैं। लेकिन फिर भी आप यात्राओं से प्रत्याशित लाभ प्राप्त करने में सफल नहीं हो पायेंगे। जहां तक अपने उद्देश्य प्राप्ति की बात है यह समय आपके लिए कष्टकारी रहेगा। आप और आपके लक्ष्यों की प्राप्ति के मध्य अनेक बाधाएं होने

की संभावना बन रही हैं। संपर्क सूत्रों से आपको मदद मिलने की संभावना बहुत कम बन रही हैं। माह अवधि में आपके प्रभावशाली दोस्त भी आपके काम नहीं आ पायेंगे।

व्यवसायिक - 2027

वर्ष का पूर्वार्द्ध व्यापारिक रूप से अच्छा नहीं रहेगा। गुरु एवं शनि ग्रह का गोचर प्रतिकूल होने से आपके कार्य व्यवसाय में कुछ विशेष लाभ नहीं होगा। व्यापार में सफलता प्राप्ति के लिए लगातार प्रयास करना पड़ेगा। अष्टमस्थ शनि के प्रभाव से आपके कार्यों में गुप्त शत्रुओं द्वारा रूकावटें डाली जा सकती है। अतः इस समय के अन्तराल में आपको अपना आत्मविश्वास बनाए रखना चाहिए और कोई नया कार्य प्रारम्भ नहीं करना चाहिए। पहले से चले आ रहे व्यापार को और अच्छे ढंग से चलाएं। नौकरी करने वाले व्यक्तियों का समय सामान्य रहेगा।

26 जून के बाद समय कुछ अच्छा हो रहा है। सप्तम स्थान पर गुरु की दृष्टि प्रभाव से व्यापार व कार्य क्षेत्र में सफलता मिलनी शुरू हो जाएगी। लग्नस्थ गुरु के प्रभाव से अधिकारी व वरिष्ठ लोगों का सहयोग मिलेगा। भाग्य अनुकूल होने के कारण आपके कार्यों में सफलता मिल सकती है। 26 नवम्बर के बाद नौकरी करने वाले व्यक्तियों की पदोन्नति हो सकती है।

जनवरी 2027 के लिए फलादेश

पेशेवर जीवन में उन्नति प्राप्ति के पक्ष से सितारों की स्थिति इस अवधि में बहुत उत्साहवर्धक नहीं बनी हुई हैं। इस अवधि में ग्रह आपको अपनी शुभता देने की स्थिति में नहीं हैं। माह अवधि में कड़ी मेहनत करने के बाद भी आपको प्रत्याशित लाभ की प्राप्ति नहीं हो पाएगी। ऐसे में आपके व्यवसय में गतिशीलता की स्थिति बन सकती हैं। शैक्षिक वर्ग के सहयोग से जो संतोष आपको पहले प्राप्त होता था वह अभी प्राप्त नहीं होगा। आपका कार्य करने की शैली आपके दृष्टिकोण पर प्रतिकूल प्रभाव डाल सकती हैं। माह अवधि में कुछ यात्राएं होने की भी संभावनाएं बन रही हैं लेकिन यह आपके लिए उपयोगी नहीं रहेगा। पूर्व दिशा में यात्रा करना आपको मामूली लाभ दे सकता हैं।

फरवरी 2027 के लिए फलादेश

सितारों की स्थिति आपकी व्यावसायिक संभावनाओं के लिए काफी उज्जवल बनी हुई हैं। अतः आपके पेशेवर जीवन के लिए यह माह बहुत अनुकूल रहेगा। कुछ महिला सदस्यों का सहयोग आपके पेशेवर जीवन में महत्वपूर्ण मोड़ लाने का कार्य कर सकता हैं। यह मोड़ आपके लिए लाभकारी सिद्ध होगा। प्रतिभाशाली व्यक्तियों और शैक्षिक वर्ग के जुड़ने से आप की जीवन शैली समृद्ध होगी तथा यह आपके लिए बेहद फायदेमंद रहेगा। लाभ के साथ–साथ यह संयोग आपको संतोष भी देगा। व्यावसायिक विषयों के लिए यात्रा करने के लिए आप दिक्षण दिशा का चयन करें। यह यात्राएं छोटी और लाभकारी रहेंगी।

मार्च 2027 के लिए फलादेश

इस माह में सितारों का संयोजन आपके पेशेवर जीवन की उन्नति के लिए शुभ फलदायक बना हुआ हैं। यह माह आपके लिए लाभकारी सिद्ध हो सकता हैं। इस अवधि में आपको उन्नति के कई महत्वपूर्ण अवसर प्राप्त हो सकते हैं। समय की शुभता के कारण आप इस समय में कोई बड़ा सौदा हासिल होने की उम्मीद कर सकते हैं। शैक्षिक क्षेत्र के कई प्रतिभाशाली लोगों के साथ जुड़ना आपके लिए बेहद फायदेमंद साबित हो सकता हैं। यह आपको भौतिक लाभ के अलावा बहुत ही संतोषजनक स्थिति आपके जीवन को सम्रद्धि दे सकता हैं। माह अवधि में यात्राएं करने के योग बन रहे हैं। सौदों के लिए पश्चिम दिशा की यात्रा करना आपको लाभ देगा। सामाजिक और धार्मिक गतिविधियों में आपका योगदान बहुत महत्वपूर्ण रहेगा। लेखकों, पत्रकारों और इसी प्रकार के क्षेत्रों में कार्यरत व्यक्तियों के लिए भी ग्रह स्थिति अनुकूल बनी हुई हैं। व्यावसायिक क्षेत्र से जुड़ी सभी गतिविधियों के लिए यह माह आपके लिए लाभदायक बना हुआ हैं।

अप्रैल 2027 के लिए फलादेश

यह माह आपकी व्यावसायिक उन्नति के पक्ष से लाभ संभावनाओं से भरा हुआ हैं। परन्तु फिर भी आपको इस समय में अत्यधिक प्रलोभन करने से बचना होगा। माह अवधि में यदि आप अपनी प्रलोभन प्रवृति पर नियंत्रण रखने में सफल नहीं होते हैं तो इसके परिणाम आपके लिए विनाशकारी हो सकते हैं। कठोरता के साथ आपको ऐसे विषयों से बचना होगा। आपका शैक्षिक वर्ग के प्रतिभाशाली लोगों के साथ मिलकर कार्य करना फायदेमंद सामग्री का कार्य करेगा। ऐसा होने पर आपको अपने बेईमान व्यवहार से परहेज करना होगा और सकारात्मक बने रहना होगा। माह अवधि में कुछ यात्राएं भी आपके लिए लाभकारी सिद्ध हो सकती हैं। यात्रा की सबसे शुभ दिशा आपके लिए उत्तर दिशा रहेगी।

मई 2027 के लिए फलादेश

इस माह के सितारें आपके पेशेवर जीवन की संभावनाओं के लिए बहुत उज्जवल नहीं बने हुए हैं। शैक्षिक वर्ग के प्रतिभाशाली व्यक्तियों के साथ जुड़ना आपको लाभ देने में असफल रहेगा। प्रतिकूल समय मे पूर्व दिशा की यात्रा करना आपके लिए कुछ लाभदायक सिद्ध हो सकता हैं। इसलिए यदि यात्रा करनी ही हो तो इसके लिए आप पूर्व दिशा का चयन करें। शीघ्र धन कमाने की उम्मीद में आप गलत साधनों की ओर आकर्षित हो सकते हैं। कानूनी नियमों के दायरे में रहकर ही कार्य करना आपके लिए हितकारी रहेगा। साथ ही आप इस अवधि में सैद्धांतिक जीवन व्यतीत करें। प्रतिकूल समय में यही बुद्धिमानी की नीति होगी।

जून 2027 के लिए फलादेश

माह अवधि के सितारें आपको शुभता प्रदान नहीं कर रहे हैं। अतः यह समय आपके पेशेवर जीवन की संभावनाओं के लिए बहुत उज्जवल नहीं बना हुआ हैं। शैक्षिक वर्ग और आध्यात्मिक स्तर के प्रतिभाशाली व्यक्तियों के सहयोग से भी आपको व्यावसायिक जीवन में आगे

बढ़ने में सफलता नहीं मिल पायेंगी। कड़ी मेहनत करने के परिणाम स्वरुप आपको आंशिक लाभ ही प्राप्त होंगे। यह आपमें असुरक्षा की भावना ला सकता हैं। ऐसे विषयों को स्वयं में प्रवेश न करने दें अन्यथा यह आपमें मानसिक अस्थिरता की स्थिति उत्पन्न कर सकता हैं। माह अवधि में कुछ यात्राओं के भी योग बन रहे हैं। यात्राओं से सुखद परिणाम प्राप्त करने की संभावनाएं इस अवधि में बहुत कम बन रही हैं। दक्षिण दिशा में यात्रा करने से आपको कुछ लाभों की प्राप्ति हो सकती हैं। समय की प्रतिकूलता में धैर्य बनाए रख, कार्य करते रहना आपके लिए अनुकूल रहेगा।

जुलाई 2027 के लिए फलादेश

इस माह के सितारों का संकेत आपकी व्यावसायिक संभावनाओं के लिए बहुत उत्साहजनक नहीं बना हुआ हैं। अत्यधिक कार्य करने पर भी आपको इस अवधि में मनोकूल लाभ का प्राप्तियां नहीं हो पाएंगी। फिर भी आपको कार्यो करते रहना होगा। शैक्षिक वर्ग के लोगों का साथ और उनका सहयोग फल प्राप्ति की संभावनाओं को बढ़ा सकता हैं। श्रम की मात्रा में लाभ न मिल पाने की स्थिति में आपके मन में असंतोष की स्थिति आ सकती हैं। इस अवधि में पेशेवर कार्यो के लिए पश्चिम दिशा की यात्रा करना आपको लाभ दिला सकती हैं। अन्य दिशाओं में यात्रा करने के निर्णयों का आपको इस अवधि में त्याग करना चाहिए। इसके अलावा इस अवधि में आपको धैर्य से काम लेना होगा।

अगस्त 2027 के लिए फलादेश

व्यावसायिक उन्नति के पक्ष से इस माह के सितारों का संयोजन आपके लिए अनुकूल नहीं हैं। अवधि विशेष में आध्यात्मिक वर्ग से सीखने वाले व्यक्तियों का सहयोग आपको सामान्य लाभ दे सकता हैं। यह आपमें असंतोष की भावना ला सकता हैं। प्रयास करने पर भी लाभ न मिलना आपमें अनिश्चितता की भावना ला सकता हैं। इससे आपकी चिंताओं में भी बढ़ोतरी होगी। कड़ी मेहनत करने पर भी प्राप्तियां अनुकूल न मिलने के कारण आप निराशा भाव से ग्रसित हो सकते हैं। इस समय में सैद्धान्तिक जीवन का पालन करना आपके लिए उत्तम रहेगा।

सितम्बर 2027 के लिए फलादेश

पेशेवर संभावनाओं के लिए इस माह के सितारों की स्थिति विशेष रुप से उपयोगी होकर आपके लिए सुखद नहीं बनी हुई हैं। माह अवधि में आप पर कार्य भार की अधिकता रहेगी। अत्यधिक मेहनत करने के फलस्वरुप आपको लाभ आंशिक रुप से ही प्राप्त होने की संभावना बन रही हैं। शैक्षिक वर्ग के लोगों के साथ जुड़ना उम्मीद से अधिक लाभ प्राप्ति की संभावनाओं को विफल कर सकता हैं। फिर भी आपका पूर्व दिशा में यात्रा करना आपको पेशेवर जीवन को उन्नति देगा। अन्य दिशाओं में यात्रा करना व्यर्थ साबित हो सकता हैं। विपरीत परिस्थितियों में आपको अपने को नियम सिद्धान्तों के मध्य व्यतीत करने का प्रयास करना चाहिए। व्यावसायिक जीवन में भी इन नियमों का पालन करें।

अक्तूबर 2027 के लिए फलादेश

व्यावसायिक संभावनाओं के लिए यह माह बहुत उत्तम नहीं बना हुआ हैं। इस माह के सितारों की स्थिति आपके लिए सुखद नहीं बनी हुई हैं। माह अवधि में आप पर कार्य भार की अधिकता रहने की संभावना बन रही हैं। कड़ी मेहनत करने पर भी आपको इसके परिणाम में अपेक्षाकृत लाभ प्राप्त नहीं हो पायेंगे। साथ ही इस समय में पेशेवर जीवन में संतोष की कमी भी बनी रह सकती हैं। अपने जीवन को समृद्ध बनाने के लिए आप का शैक्षिक वर्ग के साथ जुड़ना हितकारी रहेगा। इस अवधि में आपके द्वारा कुछ यात्राएं होने के संकेत बन रहे हैं। यदि आप दि्क्षण दिशा में व्यावसायिक यात्राएं करते है तो विपरीत समय में भी आप कुछ लाभ प्राप्त कर सकते हैं। शुभ फल की संभावनाएं बहुत कम बन रही हैं। कुल मिलाकर इस माह में धैर्यपूर्वक प्रयास करते रहें।

नवम्बर 2027 के लिए फलादेश

आपकी पेशेवर उन्नति के लिए इस माह की ग्रह स्थिति काफी अनुकूल बन रही हैं। शैक्षिक वर्ग और अन्य प्रतिभाशाली व्यक्तियों के प्रभाव से आपकी कार्यशैली बेहतर होगी। यह आपको भौतिक लाभ देगा तथा आपके जीवन को बेहद संतोषजनक स्थिति प्रदान करेगा। यहां तक की आपका कुछ सामाजिक और धार्मिक गतिविधियों में योगदान सराहनीय रहेगा। आपको अपनी जीवनशैली को सिद्धान्तिक बनाना होगा। कानून आदि का सख्ती से पालन करते हुए, इसके दायरे में ही कार्य करने होंगे। इस समय में कुछ यात्राएं होने की संभावनाएं बन रही हैं। यात्रा की शुभ दिशा आपके लिए पश्चिम दिशा बन रही हैं। इस दिशा में यात्रा कर लाभों को बढ़ा सकते हैं।

दिसम्बर 2027 के लिए फलादेश

सितारों का संयोजन आपके लिए अनुकूल नहीं बन रहा हैं। अतः इस अवधि में व्यावसायिक उन्नति पाने की संभावनाएं बहुत उत्साहजनक नहीं बन रही हैं। कड़ी मेहनत करने पर भी प्रतिफल अनुरुप प्राप्त न होने पर आपमें कुछ हताशा की स्थिति हो सकती हैं। व्यावसायिक क्षेत्र की गतिविधियों में असंतुलन की स्थिति लगभग हर क्षेत्र में स्पष्ट होगी। आपके संपर्क और प्रभावशाली मित्र भी आपके लिए सहयोगी नहीं हो पायेंगे। ऐसे विषयों को सहजता में लेने की आदत न ड़ालें। अवधि विशेष में यात्राओं के द्वारा व्यवसाय का विस्तार करने का लक्ष्य अनुकूल फलदायक नहीं बना हुआ हैं। यात्राओं से मध्यम स्तरीय लाभ प्राप्ति के योग बन रहे हैं। धैर्य और प्रयास के साथ आप अपने कर्तव्यों का दृढ़ता के साथ निर्वाह करते रहें।

फाइनेंस - 2025

आर्थिक दृष्टि से इस वर्ष द्वितीय एवं चतुर्थ स्थान पर गुरुग्रह के दृष्टि प्रभाव से भूमि, भवन, वाहन, रत्न एवं आभूषण इत्यादि वस्तुओं की प्राप्ति होगी। धनागम तो होता रहेगा परन्तु आप अपने भौतिक सुख सुबिधाओं पर अधिक खर्च करेंगे।

मई के बाद एकादश स्थान में गुरुके गोचरीय प्रभाव से रूका हुआ धन मिल सकता है, साथ ही आपके धनागम में भी वृद्धि होगी, जिससे आप उचित बचत करने में सफल रहेंगे। भाई–बहन या पुत्र के विवाह के अवसर पर धन व्यय हो सकता है।

जनवरी 2025 के लिए फलादेश

आपकी इस माह की वित्तीय संभावनाओं के लिए ग्रह अच्छा संकेत नहीं दे रहे है। समय की प्रतिकूल अवधि में किसी मुकदमेंबाजी या विवाद का फैसला आपके खिलाफ जा सकता है। इसलिए इस अवधि में आपको निर्णयों को स्थगित करने का प्रयास करना चाहिए। सरकारी निकायों या विभागों के साथ व्यवहार करना आपके लिए विभिन्न समस्याओं से भरा हो सकता है। यहां तक की आपको इनमें घाटा हो सकता है। माह अवधि में आपके द्वारा बनाई गई योजनाएं लाभ देने में असमर्थ रहेंगी। बदमाश स्वभाव के लोगों के साथ आपको कार्य करना पड़ सकता है। नए उद्यमों में निवेश करने के लिए समय अनुकूल नहीं बना हुआ है।

फरवरी 2025 के लिए फलादेश

आपकी इस माह की वित्तीय संभावनाओं के लिए ग्रह अच्छा संकेत नहीं दे रहे है। समय की प्रतिकूलता अवधि में किसी मुकदमेंबाजी या विवाद का फैसला आपके खिलाफ जा सकता है। इसलिए इस अवधि में आपको निर्णयों को स्थगित करने का प्रयास करना चाहिए। सरकारी निकायों या विभागों के साथ व्यवहार करना आपके लिए विभिन्न समस्याओं से भरा हो सकता है। यहां तक की आपको इनमें घाटा हो सकता है। माह अवधि में आपके द्वारा बनाई गई योजनाएं लाभ देने में असमर्थ रहेंगी। बदमाश स्वभाव के लोगों के साथ आपको कार्य करना पड़ सकता है। नए उद्यमों में निवेश करने के लिए समय अनुकूल नहीं बना हुआ है।

मार्च 2025 के लिए फलादेश

आने वाले माह में किए गए वित्तीय लेनदेनों का परिणाम शायद आपके लिए अनुकूल न हो। आपके किसी मुकददमेबाजी या विवाद का फैसला आपके खिलाफ जा सकता है। अवधि के अनुकूल होने तक के लिए निर्णय टालने का प्रयास करना चाहिए। सरकारी निकायों और विभागों से निपटने के लिए यह एक कठिन समय होगा। माह अवधि में आपके द्वारा बनाई गई अधिकांश योजनाएं अपने उद्देश्यों में असफल रहेंगी। इसके अतिरिक्त नए उदयमों में निवेश करने के

लिए भी समय अनुकूल नहीं हैं।

अप्रैल 2025 के लिए फलादेश

इस माह के ग्रहों का संयोजन आपके स्वयं के धन के प्रयोग से एक अत्यंत लाभकारी स्थिति बना रहा है। इसमें आपके धन वृद्धि के सुयोग बन रहे है। किसी स्त्री पक्ष के सहयोग के द्वारा भी आपको बहुत लाभ प्राप्ति की सम्भावना बन रही है परन्तु इसके लिए आपको कार्य भी करना पड़ेगा। इसके अतिरिक्त किसी मुकददमेबाजी या विवाद में शामिल होने पर आपके पक्ष में हो सकता है। निर्णय लेने के लिए भी समय शुभ बना हुआ है। माह अवधि में प्रबंधन विषयों को करने में सहजता रहेगी। इस समय में नए उद्यमों में निवेश करने के लिए ग्रह बहुत अनुकूल बना हुआ है। आपको इसमें सफलता की संभावना बन रही है। आपमें आत्मविश्वास और साहस प्रचुर मात्रा में बना हुआ है। इससे आप बड़ी योजनाओं को भी पूर्ण करेंगे।

मई 2025 के लिए फलादेश

इस माह की वित्तीय लाभ की संभावनाएं उत्कृष्ट बन रही है। परन्तु आध्यात्मिक क्षेत्रों से सम्बंधित कम्पनियों और व्यापार क्षेत्र में प्रथम कदम रखने वाले लोग इसका फायदा नहीं ले पाएंगे। यदि आप किसी भी प्रकार के विवाद या मुकददमेबाजी में शामिल है तो इनका फैसला आपके पक्ष में आ सकता है। विवादों में किसी प्रकार का शीघ्र निर्णय लेना हो तो आपको प्रबंधन करना होगा। सरकारी निकायों और विभागों के साथ कार्य पूर्ण करने के लिए बहुत ही लाभदायक समय है। यह सभी आपको एक सुनियोजित तरीके से करना होगा। व्यावहारिक रूप से आप अपने उद्देश्यों को योजना अनुसार पूर्ण करने में सक्षम रहेंगे। नए उदयमों में निवेश करने के लिए समय काफी अनुकूल रहेगा।

जून 2025 के लिए फलादेश

वित्तीय मामलों के लिए इस माह की संभावनाएं काफी उज्जवल बनी हुई है। सरकारी विभागों से संबधित कार्यों से आपको आंशिक लाभ होंगे। इस्पात उद्योग या इन क्षेत्रों में कार्यरत व्यक्ति के लिए स्थिति बेहतरीन बनी हुई है। किसी मुकददमेबाजी या विवाद का फैसला आपके पक्ष में होने की संभावना बन रही है। इस माह में लिए गए निर्णयों से भी आपको आर्थिक रूप से लाभ होगा। आपके द्वारा किए गए प्रयासों का परिणाम आपको लाभ के रूप में प्राप्त हो सकता है। नए उद्यमों में निवेश करने के लिए समय की अनुकूलता बनी हुई है।

जुलाई 2025 के लिए फलादेश

वित्तीय संभावनाओं के लिए इस माह की ग्रह स्थिति आपके लिए अनुकूल नहीं बन रही है। विवाद या मुकदमेबाजी के फैसले आपके विरुद्ध हो सकते है। फैसलों को एक निश्चित

अवधि के लिए टालने की व्यवस्था आपको करनी चाहिए। आपके नीचे कार्य करने वाले कार्यकर्ताओं, सहयोगियों या अधिकारियों के द्वारा गंभीर रूप से आपकी सामाजिक स्थिति प्रभावित हो सकती है। इन लोगों के द्वारा आपका शोषण भी हो सकता है। इस अप्रिय स्थिति का आपको कड़ा प्रतिरोध करना चाहिए। इस माह में आपके अधिकांश कार्य बहुत संघर्ष भरे हो सकते है। प्रत्याशित उद्देश्यों को साकार करने के लिए यह बहुत कठिन समय है। इसलिए आपको इस समय में बहुत्त अधिक सफलता नहीं मिलेगी।

अगस्त 2025 के लिए फलादेश

माह अवधि में वित्तीय संभावनाओं के लिए सितारें बहुत अनुकूल नहीं है। आध्यात्मिक स्तर में सीखने और प्रतिभाशाली व्यक्तियों के सहयोग के बावजूद आप बहुत ज्यादा फ़ायदा नहीं उठा सकेंगे। माह अवधि में अधिकांश समय आप मेहनत से कार्य करेंग और संघर्ष करते हुए आशा अनुसार लाभ प्राप्त करने के लिए प्रयासरत रहेंगे। फिर भी अपने सभी प्रयासों के बावजूद सफलता की संभावना बहुत कम बन रही है। आप के किसी विवाद या मुकदमेबाजी में शामिल होने पर फैसला आपके खिलाफ हो सकता है। स्थिति बहुत गंभीर बनी हुई है। शुभता प्राप्ति के लिए इस अवधि में निर्णयों को टालने की कोशिश करनी चाहिए। नए उदयमों मे निवेश करने के लिए समय अनुकूल नहीं हैं।

सितम्बर 2025 के लिए फलादेश

वित्तीय मामलों के लिए सितारों की स्थिति बहुत अनुकूल नहीं है। आपको इस माह में उम्मीद के अनुरूप लाभ प्राप्त करने में बहुत कठिनाई होगी। लाभ क्षेत्र में कुछ अवरोध या बाधाएं बनी हुई हों। इसलिए छोटे लाभों को आप तक पहुँचने में मुश्किल होगी। किसी भी मुकददमेबाजी या विवाद से आपको आसानी से लाभ होगा। सरकारी निकायों या विभागों से सम्बंधित कार्यों के लिए यह समय प्रतिअनुकूल बना हुआ है। इसलिए इस अवधि में ऐसे सभी प्रस्तावों को स्थगित करना ही सही रहेगा। माह अवधि में बदमाशों के साथ आपकी नजदीकियां बढ़ सकती है। लाभ प्राप्ति के लिए समय शुभ नहीं है। कुछ हानियां भी हो सकती है। यदि इस अवधि के दौरान कम वित्तीय लाभ रहते है तो भी आप धैर्य से काम लें।

अक्तूबर 2025 के लिए फलादेश

वित्तीय संभावनाओं के लिए सितारों की स्थिति बहुत अनुकूल नहीं है। सरकारी क्षेत्रों से जुड़े कार्यों से आपको बहुत लाभ नहीं मिल पाएंगे। हो सकता है की आपको हानि का सामना करना पड़े। मुकद्दमों और विवादों के फैसले आपके खिलाफ हो सकते है। यात्राएं भी आपको बहुत अधिक लाभ देकर नहीं जाएंगी। छोटे लाभ प्राप्त करना भी आपके लिए कठिन होगा। आपकी बदमाश प्रकृति के लोगों से नजदीकियां बढ़ सकती है। परन्तु इसमें संदेह है की आपको इससे कोई फायदा होगा, हो सकता है की ऐसे लोगों के द्वारा आपका इस्तेमाल हो सकता है। इस माह

की ग्रह स्थिति आपके लिए काफी अलग रहेगी। कम वित्तीय लाभ प्राप्त होने पर भी आप धैर्य बनाये रखें।

नवम्बर 2025 के लिए फलादेश

आने वाला माह वित्तीय संभावनाओं के लिए बहुत अनुकूल नहीं बन रहा है। ललित कला से जुड़े व्यापारियों का व्यापार प्रभावित हो सकता है। इस क्षेत्र के लोगों को इस समय में विशेष सावधानी रखनी होगी। सरकार से जुड़े कार्यों को पूर्ण करने में आपको बाधाओं का सामना करना पड़ सकता है। हानि की भी संभावनाएं बन रही है। मुकदमेबाजी और विवादों का फैसला आपके खिलाफ जा सकता है। इस माह अवधि में आपके द्वारा किए गए प्रयासों में आपको उम्मीद के अनुरूप लाभ नहीं मिल पाएंगे। कठिन समय में आपको सावधानी से काम लेना होगा। अच्छी नीतियों से स्थिति को नियंत्रण में किया जा सकता है।

दिसम्बर 2025 के लिए फलादेश

इस माह की वित्तीय संभावनाओं के लिए ग्रह स्थिति अनुसार भविष्यवाणी बहुत शुभ नहीं है। सरकारी निकायों या विभागों के साथ कार्य करना आपके लिए नुकसान दायक नहीं रहेगा। इस अवधि में आपको प्राप्त होने वाली प्राप्तियां स्थगित हो सकती है। मुकदमों और विवादों का फैसला आपके खिलाफ जा सकता है। इस अवधि में फैसलों में देरी की संभावनाएं बन रही है। इस समय में आपके द्वारा बनाई गई योजनाओं से लाभ प्राप्ति करने में आप असमर्थ रहेंगे।

फाइनेंस - 2026

आर्थिक दृष्टि से वर्ष का पूर्वार्द्धसामान्य रहेगा। एकादशस्थ गुरु के प्रभाव से धनागम बना रहेगा। आपको भाइयों का पूर्ण सहयोग प्राप्त होगा। 02 जून के बाद समय का काफी प्रतिकूल हो रहा है।जीवनसाथी की बीमारी में आपका धन व्यय होगा। साथ ही कुछ ऐसे खर्च आजाएंगे जिससे आपका बजटबिगड़ सकता है।

किसी प्रकार के जोखिम भरे कार्यों में धन निवेश न करें। लेन देन के मामले में हमेशा सावधान रहें। 31 अक्टूबर के बाद समय अनुकूल हो जाएगा।

जनवरी 2026 के लिए फलादेश

ग्रह स्थिति के अनुसार इस माह की वित्तीय संभावनाओं के लिए अनुकूल भविष्यवाणी नहीं है। किसी विवाद या मुकद्मेबाजी का फैसला आपके खिलाफ लिया जा सकता है। इसलिए इस अवधि में आपके लिए यह उचित रहेगा कि आप अनुकूल समय आने तक हो सके तो इन निर्णयों को टाल दें। यहां तक की आपको इसके लिए कड़ी मेहनत भी करनी पड़े तो करें। वास्तव में प्रतिकूल परिस्थितियों में आपके द्वारा बनाई गई योजनाओं से लाभ प्राप्त करना आपके लिए असंभव साबित हो सकता है। यहां तक की छोटे लाभ प्राप्त करना भी आपके लिए मुश्किल हो सकता है। इसलिए बुद्धिमानी का प्रयोग करते हुए आप कुछ अग्रीम भत्ते प्राप्त कर सकते है। साथ ही इस समय में नये उद्यमों में निवेश करने के लिए समय अनुकूल नहीं है।

फरवरी 2026 के लिए फलादेश

माह अवधि के ग्रह, सितारों का योग आपकी वित्तीय संभावनाओं के लिए बहुत अनुकूल नहीं बना हुआ है। अधिकतर योजनाओं से लाभ प्राप्त करने में आपको संघर्ष करना पड़ेगा। काफी कोशिश के बाद कुछ फल प्राप्त हो सकते है। फिर भी आपको सफलता मनोकूल सफलता प्राप्त नहीं होगी। यात्राओं के द्वारा बड़े सौदे करने का आपका उद्देश्य हो सकता है, परन्तु यह आपके लिए व्यर्थकारी सिद्ध हो सकता है। इससे छोटे फल ही प्राप्त हो पायेंगे। लेखकों, चित्रकारों और कला के क्षेत्र से जुड़े व्यक्तियों के आर्थिक पक्ष से यह बहुत समय बुरा हो सकता है। ऐसे में बुद्धिमानी इसी में होगी की ऐसे व्यक्तियों के साथ कार्य करते समय पर्याप्त भत्ते ले लिये जाए। नये उद्यमों में निवेश करने के लिए परिस्थितियां सौहार्दपूर्ण नहीं बन रही है। इसलिए कम निवेश से ही आपको काम चलाना पड़ सकता है।

मार्च 2026 के लिए फलादेश

इस माह के सितारें आपकी वित्तीय संभावनाओं के लिए बहुत अनुकूल नहीं बन रहे है। यहां तक की मदद की एक निश्चित राशि आपके द्वारा बनाए गई योजनाओं के उद्देश्यों को

साकार करने में सक्षम होंगी। बड़े सौदों को तय करने के लिए की गई यात्राएं भी आपके लिए समय की बरबादी के रुप में सामने आ सकती है। इससे आपको कोई लाभ प्राप्त नहीं होगा। वास्तव में इस समय में छोटे लाभ प्राप्त करना भी आपके लिए मुश्किल हो सकता है। आयात–निर्यात या विदेशी देशों के साथ कार्य आरम्भ करने का परिणाम आपके लिए असफलता हो सकती है। इसके लिए आपके द्वारा किए गए भुगतान भी व्यर्थ होंगे। नए उद्यमों में निवेश करने के लिए अभी माहौल सौहार्दपूर्ण नहीं बना हुआ है। इसलिए जो है उसी में संतुष्ट रहें और धैर्य से काम लें।

अप्रैल 2026 के लिए फलादेश

माह अवधि में ग्रहों एवं सितारों का संयोजन आपकी वित्तीय और व्यावसायिक संभावनाओं के लिए बहुत शुभ नहीं बन रहा है। इस माह के सितारें उत्तम ग्रह योग नहीं बना रहे हैं। अपने अधिकांश प्रत्याशित उद्देश्यों को साकार करने के लिए आपको काफी हद तक संघर्ष का सामना करना पड़ सकता है। इस स्थिति में आपके लिए सफलता प्राप्त करना कठिन रहेगा। इस प्रतिकूल समय में मामूली बढ़त प्राप्त करना भी आपके लिए कठिन होगा। नए उद्यमों में निवेश करने के लिए समय अनुकूल नहीं बना हुआ है। इससे बेहतर है कि आप इस धन का संचय करें। प्रतिकूल अवधि के समाप्त होने पर आप इसका प्रयोग कर सकते है। अतः इस अवधि में आपका पुराने उद्यमों पर ही काम करना अनुकूल रहेगा।

मई 2026 के लिए फलादेश

यह माह आपके लिए लाभदायक अवसरों से भरा माह है। कुछ विषयों में कुशल प्रबंधन कर आप वास्तव में इस माह को एक उत्कृष्ट माह बना सकते है। इस माह में यह भी संभावना बन रही है कि किसी महिला अधिकारी का सहयोग आपके लिए एक बेहद फायदेमंद सिद्ध होगा। इसके अतिरिक्त यह भी संभावना बन रही है कि आपको प्रत्याशित लाभ प्राप्त करने के अनुकूल लाभ प्राप्त होंगे। यदि आप परिवहन उद्योग के साथ जुड़े हुए है तो विशेष रूप से यह समय आपके लिए उपयोगी रहेगा। यह पूर्ण लाभ आपको कुछ समय के लिए प्राप्त हो सकते है। यात्राओं से भी आपको अच्छघ लाभ प्राप्ति के योग बन रहे है। यात्राओं से एक अच्छी राशि में लाभ प्राप्त हो सकते है। नये उद्यमों में निवेश करने के लिए ग्रह परिस्थितियां अनुकूल नही है।

जून 2026 के लिए फलादेश

वित्तीय मामलों के लिए यह माह बहुत ही अनुकूल है। महिला सहयोगी आपके लिए इस माह में बेहद लाभकारी साबित होंगी। यह आपके लिए एक अनुकूल समय है, ऐसे व्यक्तियों से सहयोग लेने का। इस माह अवधि में आपके द्वारा बनाई गई अधिकांश योजनाएं से उद्देश्यों को प्राप्त करने की उम्मीद कर सकते हैं। इसके अलावा आप अपने सेवकों और कार्यकर्ताओं तथा सहयोगियों से उनकी सेवाओं से अधिकतम लाभ प्राप्त करने में सक्षम रहेंगे। माह अवधि में आपको

अपने कार्यकर्ताओं और अधिनस्थों को संभालने पर विशेष ध्यान देना होगा। इसे भी आपके लाभ बढ़ेगे। यात्राएं लाभकारी साबित हो सकती है। हालांकि यात्राओं से लाभ छोटे रुप में प्राप्त होंगे। आत्मविश्वास के साथ आप नये उद्यमों में निवेश कर सकते है। समय की अनुकूलता आपके साथ है।

जुलाई 2026 के लिए फलादेश

आने वाले माह मंः आपकी वित्तीय संभावनाओं के पक्ष से ग्रह स्थिति बहुत उत्साहजनक नहीं बनी हुई है। अपनी निर्धारित योजना के अनुसार अपने उद्देश्यों को प्राप्त करने के लिए आपको बहुत कठिन काम और संघर्ष करना पड़ सकता है। प्रतिकूल परिस्थितियों में बहुत अधिक प्रयास करने पर भी आपको बहुत कम सफलता प्राप्त होगी। यात्राओं से लाभ प्राप्ति के योग बहुत कम बन रहे है। सामाजिक स्तर पर सहयोगियों या आपके नीचे कार्य करने वाले व्यक्तियों से आप प्रभावित हो सकते है। नवीन उद्यमों में निवेश करने के लिए ग्रहों की अनुकूलता प्राप्त नहीं हो रही है।

अगस्त 2026 के लिए फलादेश

वित्तीय संभावनाओं के पक्ष से इस माह में आध्यात्मिक स्तर के कई विद्वानों का सहयोग प्राप्त होने के बावजूद आपके लिए यह बहुत लाभप्रद माह नहीं हैं। अधिकांश माह में अपने सभी प्रयासों के बावजूद कड़ी मेहनत करने के बाद भी आपको अपेक्षित लाभ प्राप्त करने के लिए संघर्ष की स्थिति बन सकती है। माह अवधि में ज्यादा सफलता प्राप्त करने की संभावना बन रही है। इस माह अवधि में आपको अनेक यात्राएं करनी पड़ सकती है, परन्तु यात्राओं का फल आपको प्राप्त न होने के कारण यह अवधि आपके लिए व्यर्थ सिद्ध हो सकती हैं। नये उद्यमों में निवेश करने के लिए आप नई योजनाएं बना सकते है। समय प्रतिकूल है। प्रतिकूल परिस्थितियों में आपको ऐसी योजनाओं को स्थगित करना ही लाभकारी रहेगा।

सितम्बर 2026 के लिए फलादेश

वित्तीय लाभों के पक्ष से यह मय बहुत अनुकूल नहीं बना हुआ है। लाभों को उम्मीद के अनुसार प्राप्त करना आपके लिए बहुत मुश्किल रहेगा। विभिन्न प्रकार की बाधाओं के कारण यह प्राप्त करना लगभग अंसंभव कार्य होगा। यहां तक की छोटे परन्तु शीघ्र प्राप्त होने वाले लाभ प्राप्त करना आपके लिए मुश्किल रहेगा। साथ ही परिस्थितियों को ध्यान में रखते हुए यह कहा जा सकता है कि नये उद्यमों में निवेश करने के लिए समय सही नहीं बना हुआ है। यात्राएं से भी आशानुसार लाभ प्राप्ति में आप असफल हो सकते है। इसका अभिप्राय यह नहीं है कि आप यात्रां न करें अपितु यह केवल एक सलाह है कि आप विशेष प्रयास के बाद मुश्किल समय में समय को अनुकूल बनाने के लिए प्रयास कर सकते है। इस कार्य में आपके संपर्क और प्रभावशाली मित्र आपके लिए बहुत मददगार सिद्ध हो सकते है।

अक्तूबर 2026 के लिए फलादेश

आपकी वित्तीय संभावनाओं के पक्ष से यह समय बहुत ही लाभदायक नहीं बना हुआ है। यह समय आपके लिए बहुत मुश्किल समय है, योजना अनुसार लाभ प्राप्त करना आपके लिए बहुत कठिन होगा। बड़ी यात्राओं से भी आपको छोटे लाभ प्राप्त करना मुश्किल हो सकता है। नये उद्यमों में निवेश करने के लिए परिस्थितियां बहुत अच्छी नहीं बनी हुई है। इस समय में आपके संपर्क सूत्र और प्रभावशाली दोस्त आपके लिए बहुत मददगार साबित हो सकते है। यदि आप किसी सामान्य व्यापार कायी में संलग्न है तो आपको कुछ सख्त परिस्थितियों का सामना करना पड़ सकता है। इसके अतिरिक्त परिवहन विभाग के साथ कार्य करने का आप प्रयास कर सकते है। इस समय में आप पर कार्याधिकता रहेगी। इसलिए धैर्य से काम लें।

नवम्बर 2026 के लिए फलादेश

आपकी वित्तीय संभावनाओं के पक्ष से यह समय बहुत ही लाभदायक समय नहीं बना हुआ है। यह समय आपके लिए बहुत मुश्किल समय है, योजना अनुसार लाभ प्राप्त करना आपके लिए बहुत कठिन होगा। बड़ी यात्राओं से छोटे लाभ प्राप्त करना आपके लिए मुश्किल हो सकता है। नये उद्यमों में निवेश करने के लिए परिस्थितियां बहुत अच्छी नहीं बनी हुई है। आपके संपर्क सूत्र और प्रभावशाली दोस्त आपके लिए बहुत मददगार साबित नहीं हो सकते है। यदि आप किसी सामान्य व्यापार कायी में संलग्न है तो आपको कुछ सख्त परिस्थितियों का सामना करना पड़ सकता है। इसके अतिरिक्त परिवहन विभाग के साथ कार्य करने के प्रयास कर सकते है। इस समय में आप पर कार्याधिकता रहेगी। इसलिए धैर्य से काम लें।

दिसम्बर 2026 के लिए फलादेश

वित्तीय संभावनाओं के लिए यह माह आपके लिए बहुत अनुकूल नहीं है। ललित कला और कला क्षेत्र से जुड़े व्यक्तियों के लिए इस माह में आर्थिक स्थिति बहुत अच्छी नहीं रहेंगी। इसके अलावा यदि आप परिवहन उद्योग के साथ कार्यरत है वह चाहे नौकरी हो या व्यापार हो, किसी भी पहलू से हो ऐसे व्यक्तियों को लाभ प्राप्ति में कठिनाईयां आ सकती है। यहां तक की एक छोटा लाभ प्राप्त करना भी आपके लिए मुश्किल हो सकता है। यात्राओं में असफलता की स्थिति बनी हुई है। लाभ की कमी आपकी यात्राओं को दुःखद बना सकती है। इस समय में नये उद्यमों में निवेश करने के लिए अनुकूल समय नहीं है। इसलिए आप इस माह के दौरान शुभ समय आने की प्रतिक्षा करें तथा प्रयास करते रहें।

फाइनेंस - 2027

आर्थिक दृष्टि से वर्ष का पूर्वार्द्ध अनुकूल नहीं रहेगा। वर्ष के पूर्वार्द्ध में कुछ ऐसे खर्च आ सकते हैं जिससे आपको आर्थिक हानि हो सकती है। धनागम के मार्ग भी प्रभावित हो सकते हैं। इस समय के अंतराल में आपको निवेश या किसी को उधार पैसा नहीं देना चाहिए, नहीं तो वापसी की उम्मीद बहुत कम है। लग्नस्थ मंगल के प्रभाव से शारीरिक आरोग्यता अनुकूल करने में भी आपका पैसा खर्च हो सकता है।

गुरु के गोचर के बाद समय अच्छा हो रहा है। उस समय आपका रुका हुआ धन मिल सकता है, जिससे आर्थिक स्थिति में सुधार होगा। सप्तम स्थान पर गुरु ग्रह की दृष्टि प्रभाव से पत्नी या मित्रों से धन लाभ होगा। अपने व्यापार को और आगे बढ़ाने में भी पैसा खर्च कर सकते हैं। भौतिक सुख सुबिधा पर भी आपका अधिक खर्च होगा। 26 नवम्बर के बाद रत्न आभूषण इत्यादि वस्तुओं की प्राप्ति होगी और आपको ससुराल पक्ष से भी लाभ प्राप्त होगा।

जनवरी 2027 के लिए फलादेश

वित्तीय संभावनाओं के पक्ष से इस माह के ग्रह एवं सितारों का योग आपके लिए चिंतित करने वाला बना हुआ हैं। यदि आप किसी विवाद या मुकद्दमेबाजी में सम्मिलित होते है तो इसका फैसला आपके खिलाफ हो सकता है। इसका आपको वित्तीय नुकसान भरना पड़ सकता हैं। इसलिए इस अवधि में आपको अपने ऐसे सभी निर्णयों को स्थगित करना पड़ सकता हैं। माह अवधि में आपमें आत्मविश्वास और पहल करने की क्षमता की कमी भी बनी हुई हैं। व्यावहारिक रुप से इस माह की प्रगति बहुत कम बनी हुई हैं। नये उद्यमों में निवेश करने के लिए यह समय अनुकूल नहीं बना हुआ हैं।

फरवरी 2027 के लिए फलादेश

आर्थिक संभावनाओं के अनुसार इस माह के सितारों की स्थिति आपके लिए बहुत कम लाभ प्राप्ति के योग बना रही हैं। वित्तीय संभावनाओं के लिए यह अनुकूल समय नहीं है। इस अवधि में आपके द्वारा किए गये प्रयास व्यर्थ हो सकते हैं। इनकें द्वारा आपके उद्देश्यों की प्राप्ति के योग नहीं बन रहे हैं। लेखकों, कवियों और इसी वर्ग के अन्य व्यक्तियों के लिए यह बेहद कमजोर अवधि हैं। पहले से ही ऐसी स्थिति का प्रावधान करना आपके लिए सही रहेगा। इसके अलावा सरकार की ओर से लाभ प्राप्ति की आशाओं का परिणाम भी प्रतिकूल साबित हो सकता हैं।

मार्च 2027 के लिए फलादेश

माह अवधि की स्थिति आपकी वित्तीय संभावनाओं के पक्ष से बहुत उज्जवल नहीं बन रही हैं। इस माह के सितारों की स्थिति अनुकूल न होने के कारण ऐसा हो रहा हैं। कवियों,

संगीतकारों, नाटककारों, फिल्मकारों और कला के अन्य जानकारों के लिए यह माह आर्थिक पक्ष से कमजोर सिद्ध हो सकता हैं। प्रतिकूल समय में सावधानी से काम लेना होगा। कला विषयों का इस समय विकास कम होने की संभावना बन रही हैं। इसके अतिरिक्त इस अवधि में सरकार की ओर से कुछ लाभ प्राप्ति का यदि आप इंतजार कर रहे है तो आपको इसके लिए निराशा हो सकती हैं। ग्रह स्थिति में शुभता की कमी के कारण आपको अच्छे अवसर कम ही प्राप्त हो पायेंगे। तथा नये उद्यमों में निवेश करने के लिए अभी समय अनुकूल नहीं बना हुआ हैं।

अप्रैल 2027 के लिए फलादेश

इस समय एक ग्रहों की स्थिति आपकी वित्तीय संभावनाओं के लिए बहुत अनुकूल नहीं बनी हुई हैं। आपमें आत्मविश्वास और पहल करने की क्षमता की कमी इस समय में आपमें बनी हुई हैं। माह अवधि में आपकी प्रगति कम और मंद गति से होगी। कुछ समय इसमें ठहराव की स्थिति भी बन सकती है। इस समय में आपको अनुकूल अवसरों की कमी का अनुभव होगा। सरकार के माध्यम से भी आशा के अनुरुप लाभ प्राप्त होने की संभावना नहीं बन रही हैं। सीखने वाले वर्ग के द्वारा किया गया सहयोग भी आपको लाभ प्रदान करने में सफल नहीं हो पाएगा। नये उद्यमों को शुरु करने के लिए और इनमें निवेश करने के लिए सितारों का योग सौहार्दपूर्ण नहीं बन रहा हैं। इसलिए कुछ समय के लिए ऐसी योजनाओं को स्थगित करना ही सही रहेगा।

मई 2027 के लिए फलादेश

सितारों और ग्रहों की स्थिति के अनुसार यह माह आपकी वित्तीय संभावनाओं के लिए बहुत अनुकूल नहीं बन रहा है। इस समय में यदि आपको सरकार से कोई लाभ प्राप्ति की उम्मीद है तो आपको इसका कोई लाभ नहीं मिल पाएगा। आपके अत्यधिक प्रयास करने के बावजूद उम्मीद के अनुरुप परिणाम प्राप्त नहीं हो पायेंगे। तथा प्रयासों के बाद भी अपेक्षित परिणाम नहीं मिल पायेंगे। उद्देश्यों की प्राप्ति में विभिन्न प्रकार की बाधाओं का सामना करना पड़ सकता हैं। संभावित है कि आध्यात्मिक स्तर के व्यक्तियों और सीखने वाले लोगों के साथ जुड़ने से आपको सामान्य लाभ भी प्राप्त न हो पायें। नए उद्यमों को शुरु करने और इनमें निवेश करने के लिए परिस्थितियां अनुकूल नहीं बन रही हैं। यदि आपके पास इस विषय में कोई योजना है तो इन्हें अनुकूल अवधि आने तक स्थगित करना ही लाभकारी रहेगा।

जून 2027 के लिए फलादेश

इस माह के दौरान ग्रह स्थिति आपकी वित्तीय संभावनाओं के पक्ष से शुभ बन रही हैं। आपके अधिनस्थों, कार्यकर्ताओं और आपके नीचे कार्य करने वाले व्यक्तियों की सेवाओं का आप अधिकतम लाभ उठाने में सफल रहेंगे। इसके फलस्वरुप आपकी वित्तीय स्थिति भी बेहतर हो रही हैं। सीखने और आध्यात्मिक स्तर के कई प्रतिभाशाली व्यक्तियों के साथ जुड़ने से आपको लाभ और आध्यात्मिक संतुष्टि दोनों की प्राप्ति होगी। आपके स्वयं के द्वारा किए गये प्रयासों से आपको

प्रत्याशित लाभ प्राप्ति होगी। इस अवधि में लाभों की गति मंद हो सकती हैं। परन्तु इस अवधि में आपको निश्चित रुप से आय की प्राप्ति होगी।

जुलाई 2027 के लिए फलादेश

इस माह में आपको अपनी वित्तीय संभावनाओं को बेहतर करने के बेहतरीन अवसर प्राप्त होंगे। अपने मातहत या कार्यकर्ताओं के कौशल का आप कुशलता से प्रयोग कर उनकी सेवाओं से अधिकतम लाभ प्राप्त करने में आप सक्षम रहेंगे। इस अवधि में आपकी वित्तीय स्थिति में सुधार होगा। इस समय में सीखने और आध्यात्मिक स्तर के कई प्रतिभाशाली व्यक्तियों के साथ जुड़ना आपके लिए लाभकारी और आध्यात्मिक संतुष्टि दोनों देगा। माह अवधि में आपको अपने सभी प्रयासों का पूरा प्रत्याशित लाभ प्राप्त होगा। आय की गति थोड़ी मंद हो सकती है लेकिन इस अवधि के लाभ आपको नियमित रुप से और लम्बे समय तक प्राप्त होते रहेंगे।

अगस्त 2027 के लिए फलादेश

इस माह के सितारों का संयोजन आपकी वित्तीय संभावनाओं के लिए अनुकूल नहीं हैं। सरकार से किसी लाभ की उम्मीद हो तो इसकी संभावनाएं नहीं बन रही हैं। आप आपने प्रत्याशित उद्देश्यों को साकार करने में सक्षम नहीं हो पायेंगे। इससे आपकी प्रगति ज्यादा नहीं हो पायेगी। विभिन्न प्रकार के बाधाएं आपकी प्रगति को रोक सकती है। सीखने और आध्यात्मिक स्तर के कई प्रतिभाशाली लोगों के साथ जुड़ना आपके लिए उपयोगी नहीं रहेगा। आपके लाभ धीमी गति से प्राप्त होंगे। नये उद्यमों में निवेश करने के लिए ग्रहों की स्थिति सौहार्दपूर्ण नहीं बन रही हैं। आप ऐसी किसी भी योजना का विचार बनाए हुए है तो इन्हें स्थगित करना ही उत्तम रहेगा।

सितम्बर 2027 के लिए फलादेश

इस माह के सितारों की स्थिति आपकी वित्तीय संभावनाओं के पक्ष से विशेष रुप से लाभकारी नहीं बन रही हैं। इस समय में आपमें सामान्य आत्मविश्वास और पहल करने की क्षमता की कमी रहेगी। हो सकता है कि आपकी सभी योजनाओं का कार्य बाधित हो। आपके द्वारा किए गये अधिक प्रयास भी सभी उद्देश्यों को प्राप्त करने में सफल नहीं रहेंगे। नये उद्यमों को शुरु करने और निवेश करने के लिए ग्रह योग सौहार्दपूर्ण नहीं बने हुए हैं। इसलिए ऐसी योजनाओं को अनुकूल समय आने तक स्थगित करना ही लाभकारी रहेगा।

अक्तूबर 2027 के लिए फलादेश

सितारों की ग्रह स्थिति आपकी वित्तीय संभावनाओं के लिए बहुत उत्तम नहीं बन रही हैं। लाभों के पक्ष से परिणाम आपके लिए प्रतिकूल बन रहे हैं। यदि आपको सरकार की ओर से कुछ लाभ प्राप्ति की प्रतिक्षा थी तो आपको निराश हो सकती हैं। कवियों, संगीतकारों, नाटककारों,

फिल्मकारों और अन्य कला के जानकारों के लिए माह आर्थिक पक्ष से कमजोर बन रहा हैं। इस वर्ग के व्यक्तियों को अपनी कला दिखाने के अवसर कम प्राप्त हो पायेंगे। बहुत अधिक प्रयास करने पर भी आपको अनुकूल लाभ प्राप्त नहीं हो पायेंगे। नये उद्यमों में निवेश करने के लिए समय सौहार्दपूर्ण नहीं बन रहा हैं।

नवम्बर 2027 के लिए फलादेश

वित्तीय संभावनाओं के लिए इस माह के सितारों की स्थिति बहुत अनुकूल नहीं बन रही हैं। यह माह आपको आर्थिक चिंताएं दे सकता हैं। लेखकों, कवियों और इसी प्रकार के अन्य कलाकारों के लिए समय की प्रतिकूलता बनी हुई हैं। रचनात्मक और कलात्मक कायी में सरहाना और लाभ दोनों की कमी रहेगी। आपके द्वारा किए गये अधिकतर प्रयासों का प्रतिफल आपको पूर्ण रुप से प्राप्त नहीं हो पाएगा। यह सभी प्रकार के कलाकारों पर लागू होता हैं। इसके अतिरिक्त सरकार की ओर से किसी भी प्रकार के लाभ की उम्मीद का इंतजार कर रहे व्यक्तियों को अनुकूल फल प्राप्त होने की संभावना नहीं बन रही हैं। माह अवधि में परिणाम आपके लिए प्रतिकूल हो सकती हैं।

दिसम्बर 2027 के लिए फलादेश

इस माह के सितारों के योग के अनुसार माह अवधि में आपकी वित्तीय स्थिति बहुत अच्छी नहीं होने की संभावना बन रही हैं। सरकार की ओर से किसी भी प्रत्याशित लाभ का प्राप्त न होना आपको निराशा दे सकता हैं। इस विषय के परिणाम आपके लिए प्रतिकूल सिद्ध हो सकते है। यहां तक कि आपके द्वारा किए गये अधिकतर प्रयास व्यर्थ हो सकते हैं। अवसरों की कमी से स्थिति और खराब हो सकती हैं। नए उदयमों में निवेश करने के लिए ग्रह स्थिति सौहार्दपूर्ण नहीं बनी हुई हैं। यदि आपके पास ऐसी कोई योजना है तो आपको इस पर कार्य आरम्भ करने का कार्य स्थगित कर देना चाहिए।

पारिवारिक - 2025

पारिवारिक दृष्टि से वर्ष का प्रारम्भ अनुकूल रहेगा। चतुर्थ स्थान पर गुरुएवं शनि ग्रह के संयुक्त दृष्टि प्रभाव से परिवार में सुख शान्ति का वातावरण बना रहेगा। आपको माता पिता सहित पूरे परिवार का सहयोग प्राप्त होगा।

मई के बाद प्रेम प्रसंग में सफलता प्राप्त होगी। तृतीय स्थान में गुरुग्रह की दृष्टि प्रभाव से सामाजिक प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। आप सामाजिक कल्याण के लिए कुछ विशेष कार्य संपन्न करेंगे।

जनवरी 2025 के लिए फलादेश

इस महीने आप अपने परिवार में लाभ की अपेक्षा कर सकते हैं, क्योंकि ग्रह गोचर पूर्णतः अनुकूल है। आर्थिक रूप से संतुष्टि बनी रहेगी तथा आय में वृद्धि के भी संकेत हैं।

आपके बच्चे भी पढ़ाई में अच्छा प्रदर्शन करने के साथ साथ अन्य गतिविधियों में सक्रिय रूप से भाग लेंगे जिससे आप संतुष्ट महसूस करेंगे। परिवार में प्रसन्नता व आपसी तालमेल का वातावरण रहेगा।

फरवरी 2025 के लिए फलादेश

ग्रह गोचर के अनुसार यह महीना आपके परिवार के लिए सब प्रकार से शुभ फलदायी होने वाला है। आपकी समस्याओं का निराकरण होगा तथा परिवार में बुजुर्ग आपके व्यवहार से प्रसन्न रहेंगे और आपको आशीर्वाद देंगे। परिवार में सभी के साथ तालमेल बना रहेगा।

बच्चों का बेहतर प्रदर्शन भी आपके लिए प्रसन्नता व संतुष्टि का कारण बनेगा। साथ ही आर्थिक पक्ष का भी सुदृढ़ीकरण होने से सभी समस्याओं का समाधान हो जाएगा।

मार्च 2025 के लिए फलादेश

ग्रह गोचर के अनुसार यह माह आपके लिए प्रसन्नता व उन्नतिदायक तो है ही, साथ ही परिवार में कोई मांगलिक कार्य होने के भी संकेत हैं।

पारिवारिक आय वृद्धि से इस महीने आप अपने आपको काफी सहज महसूस करेंगे। परिवार के सदस्यों तथा बच्चों के व्यवहार सम्बन्धी किसी भी प्रकार की समस्या की सम्भावनाएं नहीं हैं। कुल मिलाकर आप संतुष्ट व प्रसन्न रहेंगे।

अप्रैल 2025 के लिए फलादेश

ग्रह गोचर के अनुसार इस माह भी कुछ संघर्ष व मतभेद के संकेत हैं इसलिए संयम बनाए रखें तथा विशेष रूप से पिता के साथ वाद–विवाद में उलझने से बचें। अपने से बड़ों का सम्मान करें व अपने व्यवहार व क्रिया–कलाप में अपना मार्ग प्रशस्त रखें।

आपके अनियंत्रित खर्चे भी आपको कुछ परेशान कर सकते हैं और कुछ हद तक अपनी जिम्मेदारियों को पूरा करते हुए आपको ऋण आदि लेना पड़ सकता है। कुशलता पूर्वक बनायी गई योजनाएं खर्च के आने से पहले आपको वित्तीय प्रबन्ध करने का पर्याप्त देगी व आपको परेशानी नहीं होगी।

मई 2025 के लिए फलादेश

ग्रह गोचर के अनुसार इस माह भी आपको कुछ शुभ संकेत नहीं प्राप्त हो रहे। आपको अपनी पत्नी के साथ गम्भीर तनाव व मतभेद की स्थिति से गुजरना पड़ सकता है तथा साथ ही आपके बच्चे भी आपके साथ शत्रुवत व्यवहार करेंगे। उनके व्यवहार व कार्यों पर कड़ी नजर के साथ साथ उनका बेहतर मार्गदर्शन करने की भी आवश्यकता है।

आपके अपने पिता के साथ सम्बन्धों में तनाव के चलते पारिवारिक वातावरण में कटुता रह सकती है। इसलिए इस स्थिति से बचने के लिए सावधानी पूर्वक सम्भाषण करें और वाद–विवाद से बचें।

जून 2025 के लिए फलादेश

ग्रह गोचर के अनुसार इस माह भी आपको कुछ शुभ संकेत नहीं प्राप्त हो रहे। आपको अपने नौकर चाकर व कर्मचारियों से गम्भीर तनाव व मतभेद की स्थिति से गुजरना पड़ सकता है इसलिए इस स्थिति से बचने के लिए सावधानी पूर्वक सम्भाषण करें और वाद–विवाद से बचें।

आपके अपने पिता के साथ सम्बन्धों में तनाव के चलते पारिवारिक वातावरण में कटुता रह सकती है। जीवनसाथी व परिवार के अन्य सदस्यों के साथ सम्बन्धों को अच्छा रखने के लिए अपने व्यवहार को सन्तुलित रखें।

जुलाई 2025 के लिए फलादेश

इस माह ग्रह गोचर की स्थिति से कुछ विशेष शुभ तो नहीं जान पड़ता परन्तु ऐसे किसी व्यक्ति से विशेष लाभ होने के प्रबल संकेत हैं जो रुतबे और सामाजिक स्तर में आपसे बहुत नीचे की श्रेणी का हो। बहुत सम्भव है कि यह व्यक्ति आपका कोई कर्मचारी अथवा नौकर हो।

आपके बच्चे भी पढ़ाई में अच्छा प्रदर्शन करने के साथ साथ अन्य गतिविधियों में सक्रिय रूप से भाग लेंगे जिससे आप संतुष्ट महसूस करेंगे। परिवार में प्रसन्नता व आपसी तालमेल का वातावरण रहेगा।

अगस्त 2025 के लिए फलादेश

इस माह ग्रह गोचर अनुकूल न होने से आपके परिवार की उन्नति में रुकावट के योग बने हुए हैं। पिता से वैचारिक मतभेद के संकेत हैं। इस समय आवश्यकता है कि आप अपना मार्ग प्रशस्त रखें जिसके परिणामस्वरूप आपका परिवार के बड़ों व बुजुर्गों के साथ किसी प्रकार का मतभेद व विवादादि न हो।

इसके अतिरिक्त परिवार के महिला सदस्यों विशेष रूप से पत्नी और मां के साथ सम्बन्धों में कुछ तनाव होने की भी संभावनाएं हैं। धैर्य बनाए रखें तथा वाद–विवाद की स्थिति से दूर रहें। आपके बच्चे भी आपके लिए कुछ कठिनाईयां उत्पन्न कर सकते हैं। इसलिए उनकी गतिविधियों पर पैनी नजर रखें।

सितम्बर 2025 के लिए फलादेश

इस माह ग्रह गोचर अनुकूल न होने से आपके परिवार की उन्नति में रुकावट के योग बने हुए हैं। पिता से वैचारिक मतभेद के संकेत हैं। इस समय आवश्यकता है कि आप अपना मार्ग प्रशस्त रखें जिसके परिणामस्वरूप आपका परिवार के बड़ों व बुजुर्गों के साथ किसी प्रकार का मतभेद व विवादादि न हो।

इसके अतिरिक्त व्यय के अनियन्त्रित हो जाने से भी कुछ समस्याएं बढ़ेंगी तथा आपके परिवार पर कुछ ऋण आदि चढ़ सकता है। इसलिए योजनाबद्ध तरीके से कार्य करते हुए व्यय करें ताकि आपको अतिरिक्त व्यय हो जाने से समस्याओं का सामना न करना पड़े।

अक्तूबर 2025 के लिए फलादेश

इस माह भी आपके लिए ग्रह नक्षत्रों की स्थिति आपके पारिवारिक कल्याण हेतु किसी विशेष लाभ का संकेत नहीं दे रही है। बच्चों से सम्बन्धित समस्याओं के विशेष योग बने हुए हैं इसलिए आपको चाहिए कि आप उनकी गतिविधियों पर कड़ी नजर रखें।

इसके अतिरिक्त परिवार के सदस्यों विशेष रूप से आपकी मां और पत्नि के बीच व्यर्थ का वाद–विवाद हो सकता है। आप अपना संयम न खोएं। पिता के साथ मतभेद होने की भी सम्भावना है। इस समय आवश्यकता है कि आप अपना मार्ग प्रशस्त रखें जिसके परिणामस्वरूप आपका परिवार के बड़ों व बुजुर्गों के साथ किसी प्रकार का मतभेद व विवादादि न हो।

नवम्बर 2025 के लिए फलादेश

ग्रह गोचर अनुकूल होने से इस महीने आपके लिए न केवल आर्थिक स्थिरता के योग बने हुए हैं अपितु आपको परिवार के बड़े बुजुर्गों का आशीर्वाद भी प्राप्त होगा और वे आपके व्यवहार से प्रसन्न रहेंगे।

पारिवारिक आय वृद्धि से इस महीने आप अपने आपको काफी सहज महसूस करेंगे। परिवार के सदस्यों तथा बच्चों के व्यवहार सम्बन्धी किसी भी प्रकार की समस्या की सम्भावनाएं नहीं हैं। कुल मिलाकर आप संतुष्ट व प्रसन्न रहेंगे।

दिसम्बर 2025 के लिए फलादेश

कुल मिलाकर यह महीना भी पारिवारिक आय व उन्नति की दृष्टि से उत्तम ग्रह गोचर के प्रभाव से स्थिरता व मजबूती के संकेत लेकर आ रहा है जिससे आप चिंता मुक्त महसूस करेंगे।

आपके बच्चे भी पढ़ाई में अच्छा प्रदर्शन करने के साथ साथ अन्य गतिविधियों में सक्रिय रूप से भाग लेंगे जिससे आप संतुष्ट महसूस करेंगे। परिवार में प्रसन्नता व आपसी तालमेल का वातावरण रहेगा।

पारिवारिक - 2026

पारिवारिक दृष्टि सेयह वर्षसामान्य रहेगा। वर्षारम्भ में अधिक व्यस्तता के कारण अपने परिजनों को अधिक समय नहीं दे पाएंगेपरन्तु आपके परिवार में सुख शान्ति का वातावारण बना रहेगा। भाईयों का सहयोग प्राप्त होगा। तृतीय स्थान पर गुरु ग्रह के दृष्टि प्रभाव से आपकी सामाजिक पद व प्रतिष्ठि में वृद्धि होगी।

02 जून के बाद गुरु ग्रह का गोचर प्रतिकूल हो रहा है। उस समय परिवार में किसी बड़े व्यक्ति के साथ आप का वैचारिक मतभेद उत्पन्न हो सकता है। अतः अच्छा यही होगा की आप अपनी सहन शक्ति को बढ़ाएं और उचित निर्णय लें। सप्तमस्थ राहु जीवनसाथी का स्वास्थ्य प्रभावित कर सकता है।

जनवरी 2026 के लिए फलादेश

पारिवारिक उन्नति की दृष्टि से इस माह का ग्रह गोचर किसी विशेष शुभ समाचार को इंगित नहीं करता। घरेलू वातावरण भाईयों से वैचारिक मतभेद व तनाव के चलते बिगड़ सकता है। अतः इस स्थिति से बचने के लिए यथाशक्ति प्रयासरत रहें।

आर्थिक रूप से कुछ अभाव के चलते तनाव बना रहेगा। अपने बच्चों की गतिविधियों पर कड़ी नजर रखें। उन्हें अनुशासित करने की आवश्यकता रहेगी। क्योंकि उनका अध्ययन व अन्य उपयोगी गतिविधियों में प्रदर्शन अपेक्षा से कम रहेगा।

फरवरी 2026 के लिए फलादेश

ग्रह गोचर के अनुसार पारिवारिक वातावरण में गम्भीर समस्याओं के साथ परेशानी के संकेत दिखायी दे रहे हैं। सम्भवित है कि कुछ अनायास धन व्यय के चलते परिवार पर कुछ कर का बोझ आ जाए, परन्तु कुशल योजना व कुछ ठोस कदमों के उठाए जाने से ऐसी सम्भावना को टाला भी जा सकता है।

भाईयों के साथ गम्भीर मतभेद होने के प्रबल संकेत हैं, जिसका प्रभाव गम्भीर पड़ेगा। अतः इस स्थिति से बचने के लिए यथाशक्ति प्रयासरत रहें।

मार्च 2026 के लिए फलादेश

बच्चे अपने व्यवहार व अनुशासन में श्रेष्ठ करने का प्रयास करते रहेंगे। वे अपनी पढ़ाई तथा अन्य गतिविधियों में भी सुधार करेंगे। आर्थिक रूप से भी सम्पन्नता प्राप्त होगी तथा परिवार की कोई भी आवश्यकता ऐसी न होगी जिसकी पूर्ति न हो सके।

अप्रैल 2026 के लिए फलादेश

ग्रह गोचर के अनुसार बिना किसी समस्या के यह माह बेहतर परिणामदायी रहेगा। पारिवारिक वातावरण भी ऐसा होगा जैसा होना चाहिए व परिवार के सदस्यों में पारस्परिक तालमेल बना रहेगा व किसी भी प्रकार के किसी तनाव की कोई सम्भावना नहीं है। आर्थिक स्थिति भी पूर्णतः अनुकूल रहेगी।

बच्चे पहले से अधिक अनुशासित रहेंगे और अपने अध्ययन तथा अन्य उपयोगी गतिविधियों को तन्मयता से सम्पादित करेंगे और इसका अनुमान उनके श्रेष्ठ परीक्षा परिणाम से लगाया जा सकता है। आपको अपनी मां–बहनों और पत्नी से विशेष प्रेम व स्नेह की प्राप्ति होगी तथा कुलमिलाकर यह माह आपके लिए शुभ फलदायी होगा।

मई 2026 के लिए फलादेश

ग्रह गोचर के अनुसार पारिवारिक उन्नति के लिए विशेष उन्नतिदायक माह नहीं है। आपमें से बहुत से लोगों को अपने बन्धु–बान्धवों के साथ व्यवहार में सावधानी रखने की आवश्यकता है जिससे तनाव और कटुता का वातावरण उत्पन्न न हो तथा वैचारिक मतभेद की सभी सम्भावनाएं निरस्त हो जाएं।

अपने आप को धैर्यपूर्वक व्यवहार करने में सक्षम बनाएं। आर्थिक रूप से आप कुछ विशेष नहीं कर पाएंगे और फलस्वरूप कुछ परेशानियों का सामना भी करना पड़ेगा। इसलिए अपनी समस्याओं से निजात पाने के लिए समय रहते बनाई गई योजनाएं कारगर सिद्ध होंगी।

जून 2026 के लिए फलादेश

ग्रह गोचर के अनुसार पारिवारिक उन्नति के लिए विशेष उन्नतिदायक माह नहीं है। आपमें से बहुत से लोगों को अपने बन्धु–बान्धवों के साथ व्यवहार में सावधानी रखने की आवश्यकता है जिससे तनाव और कटुता का वातावरण उत्पन्न न हो तथा वैचारिक मतभेद की सभी सम्भावनाएं निरस्त हो जाएं।

अपने आप को धैर्यपूर्वक व्यवहार करने में सक्षम बनाएं। आपसे ऐसे धैर्य की अपेक्षा है जिसे बिना समुचित अभ्यास से धारण नहीं किया जा सकता है। कठिन प्रयास करने से आप ऐसी योग्यता प्राप्त कर सकते हैं। बच्चों पर अतिरिक्त ध्यान देने की आवश्यकता तो है ही साथ ही उनके बेहतर प्रदर्शन और अन्य उपयोगी गतिविधियों में उनका मार्गदर्शन करने से आप स्वयं भी प्रफुल्लित महसूस करेंगे।

जुलाई 2026 के लिए फलादेश

ग्रह गोचर के अनुसार पारिवारिक उन्नति के लिए विशेष उन्नतिदायक माह नहीं है।

आपमें से बहुत से लोगों को अपने बन्धु–बान्धवों के साथ व्यवहार में सावधानी रखने की आवश्यकता है जिससे तनाव और कटुता का वातावरण उत्पन्न न हो तथा वैचारिक मतभेद की सभी सम्भावनाएं निरस्त हो जाएं।

अपने आप को धैर्यपूर्वक व्यवहार करने में सक्षम बनाएं। आर्थिक रूप से आप कुछ विशेष नहीं कर पाएंगे और फलस्वरूप कुछ परेशानियों का सामना भी करना पड़ेगा। इसलिए अपनी समस्याओं से निजात पाने के लिए अपने खर्च को नियंत्रित करने के लिए उचित समय पर योजनाबद्ध तरीके से प्रभावशाली व उपयुक्त कदम उठाएं।

अगस्त 2026 के लिए फलादेश

इस माह भी ग्रहों की अनुकूल चाल से बेहतर परिणाम प्राप्त होंगे और विशेष रूप से बजुर्गों का आशीर्वाद प्राप्त होगा जो आपके आचरण से अधिकतर प्रसन्न रहेंगे।

पारिवारिक वातावरण सदस्यों में श्रेष्ठ तालमेल होने से हृदय की प्रसन्नता बढ़ाने वाला होगा। परिवार की महिला सदस्य से आपको विशेष स्नेह की प्राप्ति होगी। आर्थिक स्थिति भी पूर्णतः अनुकूल रहेगी। अर्थात् कुल मिलाकर यह माह आपके लिए शुभ फलदायी सिद्ध होगा।

सितम्बर 2026 के लिए फलादेश

ग्रह गोचर के अध्ययन से जान पड़ता है कि यह माह पारिवारिक उन्नति के लिए विशेष लाभकारी नहीं रहेगा। बहुत सम्भावना है कि आपका अपने भाईयों से वैचारिक मतभेद, तनाव की स्थिति उत्पन्न कर दे। अतः इस स्थिति से बचने के लिए यथाशक्ति प्रयासरत रहें।

ऐसी भी सम्भावना है कि घरलू खर्च के पूर्ति हेतु आपको कुछ ऋण लेना पड़े। समय रहते वस्तुस्थिति से निपटने के लिए योजनाबद्ध तरीके से कार्य करने की नीति कारगार साबित हो सकती है। अपने बच्चों की गतिविधियों पर कड़ी नजर रखें। उन्हें अनुशासित करने की आवश्यकता रहेगी। मां–पत्नी और बहन से प्रेम प्राप्त होता रहेगा।

अक्तूबर 2026 के लिए फलादेश

पारिवारिक उन्नति की दृष्टि से इस माह का ग्रह गोचर किसी विशेष शुभ समाचार को इंगित नहीं करता। बहुत सम्भावना है कि आपका अपने भाईयों से वैचारिक मतभेद, तनाव की स्थिति उत्पन्न कर दे। अतः इस स्थिति से बचने के लिए यथाशक्ति प्रयासरत रहें।

ऐसी भी सम्भावना है कि घरलू खर्च के पूर्ति हेतु आपको कुछ ऋण लेना पड़े। समय रहते वस्तुस्थिति से निपटने के लिए योजनाबद्ध तरीके से कार्य करने की नीति कारगार साबित हो सकती है। अपने बच्चों की गतिविधियों पर कड़ी नजर रखें। उन्हें अनुशासित करने की आवश्यकता रहेगी। मां–पत्नी और बहन से प्रेम प्राप्त होता रहेगा।

नवम्बर 2026 के लिए फलादेश

पारिवारिक उन्नति की दृष्टि से इस माह का ग्रह गोचर किसी विशेष शुभ समाचार को इंगित नहीं करता। इस माह धन की आवश्यकता निरन्तर बढ़ती रहेगी और ऐसी भी सम्भावना है कि घरलू खर्च के पूर्ति हेतु आपको कुछ ऋण लेना पड़े। समय रहते वस्तुस्थिति से निपटने के लिए योजनाबद्ध तरीके से कार्य करने की नीति कारगार साबित हो सकती है।

बहुत सम्भावना है कि आपका अपने भाईयों से वैचारिक मतभेद, तनाव की स्थिति उत्पन्न कर दे। अतः इस स्थिति से बचने के लिए यथाशक्ति प्रयासरत रहें। अपने बच्चों की गतिविधियों पर कड़ी नजर रखें। उन्हें अनुशासित करने की आवश्यकता रहेगी। मां–पत्नी और बहन से प्रेम प्राप्त होता रहेगा।

दिसम्बर 2026 के लिए फलादेश

पारिवारिक उन्नति की दृष्टि से इस माह का ग्रह गोचर किसी विशेष शुभ समाचार को इंगित नहीं करता। घरेलू वातावरण भाईयों से वैचारिक मतभेद व तनाव के चलते बिगड़ सकता है। अतः इस स्थिति से बचने के लिए यथाशक्ति प्रयासरत रहें।

आर्थिक रूप से कुछ अभाव के चलते तनाव बना रहेगा। अपने बच्चों की गतिविधियों पर कड़ी नजर रखें। उन्हें अनुशासित करने की आवश्यकता रहेगी। क्योंकि उनका अध्ययन व अन्य उपयोगी गतिविधियों में प्रदर्शन अपेक्षा से कम रहेगा।

पारिवारिक - 2027

पारिवारिक दृष्टि से यह वर्ष सामान्यतः बहुत अच्छा नहीं रहेगा। वर्ष के पूर्वार्द्ध में पारिवारिक माहौल बढ़िया नहीं रहेगा। अष्टमस्थ शनि के प्रभाव से आपके ससुराल पक्ष के लोगों के साथ आपका वैचारिक मतभेद हो सकता है। एक दूसरे प्रति वैमनस्य की भावना उत्पन्न हो सकती है जिससे पारिवारिक अनुकूलता भंग हो सकती है। पारिवारिक स्थिति को अनुकूल बनाने में आपको मातुल पक्ष का अच्छा सहयोग मिलेगा।

26 जून बाद समय काफी अनुकूल हो रहा है। परिवार में पुत्रादि का विवाह या कोई मांगलिक कार्य संपन्न होगा, उसमें आपकी अहम भूमिका होगी। सप्तम स्थान पर गुरु की दृष्टि प्रभाव से आपके पत्नी के साथ सम्बन्ध मधुर होंगे। सामाजिक पद प्रतिष्ठा के लिए यह वर्ष उत्तम रहेगा।

जनवरी 2027 के लिए फलादेश

इस माह आपके परिवार के सभी मामलों में कठनाईयां आने के संकेत हैं इसलिए आपको धैर्य की अतिरिक्त आवश्यकता रहेगी। केवल और केवल मात्र धैर्य धारण करना ही आपको इन समस्याओं से निजात दिला सकता है। जीवनसाथी के साथ सम्बन्धों में कड़वाहट आएगी।

परिवार के बड़ों के साथ सम्बन्धों में भी इसी प्रकार की समस्याएं रहेंगी तथा बच्चे भी शत्रुवत व्यवहार करेंगे। उनका सही मार्गदर्शन करना होगा।

फरवरी 2027 के लिए फलादेश

ग्रह चाल के परिणामस्वरूप पारिवारिक कल्याण के लिए इस माह कुछ भी उत्साहदायक प्रतीत नहीं हो रहा है। गम्भीर वैचारिक मतभेद होने की सम्भावना है। इसलिए बुजुर्गों के साथ व्यवहार में सावधानी बरतें। विशेष रूप से पिता के साथ सम्बन्ध ठीक रखने का हर सम्भव प्रयास करें तथा किसी भी संवेदनशील स्थिति में उत्तेजित न हों। ऐसा करने से तनाव होने में मदद मिलेगी।

परिवार के महिला सदस्यों के साथ सम्बन्धों में तनाव की स्थिति उत्पन्न होगी। एतदर्थ ठण्डे दिमाग से कार्य करें तथा समस्या से बचने के लिए दक्षतापूर्वक स्थिति को संभालें। अपने खर्च का योजनाबद्ध तरीके से चार्ट बनाएं। ताकि आर्थिक स्थिति सुदृढ़ बनी रहे।

मार्च 2027 के लिए फलादेश

आगामी माह में परिवार की स्थिति मौजूदा ग्रह गोचर के चलते विशेष शुभ नहीं रहेगी। बड़ों के साथ गम्भीर वैचारिक मतभेद होने से घर का वातावरण अनुकूल नहीं रहेगा।

आपको शान्त बने रहना चाहिए तथा तनाव दूर करने हेतु प्रतिकूल व संवेदनशील स्थिति में उत्तेजित नहीं होना चाहिए।

पारिवारिक वातावरण विशेष प्रसन्नतादायक नहीं रहेगा। बच्चे व्यवहार में जिद्दी होंगे तथा उनका अध्ययन व अन्य गतिविधियों में प्रदर्शन संतोषजनक नहीं रहेगा। अपना अतिरिक्त समय व शक्ति लगाकर उनकी गतिविधियों पर कड़ी नजर रखें। आर्थिक रूप से आप विशेष शुभ परिणाम नहीं कर पाएंगे।

अप्रैल 2027 के लिए फलादेश

आपके पारिवारिक मुद्दे प्रतिकूल ग्रह गोचर के चलते आसानी से सुलझते नहीं दिखते। बुजुर्गों के साथ गम्भीर मतभेद होने की सम्भावना है। इसलिए अपने आचार–विचार एवं व्यवहार में सावधानी बरतें। अन्यथा विपरीत परिणाम के लिए तैयार रहें।

बढ़ते खर्च पर नियंत्रण नहीं हो सकेगा और ऋण लेने की स्थिति भी बनेगी। इसलिए समय रहते योजनाबद्ध तरीके से आगामी सम्भावित खर्च का विवरण तैयार करके कदम उठाएं। ताकि वस्तुस्थिति को नियंत्रण में लाने की सम्भावनाएं बनी रहें। अपने बच्चों पर अतिरिक्त ध्यान दें तथा अपना समय व ऊर्जा का व्यय करके उन्हें अनुशासित करने के लिए समुचित कदम उठाएं।

मई 2027 के लिए फलादेश

ग्रह गोचर के अनुसार कुछ विशेष प्रसन्नतादायक नहीं प्रतीत हो रहा अपतु परिवार में बुजुर्गों से गम्भीर मतभदे होने की प्रबल सम्भावना है। आपको धैर्य बनाए रखने की आवश्यकता है और उत्तेजित होने वाली स्थिति को नजरअंदाज करें। ऐसा करने से तनाव दूर करने में सहायता मिलेगी।

सामाजिक स्तर में आपसे निचले स्तर के लोगों जैसे नौकर चाकर आदि से परेशानियां हाने का संकेत है। आर्थिक रूप से भी आप प्रसन्न नहीं रह पाएंगे। कुल मिलाकर विभिन्न समस्याएं हो सकती हैं और बच्चों की गतिविधियों पर भी सावधानी पूर्वक नजर रखें।

जून 2027 के लिए फलादेश

जहां तक परिवार कल्याण की बात है कुछ विशेष शुभ नहीं प्रतीत हो रहा और ऐसी सम्भावनाएं हैं कि नौकर चाकरों से समस्याएं हो सकती हैं। इसलिए दृढ़ता से स्थिति को सम्भालने का प्रयास करें।

परिवार के बुजुर्गों विशेष रूप से पिता से मतभेद रहेंगे। अपना धैर्य न खोएं तथा संवेदनशील व उत्तेजित स्थितियों में शांत बने रहें। ऐसा करने से तनाव की स्थिति को उत्पन्न होने से रोका जा सकता है। आर्थिक रूप से भी यह माह आपके लिए मंदा रहेगा

इसलिए योजनाबद्ध तरीके से धन का व्यय करें।

जुलाई 2027 के लिए फलादेश

ग्रह चाल से संकेत मिल रहे हैं कि इस माह आपको विशेष लाभ व प्रसन्नता के योग नहीं हैं तथा आर्थिक रूप से भी संघर्ष की स्थिति रहेगी। अतः अपने व्यय पर नियंत्रण पाने के लिए योजनाबद्ध तरीके से धन का व्यय करें ताकि अपव्यय से बच सकें।

ऐसा भी जान पड़ता है कि आपको किसी ऐसे व्यक्ति से समस्याएं हो सकती हैं जो सामाजिक स्तर में आपसे बहुत निम्न स्तर का व्यक्ति हो। परिवार में सभी लोगों से तनाव की स्थिति उत्पन्न हो सकती है। इसलिए धैर्य धारण करना ही लाभप्रद रहेगा।

अगस्त 2027 के लिए फलादेश

ग्रह गोचर से परिवार की उन्नति के लिए कुछ भी विशेष शुभ फलदायक नहीं जान पड़ता। परिवार के बुजुर्गों से वैचारिक मतभेद रह सकता है। वे आपके आचरण व व्यवहार से दुःखी होकर आपको आहत कर सकते हैं। अतः संवेदनशील क्षेत्र में उत्तेजक सीमाओं का अतिक्रमण न करें।

पारिवारिक वातावरण तनाव युक्त बना रहेगा। जिसके चलते परिवार में सहजता व शांति का अभाव रहेगा। बच्चे अब तंग कर सकते हैं। साथ ही अपने अध्ययन कार्य में व अन्य क्रिया–कलापों में भी समुचित ध्यान नहीं देंगे। इसलिए सावधानीपूर्वक उन्हें अनुशासित करने का प्रयास जारी रखें।

सितम्बर 2027 के लिए फलादेश

इस माह के ग्रह गोचर से पारिवारिक कल्याण तय है। आपके व्यय पर अत्यधिक नियंत्रण करने की आवश्यकता है अन्यथा परिवार की वित्तीय स्थिति में जबरदस्त गिरावट आ सकती है और आपमें से कुछ लोगों को ऋण भी लेना पड़ सकता है। व्यय के मामले में समय रहते बनायी गई योजनाएं प्रभावकारी होकर ऐसी समस्याओं से निजात दिला सकती हैं।

परिवार के बड़ों के साथ गम्भीर वैचारिक मतभेद होने की प्रबल सम्भावना है इसलिए अपने आपको अनुशासित बनाए रखें तथा किसी भी प्रकार की विपरीत परिस्थिति में शान्ति को भंग न होने दें और संवेदनशील दूर रहें। बच्चों पर अतिरिक्त समय व ऊर्जा का व्यय करने की आवश्यकता है।

अक्तूबर 2027 के लिए फलादेश

ग्रह गोचर के मुताबिक परिवार में उन्नति के संकेत बहुत ही कम हैं तथा बुजुर्गों के

साथ गम्भीर मतभेद की सम्भावना है। अपने आप को शान्त बनाए रखें तथा विपरीत परिस्थितियों में उत्तेजित न हों ऐसा करने से आप किसी समस्या में नहीं पड़ेंगे।

पारिवारिक वातावरण में कुछ तनाव बना रहेगा तथा ऐसे माहौल में बच्चे भी कुछ जिद्दी बने रहेंगे। बच्चों की गतिविधियों पर नियंत्रण रखने हेतु अतिरिक्त ध्यान देने की आवश्यकता है। उन्हें अपना समय और ऊर्जा देकर सही मार्गदर्शन करें। आर्थिक रूप से आप विशेष संतुष्ट नहीं रहेंगे।

नवम्बर 2027 के लिए फलादेश

इस माह की ग्रह चाल विशेष लाभकारी तथा उज्जवल समय का संकेत लेकर आ रही है। बुजुर्गों का आशीर्वाद प्राप्त होगा। वे आपके व्यवहार से प्रसन्न रहेंगे। परिवार के सभी सदस्य एक–दूसरे के सुख–दुःख के साथी बने रहेंगे।

अर्थात कुल मिलाकर परिवार का माहौल खुशनुमा रहेगा व सभी सदस्यों से बेहतर तालमेल भी होगा। जीवनसाथी के साथ संबंधों में बेहतरी के चलते अतिरिक्त प्रसन्नता प्राप्त होगी। जीवनसाथी से विशेष प्रेम, समर्पण व सहयोग की अपेक्षा की जा सकती है।

दिसम्बर 2027 के लिए फलादेश

ग्रह गोचर के अनुसार इस माह किसी विशेष लाभ के संकेत दृष्टिगोचर नहीं हो रहे। भाईयों के साथ मतभेद होने की सम्भावना है जो हिंसक स्तर तक जा सकती है तथा घर के वातावरण को अत्यन्त संवेदनशील बना सकती है। तनाव कम करने के लिए संवेदनशील व विपरीत परिस्थिति से दूर रहें।

बुजुर्गों, पिता व महिला सदस्यों विशेषकर जीवनसाथी के साथ तनाव बना रहेगा। ऐसे तनावयुक्त वातावरण का सामना करने के लिए अपने आन्तरिक मनोबल का प्रयोग करते हुए शान्ति व धैर्य बनाएं तथा तनाव को दूर करने के लिए हर संभव प्रयास करें।

स्वास्थ्य - 2025

स्वास्थ्य की दृष्टि से यह वर्ष सामान्य ही रहेगा। मानसिक रूप से आप सन्तुष्ट नहीं रहेंगे। वर्षारम्भ में लग्न स्थान पर शनि की दृष्टि प्रभाव से मौसम जनित बीमारियों से परेशानी हो सकती है। मानसिक चिंता जैसी छोटी मोटी परेशानियां होती रहेंगी।

14 मई के बाद गुरुग्रह का गोचर शुभ स्थान में होने से आपके स्वास्थ्य में सुधार होगा। आप अपने स्वास्थ्य को अनुकूल रखने के लिए शुद्ध एवं शाकाहारी भोजन ही करें। संतुलित आहार के साथ साथ नियमित व्यायाम भी करते रहें। जिससे आपके अंदर रोग प्रतिरोधक शक्ति विकसित होगी और आप का स्वास्थ्य पूर्ण रूप से अनुकूल बना रहेगा।

जनवरी 2025 के लिए फलादेश

इस माह आप स्वयं में ऊर्जा और जीवन शक्ति का अनुभव करेंगे। सूर्य की शुभता आपको किसी भी प्रकार की गंभीर वेदनाओं से मुक्त रखेगी। अचानक से होने वाले रोगों से आपका बचाव होगा। इस छोटी अवधि में बड़ी बीमारियां काफी हद तक नियंत्रण में रहेंगी। परन्तु फिर भी आप स्वास्थ्य अनियमितताओं को बिल्कुल अनदेखा नहीं कर सकते हैं। उपचार से बचाव बेहतर रहेगा। स्वस्थता प्राप्त करना आपके लिए एक लम्बी और मुश्किल प्रक्रिया हो सकती हैं। इसलिए एक छोटी सी बीमारी से पीड़ित होने पर शीघ्र चिकित्सा उपचार कराना आपके लिए एक अच्छा विचार होगा। यदि आप गंभीर बीमारियों से मुक्त रहना चाहते है तो आपको इस विचार का सख्ती से पालन करना चाहिए।

फरवरी 2025 के लिए फलादेश

इस माह आपको वायु के प्रभाव से होने वाले रोग, पाचन तंत्र, गठिया और पुरानी बीमारी होने के संकेत मिल रहे हैं। यदि आपको गठिया की समस्या पहले से चली आ रही हो तो इस समय में यह समस्या बढ़ सकती हैं। इस माह की रोग समस्याओं को रोकने के लिए सूर्य द्वारा दी जा रही सुरक्षा और जीवन शक्ति पर्याप्त नहीं रहेगी। किसी भी दुःख का ईलाज विशेष रूप से पाचन अंगों की समस्याओं का ईलाज शीघ्रता से कराना होगा। ग्रह, नक्षत्र आपकी स्वास्थ्य समस्याओं का समाधान शीघ्रता से नहीं कर रहे हैं। फिर भी तीव्र गति से गिरावट की संभावना नहीं बन रही हैं। पुरानी कब्ज जैसी शिकायतें होने की संभावनाएं बन रही हैं। पहले से ही सुधारात्मक उपाय करने से इस विषय में आपको बड़ी मदद मिलेगी।

मार्च 2025 के लिए फलादेश

नक्षत्र और ग्रहों की स्थिति आपके स्वास्थ्य के लिए इस माह बहुत अनुकूल नहीं हैं। इसके कारण से आपको अत्यधिक थकान हो सकती हैं। तथा तंत्रिका संबंधित विकार उत्पन्न हो

सकते हैं। आप सामान्य दुर्बलता के शिकार हो सकते हैं। अस्वस्थता के बाद स्वास्थ्य प्राप्ति की प्रक्रिया धीमी और थकाऊ हो सकती है। इसलिए आरोग्य लाभ प्राप्त करने की संभावना मन्द गति से बन रही हैं। इसलिए रोग बढ़ने से पूर्व किसी भी हानि के होने से पहले वेदनाओं का ईलाज करना लाभकारी रहेगा। अत्यधिक परिश्रम करना आपकी स्वास्थ्य समस्याओं का कारण बन सकता है। ग्रहों की प्रतिकूल परिस्थितियों में सावधानियां लेने से स्वास्थ्य में प्रत्येक प्रकार की गिरावट से बचा जा सकता हैं।

अप्रैल 2025 के लिए फलादेश

इस माह आपको अपने स्वास्थ्य के प्रति सावधान रहना होगा। इस माह आपको बवासीर तथा पित्त की पथरी, होने की संभावना बन रही हैं। सूर्य के द्वारा स्वास्थ्य सुरक्षा और जीवन शक्ति की प्रतिकूलता की वजह से आपमें आरोग्य शक्ति की कमी रहेगी। साथ ही ग्रह स्थिति भी इस माह आपके स्वास्थ्य के लिए बहुत अच्छी नहीं बनी हुई हैं। इस बात का खतरा बन रहा है कि अस्वस्थ हो जाने पर स्वास्थ्य प्राप्ति आपके लिए धीमा और थकाऊ हो सकता हैं। किसी भी प्रकार की स्वास्थ्य हानि के बिना वेदनाओं का ईलाज समय रहते कराना बहुत हितकारी रहेगा। स्वास्थ्य समस्याओं की संभावनाओं को कम करने के लिए स्वास्थ्य के प्रति एहतियात रखनी होगी। कुल मिलाकर यह माह आपको अपने स्वास्थ्य के प्रति सावधानी रखने का संकेत कर रहा हैं।

मई 2025 के लिए फलादेश

इस माह आप स्वास्थ्य के प्रति विशेष रूप से सावधान रहें। आप अचानक से होने वाली बीमारियां जैसे– बुखार एवं अत्यधिक क्रोध आना, आपके स्वास्थ्य विकार का कारण बन सकता हैं। रोगों से पीड़ित होने के बाद देरी से आरोग्य लाभ प्राप्ति आपकी चिंताएं बढ़ायेंगी। रोगमुक्त होना आपके लिए एक धीमी और थकाऊ प्रक्रिया हो सकती है। बीमारी से पूरी तरह उबरने के लिए स्वास्थ्य की उचित देखभाल करनी होगी। परिस्थितियों को ध्यान में रखते हुए स्वास्थ्य को निरोगी रखने के लिए स्वयं पर अधिक से अधिक ध्यान देना समझदारी रहेगी। अपने शरीर का विशेष रूप से ध्यान रखना आपके दुःख या वेदनाओं के दुष्प्रभाव को रोकने का कार्य करेगा। इस माह में बन रही ग्रह स्थिति आपके स्वास्थ्य के विषयों के लिए कष्टकारी सिद्ध हो सकती हैं। ग्रहों की शुभता भी इस माह आपके स्वास्थ्य विकारों को नियंत्रित नहीं कर पाएगी। अतः सतर्क रहें।

जून 2025 के लिए फलादेश

स्वास्थ्य सुख के पक्ष से यह माह आपके लिए एक अच्छा माह है। इस माह में सूर्य आपको अतिरिक्त साधारण सुरक्षा और जीवन शक्ति प्रदान करेगा। यह सुरक्षा और जीवन शक्ति आपके स्वास्थ्य सुख को बढ़ाएगी। परन्तु इसका यह अर्थ नहीं है कि आप अपने स्वास्थ्य के प्रति सचेत न रहें। इसके लिए आप अपना सामान्य स्वास्थ्य बनाए रखने के लिए पाचन तंत्र तथा वायु

से होने वाले रोग के प्रति अतिरिक्त सावधानी बनाए रखें। इसके अलावा किसी भी प्रकार के छोटा सा दुःख होने पर, किसी भी समय हानि के बिना तुरंत ईलाज करायें। अन्यथा आपके लिए स्वस्थ होना जटिल मामला सिद्ध हो सकता हैं। यह आपके लिए एक धीमी और थकाऊ प्रक्रिया हो सकती है। इसके अलावा इस माह स्वास्थ्य विषयों को लेकर चिंता की कोई बात नहीं हैं। सरल, सामान्य सावधानियां रखना पर्याप्त होगा।

जुलाई 2025 के लिए फलादेश

इस माह की ग्रह परिस्थितियां आपके स्वास्थ्य की अनुकूलता सुनिश्चित करेंगी। वास्तव में सूर्य आपके जीवन को सुरक्षा और जीवन शक्ति प्रदान कर आपकी आरोग्यता को बढ़ा रहे हैं। सूर्य शुभता से आप को बीमारियां शीघ्र अपने प्रभाव में ले सकती हैं। ग्रह शुभता होने से आप अपने स्वास्थ्य सुख को लेकर संतुष्ट रहेंगे। यदि किसी कारणवश आप के स्वास्थ्य में अनियमितता होती है तो फिर से स्वास्थ्य सुख प्राप्त करना आपके लिए एक धीमी प्रक्रिया हो सकती है। एक छोटे रोग का ईलाज कराने में आपको लम्बा समय लग सकता है। माह अवधि में बन रहे ग्रह स्थिति योग आपके स्वास्थ्य संबंधी मामलों को नियंत्रित कर रहे हैं। उपचार कराने की स्थिति का सामना आपको न करना पड़े इसके लिए आपको सामान्य एहतियात रखनी चाहिए। इसके अतिरिक्त चिंता की कोई बात नहीं हैं।

अगस्त 2025 के लिए फलादेश

इस माह आप अपने स्वास्थ्य को लेकर खास सावधानी बरतें। अन्यथा आपको विभिन्न प्रकार की स्वास्थ्य बाधाओं का सामना करना पड़ सकता हैं। माह अवधि में आपको कोई गले आदि में फोड़ा या पाचन तंत्र में गिरावट की स्थिति का सामना करना पड़ सकता हैं। इस प्रकार की किसी भी स्वास्थ्य अनियमितता के प्रति आपको गंभीर रहना होगा और रोगों के प्रति उदासीनता से बचना होगा। इस माह नक्षत्र और ग्रह स्थिति आपके बहुत अनुकूल नहीं हैं। इसलिए इस माह आपको गंभीर रोगों से बचने के लिए आपको रोग होने पर शीघ्र चिकित्सा करानी होगी। आपको किसी भी प्रकार की देरी नहीं करनी होगी। इसके अलावा एक अन्य कारण भी है कि आप अपने फेफड़ों से जुड़ी वेदनाओं को लेकर सावधानी बरतें। इस माह आपको कफ अथवा खांसी की समस्या हो सकती हैं। प्रारंभित उपचार से स्वास्थ्य लाभ प्राप्त होने की संभावनाएं बन रही हैं।

सितम्बर 2025 के लिए फलादेश

इस माह सूर्य आपको रोगों से मुक्त रखेगा। आपको असाधारण जीवन शक्ति और ऊर्जा प्रदान करेगा। रोगों से लड़ने की शक्ति आपमें अधिक होने से आप रोगों के प्रभाव में शीघ्र नहीं आयेंगे। रोग ग्रस्त होने पर आपके स्वास्थ्य में तेजी के साथ लाभ होगा। सूर्य शुभता से आपको नेत्रों, अस्थियों, सिर, ह्रदय, प्राण शक्ति, रक्त तथा पित्त संबंधी आदि रोग प्रभावित नहीं कर पायेंगे। इस माह में आपकी हड्डियां मजबूत रहेंगी तथा स्वास्थ्य सुख बना रहेगा। आंशिक रूप से आपको

सिर दर्द की शिकायत हो सकती हैं। अचानक से बुखार आना तथा शीघ्र क्रोध की स्थिति बन सकती है। स्वास्थ्य में होने वाले विकारों को अनदेखा करने पर छोटे रोग गंभीर रोग में परिवर्तित हो सकते हैं। सावधान रहें।

अक्तूबर 2025 के लिए फलादेश

यह माह आपके स्वास्थ्य के पक्ष से अनुकूल रहेगा। सूर्य शुभता आपको रोग मुक्त रखने में पूरा सहयोग करेगी। आप स्वयं में ऊर्जा और जीवन शक्ति के एक बड़े स्त्रोत का अनुभव करेंगे। फिर भी आपको अपने पाचन तंत्र, नेत्र रोगों तथा मुंह रोगों से बचाव का ध्यान रखना चाहिए। स्वास्थ्य की नियमित जांच कराते रहना भी आपके लिए उत्तम रहेगा। वायुप्रद रोग, गठिया और पुराने रोगों से स्वयं का बचाव करना भी उपयोगी सिद्ध हो सकता हैं। सामान्य सावधानी बना रख आप रोगों को नियंत्रित रख पायेंगे। इसके अतिरिक्त आपको इस बात का भी ध्यान रखना होगा कि आप अनावश्यक देरी किए बिना, किसी भी बीमारी के प्रभाव में आने पर आपको शीघ्र चिकित्सा उपचार लेनी चाहिए। साथ ही अपने हृद्रय से संबंधित रोगों की जांच भी आपको बारीकी से कराते रहना चाहिए।

नवम्बर 2025 के लिए फलादेश

इस माह सूर्य आपको असाधारण शक्ति और जीवन शक्ति प्रदान कर रहा है। सूर्य शुभता आपके स्वास्थ्य का पूरा ध्यान रखेगी। शारीरिक कमजोरी और तंत्रिका संबंधी विकार संबंधित स्वास्थ्य की जांच कराते रहना चाहिए। इस माह आप अपने ऊपर अत्यधिक तनाव न लें। आपकी यह प्रवृत्ति मजबूत शारीरिक शक्ति के बावजूद स्वास्थ्य समस्या पैदा कर सकती है। व्यर्थ का पराक्रम दिखाते हुए स्वयं को स्वस्थ दिखाना आपके लिए कष्टकारी सिद्ध हो सकता हैं। अस्थमा और पानी से होने वाले रोगों से बचाव के लिए सामान्य तरीकों का प्रयोग कर सकते हैं। रोग ग्रस्त होने पर शीघ्र चिकित्सा लेनी लाभकारी रहेगी। यदि आप थकावट और अत्यधिक तनाव से बचाव करते है तो आपको कोई गंभीर खतरा नहीं होगा।

दिसम्बर 2025 के लिए फलादेश

इस माह सूर्य का सुरक्षा कवच आपकी स्वास्थ्य समस्याओं को दूर रखने के लिए पर्याप्त नहीं होगा। सूर्य द्वारा आपको प्रदत्त रोगों से लड़ने की शक्ति, जीवन शक्ति और सुरक्षा शक्ति आपको जुकाम और पाचन अंगों से संबंधित बीमारियों से मुक्त नहीं रख पायेंगी। इस माह यदि आप किसी रोग से ग्रस्त होते है तो स्वस्थ हो जाना एक कठिन और धीमी उबाऊ प्रक्रिया हो सकती हैं। इस समय में आपको अत्यधिक सावधानी की जरुरत हैं। इसके अतिरिक्त रोग बढ़ने पर हालात बिगड़ जायेंगे और स्थिति आपके हाथ से निकल जाएगी। सचेत रहना सुरखित रखेगा। समय की हानि किये बिना शीघ्रता से चिकित्सा उपचार कराना और अच्छी तरह से देखभाल करने से स्वास्थ्य सुख वापस प्राप्त किया जा सकता है। इस माह के ग्रह योग आपके स्वास्थ्य के लिए

अनुकूल नहीं है।

स्वास्थ्य - 2026

स्वास्थ्य की दृष्टि से वर्ष का पूर्वार्द्ध सामान्य रहेगा। शनि एवं राहु ग्रह का गोचर प्रतिकूल होने के कारण स्वास्थ्य संबंधित परेशानी उत्पन्न कर सकता है। अचानक स्वास्थ्य खराब हो सकता है परन्तु एकादशस्थ गुरु के प्रभाव से आप जल्दी अच्छे हो जाएंगे।

02 जून के बाद छोटी मोटी बीमारियों से आपका स्वास्थ्य प्रभावित हो सकता है। आर्थिक मुद्दे या किसी और मुद्दे को ले कर आवश्यकता से ज्यादा चिंता न करें। नहीं तो इन सबका नकारात्मक प्रभाव आपके सेहत पर पड़ेगा। द्वादशस्थ गुरु के जल तत्व राशि में होने के कारण कफ रोग या मौसमजनित बीमारियां हो सकती हैं। सुबह–सुबह व्यायाम करना या योग करना आपके लिए लाभप्रद सिद्ध होगा। 31 अक्टूबर के बाद आपका स्वास्थ्य अनुकूल होना शुरू हो जाएगा।

जनवरी 2026 के लिए फलादेश

इस माह के दौरान आपका मन और शरीर काफी स्वस्थ और मजबूत रहेंगा। स्वयं की स्वस्थता हेतु आपको अपने छोटे दुःख की भी तत्काल चिकित्सा करानी होगी। दुःख के आरम्भ में ही देखभाल करने से रोग बड़ा नहीं होगा और उसका समय पर समाधान हो जाएगा। समय–समय पर जांच करते रहने से गंभीर बीमारी की संभावना समाप्त होगी। अचानक से होने वाले रोगों पर भी यह उपाय नियंत्रण बनाए रखेगा। परन्तु इस माह नेत्र संक्रमण की संभावना से पूरी तरह से इंकार नहीं किया जा सकता हैं। सामान्य देखभाल करने से भी आपका स्वास्थ्य सुख बना रहेगा। स्वास्थ्य की दृष्टि से यह एक अच्छा माह रहेगा। स्वास्थ्य उपचार से संबंधित चिंता का अन्य कोई कारण नहीं बन रहा हैं।

फरवरी 2026 के लिए फलादेश

अपने स्वास्थ्य के संदर्भ में आपको इस माह बहुत अधिक सावधान रहना होगा। जिन व्यक्तियों को पाचन तंत्र, वायु रोग, गठिया तथा जीर्ण रोग जैसी पुरानी बीमारियां हैं। उन्हें विशेष रूप से सतर्क रहना होगा। यही कारण है कि आपको अत्यधिक सावधानी बरतनी होगी और उचित देखभाल रखते हुए आवश्यक पड़ने पर उचित उपचार भी लेते रहें। इनमें में से किसी भी प्रकार की देरी गंभीर प्रकार की समस्या उत्पन्न कर सकती है। ग्रह नक्षत्र का पूरा सहयोग प्राप्त न होने के कारण ऐसी समस्याएं सामने आ सकती हैं। इसके अलावा इस माह आपका अत्यधिक भोजन करना भी परेशानी खड़ी कर सकता हैं। सावधानी के साथ संतुलित जीवन शैली का पालन करते हुए, अपने स्वास्थ्य सुख को बनाए रख सकते हैं।

मार्च 2026 के लिए फलादेश

इस माह की ग्रह, नक्षत्र स्थिति स्वास्थ्य के पक्ष से स्वास्थ्यवर्धक बनी हुई हैं। अल्सर, पीठ और पुरानी अनियमितता की शिकायतों से इस माह आपको राहत मिलना बहुत बड़ा लाभ होगा। अपने स्वाथ्य के प्रति सतर्कता की विफलता होने पर आप अपने लिए स्वास्थ्य कष्टों को बढ़ा सकती हैं। इसलिए अपने स्वास्थ्य के लिए सदैव सतर्क बने रहें। अपनी स्वास्थ्य सामथ्र्य से अधिक मेहनत करना आप के लिए एक गंभीर समस्या उत्पन्न कर सकता हैं। इससे आपको बचने की जरुरत हैं। आप अनावश्यक रूप से मानसिक और भौतिक दोनों प्रकार से दबाव लेने से बचें। इससे आप लक्ष्यों को शीघ्रता से प्राप्त कर सकते हैं। इसके अलावा यह माह स्वास्थ्य के मामलों के लिए चिंता का विषय नहीं रहेगा।

अप्रैल 2026 के लिए फलादेश

इस माह की ग्रह स्थिति आपके स्वास्थ्य मामलों का समाधान कर रही हैं। इस माह अनुकूल ग्रह, नक्षत्र स्थिति होने से आपका स्वास्थ्य प्रबल बना रहेगा। जिन व्यक्तियों को जुकाम, खांसी, बवासीर आदि जैसी वेदनाएं होने का खतरा आंशिक रूप से बन रहा हो, उन व्यक्तियों को सामान्य सावधानियां बनाए रखनी चाहिए। साथ ही इस माह के मध्य कोई गंभीर समस्या होने की संभावना नहीं बन रही हैं। अतः स्वास्थ्य सुख के लिए सामान्य सावधानियों का त्याग न करें। इसके अतिरिक्त किसी तरह की कोई परेशानी आपको नहीं होगी। स्वास्थ्य विषयों के लिए सामान्य सतर्कता बनाए रखना अच्छा रहेगा। यह माह स्वास्थ्य के दृष्टिकोण से हर तरह से बहुत संतोषजनक बना हुआ हैं।

मई 2026 के लिए फलादेश

इस माह की ग्रह, नक्षत्र स्थिति आपके स्वास्थ्य के लिए अनुकूल होकर स्वास्थ्य शुभता का आशिर्वाद दे रही हैं। इसके अलावा पुरानी अनियमितता होने का खतरा न होने से आपको काफी राहत का अनुभव होगा। अचानक से होने वाले रोग जैसे बुखार या शीघ्र क्रोध आना जैसी बीमारियों का चिकित्सा उपचार शीघ्र कराना होगा। इससे रोग नियंत्रित रहेंगे और गंभीर बीमारियां जन्म नहीं ले पायेंगी। इस माह का मिला जुला भाग्य आपको लापरवाही न बरतने पर दुर्घटना या हिंसक चोट की संभावना बना रहा हैं। आवश्यक देखभाल आपके लिए बहुत फायदेमंद साबित हो सकती हैं।

जून 2026 के लिए फलादेश

आपको यह सुनिश्चित करना है कि आप अपनी ओर से किसी प्रकार की लापरवाही न करें, स्वास्थ्य अनुकूलता के लिए आपकी तत्परता आवश्यक हैं। ग्रह एवं नक्षत्रों की शुभता आपके सभी स्वास्थ्य विकारों का समाधान कर रही हैं। आंशिक रूप से पाचन शिकायतें, गठिया, वायु रोग एवं पुराने रोगों का न उभरना आपको राहत देगा। परन्तु इसका अर्थ यह बिल्कुल नहीं हैं कि आप अपने स्वास्थ्य विकारों को अनदेखा करने लगें। आपको यह सुनिश्चित करना है कि आप

सामान्य सावधानी रखें और गंभीर विषयों का ध्यान रखना चाहिए। अपने स्वास्थ्य की किसी भी छोटी सी शिकायत को भी आपको नजर अंदाज नहीं करना हैं। इससे यह माह आपके लिए शुभ होकर अनुकूल बना रहेगा।

जुलाई 2026 के लिए फलादेश

आने वाले माह में आपकी सेहत के लिए बहुत अच्छे संकेत नहीं बन रहे है। लेकिन सख्ती से आवश्यक बचाव का पालन कर, आप काफी हद तक प्रतिकूल परिस्थितियों के प्रभाव को कम करने में सफल रहेंगे। इसके अतिरिक्त आप एहतियात के रूप में अधिक परिश्रम करने से बचे। स्वयं पर अनुचित दबाव न लेते हुए आप सामान्य गतिविधियों के द्वारा अपने आवश्यक कायी की सूची बना उनका पालन करना चाहिए। इससे आप स्वास्थ्य के संबंध में होने वाली संभावित हानियों से बच सकते है। इस माह में आपमें कुछ घबराहट की स्थिति बन सकती है। आवश्यक योग अभ्यास, सुबह की सैर करने से ग्रहों की स्थिति की प्रतिकूलता को कम कर सकता हैं। ऐसा करने से आप अपने स्वास्थ्य विकारों से बाहर आ सकते हैं।

अगस्त 2026 के लिए फलादेश

इस माह भाग्य की शुभता आपके स्वास्थ्य को शुभ आशीर्वाद प्रदान कर रहे है। पुरानी अनियमितताओं के न होने का खतरा आपको काफी राहत का अनुभव कराएगा। सभी प्रकार की सावधानी बरतें। वायु रोगों से भी आप बचाव का ध्यान रखें। स्वास्थ्य संबंधी किसी भी प्रकार की अनियमितता को गंभीरता से न लेना किसी बड़े रोग को निमंत्रण देना हो सकता हैं। सामान्य सावधानियां रखने से ही आप गंभीर समस्याओं से छुटकारा पा सकते हैं। विशेष रूप से आपको जुकाम, खांसी, कफ जैसी वेदनाओं को लेकर सावधान रहना चाहिए। एक मामूली बीमारी होने से इसका ईलाज तुरंत करना चाहिए। अन्यथा कठिनाईयां हो सकती हैं। इस विषय में यह समय आपके लिए सचेत रहना का रहेगा।

सितम्बर 2026 के लिए फलादेश

इस माह ग्रहों की स्थिति, योग आपके स्वास्थ्य सुख के लिए अनुकूल बन रही हैं। इससे पूर्व किसी भी प्रकार की पुरानी अनियमितताओं जैसे बुखार, शीघ्र क्रोध आना इत्यादि में इस माह में कमी आएगी। फिर भी आप अचानक से होने वाले रोगों के प्रति सावधान रहें। कोई गंभीर बीमारी होने की संभावना नहीं बन रही हैं। स्वास्थ्य चिंताओं में कमी करने के लिए आप आवश्यकता पड़ने पर बिना देरी किए समय पर ईलाज करायें। ग्रह स्थिति स्वास्थ्य के पक्ष से शुभ होने के कारण इस अवधि में सरल सामान्य देखभाल से भी आपको बहुत लाभ पहुंच सकता हैं। विशेष रूप से इस माह आपको सिर से जुड़े विभिन्न रोग होने की आंशिक संभावनाएं बन रही हैं। बालों में तेजी से गिरावट की स्थिति बन सकती हैं।

अक्तूबर 2026 के लिए फलादेश

उस माह के दौरान आपको अपने स्वास्थ्य के संदर्भ में बहुत अधिक सावधान रहना होगा। इस माह पुराने रोग जैसे पाचन तंत्र, वायु रोग एवं गठिया रोग होने का खतरा हैं। इस विषय में अत्यंत सावधानी बरतना हितकारी रहेगा। इसके अतिरिक्त आप गले की खराश से पीड़ित होने की संभावना बन रही हैं। आपको अपने हृद्रय की जांच सूक्ष्मता से करानी चाहिए। इससे हृद्रय रोगों का पता समय रहते चल जाएगा। इस माह बन रहे ग्रह, नक्षत्र और योगों के अनुसार रोग ग्रस्त होने पर शीघ्र अतिशीघ्र चिकित्सा राहत प्राप्ति एक अच्छा विचार होगा। यह माह आपके स्वास्थ्य के पक्ष से अनुकूल नहीं हैं। इसलिए इस अवधि में स्वयं की देखभाल करने की विशेष आवश्यकता पड़ सकती हैं।

नवम्बर 2026 के लिए फलादेश

इस माह की ग्रह स्थिति के अनुसार आपको अपने स्वास्थ्य सुख को बनाए रखने के लिए बड़े स्तर पर व्यय करना पड़ सकता हैं। स्वास्थ्य के पक्ष से यह स्थिति बहुत प्रेरणादायक नहीं हैं। फिर भी छोटी छोटी सावधानियां बनाए रखने से आप चिंताओं से मुक्त रह सकते हैं। अस्थमा और तरह–तरह की जीर्ण अनियमितताओं के होने का खतरा बन रहा हैं। लगातार उचित देखभाल सुनिश्चित करने से आप हालात की गिरावट को रोक सकते हैं। इसके अतिरिक्त आपको अपने सामथ्र्य शक्ति से अधिक परिश्रम करने से बचना चाहिए। अन्यथा सामान्य दुर्बलता की स्थिति भी आपके लिए काफी नुकसान देह हो सकती हैं। सामान्य सावधानियां निर्धारित करने से और चिंताजनक स्थितियों से स्वयं को दूर रखने से स्थिति आपके नियंत्रण में बनी रहे।

दिसम्बर 2026 के लिए फलादेश

माह अवधि में बन रहे ग्रह, नक्षत्र और स्थिति आपके स्वास्थ्य के मामलों के बारे में बहुत अच्छी नहीं बन रही हैं। इस अवधि विशेष में आपके पाचन अंग आसानी से अव्यवस्थित हो सकते हैं। आपको जुकाम, खांसी ,दमा जैसी पुरानी शिकायतें परेशान कर सकती हैं। इन रोगों को निष्प्रभावी करने के लिए आपका योग–व्यायाम सावधानी के रूप में करना चाहिए। तथा स्वास्थ्य में किसी भी तरह की अनियमितता, वेदना का गंभीरता से ईलाज करना चाहिए और आवश्यक दवाएं भी लेनी चाहिए। स्वास्थ्य के हालात काफी तेजी से बिगड़ सकते हैं। इस विषय में किसी भी तरह की विफलता होने पर स्वास्थ्य ओर खराब होकर समस्या पैदा कर सकता है। यह एहतियात बरतने से आप स्वास्थ्य संबंधी गंभीर संकटों से बच सकते हैं। इन उपायों को आप विशेष रूप से इस माह प्रयोग कर सकते हैं।

स्वास्थ्य - 2027

स्वास्थ्य की दृष्टि से वर्ष का पूर्वार्द्ध सामान्यतः अनुकूल नहीं रहेगा। द्वादशस्थ गुरु एवं अष्टमस्थ शनि के प्रभाव से आपके स्वास्थ्य में उतार–चढ़ाव की स्थिति बनी रहेगी। कफ, मधुमेह एवं पेट संबंधित बीमारियों के कारण आप ज्यादा परेशान हो सकते हैं। मौसम जनित बीमारियों से भी आप परेशान हो सकते हैं। अष्टमस्थ शनि के प्रभाव से कभी–कभी बीमारी नहीं होने के बावजूद भी बीमारी जैसा अनुभाव होता रहेगा।

26 जून के बाद गुरु ग्रह का गोचरीय प्रभाव लग्न स्थान में होने से स्वास्थ्य में सुधार आना शुरू हो जाएगा। अच्छे स्वास्थ्य के साथ–साथ आपका खान–पान एवं दिनचर्या भी अच्छी रहेगी। लग्न स्थान पर शुभ ग्रह का प्रभाव होने से आप शुद्ध शाकाहारी भोजन ही ग्रहण करेंगे, जिससे आप का स्वास्थ्य अनुकूल बना रहेगा। आपकी धर्म पत्नी भी आपकी सेहत का पूर्ण ध्यान रखेंगी। 03 अक्टूर के बाद आपकी सेहत फिर से प्रभावित हो सकती है।

जनवरी 2027 के लिए फलादेश

माह अवधि में सितारों की स्थिति आपके लिए शुभ नहीं बन रही है। इस अवधि में आपको अपने पुराने रोगों के प्रति सतर्क रहना होगा। स्वस्थता बनाए रखने के लिए आपको स्वयं अपना ख्याल रखना होगा। आपको अचानक बुखार या तीव्र किस्म की सूजन परेशान कर सकती हैं। तुरंत और सही ईलाज की शुरुआत करने से रोगों को आरम्भिक अवधि में ही नियंत्रित किया जा सकता हैं। आपको लिवर रोग परेशान कर सकते हैं। यदि आपके लिवर में इससे पूर्व भी विकार हुआ है तो आपको ऐसे रोगों पर नियंत्रण रखने के लिए खास ध्यान रखना होगा। अपनी स्वास्थ्य शुभता बनाए रखने के लिए आप टॉनिक का प्रयोग कर सकते हैं। ऐसा करने पर आपको निश्चित रूप से कोई नुकसान नहीं होगा। समय की शुभता अनुकूल न होने के कारण आपको सावधानी का प्रयोग करना होगा।

फरवरी 2027 के लिए फलादेश

ग्रह सितारें इस माह आपके लिए बहुत शुभ योग में न होने के कारण आपको अपना शुभ आशिर्वाद प्रदान नहीं कर हैं। इसलिए आपको अपना ख्याल रखना होगा। गठिया, वायु रोग, पेट फूलना, पाचन तंत्र और पुरानी बीमारियों में गड़बड़ी हो सकती हैं। स्वयं को स्वस्थ रखने के लिए आपको प्रयास बढ़ाने होगें। आपको अपनी अधिक देखभाल, उपचार और आहार का ख्याल रखना होगा। इससे पूर्व यदि आपको लिवर संबंधित रोग रहे है तो इस समय में इन रोगों की वापसी हो सकती हैं। इस संबंध में घटने वाली घटनाएं आपके लिए बहुत अनुकूल नहीं रहेंगी। अपने लिवर रोगों की रोकथाम के लिए आप कोई उपयुक्त दवा का सेवन कर सकते हैं। सावधानी रखना, रोगों को गंभीर होने से बचाएगा।

मार्च 2027 के लिए फलादेश

आपकी स्वास्थ्य अनुकूलता के पक्ष से यह माह प्रतिकूल बना हुआ है। कुछ विशेष सावधानियां रखना हितकारी रहेगा। रोगों का समय पर ईलाज न कराने से रोग गंभीर रूप ले सकते हैं। माह अवधि में अत्यधिक परिश्रम करने की वजह से आप सामान्य दुर्बलता से पीड़ित हो सकते हैं। आपको अनावश्यक रूप से अपनी शक्ति का प्रयोग करने से बचना चाहिए। इस स्थिति में सुधार करने के लिए आपको अपनी दैनिक गतिविधियों को पुनःनिर्धारित करना होगा। इस माह में पुराने रोग आपको फिर से परेशान कर सकते हैं। लिवर आदि रोगों की रोकथाम के लिए आपको एहतियात के रूप में कोई दवा आदि का प्रयोग कर सकते हैं। पुरानी लिवर परेशानियों को नियंत्रित रखना होगा। परहेज के रूप में आप लिवर के लिए एक अच्छा टॉनिक ले सकते है।

अप्रैल 2027 के लिए फलादेश

इस माह में सितारों की शुभता आपको प्राप्त नहीं हो पा रही हैं। इसलिए आपको इस माह में अपने स्वास्थ्य से जुड़े कई पहलुओं के विषय में सावधान रहना होगा। बवासीर से पीड़ित लोगों को इसके ईलाज और आहार के लिए पहले से अधिक सावधानी बरतनी होगी। सावधानी बरतने से आपको अपनी स्वास्थ्य समस्याओं को सुलझाने में मदद मिलेगी। यदि आपको इससे पूर्व लिवर से संबंधित किसी भी प्रकार का रोग रहा हो तो आपको इन रोगों से बचाव करने के लिए खास सावधानी बरतनी होगी। इन रोगों पर नियंत्रण रखने के लिए आपकी जो भी दवाईयां आप लेते हो उन दवाईयों में चूक न करें। लिवर को स्वस्थ करने के लिए कोई अच्छा टॉनिक भी आप ले सकते हैं। इस माह में आपके स्वास्थ से संबंधित घटने वाली घटनाएं आपके अनुकूल नहीं होंगी। सावधानी रखना उत्तम रहेगा।

मई 2027 के लिए फलादेश

स्वास्थ्य के पक्ष से यह माह आपके लिए बहुत उत्साहजनक नहीं बन हुआ है। इस माह अवधि में आपको बुखार या सूजन आदि की परेशानी हो सकती हैं। अचानक से गंभीर रोग आपकी परेशानियां बढ़ा सकते हैं। किसी भी रोग के आंशिक लक्षण दिखाई देने पर आपको तुरंत उपचार लेना चाहिए। स्वास्थ्य अनियमितताओं को किसी भी कीमत पर अनदेखा नहीं करना हैं। ईलाज में देरी से आपकी स्थिति में तेजी के साथ हालात खराब हो सकते हैं। इसके अलावा इस माह में दुर्घटना या हिंसक चोट की संभावना बन सकती हैं। आपको ऐसी घटनाओं के प्रति रक्षा और सावधानी बरतनी होगी। यह आपके लिए एक कठिन समय है इस दौरान घट्नाएं आपके प्रतिकूल भी हो सकती हैं। इसलिए अत्यंत सावधानी रखनी होगी।

जून 2027 के लिए फलादेश

इस माह में आपके स्वास्थ्य को सुखद बनाए रखने के लिए किसी तरह का प्रोत्साहन

आपको प्राप्त नहीं हो रहा है। सावधानी, काफी देखभाल और थोड़ा व्यायाम आपके लिए इस अवधि में हितकारी रहेगा। गठिया जैसे पुराने रोगों में अनियमितता, वायु रोग और पेट फूलन एवं पाचन तंत्र की गड़बड़ी स्वास्थ्य विकार उत्पन्न कर सकती हैं। पुराने रोगों को शांत रखने के लिए आपको उपचार के साथ साथ परहेज का पालन भी करना होगा। अपनी स्वस्थता के प्रति अत्यधिक सतर्कता आपके लिए हितकारी साबित हो सकती हैं। सतर्कता में विफलता आपके स्वास्थ्य जोखिमों को बढ़ा सकती हैं। पुराने लिवर रोगों का इतिहास होने पर इन रोगों के लिए भी आपको चिकित्सक की सलाह अनुसार अपनी जीवन शैली निर्धारित करनी होगी। निवारक उपाय के रूप में आप स्वयं को चुस्त रखने के लिए किसी आवश्यक टॉनिक का उपयोग कर सकते हैं।

जुलाई 2027 के लिए फलादेश

इस माह अवधि में ग्रहों का संयोजन आपके स्वास्थ्य सुख को शुभ कर आपको प्रोत्साहित कर रहा हैं। इस माह में आप सामान्य सतर्कताओं का पालन कर अपने स्वास्थ्य को बनाए रखेंगे। माह अवधि में आप अपने सामथ्र्य से अधिक मेहनत कार्य न करें। यह आपके स्वास्थ्य में कमी करेगा और आपके लिए बहुत बुरा रहेगा। अपनी ऊर्जा शक्ति का अनावश्यक व्यय बचाने के लिए आप स्फूर्ति और स्वस्थता के लिए खेल गतिविधियों को समय दे सकते हैं। कार्यभार की अधिकता से बचने के लिए आप अपनी गतिविधियों की एक सूची तैयार कर कार्यो को दिनभर के समय में बांट सकते है परन्तु आपको ध्यान रखना है कि आप अपने कार्यक्रम का कठोरता से पालन करें। इस विषय में आपको थोड़ा ध्यान रखना होगा। इसके अतिरिक्त सितारे इस माह आपको ओर कोई परेशानी नहीं देंगे।

अगस्त 2027 के लिए फलादेश

इस माह की ग्रह स्थिति आपके स्वास्थ्य के पक्ष से बहुत ज्यादा प्रेरणादायक और उत्साहजनक नहीं हैं। हमेशा की तरह इस स्थिति में आपको अपने रोगों को नियंत्रित करने के लिए स्वयं के प्रयासों और बुद्धि पर काफी भरोसा करना होगा। जुकाम, खांसी जैसी गड़बड़ियों से आपको काफी परेशानी हो सकती हैं। ऐसे रोगों का आपको हर संभव उपचार और ध्यान रखना होगा। लिवर रोगों की पुरानी परेशानी होने पर आपको इनसे बचाव के उपाय करने लाभकारी रहेंगे। लिवर को स्वस्थ बनाए रखने के लिए आप आवश्यक टॉनिक ले। यह आपके रोगों में कमी करने में मदद करेगा। माह अवधि के सितारें आपके लिए बहुत उत्साहजनक नहीं है। आपको ख्याल रखना होगा।

सितम्बर 2027 के लिए फलादेश

आपके स्वास्थ्य के बारे में इस माह की भविष्यवाणी काफी संतोषजनक नहीं हैं। इसलिए इस माह आपको स्वास्थ्य के प्रति सतर्क रहना होगा। शीघ्र होने वाले रोग जैसे अचानक बुखार या सूजन होने पर आपको शीघ्र ईलाज करना हितकारी रहेगा। कुछ सावधानियां रखने से

स्वास्थ्य सुख बना रहेगा। स्वास्थ्य अनियमितताओं को अनदेखा करना आपके लिए लाभकारी नहीं रहेगा। रोग के प्रथम लक्षण स्पष्ट होने पर ही चिकित्सा सहायता लेना आपके लिए लाभकारी रहेगा। यह बहुत आवश्यक है कि आप सावधानियों का सख्ती से पालन करना आवश्यक है। यह समय आपके लिए बहुत अच्छा बना रहें आपको यह सुनिश्चित करना हैं। तथा आपको घटनाओं को समझ कर कठिनाईयों को दूर करना हैं। यह भी हो सकता है कि यह एक सुरक्षा कवच की तरह से काम करें। इसलिए अतिरिक्त यदि आपको किसी भी प्रकार की लिवर समस्या है तो आपको इसके उपचार के लिए शीघ्र अतिशीघ्र चिकित्सक से संपर्क कर ईलाज कराना और कोई टॉनिक लेना आपके लिए लाभकारी रहेगा।

अक्तूबर 2027 के लिए फलादेश

इस माह अवधि में सितारों की स्थिति आपके प्रतिकूल होने के कारण आपको किसी प्रकार का कोई सहयोग नहीं मिल रहा हैं। इसलिए स्वास्थ्य सुख को बनाए रखने के लिए आपको अपने स्वास्थ्य का ध्यान स्वयं ही रखना होगा। ग्रह स्थिति के अनुकूल न होने से इस माह में आपको पेट फूलना, वायु रोग, पाचन तंत्र और पुराने रोग के कारण चिकित्सक की सलाह लेनी पड़ सकती हैं। ऐसे रोगों को निष्प्रभावी करने के लिए आपको उपचार और आहार के विषयों में सतर्कता बनाए रखनी होगी। यदि आप ऐसा नहीं करते है तो आपको इसका नुकसान स्वयं भुगतना होगा। इसके अलावा आपको लिवर की बीमारियों से भी सावधान रहना होगा। माह अवधि में अपना विशेष ख्याल रखना आपके लिए मददगार सिद्ध होगा।

नवम्बर 2027 के लिए फलादेश

इस माह ग्रह, नक्षत्र योग बहुत शुभ नहीं बने हुए हैं। इसलिए इस अवधि में आपको निरोगी बने रहने के लिए अतिरिक्त ध्यान देना पड़ सकता है। स्वास्थ्य अनियमितताओं को किसी प्रकार से अनदेखा न करना आपके स्वास्थ्य सुख को बढ़ाएगा। सबसे पहले आप अपने सामथ्र्य से अधिक परिश्रम करने से बचें। इससे आप में शारीरिक दुर्बलता आ सकती हैं। साथ ही स्नायु संबंधी विकार भी आपको दिक्कत दे सकते हैं। इस माह से जुड़ी सभी समस्याओं का स्त्रोत अत्यधिक परिश्रम आ रहा है। इसलिए आपको इस विषय पर विशेष नियंत्रण रखना होगा। कार्य भार का वितरण करने से स्वास्थ्य विकारों पर नियत्रंण बना रहेगा। समय बहुत अच्छा नहीं है इसलिए ख्याल रखें।

दिसम्बर 2027 के लिए फलादेश

इस माह के दौरान आपको किसी भी प्रकार की प्रमुख स्वास्थ्य समस्या नहीं होगी। परन्तु इसका मतलब यह नहीं है कि आप सभी सावधानियों को एक तरफ कर दें। इस माह अवधि में अत्यधिक संवेदनशील व्यक्तियों को पाचन अंगों की परेशानियां निष्क्रिय रहने से आपको इन परेशानियों से कुछ राहत मिल जाएगी। लेकिन उपचार और आहार दोनों मामलों में सामान्य

सावधानियां जारी रखनी होगी। छाती क्षेत्र में किसी भी प्रकार के संक्रमणों के प्रति आपको खास ध्यान रखना होगा। इस विषय में किसी भी प्रकार के लक्षण उभरने पर तुरंत, बिना किसी देरी के उपचार कराना होगा। इन छोटी सी सतर्कताओं से आप इस माह अपने स्वास्थ्य शुभता को बनाए रख सकते हैं। इससे आपका स्वास्थ्य पूरे माह अच्छा रहना चाहिए।

वार्षिक फलादेश - 2025

वर्ष के प्रारम्भ में कुम्भस्थ शनि सप्तम भाव में रहेंगे व मीनस्थ राहु अष्टम भाव में रहेंगे और 29 मार्च को शनि मीन राशि अष्टम भाव में और 30 मई को राहु कुम्भ राशि सप्तम भाव में प्रवेश करेगी। वर्ष के शुरुआत में वृष राशि के गुरुदशम भाव में रहेंगे और 14 मई को मिथुन राशि एकादश भाव में प्रवेश करेगी और अतिचारी हो कर 18 अक्टूबर को कर्क राशि द्वादश भाव में गोचर करेगी और वक्री होकर फिर से 5 दिसम्बर को मिथुन राशि एकादश भाव में आ जाएगी।

व्यवसाय

कार्य व्यवसाय की दृष्टि से यह वर्ष मिला जुला परिणाम देने वाला रहेगा। वर्षारम्भ में सप्तमस्थ शनि के प्रभाव से आप अपने कार्यक्षेत्र में सफलता प्राप्त करेंगे। किसी अनुभवी व्यक्ति से मिलकर व्यापार में उन्नति के लिए नई योजना भी बनाएंगे जिससे व्यवसाय को एक नया मोड़ मिलेगा। दशमस्थ गुरु के प्रभाव से नौकरी करने वाले व्यक्तियों की पदोन्नति होगी तथा इच्छित स्थान पर स्थानान्तरण भी हो सकता है।

29 मार्च के बाद अष्टम स्थान में शनि ग्रह के गोचरीय प्रभाव से आपके कार्यों में कुछ रूकावटें आ सकती हैं परन्तु आप अपने बौद्धिक बल से उसे भी संभाल लेंगे। गुरुग्रह के गोचर के बाद समय काफी अनुकूल हो रहा है। एकादश स्थान के गुरुआय बढ़ा सकते है। आपको बड़े लोगों या वरिष्ठ अधिकारियों का सहयोग प्राप्त होगा।

धन संपत्ति

आर्थिक दृष्टि से इस वर्ष द्वितीय एवं चतुर्थ स्थान पर गुरुग्रह के दृष्टि प्रभाव से भूमि, भवन, वाहन, रत्न एवं आभूषण इत्यादि वस्तुओं की प्राप्ति होगी। धनागम तो होता रहेगा परन्तु आप अपने भौतिक सुख सुबिधाओं पर अधिक खर्च करेंगे।

मई के बाद एकादश स्थान में गुरुके गोचरीय प्रभाव से रूका हुआ धन मिल सकता है, साथ ही आपके धनागम में भी वृद्धि होगी, जिससे आप उचित बचत करने में सफल रहेंगे। भाई–बहन या पुत्र के विवाह के अवसर पर धन व्यय हो सकता है।

घर–परिवार, समाज

पारिवारिक दृष्टि से वर्ष का प्रारम्भ अनुकूल रहेगा। चतुर्थ स्थान पर

गुरुएवं शनि ग्रह के संयुक्त दृष्टि प्रभाव से परिवार में सुख शान्ति का वातावरण बना रहेगा। आपको माता पिता सहित पूरे परिवार का सहयोग प्राप्त होगा।

मई के बाद प्रेम प्रसंग में सफलता प्राप्त होगी। तृतीय स्थान में गुरुग्रह की दृष्टि प्रभाव से सामाजिक प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। आप सामाजिक कल्याण के लिए कुछ विशेष कार्य संपन्न करेंगे।

संतान

संतान की दृष्टि से वर्ष का प्रारम्भ सामान्य रहेगा। आपके बच्चे अत्यधिक परिश्रमी होंगे एवं अपनी बौद्धिक शक्ति एवं कर्म के बल पर अपने लक्ष्य को प्राप्त करेंगे। मई के बाद पंचम स्थान पर गुरु एवं शनि के संयुक्त दृष्टि प्रभाव से नवविवाहित व्यक्तियों को संतान रत्न की प्राप्ति हो सकती है।

आपके बच्चों की उन्नति होगी। प्रथम संतान के विषय में शुभ समाचार प्राप्त होंगे। शिक्षा के क्षेत्र में भी अच्छी प्रगति होने के शुभ योग बने हैं। यदि आपका बच्चा विवाह योग्य है तो विवाह भी हो सकता है। दूसरे बच्चे के लिए यह वर्ष सामान्य रहेगा।

स्वास्थ्य

स्वास्थ्य की दृष्टि से यह वर्ष सामान्य ही रहेगा। मानसिक रूप से आप सन्तुष्ट नहीं रहेंगे। वर्षारम्भ में लग्न स्थान पर शनि की दृष्टि प्रभाव से मौसम जनित बीमारियों से परेशानी हो सकती है। मानसिक चिंता जैसी छोटी मोटी परेशानियां होती रहेंगी।

14 मई के बाद गुरुग्रह का गोचर शुभ स्थान में होने से आपके स्वास्थ्य में सुधार होगा। आप अपने स्वास्थ्य को अनुकूल रखने के लिए शुद्ध एवं शाकाहारी भोजन ही करें। संतुलित आहार के साथ साथ नियमित व्यायाम भी करते रहें। जिससे आपके अंदर रोग प्रतिरोधक शक्ति विकसित होगी और आप का स्वास्थ्य पूर्ण रूप से अनुकूल बना रहेगा।

करियर एवं प्रतियोगी परीक्षा

प्रतियोगिता परीक्षा के लिए यह वर्ष उत्तम रहेगा। षष्ठ स्थान पर गुरु के दृष्टि प्रभाव से प्रतियोगिता परीक्षार्थियों को परीक्षा में सफलता मिल सकती है।

मई के बाद पंचम स्थान पर गुरुएवं शनि ग्रह के संयुक्त दृष्टि प्रभाव से विद्यार्थी अपने लक्ष्य को प्राप्त करेंगे। व्यवसायिक शिक्षा प्राप्त करने वाले विद्यार्थियों के लिए समय अच्छा है।

यात्रा–तबादला

यात्रा की दृष्टि से यह वर्ष अच्छा रहेगा। नवम स्थान पर शनि ग्रह के दृष्टि प्रभाव से लम्बी यात्राएं करेंगे। वर्षारम्भ में आप जन्मस्थल की यात्रा करेंगे। मई के बाद आपकी छोटी–मोटी यात्राएं भी होती रहेंगी।

व्यवसाय से संबंधित यात्राएं भी होती रहेंगी। यात्रा के अंतराल में या वाहनादि चलते समय सावधानी बरतने की आवश्यकता है क्योंकि शनि ग्रह के गोचर के बाद समय अनुकूल नहीं है।

धर्म कार्य एवं ग्रह शांति

वर्षारम्भ में अधिक व्यस्तता के कारण आप पूजा पाठ के लिए अधिक समय नहीं निकाल पाएंगे, परन्तु मई के बाद पंचम स्थान पर गुरु ग्रह के दृष्टि प्रभाव से आपके अंदर ईश्वर के प्रति श्रद्धा एवं विश्वास बढेगा। आप भगवान की पूजा, पाठ, यज्ञ, अनुष्ठान इत्यादि अच्छे कार्य संपन्न करेंगे।

- घर में श्रीयन्त्र स्थापित करें और नित्य उसके सामने घी का दीपक जलाएं।
- प्रत्येक मंगलवार हनुमान जी को चोला चढाएं एवं हनुमान चालीसा का पाठ करें।

मासिक फलादेश

जनवरी 2025 के लिए फलादेश

यह मास आपके लिए सामान्यतया शुभ फल प्रद ही रहेगा तथापि अल्प मात्रा में अशुभ फल भी होंगे। इस समय आपकी बुद्धि में निर्मलता बनी रहेगी तथा शुभ एवं महत्वपूर्ण कार्यो को आप बुद्धि बल से ही सम्पन्न करेंगे। इस मास आप पुत्र से सुख प्राप्त करेंगे एवं अन्य प्रकार से द्रव्य लाभ भी होगा। आपके प्रभुत्व की इस समय वृद्धि होगी तथा सभी लोग हृदय से आपके प्रभुत्व को स्वीकार करेंगे। इसके अतिरिक्त आपके कई शुभ कार्य इस मास में सम्पन्न होंगे तथा कहीं से कोई शुभ एवं महत्वपूर्ण समाचार की प्राप्ति भी होगी। देवता एवं ब्राहमणों के प्रति आपके मन में श्रद्धा की भावना पैदा होगी एवं आप श्रद्धा पूर्वक इनकी पूजा तथा सेवा करने के लिए तत्पर रहेंगे। इसके अतिरिक्त सरकार या उच्च अधिकारी वर्ग से भी आप अनुकूल एवं वांछित लाभ प्राप्त करने में सफल रहेंगे। इस समय समाज में आपकी मान प्रतिष्ठा में पूर्ण वृद्धि होगी तथा मानसिक चिन्ताओं से भी मुक्ति मिलेगी।

साथ ही इस मास में शुभ फलों के साथ साथ अशुभ फल भी होंगे जिसके प्रभाव से आप गर्मी या पितादि दोषों से उत्पन्न रोगों से शारीरिक कष्ट प्राप्त करेंगे एवं रक्त विकार होने की भी संभावना रहेगी। अतः इस मास में आपको शारीरिक सुरक्षा के प्रति भी सजग रहना चाहिए।

फरवरी 2025 के लिए फलादेश

यह मास आपके लिए शुभाशुभ फलों से युक्त रहेगा इस समय आप शारीरिक रूप से कष्टानुभूति प्राप्त करेंगे जिससे शरीर में दुर्बलता रहेगी। इस मास आपका शत्रुपक्ष बलवान रहेगा अतः उनसे आप चिन्तित तथा भयभीत रहेंगे फलतः मानसिक रूप से आप उद्विग्न तथा अशान्त रहेंगे। इस समय आपके घर में चोरी होने की भी सम्भावना रहेगी। साथ ही उच्चाधिकारी वर्ग की उपेक्षा न करें एवं उन्हें उचित सहयोग प्रदान करें अन्यथा आप किसी प्रकार से दंडित हो सकते हैं। आपके शुभ एवं महत्वपूर्ण कार्य इस समय अल्प मात्रा में ही सफल होंगे अन्यथा आपको असफलता ही अधिक मात्रा में प्राप्त होगी। साथ ही धन का व्यय भी अनावश्यक रूप से अधिक होगा जिससे आर्थिक संकट भी न्यूनाधिक मात्रा में रहेगा। आपके द्वारा इस मास कोई ऐसा भी कार्य हो सकता है जिसके लिए आपको बाद में पश्चाताप करना पड़ेगा। इस मास आपके सम्बन्धियों तथा मित्रों से तनावपूर्ण संबध रहेंगे एवं मधुरता का अभाव रहेगा। इसके अतिरिक्त समाज से भी आपको उपेक्षा मिलेगी तथा आशाएं भी अल्पमात्रा में पूर्ण होंगी।

साथ ही अशुभ फलों के साथ साथ इस मास में शुभ फल भी घटित होंगे।जिसके प्रभाव से आप स्त्री तथा पुत्र से पूर्ण सहयोग एवं सुख प्राप्त करने में सफल रहेंगे। साथ ही इस समय आप नवीन वस्त्र या द्रव्य आदि भी प्राप्त करने में सफल हो सकेंगे जिससे मानसिक प्रसन्नता तथा शान्ति की अनुभूति होगी।

मार्च 2025 के लिए फलादेश

यह मास आपके लिए विशेष अच्छा नहीं रहेगा तथा अशुभ फल अधिक मात्रा में प्राप्त होंगे। इस समय आप स्त्री एवं बन्धुवर्ग से कष्ट की प्राप्ति करेंगे तथा शत्रुपक्ष से भी आपको भय तथा चिन्ता बनी रहेगी जिससे आप मानसिक रूप से भी आप अशान्त रहेंगे ।साथ ही आप में उत्साह के भाव की भी अल्पता रहेगी तथा धन व्यय भी अधिक मात्रा में होगा जिससे आर्थिक संकट भी बना रहेगा। शारीरिक रूप से भी आप अस्वस्थ रहेंगे एवं मन में लोभ के भाव की प्रबलता रहेगी। अपने मित्र एवं बन्धुजनों से भी आपका परस्पर मनमुटाव रहेगा तथा ऐसे समय पर मित्र भी शत्रु की तरह व्यवहार करेंगे जिससे आप आन्तरिक कष्टानुभूति प्राप्त करेंगे। इसके अतिरिक्त अन्य समाजिक या बन्धुजनों से भी वादविवाद आदि की भी सम्भावना बनी रहेगी। अतः आपका यह समय कष्टपूर्वक ही व्यतीत होगा।

साथ ही इस समय आप वायु से उत्पन्न होने वाले रोगों से अस्वस्थ रहेंगे तथा जाने या अनजाने में किसी ऐसे कार्य को सम्पन्न कर सकते हैं जिसके लिए बाद में आपको पश्चाताप करना पड़े। इससे आपकी समाजिक अवमानना भी होगी। इसके अतिरिक्त इस समय आप अग्नि के द्वारा न्यूनाधिक मात्रा में धन हानि भी प्राप्त करेंगे। अतः सावधानी पूर्वक अपने कार्य कलापों को सम्पन्न करें।

अप्रैल 2025 के लिए फलादेश

यह मास आपके लिए समान्यता अशुभ रहेगा। इस समय आपको शत्रुओं से भय बना रहेगा तथा मन में चिन्ता व्याप्त रहेगी साथ ही आपके घर में किसी प्रकार से चोरी आदि भी हो सकती है। इस समय आप अनावश्यक रूप से धन व्यय करेंगे एवं धर्म के प्रति भी आपके मन की श्रद्धा में अल्पता आएगी। आपका स्वास्थ्य भी इस मास में अच्छा नहीं रहेगा तथा समय समय पर आप शारीरिक व्याकुलता प्राप्त करेंगे परिणामतः आपके शारीरिक बल में भी न्यूनता आएगी तथा आपको दुर्बलता का आभास होगा। इसके साथ ही इस मास आप दूर की यात्रा भी कर सकते हैं। अपने सांसारिक कार्यों को सिद्ध करने में आप प्रायः असफल ही रहेंगे तथा मुकद्दमे आदि में भी आपका धन व्यय होगा जिससे आप आर्थिक रूप से भी शिथिल होंगे।

साथ ही इस मास में आप वायु से उत्पन्न होने वाले रोगों से पीड़ित रहेंगे तथा किसी ऐसे कार्य को भी जाने अनजाने सम्पन्न करेंगे जिससे आपकी समाज में मान हानि हो सकती है। इसके साथ ही आग के द्वारा भी आपको किसी प्रकार से हानि हो सकती है। अतः सावधानीपूर्वक अपने कार्यकलापों को सम्पन्न करना चाहिए।

मई 2025 के लिए फलादेश

यह मास आपके लिए पूर्ण रूपेण शुभ फल दायक रहेगा। इस समय आपके उच्चाधिकारी वर्ग आपसे सन्तुष्ट एवं प्रसन्न रहेंगे।फलतः आप किसी सम्माननीय पद को प्राप्त करने

में सफल हो सकेंगे। धनार्जन इस समय प्रचुर मात्रा में होगा तथा सरकार या उच्चाधिकारी वर्ग से भी आपको धन लाभ हो सकेगा। इस मास आपके घर में कोई धार्मिक कार्यक्रम भी सम्पन्न होने की सम्भावना रहेगी। साथ ही स्त्री एवं पुत्र से भी पूर्ण सुख एवं सहयोग प्राप्त करने में भी सफल रहेंगे। देवता एवं ब्राहमणों के प्रति आपके मन में श्रद्धा उत्पन्न होगी तथा यत्नपूर्वक आप इनकी पूजा तथा सेवा करेंगे। समाज में इस समय आपकी यश तथा प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी तथा अधिकांश रूप से भाग्योदय सम्बन्धी कार्य सम्पन्न होंगे। इस मास आपकी बुद्धि में निर्मलता की वृद्धि होगी तथा लाभदायक यात्राओं का भी योग बनेगा। साथ ही मित्र एवं बन्धुवर्ग से आपके मधुर सम्बन्ध रहेंगे। इस प्रकार आप सर्वत्र मानप्रतिष्ठा अर्जित करेंगे तथा सुख एवं प्रसन्नतापूर्वक समय व्यतीत करेंगे।

साथ ही इस समय गृहस्थ सुख उत्तम रहेगा एवं नवीन वस्त्रों या अन्य द्रव्यों को प्राप्त करन में भी सफल रहेंगे एवं आनंदपूर्वक अपने सांसारिक कार्यों को सम्पन्न करेंगे।

जून 2025 के लिए फलादेश

इस मास में आप अशुभ फलों की अपेक्षा शुभ फल ही अधिक मात्रा में अर्जित करेंगे। इस समय आपके कार्य क्षेत्र, नौकरी या व्यापार में उन्नति होगी तथा समाजिक क्षेत्र में यश तथा सम्मान भी प्राप्त होगा। साथ ही उच्चाधिकारी वर्ग से भी आप पूर्ण सहयोग प्राप्त करेंगे तथा वे सभी आपसे प्रसन्न एवं सन्तुष्ट रहेंगे। मित्रों एवं बन्धु जनों से आपके मधुर सम्बन्ध रहेंगे तथा परस्पर आपको उचित सहयोग मिलता रहेगा। आपके कई शुभ एवं महत्वपूर्ण कार्य भी इस मास में सम्पन्न होंगे जो काफी समय से रूके हुए थे। देवता एवं ब्राहमणों के प्रति आपके मन में श्रद्धा उत्पन्न होगी तथा इनकी पूजा तथा सेवा करने में भी आप तत्पर रहेंगे। सन्तति पक्ष से आप सुखी रहेंगे तथा बन्धुबान्धवों में भी आदर एवं प्रतिष्ठा की वृद्धि होगी। साथ ही आप अपनी असफल आशाओं में भी इस समय सफलता अर्जित करने में सफल रहेंगे। इसके अतिरक्त मानसिक रूप से भी आप पूर्ण शान्त एवं प्रसन्न रहेंगे।

साथ ही शुभ फलों के साथ साथ इस मास में अशुभ फल भी होंगे अतः आप गर्मी या पित्त दोष से शारीरिक अस्वस्थता प्राप्त करेंगे तथा किसी प्रकार से रक्त विकार भी हो सकता है। अतः सावधानी पूर्वक अपने समय को व्यतीत करें एवं शारीरिक सुरक्षा का विशेष ध्यान रखें।

जुलाई 2025 के लिए फलादेश

यह मास आपके लिए पूर्ण शुभ तथा प्रसन्नता प्रदान करने वाला रहेगा। इस समय स्त्री वर्ग से आप लाभार्जन करेंगे तथा सौभाग्य से युक्त रहेंगे। सरकार या उच्चाधिकारी वर्ग से भी आप लाभ अर्जित करने में सफल रहेंगे। इस मास में आपका शारीरिक स्वास्थ्य उत्तम रहेगा तथा ज्ञानार्जन में भी आपकी रूचि रहेगी जिसमें आप सफलता अर्जित करेंगे। आप मन से भी इस समय शान्त एवं प्रसन्न रहेंगे। मित्र एवं बन्धुवर्ग से आप पूर्ण सहयोग तथा लाभ प्राप्त करेंगे तथा अन्य

वांछित पदार्थों की भी आपको प्राप्ति होगी। संतति पक्ष से भी आप सुखार्जन करेंगे एवं सम्बन्धियों के मध्य मानप्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। इसके अतिरिक्त आपके कई शुभ एवं महत्वपूर्ण कार्य भी इस समय में सम्पन्न होंगे तथा आप प्रसन्न रहेंगे।

साथ ही इस मास में आप स्त्री तथा अन्य पारिवारिक जनों से पूर्ण सुख एवं सहयोग अर्जित करेंगे। इस समय आपकी बुद्धि में निर्मलता का भाव रहेगा तथा धन लाभ प्रचुर मात्रा में होता रहेगा। धर्म के प्रति भी आपके मन में श्रद्धा रहेगी तथा सुख पूर्वक समय व्यतीत करके समाज में पूर्ण यश तथा सम्मान प्राप्त करेंगे।

अगस्त 2025 के लिए फलादेश

यह मास आपका मध्यम रूप से व्यतीत होगा तथा आप शुभाशुभ दोनों प्रकार के फलों को प्राप्त करेंगे। इस समय आपका व्ययाधिक्य रहेगा तथा दुष्ट मनुष्यों की संगति भी करेंगे फलतः समाज में आपके सम्मान में न्यूनता आएगी। इस समय आप शारीरिक रूप से अस्वस्थ रहेंगे एवं मन में अशान्ति का भाव भी विद्यमान रहेगा। अपने शुभ एवं महत्वपूर्ण कार्यों को सम्पन्न करने के लिए आपको अत्यधिक परिश्रम एवं पराक्रम प्रदर्शित करना पड़ेगा फिर भी सफलता अल्प मात्रा में ही मिलेगी। धर्म के प्रति आपके मन में श्रद्धा की अपेक्षा उपेक्षा का भाव ही अधिक रहेगा साथ ही मित्रों एवं सम्बधियों के साथ परस्पर संबन्धों में तनाव रहेगा आपके कार्यक्षेत्र में भी इस समय व्यवधान उत्पन्न होगा एवं शत्रुपक्ष से भी चिन्ता तथा भय नित्य बना रहेगा। इसके अतिरिक्त मानसिक रूप से भी आप उद्विग्न रहेंगे।

साथ ही इस मास में आप अशुभ फलों के साथ साथ शुभ फल भी अर्जित करेंगे। इससे आप स्त्री से पूर्ण सुख तथा सहयोग प्राप्त करेंगे तथा आपकी बुद्धि में निर्मलता के भाव की भी वृद्धि होगी तथा अन्य प्रकार से भी आप सुखानुभूति प्राप्त करेंगे। इसके अतिरिक्त धर्म के प्रति भी आपके मन में श्रद्धा की भावना उत्पन्न होगी तथा किसी धार्मिक उत्सव का आयोजन करेंगे।

सितम्बर 2025 के लिए फलादेश

यह मास आपके लिए अत्यंत ही सुख एवं प्रसन्नता प्रदान करने वाला सिद्ध होगा। इस समय आपका शारीरिक स्वास्थ्य उत्तम रहेगा तथा मन से भी आप शान्त एवं सन्तुष्ट रहेंगे।साथ ही आपके पराक्रम में अभिवृद्धि होगी तथा शत्रु वर्ग आपसे चिन्तित, भयभीत एवं पराजित होंगे। आपके लाभमार्ग इस समय प्रशस्त रहेंगे अतः आर्थिक स्थिति में सुदृढता होगी। नौकरी या व्यापार के अतिरिक्त अन्य स्त्रोतों से भी आप लाभ अर्जित करने में सफल रहेंगे। इस मास आपके भाग्योदय सम्बन्धी कार्य सम्पन्न होंगे साथ ही कोई ऐसा महत्वपूर्ण कार्य भी सिद्ध होगा जिसकी आप काफी समय से प्रतीक्षा कर रहे थे। बन्धु एवं मित्र वर्ग से आपके मधुर सम्बन्ध रहेंगे तथा उनसे सुख भी प्राप्त करेंगे। सांसारिक कार्यो को सिद्ध करने में आप पूर्ण समर्थ रहेंगे तथा अपने उच्चाधिकारियों को प्रसन्न तथा सन्तुष्ट करने में भी आप सफल रहेंगे जिससे आपके सम्मान में

वृद्धि होगी।

साथ ही इस मास में आप स्त्री तथा महिला सहयोगियों से वांछित सहयोग एवं लाभ भी अर्जित करेंगे। इस समय आपकी बुद्धि में निर्मलता के भाव में वृद्धि होगी तथा उचित लाभ एवं सुख प्राप्त करने में आप समर्थ रहेंगे। इस मास में धर्मानुपालन में भी आप प्रवृत रहेंगे तथा समाज में पूर्ण मान प्रतिष्ठा अर्जित करके प्रसन्नतापूर्वक अपना जीवन व्यतीत करेंगे।

अक्तूबर 2025 के लिए फलादेश

इस मास को आप सुख एवं शान्ति पूर्वक व्यतीत करने में सफल रहेंगे इस समय आप अपने उत्साह एवं परिश्रम से धनार्जन करके अपनी आर्थिक स्थिति को सुदृढ़ता प्रदान करेंगे। साथ ही समाज में आपका यश भी दूर दूर तक व्याप्त होगा। मित्र एवं बन्धु वर्ग से आप यथोचित आदर तथा सम्मान प्राप्त करेंगे तथा स्वयं भी उनको अपना वांछित सहयोग प्रदान करेंगे। उच्चाधिकार प्राप्त वर्ग का आपको पूर्ण संरक्षण तथा आश्रय प्राप्त होगा जिससे आप उचित लाभ एवं सहायता प्राप्त कर सकेंगे। साथ ही इस महीने में आप मिष्ठान का भक्षण अधिक मात्रा में करेंगे। आपका शारीरिक स्वास्थ भी अच्छा रहेगा तथा मानसिक रूप से भी आप प्रसन्न एवं शान्त रहेंगे। साथ ही शत्रु वर्ग को पराजित करने में आप समर्थ रहेंगे तथा वे आपसे चिन्तित एवं भय की अनुभूति करेंगे। इसके अतिरिक्त व्यापार आदि कार्य के द्वारा भी आप धनार्जन करने में सफल रहेंगे।

साथ ही इस मास में आप अपने श्रेष्ठ जनों या उच्चाधिकारियों से सहयोग प्राप्त करेंगे जिससे आपके कार्यक्षेत्र में उन्नति या विस्तार होने की सम्भवाना बढ़ेगी। इस समय आप दूर समीप की यात्रा भी कर सकते हैं तथा नवीन वस्तुओं या वस्त्रों आदि की भी आपको प्राप्ति हो सकेगी।

नवम्बर 2025 के लिए फलादेश

यह मास आपके लिए उत्तम तथा शुभ फल प्रदान करने वाला रहेगा। इस समय आप अपने पराक्रम से धनार्जन करेंगे तथा नाना प्रकार से सुखों का उपभोग करने में सफल रहेंगे। साथ ही समाज एवं समाजिक जनों से आप यथोचित आदर तथा सम्मान प्राप्त करने में सफल सिद्ध होंगे। देवता एवं ब्राहमणों के प्रति आपके मन में पूजा एवं सम्मान का भाव विद्यमान रहेगा तथा धर्मानुपालन में भी आपकी रूचि उत्पन्न होगी। साथ ही अन्य लोगों के परोपकार संबधी कार्यो को भी आप सम्पन्न करेंगे। शारीरिक रूप से आप स्वस्थ रहेंगे तथा उच्चाधिकारी वर्ग से आश्रय प्राप्त करके समाज में यश एवं प्रतिष्ठा अर्जित करेंगे। इस महीने में बन्धु तथा मित्र वर्ग से आपको पूर्ण सहयोग प्राप्त होगा तथा आप भी उनको सहयोग तथा सुख प्रदान करेंगे इसके अतिरिक्त अपने मानसिक विचारों तथा संकल्पों को पूर्ण करने में भी आप सफलता अर्जित करेंगे।

साथ ही इस मास में आप स्त्री से भी सुख प्राप्त करेंगे तथा आपकी बुद्धि में भी सद्विचारों की वृद्धि होगी। विविध प्रकार के सुखों का आप इस समय उपभोग कर सकेंगे। इसके अलावा धर्म के प्रति भी आपके मन में श्रद्धा उत्पन्न होगी तथा किसी धार्मिक उत्सव का आयोजन

करने में भी आप सफल हो सकेंगे। इस प्रकार यह मास आपका शान्ति एवं प्रसन्नता पूर्वक व्यतीत होगा।

दिसम्बर 2025 के लिए फलादेश

यह मास आपके लिए सामान्य रूप से शुभाशुभ फल प्रदान करेगा। इस समय आपका स्वास्थ्य विशेष अच्छा नहीं रहेगा एवं शरीर में आप दुर्बलता की अनुभूति करेंगे। साथ ही शत्रु वर्ग से भी आप भयभीत तथा चिन्तित रहेंगे जिससे मानसिक स्थिति भी अच्छी नहीं रहेगी एवं इसमें अशान्ति रहेगी।पारिवारिक जनों से भी आपके संबधों में मधुरता नहीं रहेगी तथा आपस में अनबन रहेगी। आपके कार्य क्षेत्र में इस समय शिथिलता आएगी तथा स्थान परिर्वतन का योग भी बन सकता है। आप इस समय अपने किसी कार्य को छोड़ भी सकते है। सामाजिक जनों से भी आपके संबध विशेष मधुर नहीं रहेंगे तथा परस्पर विवाद आदि भी होते रहेंगे फलतः आपके सम्मान में न्यूनता का भाव आएगा। इसके अतिरिक्त शरीर में रोग तथा धन हानि की भी संभावना रहेगी।

साथ ही इस मास में अशुभ फलों के साथ साथ शुभ फल भी होंगे।अतः आप स्त्री से पूर्ण सुख अर्जित करेंगे तथा अपनी बुद्धिमता से कई शुभ एवं महत्वपूर्ण कार्यो को सम्पन्न करेंगे। धर्म के प्रति भी आपके मन में श्रद्धा उत्पन्न होगी तथा यत्न पूर्वक आप धार्मिक कार्य करने के लिए प्रवृत रहेंगे। साथ ही अन्य कई प्रकार के शुभ फल भी इस समय घटित हो सकेंगे।अतः मास शुभाशुभ फलों से युक्त होकर मध्यम रहेगा।

वार्षिक फलादेश - 2026

इस वर्ष मीन राशि के शनि अष्टम भाव में रहेंगे। 25 नवम्बर तक कुम्भ राशि के राहु सप्तम भाव में रहेंगे और उसके बाद मकर राशि में षष्ठ भाव में गोचर करेंगे। वर्ष के पूर्वार्द्ध में मिथुन राशि केगुरु एकादश भाव में रहेंगे और 2 जून को कर्क राशिमें द्वादश भाव में गोचर करेंगे और फिर से अतिचारी होकर 31 अक्टूबर को सिंह राशिमें लग्न स्थान में प्रवेश कर जाएंगे। इस वर्ष मंगल ग्रह अपनी सरल गति से गोचर करेंगे। वर्षारम्भ से 1 फरवरी तक शुक्र अस्त रहेंगे और अक्टूबर में भी 14 दिन के लिए अस्त होंगे।

व्यवसाय

कार्य व्यवसाय की दृष्टि से वर्ष का प्रारम्भ सामान्यरहेगा। शनि एवं राहु का गोचर प्रतिकूल होने के कारण आपको कार्यक्षेत्र में सफलता नहीं मिलेगी। गुप्त शत्रु व बिरोधी आपके कार्यों में रुकावटें डालने की कोशिश करेंगे। व्यापार को लेकर मानसिक परेशानी बनी रहेगी। इस समय के अंतराल मेंजल्द ही किसी पर भी विश्वास न करें और न हीजल्दबाजी में कोई महत्वपूर्ण निर्णय लें।

02जून के बाद समय और प्रभावित हो रहा है। उस समय आपके साथ धोखा या व्यापार में हानि हो सकती है। सोच को सकारात्मक बनाए रखें, क्योंकि वर्षान्त में राहु एवं गुरु ग्रह का गोचर एक साथ अनुकूल हो रहा है। उस समय आपको अपने व्यापार व कार्यक्षेत्र में लाभ मिलना शुरू हो जाएगा।

धन संपत्ति

आर्थिक दृष्टि से वर्ष का पूर्वार्द्धसामान्य रहेगा। एकादशस्थ गुरु के प्रभाव से धनागम बना रहेगा। आपको भाइयों का पूर्ण सहयोग प्राप्त होगा। 02 जून के बाद समय का काफी प्रतिकूल हो रहा है।जीवनसाथी की बीमारी में आपका धन व्यय होगा। साथ ही कुछ ऐसे खर्च आजाएंगे जिससे आपका बजटबिगड़ सकता है।

किसी प्रकार के जोखिम भरे कार्यों में धन निवेश न करें। लेन देन के मामले में हमेशा सावधान रहें। 31 अक्टूबर के बाद समय अनुकूल हो जाएगा।

घर–परिवार, समाज

पारिवारिक दृष्टि सेयह वर्षसामान्य रहेगा। वर्षारम्भ में अधिक व्यस्तता के कारण अपने परिजनों को अधिक समय नहीं दे पाएंगेपरन्तु आपके परिवार में सुख शान्ति का वातावारण बना रहेगा। भाईयों का सहयोग प्राप्त होगा। तृतीय

स्थान पर गुरु ग्रह के दृष्टि प्रभाव से आपकी सामाजिक पद व प्रतिष्ठि में वृद्धि होगी।

02 जून के बाद गुरु ग्रह का गोचर प्रतिकूल हो रहा है। उस समय परिवार में किसी बड़े व्यक्ति के साथ आप का वैचारिक मतभेद उत्पन्न हो सकता है। अतः अच्छा यही होगा की आप अपनी सहन शक्ति को बढ़ाएं और उचित निर्णय लें। सप्तमस्थ राहु जीवनसाथी का स्वास्थ्य प्रभावित कर सकता है।

संतान

संतान की दृष्टि से वर्ष का पूर्वार्द्ध अनुकूल रहेगा। पंचम स्थान परगुरु ग्रह केदृष्टि प्रभाव से आपके बच्चों की उन्नति होगी। वे अपने बौद्धिक बल से अपने लक्ष्य को प्राप्त करेंगे। उनकी शिक्षा में भी सुधार होगा। नवविवाहित व्यक्तियों के गर्भाधान के लिए बहुत सुन्दर समय चल रहा है। आपके बच्चे का चौमुखी विकास होगा। उसकी उन्नति के सारे मार्ग प्रशस्त होंगेपरन्तु आपके दूसरे बच्चे के लिए समय अच्छा नहीं चल रहा है।

06 जून के बाद समय प्रभावित हो रहा है। आपके बच्चे को स्वास्थ्य संबंधित परेशानी हो सकती है जिससे कारण उसकीशिक्षा–दीक्षा प्रभावित हो सकती है परन्तु 31 अक्टूबर के बाद समय फिर से अनुकूल हो जाएगा।

स्वास्थ्य

स्वास्थ्य की दृष्टि से वर्ष का पूर्वार्द्ध सामान्य रहेगा। शनि एवं राहु ग्रह का गोचर प्रतिकूल होने के कारण स्वास्थ्य संबंधित परेशानी उत्पन्न कर सकता है। अचानक स्वास्थ्य खराब हो सकता है परन्तु एकादशस्थ गुरु के प्रभाव से आप जल्दी अच्छे हो जाएंगे।

02 जून के बाद छोटी मोटी बीमारियों से आपका स्वास्थ्य प्रभावित हो सकता है। आर्थिक मुद्दे या किसी और मुद्दे को ले कर आवश्यकता से ज्यादा चिंता न करें। नहीं तो इन सबका नकारात्मक प्रभाव आपके सेहत पर पड़ेगा। द्वादशस्थ गुरु के जल तत्व राशि में होने के कारण कफ रोग या मौसमजनित बीमारियां हो सकती हैं। सुबह–सुबह व्यायाम करना या योग करना आपके लिए लाभप्रद सिद्ध होगा। 31 अक्टूबर के बाद आपका स्वास्थ्य अनुकूल होना शुरू हो जाएगा।

करियर एवं प्रतियोगी परीक्षा

वर्ष का पूर्वार्द्ध विद्यार्थियों के लिए अनुकूल रहेगा। पंचम स्थान परगुरु के दृष्टि प्रभाव से उच्च शिक्षा प्राप्त करने वाले विद्यार्थियों का अच्छे शैक्षणिक

संस्थान में प्रवेशहो जाएगा। व्यवसायिक शिक्षा प्राप्त करने वाले व्यक्तियों को अधिक परिश्रम के बाद सफलता मिलेगी।

02 जून के बाद समय प्रतिकूल हो रहा है। उस समय प्रतियोगिता पारीक्षार्थियों को प्रतियोगिता परीक्षा में सफलता प्राप्त करने के लिए लगातार अथक प्रयास करना पड़ेगा। जिन व्यक्तियों को अभी तक नौकरी नहीं मिली है उनको कुछ दिन और इंतजार करना पड़ सकता है। 24 नवम्बर के बाद छठे स्थान में राहु ग्रह का गोचर हो रहा है। उस समय आपको अपने करियर में सफलता प्राप्त होगी।

यात्रा–तबादला

यात्रा की दृष्टि से यह वर्ष अनुकूल रहेगा। वर्ष के प्रारम्भ में छोटी–मोटी यात्राएं तो होती रहेंगी। साथ ही 02 जून के बाद द्वादश स्थान केगुरु आपको विदेश यात्रा करा भी सकते है।

चतुर्थ स्थान पर गुरु ग्रह के दृष्टि प्रभाव से अपने घर से दूर रहने वाले जातकों की अपनी जन्म भुमि की यात्रा होगी।

धर्म कार्य एवं ग्रह शांति

धार्मिक कार्य के लिए यह वर्ष अच्छा रहेगा। एकादशस्थ गुरु के प्रभाव से आपका मन पूजा–पाठ के प्रति ज्यादा आकर्षित रहेगा। परमात्मा की भक्ति या मन्त्र पाठ में ज्यादा रूचि लेंगे। 02 जून के बाद गुरु का गोचर द्वादश स्थान में होगा। उस समय आप दान पुण्य अधिक करेंगे।

- द्विज, देव, ब्राह्मण, बुजुर्ग, गुरु व मंदिर के पुजारी की सेवा, सुश्रुषा करें।
- पीली दाल, केला व बेसन की मिठाई मंदिर में दान करें एवं गुरुवार का व्रत रखें।
- शनिवार के दिन काली वस्तु अथवा काला कम्बल दान करें।
- गरीबों को भोजन कराएं।

मासिक फलादेश

जनवरी 2026 के लिए फलादेश

यह मास आपके लिए अत्यंत ही शुभ फलदायक रहेगा। आपकी बुद्धि में इस समय निर्मलता की वृद्धि होगी तथा अपने शुभ एवं महत्वपूर्ण कार्य बुद्धिबल से ही सम्पन्न करेंगे। इस मास आप संतति पक्ष से पूर्ण सुख प्राप्त करेंगे तथा अन्य प्रकार से द्रव्य लाभ अर्जित करने में भी सफल रहेंगे। इस समय आपके प्रभुत्व में भी वृद्धि होगी तथा अन्य लोग आपके प्रभुत्व को हृदय से स्वीकार करेंगे एवं आपका हार्दिक सम्मान भी करेंगे। आपके अधिकाशं शुभ एवं महत्वपूर्ण कार्य इस मास में सम्पन्न होंगे तथा किसी शुभ समाचार को भी प्राप्त करेंगे। देवता एवं ब्राहमणों की भी आप श्रद्धा पूर्वक पूजन एवं सम्मान करते रहेंगे। इसके अतिरिक्त राज्य या उच्चाधिकारी वर्ग से लाभार्जन करने में भी आप सफल रहेंगे।साथ ही समाज में आपकी प्रतिष्ठा बढ़ेगी तथा आपकी मनोकामनाएं पूर्ण होगी फलतः मानसिक रूप से आप सन्तुष्ट रहेंगे।

साथ ही इस मास में आप पुत्र तथा स्त्री से भी वांछित सुख एवं सहयोग प्राप्त करने में भी सफल रहेंगे तथा नवीन वस्त्र या द्रव्यों की भी आप प्राप्ति कर सकते है। इस प्रकार आपका यह मास सुख एवं शान्ति पूर्वक व्यतीत होगा।

फरवरी 2026 के लिए फलादेश

यह महीना आपके लिए सामान्यतया अशुभ फलदायक रहेगा। इस समय आपका स्वास्थ्य अच्छा नहीं रहेगा फलतः आप शारीरिक रूप से दुर्बलता की अनुभूति करेंगे। साथ ही शत्रु पक्ष के प्रबल होने से उनकी तरफ से भयभीत तथा चिन्तित रहेंगे अतः मन में भी अशान्ति रहेगी। आपके घर में इस मास चोरी भी हो सकती है अतः चोरों से सावधान रहें। साथ ही अपने उच्चाधिकारी वर्ग से पूर्ण सहयोग रखें एवं उनकी आज्ञा का पालन करें अन्यथा आपको दण्डित भी किया जा सकता है। आपके शुभ एवं महत्वपूर्ण कार्य इस मास अल्प मात्रा में ही सम्पन्न होंगे तथा धन का व्यय भी अनावश्यक तथा अधिक होगा।साथ ही आप किसी ऐसे कार्य को भी सम्पन्न करेंगे जिसके लिए आपको बाद में पश्चाताप करना पड़ेगा।संबधियों एवं मित्रों से आपके संबधों में तनाव रहेगा एवं समाज से भी आप अपने को उपेक्षित महसूस करेंगे। इसके अतिरिक्त आपकी मनोकामनाएं भी इस समय अल्प मात्रा में ही पूर्ण होंगी ।

साथ ही इस समय आप वातोत्पन्न रोगों से भी पीड़ित रहेंगे। अग्नि के द्वारा भी आप न्यूनाधिक धन हानि प्राप्त करेंगे अतः सोच समझकर अपने कार्य कलापों को सम्पन्न करें जिससे अनावश्यक कष्ट न हों।

मार्च 2026 के लिए फलादेश

यह मास आपके लिए काफी अशुभ तथा परेशानियां उत्पन्न करने वाला रहेगा। इस समय आप स्त्री तथा बन्धु जनों से कष्ट प्राप्त करेंगे एवं शत्रुओं से भी चिन्तित तथा भयभीत रहेंगे जिससे मानसिक रूप से आप उद्विग्न रहेंगे। इस मास में आपके उत्साह में भी न्यूनता आएगी तथा धन का व्यय भी अधिक मात्रा में होगा फलतः आपकी आर्थिक स्थिति भी कमजोर होगी। आपका शारीरिक स्वास्थ्य भी अच्छा नहीं रहेगा एवं मन में लोलुपता के भाव की प्रधानता रहेगी। अपने बन्धु एवं मित्रों से भी आपके मधुर संबध नहीं रहेंगे तथा अनावश्यक तनाव तथा वैमनस्य का भाव बना रहेगा। साथ ही इस समय आपके मित्र भी शत्रु के समान व्यवहार करेंगे इसके अतिरिक्त समाजिक जनों से भी विवाद होते रहेंगे जिससे आप काफी दुःखी एवं अशान्त रहेंगे।

साथ ही इस मास में आप वायु द्वारा उत्पन्न रोगों से शारीरिक कष्टानुभूति प्राप्त करेंगे तथा जाने अनजाने किसी ऐसे कार्य को सम्पन्न करेंगे जिससे आपकी समाज में अवमानना होगी एवं बाद में पश्चाताप भी करना पड़ेगा। इसके अतिरिक्त आग के द्वारा भी आपको धन हानि का योग बनता है अतः सोच समझकर अपने कार्य कलापों को सम्पन्न करें।

अप्रैल 2026 के लिए फलादेश

यह मास आपके लिए मध्यम रहेगा तथा शुभाशुभ दोनों प्रकार के फलों को आप प्राप्त करेंगे। इस समय शत्रु पक्ष प्रबल होने से आप उनसे चिन्तित तथा भयभीत रहेंगे साथ ही घर में चोरी होने की भी संभावना रहेगी। इस मास में धन का व्यय अधिक मात्रा में होगा फलतः आर्थिक रूप से भी आप परेशानी की अनुभूति करेंगे। धर्म के प्रति भी आपके मन में विशेष श्रद्धा का भाव नहीं रहेगा। इस समय आप शारीरिक रूप से भी अस्वस्थ रहेंगे एवं अन्य कई प्रकार से शारीरिक एवं मानसिक कष्टों को प्राप्त करेंगे। अतः शारीरिक बल की भी आप में न्यूनता रहेगी। इस मास में आप दूर या समीप की यात्रा भी कर सकते है। आपके सांसारिक कार्यो में कई प्रकार से विध्न बाधाएं आएंगी अतः इन्हें समय पर पूर्ण करने में आप असमर्थ रहेंगे। साथ ही मुकद्दमें आदि कार्य में भी आपके धन का अपव्यय हो सकता है। अतः सोच समझकर बुद्धिमता से अपने कार्यों को सम्पन्न करें।

परन्तु इस मास में आप अशुभ फलों के साथ साथ शुभ फलों को भी प्राप्त करेंगे।अतः आप स्त्री एवं पुत्र से सुख तथा सहयोग प्राप्त करेंगे तथा इस समय आप नवीन वस्त्र या अन्य द्रव्यों को भी अर्जित कर सकेंगे जिससे आपको मानसिक प्रसन्नता प्राप्त होगी।

मई 2026 के लिए फलादेश

इस मास में आप अधिकांश शुभ फल अर्जित करेंगे परन्तु अल्प मात्रा में अशुभ फल भी घटित होते रहेंगे। इस समय आप प्रचुर मात्रा में धनार्जन करेंगे तथा उच्चाधिकारी वर्ग भी आपसे प्रसन्न तथा सन्तुष्ट रहेगा। साथ ही इस महीने में आप किसी धार्मिक उत्सव या कार्यक्रम का भी आयोजन कर सकते है। संतति पक्ष से आप पूर्ण सुख एवं सहयोग प्राप्त करेंगे तथा उनकी तरफ

से आपको कोई चिन्ता नहीं रहेगी साथ ही धार्मिक क्षेत्र में आपकी श्रद्धा में वृद्धि होगी एवं देवता तथा ब्राहमणों का आप श्रद्धा पूर्वक पूजन तथा सेवा करेंगे। समाज में आपकी मान प्रतिष्ठा में इस समय में पूर्ण वृद्धि होगी तथा भाग्योदय संबधी कार्य में भी आपको सफलता प्राप्त होगी।

इस समय आपकी बुद्धि में निर्मलता का भाव रहेगा तथा लाभ दायक यात्रा का भी योग बनेगा। उच्चाधिकारी वर्ग से भी आपको पूर्ण आदर तथा सम्मान प्राप्त होगा ।मित्रों एवं बन्धु वर्ग से आपके मधुर संबध रहेंगे तथा उनसे आपको उचित सहयोग तथा सम्मान प्राप्त होगा। इस समय आप समाज में सम्पन्न एवं प्रतिष्ठित व्यक्ति समझे जाएंगे।

परन्तु इस मास में आप गर्मी या पित्तादि से शारीरिक कष्टानुभूति प्राप्त करेंगे। साथ ही रक्त विकार का भय भी रहेगा अतः सावधानी तथा सतर्कता पूर्वक अपने कार्य कलापों को सम्पन्न करें।

जून 2026 के लिए फलादेश

इस मास को आप सुख एवं प्रसन्नता पूर्वक व्यतीत करेंगे। इस समय आपके कार्य क्षेत्र में उन्नति होगी तथा समाज में पूर्ण मान तथा प्रतिष्ठा अर्जित करने में सफल रहेंगे। इसके साथ ही उच्चाधिकारी वर्ग से आप सहयोग तथा सम्मान भी प्राप्त करेंगे तथा ये लोग आपसे प्रसन्न तथा सन्तुष्ट रहेंगे। मित्रों एवं बन्धुओं से आपके मधुर संबध रहेंगे तथा इनसे आप पूर्ण सहयोग प्राप्त करेंगे तथा उनकी भलाई के कार्यो को करने में भी तत्पर रहेंगे।आपके कई विलम्बित शुभ एवं महत्वपूर्ण कार्य इस मास सम्पन्न होंगे जिससे आपको हार्दिक प्रसन्नता प्राप्त होगी। देवता एवं ब्राहमणों के प्रति आपके मन में पूर्ण श्रद्धा रहेगी तथा विधि पूर्वक आप इनका पूजन तथा सम्मान करेंगे। संतति पक्ष से भी आप पूर्ण सुखी रहेंगे तथा मित्रों एवं बन्धुओं के मध्य आप की मान प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी।साथ ही आपकी असफल आशाएं भी इस समय सिद्ध होगी जिससे आप मानसिक रूप से प्रसन्न रहेंगे।

साथ ही इस समय आप स्त्री से पूर्ण सुख तथा सहयोग भी प्राप्त करने में सफल रहेंगे।आपकी बुद्धि भी इस समय निर्मल रहेगी एवं प्रचुर मात्रा में संपूर्ण मास धनार्जन होता रहेगा। धर्म के प्रति आपकी श्रद्धा में वृद्धि होगी तथा समाज में आप पूर्ण यश तथा प्रतिष्ठा अर्जित करने में सफल रहेंगे।

जुलाई 2026 के लिए फलादेश

इस मास को आप सुख एवं प्रसन्नता पूर्वक व्यतीत करेंगे। इस समय आप स्त्री वर्ग से पूर्ण लाभ एवं सहयोग अर्जित करने में सफल रहेंगे। साथ ही सौभाग्य से भी आप युक्त रहेंगे जिससे आपके समस्त शुभ एवं महत्वपूर्ण कार्य यथा समय सिद्ध होंगे ।सरकार या उच्चाधिकारी वर्ग से लाभार्जन करने में भी इस मास में सफलता प्राप्त करेंगे ।शारीरिक रूप से आप पूर्ण स्वस्थ रहेंगे तथा मन भी प्रसन्नता से युक्त रहेगा। अध्ययन या ज्ञानार्जन में भी आपकी तीव्र रूचि रहेगी। मित्रों

तथा संबधियों से आपके संबध मधुर एवं घनिष्ठ रहेंगे तथा उनसे पूर्ण सुख एवं सहयोग प्राप्त करेंगे। इस मास आपको वांछित द्रव्यों की प्राप्ति होगी जिसके उपभोग से आप सुखी तथा निश्चिंत रहेंगे। साथ ही बन्धु वर्ग में प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी तथा असफल आशाओं में भी आप सफलता प्राप्त करेंगे।

साथ ही इस मास में आप स्त्री का पूर्ण सुख प्राप्त करेंगे तथा अन्य महिला सहयोगियों से भी वांछित सहयोग प्राप्त करेंगे जिससे आपके कई शुभ कार्य सिद्ध होंगे। आपकी बुद्धि में इस समय निर्मलता के भाव की वृद्धि होगी तथा उचित धन लाभ एवं सुख प्राप्त करने में भी आप सफल रहेंगे। इसके अतिरिक्त धर्म के प्रति भी आपके मन में श्रद्धा की भावना उत्पन्न होगी तथा समाज में आप पूर्ण यश अर्जित करने में सफल रहेंगे।

अगस्त 2026 के लिए फलादेश

यह मास आपके लिए शुभाशुभ फलों से युक्त मध्यम रहेगा। इस समय आपका व्यय अधिक मात्रा में होगा तथा दुष्ट मनुष्यों के साथ में रहेंगे अतः आपकी आर्थिक स्थिति कमजोर होगी। जिससे आप मानसिक रूप से अशान्त रहेंगे। साथ ही शारीरिक रूप से भी आप अस्वस्थ तथा दुर्बल रहेंगे। इस मास में अत्यधिक परिश्रम के पश्चात भी आपके शुभ एवं महत्वपूर्ण कार्य अल्प मात्रा में ही सफल होंगे। धर्म के प्रति आपके मन में विशेष श्रद्धा का भाव नहीं रहेगा तथा देवता एवं ब्राहमणों का आप उचित पूजन तथा सम्मान नहीं करेंगे। साथ ही अन्य प्रकार से भी हानि होती रहेगी तथा मित्रों एवं संबधियो से भी मधुर संबध नहीं रहेंगे।

परन्तु इस मास में अशुभ फलों के साथ साथ आपको शुभ फल भी प्राप्त होंगे। अतः महिला सहयोगियों से आप लाभार्जन करेंगे तथा आपकी बुद्धि में भी निर्मलता के भाव की वृद्धि होगी फलतः उचित लाभ एवं सुख प्राप्त करने में आप सफल रहेंगे। इसके साथ ही समाज एवं सामाजिक जनों से भी आप यश एवं सम्मान प्राप्त करने में सफल हो सकेंगे।

सितम्बर 2026 के लिए फलादेश

यह मास आपके लिए अत्यंत सुख एवं प्रसन्नता प्रदान करने वाला होगा। इस समय आपका शारीरिक स्वास्थ्य अच्छा रहेगा तथा मन से भी आप पूर्ण प्रसन्न तथा सन्तुष्ट रहेंगे। साथ ही आपके पराक्रम में वृद्धि होगी तथा शत्रु वर्ग निर्बल एवं आपसे पराजित रहेगा। इस समय आपके लाभ मार्ग भी उन्नति की ओर अग्रसर रहेंगे फलतः आपकी आर्थिक स्थिति अच्छी रहेगी एवं धनाभाव नहीं रहेगा। साथ ही व्यापार या नौकरी के अतिरिक्त अन्य स्त्रोतों से भी लाभार्जन करने में सफल रहेंगे इस मास में आपकी भाग्योन्नति भी होगी तथा तथा कई शुभ एवं महत्वपूर्ण कार्य भी सम्पन्न होंगे तथा काफी समय से रूके हुए कार्य भी सम्पन्न हो जाएंगे। बन्धु एवं मित्रों से आपके घनिष्ठ संबध रहेंगे एवं सम्सत सांसारिक कार्यो को आप अपने बुद्धिचातुर्य से सफल बनाएंगे। इसके अतिरिक्त उच्चाधिकारी वर्ग भी आपसे प्रसन्न एवं सन्तुष्ट रहेंगे तथा उनसे आप उचित सहयोग

तथा लाभ भी अर्जित करेंगे।

साथ ही इस मास में आप श्रेष्ठ जनों एवं उच्चाधिकार प्राप्त लोगों से सम्मान अर्जित करेंगे। इस समय आपके आजिविका संबधी कार्य में भी उन्नति एवं दृढ़ता का आभास होगा तथा दूर समीप की कोई लाभदायक यात्रा भी कर सकते है। साथ ही नवीन वस्त्रों या द्रव्यों की भी आप प्राप्ति करने में सफल रहेंगे। अतः आपके लिए यह मास शुभ रहेगा।

अक्तूबर 2026 के लिए फलादेश

यह मास आपके लिए शुभ एवं शान्ति प्रदान करने वाला सिद्ध होगा। इस समय आप अपने उत्साह से धनार्जन करेंगे तथा आर्थिक स्थिति को सुधारने में सफल रहेंगे। इस मास आपकी प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी तथा बन्धु एवं मित्रों से आपके मधुर संबध होंगे। साथ ही इनसे आपको पूर्ण सुख एवं सहयोग की प्राप्ति होगी। उच्चाधिकार प्राप्त वर्ग से आप आश्रय प्राप्त करेंगे एवं उनसे आपको वांछित सहयोग तथा लाभ प्राप्त होगा। इस समय आप मिष्ठान का उपभोग भी अधिक मात्रा में कर सकेंगे। इस मास आपका शारीरिक स्वास्थ्य अच्छा रहेगा फलतः शारीरिक बल में पूर्ण वृद्धि होगी। शत्रु वर्ग को पराजित करने में भी आप सफलता प्राप्त करेंगे तथा वे आपसे भयभीत रहेंगे। इसके अतिरिक्त व्यापार आदि कार्यो से भी आप धन अर्जित करने में सफल रहेंगे।

साथ ही इस मास में आप स्त्री से पूर्ण सुख प्राप्त करेंगे एवं अन्य महिला सहयोगियों से भी वांछित सहयोग एवं लाभ प्राप्त होगा। आपकी बुद्धि भी इस समय निर्मल रहेगी तथा प्रचुर मात्रा में धनार्जन होता रहेगा। धर्म के प्रति भी आपके मन में श्रद्धा रहेगी तथा समाज में आपका यश व्याप्त रहेगा।

नवम्बर 2026 के लिए फलादेश

इस मास में आप उत्तम फल प्राप्त करने में सफल रहेंगे। इस समय आप अपने पराक्रम से प्रचुर मात्रा में धनार्जन करेंगे तथा विविध प्रकार के सुखों का उपभोग करने में सफल रहेंगे। साथ ही समाज से भी आपको यथोचित मान सम्मान एवं यश प्राप्त होगा। देवता एवं ब्राहमणों के प्रति आपके मन में श्रद्धा रहेगी तथा विधि पूर्वक आप इनका पूजन तथा सत्कार करेंगे। दूसरे लोगों की भलाई के लिए भी आप इस मास तत्पर रहेंगे। आपका शारीरिक स्वास्थ्य भी उत्तम रहेगा तथा मान प्रतिष्ठा में पूर्ण वृद्धि होगी। इसके अतिरिक्त भाइयों से आपको इस समय पूर्ण सुख एवं सहयोग प्राप्त होगा तथा आपके मानसिक विचार एवं संकल्प भी पूर्ण होंगे।

साथ ही इस मास में आप स्त्री से सुख प्राप्त करेंगे एवं अपनी बुद्धिमता से कई शुभ एवं महत्वपूर्ण कार्यो में सफलता भी अर्जित करेंगे। धर्म के प्रति भी आपके मन में श्रद्धा भाव उत्पन्न होता रहेगा। इस प्रकार यह मास आपके लिए अत्यंत ही शुभ फलदायक रहेगा।

दिसम्बर 2026 के लिए फलादेश

यह मास आपके लिए अच्छा नहीं रहेगा तथा अशुभ फल अधिक मात्रा में होंगे। इस समय आपका स्वास्थ्य अच्छा नहीं रहेगा तथा कई प्रकार से आपको शारीरिक कष्टानुभूति होगी। साथ ही शत्रु वर्ग से भी आप भयभीत एवं चिन्तित रहेंगे जिससे आप मानसिक रूप से भी अशान्त रहेंगे। पारिवारिक जनों से भी इस समय आपके मधुर संबध नहीं रहेंगे तथा अनावश्यक रूप से संबधों में तनाव विद्यमान रहेगा। आपके व्यापार या कार्यक्षेत्र में भी हानि या मंदी के योग बनेंगे। साथ ही स्थान या कार्य क्षेत्र में परिर्वतन भी कर सकते है। समाज में भी अधिकाशं लोगों से आपके विवाद होते रहेंगे जिसके कारण उनसे कटुता का व्यवहार रहेगा फलतः आपके समाजिक सम्मान में अल्पता आएगी। इसके अतिरिक्त शरीर में रोग तथा धन हानि भी हो सकती है।

साथ ही इस मास गर्मी या पित्तादि दोषों से भी अस्वस्थ रहेंगे। इस समय किसी कारण से रक्त विकार होने की भी संभावना रहेगी इसके अतिरिक्त अग्नि के द्वारा भी किसी प्रकार से धन हानि हो सकती है। अतः इस समय आप सावधानी एवं बुद्धिमता पूर्वक अपने कार्य कलापों को सम्पन्न करें।

वार्षिक फलादेश - 2027

वर्ष के पूर्वार्द्ध में मीनस्थ शनि अष्टम भाव में रहेंगे और 3 जून को मेष राशि एवं नवम भाव में प्रवेश करेंगे और वक्री होकर 03 अक्टूबर को फिर से मीन राशि एवं अष्टम भाव मे आजाएंगे। मकर राशि का राहु इस वर्ष षष्ठ भाव में रहेगा। वक्री गुरु 25 जनवरी को कर्क राशि एवं द्वादश भाव में प्रवेश करेंगे और मार्गी होकर 26 जून को सिंह राशि एवं लग्न स्थान में गोचर करेंगे और फिर से अतिचारी होकर 26 नवम्बर को कन्या राशि एवं द्वितीय भाव में प्रवेश कर जाएंगे। 26 अप्रैल से 5 जुलाई तक मंगल वक्री होकर सिंह राशि एवं लग्न स्थान में रहेंगे। 21 जुलाई से 7 सितम्बर तक शुक्र अस्त रहेंगे।

व्यवसाय

वर्ष का पूर्वार्द्ध व्यापारिक रूप से अच्छा नहीं रहेगा। गुरु एवं शनि ग्रह का गोचर प्रतिकूल होने से आपके कार्य व्यवसाय में कुछ विशेष लाभ नहीं होगा। व्यापार में सफलता प्राप्ति के लिए लगातार प्रयास करना पड़ेगा। अष्टमस्थ शनि के प्रभाव से आपके कार्यों में गुप्त शत्रुओं द्वारा रूकावटें डाली जा सकती है। अतः इस समय के अन्तराल में आपको अपना आत्मविश्वास बनाए रखना चाहिए और कोई नया कार्य प्रारम्भ नहीं करना चाहिए। पहले से चले आ रहे व्यापार को और अच्छे ढंग से चलाएं। नौकरी करने वाले व्यक्तियों का समय सामान्य रहेगा।

26 जून के बाद समय कुछ अच्छा हो रहा है। सप्तम स्थान पर गुरु की दृष्टि प्रभाव से व्यापार व कार्य क्षेत्र में सफलता मिलनी शुरू हो जाएगी। लग्नस्थ गुरु के प्रभाव से अधिकारी व वरिष्ठ लोगों का सहयोग मिलेगा। भाग्य अनुकूल होने के कारण आपके कार्यों में सफलता मिल सकती है। 26 नवम्बर के बाद नौकरी करने वाले व्यक्तियों की पदोन्नति हो सकती है।

धन संपत्ति

आर्थिक दृष्टि से वर्ष का पूर्वार्द्ध अनुकूल नहीं रहेगा। वर्ष के पूर्वार्द्ध में कुछ ऐसे खर्च आ सकते हैं जिससे आपको आर्थिक हानि हो सकती है। धनागम के मार्ग भी प्रभावित हो सकते हैं। इस समय के अंतराल में आपको निवेश या किसी को उधार पैसा नहीं देना चाहिए, नहीं तो वापसी की उम्मीद बहुत कम है। लग्नस्थ मंगल के प्रभाव से शारीरिक आरोग्यता अनुकूल करने में भी आपका पैसा खर्च हो सकता है।

गुरु के गोचर के बाद समय अच्छा हो रहा है। उस समय आपका रुका हुआ धन मिल सकता है, जिससे आर्थिक स्थिति में सुधार होगा। सप्तम

स्थान पर गुरु ग्रह की दृष्टि प्रभाव से पत्नी या मित्रों से धन लाभ होगा। अपने व्यापार को और आगे बढ़ाने में भी पैसा खर्च कर सकते हैं। भौतिक सुख सुबिधा पर भी आपका अधिक खर्च होगा। 26 नवम्बर के बाद रत्न आभूषण इत्यादि वस्तुओं की प्राप्ति होगी और आपको ससुराल पक्ष से भी लाभ प्राप्त होगा।

घर–परिवार, समाज

पारिवारिक दृष्टि से यह वर्ष सामान्यतः बहुत अच्छा नहीं रहेगा। वर्ष के पूर्वार्द्ध में पारिवारिक माहौल बढ़िया नहीं रहेगा। अष्टमस्थ शनि के प्रभाव से आपके ससुराल पक्ष के लोगों के साथ आपका वैचारिक मतभेद हो सकता है। एक दूसरे प्रति वैमनस्य की भावना उत्पन्न हो सकती है जिससे पारिवारिक अनुकूलता भंग हो सकती है। पारिवारिक स्थिति को अनुकूल बनाने में आपको मातुल पक्ष का अच्छा सहयोग मिलेगा।

26 जून बाद समय काफी अनुकूल हो रहा है। परिवार में पुत्रादि का विवाह या कोई मांगलिक कार्य संपन्न होगा, उसमें आपकी अहम भूमिका होगी। सप्तम स्थान पर गुरु की दृष्टि प्रभाव से आपके पत्नी के साथ सम्बन्ध मधुर होंगे। सामाजिक पद प्रतिष्ठा के लिए यह वर्ष उत्तम रहेगा।

संतान

संतान की दृष्टि से वर्ष का पूर्वार्द्ध अच्छा नहीं रहेगा। द्वादशस्थ गुरु पर राहु ग्रह की दृष्टि प्रभाव से संतान संबंधित कुछ चिन्ताएं हो सकती हैं। आपके बच्चों का स्वास्थ्य प्रभावित हो सकता है, जिससे उनकी शिक्षा–दीक्षा भी प्रभावित हो सकती है।

26 जून के बाद लग्न स्थान पर गुरु ग्रह के गोचरीय प्रभाव से समय काफी अनुकूल हो रहा है। उस समय आपके बच्चे अपने परिश्रम के बल पर आगे बढ़ेगे। शिक्षा के क्षेत्र में उनकी रूचि बढ़ेगी। यदि वे उच्च शिक्षा प्राप्त करना चाहते हैं, तो सबसे अच्छे शैक्षणिक संस्थान में उनका प्रवेश हो जाएगा। नवविवाहित व्यक्तियों के लिए गर्भाधान का शुभ समय चल रहा है। आपके दूसरे बच्चे के लिए समय बहुत अच्छा है।

स्वास्थ्य

स्वास्थ्य की दृष्टि से वर्ष का पूर्वार्द्ध सामान्यतः अनुकूल नहीं रहेगा। द्वादशस्थ गुरु एवं अष्टमस्थ शनि के प्रभाव से आपके स्वास्थ्य में उतार–चढ़ाव की स्थिति बनी रहेगी। कफ, मधुमेह एवं पेट संबंधित बीमारियों के कारण आप ज्यादा परेशान हो सकते हैं। मौसम जनित बीमारियों से भी आप परेशान हो सकते हैं।

अष्टमस्थ शनि के प्रभाव से कभी–कभी बीमारी नहीं होने के बावजूद भी बीमारी जैसा अनुभाव होता रहेगा।

26 जून के बाद गुरु ग्रह का गोचरीय प्रभाव लग्न स्थान में होने से स्वास्थ्य में सुधार आना शुरू हो जाएगा। अच्छे स्वास्थ्य के साथ–साथ आपका खान–पान एवं दिनचर्या भी अच्छी रहेगी। लग्न स्थान पर शुभ ग्रह का प्रभाव होने से आप शुद्ध शाकाहारी भोजन ही ग्रहण करेंगे, जिससे आप का स्वास्थ्य अनुकूल बना रहेगा। आपकी धर्म पत्नी भी आपकी सेहत का पूर्ण ध्यान रखेंगी। 03 अक्टूर के बाद आपकी सेहत फिर से प्रभावित हो सकती है।

करियर एवं प्रतियोगी परीक्षा

षष्टस्थ राहु के प्रभाव से प्रतियोगिता परीक्षार्थियों को सफलता मिलेगा। आपको करियर में स्थिरता प्राप्त होगी। जो लोग नौकरी की तलाश में हैं उनको वर्ष के पूर्वार्द्ध में ही नौकरी मिल सकती है।

26 जून के बाद विद्यार्थियों के लिए समय अच्छा हो रहा है। आप पढाई–लिखाई में आगे रहेंगे। यदि आप उच्च शिक्षा प्राप्त करना चाहते हैंतो अच्छे शैक्षणिक संस्थान में आपका प्रवेश हो सकता है। तकनीकी शिक्षा या व्यावसायिक शिक्षा के लिए समय काफी अनुकूल है।

यात्रा–तबादला

यात्रा की दृष्टि से यह वर्ष काफी अच्छा है। द्वादशस्थ गुरु विदेश यात्रा के अच्छे योग बना रहे हैं। इस समय के अंतराल में आपकी विदेश यात्रा होंगी।

26 जून के बाद नवमस्थ शनि पर गुरु ग्रह की दृष्टि के प्रभाव सेलम्बी यात्राओं के प्रबल योग बन रहे है। तृतीय स्थान पर शनि ग्रह की दृष्टि छोटी यात्राएं कराती रहेगी।

धर्म कार्य एवं ग्रह शांति

वर्ष का पूर्वार्द्ध धार्मिक कार्यों के लिए सामान्य रहेगा। मानसिक अस्थिरता के कारण आप धार्मिक कार्य कम ही कर पाएंगे परन्तु द्वादशस्थ गुरु के प्रभाव से आप दान पुण्य अधिक करेंगे। गरीबों, भिखारियों को खाना खिलाना, धार्मिक स्थान पर भण्डारा करना आपका नैसर्गिक गुण होगा। अष्टम स्थान पर गुरु एवं शनि ग्रह के गोचरीय प्रभाव से तन्त्र के प्रति आपका आकर्षण ज्यादा

रहेगा। 26 जून के बाद गुरु ग्रह का गोचर लग्न स्थान में होगा। उस समय नवम एवं पंचम स्थान पर गुरु ग्रह की दृष्टि प्रभाव से आपका आध्यात्मिक ज्ञान और बढ़ेगा। निःस्वार्थ भाव से आप पूजा पाठ में रूचि लेंगे। आप अपने गुरुजनों का सम्मान करेंगे एवं उनके दिये गये उपदेशों का पालन करेंगे।

- माता–पिता, गुरु, साधू, संन्यासी और अपने से बड़े लोगों का आशीर्वाद प्राप्त करें।
- मंदिर या धार्मिक स्थानों पर केला या बेसन के लड्डू वितरित करें।
- प्रत्येक दिन हनुमान चालिसा का पाठ करें।
- शनिवार के दिन काली वस्तु का दान करें।

वार्षिक फलादेश - 2028

वर्षारम्भ में मीन राशि के शनि अष्टम भाव में रहेंगे और 23 फरवरी को मेष राशि एवं नवम भाव में प्रवेश करेंगे। राहु वर्ष के शुरुआत में मकर राशि एवं षष्ठ भाव में रहेंगे और 24 मई को धनु राशि एवं पंचम भाव में प्रवेश करेंगे। वर्षारम्भ में कन्या राशि के गुरु द्वितीय भाव में रहेंगे और वक्री होकर 28 फरवरी को सिंह राशि एवं लग्न स्थान में प्रवेश करेंगे और फिर से मार्गी होकर 24 जुलाई को कन्या राशि एवं द्वितीय भाव में प्रवेश करेंगे। इस वर्ष मंगल ग्रह अपनी सरल गति से गोचर करेंगे। 28 मई से 6 जून तक शुक्र अस्त रहेंगे।

व्यवसाय

वर्षारम्भ कार्य व्यवसाय के लिए सामान्य रहेगा। अष्टम स्थान के शनि व्यवसाय में उतार–चढ़ाव की स्थिति बना रहे है। गुप्त शत्रु आपके कार्यों में रुकावट डालने की कोशिश करेंगे परन्तु सामने नही आएंगे। फरवरी के बाद आप कोई नया कार्य प्रारम्भ कर सकते हैं। लग्नस्थ गुरु के प्रभाव से आपके अंदर नवीन विचारधाराएं नयी योजनाओं को जन्म देंगी जिसका उचित लाभ उठा कर आप अपने व्यापार को और सुदृढ़ बना सकते हैं।

नवम स्थान पर गुरु एवं शनि ग्रह के गोचरीय प्रभाव से आपका भाग्य भी आपके अनुकूल रहेगा। अतः कम समय में अच्छी सफलता प्राप्त कर सकते हैं। शेयर बाजार से जुड़े व्यक्तियों को इच्छित लाभ होगा। 24 जुलाई के बाद नौकरी करने वाले व्यक्तियों की पदोन्नती होने के प्रबल योग बन रहे हैं।

धन संपत्ति

वर्ष का प्रारम्भ आर्थिक उन्नति के साथ होगा। द्वितीयस्थ गुरु के प्रभाव से रत्नाभूषण इत्यादि वस्तुओं की प्राप्ति होगी। संचित धन में वृद्धि होगी। फरवरी के बाद व्यापारिक अनुकूलता के कारण धनागम में वृद्धि होगी, जिससे आप इच्छित बचत करने में सफल रहेंगे। कर्जे इत्यादि से भी मुक्ति मिल सकती है। 24 जुलाई के बाद आपके रुके हुए या फंसे हुए पैसे मिल सकते है। छठे स्थान का राहु शत्रुओं से भी लाभ करा सकता है। सामाजिक व धार्मिक कार्यों में भी व्यय करेंगे।

24 जुलाई के बाद मांगलिक कार्यों में व्यय करेंगे। अष्टम स्थान पर गुरु ग्रह की दृष्टि प्रभाव से पैतृक संपत्ति या स्थिर धन का लाभ होगा। पंचम का राहु संतान के स्वास्थ्य पर भी धन खर्च करा सकता है।

घर–परिवार, समाज

वर्षारम्भ में ही परिवार में किसी सदस्य की वद्धि होगी, जिससे आपके परिवार में खुशी का माहौल बनेगा। परिवार में एक–दूसरे के प्रति परस्पर सहयोग की भावना उत्पन्न होगी। जिससे आपस में भावनात्मक लगाव बढ़ेगा। परन्तु अष्टमस्थ शनि के प्रभाव से आपके ससुराल पक्ष के लोगों के साथ वैचारिक मतभेद हो सकते हैं।

राहु ग्रह के गोचर के बाद संतान संबंधित परेशानी हो सकती है। पंचमस्थ राहु उनका स्वास्थ्य प्रभावित कर सकता है। आप सामाजिक गतिविधियों में कम ही भाग लेंगे।

संतान

वर्षारम्भ संतान के लिए उत्तम रहेगा। द्वितीयस्थ गुरु के प्रभाव से आपके बच्चों की उन्नति होगी। शिक्षा के प्रति उनकी रूचि बढ़ेगी। वह अपने लक्ष्य को प्राप्त करेंगे। फरवरी के बाद आपके दूसरे बच्चे के लिए समय बहुत अच्छा हो रहा है। यदि आपका दूसरा बच्चा विवाह योग्य है तो उसका विवाह हो सकता है।

24 मई के बाद पंचम स्थान का राहु आपके बच्चे का स्वास्थ्य प्रभावित कर सकता है। अतः उसके स्वास्थ्य से संबंधित किसी प्रकार की लापरवाही नहीं करनी चाहिए। आपके बच्चों को अपने कार्य क्षेत्र में सफलता प्राप्ति के लिए अधिक परिश्रम करना पड़ेगा।

स्वास्थ्य

अष्टमस्थ शनि के प्रभाव से वर्षारम्भ में आपका स्वास्थ्य सामान्य रहेगा परन्तु 28 फरवरी के बाद लग्न स्थान पर गुरु ग्रह के गोचरीय प्रभाव के बाद समय बहुत अच्छा हो रहा है। लग्न स्थान पर शुभ ग्रह होने से आपके मन में हमेशा अच्छे विचार आएंगे, जिससे आप मानसिक रूप से सन्तुष्ट रहेंगे। प्रत्येक कार्य को सकारात्मक रूप से करेंगे। आपके अन्दर रोग प्रतिरोधक शक्ति विकसित होगी।

वर्ष के उतरार्द्ध में लग्न स्थान पर राहु ग्रह की दृष्टि प्रभाव से आपका स्वास्थ्य किंचित प्रभावित हो सकता है। मौसमजनित बीमारी या आलस्य की भावना उत्पन्न हो सकती है परन्तु आप शीघ्र ही अच्छे हो जाएंगे और अपने स्वास्थ्य को अनुकूल रखने के लिए नियमित व्यायाम करेंगे। शुद्ध शाकाहारी भोजन ही ग्रहण करें।

करियर एवं प्रतियोगी परीक्षा

वर्षारम्भ षष्ठस्थ राहु के प्रभाव से प्रतियोगिता परीक्षाओं के लिए उत्तम रहेगा। आप अपने सारे शत्रुओं को परास्त करते हुए करियर में सफलता प्राप्त करेंगे। बेरोजगार जातकों को मनोनुकूल नौकरी मिल सकती है।

24 मई के बाद समय कुछ प्रभावित हो रहा है। विद्यार्थियों के लिए बहुत अच्छा समय नही रहेगा। उनको करियर में सफलता प्राप्ति के लिए अधिक परिश्रम करने की आवश्यकता है।

यात्रा–तबादला

द्वादश स्थान पर राहु ग्रह की दृष्टि प्रभाव से वर्षारम्भ में ही विदेश यात्रा हो सकती हैं।

फरवरी के बाद नवमस्थ शनि पर गुरु ग्रह की दृष्टि के कारण आपकी लम्बी यात्रा होगी साथ ही छोटी–मोटी यात्राएं भी होती रहेंगी।

धर्म कार्य एवं ग्रह शांति

धार्मिक कार्यों के लिए वर्ष का प्रारम्भ सामान्य रहेगा। फरवरी के बाद नवम स्थान पर गुरु की दृष्टि प्रभाव से धार्मिक कार्यों के प्रति आपकी रूचि बढ़ेगी, जिसके फलस्वरूप आप पूजा, पाठ, यज्ञ व अनुष्ठान अधिक करेंगे। पंचम स्थान पर गुरु ग्रह की दृष्टि प्रभाव से ईश्वर में आपका अटूट विश्वास होगा। दान पुण्य करने मे आप आगे रहेंगे परन्तु वर्ष का उत्तरार्द्ध धार्मिक कार्यों के लिए अच्छा नहीं रहेगा।

- शनिवार के दिन काली वस्तु का दान करें एवं शनि मन्त्र का पाठ करें।
- प्रत्येक मंगलवार को हनुमान जी को चोला चढ़ाएं।
- दुर्गाजी की उपासना करें या दुर्गा बीसा कवच गले में धारण करें।

वार्षिक फलादेश - 2029

वर्ष के पूर्वार्द्ध में मेष राशि के शनि नवम भाव में रहेंगे और 08 अगस्त को वृष राशि एवं दशम भाव में प्रवेश करेंगे और वक्री होकर फिर से 05 अक्टूबर को मेष राशि एवं नवम भाव में आ जाएंगे। धनु राशि के राहु पंचम भाव में रहेंगे। वर्षारम्भ में तुला राशि के गुरु तृतीय भाव में रहेंगे और वक्री होकर 29 मार्च को कन्या राशि एवं द्वितीय भाव में प्रवेश करेंगे और फिर से मार्गी होकर 25 अगस्त को तुला राशि एवं तृतीय भाव में आ जाएंगे। वक्री मंगल 27 जुलाई तक कन्या राशि एवं द्वितीय भाव में रहेंगे। 15 फरवरी से 16 अप्रैल तक शुक्र अस्त रहेंगे।

व्यवसाय

वर्षारम्भ में कार्य व्यवसाय में उन्नति करेंगे। नवम स्थान पर शनि एवं गुरु के गोचरीय प्रभाव के चलते आपका भाग्य साथ देगा। व्यावसायिक उन्नति के सारे मार्ग प्रशस्त होंगे। व्यापार में भाइयों का अच्छा सहयोग मिलेगा। साझेदारी में कार्य कर रहे हैं तो अच्छा लाभ मिलेगा।

29 मार्च से सफलता के अच्छे अवसर मिलेंगे जिसका उचित लाभ उठा कर आप अपने कार्य में सफल होंगे। गुरु के प्रभाव से आमदनी के नये स्रोत खुलने की उम्मीद है। 25 अगस्त के बाद नौकरी करने वाले व्यक्तियों की पदोन्नति होगी व कार्य स्थल पर मान सम्मान भी बढ़ेगा। अनुभवी व वरिष्ठ लोगों का सहयोग मिलने से आप अपने व्यापार में और अधिक सुधार करेंगे।

धन संपत्ति

आर्थिक दृष्टि से वर्ष का प्रारम्भ उत्तम रहेगा। व्यापारिक अनुकूलता के कारण आर्थिक स्थिति में सुधार होगा। भाग्य अनुकूल होने से आप बचत करने में सफल रहेंगे परन्तु द्वितीयस्थ मंगल के कारण आपके पारिवारिक खर्चे भी बढ़ेंगे। 29 मार्च के बाद रत्नाभूषण इत्यादि वस्तु की प्राप्ति हो सकती है। पुराने कर्जे इत्यादि से मुक्ति मिल सकती है। परिवार में मांगलिक कार्य होंगे उसमें भी आपके पैसे खर्च हो सकते हैं।

वर्ष के उत्तरार्द्ध में आर्थिक स्थिति को सुदृढ़ करने में आपके पिता की अहम भूमिका होगी। पंचम स्थान का राहु आपकी संतान के स्वास्थ्य पर भी व्यय करा सकता है।

घर–परिवार, समाज

वर्ष का प्रारम्भ सामाजिक उन्नति के साथ होगा। तृतीयस्थ गुरु पर

शनि की दृष्टि प्रभाव से सामाजिक पद प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। 29 मार्च के बाद आपके परिवार में किसी सदस्य की वृद्धि होगी। पंचमस्थ राहु आपके बच्चे का स्वास्थ्य प्रभावित कर सकता है।

25 अगस्त के बाद चतुर्थ स्थान पर शनि की दृष्टि प्रभाव से पारिवारिक अनुकूलता भंग हो सकती है। आपके माता पिता का स्वास्थ्य अच्छा नहीं रहेगा। परिवार में कुछ लोगों का बर्ताव ठीक नहीं रहेगा।

संतान

यह वर्ष संतान के लिए अच्छा नहीं रहेगा। पंचम स्थान का राहु संतान के स्वास्थ्य को प्रभावित कर सकता है और उनकी शिक्षा में भी रुकावटें उत्पन्न कर सकता है। नवविवाहित व्यक्तियों को संतान प्राप्ति में बाधा उत्पन्न हो सकती है। गर्भवती स्त्रियों अधिक ध्यान देने की आवश्यकता है नहीं तो गर्भपात भी हो सकता है।

आपकी दूसरी संतान के लिए समय अच्छा है। उनकी शिक्षा–दीक्षा के प्रति रुचि बढ़ेगी एवं अपने परिश्रम के बल पर लक्ष्य को प्राप्त करेंगे।

स्वास्थ्य

स्वास्थ्य की दृष्टि से वर्ष का प्रारम्भ सामान्य रहेगा। लग्न स्थान पर राहु की दृष्टि से अचानक स्वास्थ्य प्रभावित हो सकता है। अतः स्वास्थ्य संबंधित किसी भी प्रकार की लापरवाही आपके लिए अच्छी नहीं होगी। 29 मार्च से आपके स्वास्थ्य में सुधार होना शुरू हो जाएगा।

25 अगस्त से आपको खान–पान पर विशेष ध्यान देना होगा। चिकनाईयुक्त व तली हुई वस्तुओं का कम से कम सेवन करना चाहिए। कुछ बेवजह की यात्राएं और काम का बोझ आपको थका सकता है।

करियर एवं प्रतियोगी परीक्षा

आपको लगातार अथक परिश्रम के बाद सफलता मिलेगा। विद्यार्थियों के लिए यह वर्ष सामान्यतः अनुकूल रहेगा। नवम स्थान पर गुरु की दृष्टि व्यवसायिक शिक्षा प्राप्त करा सकती है।

छठे स्थान पर शनि ग्रह की दृष्टि प्रभाव से प्रतियोगिता परीक्षार्थियों को सफलता मिलेगी। बेरोजगार जातकों को रोजगार मिल सकता है।

यात्रा–तबादला

वर्ष का प्रारम्भ यात्रा की दृष्टि से अनुकूल है। गुरु के प्रभाव से छोटी यात्राओं के साथ आपकी लम्बी यात्राएं भी होंगी। तीर्थ यात्रा पर जाने की योजना भी बन सकती है। 25 अगस्त के बाद द्वादश स्थान पर शनि ग्रह की दृष्टि प्रभाव से विदेश यात्रा भी होगी।

चतुर्थ स्थान पर शनि ग्रह की दृष्टि प्रभाव से नौकरी करने वाले व्यक्तियों का स्थानान्तरण हो सकता है। यह परिवर्तन आपके प्रतिकूल स्थान पर भी सकता है।

धर्म कार्य एवं ग्रह शांति

वर्षारम्भ में गुरु ग्रह की दृष्टि नवम स्थान पर पड़ रही है जिसके कारण आपका मन धार्मिक कार्यों की ओर आकृष्ट होगा। आप कोई विशेष अनुष्ठान करेंगे जैसे– अखण्ड रामायण का पाठ, माता की चौकी, माता का जागरण इत्यादि।

- मंगलवार के दिन हनुमान जी को लड्डू का भोग लगाकर गरीबों में वितरित करें।
- दुर्गा जी की उपासना करें या राहु मन्त्र का पाठ करें।

वार्षिक फलादेश - 2030

वर्षारम्भ में मेष राशि के शनि नवम भाव में रहेंगे और 17 अप्रैल को वृष राशि एवं दशम भाव में प्रवेश करेंगे धनु राशि के राहु पंचम भाव में रहेंगे और 04 फरवरी को वृश्चिक राशि एवं चतुर्थ भाव में प्रवेश करेंगे 25 जनवरी को गुरु वृश्चिक राशि एवं चतुर्थ भाव में प्रवेश करेंगे और वक्री होकर 01 मई को तुला राशि एवं तृतीय भाव में गोचर करेंगे और फिर से मार्गी होकर 23 सितम्बर को वृश्चिक राशि एवं चतुर्थ भाव में आ जाएंगे। इस वर्ष मंगल अपनी सरल गति से गोचर करेंगे 27 सितम्बर से 18 नवम्बर तक शुक्र अस्त रहेंगे

व्यवसाय

यह वर्ष आपके लिए कई लाभकारी अवसर लेकर आ रहा है। आप अपने व्यावसायिक जीवन में कुछ विशेष करेंगे जिससे आपके सहयोगी और अधिकारी भी प्रभावित होंगे। अपने दायित्वों का पूर्ण रूप से निर्वहन करेंगे राहु एवं गुरु का गोचर अनुकूल नहीं होने के कारण व्यावसायिक जीवन में थोड़े बहुत अवरोध आएंगे। इस दौरान आपके कार्यों में देरी भी हो सकती है जिसके चलते तनावपूर्ण स्थिति बन सकती है। जैसे ही यह प्रभाव खत्म होगा आपका समय फिर से अनुकूल हो जाएगा और सब कुछ आपके हित में होने लगेगा। आप अपने लक्ष्यों को योजनानुसार प्राप्त कर सकेंगे।

जो व्यक्ति नवीन रोजगार की तलाश में हैं उन्हें अड़चनों के बाद सफलता प्राप्त होगी। नौकरी करने वाले व्यक्तियों का प्रतिकूल स्थान पर स्थानान्तरण होगा। अप्रैल के बाद आपको रोजगार से सम्बन्धित सुखद समाचार मिलने शुरु हो जाएंगे और आप पूर्ण विश्वास के साथ आगे बढ़ेंगे।

धन संपत्ति

आर्थिक दृष्टि से यह साल आपके लिए चुनौतियों के साथ अनेक लाभ भी लाएगा। 04 फरवरी के बाद नए निवेश करना सही नहीं होगा। भूमि, भवन एवं वाहनादि पर निवेश न करें नही तो आपका पैसा डूब सकता है। इस समय आप इस बात पर ध्यान दें कि भविष्य में किए जाने वाले निवेशों से लाभ किस प्रकार पाया जाए और एक सही योजना बना कर आप निवेश से लाभान्वित भी हो सकते हैं।

अप्रैल के बाद कोई खोया हुआ जरूरी दस्तावेज भी मिल सकता है। यदि ऋण के लिए आवेदन किया है तो वह भी बिना देरी के मंजूर हो जाएगा। हर प्रकार की आर्थिक परेशानिया तुरंत ही दूर हो जाएंगी। परिवार में मांलिक कार्य

होंगे जिसमें आप खुले हाथों से व्यय करेंगे

घर–परिवार, समाज

पारिवारिक वातावरण में उतार–चढ़ाव की स्थिति बनी रहेगी। 04 फरवरी के बाद चतुर्थस्थ राहु आपको घरेलू जीवन में कुछ चिंताएं दे सकता है जिससे परिजनों के बीच सामंजस्य बिठाने में कठिनाई पैदा होंगी। ऐसे में विपरीत परिस्थितियों से निबटने के लिए आपको अपने अन्दर प्रतिरोधात्मक शक्ति विकसित करनी होगी।

आपके माता–पिता का स्वास्थ्य अच्छा नहीं रहेगा। अचानक ही उनका स्वास्थ्य खराब हो सकता है। मई के बाद आपका समाजिक स्तर बढ़ेगा। मान–प्रतिष्ठा में भी वृद्धि होगी। इस समय के अंतराल में समाज में आपकी एक अगल पहचान होगी।

संतान

वर्ष की शुरुआत संतान के लिए शुभ नहीं है। लग्न स्थान का राहु गर्भवती स्त्रियों का गर्भपात करा सकता है। आपके बच्चों को स्वास्थ्य से संबंधित परेशानी होगी। उनकी शिक्षा–दीक्षा भी प्रभावित हो सकती है।

गुरु ग्रह के गोचर के बाद आपकी दूसरे संतान के लिए समय अच्छा हो रहा है। उस समय आपकी दूसरी संतान के साथ प्रेम व समन्वय में वृद्धि होगी। यदि संतान की इच्छा रखते हैं तो यह समय श्रेष्ठ है। आप अपने बच्चों के मनोबल को बढ़ाते रहें तो वह अपने लक्ष्य को अवश्य प्राप्त कर लेंगे।

स्वास्थ्य

वर्ष के प्रारम्भ में स्वास्थ्य को लेकर चिंता बनी रहेगी। 04 फरवरी के बाद आप अपने आप को तंदरुस्त और सेहतमंद महसूस करेंगे क्योंकि आपके अन्दर उत्साहवर्धक ऊर्जा की वृद्धि होगी।

मई से आप अपनी दिनचर्या में नयी गतिविधियों को शामिल करेंगे जैसे कि व्यायाम करना या सुबह–सुबह टहलने जाना। यदि आलस्य ने आपके अन्दर घर बना लिया है तो आपका स्वास्थ्य एक चिंताजनक विषय बन सकता है।

करियर एवं प्रतियोगी परीक्षा

करियर एवं प्रतियोगिता परीक्षा के लिए यह वर्ष सामान्य रहेगा। चतुर्थ स्थान में राहु एवं गुरु की युति माध्यमिक शिक्षा ग्रहण कर रहे शिक्षार्थियों के लिये भ्रम और असमंजस की स्थिति बनायेगी।

यदि आप अपने शत्रुओं को परास्त करना चाहते हैं, तो नीतियों में बदलाव करना पड़ेगा। शनि ग्रह के गोचर के बाद आप कोई विदेशी भाषा सीखने की तरफ आकर्षित होंगे। विदेश जाकर उच्च शिक्षा प्राप्त करने के लिए उत्तम योग बन रहा है।

यात्रा–तबादला

नवमस्थ शनि के प्रभाव से छोटी–मोटी यात्राओं के साथ आप लम्बी–लम्बी यात्राएं भी करेंगे धार्मिक स्थलों की यात्रा करने का भी अवसर प्राप्त होगा।

नौकरी करने वाले व्यक्तियों का स्थानान्तरण होगा। 17 अप्रैल के बाद द्वादश स्थान पर शनि ग्रह के दृष्टि प्रभाव से आपकी विदेश यात्राएं होंगी।

धर्म कार्य एवं ग्रह शांति

कोई भी शुभ कार्य योजनाबद्ध तरीके से ही संपन्न करें अन्यथा पूजादि कार्यों में व्यवधान आने की आशा है। 17 अप्रैल से आप अपने कार्य–व्यवसाय पर अधिक ध्यान देंगे और कर्म ही पूजा है इस वाक्य को चरितार्थ करेंगे

- प्रत्येक दिन सूर्य को जल दे एवं प्रणायाम करें।
- बुधवार के दिन चींटियों को दाना डालें एवं भूखे व्यक्तियों को खाना खिलाएं।
- नित्य हनुमान चालीसा का पाठ करें।

वार्षिक फलादेश - 2031

इस वर्ष वृष राशि के शनि दशम भाव में रहेंगे। वर्ष के पूर्वार्द्ध में वृश्चिक राशि के राहु चतुर्थ भाव में रहेंगे और 9 अगस्त को तुला राशि एवं तृतीय भाव में प्रवेश करेंगे। वर्षारम्भ में वृश्चिक राशि के गुरु चतुर्थ भाव में रहेंगे और 17 फरवरी को धनु राशि एवं पंचम भाव में प्रवेश करेंगे और वक्री होकर 14 जून को वृश्चिक राशि एवं चतुर्थ भाव में गोचर करेंगे और फिर मार्गी होकर 15 अक्टूबर को धनु राशि एवं पंचम भाव में आ जाएंगे। 4 जनवरी से 15 अगस्त तक मंगल वक्री होकर तुला राशि एवं तृतीय भाव में रहेंगे। 2 अगस्त से 15 अगस्त तक शुक्र अस्त रहेंगे।

व्यवसाय

कार्य–व्यवसाय के लिए वर्ष का प्रारम्भ अच्छा रहेगा। व्यापार में बदलाव या फिर नौकरी में पदोन्नति की भी संभावना है। 18 फरवरी से अनुभवी और वरिष्ठ लोगों का सहयोग मिलेगा जिससे आपके कार्यों में लाभ की मात्रा और बढ़ जाएगी। साथ ही किसी बड़ी कंपनी के साथ मिलना या उसके साथ कार्य करने का अवसर प्राप्त होगा। कार्यस्थल में प्रशंसा और पहचान मिलेगी और यह आपकी आशावादी विचारधारा के कारण ही होगा।

9 अगस्त से व्यावसायिक स्तर पर समय आपके लिए काफी हितकारी होने वाला है। आपको आपकी पिछली व्यावसायिक सफलताओं के लिए पुरुस्कृत भी किया जाएगा। साथ ही आपकी कड़ी मेहनत को नजरअंदाज नहीं किया जाएगा। दशमस्थ शनि पर गुरु ग्रह की दृष्टि प्रभाव से आप के अन्दर गजब का आत्मविश्वास उत्पन्न होगा जिससे आप अपने क्लाइंट्स को प्रभावित करने में सफल होंगे।

धन संपत्ति

आर्थिक दृष्टि से वर्ष का प्रारम्भ बहुत बढ़िया रहेगा। 18 फरवरी के बाद आय भाव पर गुरु ग्रह की दृष्टि प्रभाव से धनागम के स्रोतों में वृद्धि होगी। साथ ही फंसे हुए धन या रुके हुए धन की प्राप्ति हो सकती है। धार्मिक यात्रा या मांगलिक कार्यों में धन व्यय होगा।

9 अगस्त से आर्थिक स्थिति के लिए समय और बढ़िया हो रहा है। आप कुछ बेहतरीन व्यावसायिक संबंध भी कायम करेंगे और लाभकारी निवेशकों के साथ भी निवेश करेंगे। आप किसी वित्तीय लेन–देन की योजना भी बना सकते हैं। यह समय आपके लिए अत्यंत लाभकारी रहेगा। यदि अनापेक्षित ही कोई अच्छा

सौदा आपकी झोली में आ गिरे, तो चौंकिएगा मत। भूमि संबंधित कार्य करने वाले व्यक्तियों को अच्छा लाभ प्राप्त होगा। दशमस्थ शनि पर गुरु की दृष्टि प्रभाव से आपके सामने कई लाभकारी अवसर आएंगे।

घर–परिवार, समाज

वर्ष का प्रारम्भघरेलू वातावरण के लिए अनुकूल है। पारिवारिक माहौल अनुकूल रहेगा। परिवार के किसी सदस्य को लेकर मन में चिंता रह सकती है अतः परिवार से जुड़े हर मामलों में आपको सावधानी बरतने की आवश्यकता है। आपके माता–पिता के लिए समय शुभ है।

9 मई से घरेलू वातावरण के लिए समय अनुकूल हो रहा है। परिवार में सुख, शान्ति का वातावरण बनेगा। इन सबके पीछे आपका ही महत्वपुर्ण योगदान होगा क्योंकि आप बहुत से ऐसे कामों को अंजाम देने वाले हैं जो पारिवारिक जीवन के लिए हितकर होंगे। 15 अक्टूबर के बाद परिजनों के साथ आप किसी धार्मिक स्थल की यात्रा करेंगे या घर परिवार में शुभ कृत्य का आयोजन होगा।

संतान

वर्षारम्भ संतान के लिए अच्छा रहेगा किन्तु आपके बच्चों को स्वास्थ्य संबंधित चिंताएं रहेंगी। 18 फरवरी से गुरु ग्रह का गोचर शुभ हो रहा है। यह समय आपकी संतान के लिए शुभ होगा।

गर्भाधान का सुन्दर समय चल रहा है। इस समय के अंतराल में आपके बच्चे कुछ ऐसे काम करेंगे जिससे आप उन पर गर्व करेंगे। आपके दूसरे बच्चे के लिए यह वर्ष सामान्य रहेगा।

स्वास्थ्य

स्वास्थ्य की लिहाज से यह वर्ष मिला–जुला रहेगा। पारिवारिक क्लेश के कारण मानसिक अशान्ति बनी रहेगी। आपके जीवन में इस साल खुशी के पल भी आएंगे। स्वस्थ्य रहने के लिए आपको चाहिए कि आप योग और ध्यान का सहारा लें। प्रियजनों और परिजनों के साथ अधिक से अधिक समय बिताएंगे।

15 अक्टूबर के बाद समय काफी अच्छा हो रहा है। लग्न स्थान पर गुरु ग्रह की दृष्टि प्रभाव से आपके अंदर रोग प्रतिरोधक शक्ति का विकास होगा जिससे आपकी शारीरिक आरोग्यता अनुकूल बनी रहेगी और आप पूर्णरूप से स्वस्थ रहेंगे।

करियर एवं प्रतियोगी परीक्षा

वर्ष के प्रथम दो माह छोड़ दिए जाएं तो पूरा वर्ष अनुकूल बना रहेगा। विद्यार्थियों को शिक्षा के क्षेत्र में विशेष उपलब्धी प्राप्त होगी। उच्च शिक्षा प्राप्ति के लिए भी ये समय बहुत बढ़िया है। प्रतियोगिता परीक्षार्थी अपनी परीक्षा में सफल होंगे। जो व्यक्ति अपना व्यापार शुरु करना चाहते हैं। उनके लिए यह समय अनुकूल है।

15 अक्टूबर के बाद बेरोजगार लोगों को नौकरी मिलेगी। आपके लिए रोजगार के नये अवसर भी पैदा होंगे। आप व्यापार में सफलता और समाज में प्रतिष्ठा प्राप्त करेंगे।

यात्रा–तबादला

वर्ष के प्रारम्भ में विदेश यात्रा का योग बन रहा है। छोटी–मोटी यात्राएं तो होती रहेंगी। 18 फरवरी के बाद नवम स्थान पर गुरु ग्रह की दृष्टि प्रभाव से आपकी लम्बी यात्राएं भी होंगी।

गुरु ग्रह के गोचर के बाद नौकरी करने वाले व्यक्तियों का मनोनुकूल स्थान पर स्थानान्तरण होगा। अपने घर से दूर रहने वाले व्यक्तियों की जन्म भूमि की यात्रा होगी।

धर्म कार्य एवं ग्रह शांति

वर्ष के शुरु में आपके धार्मिक कार्य प्रभावित होंगे। 18 फरवरी के बाद पंचमस्थ गुरु के प्रभाव से पूजा–पाठ यज्ञ अनुष्ठान व मन्त्र जाप के प्रति आपकी रूचि बढेगी। 14 जूल के बाद आप पूरे परिवार सहित घरेलू सुख शान्ति के लिए पूजा करेंगे और धार्मिक यात्रा कर पुण्यरर्जन भी करेंगे।

- अपने घर में श्रीयन्त्र की स्थापना कर उसके सामने प्रत्येक दिन दीपक जलाएं और महालक्ष्मी के मन्त्र का पाठ करें।
- प्रत्येक दिन दुर्गा कवच का पाठ करें।
- बुधवार के दिन गणेश जी को दुर्वा चढ़ाएं एवं गणेश अथर्वशीर्ष का पाठ करें।

वार्षिक फलादेश - 2032

वर्षारम्भ में शनि वृष राशि एवं दशम भाव में होंगे और 31 मई को मिथुन राशि एवं एकादश भाव में प्रवेश करेंगे। तुला राशि के राहु तृतीय भाव में रहेंगे। वर्षारम्भ में धनु राशि केगुरुपंचम भाव में रहेंगे और 5 मार्च को मकर राशि एवं छठे भाव में गोचर करेंगे और वक्री होकर 12 अगस्त को धनु राशि एवं पंचम भाव में आजाएंगे और पुनः मार्गी होकर 23 अक्तूबर को मकर राशि एवं छठे भाव में प्रवेश करेंगे। इस वर्ष मंगल अपनी सरल गति से गोचर करेंगे।

व्यवसाय

कार्य व्यवसाय के लिए वर्ष का प्रारम्भश्रेष्ठतम रहेगा। बौद्धिक बल के द्वारा व्यापार को एक अलग ही मुकाम पर ले जाएंगे। आप आपनी आंतरिक क्षमता, इच्छा शक्ति, संतुलन और दृढ़ता से अपने काम पर ध्यान देंगे। बड़ी–बड़ी योजनाएं और अवसर आपके द्वार पर दस्तक देंगे।

23 अक्तूबर के बाद व्यावसायिक जीवन में उतार–चढाव का सामना करना पड़ सकता है परन्तु अपने अनुभवों से अपना विकास करेंगे। आपका धैर्य ही आपको प्रगतिशील रहने के लिए प्रेरित करता रहेगा और हर समस्या का समाधान सूझ–बूझ से निकाल लेंगे।

धन संपत्ति

आर्थिक रूप से वर्ष का प्रारम्भ आपके लिए उत्तम रहेगा। संचित धन में वृद्धि होगी। धनागम के स्रोत बढ़ेंगे। नवीन संपत्ति खरीदने की दिशा में प्रयासरत रहेंगे। इस संबंध में आपको सफलता भी मिलेगी। गुरु के गोचर के बाद क्रय–विक्रय के मामले में सावधान रहें। खर्च पर भी अंकुश लगाएं।

12 अगस्त के बाद एकादशस्थ शनि पर गुरु ग्रह की दृष्टि प्रभाव से आपके आय के स्रोतों में बढ़ोत्तरी होगी। रुके हुए या फंसे हुए पैसे मिलने की सम्भावना है। लॉटरी, शेयर इत्यादि से भी आपको अच्छा लाभ मिलेगा। कर्जे से मुक्ति मिल सकती है।

घर–परिवार, समाज

पारिवारिक दृष्टि से वर्ष का प्रारम्भ अच्छा नहीं रहेगा। चतुर्थ स्थान पर शनि की दृष्टि से घरेलू माहौल अनुकूल नहीं रहेगा। परिवार में वैचारिक मतभेद से आप मानसिक अशान्ति महसूस सकते हैं। आपकी माता का स्वास्थ्य भी अच्छा नहीं रहेगा। 5 मार्च के बाद परिवार में सदस्य संख्या में वृद्धि होगी। परिवार में मांगलिक

कार्य संपन्न होंगे।

वर्ष के उत्तरार्द्ध में समय काफीअनुकूल हो रहा है। परिवार के सभी सदस्यों का अच्छा सहयोग मिलेगा। लगाव बढ़ने के कारण पारिवारिक माहौल भी अनुकूल होगा। आपके भाईयों के लिए यह समय काफी शुभ है।

संतान

संतान के लिए वर्ष का प्रारम्भ काफी शुभ रहेगा। आपके बच्चों की उन्नति होगी। नव विवाहित व्यक्तियों को संतान रत्न की प्राप्ति होगी। अच्छे शैक्षणिक संस्थान मेंबच्चों का प्रवेश हो जाएगा।

5 मार्च से गुरु का गोचरप्रतिकूल होने से संतान संबंधित चिंताएं हो सकती हैं। बच्चों का स्वास्थ्य प्रतिकूल रहने के कारण उनकीशिक्षा–दीक्षा में रूकावटें आ सकती हैं। बच्चोंके स्वास्थ्य पर विशेष ध्यान दें। शारीरिक आरोग्यता प्राप्ति के लिए आप तुला दान भी करा सकते हैं।

स्वास्थ्य

आपकी शारीरिक ऊर्जा व कार्य क्षमता में वृद्धि होगी। पूर्ण रूप से शारीरिक आरोग्यता अनुकूल बनी रहेगी। लग्न स्थान पर गुरु की दृष्टि प्रभाव से आप शुद्ध शाकाहारी भोजन ही ग्रहण करेंगे जिससे आपके अंदर अच्छे विचार आएंगे और आप मानसिक रूप से संतुष्ट रहेंगे।

गुरु ग्रह के गोचर के बाद आपको छोटी–मोटी बीमारियां हो सकती हैं। मई के बाद लग्न स्थान पर शनि ग्रह की दृष्टि आलस्य की भावना उत्पन्न कर सकती है। समय का सदुपयोग कर अपनी जीवनशैली को उत्तमबनाने की कोशिश करें।

करियर एवं प्रतियोगी परीक्षा

विद्यार्थियों के लिए वर्ष का प्रारम्भ बहुत बढ़िया रहेगा। प्रतियोगिता परीक्षार्थियों को अपने लक्ष्य में सफलता मिलने के प्रबल योग बन रहे हैं। व्यवसायी इस समय कोई नया कार्य प्रारम्भ करेंगे और उसमें सफलता भी होंगे।

यदि आप विदेश जाकर उच्च शिक्षा प्राप्त करना चाहते हैं तो 5 मार्च से समय आपके लिए काफीशुभ हो रहा है।

यात्रा–तबादला

तृतीयस्थ राहु के कारण वर्षारम्भ से ही आपकी छोटी–मोटी यात्राएं

होती रहेंगी। नवम स्थान पर गुरु ग्रह की दृष्टि के कारण आपकी लम्बी यात्राओं के भी प्रबल योग बन रहे हैं। चतुर्थ स्थान पर राहु ग्रह की दृष्टि प्रभाव से नौकरी करने वाले व्यक्तियों का स्थानान्तरण होगा।

गुरु के गोचर के बाद आपकी विदेश यात्रा होगी। यात्रा के दौरान किसी से बहुत अच्छी मित्रता होगी। 12 अगस्त के बाद धार्मिकयात्रा का भी योग बन रहा है।

धर्म कार्य एवं ग्रह शांति

धार्मिक कार्यों के लिए वर्ष का प्रारम्भ उत्तम रहेगा। आप अधिक धार्मिक कार्य जैसे मन्दिर निर्माण में दान देना, धार्मिक स्थलों पर भण्डारा करना, गरीबों की सहायता करना, तीर्थ स्थलों की यात्रा इत्यादि करेंगे।

- माता–पिता, गुरु, साधू, संन्यासी और अपने से बड़े लोगों का आशीर्वाद प्राप्त करें।
- मंदिर या धार्मिक स्थानों पर केला या बेसन के लड्डू वितरित करें।
- प्रत्येक दिन सूर्योदय के समय सूर्य को जल दें।
- अपने घर में स्फटिक श्रीयन्त्र की स्थापना कर उसके सामने नित्य देशी घी का दीपक जलाएं।

वार्षिक फलादेश - 2033

इस वर्ष शनि मिथुन राशि एवं एकादश भाव में रहेंगे। 30 जनवरी तक राहु तुला राशि एवं तृतीय भाव में रहेंगे उसके बाद कन्या राशि एवं द्वितीय भाव में प्रवेश करेंगे। 18 मार्च तक गुरु मकर राशि एवं छठे भाव में रहेंगे उसके बाद कुम्भ राशि एवं सप्तम भाव में प्रवेश करेंगे। 24 मार्च से 8 अक्टूबर तक मंगल वक्री होकर धनु राशि एवं पंचम भाव में रहेंगे।

व्यवसाय

कार्य व्यवसाय के लिए वर्ष का प्रारम्भ अच्छा नहीं रहेगा। परन्तु 18 मार्च से गुरु ग्रह का गोचर अनुकूल होने से समय अति उत्तम हो रहा है। आप अपने परिश्रम की बदौलत व्यावसायिक जीवन में उन्नति करेंगे। एकादशस्थ शनि के प्रभाव से आपके अंदर काम करने का जुनून होगा। यही आपके व्यावसायिक उन्नति का कारण बनेगा। अष्टम स्थान के केतु आपके कार्यों में कुछ रुकावट उत्पन्न कर सकते हैं।

आप अपने बौद्धिक बल के द्वारा अपने शत्रुओं पर विजय प्राप्त कर लेंगे। यदि आप किसी के साथ मिलकर कोई नया व्यापार प्रारम्भ करेंगे तो उसमें अच्छा लाभ होगा। अपने कार्य व्यवसाय में रिश्तेदारों के साथ साझेदारी न करें। नहीं तो उनके साथ संबंध खराब हो सकते हैं। नौकरी करने वालों के लिए यह वर्ष सामान्य रहेगा।

धन संपत्ति

वर्ष का प्रारम्भ आर्थिक रूप से चुनौतीपूर्ण रहेगा। द्वितीयस्थ राहु के कारण बीमारी दूर करने में संचित धन का व्यय हो सकता है। गुरु ग्रह का गोचर अशुभ होने से धनागम में रूकावट व आर्थिक तंगी का योग बना हुआ है। परन्तु 18 मार्च के बाद अचानक व्यापारिक उन्नति होने से आर्थिक स्थिति में सुधार होगा।

एकादश स्थान के शनि धनागम में वृद्धि करते रहेंगे। यह समय आपके लिए उपलब्धियों से भरा रहेगा। संपत्ति में निवेश करेंगे। पुराने ऋण इत्यादि से मुक्ति मिलेगी व तरक्की के द्वार खुलेंगे। व्यावसायिक उन्नति के लिए भी आप धन निवेश करेंगे। घरेलू सुख सुविधाओं पर भी आप अधिक खर्च करेंगे।

घर–परिवार, समाज

पारिवारिक मामलों के लिए यह वर्ष अच्छा नहीं रहेगा। द्वितीय स्थान

के राहु पारिवारिक माहौल में विषमता की स्थिति उत्पन्न करेंगे। अतः आपको पारिवारिक मामलों में बड़ी ही समझदारी से काम लेना होगा। परिवार के किसी सदस्य को लेकर मन में चिंता रह सकती है। छोटी–छोटी बातों पर झगड़ें या विवाद में न उलझें और अपनी वाणी पर पूर्ण नियंत्रण रखें, नहीं तो आपकी प्रतिक्रिया पारिवारिक वातावरण के लिए अच्छी नहीं होगी। मामा के साथ भी आपका संबंध अच्छा नहीं रहेगा।

18 मार्च से गुरु ग्रह का गोचर बहुत ही शुभ हो रहा है। उस समय धर्म पत्नी के साथ भावनात्मक लगाव में वृद्धि होगी। प्रेम संबंध बहुत ही मधुर होंगे। तृतीय स्थान पर गुरु ग्रह की दृष्टि के कारण सामाजिक पद प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। परिवार में मांगलिक कार्य होते रहेंगे।

संतान

वर्ष का प्रारम्भ संतान के लिए अच्छा नहीं रहेगा। छठे स्थान का गुरु आपकी संतान के लिए अच्छा नहीं है। शारीरिक कष्ट एवं मानसिक परेशानी बनी रहेगी। उनकी शिक्षा–दिक्षा में भी रूकावटें आ सकती हैं।

18 मार्च से गुरु ग्रह का गोचर अच्छा हो रहा है। अतः उस समय के बाद आपके बच्चों की उन्नति होगी। बच्चों के स्वास्थ्य से संबंधित किसी प्रकार की लपरवाही न करें। आपकी दूसरी संतान के लिए समय शुभ है। उसका चौमुखी विकास होगा।

स्वास्थ्य

वर्ष का प्रारम्भ स्वास्थ्य की दृष्टि से बहुत अच्छा नहीं है। वर्षारम्भ से ही कुछ न कुछ शारीरिक परेशानी बनी रहेगी। द्वितीयस्थ राहु के प्रभाव से मौसमजनित बीमारियों से भी ग्रस्त होंगे। आपको ऐसा लग सकता है कि आपकी शारीरिक ऊर्जा धीरे–धीरे करके कम हो रही है। रोग स्थान में गुरु ग्रह की स्थिति स्वास्थ्य के लिए अच्छी नहीं है। यदि पहले आप किसी बीमारी से पीड़ित हैं तो यह समय ज्यादा प्रभावित करने वाला है। शारीरिक कष्ट के साथ मानसित चिंता भी बनी रहेगी।

18 मार्च से लग्न स्थान पर गुरु ग्रह की दृष्टि शारीरिक व्याधियों को दूर कर आरोग्यता प्रदान करेगी। आपके अंदर सकारात्मक ऊर्जा का विकास होगा। आप अपने को पूर्ण रूप से स्वस्थ महसूस करेंगे। अपने खान–पान पर संयम रखें। सूर्योदय से पहले उठ कर टहलना और व्यायाम करना आपके लिए लाभप्रद रहेगा। शारीरिक आरोग्यता को अनुकून बनाने के लिए आप तुला दान भी कर सकते हैं।

Sample

करियर एवं प्रतियोगी परीक्षा

वर्ष की शुरुआत करियर एवं प्रतियोगिता परीक्षा के लिए श्रेष्ठ रहेगी। परीक्षार्थी अपने लक्ष्य में सफल रहेंगे। जो लोग नौकरी की तलाश में हैं उनको 18 मार्च के बाद मनोनुकूल नौकरी मिल सकती है। व्यावसायिक शिक्षा प्राप्त करने वाले विद्यार्थियों के लिए यह समय श्रेष्ठ है।

शिक्षार्थी इस समय योग्यता के अनुसार सफलता पाने में सफल रहेंगे। शिक्षा के क्षेत्र में विशेष बड़ी कोई अड़चन नहीं आयेगी। अध्ययन कार्यों में आपकी रूचि रहेगी। विदेशी भाषा सीखने की ओर आकर्षित होंगे। आपका उत्साह व साहस बना रहेगा।

यात्रा–तबादला

वर्षारम्भ में ही विदेश यात्रा के प्रबल योग बन रहे हैं। 18 मार्च से आप अपनी पत्नी के साथ दर्शनीय स्थलों की यात्रा का आनन्द प्राप्त करेंगे। व्यावसायिक यात्राओं से आपको लाभ होगा।

वर्षान्त में नौकरी करने वाले व्यक्तियों के स्थानान्तरण के योग बन रहे हैं। परन्तु यह बदलाव आपके लिए अनुकूल नहीं रहेगा। अष्टम स्थान पर राहु एवं शनि ग्रह की दृष्टि समुद्र के माध्यम से विदेश यात्रा करा सकती है।

धर्म कार्य एवं ग्रह शांति

वर्ष के प्रारम्भ में पूजा–पाठ में आपका मन कम ही लगेगा। अधिक आलस्यता के कारण आपका दैनिक पूजा–पाठ भी प्रभावित हो सकता है। 18 मार्च के बाद धार्मिक कार्यों में आपकी रुचि बढ़ेगी। मन्दिर जाना, योग करना, पूजा करना आपका नैसर्गिक गुण होगा। ईश्वर के प्रति आपका आकर्षण और बढ़ेगा।

- बेसन के लड्डू वीरवार के दिन विष्णु जी के मन्दिर में वितरित करें एवं गुरु ग्रह के मन्त्र का पाठ करें।
- शनिवार के दिन काली वस्तु का दान करें और प्रत्येक दिन शनि मन्त्र का पाठ करें।
- दुर्गा बीसा यन्त्र अपने घर में स्थापित करें एवं उसके सामने प्रत्येक दिन घी का दीपक जलाएं।

वार्षिक फलादेश - 2034

वर्ष के पूर्वार्द्ध में शनि मिथुन राशि एवं एकादश भाव में रहेंगे और 13 जुलाई को कर्क राशि एवं द्वादश स्थान में प्रवेश करेंगे। 12 अगस्त से पहले राहु कन्या राशि एवं द्वितीय भाव में रहेंगे और उसके बाद सिंह राशि एवं लग्न स्थान में प्रवेश करेंगे। वर्षारम्भ में गुरु कुम्भ राशि एवं सप्तम भाव में रहेंगे और 28 मार्च को मीन राशि एवं अष्टम भाव में प्रवेश करेंगे। मंगल ग्रह अपनी सरल गति से गोचर करेंगे।

व्यवसाय

वर्ष के पूर्वार्द्ध में आप कुछ विशेष करने वाले हैं। पराक्रम के बल पर अपनी व्यापारिक स्थिति को सुदृढ़ बनाएंगे। कार्य व्यवसाय में मित्रों व परिजनों से खूब मदद मिलेगी। आप महत्वपूर्ण व्यक्तियों के संपर्क में आएंगे। यदि साझेदारी में कोई व्यापार कर रहें है तो आपके लिए यह समय श्रेष्ठ रहेगा। कानून से जुड़े लोगो को अच्छा लाभ मिलेगा। 28 मार्च से गुरु ग्रह का गोचर प्रतिकूल हो रहा है। अतः उस समय के बाद कोई नया कार्य प्रारम्भ न करें।

जुलाई के बाद आपके कार्यों में गुप्त एवं प्रत्यक्ष शत्रुओं द्वारा रूकावटें डाली जा सकती हैं। आपके विरोधी बढ़ेंगे जिससे आप मानसिक रूप से अशान्त रह सकते हैं। कार्यक्षेत्र में आपका किसी से मतभेद हो सकता है। कार्यस्थल पर अपनी वाणी पर नियंत्रण रखना आपके लिए लाभप्रद रहेगा। पैसे के लेन–देन में सावधानी बरतें। किसी प्रकार का जोखिम मोल न लें नहीं तो व्यापार में हानि हो सकती है।

धन संपत्ति

वर्ष का प्रथम भाग आर्थिक दृष्टि से अच्छा रहने वाला है। एकादशस्थ शनि के कारण आर्थिक स्थिति और भी सुदृढ़ होने वाली है। विभिन्न स्रोतों से धन का आगमन होगा। शेयर बाजार से भी लाभ होने की संभावना है, परन्तु द्वितीयस्थ राहु के कारण अचानक कुछ व्यर्थ के खर्चे होते रहेंगे। अनावश्यक खर्चों पर नियंत्रण और भावनाओं पर काबू रखने की जरूरत है। व्यर्थ की चिंता करने की आवश्यकता नहीं है। वर्ष का पूर्वार्द्ध सम्पन्नता से गुजरेगा।

जुलाई के बाद द्वादश स्थान में शनि ग्रह की स्थिति आर्थिक उन्नति के लिए अच्छी नहीं है। आय कम एवं व्यय ज्यादा होने का योग बन रहा है। निवेश के मामले में सावधान रहें एवं जोखिम भरे कार्य में निवेश करने से बचें अन्यथा धन हानि हो सकती है। आप किसी को उधार पैसा न दें नहीं तो वापसी

की उम्मीद कम है। धोखा या आर्थिक नुकसान का सामना करना पड़ सकता है।

घर–परिवार, समाज

पारिवारिक मामलों के लिए वर्ष का पूवार्द्ध सामान्य रहने वाला है। द्वितीय स्थान का राहु प्रतिकूल होने के कारण आपको घरेलू मामलों में बड़ी ही समझदारी से काम लेना होगा। परिवार के किसी सदस्य को लेकर मन में चिंता रह सकती है। छोटी–छोटी बातों पर झगड़ा या विवाद में नही पड़ना चाहिए। मार्च के बाद अपने दांपत्य जीवन को सुखमय बनाए रखने के लिए आपको अपने जीवन साथी के साथ विशेष स्नेह व सहनशीलता से काम लेना होगा। एकादशस्थ शनि के कारण बड़े भाइ–बहनों के लिए समय काफी शुभ है।

वर्ष के उत्तरार्द्ध में ससुराल पक्ष के लोगों के साथ वैचारिक मदभेद होने की संभावना बन रही है। पिता के लिए यह समय अच्छा नहीं है परन्तु माता के लिए शुभ है। आपका एवं आपके जीवनसाथी का स्वास्थ्य अच्छा नहीं रहने सेघरेलू माहौल ठीक नहीं सकता है। सामाजिक प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। सामाजिक कार्य करने में आप हमेशा तत्पर रहेंगे।

संतान

वर्षारम्भ संतान के लिए उत्तम रहेगा। उनके विषय में शुभ समाचार प्राप्त होंगे। शिक्षा के क्षेत्र में भी अच्छी प्रगति होने के शुभ योग बनेंगे। उनके पराक्रम में भी वृद्धि होगी परंतु उसके बावजूद भी आपकी चिंताएं बनी रहेंगी।

28 मार्च से गुरु ग्रह का गोचर प्रतिकूल होने के कारण यह समय आपके बच्चों के लिए अच्छा नहीं रहेगा। उनको स्वास्थ्य संबंधी परेशानियां आ सकती हैं। अतः उनके स्वास्थ्य पर ध्यान देना लाभप्रद रहेगा। दूसरे संतान के लिए भी यह वर्ष ज्यादा अच्छा नहीं है।

स्वास्थ्य

वर्ष का प्रारम्भ स्वास्थ्य की दृष्टि से बढ़िया रहेगा। आप रोग–मुक्त रहने वाले हैं खान–पान पर विशेष ध्यान देंगे और अपने स्वास्थ्य को अनुकूल बनाए रखेंगे। परन्तु 28 मार्च के बाद कुछ न कुछ शारीरिक परेशनी उत्पन्न हो सकती है। मौसमजनित बीमारियों से भी आप परेशान होते रहेंगे।

जुलाई के बाद द्वादश स्थान का शनि धीरे–धीरे आपकी शारीरिक ऊर्जा कम कर सकता है, जिससे आप अपने को कमजोर व बीमार महसूस कर सकते हैं। मसालेदार और तेल वाले आहार के प्रति आपकी रुचि बढ़ेगी, इसे

नियंत्रित करने की कोशिश करें। नहीं तो पेट संबंधित तकलीफें बढ़ सकती हैं। लग्न स्थान का राहु अचानक आपको बीमार कर सकता है। अतः राहु ग्रह की शान्ति स्वास्थ्य के लिए लाभप्रद रहेगी।

करियर एवं प्रतियोगी परीक्षा

वर्ष के पूर्वार्द्ध में प्रतियोगिता परीक्षार्थी अपने लक्ष्य में सफलता प्राप्त करेंगे। एकादशस्थ शनि के प्रभाव से शत्रुओं पर आपका प्रभाव बढ़ेगा और आपके समस्त विरोधी शान्त होंगे। व्यावसायिक शिक्षा, औषधि क्षेत्र, कम्प्यूटर साईंस, सिविल सर्विसेज से जुड़ लोगों को सफलता मिलेगी।

यदि आप नौकरी करते हैं तो साल का उत्तरार्द्ध कुछ खास अच्छा नहीं रहेगा। लोग आपके विरूद्ध षड्यंत्र भी बना सकते हैं। बेवजह आपके ऊपर आरोप भी लगाये जा सकते हैं, जिससे आप काफी तनाव महसूस करेंगे। यदि आप विदेश में अपना करियर बनाना चाहते हैं तो यह समय आपके लिए अनुकूल है और आपको अच्छी सफलता मिलेगी।

यात्रा–तबादला

वर्ष का पूर्वार्द्ध यात्रा के लिए सामान्य रहेगा। ऑफिस व व्यवसाय से संबंधित छोटी–मोटी यात्राएं होंगी। मार्च के बाद घर से दूर रहने वाले व्यक्ति अपनी जन्मभूमि की यात्रा करेंगे।

जुलाई के बाद द्वादश के शनि आपको विदेश यात्रा करा सकते हैं। किसी भी प्रकार की यात्रा करते समय या वाहनादि चलाते समय सावधान रहें नहीं दुर्घटना हो सकती है। क्योंकि चोट चपेट की प्रबल सम्भावना बन रही है।

धर्म कार्य एवं ग्रह शांति

वर्ष के प्रारम्भ में लग्न स्थान पर गुरु ग्रह की दृष्टि धार्मिक कार्यों के लिए बहुत ही शुभ है। ईश्वर की भक्ति में आपका अटूट विश्वास होगा। आप अपनी धर्मपत्नी के साथ सभी धार्मिक कार्यों में संलग्न रहेंगे। धर्म से जुड़े सभी पर्वों को हंसी खुशी के साथ मनाएंगे। वर्ष के उत्तरार्द्ध में आप दान–पुण्य अधिक करेंगे। अष्टमस्थ गुरु के प्रभाव से गुप्त विद्याओं या तान्त्रिक सिद्धियों के प्रति भी आपका आकर्षण बढ़ेगा।

- गुरुवार के दिन केला गरीबों में दान करें एवं केले के वृक्ष की पूजा करें।
- शनि ग्रह का अशुभ प्रभाव शान्त करने के लिए शनि यन्त्र अपने पूजा घर में

स्थापित कर उसकी पूजा करें।

- मदिरा और नशीले पदार्थों का सेवन बिल्कुल न करें।
- आठ मुखी रुद्राक्ष धारण करें। ऊँ नमः शिवाय मन्त्र का प्रत्येक दिन पाठ करें।

वार्षिक फलादेश - 2035

इस वर्ष कर्क राशि का शनि द्वादश भाव में और सिंह राशि का राहु लग्न स्थान में रहेंगे। 5 अप्रैल तक गुरु मीन राशि एवं अष्टम भाव में रहेंगे और उसके बाद मेष राशि एवं नवम भाव में प्रवेश करेंगे। 21 जुलाई से 9 सितम्बर तक वक्री मंगल मीन राशि एवं अष्टम भाव में रहेंगे।

व्यवसाय

व्यावसायिक जीवन के लिए वर्ष का प्रारम्भ अच्छा नहीं रहेगा। मुख्यतः सारे ग्रह प्रतिकूल होने के कारण आप व्याकुल हो सकते हैं। गुप्त शत्रुओं द्वारा आपके कार्यों में रुकावटें डाली जा सकती हैं। ऐसे में आपको बड़ी सावधानी से काम लेना चाहिए। जल्दबाजी में कोई निर्णय न लें। गैरकानूनी तरीकों से धन कमाने की कोशिश न करें वरना कानूनी वाद–विवाद में फंस सकते हैं। अर्जित की हुई संपत्ति को व्यर्थ में न गवाएं, सभी प्रकार के वित्तीय मामलों में पारदर्शिता बरतें। हालांकि 6 अप्रैल के बाद समय कुछ अनुकूल हो रहा है।

इस वर्ष आप कोई नया कार्य व्यवसाय प्रारम्भ न करें नहीं तो उस में आपको हानि हो सकती है। पहले से चले आ रहे कार्यों को सुचारु रूप से चलाते रहें। उसमें आपको सफलता मिल सकती है। नवमस्थ गुरु ग्रह के प्रभाव से अनुभवी लोगों का सफलता मिलेगी। जो लोग शेयर बाजार या रीयल एस्टेट से जुड़े हैं, उनको थोड़ा बहुत लाभ मिल सकता है।

धन संपत्ति

आर्थिक रूप से यह साल आपके लिए अच्छा नहीं रहेगा। जितना लाभकारी होगा उतना ही चुनौतीपूर्ण भी होगा। साल की शुरुआत में निवेश से सम्बन्धित योजनाओं पर ध्यान न दें और अपने दस्तावेज भी संभाल कर रखें। हड़बड़ी में कोई भी कार्य न करें नहीं तो आर्थिक हानि हो सकती है। निवेश व आर्थिक निर्णय लेते समय सतर्क रहें व जल्दबाजी न करें। इस अवधि में सकारात्मक बने रहना आपके लिए लाभप्रद रहेगा।

अधिक सतर्कता बरतने की जरूरत है। जितना ज्यादा हो सके धन की बचत करने की कोशिश करें और फिजूल के खर्चों पर नियंत्रण रखें। तृतीय स्थान पर शनि ग्रह की दृष्टि के कारण कोई करीबी ही आपको दगा दे सकता है। ऐसे लोगों से बचने के लिए किसी भी प्रकार के वित्तीय लेनदेन में पूरी सावधानी बरतें। यदि वह आपसे उधार मांग रहा हो तो बेहद ही सावधान रहें। जोखिम भरा निवेश करने से बचें।

घर–परिवार, समाज

पारिवारिक जीवन के लिए यह वर्ष अच्छा नहीं रहेगा। अधिक भागदौड़ के कारण परिजनों को अधिक समय नहीं दे पाएंगे। गृहस्थ जीवन की बात करें तो पारिवारिक सदस्यों के साथ कुछ तर्क–वितर्क होने की संभावना नजर आ रही है। हालाँकि समझदारी से इसे टाला जा सकता है। अप्रैल के बाद आपके छोटे भाई बहनों के साथ संबंध अच्छा रहेगा। आपके माता पिता जी के लिए यह समय काफी शुभ है। परन्तु आपकी धर्मपत्नी के स्वास्थ्य में उतार–चढ़ाव की स्थिति बनी रहेगी।

6 अप्रैल से गुरु ग्रह का गोचर अनुकूल होने के कारण आपके पारिवारिक एवं सामाजिक पद व प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। समाज में आपका मान–सम्मान बढ़ेगा। जन कल्याण के लिए आप कोई विशेष कार्य संपन्न करेंगे। समाज में आपका सम्मान और बढ़ेगा। आपको बच्चों का भी अच्छा सहयोग मिलेगा।

संतान

वर्ष का प्रारम्भ संतान के लिए अच्छा नहीं है। अष्टम स्थान का गुरु संतान संबंधित चिंताएं दे सकता है। गर्भवती स्त्रियों को बड़ी सावधानी से से रहना चाहिए नहीं तो गर्भपात हो सकता है।

6 अप्रैल के बाद गुरु ग्रह का गोचर अनुकूल होने के कारण आपके बच्चों के स्वास्थ्य में सुधार आएगा। संतान के साथ संबंधों में मधुरता आएगी, जिससे घरेलू वातावरण में भी सुधार होगा। यदि आप अपने बच्चों को प्रोत्साहित करते रहे तो वे अपने लक्ष्य को अवश्य प्राप्त कर लेंगे। अतः आप उनकी सकारात्मक सोच में वृद्धि करते रहें।

स्वास्थ्य

स्वास्थ्य की दृष्टि से यह वर्ष अच्छा नहीं रहेगा। लग्नस्थ राहु के कारण स्वास्थ्य संबंधित चिंताएं बनी रहेंगी। मौसमजनित बीमारियों से आप परेशान होते रहेंगे। दुर्घटना या किसी प्रकार के शारीरिक कष्ट का सामना करना पड़ सकता है। साथ ही अष्टमस्थ गुरु के प्रभाव से मोटापा एवं लीवरजनित बीमारियों से परेशानी हो सकती है। 6 अप्रैल से लग्न स्थान पर गुरु ग्रह की दृष्टि प्रभाव से आपकी शारीरिक आरोग्यता अनुकूल रहेगी।

अपना स्वास्थ्य अनुकूल रखने के लिए खान–पान एवं दिनचर्या में भी सुधार करना होगा। सुबह–सुबह व्यायाम या योगा करना आपके लिए लाभप्रद रहेगा। यदि आपने स्वास्थ्य पर ध्यान नहीं दिया तो आपका स्वास्थ्य ज्यादा

प्रतिकूल हो सकता है। अतः स्वास्थ्य संबंधित किसी प्रकार की लापरवाही न बरतें। आँखों में समस्या हो सकती है और चश्मा भी लग सकता है। जिन लोगों को पहले ही चश्मा लग चुका है उनके चश्मे का नम्बर बढ़ सकता है।

करियर एवं प्रतियोगी परीक्षा

करियर एवं प्रतियोगिता के लिए यह वर्ष मिला–जुला रहेगा। माध्यमिक शिक्षा ग्रहण कर रहे शिक्षार्थियों के लिये भ्रम और असमंजसता की स्थिति बनी रहेगी। विदेशी भाषा सीखने वाले विद्यार्थियों के लिए यह साल बहुत ही शुभ रहेगा।

प्रतियोगिता परीक्षार्थियों को कठिन परिश्रम के बाद सफलता मिलेगी। शत्रुओं को परास्त करने के लिये आपको अत्यधिक परिश्रक करना पड़ेगा।

यात्रा–तबादला

विदेश यात्रा के लिए वर्ष प्रारम्भ बहुत ही श्रेष्ठ है। अष्टम स्थान का गुरु प्राचीन दर्शनीय स्थलों या सामुद्रिक स्थलों की यात्रा करा सकता है। 6 अप्रैल के बाद आपकी लम्बी यात्राएं होंगे।

नवमस्थ गुरु के कारण आप धार्मिक यात्रा भी अधिक करेंगें। इन यात्राओं के अंतराल में आपकी किसी के साथ मित्रता भी हो सकती है। यह मित्रता आपके लिए लाभप्रद रहेगी।

धर्म कार्य एवं ग्रह शांति

वर्ष का प्रारम्भ धार्मिक कार्यों के लिए अच्छा नहीं है। आपके समस्त धार्मिक कार्यों में व्यवधान उत्पन्न होंगे। आपका मन एकाग्र नहीं रहेगा, जिससे आप पूजा–पाठ, यज्ञ, अनुष्ठान आदि क्रियाएं कम ही कर पाएंगे। 6 अप्रैल के बाद धार्मिक कार्यों के प्रति आपका आकर्षण बढ़ेगा। आपके दैनिक पूजा–पाठ व दिनचर्या में सुधार होगा। गरीबों को खाना खिलाने या उनकी सहायता करने में आपको संतुष्टि मिलेगी।

- पीली दाल, केला व बेसन की मिठाई मंदिर में दान करें एवं गुरुवार का व्रत करें।
- शनिवार के दिन गरीबों को काला कम्बल दान करें।
- अपने वजन के बराबर अन्न दान करें जिसके प्रभाव से शारीरिक व्याधियां दूर होंगी।

- आठ मुखी रुद्राक्ष धारण करें। जिससे राहु ग्रह का दुष्प्रभाव समाप्त होगा।

वार्षिक फलादेश - 2036

वर्ष के पूर्वार्द्ध में शनि कर्क राशि एवं द्वादश भाव में रहेंगे और 27 अगस्त को सिंह राशि एवं लग्न स्थान में प्रवेश करेंगे। 13 अप्रैल तक राहु सिंह राशि एवं लग्न स्थान में रहेंगे और उसके बाद कर्क राशि एवं द्वादश भाव में प्रवेश करेंगे। वर्षारम्भ में मेषस्थ गुरु नवम भाव में रहेंगे और 15 अप्रैल को वृष राशि एवं दशम भाव में प्रवेश करेंगे और अतिचारी होकर 9 सितम्बर को मिथुन राशि एवं एकादश भाव में प्रवेश करेंगे और पुनः वक्री होकर 17 नवम्बर को वृष राशि एवं दशम भाव में आ जाएंगे।

व्यवसाय

कार्य व्यवसाय की दृष्टि से वर्ष का प्रारम्भ अच्छा नहीं रहेगा। व्यापार में सफलता प्राप्ति के लिए आपको लगातार प्रयास करना पड़ेगा। राहु एवं शनि ग्रह का गोचर प्रतिकूल होने के कारण कुछ प्रतिद्वंदी आपके कार्यों में रुकावट डाल सकते हैं। आपके कार्यों में अचानक हानि या कोई बड़ी समस्या आ सकती है, जिससे आप परेशान हो सकते हैं। परन्तु नवमस्थ गुरु के कारण आपका भाग्य साथ देगा और आप सभी समस्याओं का समाधान निकाल लेंगे।

अप्रैल के बाद कोई नया कार्य प्रारम्भ न करें नहीं तो आपका पैसा फंस सकता है। व्यापार में किसी पर अवश्यकता से ज्यादा विश्वास न करें नही तो हानि हो सकती है। 27 अगस्त के बाद नौकरी करने वाले व्यक्तियों का पदोन्नति के साथ स्थानान्तरण भी होगा। यह तबादला आपके अनुकूल स्थान पर भी हो सकता है। भूमि से सम्बन्धित कार्य करने वाले व्यक्तियों को लाभ प्राप्त होगा।

धन संपत्ति

आर्थिक दृष्टिकोण से यह वर्ष सामान्य फलदायक रहेगा। धनागम तो होगा परन्तु अधिक खर्च होने के कारण बचत नहीं कर पाएंगे। रोग बीमारी इत्यादि में आपका व्यय ज्यादा होगा। द्वादश स्थान का शनि अनावश्यक खर्च भी बढ़ा सकता है। अतः अपने खर्चे पर अंकुश लगाएं।

अप्रैल के बाद द्वितीय एवं चतुर्थ स्थान पर गुरु ग्रह की दृष्टि प्रभाव से भूमि, भवन, वाहन के साथ रत्न आभुषण इत्यादि की प्राप्ति हो सकती है। अपने परिवार के सदस्यों तथा रिश्तेदारों के मांगलिक कार्यों में धन का व्यय होगा। यदि कोई बड़ा निवेश करना पड़े तो उस क्षेत्र से जुड़े अनुभवी व्यक्तियों की सलाह अवश्य लें। यदि पैतृक संपत्ति पर कोई वाद–विवाद चल रहा हो तो फैसला आपके प्रतिकूल हो सकता है।

घर–परिवार, समाज

पारिवारिक दृष्टि से वर्ष का प्रारम्भ अधिक अनुकूल नहीं है। व्यावसायिक व्यस्तता के चलते घर में अधिक समय दे पाना मुश्किल हो सकता है। कुछ विषम परिस्थितियां भी निर्मित होंगी अतः अच्छा यही होगा कि विपरीत परिस्थितियों का सामना करने के लिए आप अपने अंदर प्रतिरोधात्मक शक्ति विकास करें। आपके ईष्ट मित्र भी अपने वादों से मुकर सकते हैं और उनसे आपका मतभेद हो सकता है। माता का स्वास्थ्य खराब हो सकता है।

15 अप्रैल के बाद पारिवारिक रूप से समय काफी अनुकूल हो जाएगा। आपको परिवार के बड़े सदस्यों का सहयोग प्राप्त होगा, जिससे आपको मानसिक प्रसन्नता प्राप्त होगी और परिवार के प्रति आपका आकर्षण भी बढ़ेगा। माता पिता के लिए यह समय अच्छा रहेगा। परन्तु आपके ससुराल पक्ष के लिए समय अच्छा नहीं है। उनके साथ आपके संबंध भी खराब हो सकते हैं।

संतान

संतान की दृष्टि से वर्ष का प्रारम्भ बहुत अनुकूल रहेगा। पंचम स्थान पर गुरु की दृष्टि आपके बच्चों के लिए बहुत ही शुभ है। उनके उन्नति के बन्द सारे मार्ग खुलेंगे और आपके बच्चों का चौमुखी विकास होगा।

आपके दूसरे बच्चे के लिए समय अच्छा नहीं है। अतः उसको स्वास्थ्य संबंधित परेशानी बनी रहेगी, जिससे उनकी शिक्षा–दीक्षा व उन्नति में व्यवधान आ सकता है।

स्वास्थ्य

वर्ष के प्रारम्भ में स्वास्थ्य अच्छा रहेगा। नवमस्थ गुरु की पंचम दृष्टि लग्न पर होगी उसके प्रभाव से शारीरिक आरोग्यता की प्राप्ति व कार्य क्षमताओं में वृद्धि के प्रबल संकेत हैं। लग्न स्थान में शुभ प्रभाव के कारण सकारात्मक सोच में वृद्धि होगी। परन्तु अप्रैल के बाद संक्रामक बीमारियों की चपेट में आ सकते हैं।

राहु एवं शनि ग्रह का गोचर प्रतिकूल होने के कारण रक्तचाप, वायु विकार व पित्त विकार आदि रोगों की संभावना हो सकती है। अत्यधिक आलस्यता के कारण आप स्वस्थ रहते हुए भी बीमार जैसा अनुभव करेंगे। यदि आपने स्वास्थ्य पर ध्यान नहीं दिया तो किसी बड़ी बीमारी की चपेट में आ सकते हैं। ऐसी स्थिति में आपको दवा से ज्यादा दुआ की आवश्यकता होगी।

करियर एवं प्रतियोगी परीक्षा

विद्यार्थियों के लिए वर्ष का प्रारम्भ अत्यधिक अनुकूल है। पंचम स्थान पर गुरु की दृष्टि विद्यार्थियों के लिए बहुत अच्छा योग बना रही है। शिक्षा के क्षेत्र में अच्छी उन्नति करेंगे। उच्च शिक्षा प्राप्ति के लिए अच्छे शैक्षणिक संस्थान में आपका प्रवेश मिल सकता है।

अत्यधिक भोजन एवं आलस्य से बचें। विद्याध्ययन में एकाग्रता बढ़ाने के लिए गुरुवार के दिन उपवास करें। 27 अगस्त के बाद शिक्षा प्राप्ति में व्यवधान आ सकता है। जो व्यक्ति नौकरी की तलाश में हैं उनको कुछ दिन और इंतजार करना पड़ सकता है।

यात्रा–तबादला

वर्ष के प्रारंभ में छोटी–मोटी यात्राएं होती रहेंगी। नवमस्थ गुरु के कारण लम्बी यात्रा का प्रबल योग बन रहा है। इन यात्राओं से भाग्योन्नति भी होगी। इस यात्रा के दौरान आपकी किसी के साथ मित्रता भी हो सकती है।

अप्रैल के बाद द्वादश स्थान में राहु एवं शनि ग्रह की युति विदेश यात्रा का प्रबल योग बना रही है। नौकरी वाले व्यक्तियों का स्थानान्तरण हो सकता है। यह परिवर्तन आपके घर के पास हो सकता है। यात्रा करते समय या वाहन चलाते समय सावधानी अत्यधिक जरूरी है। क्योंकि यात्रा के अंतराल में दुघर्टना का भी योग बन रहा है।

धर्म कार्य एवं ग्रह शांति

वर्षारम्भ में नवमस्थ गुरु के कारण आप कोई विशेष पूजा–पाठ, यज्ञ, अनुष्ठान संपन्न करेंगे। अप्रैल के बाद आप दान पुण्य अधिक करेंगे। आप मानसिक रूप से संतुष्ट रहेंगे। आपके मन में नैसर्गिक रूप से आध्यात्मिक ज्ञान के प्रति रुचि बढ़ेगी, जिससे परमात्मा के प्रति आत्मसमर्पण का भाव उत्पन्न होगा। आध्यात्मिक ज्ञान के कारण आपको अलौकिक आनन्द की प्राप्ति होगी।

- प्रत्येक मंगलवार के दिन हनुमान जी को चोला चढाएं व हनुमान चालीसा का पाठ करें।
- शनिवार के दिन काली वस्तु का दान करें व गरीबों को लोहे का तवा दान करें।
- दुर्गा बीसा व आठ मुखी रुद्राक्ष धारण करें।

वार्षिक फलादेश - 2037

इस वर्ष शनि सिंह राशि एवं लग्न स्थान में रहेंगे। 19 अक्टूबर तक राहु कर्क राशि एवं द्वादश भाव में रहेंगे और उसके बाद मिथुन राशि एवं एकादश भाव में प्रवेश करेंगे। वर्षारम्भ में गुरु वृष राशि एवं दशम भाव में रहेंगे। 26 अप्रैल को मिथुन एवं एकादश भाव में प्रवेश करेंगे और अतिचारी होकर 16 सितम्बर को कर्क राशि एवं द्वादश भाव में प्रवेश करेंगे। 29 अगस्त से 28 नवम्बर तक वक्री मंगल वृष राशि एवं दशम भाव में रहेंगे।

व्यवसाय

कार्य व्यवसाय की दृष्टि से यह वर्ष अधिक अनुकूल नहीं रहेगा। शनि एवं राहु ग्रह का गोचर प्रतिकूल होने के कारण नौकरी में परिवर्तन व व्यवसाय में व्यवधान आने की संभावना बना रहा है। यदि किसी के साथ मिलकर व्यापार कर रहे हैं तो आप अपने भागीदार से असंतुष्ट रहेंगे। इस समय के अंतराल में कोई नया कार्य प्रारम्भ न करें नहीं तो जिम्मेदारियों का बोझ बढ़ेगा। व्यवसाय/नौकरी व निवेश संबंधी मामलों में जल्दबाजी में जोखिम भरा निर्णय लेना घातक होगा।

अप्रैल के बाद गुरु का गोचर किंचित शुभ हो रहा है। अतः व्यापार व नौकरी में कुछ सुधार होगा। शेयर बजार से जुड़े जोगो को लाभ मिलेगा। क्रय विक्रय, व खाद्य पदार्थ का व्यवसाय करने वाले व्यक्तियो को सावधान रहना चाहिए नही तो हानि हो सकती है।

धन संपत्ति

आर्थिक दृष्टिकोण से यह वर्ष मिला जुला रहेगा। धनागम तो होगा परन्तु पारिवारिक खर्च अधिक होने के कारण बचत नहीं कर पाएंगे। आप अपनी भौतिक सुख सुबिधा पर अधिक खर्च करेंगे। द्वितीय एवं चतुर्थ स्थान पर गुरु ग्रह की दृष्टि प्रभाव से आपको भूमि, भवन, वाहन एवं रत्नादि वस्तुओं की प्राप्ति हो सकती है। अप्रैल के बाद आय के स्रोत बढ़ेंगे। रुके हुए व फंसे हुए पैसे मिलेंगे।

16 सितम्बर से आप का समय प्रभावित हो रहा है। मुख्यतः ग्रहों का गोचर प्रतिकूल होने के कारण आर्थिक हानि का योग बन रहा है। इस समय आपको खर्चों पर नियंत्रण और भावनाओं पर काबू रखने की जरूरत है। अचानक परिवार में कुछ ऐसे खर्चे आ सकते हैं, जिससे आपको आर्थिक कमी का एहसास हो सकता है। अतः इस समय के अंतराल में आपको सावधान रहना चाहिए।

घर–परिवार, समाज

पारिवारिक दृष्टिकोण से वर्ष का प्रारम्भ अनुकूल रहेगा। द्वितीय एवं चतुर्थ स्थान पर गुरु ग्रह की दृष्टि प्रभाव से आपके परिवार में सुख शान्ति का वातावरण बना रहेगा। आपको माता पिता सहित पूरे परिवार का सहयोग मिलेगा, जिससे आपके व्यक्तित्व में निखार व चमक पैदा होगी। अप्रैल के बाद आपको प्रेम प्रसंगो में भी सफलता प्राप्त होगी। सप्तम स्थान पर शनि एवं गुरु ग्रह के संयुक्त दृष्टि प्रभाव से धर्मपत्नी के साथ आपके संबंध मधुर होंगे। आपके भाईयों की उन्नति होगी। सामाजिक प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। आप सामाजिक कल्याण के लिए कुछ विशेष कार्य संपन्न करेंगे, जिससे आपकी ख्याति समाज में और बढ़ेगी।

16 सितम्बर से आपका पारिवारिक माहौल प्रभावित हो सकता है। अचानक आपकी धर्म पत्नी का स्वास्थ्य खराब हो सकता है। कुछ लोगों का व्यवहार आपको अच्छा नहीं लगेगा। फिर भी आपको उन लोगों के साथ स्नेह व प्रेम बनाए रखना पड़ेगा। माँ के साथ कुछ नाराजगी हो सकती है तथा उन्हें स्वास्थ्य संबंधी भी कुछ परेशानियाँ हो सकती हैं। अतः उनका समुचित ख्याल रखें और व्यवहारों में संयम बरतें।

संतान

संतान की दृष्टि से वर्ष का प्रारम्भ सामान्य रहेगा। आपके बच्चे अपने परिश्रम के बल पर आगे बढ़ेंगे। आपकी दूसरे संतान के लिए यह समय अच्छा नहीं है। उसको स्वास्थ्य संबंधित परेशानी हो सकती है। अतः उसके स्वास्थ्य पर ध्यान देना लाभप्रद रहेगा।

26 अप्रैल के बाद समय काफी शुभ हो रहा है। नवविवाहित व्यक्तियों को संतान रत्न की प्राप्ति होगी। आपके बच्चों की उन्नति होगी। प्रथम संतान के विषय में शुभ समाचार प्राप्त होंगे। शिक्षा के क्षेत्र में भी अच्छी प्रगति करेंगे। परन्तु सितम्बर के बाद समय प्रभावित हो रहा है। अतः इस समय के अंतराल उन पर ज्यादा ध्यान देना आपके लिए लाभ प्रद रहेगा।

स्वास्थ्य

इस वर्ष आपके स्वास्थ्य में उतार–चढ़ाव काफी देखने को मिलेंगे। खासकर जोड़ों में दर्द, सिर में दर्द, मानसिक चिंता एवं वायु संबंधी समस्या हो सकती है। अतः स्वास्थ्य को लेकर किसी प्रकार की लापरवाही न करें अन्यथा स्वास्थ्य ज्यादा प्रतिकूल हो सकता है। शनि की सप्तम भाव पर दृष्टि के फलस्वरूप व्यापारिक कारणों या अपने निजी कारणों की वजह से मानसिक तनाव हो सकता है। मौसमजनित बीमारियों से आप प्रभावित रह सकते हैं। आपको अपने

अन्दर कमजोरी जैसा अनुभव होगा।

अप्रैल के बाद आपके स्वास्थ्य में कुछ सुधार होगा। परन्तु गुरु ग्रह का गोचर अनुकूल होने के कारण आप मोटापे का शिकार हो सकते हैं, क्योंकि आप खान–पान पर विशेष ध्यान देंगे। मसालेदार और तेल वाले आहार के प्रति आपकी रुची बढ़ेगी। इसे नियंत्रित करने की कोशिश करें। आलस्य का त्याग कर स्फूर्तिवान बनें। आपके लिए लाभप्रद रहेगा।

करियर एवं प्रतियोगी परीक्षा

यह वर्ष आपके लिए सामान्यतः मिला जुला रहेगा। लग्न स्थान में शनि का गोचर प्रतिकूल होने के कारण आलस्यता व दीर्घसूत्रता आपके उन्नति में बाधक बन सकती है। अतः समय के सदुपयोग के साथ मन को एकाग्र कर अपने लक्ष्य के प्रति केन्द्रित करना आपके लिए लाभ प्रद रहेगा।

26 अप्रैल के बाद समय विद्यार्थियों के लिए उच्च शिक्षा प्राप्ति हेतु उत्तम है। जो विद्यार्थी किसी नये कॉलेज में प्रवेश परीक्षा की तैयारी कर रहे हैं उन्हें मनोनुकूल अच्छे कॉलेज में दाखिला मिल जाएगा। यदि गूढ़ विज्ञान और मनोविज्ञान में आपकी रुचि है तो उनके लिए समय अनुकूल है। सितम्बर के बाद यदि शिक्षा के संदर्भ में कोई लुभावना प्रस्ताव मिल रहा है तो सावधान रहिए, क्योंकि शनि एवं गुरु ग्रह का गोचर अनुकूल नहीं होने कारण आपको धोखा मिल सकता है।

यात्रा–तबादला

लग्न में शनि की स्थिति यात्रा में विलंब या किसी प्रकार की कठिनाई का कारण बनेगी। छोटी–मोटी यात्राएं प्रभावित होंगी। परन्तु द्वादश स्थान के राहु विदेश यात्रा के प्रबल योग बना रहे हैं। अपने घर से दूर रहने वाले व्यक्तियों की अप्रैल के बाद जन्म भूमि की यात्रा होगी।

26 अप्रैल के बाद सप्तम स्थान पर गुरु एवं शनि ग्रह की संयुक्त दृष्टि व्यवसाय संबंधित यात्रा भी करा सकती है। इस वर्ष आपकी पूर्व निर्धारित कोई यात्रा नहीं होगी। मुख्यतः सारी यात्राएं अचानक होंगी। इन यात्राओं से आपको अच्छा लाभ मिलेगा।

धर्म कार्य एवं ग्रह शांति

धार्मिक कार्यों के लिए यह वर्ष अच्छा नहीं रहेगा। लग्न स्थान का शनि धार्मिक कार्यों में अरुचि उत्पन्न कर सकता है, जिससे आपका दैनिक पूजा पाठ भी प्रभावित होगा। तन्त्र, यन्त्र व सिद्धि के प्रति आपका रुचि बढ़ेगी। 26 अप्रैल के बाद आपके अंदर ईश्वर के प्रति विश्वास बढ़ेगा, जिससे आप निःस्वार्थ भाव से भगवान की पूजा करेंगे। सुबह शाम मन्दिर जाना व पूजा पाठ करना आपका नैसर्गिक गुण होगा। वर्षान्त में आप दान पुण्य भी अधिक करेंगे।

- राहु मन्त्र का पाठ करें व शनिवार के दिन काले कुत्ते को रोटी खिलाएं।
- अमावस्या तिथि को विद्वान ब्राह्मण को भोजन कराएं।
- प्रत्येक दिन हनुमान चालीसा का पाठ करें व मंगलवार के दिन हनुमान जी को चोला चढ़ाएं।
- अपने घर में पारद शिवलिंग की स्थापना करें और सुबह सुबह उसका दर्शन करें।

वार्षिक फलादेश - 2038

इस वर्ष राहु मिथुन राशि एवं एकादश भाव में रहेंगे। 22 अक्टूबर तक शनि सिंह राशि एवं लग्न स्थान मे रहेंगे और उसके बाद कन्या राशि एवं द्वितीय भाव में गोचर करेंगे। वर्षारम्भ में गुरु कर्क राशि द्वादश भाव में रहेंगे और वक्री होकर 17 जनवरी को मिथुन राशि एवं एकादश भाव में गोचर करेंगे और पुनः मार्गी होकर 11 मई को कर्क राशि एवं द्वादश भाव में आ जाएंगे और अतिचारी होकर 7 अक्टूबर को सिंह राशि एवं लग्न स्थान में प्रवेश करेंगे।

व्यवसाय

कार्य व्यवसाय की दृष्टि से यह वर्ष सामान्यतः श्रेष्ठ रहेगा। वर्षारम्भ में एकादश स्थान का गुरु व्यापार में उन्नति का योग बना रहा है। आपको भाईयों का अच्छा सहयोग मिलेगा। यदि आप साझेदारी में व्यावसाय कर रहे हैं तो अपने साझेदार से संतुष्ट रहेंगे। अनुभवी लोगों व वरिष्ठ अधिकारियों का अच्छा सहयोग मिलेगा। जिसके प्रभाव से कार्यक्षेत्र में उन्नति के मार्ग प्रशस्त होंगे। मई के बाद समय कुछ प्रभावित होगा। अतः इस समय के अंतराल में आप कोई नया कार्य प्रारम्भ करेंगे।

गुरु एवं शनि ग्रह का गोचर प्रतिकूल होने के कारण कोई गुप्त शत्रु आपके प्रति किसी प्रकार का षड्यन्त्र या कोई बड़ी समस्या उत्पन्न कर सकता है। इन समस्याओं के बीच आप अपने को पूर्ण रूप से फंसा हुआ महसूस करेंगे। फिर भी आप अपने बौद्धिक बल के द्वारा सभी समस्याओं का समाधान निकालने की कोशिश करेंगे और अक्टूबर के बाद काफी हद तक सफल भी रहेंगे। उस समय आपके कार्य व्यवसाय में अच्छी सफलता मिलेगी।

धन संपत्ति

आर्थिक रूप से वर्ष का प्रारम्भ उत्तम रहेगा। धनागम में निरंतरता बनी रहेगी। धनार्जन करने में आपको भाई व धर्मपत्नी का अच्छा सहयोग मिलेगा। परिवार में मांगलिक कार्य सम्पन्न होंगे उसमें भी आपका पैसा खर्च हो सकता है। परन्तु मई के बाद समय प्रतिकूल हो रहा है। अतः उस समय के अंतराल में कोई बड़ा निवेश न करें व धन के लेन देन में सावधान रहें नही तो आर्थिक हानि हो सकती है।

गुरु एवं शनि ग्रह का गोचर प्रतिकूल होने के कारण अनावश्यक खर्चे बढ़ेंगे, जिससे संचित धन में कमी आ सकती है। जोखिम भरे कार्यों में धन निवेश न करें। शीघ्र पैसा कमाने वाले तरीकों पर अंकुश लगाएं। धन के मामले में किसी

पर बहुत जल्दी विश्वास न करें। घर में रोगों की अधिकता होगी जिसके निवारण में धन का व्यय होगा। अक्टूबर के बाद समय और ज्यादा प्रभावित हो रहा है। अतः उस समय रिश्तेदारों व मित्रों के साथ पैसे का लेन देन न करें नहीं उनके साथ आपके संबंध खराब हो सकते हैं।

घर–परिवार, समाज

पारिवारिक दृष्टिकोण से वर्ष का प्रारम्भ सामान्य रहेगा। व्यापारिक व्यस्तता के कारण आप अपने परिजनों को अधिक समय नहीं दे पाएंगे। 11 मई के बाद गुरु ग्रह का गोचर प्रतिकूल होने के कारण आपका पारिवारिक माहौल ज्यादा प्रभावित हो सकता है। ऐसे में आप बड़े ही विवेक से काम लें और सभी लोगों के साथ स्नेह और आपसी सौहार्द के साथ पेश आएं।

परिवार के लोगों के सुझावों पर अमल करना आपके लिए फायदे का सौदा हो सकता है और उनके विरुद्ध जाना घातक भी हो सकता है। माँ के साथ कुछ नाराजगी हो सकती है तथा उन्हें स्वास्थ्य संबंधी भी कुछ परेशानियाँ हो सकती हैं, अतः उनका समुचित ख्याल रखें और व्यवहार में संयम बरतें। आप मानसिक रूप से परेशान भी रह सकते हैं। सामाजिक पद प्रतिष्ठा के लिए यह वर्ष समान्य रहेगा। अक्टूबर के बाद जीवनसाथी के साथ प्रेम सम्बन्धों में मधुरता आएगी।

संतान

संतान की दृष्टि से वर्ष का प्रारम्भ अनुकूल रहेगा। पंचम स्थान पर गुरु ग्रह की दृष्टि प्रभाव से आपके बच्चों की उन्नति होगी। नवविवाहित व्यक्तियों को संतान रत्न की प्राप्ति होगी। आपके दूसरे बच्चे का चौमुखी विकास होगा। उसके उन्नति के सारे मार्ग प्रसस्त होंगे। यदि वह विवाह के योग्य हैं तो विवाह का प्रबल योग बन रहा है।

11 मई के बाद उनके स्वास्थ्य पर ध्यान देना आपके लिए लाभप्रद रहेगा। गुरु ग्रह का गोचर प्रतिकूल होने के कारण आपके बच्चे कुसंगति का शिकार हो सकते हैं। उनका रहन सहन व दिनचर्या भी अनुशासनहीन हो सकती है, जिससे उनकी उन्नति में किंचित व्यवधान आ सकता है, परन्तु अक्टूबर के बाद समय बहुत ही शुभ हो रहा है।

स्वास्थ्य

स्वास्थ्य के दृष्टिकोण से यह वर्ष अच्छा नहीं रहेगा। स्वास्थ्य संबंधित परेशानी बनी रहेगी। 11 मई के बाद चोट चपेट व वाहनादि से दुर्घटना इत्यादि

का योग बन रहा है। स्वास्थ्य संबंधी कोई बड़ी समस्या भी हो सकती है। पेट संबंधी समस्या जैसे अचानक पेट दर्द, गैस, अपच या बदहजमी आदि हो सकती है। सर्जरी आदि होने की भी संभावनाएं बनी हुई हैं।

अतः आपको समय–समय पर डॉक्टर की सलाह लेते रहना चाहिए। इसके अतिरिक्त आपको अपनी रोग प्रतिरोधक क्षमताओं को बढ़ाने के लिए अपने खान पान का विशेष ध्यान रखना होगा। जहां तक हो सके शुद्ध शाकाहारी ही भोजन करें। दाल, सब्जी, फल आदि का अधिक सेवन करें। 7 अक्टूबर के बाद समय कुछ अनुकूल हो रहा है।

करियर एवं प्रतियोगी परीक्षा

यह वर्ष आपके लिए प्रतियोगिता परीक्षाओं में सफलता की दृष्टि से सामान्य रहेगा। पंचम स्थान पर गुरु की दृष्टि विद्यार्थियों के लिए शुभ है। यदि उच्च शिक्षा हेतु अच्छे शैक्षणिक संस्थान में प्रवेश पाना चाहते हैं तो वर्ष का प्रारम्भ बहुत ही शुभ है।

मई के बाद उन्नति में व्यवधान आता रहेगा। यदि आप अपने लक्ष्य में सफलता पाना चाहते हैं तो अथक परिश्रम करने की आवश्यकता है। जो लोग नौकरी की तलाश में हैं, उनको कुछ दिन और इंतजार करना पड़ सकता है। जो लोग विदेश में अपना करियर बनाना चाह रहे हैं। उनके लिए यह वर्ष शुभ है।

यात्रा–तबादला

तृतीय स्थान पर गुरु की दृष्टि छोटी–मोटी यात्रा कराती रहेगी। इन यात्राओं से आपको अच्छा लाभ भी मिलेगा। 11 मई के बाद आपकी विदेश यात्रा होंगी। नौकरी करने वाले व्यक्तियों का प्रतिकूल स्थान पर स्थानान्तरण होगा, जिससे आप दुखी रहेंगे।

यात्रा करते समय व वाहन चलाते समय सावधानी अत्यधिक जरूरी है। क्योंकि मई के बाद गुरु एवं शनि ग्रह का गोचर प्रतिकूल है।

धर्म कार्य एवं ग्रह शांति

धार्मिक कार्यों के लिए यह साल मिला–जुला रहेगा। लग्न स्थान का शनि आपके सारे धार्मिक कार्यों में व्यवधान उत्पन्न कर सकता है। आलस्यता के कारण आपका दैनिक पूजा पाठ भी प्रभावित होगा। परन्तु मई के बाद आप दान पुण्य अधिक करेंगे। गरीबों की सहायता करना, भूखे को खाना खिलाना ही आप

अपना धर्म समझेंगे। अक्टूबर के बाद आपका मन पूजा–पाठ के प्रति आकर्षित होगा। दैनिक पूजा–पाठ सुधरेगा। परमात्मा की भक्ति व मन्त्र पाठ में ज्यादा रूचि लेंगे।

- वीरवार के दिन केला या बेसन के लड्डू दान करें।
- सातमुखी रुद्राक्ष लाल धागे में धारण करें।
- अपने घर में पारद शिवलिंग स्थापित कर नित्य उसका पूजन करें।
- महामृत्युंजय यन्त्र अपने घर में स्थपित करें और नित्य उसका पूजन करें।

वार्षिक फलादेश - 2039

वर्षारम्भ में शनि कन्या राशि एवं द्वितीय भाव में रहेंगे तथा वक्री होकर 5 अप्रैल को सिंह राशि एवं लग्न स्थान में प्रवेश करेंगे और पुनः मार्गी होकर 13 जुलाई को कन्या राशि एवं द्वितीय भाव में आ जाएंगे। 7 अप्रैल को राहु वृष राशि एवं दशम भाव में प्रवेश करेंगे। वर्षारम्भ में गुरु सिंह राशि एवं लग्न स्थान में रहेंगे तथा 3 मार्च को वक्री होकर कर्क राशि एवं द्वादश भाव में प्रवेश करेंगे और मार्गी होकर 2 जून को सिंह राशि एवं लग्न स्थान में आ जाएंगे और अतिचारी होकर 4 नवम्बर को कन्या राशि एवं द्वितीय भाव में गोचर करेंगे।

व्यवसाय

वर्ष के प्रारम्भ में शनि ग्रह का गोचर प्रतिकूल होने से कार्य क्षेत्र में उतार चढ़ाव की स्थिति बनी रहेगी। आप अपने कार्यों को अंजाम तक पहुंचाने में कठिनाई का अनुभव करेंगे। कुछ प्रतिद्वंदी आपके कार्यों में व्यवधान उत्पन्न करने की काशिश करेंगे। इसलिए बिना किसी पर विश्वास किये अपने बौद्धिक शक्ति के अनुसार कार्य करते रहें। हालांकि अप्रैल से समय काफी शुभ हो रहा है। कार्य व्ययवाय में सुधार होगा। वांछित उन्नति एवं सफलता अर्जित करेंगे।

आमदनी के नये–नये स्रोत मिलेंगे। इस अवधी में आप कोई नया कार्य प्रारम्भ करेंगे। यदि आप खनिज एवं खान विभाग व रासायनिक विभागों से संबंधित कार्य कर रहे हैं तो अच्छी सफलता मिलेगी। अनुभवी और वरिष्ठ लोगों का सहयोग मिलेगा, जिससे आपके कार्यों में सफलता की उम्मीद और बढ़ जाएगी। 4 नवम्बर के बाद समय नौकरी करने वालों के लिए शुभ नहीं है। आपके वरिष्ठ अधिकारियों के साथ वैचारिक मतभेत उत्पन्न हो सकते हैं तथा कार्य स्थल का वातावरण खराब हो सकता है।

धन संपत्ति

द्वितीय स्थान के शनि कुछ अनावश्यक खर्चे ला सकते हैं जिससे संचित धन में कमी आ सकती है। घर परिवार में रोग व्याधि की अधिकता होने से भी आपके अपव्यय होंगे। पैसे के लेन देन के समय कागजी कार्यवाही अवश्य करें। आपको अपने अनावश्यक खर्चो पर अंकुश लगाने की जरूरत है तथा जोखिम भरे कार्यो में धन निवेश करने से बचें।

5 अप्रैल से शनि ग्रह का गोचर अनुकूल होते ही धनागम के बन्द सारे मार्ग खुलेंगे तथा आपका चौमुखी विकास होगा। आपका घर सर्व प्रकारेण आधुनिक एवं भौतिक उपकरणों से सुसज्जित होगा तथा इसकी सुन्दरता एवं

आकर्षण बनाए रखने में आप अत्यधिक व्यय करेंगे। परिवार में मांगलिक कार्य सम्पन्न होंगे उसमें भी आपका पैसा खर्च होगा। मित्र या भाइयों के माध्यम से भी धन लाभ हो सकता है। द्वितीयस्थ गुरु के प्रभाव से चल एवं अचल संपत्ति की प्राप्ति होगी।

घर–परिवार, समाज

द्वितीय स्थान के शनि आपके परिवार में कुछ विषम परिस्थिति उत्पन्न कर सकते हैं, जिससे आपका परिवारिक माहौल खराब हो सकता है। अतः आपको अपनी वाणी पर नियन्त्रण रखना चाहिए नहीं तो परिवार में किसी के साथ आपका वैचारिक मतभेद हो सकता है। परन्तु आपकी पत्नी के साथ समन्वय मधूर होंगे। यदि आप अविवाहित हैं तो विवाह का प्रबल योग बन रहा है।

आपके भाइयों की उन्नति होगी। पिता जी के लिए भी यह समय शुभ है। 2 जून के बाद परिवार में किसी सदस्य की वृद्धि होगी, जिससे पारिवारिक अनुकूलता बनी रहेगी। आप उच्च मान संमान एवं प्रतिष्ठा अर्जित करने में समर्थ होंगे। आपके सामाजिक प्रभाव व प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। सरकारी क्षेत्र में आपको काफी सम्मान मिलेगा। सामाजिक गतिविधियों में आप बढ़–चढ़ कर भाग लेंगे। परन्तु 4 नवम्बर से समय फिर से प्रभावित हो रहा है।

संतान

नव विवाहित व्यक्तियों को संतान रत्न की प्राप्ति होने के प्रबल योग बन रहे हैं। पंचमस्थ केतु पर गुरु की दृष्टि बच्चों की उन्नति के सारे मार्ग खोल रही है। अतः आपके बच्चे का चौमुखी विकास होगा। उनकी उन्नति के सारे मार्ग प्रशस्त होंगे।

3 मार्च के बाद समय किंचित प्रतिकूल हो रहा है। परन्तु 2 जून के बाद समय फिर से अच्छा हो जाएगा तथा उसके बाद पूरा वर्ष अनुकूल रहेगा। उस समय के अंतराल में बच्चों के विषय में शुभ समाचार प्राप्त होंगे तथा वे आपकी उम्मीदों से बढ़–चढ़ कर कार्य करेंगे जिससे आप उनसे प्रसन्न रहेंगे।

स्वास्थ्य

स्वास्थ्य की दृष्टि से वर्ष का प्रारम्भ उत्तम रहेगा। परन्तु 3 मार्च के बाद द्वादश स्थान का गुरु छोटी मोटी बीमारियों से स्वास्थ्य प्रभावित कर सकता है। मौसमजनित बीमारियों से भी परेशान हो सकते हैं। ऐसे में स्वास्थ्य का ख्याल रखना जरुरी होगा। यदि पहले से कोई लम्बी बीमारी भुगत रहे हैं तो परहेज की ज्यादा आवश्यकता है, नहीं तो आपका स्वास्थ्य ज्यादा प्रभावित हो सकता है।

हालांकि 2 जून के बाद स्वास्थ्य में कुछ सुधार होना प्रारम्भ हो जाएगा।

लग्नस्थ गुरु के प्रभाव से आपका स्वास्थ्य अच्छा रहेगा तथा मानसिक सन्तुष्टि भी बनी रहेगी। सभी महत्वपूर्ण कार्यों को आप सकारात्मक रूप से करेंगे। अपने स्वास्थ्य को अनुकूल बनाए रखने के लिए शुद्ध शाकाहारी भोजन की ग्रहण करेंगे। अर्थात् सादा खाना उच्च विचार वाली युक्ति आप पर पुर्ण रूप से चरितार्थ होगी। 4 नवम्बर के बाद समय किंचित प्रभावित हो रहा है।

करियर एवं प्रतियोगी परीक्षा

करियर में सफलता प्राप्ति के लिए आप को अधिक परिश्रम करने की आवश्यकता है। जो विद्यार्थी विदेश या घर से दूर जाकर पढ़ाई करना चाहते हैं उनके लिए समय अनुकूल है। आधुनिक शिक्षा प्राप्त करने वाले व्यक्तियों को अच्छी सफलता मिलेगी।

अप्रैल से जून तक का समय नौकरी करने वालों के लिए समय अच्छा नहीं है उसके बाद आपके मान सम्मान में वृद्धि होगी। इजीनियरिंग की तैयारी करने वाले विद्यार्थियों को ज्यादा सफलता नहीं मिलेगा।

यात्रा–तबादला

3 मार्च के बाद द्वादशस्थ गुरु के कारण आपकी विदेश यात्रा हो सकती है। सामुद्रिक यात्रा का भी प्रबल योग बन रहा है। सपरिवार किसी दर्शनीय स्थल की यात्रा कर आनन्द प्राप्त करेंगे।

2 जून के बाद आपकी लम्बी यात्राएं होंगी। यह यात्रा आपके लिए बहुत ही सुखद व मनोरंजात्मक होंगी। 4 नवम्बर से सामुद्रिक स्थलों की यात्रा होने का योग बन रहा है।

धर्म कार्य एवं ग्रह शांति

लग्नस्थ गुरु के प्रभाव से पूजा पाठ के प्रति आपकी विशेष रुचि बढ़ेगी। ईश्वर के प्रति आपका अटूट विश्वास होगा। मार्च के बाद दान पुण्य करने में आप सबसे आगे रहेंगे। मन्दिर निमार्ण, गौशाला, अनाथाश्रम, वृद्धाश्रम इत्यादि स्थानों पर खुले हाथों से दान करेंगे। 2 जून के बाद आप अपनी पत्नी के साथ पारिवारिक कल्याण के लिए कोई विशेष पूजा संपन्न करेंगे, जिससे परिवार में सुख, शान्ति, समृद्धि इत्यादि में वृद्धि होगी। धार्मिक कार्य कर आप मानसिक रूप से प्रसन्न रहेंगे।

• सोमवार के दिन शिव जी पर दूध में काले तिल डाल कर चढ़ाएं तथा ऊँ नमः शिवाय इस मन्त्र का पाठ करें।
• प्रत्येक दिन हनुमान चालीसा का पाठ करें तथा मंगलवार के दिन हनुमान जी को चोला चढ़ाएं।
• वीरवार के दिन केला दान करें।
• प्रत्येक दिन सूर्योदय के समय सूर्य को अर्घ्य दें।

वार्षिक फलादेश - 2040

इस वर्ष शनि कन्या राशि एवं द्वितीय भाव में रहेंगे। पूरे वर्ष राहु वृष राशि एवं दशम भाव में रहेंगे तथा 11 दिसम्बर को मेष राशि एवं नवम भाव में प्रवेश करेंगे। वर्षारम्भ में गुरु कन्या राशि एवं द्वितीय भाव में रहेंगे तथा वक्री होकर 6 अप्रैल को सिंह राशि एवं प्रथम भाव में गोचर करेंगे तथा मार्गी होकर पुनः 28 जून को कन्या राशि एवं द्वितीय भाव में आ जाएंगे तथा अतिचारी होकर 3 दिसम्बर को तुला राशि एवं तृतीय भाव में प्रवेश करेंगे।

व्यवसाय

इस वर्ष आप कई कार्यों में सफल होंगे। व्यापार में बड़े बड़े निर्णय लेने या विकास की योजनाओं पर ध्यान देने के लिए यह आवश्यक है कि आप पूरी जांच परख करके ही कदम बढ़ाएं। कानूनी मामलों से बचें क्योंकि वर्षारम्भ में शनि एवं गुरु की युति अच्छी नहीं है। झूठी आशाओं पर निर्भर न रहें। अधिक आत्मविश्वास आपको मुश्किल में डाल सकता है। अपनी प्रतिष्ठा के प्रति सचेत रहना भी जरूरी होगा। आप अपने मनपसंद क्षेत्र में अच्छा काम करेंगे और जनप्रिय बने रहेंगे।

अप्रैल से जून तक का समय किंचित प्रभावित रहेगा। इस समय के अंतराल में किसी पर अत्यधिक विश्वास न करें नहीं तो कार्य व्यवसाय में नुकसान हो सकता है। परन्तु जून के बाद समय फिर से अनुकूल हो रहा है। आपके मान–सम्मान में बढ़ोत्तरी होगी तथा सभी सहकर्मियों का अच्छा सहयोग मिलेगा। आप प्रसन्न रहेंगे व अपने काम को समय से पहले पूरा करने में सफल रहेंगे और प्रतिद्वंदियों को मुहतोड़ जबाब देंगे। 11 दिसम्बर के बाद नौकरी करने वाले व्यक्तियों को अपने से बड़े अधिकारियों का पूर्ण सहयोग मिलेगा तथा कार्यस्थल पर आपकी एक अलग पहचान होगी।

धन संपत्ति

आमदनी में बढ़ोत्तरी होने के कारण आप बचत करने में भी सफल रहेंगे। किसी वसीयत के माध्यम से आपको धन लाभ हो सकता है अथवा किसी अप्रत्याशित जगह से अचानक धन की प्राप्ति हो सकती है। आप धन को धार्मिक कार्य में खर्च कर सकते हैं। परिवार के सदस्यों और अन्य लोगों के हित में भी आप खर्च करेंगे, परन्तु 6 अप्रैल के बाद धन हानि के योग हैं अतः कोई जोखिम भरा निवेश करने से बचें साथ ही पैसों की सुरक्षा को लेकर चिंतन करें। जून के बाद आपको रत्न आभूषण इत्यादि वस्तुओं की प्राप्ति होगी।

वर्ष के उत्तरार्द्ध में चल एवं अचल सम्पत्ति की प्राप्ति होगी। आपके ऐश्वर्य में वृद्धि होगी तथा सम्पन्नता बनी रहेगी। अपने पराक्रम एवं परिश्रम से आप यथोचित सम्पत्ति अर्जित करेंगे। वर्षान्त निवेश के लिए बहुत ही शुभ है।

घर–परिवार, समाज

पारिवारिक रूप से वर्ष का प्रारम्भ श्रेष्ठ रहने वाला है। परिवार के सभी सदस्य आपको यथोचित सम्मान प्रदान करेंगे। आप अपने परिवार पर पूर्ण नियंत्रण रखेंगे तथा सभी परिवारीजनों का विशेष ख्याल भी रखेंगे, परन्तु 6 अप्रैल के बाद अचानक आपकी माताजी का स्वास्थ्य खराब हो सकता है, जिसके नकारात्मक प्रभाव से पूरा परिवार प्रभावित हो सकता है। चतुर्थ स्थान का केतु वैचारिक मतभेद भी करा सकता है। आपसी मतभेदों के कारण यदा कदा संबंधो में तनाव की अनुभूति हो सकती है। परन्तु 28 जून से समय फिर से अनुकूल हो जाएगा।

वर्ष का उत्तरार्द्ध पारिवारिक शान्ति एवं सामाजिक उन्नति के लिए उत्तम है। पराक्रम व प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। समाज में आपका एक अलग प्रकार का प्रभाव होगा तथा सभी लोग आपके प्रभाव को स्वीकार करके वांछित मान सम्मान प्रदान करेंगे। सामाजिक उन्नति के लिए आप कोई विशेष कार्य करेंगे जिससे आपकी प्रतिष्ठा में और अधिक वृद्धि होगी।

संतान

संतान के लिए यह वर्ष सामान्यतः अनुकूल रहेगा। आपके बच्चे अपने परिश्रम के बल पर वांछित उन्नति एवं सफलता अर्जित करेंगे। माता पिता के प्रति उनके मन में पूर्ण आदर एवं सम्मान का भाव होगा। आज्ञापालन में वे हमेशा तत्पर रहेंगे।

आप अपनी ओर से उनकी उन्नति का यथोचित प्रबन्ध करेंगे और वे आपकी महत्वकांक्षाओं की पूर्ति करने में सफल भी होंगे। यदि आपकी संतान विवाह के योग्य है तो विवाह का प्रबल योग बन रहा है। वर्षान्त आपकी दूसरी संतान के लिए बहुत ही शुभ है।

स्वास्थ्य

स्वास्थ्य की दृष्टि से वर्ष का प्रारम्भ उत्तम रहेगा। शारीरिक आरोग्यता अनुकूल बनी रहेगी तथा आप मानसिक रूप से प्रसन्न व सन्तुष्ट बने रहेंगे। आप पराक्रमी एवं परिश्रमी स्वभाव के होंगे। आप रोग व्याधियों से दूर होंगे, परन्तु 6 अप्रैल के बाद समय कुछ प्रतिकूल हो रहा है। अतः इस समय के अंतराल में अपने

स्वास्थ्य को लेकर सचेत रहना उचित होगा।

खान–पान पर संयम रखना बहुत जरूरी होगा। अधिक खान–पान व बाहर का खाना खाने से फूड पॉइजनिंग की सम्भावना है। जहां तक सम्भव हो गैर जरूरी यात्राओं से बचें। व्यवहारिक बने रहें। व्यर्थ के कार्यों में समय खराब न करें, इसके फलस्वरूप आप परेशान रह सकते हैं। अपने स्वास्थ्य का ख्याल रखें एवं अधिक आत्मविश्वासी न बनें वर्षान्त आपके लिए काफी श्रेष्ठ है।

करियर एवं प्रतियोगी परीक्षा

प्रतियोगिता परीक्षाओं में सफलता की दृष्टि से यह वर्ष सामान्य रहेगा। यदि उच्च शिक्षा हेतु उच्च शैक्षणिक संस्थान में प्रवेश पाना चाहते हैं तो 6 अप्रैल के बाद समय अनुकूल हो रहा है।

इंजीनियर, वकील व कानून से जुड़े लोगों के लिए यह साल मिला जुला रहेगा। वर्ष के उत्तरार्द्ध में नौकरी में अचानक पदोन्नति हो सकती है। विदेश में वांछित उन्नति के लिए वर्षान्त श्रेष्ठ है।

यात्रा–तबादला

वर्ष के प्रारम्भ में यात्रा के योग कम ही बन रहे हैं, परन्तु 6 अप्रैल के बाद छोटी मोटी यात्राओं के साथ लम्बी यात्राएं भी होंगी। व्यवसाय से संबंधित यात्राओं की अधिकता होगी।

वर्ष के उत्तरार्द्ध में नौकरी करने वाले व्यक्तियों का पदोन्नति के साथ–साथ स्थानान्तरण होने का प्रबल योग बन रहे हैं।

धर्म कार्य एवं ग्रह शांति

धार्मिक कार्यों के लिए वर्ष का प्रारम्भ मिला जुला रहेगा, परन्तु 6 अप्रैल के बाद पूजा पाठ के प्रति आपकी विशेष रुचि होगी। ईश्वर के प्रति आपकी निष्ठा एवं विश्वास बढ़ेगा। दैनिक पूजा–पाठ में भी सुधार होगा। साल के मध्य में आप दान पुण्य अधिक करेंगे। तन्त्र, मन्त्र व यन्त्र के प्रति भी आपकी रुचि बढ़ेगी। साधना व योग के लिए आप अधिक से अधिक समय निकालेंगे। सत्संग में जाना व गुरु वाणी सुनना आपका नैसर्गिक गुण होगा।

- अपने पूजा घर में पारद शिवलिंग स्थापित करें और उसके सामने देशी घी का दीपक जलाएं।

- शनिवार के दिन काले कुत्ते को रोटी खिलाएं एवं काली वस्तु का दान करें।
- प्रत्येक दिन हनुमान चालीसा का पाठ करें तथा मंगलवार के दिन हनुमान जी को चोला चढ़ाएं।
- श्रावण मास में शिवजी का रूद्राभिषेक करें।

वार्षिक फलादेश - 2041

इस वर्ष राहु मेष राशि एवं नवम भाव में रहेंगे। वर्ष के पूर्वार्द्ध में गुरु तुला राशि एवं तृतीय भाव में रहेंगे तथा वक्री होकर 6 मई से 30 जुलाई तक कन्या राशि एवं द्वितीय भाव में रहेंगे तथा उसके बाद पुनः मार्गी होकर तुला राशि एवं तृतीय भाव में आ जाएंगे। 25 सितम्बर तक शनि कन्या राशि एवं द्वितीय भाव में रहेंगे तथा उसके बाद तुला राशि एवं तृतीय भाव में प्रवेश करेंगे।

व्यवसाय

व्यावसायिक जीवन के लिए यह साल सामान्यतः अच्छा नहीं रहेगा। शनि ग्रह का गोचर प्रतिकूल होने के कारण कुछ न कुछ परेशानियां आती रहेंगी। कुछ गलत फहमियों से भी आप व्याकुल हो सकते हैं। गुप्त शत्रुओं द्वारा आपके कार्यों में रुकावटें डाली जा सकती हैं। जल्दबाजी में कोई निर्णय न लें, गलत–सही का चुनाव करने के बाद ही निर्णय लें। हालांकि 6 मई के बाद समय अच्छा हो रहा है। उस समय आपको कुछ सकारात्मक परिणाम मिलेगा।

इस वर्ष आप कोई नया कार्य व्यवसाय प्रारम्भ न करें। पहले से चले आ रहे कार्यों को ही सुचारू रूप से चलाते रहें। यदि साझेदारी में कार्य कर करे हैं तो 26 सितम्बर के बाद आपका साझेदार धोखा दे सकता है। अतः उसके साथ सभी कार्यों में पारदर्शिता रखने की कोशिश करें। राजनीति से जुड़े लोगों के लिए यह समय ज्यादा प्रतिकूल है।

धन संपत्ति

आर्थिक रूप से यह वर्ष आपके लिए मिला–जुला रहेगा। लाभ के साथ–साथ चुनौतियां भी होंगी। वर्ष के प्रारम्भ में निवेश से सम्बंधित योजनाओं पर ध्यान न दें और अपने दस्तावेज भी संभाल कर रखें। हड़बड़ी में कोई भी कार्य न करें नहीं तो आर्थिक हानि हो सकती है। निवेश व आर्थिक निर्णय लेते समय सतर्क रहें व जल्दबाजी न करें। इस अवधि में सकारात्मक बने रहना आपके लिए लाभप्रद रहेगा।

वर्ष के उत्तरार्द्ध में अधिक सतर्कता बरतने की जरूरत है। जितना ज्यादा हो सके धन की बचत करने की कोशिश करें और फिजूल के खर्चों पर नियंत्रण रखें। आपका कोई करीबी ही आपको दगा दे सकता है। ऐसे लोगों से बचने से के लिए किसी भी प्रकार के वित्तीय लेन–देन में पूरी सावधानी बरतें। जोखिम भरे निवेश करने से बचें। राजनीति एवं भूमि से संबंधित काम करने वालों को आर्थिक हानि हो सकती है।

घर–परिवार, समाज

द्वितीय स्थान में शनि ग्रह का गोचर परिवार के लिए अच्छा नहीं रहेगा। अधिक भागदौड़ के कारण परिजनों को अधिक समय नहीं दे पाएंगे। पारिवारिक सदस्यों के साथ कुछ तर्क–वितर्क होने की संभावना नजर आ रही है। हालाँकि समझदारी से इसे टाला जा सकता है। ससुराल पक्ष के लोगों के लिए यह समय अच्छा नहीं है। तृतीयस्थ गुरु के प्रभाव से आपके छोटे भाई बहनों के साथ संबंध अच्छे रहेंगे। सामाजिक प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी।

6 मई के बाद पारिवारिक समस्याएं कुछ कम होंगी। लेकिन आप पारिवारिक स्थिति को लेकर चिंचित रहेंगे। 26 सितम्बर के बाद जीवनसाथी के साथ वैचारिक मतभेद होने की प्रबल संभावना है। तृतीय स्थान पर शनि की दृष्टि के कारण सामाजिक पद व प्रतिष्ठा में कुछ कमी आ सकती है।

संतान

यह साल संतान के लिए अच्छा रहने वाला है। आपके बच्चे अपने बौद्धिक बल के द्व ारा उन्नति करेंगे। दूसरी संतान के लिए वर्ष का प्रारम्भ बहुत ही शुभ है। उनके विषय में शुभ समाचार प्राप्त होंगे।

शिक्षा के क्षेत्र में भी अच्छी प्रगति होने के शुभ योग बनेंगे। उनके पराक्रम में भी वृद्धि होगी परंतु उसके बावजूद भी आपकी चिंताएं बनी रहेंगी। 6 मई से जुलाई तक का समय कुछ प्रभावित रहेगा। उसके बाद पूरा वर्ष श्रेष्ठ रहने वाला है।

स्वास्थ्य

द्वितीयस्थ शनि के कारण स्वास्थ्य में उतार–चढाव की स्थिति बनी रहेगी। कमर के निचले हिस्से में कोई रोग बढ़ सकता है अतः किसी भी छोटी समस्या को छोटी ना समझते हुए तुरंत चिकित्सकीय परामर्श लें। ऋतुजनित बीमारियों के कारण स्वास्थ्य प्रतिकूल हो सकता है विशेष कर सर्दी–जुकाम इत्यादि का प्रकोप झेलना पड़ सकता है।

पहले से चली आ रही बीमारी उग्र रूप ले सकती है इसलिए सावधानी बरतें। 26 सितम्बर के बाद समय ज्यादा प्रभावित हो रहा है। उस समय कोई लम्बी बीमारी हो सकती है। अतः शारीरिक आरोग्यता प्राप्ति के लिए आप घर में कोई विशेष धार्मिक आयोजन व महामृत्यंजय का जाप कराएं जो आपकी मनोकामनाओं को पूरा करने में सहयोग करेंगे।

करियर एवं प्रतियोगी परीक्षा

प्रतियोगिता परीक्षार्थियों के लिए यह वर्ष सामान्य रहने वाला है। आप कोई नया कार्य प्रारम्भ करेंगे तो उसमें सफलता मिल सकती है। मैकेनिकल इंजीनियर व हार्डवेयर से संबंधित कार्य करने वालों के लिए यह समय अच्छा रहेगा। 6 मई के बाद आपको वांछित सफलता मिलेगी।

वर्ष का उत्तरार्द्ध व्यावसायिक व्यक्तियों के लिए अच्छा रहने वाला है। 26 सितम्बर के बाद नौकरी करने वालों के लिए अच्छा नहीं रहेगा। आपके बड़े अधिकारियों के साथ वैचारिक मतभेद होने की संभावना बन रही है।

यात्रा–तबादला

वर्षारम्भ में छोटी मोटी यात्राओं के साथ–साथ लम्बी यात्राएं भी अधिक होंगी। सप्तम स्थान पर गुरु की दृष्टि व्यावसायिक यात्राएं भी कराते रहेंगे। इन यात्राओं से आपको अच्छा लाभ मिलेगा।

चतुर्थ स्थान पर शनि ग्रह की दृष्टि प्रभाव से नौकरी करने वाले व्यक्तियों का स्थानान्तरण होगा। यह परिवर्तन आपके प्रतिकूल स्थान पर भी हो सकता है। यात्रा व वाहन चलाते समय सावधान रहें क्योंकि 26 सितम्बर के बाद दुर्घटना इत्यादि का योग बन रहा है।

धर्म कार्य एवं ग्रह शांति

वर्ष के प्रारम्भ में तीर्थयात्रा और धार्मिक कार्य अधिक करेंगे। कोई भी शुभ कार्य योजनाबद्ध तरीके से ही संपन्न करें अन्यथा पूजादि कार्यों में व्यवधान आने की आशा है। वर्ष के उत्तरार्द्ध में कार्य व्यवसाय पर अधिक ध्यान देंगे और कर्म ही पूजा है, इस उद्देश्य पर रहेंगे। 26 सितम्बर के बाद सभी धार्मिक कार्यों में व्यवधान आएंगे।

- प्रत्येक सोमवार के दिन शिवलिंग पर जल चढ़ाएं तथा ऊँ नमः शिवाय मन्त्र का पाठ करें।
- स्फटिक श्रीयन्त्र अपने घर में स्थापित करें तथा उसके सामने देशी घी की दीपक जलाएं।
- मंगलवार का व्रत करें या हनुमान जी को चोला चढ़ाएं।
- प्रत्येक शनिवार के दिन काली वस्तु का दान करें।

वार्षिक फलादेश - 2042

इस वर्ष शनि तुला राशि एवं तृतीय भाव में रहेंगे। 22 जून तक राहु मेष राशि एवं नवम भाव में रहेंगे तथा उसके बाद मीन राशि एवं अष्टम भाव में प्रवेश करेंगे। वर्ष के पूर्वार्द्ध में गुरु वृश्चिक राशि एवं चतुर्थ भाव में रहेंगे तथा वक्री होकर 10 जून से 27 अगस्त तक तुला राशि एवं तृतीर्य भाव मे गोचर करेंगे और पुनः मर्गी होकर फिर से वृश्चिक राशि एवं चतुर्थ भाव में आ जाएंगे।

व्यवसाय

इस वर्ष नौकरी करने वाले व्यक्तियों का पदोन्नति के साथ स्थानान्तरण भी होगा। वरिष्ठ लोग व उच्च अधिकारी आपके कार्यों से प्रसन्न रहेंगे तथा सभी प्रकार से आपकी सहायता करने में तत्पर्य रहेंगे। कार्य स्थल पर आपको मान–सम्मान की प्राप्ति होगी। यह सब आपकी सकारात्मक विचारधारा के कारण होगा। व्यावसायिक व्यक्ति अपने परिश्रम के बल पर उन्नति करेंगे। 10 जून से अगस्त तक का समय किंचित प्रभावित रहेगा। अतः इस समय के अंतराल में कोई नया कार्य प्रारम्भ न करें।

वर्ष के उत्तरार्द्ध में आजीविका के क्षेत्र में कुछ कमी आ सकती है, जिससे आय के स्रोत प्रभावित होंगे। प्रतिद्वंदी आपको नीचा दिखाने की कोशिश करेंगे, परन्तु आप अपने बौद्धिक बल द्वारा सभी प्रतिद्वंदियो को पीछे छोड़कर सफलता के मार्ग पर अग्रसर रहेंगे। व्यावसायिक उन्नति करने में आपको कर्ज भी लेने पड़ सकता है। भूमि, वाहन व कॉस्मेटिक से जुड़े लोगों को लाभ हो सकता है।

धन संपत्ति

आर्थिक स्थिति के लिए वर्ष का प्रारम्भ लाभप्रद रहेगा। धनागम के स्रोत बढ़ेंगे। आपको भूमि, भवन, वाहन इत्यादि का सुख प्राप्त होगा। 22 जून के बाद पैसे के मामले में आप ज्यादा सावधान रहें तथा आंख बन्द कर किसी पर विश्वास न करें। किसी के बहकावे में आकर अपने धन को निवेश न करें नहीं तो हानि हो सकती है।

वर्ष के उत्तरार्द्ध में विदेशी धन व वसीयत की प्राप्ति होगी। गुप्त रूप से भी आपको धन लाभ होगा। यदि आप निवेश करना चाहते हैं तो यह समय आपके लिए श्रेष्ठ है। वर्षान्त में आपके कुछ अनावश्यक खर्च बढ़ेंगे। अतः उस समय अपने खर्चों पर अंकुश लगाएं।

घर–परिवार, समाज

पारिवारिक सुख, शान्ति एवं समृद्धि के लिए यह वर्ष अच्छा रहेगा। सभी पारिवारिक जन परस्पर मिल जुलकर रहेंगे, जिससे परिवार में शान्ति तथा सद्भावना का वातावारण रहेगा। आपकी माता के लिए यह समय शुभ है। जून के बाद सुख एवं सहयोग में न्यूनता आयेगी परन्तु संबंधो में मधुरता बनी रहेगी। मित्र वर्ग आप से नाराज हो सकता है। राहु के कारण आप मानसिक रूप से परेशान रह सकते हैं।

वर्ष के उत्तरार्द्ध में ससुराल पक्ष के लोगों का अच्छा सहयोग मिलेगा। पराक्रम तथा कार्य क्षमताओं का विकास होगा। आपको वांछित मान सम्मान तथा प्रतिष्ठा मिलेगी तथा किसी सम्मानित उच्च पद को अर्जित करने में भी समर्थ होंगे। समाज में आपकी प्रतिष्ठा एवं प्रसिद्धि दूर–दूर तक व्याप्त होगी एवं सभी लोग आपके प्रभाव को स्वीकर करेंगे।

संतान

संतान के लिए वर्ष का पूर्वार्द्ध अच्छा नहीं रहेगा। पंचम स्थान पर राहु की दृष्टि संतान को स्वास्थ्य संबंधी परेशानी दे सकती है। उनकी शिक्षा–दीक्षा में रुकावटें आ सकती हैं। आपके प्रति बच्चों में मर्यादा एवं आदर्श की भावना कम होगी। आपको अनावश्यक समस्याओं एवं परेशानियों का सामना करना पड़ेगा। बच्चों के साथ भावनात्मक लगाव में कमी आएगी।

वर्ष के उत्तरार्द्ध में आपके बच्चों को किसी नौकरी या रिसर्च के कार्यों में सफलता मिलेगी। यदि वे किसी प्रतियोगिता परीक्षा में भाग लेते हैं तो सफलता सम्भव है। यदि आप दूसरी संतान की इच्छा रखते हैं तो गर्भाधान के लिए यह बहुत शुभ समय है।

स्वास्थ्य

स्वास्थ्य के लिए वर्ष पूर्वार्द्ध अच्छा नहीं है। लग्न स्थान पर राहु की दृष्टि के कारण आप कुछ चिन्ता का अनुभव करेंगे। अकारण चिंता करने से कुछ हासिल नहीं होगा। आप चिंताओं से उबरने की कोशिश करें वरना आपको किसी मानसिक रोग अथवा मस्तिष्क सम्बन्धी विकार का सामना करना पड़ सकता है। बदलते मौसम के कारण कुछ परेशानियां हो सकती हैं, लेकिन आप जल्द ही ठीक हो जाएंगे।

वर्ष के उत्तरार्द्ध में वजन बढ़ने की संभावना है, इसलिए मक्खन, घी और मिठाई खाने से परहेज करें। यदि निरोगी काया चाहते हैं तो नियमित रूप से

व्यायाम करें और खान–पान का विशेष ध्यान रखें। अपना स्वास्थ्य अनुकूल रखने के लिए तुला दान भी कर सकते हैं।

करियर एवं प्रतियोगी परीक्षा

शिक्षा की दृष्टि से यह वर्ष मिला–जुला फल देने वाला है। विद्यार्थियों की उन्नति में रुकावट व उच्च शिक्षा में व्यवधान आ सकता है। करियर में सफलता प्राप्त करने के लिए आपको अथक परिश्रम करना पड़ेगा। यदि आप विदेश में अपना करियर बनाना चाहते हैं तो यह समय काफी श्रेष्ठ है। आपका नये–नये तकनीकी विषयों की ओर रुझान रहेगा।

राहु के कारण याद करके भूलने की प्रवृति बनेगी। अष्टम स्थान का राहु मानसिक तनाव का कारण बन सकता है। आपका रुझाान राजनैतिक, तंत्र–मंत्र, विद्या सिद्धि रोमांचकारी रिसर्च से जुड़े विषयों में अधिक रहेगा।

यात्रा–तबादला

द्वादश स्थान पर गुरु ग्रह की दृष्टि प्रभाव से विदेश यात्रा के प्रबल योग बन रहे है। 10 जून के बाद छोटी मोटी यात्राओं के साथ लम्बी यात्राएं भी होंगी। ये सभी यात्राएं आपके लिए लाभप्रद सिद्ध होंगी।

वर्ष के उत्तरार्द्ध में नौकरी करने वाले व्यक्तियों का अनुकूल स्थान पर स्थानान्तरण होगा। अपने घर से दूर रहने वाले व्यक्तियों की अपने जन्मस्थान की यात्रा होगी। आप पूरे परिवार के साथ आनन्ददायक यात्राएं करेंगे।

धर्म कार्य एवं ग्रह शांति

धार्मिक कार्यों के लिए वर्ष का आरम्भ अनुकूल नहीं है। लग्न स्थान पर राहु की दृष्टि सारे धार्मिक कार्यों में व्यवधान उत्पन्न करेगा। आप चाह कर भी पूजा–पाठ, यज्ञ अनुष्ठान नहीं कर पाएंगे। मानसिक अशान्ति के कारण ध्यान योग व मन्त्रोच्चारण में आपका मन नहीं लगेगा। परन्तु काला जादू, तन्त्र व यन्त्र के प्रति आपका विश्वास बढ़ेगा।

उत्तरार्द्ध में गरीबों को दान देना, भिखारियों को खाना खिलाना एवं दुखियों की सहायता करना आपका नैसर्गिक गुण होगा। योग व ध्यान के प्रति भी आपका रुझान बढ़ेगा।

- पारद शिवलिंग अपने पूजा घर में स्थापित करें।

- दुर्गा चालीसा का पाठ करें।
- आठ मुखी रुद्राक्ष गले में धारण करें।

वार्षिक फलादेश - 2043

वर्षारम्भ में गुरु वृश्चिक राशि एवं चतुर्थ भाव में रहेंगे तथा 27 जनवरी को धनु राशि एवं पंचम भाव में प्रवेश करेंगे और पुनः वक्री होकर 30 जुलाई को वृश्चिक राशि एवं चतुर्थ भाव में गोचर करेंगे तथा अतिचारी होकर फिर से 11 सितम्बर को धनु राशि एवं पंचम भाव में आ जाएंगे। पूरे साल शनि तुला राशि एवं तृतीय भाव में रहेंगे तथा 12 दिसम्बर को वृश्चिक राशि एवं चतुर्थ भाव में प्रवेश करेंगे। 19 सितम्बर तक राहु मीन राशि एवं अष्टम भाव में रहेंगे तथा उसके बाद कुम्भ राशि एवं सप्तम भाव में गोचर करेंगे।

व्यवसाय

व्यापारियों के लिए यह वर्ष उत्तम रहने वाला है। अच्छे मुनाफे मिलने के आसार हैं। कुछ नए व्यापारिक भागीदार मिलेंगे। कारोबार का विस्तार होगा तथा सरकारी ठेके भी मिल सकते हैं। व्यापार में पूंजी लगाने वाले नए लोग भी मिलेंगे। आमदनी के नये स्रोत मिलने की उम्मीद है। इस अवधि में कोई नया कार्य प्रारम्भ करेंगे, तो उसमें सफलता मिलने की उमीद ज्यादा है। आपको अनुभवी और वरिष्ठ लोगों का सहयोग मिलेगा। अष्टमस्थ राहु के कारण कुछ विरोधी व गुप्त शत्रु आपको नीचा दिखाने की कोशिश करेंगे परन्तु अपने बौद्धिक बल के द्वारा आप उन पर विजय प्राप्त कर लेंगे।

वर्ष के उत्तरार्द्ध में सेवारत लोगों को अच्छे परिणाम मिलेंगे। कार्यस्थल पर आपकी तारीफ होगी और मान सम्मान भी बढ़ेगा। नई और बेहतर नौकरी मिलने की प्रबल संभावना है। पदोन्नति के साथ–साथ अनुकूल स्थान पर परिवर्तन भी हो सकता है। नौकरी से संबंधित आपकी सभी इच्छाएं पूरी होंगी।

धन संपत्ति

एकादश स्थान पर गुरु की दृष्टि आपकी आर्थिक स्थिति में मददगार साबित होगी। आय के बाधित मार्ग खुलेंगे। आप अपने कार्यों के प्रति सजग रहेंगे। पैसे का आगमन लगातार होता रहेगा। जमापूंजी में तेजी मे वृद्धि होगी। आर्थिक रूप से वर्ष का पूर्वार्द्ध आपके लिए बेहतर साबित होगा।

30 जुलाई के बाद किसी पर भी आंख बन्द कर विश्वास करना आपके लिए घातक हो सकता है। अतः पैसे के लेन–देन में सावधानी बरतें, नहीं तो अष्टम स्थान का राहु अचानक धन हानि करा सकता है। शीघ्र पैसा कमाने वाले तरीकों पर अंकुश लगाना होगा। जोखिम भरे कार्य में निवेश करने से बचें अन्यथा आपको हानि हो सकती है। अपने खर्चों पर भी अंकुश लगाएं।

घर–परिवार, समाज

पारिवारिक दृष्टिकोण से यह वर्ष मिला–जुला रहेगा। वर्षारम्भ में अधिक व्यस्तता के कारण परिजनों को अधिक समय नहीं दे पाएंगे। लेकिन परिवार में एक दूसरे के प्रति परस्पर सहयोग की भावना बनी रहेगी। पंचमस्थ गुरु के प्रभाव से नवविवाहित व्यक्तियों को संतान सुख की प्राप्ति होगी। आपको भाइयों का सहयोग मिलता रहेगा। परिवार में धार्मिक कार्य व मांगलिक कार्य होते रहेंगे जिसमें परिवार के सभी लोग सम्मिलित होंगे।

तृतीयस्थ शनि के कारण आपकी सामाजिक मान–प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी तथा इस वर्ष आप अपनी सामाजिक गतिविधियों में पहले से अधिक सक्रिय होंगे। समाज में आपका दबदबा बना रहेगा। कोई भी व्यक्ति आपके विरुद्ध जाने का साहस नहीं कर पाएगा तथा आपको वांछित सम्मान प्रदान करेगा।

संतान

संतान के लिए वर्ष का पूर्वार्द्ध बहुत ही शुभ है। शिक्षा के प्रति उनकी रुचि बढ गी। यदि वे उच्च शिक्षा प्राप्त करना चाहते हैं तो अच्छे शैक्षणिक संस्थान में प्रवेश हो जाएगा। आपके बच्चों की उन्नति होगी। यदि वे विवाह के योग्य हैं, तो विवाह होने का प्रबल योग बन रहा है।

30 जुलाई से 11 सितम्बर तक का समय किंचित प्रभावित रहेगा तथा उसके बाद फिर से उत्तम हो जाएगा। आपके बच्चे धर्म कार्य व अच्छे कार्यों में समय ज्यादा व्यतीत करेंगे। आपकी आज्ञा के पालन में सदैव तत्पर्य रहेंगे। सितम्बर के बाद नवविवाहित व्यक्तियों को संतान की प्राप्ति होगी।

स्वास्थ्य

लग्न स्थान पर गुरु ग्रह की दृष्टि स्वास्थ्य के लिए बहुत ही शुभ है। आपके अंदर सकारात्मक ऊर्जा की वृद्धि होगी, जिससे आपकी रोग प्रतिरोधक शक्ति बढ़ेगी जो आपको शारीरिक रूप से आरोग्य रखने में सहायता करेगी तथा आप अपने को पूर्ण रूप से स्वस्थ अनुभव करेंगे। यदि पहले से आप किसी बीमारी से पीड़ित हैं तो इस वर्ष उससे भी मुक्ति मिल सकती है।

वर्ष के उत्तरार्द्ध में आपका स्वास्थ्य किंचित प्रभावित हो सकता है। अष्टम स्थान का राहु जल तत्व राशि होने के कारण कफ, सर्दी तथा जुखाम इत्यादि बीमारियों से पीड़ित कर सकता है। मोटापा तथा पेट संबंधित बीमारी भी हो सकती हैं। अतः उस समय घी या तला हुई वस्तु का सेवन कम करें।

करियर एवं प्रतियोगी परीक्षा

प्रतियोगिता परीक्षा के लिए यह वर्ष अनुकूल रहेगा। विद्यार्थियों के लिए वर्ष का पूर्वार्द्ध बहुत उत्तम रहने वाला है। पंचमस्थ गुरु के प्रभाव से उच्च शिक्षा प्राप्त करने वाले विद्यार्थियों को अच्छे शैक्षणिक संस्थान में प्रवेश मिल जाएगा।

वर्ष का उत्तरार्द्ध आध्यात्मिक शिक्षा, योग शिक्षा तथा शोध कार्य करने वाले के लिए बहुत ही शुभ है। इन लोगों को वांछित उन्नति मिलेगी। प्रतियोगिता परीक्षार्थियों को अपने लक्ष्य में सफलता प्राप्ति के लिए लगातार प्रयास करना पड़ेगा। बेराजगार जातकों को रोजगार के लिए अभी और इंतजार करना पड़ सकता है।

यात्रा–तबादला

वर्ष के पूर्वार्द्ध में आपकी छोटी बड़ी यात्राएं खूब होंगी। धार्मिक यात्रा का अधिक आनन्द लेंगे। वर्ष के प्रारम्भ में विदेश यात्राएं प्रभावित होंगी।

नौकरी करने वालों के लिए मनोनुकूल स्थान पर स्थानान्तरण के योग बने हुए हैं। आप अपने जन्मस्थल की यात्रा करेंगे। विदेश जाकर उच्च शिक्षा प्राप्त करने वाले विद्यार्थियों के लिए वर्ष का उत्तरार्द्ध बहुत अनुकूल है। विदेश यात्रा के प्रबल योग बन रहे हैं।

धर्म कार्य एवं ग्रह शांति

- प्रत्येक दिन दुर्गा सप्तसती का पाठ करें तथा नीली वस्तु का दान करें।
- आठ मुखी रुद्राक्ष सोमवार के दिन गले में धारण करें।
- प्रतिदिन हनुमान चालीसा का पाठ करें।
- अपने पूजा घर में बुधवार के दिन श्वेतार्क गणपति स्थापित करें।

वार्षिक फलादेश - 2044

इस वर्ष शनि वृश्चिक राशि एवं चतुर्थ भाव में रहेंगे तथा राहु कुम्भ राशि एवं सप्तम भाव में रहेंगे। 16 फरवरी तक गुरु धनु राशि एवं पंचम भाव में रहेंगे तथा उसके बाद मकर राशि एवं छठे भाव में प्रवेश करेंगे। इस वर्ष मंगल वक्री होकर 4 मार्च से 13 जून तक सिंह राशि एवं लग्न स्थान में रहेंगे।

व्यवसाय

कार्य व्यवसाय की दृष्टि से यह वर्ष सामान्य रहेगा। सभी व्यावसायिक मामलों में निर्णय सोच विचार ही लें। हालांकि आप कारोबार के मामले में काफी होशियार हैं फिर भी अपने स्तर पर पूरी एहतियात बरतें, क्योंकि शनि ग्रह का गोचर आपके लिए शुभ नहीं है। गैरकानूनी क्रिया–कलापों में शामिल न हों तथा कोई ऐसा कार्य न करें जिससे आपकी मानहानि होने की संभावना हो। साझेदारी में कार्य करने वाले लोगों के लिए यह वर्ष अच्छा नहीं रहेगा।

नौकरी करने वाले जातकों को अपने सहकर्मियों के साथ अच्छे संबंध बना कर रखने चाहिए। फरवरी के बाद व्यवसाय करने वालों को अपनी व्यावसायिक प्रगति में अवरोधों का सामना करना पड़ सकता है। बिजनेस में धीमी चाल से प्रगति होगी। शेयर बाजार एवं सट्टेबाजी आधारित गतिविधियों में किस्मत अजमाने का प्रयास न करें अन्यथा आपका धन लंबे समय के लिए फँस सकता है। जल्दबाजी में लिए गए निर्णय आपको आर्थिक हानि पहुँचा सकते हैं। किसी भी बिजनेस के लिए सोच समझकर ही साझेदार शामिल करें।

धन संपत्ति

वर्ष का प्रारम्भ आर्थिक स्थिति के लिए उत्तम रहेगा, परन्तु 16 फरवरी के बाद समय किंचित प्रभावित हो रहा है। अतः उस समय आपकी जमापूंजी में कमी आ सकती है। इसलिए समझदारी के साथ पैसे खर्च करें तथा वित्तीय जोखिम उठाने से बचें। बिना लिखित प्रक्रिया पूरी किए किसी को पैसे न दें और किसी पर भी आंख बन्द कर विश्वास न करें।

आर्थिक मोर्चे पर आपको विशेष सावधानी रखनी होगी क्योंकि आमदनी की तुलना में खर्च अधिक रहेगा। वैसे आमदनी का स्रोत बना रहेगा तथा दैनिक आमदनी में कोई रूकावट नहीं आएगी। अगर किसी को धन उधार दिया है तो फिलहाल उसके वापिस मिलने की संभावना कम है। आप आक्स्मिक धन लाभ की उम्मीद न रखें। मंहगी व सुख सुविधा वाली वस्तुओं में धन लगा सकते हैं जो आपके लिए धन का अपव्यय ही होगा इसके परिणामस्वरूप आर्थिक तंगी का

सामना करना पड़ सकता है।

घर–परिवार, समाज

पारिवारिक जीवन के लिए यह समय थोड़ा तनावपूर्ण रह सकता है। सप्तम स्थान का राहु आपके दाम्पत्य जीवन में कुछ खटास उत्पन्न कर सकता है, जिससे आपके पत्नी के साथ संबंध खराब हो सकते हैं। चतुर्थ स्थान में शनि ग्रह का गोचर पारिवारिक वातावरण के लिए अच्छा नहीं होता, अतः आपको अपने व्यवहार पर विशेष ध्यान देने की जरुरत है, वरना संबंधों में कुछ कड़वाहट आने की संभावना है।

माता व बड़े–बुजुर्गों का स्वास्थ्य आपकी चिंता का प्रमुख कारण बन सकता है। किसी करीबी व्यक्ति के साथ आपकी कहा–सुनी हो सकती है। सामाजिक स्तर पर भी आपको सतर्क रहना होगा कुछ अपमानजनक परिस्थितियाँ पैदा हो सकती हैं। आपके साथ विश्वासघात हो सकता है यानी आप जिन लोगों पर भरोसा करते हैं वे धोखा दे सकते हैं।

संतान

साल का प्रारम्भ संतान के लिए श्रेष्ठ रहने वाला है, परन्तु 16 फरवरी के बार समय सामान्य हो जाएगा। आपके बच्चे अपने परिश्रम के बल पर आगे बढेंगे। अपने जीवन में उन्नति के लिए अथक मेहनत करेंगे देर से ही सही लेकिन उनको परिश्रम का पूरा फल मिलेगा।

आपकी दूसरी संतान के लिए समय अच्छा नहीं है। अचानक उनको स्वास्थ्य संबंधित परेशानियां आ सकती हैं तथा उनकी उन्नति में व्यावधान आते रहेंगे।

स्वास्थ्य

स्वास्थ्य के दृष्टिकोण से यह वर्ष अच्छा नहीं रहेगा। चतुर्थ स्थान का शनि तथा सप्तम स्थान का राहु आपके स्वास्थ्य को प्रभावित कर सकता है। मौसमजनित बीमारियों से आप ज्यादा परेशान हो सकते हैं। लग्न स्थान पर राहु एवं शनि की दृष्टि सरदर्द, मांसपेशियों, रक्त और लीवर से संबंधित दिक्कतें दे सकती है। आंखो का विशेष ध्यान रखें। यदि पहले से चश्मा लगा हुआ है तो उसके नंबर की जांच करा लें। आपके आत्मवश्वास में कमी आ सकती है।

लंबे समय से चली आ रही बीमारी का सरलता से निदान नहीं होगा। उसके उपचार में दिक्कतों का सामना करना पड़ सकता है। आक्स्मिक चोट लगने की संभावनाएं भी बनी हुई हैं। अनिद्रा की शिकायत आपको परेशान कर सकती

है। अपने क्रोध पर नियन्त्रण रखें नहीं तो मानसिक तनाव बढ़ सकता है। वाहन चलते समय व मशीनरी से सम्बन्धित कार्य करते समय सतर्कता बरतें। तरोताजा रहने के लिए सैर–सपाटे पर जाएँ। सुबह सुबह पार्क में घूमना आपके लिए ज्यादा लाभप्रद रहेगा।

करियर एवं प्रतियोगी परीक्षा

प्रतियोगिता परीक्षार्थियो के लिए यह साल सामान्य रहेगा। यदि आप किसी प्रतियोगिता परीक्षा में बैठने जा रहे हैं तो सफलता प्राप्ति के लिए आपको अधिक परिश्रम की आवश्यकता होगी। अंततः आपको सफलता मिलेगी भी परन्तु संघर्षात्मक परिस्थितियों में मिलेगी। अध्ययन के प्रति आपकी रुचि बढ़ेगी परन्तु आलस्य की भावना सफलता में बाधक साबित हो सकती है।

छात्रों को सफलता मिलने के पूर्ण आसार है। दी गई परीक्षाओं का परिणाम हितकारी होगा। दोस्तों का सहयोग मिलेगा। कला और सामाजिक कार्यों से जुड़े लोगों को अवश्य लाभ मिलेगा।

यात्रा–तबादला

वर्षारम्भ में धार्मिक यात्राएं करने का अवसर प्राप्त होगा। 16 फरवरी के बाद द्वादश स्थान पर गुरु की दृष्टि आपको विदेश यात्रा करा सकती है। नौकरी करने वाले लोगों का प्रतिकूल स्थान पर तबदला होगा जिससे आप प्रसन्न नही रहेंगे।

धर्म कार्य एवं ग्रह शांति

वर्ष के प्रारम्भ में ईश्वर के प्रति श्रद्धा, आस्था व भक्ति बढ़ेगी। द्विज, देव, ब्राह्मण व ईष्ट देव की कृपा प्राप्त होगी। इस समय के अंतराल आप कोई विशेष पूजा, अनुष्ठान, यज्ञ, हवन आदि संपन्न कराने में सफल होंगे।

- मंगलवार के दिन हनुमान जी को चोला चढ़ाएं तथा प्रतिदिन हनुमान चालीसा का पाठ करें।
- शनिवार के दिन पीपल के वृक्ष के नीचे चौमुखी दीपक जलाएं।
- प्रतिदिन चिड़ियों तथा चींटियों को दाना डालें।
- अपने पूजा घर में पारद शिवलिंग की स्थापना करें।

दशा विश्लेषण

महादशा :– गुरु
(27/05/2011 - 27/05/2027)

गुरु की महादशा की अवधि सोलह वर्ष है। आपकी कुण्डली में यह 27/05/2011 को आरम्भ और 27/05/2027 को समाप्त होगी। आपकी जन्मकुण्डली में गुरु लग्न में स्थित है। यह शरीर रचना, रूपकार, स्वास्थ्य, स्वभाव, प्रवृत्ति, प्रतिष्ठा, सामान्य रहन–सहन, चेहरे के ऊपरी भाग, दीर्घ आयु और सामान्य जीवन की संरचना के प्रति विचार का द्योतक है। गुरु स्वभाव से एक शुभ ग्रह है जो आपकी जन्मकुण्डली में प्रथम भाव में स्थित होकर पंचम, सप्तम तथा नवम भावों को देखता हुआ उनपर अपना शुभ प्रभाव डाल रहा है। सोलह वर्ष की यह दशा शान्ति, समृद्धि और उत्तम स्वास्थ्य की दशा होगी।

स्वास्थ्य :

महादशा का स्वामी अपने ही भाव में स्थित होकर भाव को शक्ति दे रहा है। फलतः इस दशा के दौरान आपको कोई बड़ी स्वास्थ्य समस्या नहीं होगी और आप अपने सामान्य कार्यों का सम्पादन करने की स्थिति में होंगे।

अर्थ–सम्पत्ति :

गुरु की प्रथम भाव में स्थिति और पंचम तथा नवम (सप्तम के अतिरिक्त) भाव अर्थात् दो त्रिकोणों पर उसकी दृष्टि के कारण इस दशा के दौरान आप भाग्यशाली होंगे। आप अपनी आय के स्रोतों और चल–अचल सम्पत्ति में वृद्धि करेंगे। आप भोग–विलास की वस्तुओं पर व्यय भी करेंगे।

व्यवसाय :

प्रथम भाव में स्थित गुरु के कारण आप अपने ही प्रयास से अपना जीविकोपार्जन करेंगे। आप जिस किसी भी व्यवसाय में हों, उन्नति करेंगे। आप नौकरीपेशा हों अथवा व्यवसायी, जीवन में उन्नति करेंगे और मकान, वाहन आदि सम्पत्ति में वृद्धि करेंगे। आपकी शिक्षा तथा ज्ञान में भी वृद्धि होगी।

पारिवारिक जीवन :

गुरु की प्रथम भाव में स्थिति तथा पंचम, सप्तम तथा नवम भावों अर्थात् भूत–कर्म भाव, जीवन संगी भाव और सुख कर्म पर उसकी दृष्टि के कारण आपका पारिवारिक जीवन अत्यन्त सुव्यवस्थित तथा सौहर्दपूर्ण होगा। आपके जीवनसाथी आपके सहयोगी और आपके बच्चे आज्ञाकारी होंगे और आपके माता–पिता आपके जीवन को सुखमय बनाने में महत्त्वपूर्ण भूमिका निभाएंगे।

शिक्षा/प्रशिक्षण :

गुरु की प्रथम भाव में स्थिति के कारण इस दशा के दौरान आपको शिक्षा के उत्तम

Sample

अवसर मिलेंगे और आपकी प्रशिक्षण–वृत्ति सफल होगी।

अंर्तदशा :– गुरु – राहु
(31/12/2024 - 27/05/2027)

आपके लिए बृहस्पति की महादशा 27/05/2011 को प्रारंभ हुई थी। इस महादशा में नवीं अंतर्दशा राहु की होगी जिसकी अवधि 2 वर्ष 4 मास 24 दिन है। यह 31/12/2024 को प्रारंभ होकर 27/05/2027 को समाप्त होगी। अंतर्दशा स्वामी राहु भौतिक सुख, अचानक परिवर्तन और विदेशियों का कारक है।

इस अवधि में आपका आत्मविश्वास उत्तम होगा, प्रसिद्ध बनेंगे। आप में नेतृत्व की उत्तम शक्ति है। आप धनी बनेंगे; सुख के साधन उपलब्ध होंगे। अध्यात्म और तंत्र–मंत्र में रुचि हो सकती है। मानसिक तनाव से रहित रहेंगे। नये उद्यम की योजना बना सकते हैं; लाभ में वृद्धि होगी। पारिवारिक जीवन में कुछ तनाव हो सकता है; इसे नीति और धैर्य द्वारा दूर कर सकते हैं।

आपके जीवनसाथी को व्यापार और साझेदारी से लाभ होगा। आपके पिता को निवेश से लाभ हो सकता है। माता की तीर्थयात्रा हो सकती है। आपके भाई–बहनों के लिए समृद्धि, प्रभावशाली मित्र, आर्थिक सुअवसर, उत्साह और दृढ़निश्चय का संकेत है।

आपकी संतान उत्कृष्टता प्राप्त करेगी। अगर वे कार्यरत हैं तो भौतिक सुख उपलब्ध रहेंगे, यात्रा होगी, किस्मत चमकेगी, उच्चाधिकारी प्रसन्न रहेंगे।

अगर आप सेवारत हैं तो अचानक धनागम हो सकता है। परामर्शदाताओं को पहले किये निवेश से लाभ हो सकता है। व्यापारियों को साझेदारों के माध्यम से धनलाभ होगा। स्वास्थ्य का, विशेषकर शरीर के ऊपरी अंगों का ध्यान रखें। अरिष्ट से बचाव के लिए शिवजी की पूजा, भैरव रुप में शनिवार के दिन करें।

महादशा :– शनि
(27/05/2027 - 27/05/2046)

शनि की महादशा की अवधि 19 वर्ष है। आपकी कुण्डली में यह 27/05/2027 को आरम्भ और 27/05/2046 को समाप्त होगी।

आपकी जन्मकुण्डली में शनि प्रथम भाव में स्थित है। यह एक अशुभ ग्रह है जो जातक के दिमाग में भय उत्पन्न करता है। लक्ष्य प्राप्ति में यह बाधा और विलम्ब करता है। यह जातक की परीक्षा लेता है और लक्ष्य की प्राप्ति के लिए उसे कठिन परिश्रम करने को प्रेरित कर उसके धैर्य की परीक्षा लेता है। किन्तु जातक को अन्ततः लक्ष्य की प्राप्ति होती है।

जन्मकुण्डली में प्रथम भाव में स्थित इस ग्रह की दृष्टि तृतीय, सप्तम तथा दशम भाव पर है और यह इन भावों के 'कारकत्व' पर प्रभाव डाल रहा है। प्रथम भाव, जिसमें यह स्थित है, शरीर की लम्बाई, बनावट, स्वास्थ्य, जीवन–शक्ति, व्यक्तित्व, जीवन संघर्ष, प्रतिष्ठा, सामान्य तन्दुरुस्ती, और जीवन–संरचना के प्रति विचार का द्योतक है।

स्वास्थ्य :

महादशा स्वामी शनि लग्न में स्थित होने के फलस्वरूप इस दशा के दौरान कोई गम्भीर बीमारी या दुर्घटना नहीं होगी। इस दशा में आपका स्वास्थ्य सामान्य रहेगा और आप अपना कार्य नियमित रूप से करेंगे।

अर्थ–सम्पत्ति :

इस दशा के दौरान शनि के कारण आपको अर्थ–सम्पत्ति में वृद्धि करने के अनेक अवसर प्राप्त होंगे। आपको धन अर्जन के अनेक अवसर मिलेंगे और इस दशा में आपके संसाधनों में वृद्धि और 'सुधार' होगा। आप आराम और विलास की वस्तुओं पर व्यय करने में सक्षम होंगे।

व्यवसाय :

व्यावसायिक स्तर पर आप सुदृढ़ होंगे और अपनी बुद्धिमत्ता तथा शिक्षा के बल पर स्वयं धनोपार्जन करेंगे। आपमे स्वनियोजित होने की संभावना है। आप उपदेशक या नेता भी हो सकते हैं। आपको पैतृक सम्पत्ति भी मिल सकती है।

पारिवारिक जीवन :

प्रथम भाव से सप्तम भाव पर शनि की दृष्टि के फलस्वरूप आपको आपके जीवनसाभी से सहयोग मिलेगा और वह आपके परिवार को सुचारु रूप से चलाने में आपकी सहायता करेंगे। आपके बच्चे आज्ञाकारी तथा सहयोगी होंगे और आपके दैनिक जीवन में आपका सहयोग करेंगे। आपको उनसे संतोष मिलेगा।

शिक्षा/प्रशिक्षण :

शिक्षा और साहित्यिक वृत्ति में वृद्धि की दृष्टि से यह दशा आपके अनुकूल होगी।

अंर्तदशा :– शनि – शनि
(27/05/2027 - 30/05/2030)

शनि महादशा की अवधि 19 वर्ष होती है। आपके लिए यह 27/05/2027 को प्रारंभ होकर 27/05/2046 को समाप्त होगी। इस महादशा में शनि की अंतर्दशा 3 वर्ष 3 मास की होगी जो आपके लिए 27/05/2027 को प्रारंभ होकर 30/05/2030 को समाप्त होगी।

शनि आपकी जन्मपत्री में लग्न में स्थित है। लग्न शारीरिक बनावट, आकृति, स्वास्थ्य, जन्मजात स्वभाव और आदतें, सम्मान, गरिमा, सामान्य शुभत्व, चेहरे का ऊपरी भाग, आयु और जीवन की रुपरेखा आदि का परिचायक है। लग्न में स्थित होकर शनि आपकी कुंडली के 3, 7, 10 भावों पर दृष्टि डाल रहा है और उनके कारकत्व को प्रभावित कर रहा है।

इस अवधि में आपके स्वास्थ्य और सामाजिक स्थिति में गिरावट आ सकती है। वातरोगों से बचाव करना श्रेयस्कर रहेगा। अधिकारीगण अप्रसन्न रह सकते हैं। आलस्य की भावना अधिक हो सकती है; ज़िम्मेदारियों से बचने की कोशिश कर सकते हैं। कार्यों में प्रगति धीमी रहेगी।

अरिष्ट से बचाव और शुभत्व में वृद्धि के लिए निम्न उपाय करें:

- मछलियों को आटे की गोलियां खिलाएं।
- शिवजी की उपासना करें।
- भोजन की पहली चपाती गाय को दें।

अंर्तदशा :– शनि – बुध
(30/05/2030 - 06/02/2033)

शनि महादशा की अवधि 19 वर्ष होती है जो आपके लिए 27/05/2027 को प्रारंभ होकर 27/05/2046 को समाप्त होगी। इस महादशा में बुध की अंतर्दशा 2 वर्ष 8 मास 9 दिन की होगी जो आपके लिए 30/05/2030 को प्रारंभ होकर 06/02/2033 को समाप्त होगी।

बुध आपकी जन्मपत्री में सप्तम भाव में स्थित है। सप्तम भाव आत्मीय संबंध, जीवनसाथी, व्यापार में साझेदार, मुकदमे, विदेश में प्रभाव और जीवन में खतरों का परिचायक है। बुध ज्ञान और बुद्धि का कारक है। सप्तम भाव में स्थित होकर बुध आपकी कुंडली के प्रथम भाव पर दृष्टि डाल रहा है और उसके कारकत्व को प्रभावित कर रहा है।

इस अवधि में आप विभिन्न विषयों का ज्ञानार्जन करेंगे, धार्मिक बनेंगे। व्यक्तित्व और शरीर प्रभावशाली होंगे। वेशभूषा उत्तम होगी। जरुरत से अधिक चालाकी से बचाव करना उत्तम रहेगा। ज्ञान के दुरुपयोग से भी बचाव करें।

शुभत्व में वृद्धि के लिए बुध के तांत्रिक मंत्र के 36000 जाप करें।

अंर्तदशा :– शनि – केतु
(06/02/2033 - 18/03/2034)

शनि महादशा की अवधि 19 वर्ष होती है। आपके लिए यह 27/05/2027 को प्रारंभ होकर 27/05/2046 को समाप्त होगी। इस महादशा में केतु की अंतर्दशा 1 वर्ष 1 मास 9 दिन की होगी जो आपके लिए 06/02/2033 को प्रारंभ होकर 18/03/2034 को समाप्त होगी।

केतु आपकी जन्मपत्रिका में सप्तम भाव में स्थित है। सप्तम भाव में स्थित होकर राहु आपकी कुंडली के लग्न पर दृष्टि डाल रहा है और उसके कारकत्व को प्रभावित कर रहा है। केतु छाया ग्रह है। इसकी स्वयं की राशि नहीं होती है। इसे अशुभ समझा जाता है पर यह स्थिति के अनुसार शुभ/अशुभ होता है।

इस अवधि में आपको और आपके जीवनसाथी को समस्याओं का सामना करना होगा। आपकी वासनाओं में रुचि अधिक होगी, जिससे विवाहित जीवन में तनाव हो सकता है। अवैध संबंध के कारण अपमान हो सकता है, वीर्यशक्ति का ह्रास हो सकता है।

अरिष्ट से बचाव के लिए केतु के निम्न उपाय करें :

- कुत्तों को भोजन दें।
- भूरा कुत्ता पालें।
- गरीबों को मंदिर में कंबल बांटें।

अंर्तदशा :– शनि – शुक्र
(18/03/2034 - 17/05/2037)

शनि महादशा की अवधि 19 वर्ष होती है। आपके लिए यह 27/05/2027 को प्रारंभ होकर 27/05/2046 को समाप्त होगी। इस महादशा में शुक्र की अंतर्दशा 3 वर्ष 2 मास की होगी जो आपके लिए 18/03/2034 को प्रारंभ होकर 17/05/2037 को समाप्त होगी।

शुक्र आपकी जन्मपत्री में दशम भाव में स्थित है। दशम भाव सम्मान, जनता, सत्ता, सफलता, पद और साख, दुनियादारी, प्रोन्नति, नियुक्ति, धार्मिक कार्य, सरकार से सम्मान और जांघों का परिचायक है। शुक्र शुभ ग्रह है। दशम भाव में स्थित होकर शुक्र आपकी कुंडली के चौथे भाव पर दृष्टि डाल रहा है और उसके कारकत्व को प्रभावित कर रहा है।

इस अवधि में आप प्रसिद्धि प्राप्त करेंगे, धनागम उत्तम होगा, समाज में प्रतिष्ठा होगी। प्रभावक्षेत्र बढ़ेगा। बहुत सी महिलाएं आपके अधीनस्थ कार्य कर सकती हैं। व्यापार में आप कुशल होंगे, चिकित्सा क्षेत्र में सफल हो सकते हैं। तंत्र–मंत्र आदि में सिद्धि प्राप्त हो सकती है।

शुभत्व में वृद्धि और अरिष्ट से बचाव के लिए :

- लक्ष्मीजी की उपासना करें।

• चींटियों को शक्कर और आटा खिलाएं।
• कन्याओं को खीर खिलाएं।

अंर्तदशा :– शनि – सूर्य
(17/05/2037 - 29/04/2038)

शनि महादशा की अवधि 19 वर्ष होती है। आपके लिए यह 27/05/2027 को प्रारंभ होकर 27/05/2046 को समाप्त होगी।

शनि महादशा में सूर्य की अंतर्दशा 11 मास 12 दिन की होती है। आपके लिए यह 17/05/2037 को प्रारंभ होकर 29/04/2038 को समाप्त होगी।

सूर्य आपकी जन्मपत्री में अष्टम भाव में स्थित है। अष्टम भाव आयु, विरासत, दुर्घटना, दुर्भाग्य, दुख, चिंता, निराशा, हानि, बाधा, चोरी और डकैती का प्रतिनिधि है। सूर्य शक्तिशाली ग्रह है। अष्टम भाव में स्थित होकर सूर्य आपकी कुंडली के दूसरे भाव पर दृष्टि डाल रहा है और उसके कारकत्व को प्रभावित कर रहा है।,

इस अवधि में आपका व्यक्तित्व आकर्षक बनेगा। वाणी में मधुरता होगी। कहीं–कहीं सम्मान में गिरावट आ सकती है। सट्टेबाजी आदि से अचानक धनलाभ हो सकता है। इस अंतर्दशा में कई अच्छी–बुरी घटनाएं अचानक घट सकती हैं।

अरिष्ट से बचाव के लिए

• शहद और दूध का सेवन करें; अग्नि को दूध अर्पित करें।
• गरीबों को आटा, गुड़, तांबा दान करें।

अंर्तदशा :– शनि – चन्द्र
(29/04/2038 - 29/11/2039)

शनि महादशा में चंद्र की अंतर्दशा 1 वर्ष 7 मास की होगी। आपके लिए यह 27/05/2027 को प्रारंभ होकर 27/05/2046 को समाप्त होगी।

चंद्रमा आपकी जन्मपत्री में द्वितीय भाव में स्थित है। द्वितीय भाव भाग्य, लाभ–हानि, सांसारिक उपलब्धियां, रत्न, वाणी, दायीं आंख, महत्वाकांक्षा, जीभ, दांत और परिवार के सदस्यों का प्रतिनिधि है।

चंद्रमा मन और माता का कारक है। द्वितीय भाव में स्थित होकर चंद्रमा आपकी कुंडली के 8वें भाव पर दृष्टि डाल रहा है और उसके कारकत्व को प्रभावित कर रहा है।

इस अवधि में आपको देरी और कठिनाइयों का सामना करना पड़ सकता है। आपकी वाणी मृदु होगी, पसंद उत्तम रहेगी। लोकव्यवहार अच्छा होने के कारण कार्य–व्यवसाय और

राजनीति में सफलता प्राप्त करेंगे। विपरीत लिंग के व्यक्तियों से अच्छे संबंध रहेंगे मगर वे हावी रहकर समस्या खड़ी कर सकते हैं। आर्थिक स्थिति में सुधार होगा, धनी बनेंगे।

शुभत्व में वृद्धि के लिए शाम को चंद्रोदय के समय चंद्रमा का मंत्र पढ़ते हुए चंद्र को कच्चा दूध अर्पित करें।

अंर्तदशा :– शनि – मंगल
(29/11/2039 - 07/01/2041)

शनि महादशा की अवधि 19 वर्ष होती है जो आपके लिए 27/05/2027 को प्रारंभ होकर 27/05/2046 को समाप्त होगी। इस महादशा में मंगल की अंतर्दशा 1 वर्ष 1 मास की होगी जो आपके लिए 29/11/2039 को प्रारंभ होकर 07/01/2041 को समाप्त होगी।

मंगल आपकी जन्मपत्री में लग्न में स्थित है। लग्न शारीरिक बनावट, आकृति, स्वास्थ्य, जन्मजात स्वभाव और आदतें, सम्मान, गरिमा, सामान्य शुभत्व, चेहरे का ऊपरी भाग, आयु और जीवन की रुपरेखा आदि का परिचायक है।

इस अवधि में आप जल्दबाज, ऊर्जावान, साहसी और महत्वाकांक्षी होंगे मगर दुर्घटना का खतरा होगा। घरेलू जीवन में थोड़ी अशांति हो सकती है। आपके जीवनसाथी साहसी मगर क्रोधी स्वभाव के हो सकते हैं। आप अचल संपत्ति प्राप्त कर सकते हैं। आप मंगली हैं, अतः आपके जीवनसाथी भी मंगली हों, तो उत्तम रहेगा।

अरिष्ट से बचाव और शुभत्व में वृद्धि के लिए प्रतिदिन हनुमान मंदिर में जाएं और हनुमान चालीसा का पाठ करें।

अंर्तदशा :– शनि – राहु
(07/01/2041 - 13/11/2043)

शनि महादशा की अवधि 19 वर्ष होती है। आपके लिए यह 27/05/2027 को प्रारंभ होकर 27/05/2046 को समाप्त होगी। इस महादशा में राहु की अंतर्दशा 2 वर्ष 10 मास की होगी जो आपके लिए 07/01/2041 को प्रारंभ होकर 13/11/2043 को समाप्त होगी।

राहु आपकी जन्मपत्री में लग्न में स्थित है। लग्न शारीरिक बनावट, आकृति, स्वास्थ्य, जन्मजात स्वभाव और आदतें, सम्मान, गरिमा, सामान्य शुभत्व, चेहरे का ऊपरी भाग, आयु और जीवन की रुपरेखा आदि का परिचायक है।

राहु छाया ग्रह है। इसकी स्वयं की राशि नहीं होती है। इसे अशुभ समझा जाता है पर यह स्थिति के अनुसार शुभ/अशुभ होता है। लग्न में स्थित होकर राहु आपकी कुंडली के सप्तम भाव पर दृष्टि डाल रहा है और उसके कारकत्व को प्रभावित कर रहा है।

इस अवधि में आपके मन में नकारात्मक विचार आ सकते हैं, विवाहित जीवन में कटुता

आ सकती है। सावधान रहना श्रेयस्कर रहेगा। अध्ययन में रुचि होगी मगर स्वास्थ्य निर्बल हो सकता है। आप में विद्रोह की भावना हो सकती है, शक्की स्वभाव के हो सकते हैं। पापकर्म में लिप्त होने से बचें।

अरिष्ट से बचाव और शुभत्व में वृद्धि के लिए राहु के वैदिक मंत्र के 18000 जाप करें।

अंर्तदशा :– शनि – गुरु
(13/11/2043 - 27/05/2046)

शनि महादशा की अवधि 19 वर्ष होती है आपके लिए यह 27/05/2027 को प्रारंभ होकर 27/05/2046को समाप्त होगी। इस महादशा में बृहस्पति की अंतर्दशा 2 वर्ष 6 मास 12 दिन की होगी जो आपके लिए 13/11/2043 को प्रारंभ होकर 27/05/2046 को समाप्त होगी।

बृहस्पति आपकी जन्मपत्री में लग्न में स्थित है। लग्न शारीरिक बनावट, आकृति, स्वास्थ्य, जन्मजात स्वभाव और आदतें, सम्मान, गरिमा, सामान्य शुभत्व, चेहरे का ऊपरी भाग, आयु और जीवन की रुपरेखा आदि का परिचायक है।

बृहस्पति शुभ ग्रह है। लग्न में स्थित होकर बृहस्पति आपकी कुंडली के 5, 7, 9 भावों पर दृष्टि डाल रहा है और उनके कारकत्व को प्रभावित कर रहा है।

इस अवधि में आप बुद्धिमान और धनी होंगे। जिस वस्तु की इच्छा करेंगे, वह आपको प्राप्त हो जाएगी मगर सब कार्यों में बाधाएं आएंगी। प्रसन्नचित्त रहेंगे। यह अंतर्दशा शुभ रहेगी क्योंकि बृहस्पति की कृपा आप और आपके परिवारजनों पर रहेगी।

शुभत्व में वृद्धि के लिए बृहस्पति के वैदिक मंत्र के 19000 जाप करें।

एस्ट्रोग्राफ

एस्ट्रोग्राफ, जीवन के किसी भी पहलू की ग्राफ द्वारा प्रस्तुति है। इससे स्वास्थ्य, आर्थिक, बुद्धि, प्रेम या अन्य किसी भी क्षेत्र में, एक समय के दौरान, होने वाली घटनाओं में रूचि रखने वालों को जानकारी मिलती है। एस्ट्रोग्राफ हमें सही रूप जानने और उन्हें आसानी से समझने में सहायक होते है।

अगले पृष्ठों में आपके जीवन के तीन महत्वपूर्ण पहलू – स्वास्थ्य, धन तथा मानसिक स्तर एस्ट्रोग्राफ द्वारा दिखाये गये हैं। ये एस्ट्रोग्राफ 100 मापक्रम के अनुसार हैं।। यदि आपका एस्ट्रोग्राफ 50 से अधिक अंक दि खाता है तो वह शुभ है। 65 से ऊपर बहुत अच्छा होता है और 80 से ऊपर अति उत्तम होता है। 50 से नीचे सामान्य होता है, 35 से नीचे बुरा तथा 20 से नीचे बहुत बुरा माना जाना चाहिए।

0-20	निकृष्ट	50-65	श्रेष्ठ
20-35	नेष्ट	65-80	उत्तम
35-50	सामान्य	80-100	अत्युत्तम

एस्ट्रोग्राफ – 2025

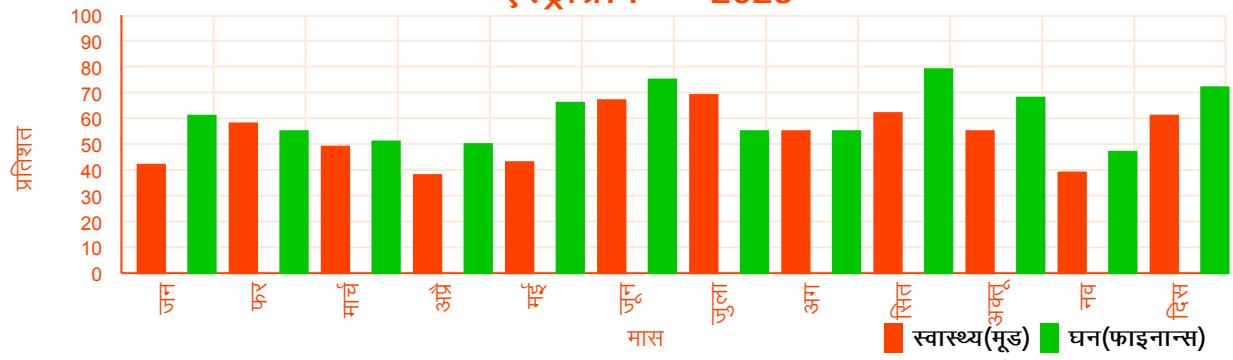

एस्ट्रोग्राफ – 2026

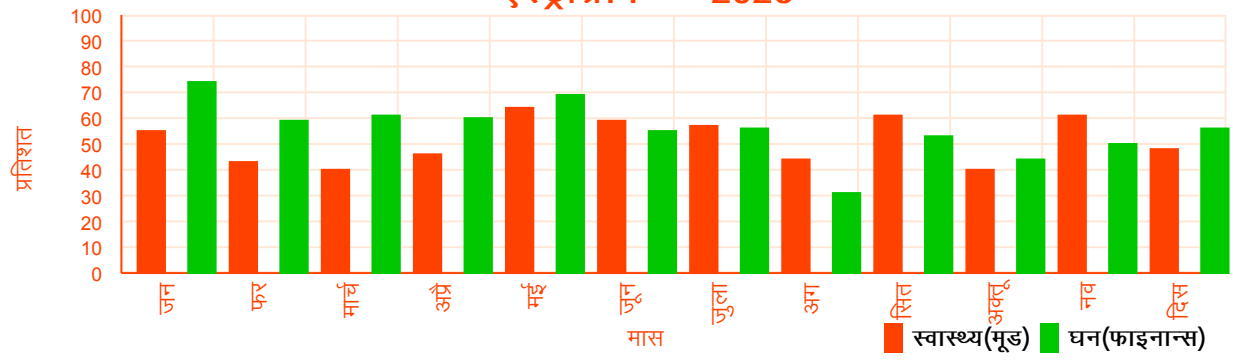

एस्ट्रोग्राफ – 2027

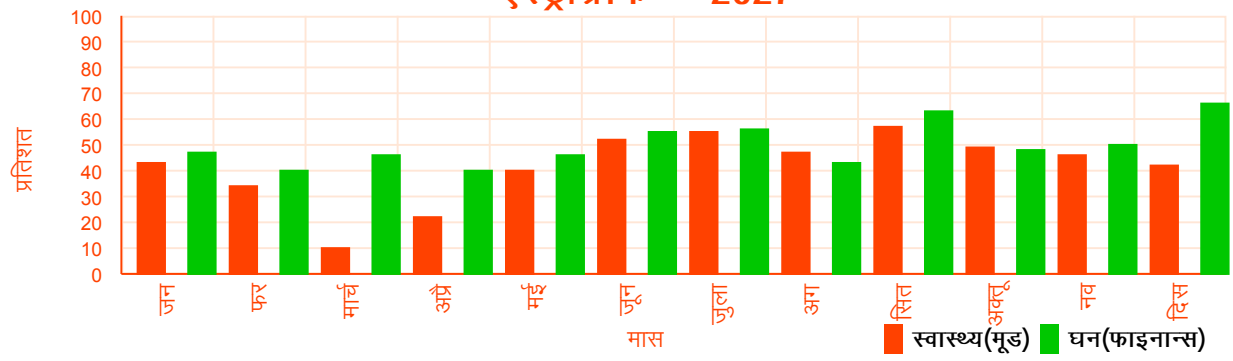

एस्ट्रोग्राफ – 2028

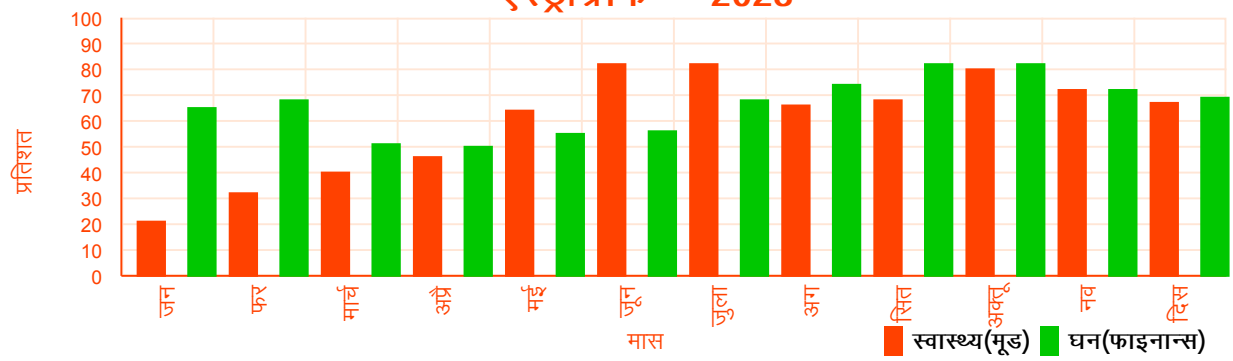

एस्ट्रोग्राफ – 2029

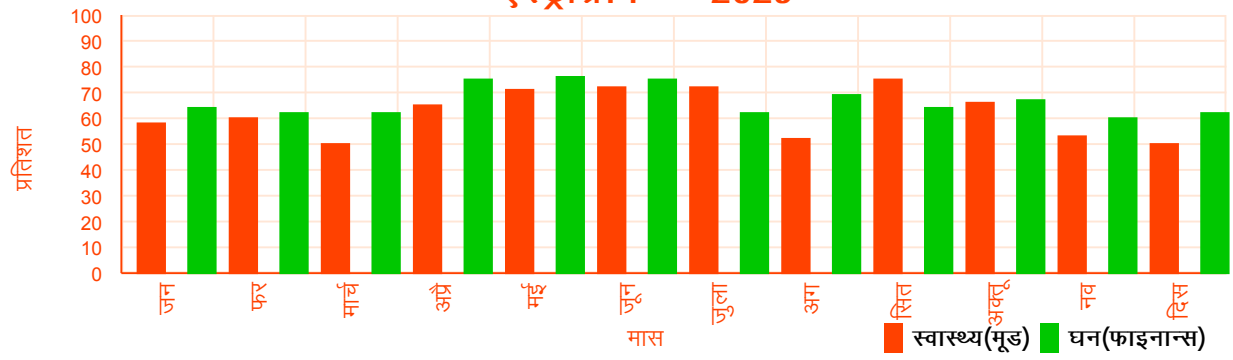

एस्ट्रोग्राफ – 2030

एस्ट्रोग्राफ – 2031

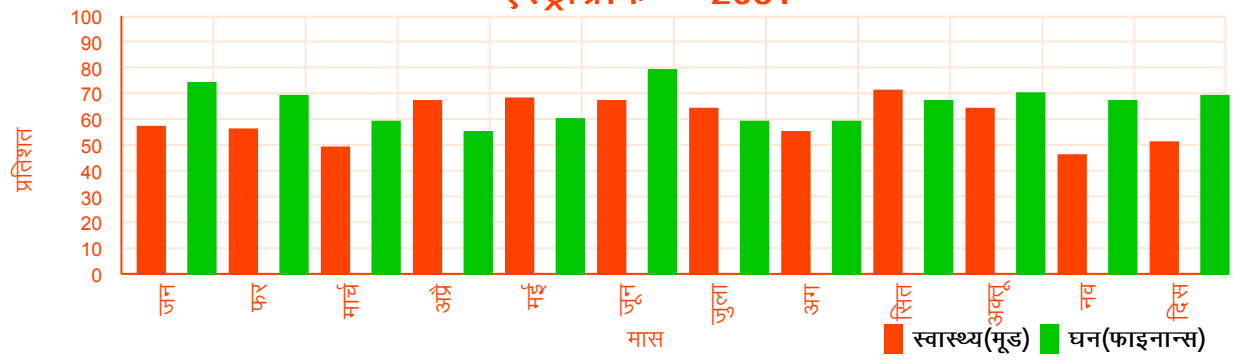

एस्ट्रोग्राफ – 2032

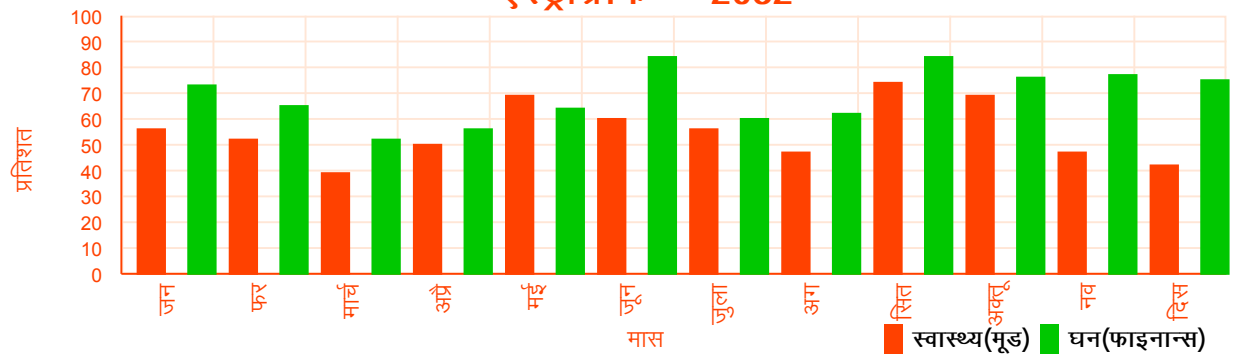

एस्ट्रोग्राफ – 2033

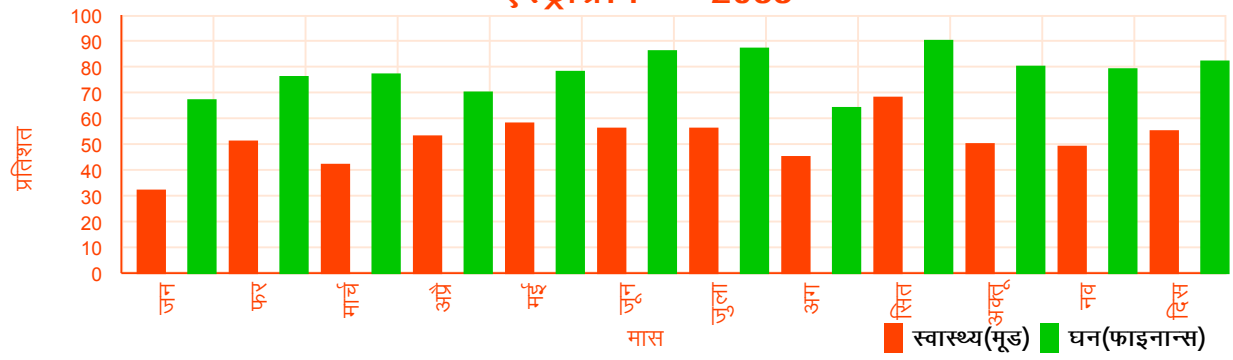

एस्ट्रोग्राफ – 2034

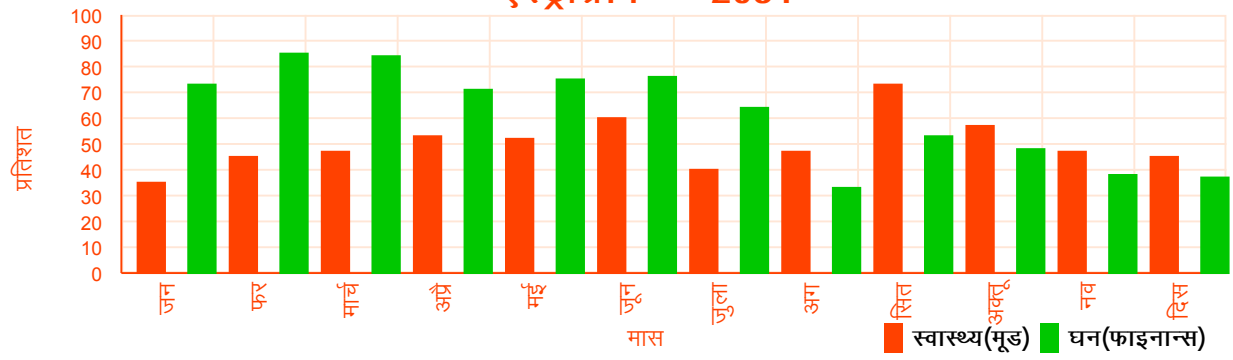

एस्ट्रोग्राफ – 2035

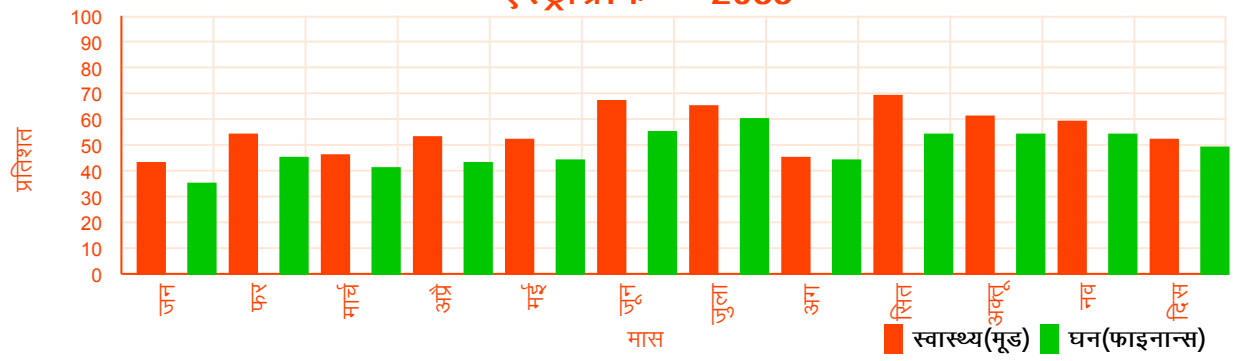

एस्ट्रोग्राफ – 2036

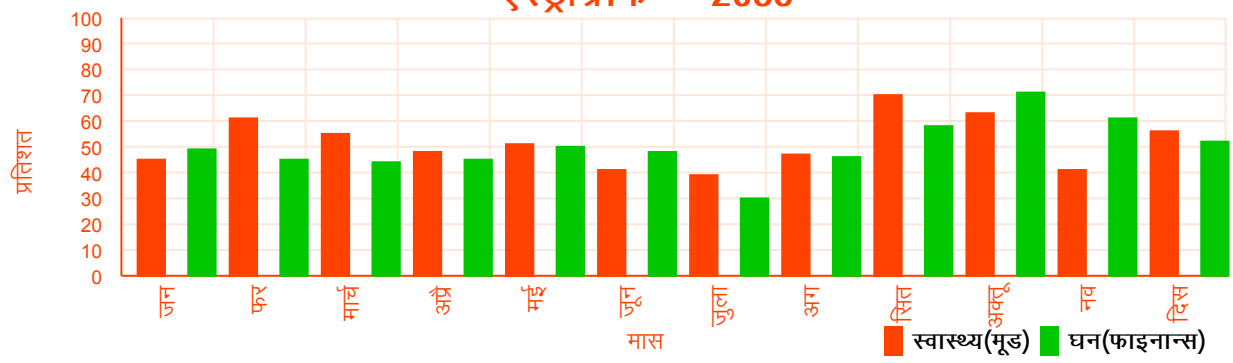

एस्ट्रोग्राफ – 2037

एस्ट्रोग्राफ – 2038

एस्ट्रोग्राफ – 2039

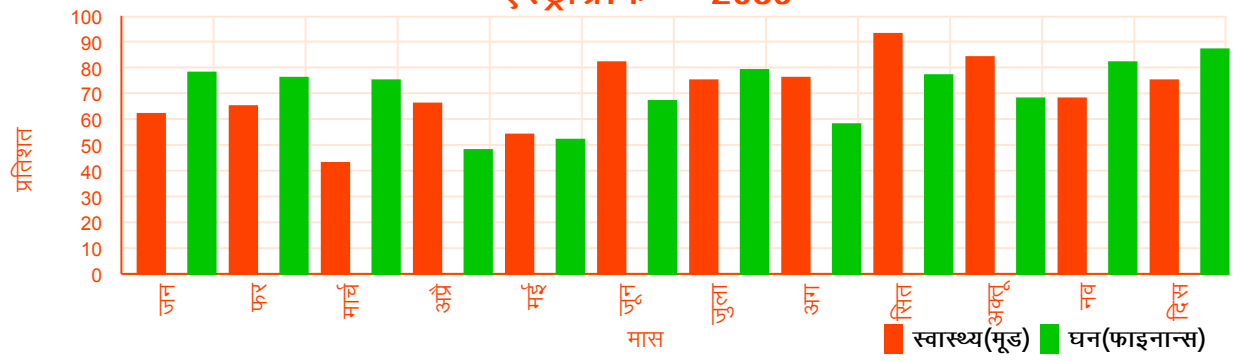

एस्ट्रोग्राफ – 2040

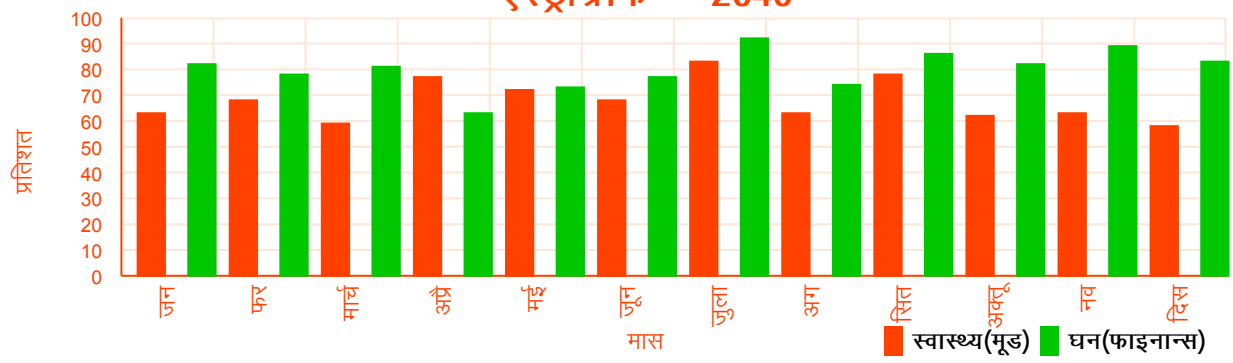

एस्ट्रोग्राफ – 2041

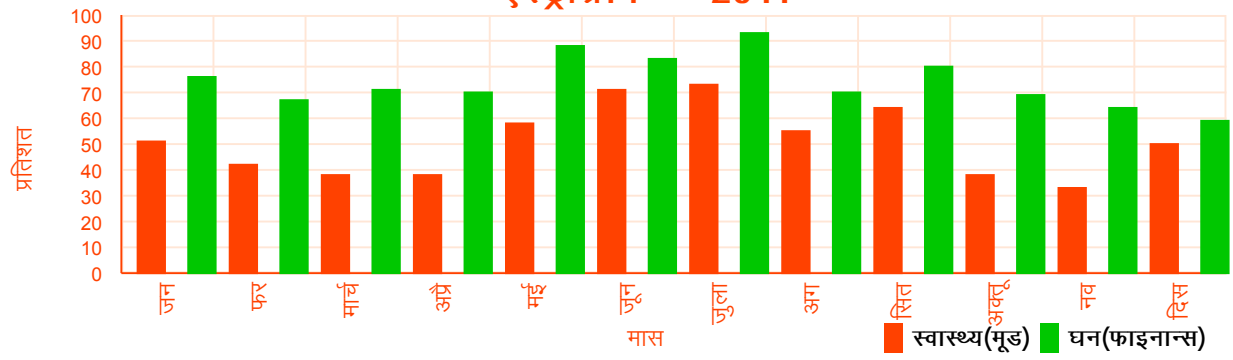

एस्ट्रोग्राफ – 2042

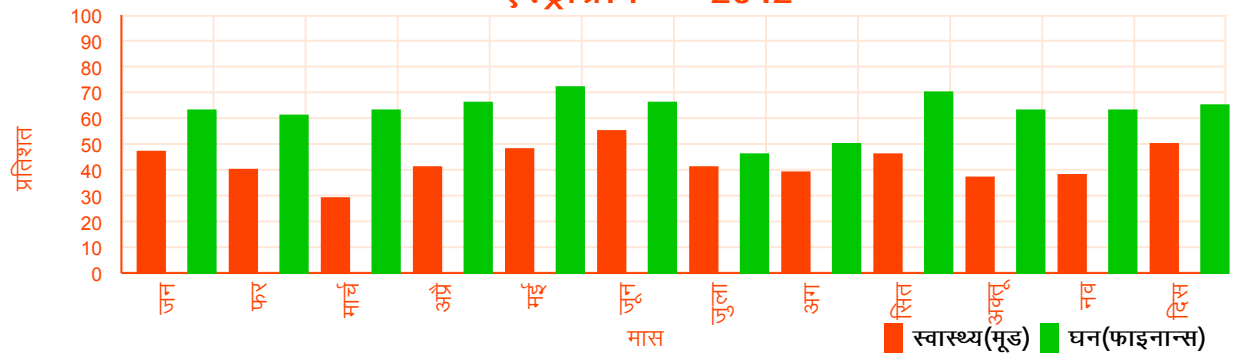

एस्ट्रोग्राफ – 2043

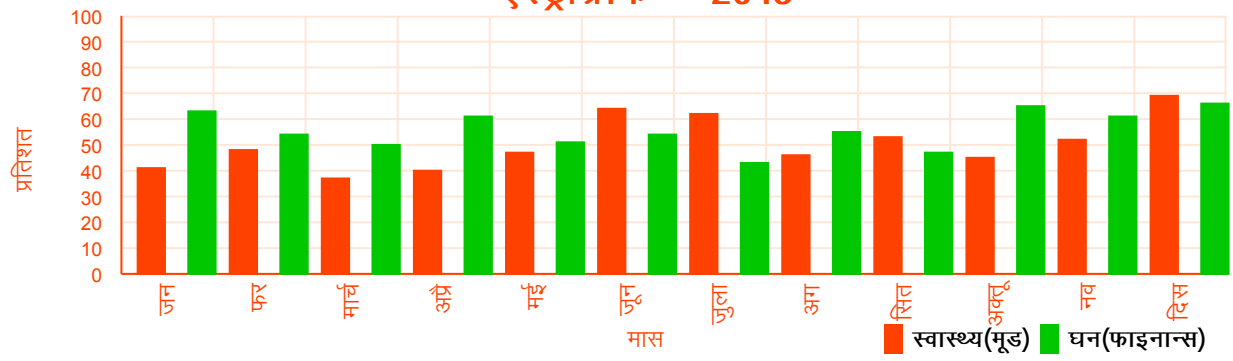

एस्ट्रोग्राफ – 2044

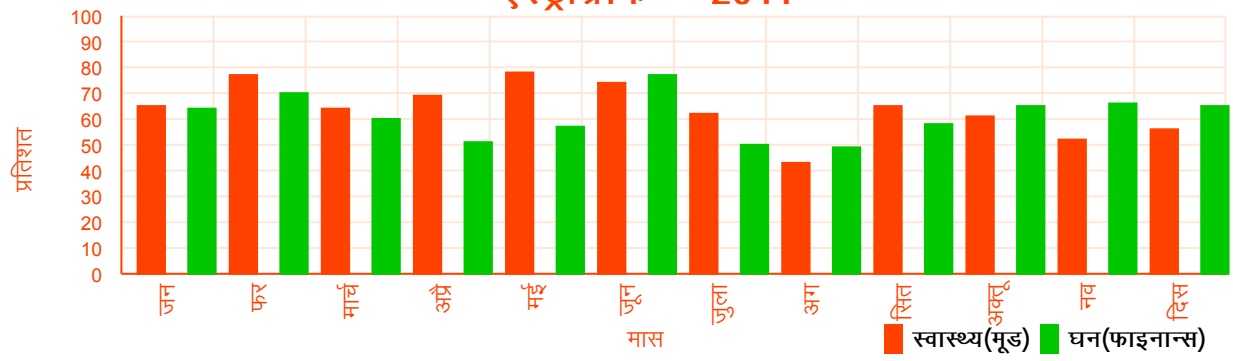

योग

मालव्य योग

स्वगेहतुङ्गाश्रयकेन्द्रसंस्थैरुच्चोपगैर्वाचनसूनुमुख्यैः।
क्रमेण योगा रुचकाख्यभद्रहंसाख्यमालव्यशशाभिधानाः।।
अस्थूलोष्ठोऽप्यविषमवपुर्नैव रक्ताङ्गसन्धि–
र्मध्ये क्षामः शशिधररुचिर्हस्तिनासः सुगण्डः।
सद्दीप्ताक्षः समितिविदितो जानुदेशाप्रपाणि–
र्मालव्योऽयं विलसति नृपः सप्ततिर्वत्सराणाम् ।।
वक्त्रं त्रयोदशमिताङ्गुलमस्य दीर्घं
तिर्यग्दशाङ्गुलमितं श्रवणान्तरालम्।
मालव्यसंज्ञनृपतिः ससुतो भुनक्ति
लाटांश्च मालवससिन्धुसुपारियात्रान्।।
।। मानसागरी ।। अ.4/श्लोक 2, 9 1–2

यदि जन्मपत्रिका में स्वराशि या उच्चहोकर शुक्र केन्द्र में हो तो मालव्य योग बनता है।

मालव्यनामक योग में समुत्पन्न जातक सर्वावयव सम्पन्न शरीरवाला, चन्द्रवत कान्तिवाला, युद्ध में मान रखने वाला, आजान बाहु (घुटनापर्यन्त बांह वाला) और दीर्घायु राजा होता है। मुख की लम्बाई 13 अङ्गुल एवं 10 अङ्गुल दोनों कानों के मध्य वाला होता है। लाट, मालवा, सिन्धु और परियात्र पर्वतीय देशों का प्रधान शासन अपने पुत्रों के साथ करता है।

योग कारक ग्रह : शुक्र योग की संभावना : 12 में 1

आपकी जन्मपत्रिका में यह योग पूर्णरूपेण से घटित हो रहा है। फलस्वरूप आप उच्चकोटि के कानून विशेषज्ञ, राजनेता, इलेक्ट्रोनिक्स विशेषज्ञ, संगीतज्ञ, अभिनेता, कलाकार, सिनेमा क्षेत्र में प्रसिद्ध, मीडिया में श्रेष्ठ, ज्योतिष के प्रति श्रद्धालु, एक्सपोर्ट अर्थात् निर्यात के क्षेत्र में ख्याति प्राप्त करने वाले व्यक्ति होंगे।

वाशि योग

सूर्याद्व्ययगैर्वाशिर्द्वितीयगैश्चन्द्रवर्जितैर्वेशि।
उत्कृष्टवचाः स्मृतिमानुद्योगयुतो निरीक्षते तिर्यक्।
सर्वशरीरे पृथुलो नृपतिसमः सात्त्विको वाशौ।।
।। सारावली ।। अ.14/श्लोक 1, 6।।

यदि जन्मकुंडली में सूर्य से द्वादश स्थान में चंद्रमा को छोड़कर अन्य ग्रह विद्यमान हो तो वाशि नामक योग बनता है।

योग कारक ग्रह : बुध,केतु,सूर्य योग की संभावना : 2 में 1

आपकी जन्मकुंडली में यह योग पूर्णरूप से घटित हो रहा है। फलस्वरूप आप उत्कृष्ट वाणी वाले, स्मरण शक्ति वाले, उद्यमी, तिरछी दृष्टि वाले, स्थूल शरीर वाले, राजा के समान व्यक्तित्व वाले तथा सात्विक प्रवृत्ति वाले होंगे।

चक्रवर्ती राजयोग

एकोऽपि विहगः कुर्यात्पंचमांशगतो नृपम्।
समस्तबलसम्पन्नश्चक्रवर्तिनमेव च ।।
।। सारावली ।। अ. 35 /श्लोक 64।।

यदि कोई भी ग्रह कुण्डली में अपने पंचमांश में स्थित हो तो जातक राजा होता है और यदि पूर्णबली हो तो चक्रवर्त्ती राजा होता है।

योग कारक ग्रह : शुक्र योग की संभावना : 2 में 1

आपकी जन्मपत्रिका में यह योग पूर्ण रूपेण प्रतिष्ठत हो रहा है। फलस्वरूप आप एक प्रसिद्ध सम्मानित देश–विदेशों में प्रतिष्ठा प्राप्त करने वाले राष्ट्राध्यक्ष/राज्याध्यक्ष अथवा सर्वोच्चाधिकारी होकर पूर्ण राज–सुख प्राप्त करेंगे।

शकट योग

जीवान्त्याष्टारिसंस्थे शशिनि तु शकटः।।
क्वचित्क्वचिद्भाग्यपरिच्युतः सन् पुनः पुनः सर्वमुपैति भाग्यम्।
लोकेऽप्रसिद्धोऽपरिहार्यमन्तः शल्यं प्रपन्नः शकटेऽतिःदुखी।।
।। फलदीपिका ।। अ. 6/श्लोक 14, 17

यदि पत्रिका में चंद्रमा से 6, 8 या 12 वें स्थान में बृहस्पति हो तो शकट योग बनता है।

योग कारक ग्रह : चंद्र,गुरु योग की संभावना : 12 में 1

आपकी जन्मकुंडली में यह योग पूर्णरूपेण स्थापित हो रहा है। फलस्वरूप जन्मभर दुःखी रहना, जीवन व्यथित रहना, प्रसिद्धि प्राप्त करना, सामान्य जीवन व्यतीत करना, भाग्यहीनता तथा पुनः भाग्य प्राप्ति के योग बनेंगे।

अमलयोग

चन्द्राव्द्योम्न्यमलाह्वयः शुभखगैर्योगो विलग्नादपि।
क्ष्मेशः स्यादमले धनी सुतयशः संपद्युतो नीतिमान्।
।। फलदीपिका ।। अ. 6/श्लोक 19–20

यदि पत्रिका में लग्न या चंद्रमा से दशम स्थान में शुभ ग्रह हो तो अमला योग होता है।

योग कारक ग्रह : शुक्र योग की संभावना : 2 में 1

आपकी जन्मकुंडली में यह योग पूर्णरूपेण स्थापित हो रहा है। फलस्वरूप आप भूमि के स्वामी, धनी, नीतिवान् पुत्र एवं संपत्ति से युक्त यशस्वी व्यक्ति होंगे।

महादान योग

दानाधिपेन संदृष्टे लग्ने तन्नायकेपि वा ।
तस्मिन्केन्द्रत्रिकोणस्थे महादानकरो भवेत्।।
।। सर्वार्थचिन्तामणि।। अ.7/भाव–9/श्लो

यदि जन्मपत्रिका में लग्नेश पर या लग्न पर नवमेश की दृष्टि हो वह नवमेश भी केन्द्र या त्रिकोण में हो तो जातक महादानी होता है।

योग कारक ग्रह : मंगल,सूर्य योग की संभावना : 24 में 1

आपकी जन्मपत्रिका में यह योग पूर्ण रूपेण घटित हो रहा है। फलस्वरूप आप हाथी–घोड़ा दान, तुलादान तथा महादान करेंगे। आप महादानी होंगे।

अनफा योग

अनफा रविरहितैः।
अन्त्ये कैरववनबान्धवाद्विहगैः।।
वाग्मीप्रभुर्द्रविणवानगदः सुशीलो
भोक्तान्नपानकुसुमाम्बरकामिनीनाम्।
ख्यातः समाहितगुणः सुखशस्तचित्तो
योगे निशाकरकृते त्वनफे सुवेषः।।
।। सारावली ।। अ. 13/श्लोक 1, 5।।

यदि जन्मकुंडली में चंद्रमा से द्वादश भाव में सूर्य रहित कोई ग्रह हो तो अनफा योग बनता है।

योग कारक ग्रह : मंगल,गुरु,शनि,चंद्र योग की संभावना : 2 में 1

आपकी जन्मकुंडली में यह योग पूर्णरूप से घटित हो रहा है। फलस्वरूप आप कुशलवक्ता, सामर्थ्यवान्, धनवान्, नीरोग, सुन्दर शीलवान् अन्नपानपुष्पवस्त्र व स्त्री का सुख भोगने

वाले, गुणी, सुखी तथा सुन्दर वेशभूषा वाले होंगे।

युद्ध कुशल एवं कलह प्रवीण योग

धैर्यान्वितो विक्रमराशिनाथसंयुक्तराश्यंशपतौ यदंशे ।
तदंशनाथे स्वगृहादिवर्गे युद्धे विदग्धः कलहप्रवीणः ।।
।। सर्वार्थचिन्तामणि ।। अ.4/श्लो.–33 ।

यदि जन्मपत्रिका में तृतीयेश जिसकी राशि अंश में है, वह ग्रह अपने राश्यादि वर्ग में हो तो जातक धैर्यवान, युद्ध में चतुर और कलह करने में निपुण होता है।

योग कारक ग्रह : शुक्र योग की संभावना : 9 में 1

आपकी जन्मकुंडली में यह योग पूर्ण रूपेण घटित हो रहा है। फलस्वरूप आप धैर्यधारण करने वाले, युद्ध में चतुर और कलह प्रिय प्राणी होंगे। ऐसा प्रतीत होता है।

कर्णरोग योग

तृतीयनाथे पापान्विते पापनिरीक्षिते वा वदन्ति कर्णोद्भवरोगमत्र ।
।। सर्वार्थचिन्तामणि ।। अ.4/श्लो.–49 ।

यदि जन्मपत्रिका में तृतीयेश पाप युक्त या दृष्ट हो तो कर्णरोग होता है।

योग कारक ग्रह : शनि,शुक्र योग की संभावना : 2 में 1

आपकी जन्मपत्रिका में यह योग पूर्णरूप से घटित हो रहा है फलस्वरूप आपको कर्णरोग होगा। ऐसा प्रतीत होता है।

सर्प भय योग

।। भारतीय ज्योतिष ।। पृ.–285।।

यदि जन्मपत्रिका में तृतीयेश राहु स्थित राशि पद से युक्त हो अथवा लग्न राहु युक्त हो तो जातक को सर्प का भय होता है।

योग कारक ग्रह : राहु योग की संभावना : 4 में 1

आपकी जन्मपत्रिका में यह योग पूर्ण रूपेण घटित हो रहा है। फलस्वरूप आपको सर्प का भय होगा। ऐसा प्रतीत होता है।

मातृस्नेह योग

यदा लग्नसुखेशौ वा मित्रभूतौ परस्परम् ।
शुभेक्षितौ शुभैर्युक्तौ मातृस्नेहं विनिर्दिशेत् ।।
।। सर्वार्थचिन्तामणि ।। अ.4 / श्लो.–148

यदि जन्मपत्रिका में लग्नेश चतुर्थेश परस्पर मित्र हों, शुभ ग्रहों से युक्त और दृष्ट हो तो माता का विशेष स्नेह प्राप्त होता है।

योग कारक ग्रह : मंगल,सूर्य योग की संभावना : 36 में 1

आपकी जन्मपत्रिका में यह योग पूर्ण रूपेण घटित हो रहा है। फलस्वरूप आपको अपनी माता का विशेष स्नेह प्राप्त हो ऐसा प्रतीत होता है।

पुत्रनाश योग

पापमध्ये तु यद्भावे तदीशेऽपि तथा स्थिते ।
कारके पापसंयुक्ते पुत्रनाशं वदेत्तदा ।।
।। सर्वार्थचिन्तामणि ।। अ. 5 / श्लो.–14

यदि जन्मपत्रिका में पंचम भाव या पंचमेश पाप ग्रहों के बीच हो, तथा संतान कारक ग्रह भी पाप युक्त हो तो पुत्रनाश योग बनता है।

योग कारक ग्रह : मंगल,शनि,राहु,गुरु योग की संभावना : 6 में 1

आपकी जन्मपत्रिका में यह योग पूर्ण रूपेण घटित हो रहा है। फलस्वरूप आपको संतान सुख में बाधा हो ऐसा प्रतीत होता है।

बुद्धिमान् तथा नीतिमान् योग

बुद्धिस्थानाधिपे सौम्ये शुभदृष्टिसमन्विते ।
शुभग्रहाणां क्षेत्रे वा बुद्धिमान्नीतिमान् भवेत् ।।
।। सर्वार्थचिन्तामणि ।। अ. 5 / श्लो.–32।

यदि जन्मपत्रिका में पंचमेश शुभग्रह शुभ ग्रहों से दृष्ट हो या शुभग्रह की राशि में हो तो बुद्धिमान् तथा नीतिमान् योग बनता है।

योग कारक ग्रह : बुध,गुरु योग की संभावना : 36 में 1

आपकी जन्मपत्रिका में यह योग पूर्ण रूपेण घटित हो रहा है। फलस्वरूप आप बुद्धिमान् तथा नीतिमान् होंगे, ऐसा प्रतीत होता है।

तीव्रबुद्धि योग

बुद्धिस्थानाधिपस्यांशराशीशे शुभवीक्षिते ।
वैशेषिकांशके वापि तीव्रबुद्धिं समादिशेत् ।।
।। सर्वार्थचिन्तामणि ।। अ. 5/श्लो.–35

यदि जन्मपत्रिका में पंचमेश जिसके नवांशक में हो वह शुभ ग्रह से दृष्ट अथवा वैशेषिकांश में हो तो तीव्र बुद्धि योग बनता है।

योग कारक ग्रह : गुरु,बुध योग की संभावना : 2 में 1

आपकी जन्मपत्रिका में यह योग पूर्णरूपेण घटित हो रहा है। फलस्वरूप आप तीव्र बुद्धि के होंगे, ऐसा प्रतीत होता है।

तीव्रबुद्धि योग

कारकस्थितराश्यंशनाथे केन्द्रत्रिकोणगे ।
बुद्धीश्वरेण संदृष्टे तीव्रबुद्धिं समादिशेत् ।।
।। सर्वार्थचिन्तामणि ।। अ. 5/श्लो.–36

यदि जन्मपत्रिका में पंचम भाव कारक ग्रह जिसकी राशि अंशक में हो वह केंद्र या त्रिकोण में पंचमेश से दृष्ट हो तो तीव्रबुद्धि योग बनता है।

योग कारक ग्रह : गुरु,बुध योग की संभावना : 8 में 1

आपकी जन्मपत्रिका में यह योग पूर्णरूपेण घटित हो रहा है। फलस्वरूप आप तीक्ष्ण बुद्धि वाले होंगे, ऐसा प्रतीत होता है।

बहुपुत्र योग

पुत्रस्थानपतौ तु वा नवमपे पुंवर्गे पुरुषग्रहेक्षितयुते जातस्तु पुत्राधिकः।
।। जातकपारिजात ।। अ. 13/श्लो.–9 ।

यदि जन्मपत्रिका में पंचमेश अथवा नवमेश पुरुष ग्रह के वर्ग में हो तथा पुरुष ग्रह से दृष्टिगत या युत हो तो बहुपुत्र योग बनता है।

योग कारक ग्रह : गुरु,मंगल योग की संभावना : 4 में 1

आपकी जन्मपत्रिका में यह योग पूर्ण रूपेण घटित हो रहा है। फलस्वरूप आपको अनेक पुत्रों का सुख प्राप्त हागा। ऐसा प्रतीत होता है।

Sample

शिर मुख या गुल्म रोग योग

बलहीनेऽरिनाथे वा लग्नस्थे वा धरासुते।
मूर्धार्तिर्मुखरोगो वा गुल्मविद्रधिभाग्भवेत्।।
।। सर्वार्थचिन्तामणि–अ.–5/श्लो.–42 ।।

यदि जन्मकुंडली में षष्ठेश निर्बल हो या लग्नस्थ हो अथवा लग्न में मंगल हो तो शिर में पीड़ा या मुखरोग अथवा गुल्मरोग होता है।

योग कारक ग्रह : शनि योग की संभावना : 2 में 1

आपकी जन्मकुंडली में यह योग पूर्ण रूपेण घटित हो रहा है। फलस्वरूप आपको शिर रोग, मुखरोग या गुल्म रोग से पीड़ित होंगे। ऐसा प्रतीत होता है।

विना पीड़ा मृत्यु योग

सौम्यांशके सौम्यगृहेऽथ सौम्य सम्बन्धगे वा क्षयेशे।
अक्लेशजातं मरणं नराणाम्।।
।। फलदीपिका–अ.14/श्लो.–21।।

यदि जन्मकुंडली में द्वादशेश सौम्यग्रह की राशि या सौम्य ग्रह के नवांश या सौम्य ग्रह के साथ स्थित हो तो विना पीड़ा की मृत्यु होती है।

योग कारक ग्रह : चंद्र योग की संभावना : 2 में 1

आपकी जन्मकुंडली में यह योग पूर्ण रूपेण घटित हो रहा है। फलस्वरूप आपका मरण बिना क्लेश का होगा। ऐसा प्रतीत होता है।

स्वर्गनिवास योग

भृगुसुतः स्वर्गसम्प्रापयेत्प्राणिनः ।
सम्बन्धाद्व्ययनायकास्य कथयेत्तत्रान्त्यराश्यंशतः।।
।। फलदीपिका–अ.14/श्लो.–23।।

यदि जन्मपत्रिका में द्वादश भाव में शुक्र स्थित हो या द्वादश भाव जिस ग्रह की नवांश में हो यिद उस नवांश में शुक्र हो या द्वादश स्थान के स्वामी शुक्र से संबंध स्थापित करता हो तो जातक स्वर्ग में निवास करता है।

योग कारक ग्रह : शुक्र योग की संभावना : 2 में 1

आपकी जन्मकुंडली में यह योग पूर्णरूपेण घटित हो रहा है। फलस्वरूप आप

मरणोपरांत स्वर्ग में निवास करेंगे। ऐसा प्रतीत होता है।

पुत्रहीन योग

पुत्रेश्वरे दारपतौ बलाढ्ये दृष्टे युते वा त्वरिनायकेन जातोऽनपत्यः।
।। सर्वार्थचिन्तामणि ।। अ–6/श्लो.–7।।

यदि जन्मकुण्डली में पंचमेश एवं सप्तमेश बलिष्ठ होकर षष्ठेश से युक्त या दृष्ट हो तो जातक को पुत्र नहीं होता है।

योग कारक ग्रह : गुरु,शनि योग की संभावना : 288 में 1

आपकी जन्मपत्रिका में यह योग पूर्ण रूपेण घटित हो रहा है। अतः आप पुत्रहीन होंगे। ऐसा प्रतीत होता है।

बहुभार्या योग

कुटुम्बकलत्रनाथाभ्यां समेतैर्ग्रहनायकैर्वा कलत्रसंख्यां प्रवदन्ति सन्तः ।
।। सर्वार्थचिन्तामणि ।। अ.–6/श्लो.–14।

यदि जन्मकुण्डली में द्वितीयेश या सप्तमेश के साथ जितने ग्रह हों उतनी पत्नी होती हैं।

योग कारक ग्रह : केतु,बुध योग की संभावना : 12 में 1

आपकी जन्मकुण्डली में यह योग पूर्ण रूपेण घटित हो रहा है। फलस्वरूप आपके दो या दो से अधिक जीवनसाथी हो सकते हैं। ऐसा प्रतीत होता है।

बहुभार्यायोग

कलत्रेशे बहुगुणे तुङ्गवक्रादिहेतुभिः ।
बहुभार्यं नरं विद्यादुदयर्क्षगतेऽपि वा।।
।। सर्वार्थचिन्तामणि ।। अ.–6/श्लो.–15

यदि जन्मपत्रिका में सप्तमेश उच्च वक्र आदि बहुत गुणों से युक्त हो अथवा लग्नस्थ हो तो मनुष्य बहुत स्त्रियों से युक्त होता है।

योग कारक ग्रह : शनि योग की संभावना : 12 में 1

आपकी जन्मपत्रिका में यह योग पूर्णरूपेण घटित हो रहा है। फलस्वरूप आपके अधिक जीवनसाथी होंगे। ऐसा प्रतीत होता है।

द्वि–विवाहयोग

शुभग्रहेण संयुक्तः कलत्रेशेऽरिनीचगे।
पापे कलत्रराशिस्थे विवाहद्वयमादिशेत्।।
।। सर्वार्थचिन्तामणि ।। अ.–6/श्लो.–18

यदि जन्मकुण्डली में सप्तमेश शत्रु या नीच राशि में शुभ ग्रह से दृष्ट हो और सप्तम में पाप ग्रह हो तो द्विविवाह योग बनता है।

योग कारक ग्रह : मंगल,बुध,केतु,शनि योग की संभावना : 24 में 1

आपकी जन्मपत्रिका में यह योग पूर्ण रूपेण घटित हो रहा है। फलस्वरूप आपके दो जीवनसाथी हो ऐसी संभावना है।

बहुस्त्री योग

लाभदारेश्वरौ युक्तौ परस्परनिरीक्षितौ ।
बलाढ्यौ वा त्रिकोणस्थौ बहुस्त्रीसहितो भवेत् ।।
।। सर्वार्थचिन्तामणि ।। अ.–6/श्लो.–31।

यदि जन्मकुण्डली में लाभेश सप्तमेश से युक्त हों अथवा परस्पर देखते हों और बलिष्ठ हो या त्रिकोणस्थ हो तो बहुस्त्री योग बनता है।

योग कारक ग्रह : बुध योग की संभावना : 172 में 1

आपकी कुण्डली में यह योग पूर्ण रूपेण घटित हो रहा है। फलस्वरूप आपका संबन्ध कई से होगा। ऐसा प्रतीत होता है।

सुलक्षणी स्त्री योग

दारेशे शुभसंयुक्ते शुभखेचरवीक्षिते ।
शुभग्रहाणां मध्यस्थे सत्कलत्रादिभाग्भवेत् ।।
।। सर्वार्थचिन्तामणि ।। अ.–6/श्लो.–40

यदि जन्मपत्रिका में सप्तमेश शुभ ग्रह से युक्त, शुभ ग्रह से दृष्ट तथा शुभ ग्रहों के मध्य में हो तो जातक को सुलक्षणी स्त्री प्राप्त होती है।

योग कारक ग्रह : शनि,बुध,गुरु योग की संभावना : 2 में 1

आपकी जन्मकुण्डली में यह योग पूर्ण रूपेण घटित हो रहा है। फलस्वरूप आपका जीवनसाथी सुलक्षणी होगा। ऐसा प्रतीत होता है।

द्विभार्या योग

रन्ध्रेशेंगे अस्ते द्विभार्यः।।

।। बृहद्योग रत्नाकर ।। पृ. 302 ।।

यदि जन्मपत्रिका में अष्टमेश लग्न में अथवा सप्तमभाव में स्थित हो तो द्विभार्या योग बनता है।

योग कारक ग्रह : गुरु योग की संभावना : 6 में 1

आपकी जन्मपत्रिका में यह योग पूर्ण रूपेण घटित हो रहा है। फलस्वरूप आपके दो विवाह हो, ऐसा प्रतीत होता है।

द्विभार्या योग

पापाः सप्तमे द्विभार्यः।

।। बृहद्योग रत्नाकर ।। पृ. 303 ।।

यदि जन्मपत्रिका में सप्तम भाव में पाप ग्रह हो तो द्विभार्या योग बनता है।

योग कारक ग्रह : केतु योग की संभावना : 4 में 1

आपकी जन्मपत्रिका में यह योग पूर्ण रूपेण घटित हो रहा है। फलस्वरूप आपके जीवन में दो जीवनसाथी आएगें, अर्थात आपके दो विवाह हो, ऐसा प्रतीत होता है।

उच्च सुखादि योग

चन्द्रो व्ययाधिपो धर्मलाभमन्त्रेषु संस्थितः ।
स्वोच्चस्वर्क्षनिजांशे वा लाभधर्मात्मजांशके ।
दिव्यागारादिपर्यङ्को दिव्यगन्धैकभोगवान्।
परार्घ्यरमणो दिव्यवस्त्रमाल्यादिभूषणः।
परार्घ्यसंयुतो वित्तो दिनानि नवति प्रभुः ।।

।। बृहत्पाराशरहोराशास्त्रम् ।। अ.12/श

यदि जन्मकुंडली में चंद्रमा व्ययेश होकर 5–9–11 वें भाव में हो या अपनी उच्च राशि, अपनी राशि, धन भाव के नवांश में हो अथवा लाभ, नवम पंचम के नवांश में हो तो दिव्य भवन, शक्रया, गन्ध, दूसरे के द्रव्य को भोगनेवाला होता है।

योग कारक ग्रह : चंद्र योग की संभावना : 24 में 1

आपकी जन्मपत्रिका में यह योग पूर्णरूपेण घटित हो रहा है। फलस्वरूप आपको उत्तम भवनशक्रयादि सुख प्राप्त होगा। ऐसा प्रतीत होता है।

पारिजात योग

''सपारिजातद्युचरः सुखानि ।''

।। बृ. पा. होरा. –योगाध्याय–श्लो. 34 ।।

जिसकी पत्रिका के "पारिजात" भाग में ग्रह हों तो उसे सभी प्रकार के उत्तम सुख की प्राप्ति होती है।

योग कारक ग्रह : सूर्य,शनि योग की संभावना : 2 में 1

आपकी पत्रिका में ग्रह "पारिजात" वर्ग में स्थित है। फलस्वरूप आपको सभी प्रकार का उत्तम सुख प्राप्त होगा।

उत्तमवर्ग योग

''नीरोगतामुत्तमवर्गयातः।''

।।बृ. पा. होरा. –योगाध्याय–श्लो. 34 ।।

जिस जातक की पत्रिका के "उत्तमवर्ग" भाग में ग्रह हों तो वह प्राणी सभी प्रकार से निरोग रहता है।

योग कारक ग्रह : मंगल,शुक्र,राहु योग की संभावना : 3 में 1

आपकी पत्रिका में ग्रह "उत्तमवर्ग" में स्थित है। फलस्वरूप आप सभी प्रकार से निरोग रहेंगे।

सिंहासनांश योग

''सिंहासनस्थः कुरुते विभूतिम् ''

।। बृ. पा. होरा. –योगाध्याय–श्लो. 34 ।।

जिस जातक की पत्रिका में "सिंहासनांश" भाग में ग्रह स्थित हो, तो वह प्राणी ऐश्वर्य देता है।

योग कारक ग्रह : बुध योग की संभावना : 4 में 1

आपकी पत्रिका में पूर्णरूपेण "सिंहासनांश" योग का सृजन हो रहा है। फलस्वरूप आप विभूति (धन–दौलत, राज–पाट) से युक्त सभी प्रकार से राजसुख से युक्त होंगे। अर्थात् आप ग्राम

प्रखण्ड एवं जिला प्रधान होंगे।

वासि योग

''व्ययखेटैर्वाशि दिनेशात्।''

।। बृ. पा. होरा. –योगाध्याय–श्लो. 51 ।।

यदि जन्मपत्रिका में सूर्य से बारहवें भाव में कोई ग्रह हो तो "वासि" योग का निरूपण होता है।

योग कारक ग्रह : बुध,केतु,सूर्य योग की संभावना : 3 में 1

आपकी पत्रिका में पूर्णरूपेण "वासि" योग का सृजन हो रहा है। फलस्वरूप आपकी दृष्टि मन्द अर्थात् आपमें दृष्टिदोष रहेगा। आप परिश्रमी, नीचेदेखनेवाला एवं असत्यवादी होंगे।